

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 8] No. 8] नई विश्लो, शनिवार, फरवरी 23, 1985 (फाल्गुन 4, 1906)

NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 23, 1985 (PHALGUNA 4, 1906)

इस भाग में भिरत पृष्ठ संख्या वी जानी है जिसमें जि यह अलग संज्ञलन के कर में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग [[]---खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Court), the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लोक नेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनौंक 17 जनवरी 1985

सं० ए० 12023/1/85-प्रणा० II-अध्यक्ष, लोक सेवा आयोग, एतद्द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० से० के स्थाई अनुभाग अधिकारी सर्वश्री बी० एन० अरोडा, आई० पी० तुली श्रीर के० एल० सूरी को रू० 1100-50-1600 के वेतनमान मे 1-1-1985 से 30-6-1985 तक छ महीने की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उप निदेशक ग्रुप 'क' राजपितत के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

उप-निवेशक के पद पर इनकी नियुक्ति स्थानापन्न की शतौं पर है और इनका वेतन समय समय पर यथासंशोधित वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) के० आ० का० सं० एफ० । (II)-ई० III(बी०)/75 दिनाक 7-11-1975 के उपबन्धों की शतौं के अनुसार विनियमिन होगा।

एम० पी० जैन, अवर सम्बद (प्रशा०) कृते अध्यक्ष केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी 1985

सं० 4ई पी० आर० एस० 601'—सीमा, उत्पाद मुल्क भीर स्वर्ण (नियंत्रण), अपील अधिकरण, दिल्ली पीठ, नई दिल्ली में उनका निजी सचिव के पद का वेतनमान रु० 650—1200 में प्रतिनियुक्ति के आधार पर अनुवर्ती चयन हो जाने पर, केन्द्रीय सतर्कता आयोग के स्थाई दरिष्ठ निजी सहायक, श्री के० एस० देकटाचलम, की सेवाये नीमा उत्पाद मुल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अपील अधिकरण, नई दिल्ली को 31 जनवरी, 1985 (अपराह्न) से मौपी जाती है।

सं० 2/14/83-प्रशासन — केन्द्रीय सनर्कता आयुक्त एनद्द्वारा केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) श्री घरण कुमार सूरी को केन्द्रीय सनर्कता आयोग मे तकनीकी परीक्षक के पर पर कि 1100-50-1600 के वेसन मान तथा रू० 200/- प्रतिमाह विशेष वेतन पर (स्थानापन्न रूप से) दिनाक 31 दिसम्बर, 1984 (अपराह्न) से अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं।

सं० 1 जीपी० आर० एस०-603:--भारतीय सीमेंट निगम, नई विल्ली, में सतकंता अधिकारी के पद पर अनुवर्ती चयन हो जाने पर, केन्द्रीय सतकंता आयोग के श्री ऋषि कुमार रिहानी, स्थाई निजी सहायक, तथा स्थानापन्न वरिष्ठ निजी सहायक को 31-1-1985 (अपराह्न) से अपने कार्य-भार से मुक्स किया जाता है।

> कृष्ण लाल मल्होता, अवर सन्दिक, कृते केन्द्रीय सतकता आयुक्त

गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० सु० विभाग के० अ० ब्युरो

नई दिल्ली, विनांक 28 जनकरी 1985

सं० ' ए/22013/1/84-प्रशासन-5:—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक विशेष पुलिस स्थापना ने निम्नलिखित पुलिस निरीक्षकों को उनके नामों के सम्मुख दी गई तिथि से अगले आदेश तक के लिये पूर्णतः तदर्थ बाधार पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में स्थानापन्न पुलिस उपाधिक्षक के रूप में सहर्ष नियुक्त किया है।

अधिकारी का नाम	शाखा जहां पर तैनात किया गया	तदर्थ प्रोन्नति की ति यि
सर्वभी		
1. बी० के० शुक्ल	सी० आर्ड० यू० (1)	26-11-1984
2. एन० कें० सिंह	एस० आई० सी०	4-12-1984
 जे० एस० चौधरी 	एस० आई० सी०	21-1-1985
4. विश्वजीत साहा	सी० आई० यू० (2)	19-12-1984
 एम० एम० कौशिक 	सा० अ० स्कंध, दिल्ली	30-11-1984
6. जंगी लाल	एस० आई० सी०	24-11-1984 (अपराह्न)
7. श्रवण कुमार	सी ं वाई० यू० (एफ०)	10-1-1985
8. आर० के० सरन	एस० आई० सी०	19-1-1985

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई विल्ली-110003, विनोक 30 जनवरी 1985 सं० मो० दो० 1972/84-स्थापना:—डाक्टर रिवन्द्रा नाथ कामन की नियुक्ति जो कि इस कार्यालय की अधिसूचना

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यरो

सम संख्या दिनांक 19-1-85, तदयें रूप से दिनांक 4 जनवरी, 1985 पूर्वाह्म से की गई है वह निरस्त की शासी है।

> एय॰ पी॰ जखमोला, सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशालय केन्द्रीय भौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 29 जनवरी 1985

सं० ई-32015(3)/11/84-कार्मिक-1:-राष्ट्रपति, जी० एस० सन्धु को 31 दिसम्बर, 1984 के अपराह्म से 26-3-1985 तक की अवधि के लिये या ऐसे समय में नियमित नियुक्तियों किये जाने तक, जो भी पहले हो, के० घौ० सु० ब० यूनिट, डी० टी० पी० एस० दुर्गापुर में कमांबेंट के रूप में पूर्णतया तदर्थ तथा अस्थाई आधार पर नियुक्त करते हैं।

[।] दिनाँक 1 फरवरी 1984

सं० ई-29020/2/82-कार्मिक-1:--राष्ट्रपति निम्म-लिखित अधिकारियों को प्रत्येक के सामने दिखाई गई तारीख से केन्द्रीय घौद्योगिक सुरक्षा बल में मूल रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

सर्वधी

(क) ईप्रवर सिंह	20-1-73
(ख) एम० एस० बोस	2-12-73
(ग) एन० एन० डी० कौल	2-12-73
(घ) डी० एस० ट्रेजर	21-6-74
(इ) एस० एन∙ गंजू	21-6-74

2. इस मुख्यालय के दिनांक 25 जून, 1982 के सम-संख्यक अधिसूचना के कम संख्या 1, 2, 3, 4, श्रीर 6 पर दिये गये उपरोक्त अधिकारियों के नाम एतव्हारा काटे जाते हैं।

> एस० आनन्द राम, महानिदेशक, के० भ्रौ० सु० ब०

पुलिस अनुसन्धान एवं विकास ब्यूरो

^क नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1985

में सिं 13/6/81-प्रशा०-1:--महानिदेशक, पृलिस े अनु-सन्धान एवं विकास ब्यूरो, श्री एन० पी० गृष्ता, पृलिस उग्रधीशक (नदर्थ) को, पृलिस अनुसन्धान एवं विकास ब्यूरो को स्थानापन्न क्षमता के अन्तर्गत पुलिस उपाधीक्षक के पद पर वेतनमान ६०650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 में दिनांक 4-7-1977 (अपराह्म) से नियुक्त करते हैं। 2. यह भारत सरकार के कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग के डायरी सं० 4074/84 स्था० (डी०) दिनांक 2 2~1~1985 के अशानुसार जारी किया जा रहा है।

डी० मजुमदार, संयुक्त सङ्घायक निदेशक

भारतीय लेखापरीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय महालेखाकार-1 (ग्रंकेक्षण) बिहार पटना, दिनांक 29 जनवरी, 1985

'सं० प्रशासन-1 (श्रंकेक्षण)-20-5-2407:—महालेखा-कार-1, (श्रंकेक्षण), बिहार, पटना, अपने कार्यालय के अनुलग्न 1 सूची में श्रंकित अनुमाग अधिकारियों दिनांक 1-3-1984 (पूर्वाक्ष) या पदभार ग्रहण की तिथि जो बाद में हो, से अगले आदेश तक रुपये 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040 के वेतनमान में स्थानापन्न सहायक श्रंकेक्षण अधिकारी (ग्रुप ख) राजपतित के पद पर सहुष्णं पदोन्नस करते हैं।

> ज० घटणी, उप महालेखाकार (प्रा०) श्रंकेक्षण बिहार

सूची 1

अनुभाग अधिकारी से सहायक सर्वेक्षण अधिकारी के रूप में पदोन्नत सदस्यों की सूची

कमासं०

नाम

सर्वश्री 🏓

- 1. शिव पूजन प्रसाद नं० 1
- 2. विनेश नन्द बहादुर
- 3. मुब्रिका प्रसाद सिंह,
- 4. अनिल चन्द्र हजारी
- 5. अब्दुल गफ्फार खान
- 6. मो० बिसियार अहनद
- 7. बुद्धिनाच मा
- 8 भरत मा
- 9. इन्द्रदेव प्रसाद सिन्हा
- 10. भूपल भट्टाचार्य
- 🗸 11. कृष्ण कुमार बोस
 - 12. बुद्धि चन्द्र सिंह
 - 13. जितेन्द्र कुमार सेनगुप्त
 - 14 सन्तोष कुमार मोदक नाग
 - 15. मुस्तफा हुसैन नौशाद
 - 16. कृष्ण किशोर वर्मा
 - 17. क्षेत्र मोइन हल्दर
 - 18 सत्य नारायण चौधरी
 - 19. महेन्द्र प्रसाद गुप्ता
 - 20. बागेश्वरी चरण

ऋम सं०

नाम

सर्वश्री

- 21. जगवा नन्द प्रसाद
- 22. कृष्ण चन्द्र सिन्हा
- 23. ध्रुव नारायण दास
- 24. सदा नन्द झा
- 25. सुधिन्द्र नाथ बनर्जी
- 26. निमाई चन्द्र घोष
- 27. द्वारिका कान्त चौधरी
- 28. लखनदेव मिश्रा
- 29. राम ध्यान शर्मा
- 30 सगीर आलम
- 31. राजवंशी दास
- 32. किशोरी लाल सोनार
- 33. कमला कान्त सा
- 34. अनवरूल गनी
- 3.5. शतुषन सा
- 36 देवकी नन्द प्रसाद गुप्ता
- 37. राधा कृष्ण चौबे
- 38. गोपी नाय बनर्जी
- 39. मधुसूदन शर्मा
- 40 सैबाल चन्द्र सेन
- 41. शैलेन्द्र कुमार सिन्हा
- 42. परेश चन्द्र विश्वास
- 43. कृष्ण मोहन कुमार
- 44. भन्द्र देव झा
- 45. नूपेन्द्र नारायण गुहा
- 46 सतीश चन्द्र खरे
- 47. मथुरा प्रसाद सिन्हा
- 48. सलन ठाकुर
- 49. चन्द्र मोहन सिंह
- 50. सुनिल रंजन बनगी
- 51. अशीम कुमार बनर्जी
- **52. बकुण्ठ** पाण्डे
- 53. बजरंग सहाय
- 54. सोम नाथ कबिराज
- 55 अशोक कुमार भट्टाचार्य
- 56. बिमल चन्द्र चौधरी
- 57. फबरे आलम
- 58 सागर कुमार सैन
- **59.** स्वप्न पद गांगुली
- 60 शैलेन्द्र कुमार वर्मा
- 61. श्लीकान्त पाण्डे
- 62. कमला प्रसाद
- 63. चितरंजन बनर्जी
- 64. सुरेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव

कम सं० नाम	ऋम सं० नाम	
सर्वेश्री	सर्वेश्री	
65. देवेन्द्र नारायण स्नाल	110 गोपाल कृष्ण बनर्जी	
66. निमाई चन्त्र बनर्जी	111 मदन मोहन प्रसाद नं०-2	
67. प्रमोद नारायण क्षा	112 राजेन्द्र प्रसाद कुमार	
68. कैलाश प्रसाद	113 श्री नारायण सिंह	
69. कपिल देव प्रसाद	114 राम नारायण खती	
	115 रामवेत्र तिवारी	
70. कृष्ण नन्दन प्रसाद नं० —3	116 ईएवरी चन्द्र	
71. विष्णु देव प्रसाद नं० 2	117 हादी रजा सिद्दीकी	
72. बहा नन्द प्रसाद	118 देव कुमार बनर्जी	
73. राणा प्रताप सिन्हा	119. मो० मसूद भालम	
74. श्री कान्त वैद्य	120. भिक्त पद राग	
75. अब्दुल बहाव	121. बाल कृष्ण राय	
76. मौ॰ दरमान अन्सारी	122. श्याम सुन्दर मिश्रा	
77. दर्या नन्द प्रसाद वर्मा	123. सरयुग प्रसाद नं० -3	
78. पारदा नन्द झा	124. मिव चन्त्र प्रसाद	
79. बासुदेव गीस्वामी	125 राम स्वरूप साहनी	
80. सुरेश चन्द्र वर्मा	126 तपेश्वर प्रसाव	
81. सत्य बत गुप्ता	127. श्री प्रकाश लाल	
82. शेखा यासीन अन्सारी	128 श्रली इमाम	
83. लखन लाल गर्मा	129. सुरेन्द्र नाथ जायसवाल	
84. गिव टहल नाथ मिश्रा	130. जयन्त मुखर्जी	
85. लिलतेभ्वर प्रसाद विश्यत	131. वीरेन्द्र चन्द्र बागची	
86. जवाहर लाम सिंह	132. शिव शंकर प्रसाद गुप्ता .	
87. अजित कुमार राय	·	
88. ईप्वर दयाल सिन्हा	133. दुन्नू लाल 134. सन्चिदा नन्द सिन्हा नं०-3 ⁻	
89. नारायण चन्द्र घीष	135. राजेन्द्र प्रसाद नं०-4	
90. बद्री नारायण सिनहा	136. केदार नाथ सिवारी-	
91. शशि भूषण प्रसाद नं० 1	137. हारून रशीद	
92. शिंश कान्त त्रिपाठी	138. राम चन्त्र प्रसाद गुल्ला	
93. रामेश्वर कुमार मण्डल	139. मो० हवीनुर र हमा न	
94. रिषन्द्र कुमार लाल	133 नार हवानु र रहनान 140 राम नन्दन सिंह	
95. राजेश कुमार श्रीवास्तव	140. राम पायम स्तर् 141. हरि शंकर चौधरी	
96. सरगुन प्रसाद	142. शलेन्द्र कुभार सिन्हा	
97. गौर लाल बत्ता	143. राम प्रताप सिन्हा	
98. हर्व्युस्ला अन्सारी	144 नरेन्द्र राम	
99. सच्चिदा नन्द चौधरी	145 राजेन्द्र प्रसाद सिन्हा न 3	
100 रमेन्द्रं नाथ चटर्जी	148. राम लखन प्रसाव सिंह	
101. प्रभात रंजन रंमजूमदार	146. राम जवन प्रसाद सिन्हा 147. कपिलेम्बर प्रसाद सिन्हा	
102. द्वारिका भगत	·	
103. भदन मोहन प्रसाद नं०-1	148 प्रताप देव सिंह	
104. तपेण्यर मिश्रा	149. भूपेन्द्र झा 150. राजेश्वर प्रसाद नं०—4	
105 मिथिलेखर सहाय	_	
106 मनिन्द्र नाथ चटर्जी	151. राधा कृष्ण मिश्रा	
107. महेन्द्र नारायण श्राजाद	152. कृष्ण मुरारी प्रसाद	
108 जनार्दन प्रसाद श्रीवास्सव	153 सिद्धेश्वर प्रसाद नं० +2	
109. देवेन्द्र नारायण सिंह	154. सैयव इकवास धहुमव	

	क्रम सं० नाम
कम सं० नाम	सर्वेश्री
सर्वेश्री	199 श्रणोक कुमार मुखर्जी
155. गजेन्द्र प्रसाद सिंह नं ० –1	200 श्रीपति डे
156. रुद्र कुभार सहाय	201 नृपेन्द्र लाल बरूमा,
157. जयपति सिन्हा	202 जगन्नाथ माहेश्वरी
158 मो॰ युसुफ भ्रन्सारी	203 देव नन्दन सिंह
159 रवीन्द्र नाथ सिंह	204 रमेश कुमार सिन्हा
160 मौ० कासिम मोहनवी	205. कृष्ण नन्दन प्रसाद नं० ~2
161. रबीन्द्र नाथ झा (रमन)	206 शिव शंकर शर्मा
162 रामानुग्रह नारायण प्रसाद	207. गजेन्द्र नारायण सिंह नं०-1
163 सुदामा प्रसाद सिंह	208 राम याद सिंह
164 जीवछ मिश्रा	209 गौरी गंकर तिवारी
165 खगेन्द्र नाथ मजूमदार	210 किशोरी चन्द मेहरोत्ना
166 दिलीप भट्टाचार्य	211 जगदीश नारायण प्रसाव
167 राम बिलास साह	212 सदानन्द पाल
168 सुरेन्द्र पाण्डे	213 गुना नन्द मा
169 जयनारायण प्रसाद सिन्हा	214 ग्रलख निरन्जन प्रसाद ग्रम्बस्ट
170 प्रहलाद प्रसाद गुप्ता	215 बैजनाथ प्रसाद गुप्ताः 🕐
171 राम प्रवेश शर्मा	216. सुरेण लाल दास
172 दिनेण चन्द्र दास	217 मुरली मनोहर शर्मा
173. गोपाल चन्द्र भट्टाचार्य	218 मी० मुस्तफा
174 राज कुमार चौधरी	219 हरेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव
175 रामा नन्द हा।	220 रतनेएवर का
176. रतिश चन्त्र, झा	221 ललितेश्वर स्निवेदो
177. चन्द्र भूषण प्रसाद सिंह	222. कृष्णा नन्द मल्लिक
178. जटाधर [े] सिंह	223 भ्राखिलेश्वर प्रसाद
179. रामावतार मा	224. भगवान प्रसाद शर्मा
180. बासुदेव् राय	225. सिद्धेश्वर प्रसाद नं०-1
181. हेम कान्त झा	226. बिनोद ्कुमार सिन्हा
182. रविन्द्र किसोर प्रसाद सिंह	227. श्याम किशोर प्रसाद
183. मथुरा प्रसाद	228 विनय कुमार सिन्हा
184. भवधेश कुमार श्रीवास्तव	229. विजय कुमार सिंह
185 जटा मंकर मा	230. श्री प्रणव कुमार राय
186. सत्य नारायण प्रसाद नं० -2	231. श्रादेव लाल दास
187. विभूति भूषण सेनगुप्ता	232. नागेन्द्र प्रसाद सिन्हा नं०-2
188. श्रमिय रंजन चौधरी	233. प्रणान्त कुमार सिन्हा नं०1
189. राम चन्त्रमा सिंह	234 रामेण्यर प्रसाथ सिंह
190. राम नन्दन प्रसाद मं०-1	235. राजेन्द्र प्रसाद सिंह
191. धना वी कृष्ण देव	236 लक्ष्मी कान्त मिश्रा
192. परितोष चक्रवर्ती	237 तारा कान्त कुमार
193. केदार नाथ प्रसाद सिन्हा	238. बद्री नारायण सिंह
194. सेपद जे नुल भवे दिन	239. खरा नन्द झा
195. कपिल देव गिरि	240 शिश मेखार लाल दाम
196. नवरसन सिन्हा	241. धर्म देव सिंह
197. चन्द्रेश्वरी प्रसाद सिंह नं०-1	242 प्रभिमन्यु राष
198. जनदिन प्रसाद सिंह नं०-2	243 नवल किशोर प्रसाद
150 जनावन अवाप स्वष्ट् नण्-८	244. सुप्रीव प्रसाद साहू

ऋम सं० नाम
सर्वश्री
^{245.} प दन मॉहन डे ,
246 भुनेम्बर प्रसाद साव .
2.47 श्री राम मण्डल
248 सत्यदेव शुक्ला
249 सीता राम प्रसाद
250 श्राप्त डी० यादव
ं 251. फणि भूषण दत्ता े
252. राक्षा कृष्ण प्रसाद नं०—2
253 धर्म नाथ प्रसाद सिन्हा
264. योगेश चन्द्र श्रम्बन्टा
255 नरेन्द्र प्रसाद शर्मा
256. कृष्ण ,बरूलभ प्रसाद
257. मो० ताहा
258 श्री नन्दन प्रसा द दर्भा
259 स्थामल कुमार देवगुप्ता
260 मो० मोशरफ इमा म
261. रमेन्त्र कुमार .
262 सूरज भूषण प्रसाद सिन्हा
263 रंग बिहारी सिंह

ह० ग्रपठनीय मंकेक्षण मधिकारी

कार्यालय महालेखाकार (लेखा)-1, बिहार रांची, दिनांक 23 जनवरी, 1985

सं०प्र-०प्र-2876:— महालेखाकार, (लेखा-1), बिहार, रांची, ग्रपने कार्यालय के स्थाई ग्रनुमाग अधिकारी श्री वीपक कुमार दत्ता, की अपने कार्यालय में दिनांक 31-12-84 के पूर्वाह्न से ग्रगले ग्रादेश तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर ६० 840-40-1000-६० रो०-40-1200 वेतनमान में सहुर्ष पदोन्नत करते हैं।

कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीका)

. ग्वालियर, दिनांक 11 जनवरी, 1985

से कार्यभार प्रहण करने के दिनांक से भ्रामामी भावेश तक पदोक्षत किया गया है:

नाम	भा वंटन	स्थाई ऋ मां क	कार्यभार ग्रहण क प् ने का दिनांक
1. श्रीसीए	ল •	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	
क श्य प	म०ले० (ले	01/327	20-12-8
	प०) प्रथम		(पूर्वाह्न)

ह०/---अपठनीय उप महालेखाकार (प्रशासन)

उद्योग मंत्रालय

भौद्योगिक विकास विभाग

विकास म्रायुक्त (शयु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी, 1985

यूनिडों के अधीन, 4 अरब देशों में, सब कान-ट्रिक्टग एक्सचेंज आपरेशन में, 2 माह व 15 दिन की अवधि के लिये, परामर्शदाता के रूप में कुई नियुक्ति पर चले जाने श्री एस० के० शर्मा ने, दिनांक 11-1-1985 (अपराह्म) से, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली में निदेशक, ग्रेड-II) (विद्युत) के पद का कर्यभार छोड़ दिया।

सं० 12(317)/62-प्रशा० (राज०):--राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान बम्बई के उप-निवेशक (भोद्योगिक प्रबन्ध प्रशिक्षण) श्री माई० सी० बोराल को, सेवा निवृत्ति की मायु पूरी हो जाने पर, दिनांक 30-11-1984 (पूर्वाह्म) से, सरकारी सेवा से निवृत्त होने की प्रनुमति देते हैं।

सं 12(530)/66-प्रशा (राज)-खण्ड II:-राष्ट्रपति लवु, उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास के उप निवेशक
(निर्यात संवर्धन) श्री एस० के० इसाक को, सेवानिवृत्ति
की भाय पूरी हो जाने पर, दिनांक 31-12-1984 (भपराह्म)
से, सरकारी सेवा से निवृत्त होने की श्रनुमति वेते हैं।

सं० ए-19018(742)/84-प्रशा०(राज०):--राष्ट्रपति श्री सत्यपाल को दिनांक 29-12-84 (पूर्वाह्न) से ग्रगले प्रादेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, करनाल में सहायक निदेशक ग्रेड-1 (इलक्ट्रानिक्स) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> सी० सी० राय, उप निदेशक (प्रशा॰)

पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय (प्रणासन धनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनाक 29 जनवरी, 1985

सं० ए--6/247(601)/77:--राष्ट्रपति, उप निदेशक, निरीक्षण (वस्त्र) भागुतीय निरीक्षण सेवा, ग्रुप (ए के ग्रेड II) (वस्त्र शाखा) श्री पी० के० बसु को दिनांक 9-12-84 के पूर्वाह्म से ग्रंगले ग्रादेश दिये जाने तक 1500-60-1800-100-2000 ६० के वेतनमान में निदेशक, निरीक्षण, भारतीय निरीक्षण सेवा, ग्रुप "ए" के ग्रेड-1 के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. निदेशक, निरोक्षण, भारतीय निरीक्षण सेवा, मुप "ए०", के ग्रेड-1 के रूप में श्रो पी० के० वसु की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा दायर की गई दिल्ली उच्च न्यायालय में विचाराधीन तीन एल० पी० ए० संख्या 67/83, 68/83 और 69/83 तथा रिट याचिका संख्या 3001/83 और 35/83, जो उप निदेशक निरीक्षण, श्रो एस० सी० श्रानन्द द्वारा वम्बई उच्च न्यायालय में दायर की गई थी श्रौर धव दिल्ली उच्च न्यायालय में स्थानातरित की गई है तथा दिल्ली उच्च न्यायालय में प्रभो विचाराधीन है पर धन्तिम निर्णय होने के श्रधीन होगी।

3. श्री बसु ने कलकत्ता निरोक्षण मण्डल, कलकत्ता मे दिनांक 6-12-84 के भ्रपराह्म से उप निदेशक (वस्त्र) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है श्रीर 7-12-83 की पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में निरोक्षण निदेशक के पद का कार्यभार संभाला लिया है।

> एस० एल० कपूर, उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पान ग्रीर खान मंत्रालय इस्पात विभाग लोहा ग्रीर इस्पात नियंत्रण,

कलकत्ता-20, दिनांक 28 जनवरी, 1985

सं० ६-2(2)/85(.):--श्रधोहस्ताक्षरकर्ता एतद्वारा श्री पी० एन० मजूमदार, मधीक्षक को दिनांक 22-1-1985 के पूर्वाह्म से धस्याई प्राधार पर सहायक लोहा श्रीर इस्पात नियंत्रक के पद पर इस कार्यालय में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

> दोपक कुमार घोष, लोहा श्रोर इस्पात नियंत्रक

(खान विभाग)

भारताय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण कलकत्ता-700016, दिनाक 30 जनवरी, 1985 सं० 732 बी/ए-19012(के० एस० बी०)/81--19

बी०:--श्रो के० एस० बेनहर, सहायक भूभौतिकी बिद मध्य,

क्षेत्र, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, नागपुर को एम०ई० मी० लिमिटेड में भूभौतिकोविद के पद का कार्यभार ग्रहण करने हेतु दो वर्ष के लियन पर 31-7-84 (ग्रपराह्म) से मुक्त किया जा रहा है।

श्रमित कुशारा निदेशक (कामिक)

भारतीय खान अयूरी

नागपुर, दिनांक 29 जनवरी, 1984

सं० ए०-19011(240)/78-स्था० ए०:---राष्ट्रपति श्री बाई० पी० दुबे, स्थानापन्न सहायक खान नियंत्रक को भारतीय खान ब्यूरी में उप-खान नियंत्रक के पद पर दिनांक 14 जनवरी, 1985 के पूर्वाह्म से, तदर्थ श्राधार पर 6 माह के लिये या उस पद को विभागीय पदोन्नत समिति/ संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो, सहर्षे नियुक्त करते हैं।

> पो० पो० वादी, प्रशासन ग्रधिकारी कृते महानियंत्रक

म्राकाशवाणी मध्य निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 जनवरी, 1985

सं० 4/5/82-एस-2:---श्राकाणवाणी महानिवेशालय की अधिसूचना संख्या 4/5/82-एस-2 दिनांक 15 सितम्बर, 1982 के अनुक्रम में, महानिवेशक श्राकाणवाणी श्री इन्द्र भूषण प्रसाद, अनुसन्धान सहायक, केन्द्रीय हिन्दी निवेशालय, नई दिल्ली, जीकि वर्तमान समय प्रतिनियुक्ति पर तदर्थ रूप में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रूपये के वेतनमान में हिन्दी श्रिकारी के पद पर श्राकाणवाणी, णिमला में कार्य कर रहे हैं, की प्रतिनियुक्ति को 1 सितम्बर, 1983 से अगले श्रादेशों तक दो वधीं के लिये बहाते हैं।

मोहन फांसिस, प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 जनवरी, 1985

सं० ए० 38013/6/84-प्रशासन-कि—मेवा निर्वतन की ग्रायु हो जाने के फलस्यकप, श्रो एचा डो० जोगी, ग्रनुभाग ग्रधिकारी, स्वास्थ्य सेवा महानिद्धालय, 31 दिसम्बर, 1984 ग्रयराह्म से सरकारो सेवा से प्टि।य'ट हो गये हैं।

> पो० एन० ठाकुर, उप निदेशक प्रशासन

नई विल्ली, दिमांक 1 फरवरी, 1985

सं० ए० 12026/10/83-पो० एच (सी० डी० एण्ड एल०):—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री चरण सिंह भाटी को 31 दिसम्बर, 1984 (पूर्वाह्म) से प्रागामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के श्रधीन राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यत्रम दिल्ली में हिन्दी श्रधिकारी के पद पर अस्थाई श्राधार पर नियुक्त किया है।

नारायण सिंह, उप निदेशक, प्रशासन पी० एच०

कृषि मंत्रालय

(कृषि एवं सहकारिता विभाग) वनस्पति, रक्षा, संगरोध और संग्रह निवेशालय . फरीदाबाद, दिनांक 30 जनवरी, 1985

सं० 7-11/84-प्र० म्रनु० प्रथम:—स्याई पौध संगरोध
निरीक्षक श्री म्रार० पी० जोली जो वनस्पति रक्षण, मंगरोध
तथा संचयन निदेशालय, में तदर्थ ग्राधार पर सहायक कोट
विज्ञानी के राजपित पद पर कार्य कर रहे थे, सेवा निवृत्त.
की ग्रायु पर पहुचने पर दिनांक 31-12-84 (ग्रपराह्न)
को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

मं० 7-18/84-प्र० ध्रनु० प्रथम:—स्थाई तकनीकी सहायक (कीटविज्ञान) श्री सी० एस० ग्रोवर जो वनस्पति रक्षण, संगरीध तथा संचयन निदेशालय, फरीदाबाद में तदर्थ ध्राधार पर महायक कीट विज्ञानी के राजपित्रत पद पर कार्य कर रहे थे, सेवा निवृत्त की श्रायु पर पहुंचने पर दिनांक 31-12-1984 (ध्रपराह्म) को मरकारी सेवा से निवृत्ति हो गये हैं।

एस० पी० कुटार, मुख्य प्रशासनिक श्रधिकारी

ग्रामीण विकास मंत्रालय

विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 30 जनवरी, 1985

सं० ए० 19025/1/85-प्र० [N:—संघ लोक सेवा ध्रायोग की संस्तुतियों के ध्रनुमार कृषि विषणन सलाहकार, भारत सरकार द्वारा श्री बिनय कुमूार पती को इस निदेणालय के ग्रधीन, नई विक्रती में 7-12-84 (पूर्वाह्न) से ध्रगले ध्रादेश हीने तक स्थानापन्न सहायक विषणन श्रधिकारी (वर्ग 1) के रूप में नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/2/85-प्र.-III:--संघ लोक सेवा ग्रायोग की संस्तुतियों के श्रनुसार कृषि विषणन सलाहकार. भारत सरकार द्वारा श्री चित्तरंजन जेंना को इस निदेशालय के श्रधीन विशाखापत्तनम में 26-12-84 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विषणन अधिकारी (वर्ग I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/385-प्र० III — सघ लोक सेवा प्रायोग की संस्तुतियों के प्रमुसार कृषि विषणन सलाहकार, भारत सरकार, द्वारा श्रो एस० श्रार० मीना को इस निदेणालय में दिनांक 5-1-1985 (पूर्वाह्म) से प्रगले श्रादेण तक स्थानापन्न सहायक विषणन श्रिधकारी (वर्ग I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

जे० कृष्णा, निदेशक प्रशासन, कृते कृषि विपणन सलाहकार

महानिदेशक नागर विमानन का कायिलय

नई बिल्ली, दिनांक 1 फरवरी, 1985
सं ए उ 32013/1/84-ई ॰ रि:—राष्ट्रपति, ने श्री
एस० बलराम, संचार निदेशक (पो० एण्ड ई०) की दिनांक
16-11-1984 से श्रीर श्रगले श्रादेश होने तक महानिदेशक
नागर विमानन, मुख्यालय कार्यालय मे उप महानिदेशक नागर
विमानन के पद पर नियमित श्राधार पर नियुक्त किया है।
वी० जयचन्द्रन,
सहायक निदेशक श्रशासन

परमाणु ऊर्जा विभाग परमाणु खनिंज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 28 जनवरी, 1985

सं० प० ख० प्र-16/8/85-भर्ती:—निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्द्रारा परमाणु खनिज प्रभाक के स्थाई महायक एवं स्थानाक्त्र लेखापाल श्री पी० एन० शर्मा को उसी प्रभाग में सहायक लेखा प्रधिकारी श्री च्यू० पालयामी के छुट्टी पर चले जाने पर, 6 विसम्बर, 1984 से लेकर 25 जनवरी, 1985 तक सदर्थ रूप में स्थानापन्न सहायक लेखा प्रधिकारी के नियुक्त करते हैं।

एम'० पदमनाभन, वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा स्रधिकारी

मन्तरिक्ष विभाग

भारतीय भ्रन्तरिक्ष भ्रनुसन्धान संगठन (इसरो) (मुख्यालय)

बंगलोर-560009, दिनांक 20 दिसम्बर, 1984

मं० मुख्यालय प्रशासन: 12.25 — इसरो परिषद के सदस्य सचिव, शार केन्द्र, श्री हरिकोटा के लेखा सहायक ख" श्री मी० रामणा रेड्डी को सहायक लेखा श्रीधकारी के पद पर र० 650-30-740-35-880-६० रो०-40-

960 के वेतनमान में अन्तरिक्ष विभाग के इसरो मुख्यालय बंगलीर में दिनांक सितम्बर 17, 1984 के पूर्वाल्ल से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

> भार० एस० सुक्रमणियन प्रशासन श्रक्षिकारी—II

इसरो उपग्रह केन्द्र,

बेंगलूर-560017, दिनांक 31 जनवरी, 1985

सं० 020/85/कि:—स्थापना, इसरो उपग्रह केन्द्र के निर्देशक निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नाम के सामने विये गये पदों पर दर्शाई तिथियों के पूर्वात्न से अगले आदेश प्राप्त होने तक अस्थाई आधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

<u>क</u> म	સં o	नाम	पदनाम	तिथि
	श्री/कु०)		
1.	कु०म	ाला स्नाचार्य	वैज्ञानिक/ म्रा भयन्ता एस० बी०	22-06-1984
2.	ष्ठी० र	ाडजो	वैक्षानिक/श्राभियंता एस० खी०	13-08-1984
3.	वं}०र	ामस्वामी	वैज्ञानिक/ग्रभियन्सा एस० बी०	20-08-1984
4.	केशव	नायाक	वैज्ञानिक/ग्राभवन्सा एस० वी०	27-08-1984
5.	के० रा	म मूर्ति स्राचा	र वैज्ञानिक/ग्र भियन्ता एम० बी०	22-10-1984

सं० 020/I (15.4)/85:— स्थापना इसरो उपग्रह केन्द्र के निवेशक, श्रन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बेंगलूर के निम्नलिखित व्यक्तियों से प्राप्त त्याग पत्र उनके नाम के सामने दर्शाई गई तिथि के श्राप्ताह्न से सहर्थं स्वीकार करते हैं।

कम सख्या	नाम	पदना म 	ाताथ ————————
1. श्रीपी०	कोदण्डराम	वैज्ञानिक/ग्राभयन्ता एस० बी०	17-08-1984
2 श्री श्रार	भुरेश	वैज्ञानिक/प्रभियन्ता एस० बी०	16-61-1985

के० ६० रवीन्द्रनायन, प्रशासन प्रधिकारी-II

भारतीय भन्तरिक्ष भनुसन्धान संगठन भन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

भहमदाबाद-380053, दिनांक 8 जनवरी, 1985

सं० घ्रंजंके |स्था|3-19|84:—नियंत्रक ध्रत्सरिक्ष उपयोग केन्द्र ने निम्निलिखत पदाधिकारियों को घ्रन्तरिक्ष विभाग के उपयोग केन्द्र घहमदाबाद में प्रत्येक के नाम के ध्रागे दिये गये पद पर तथा दी गई तारीख के पूर्वाह्न से ग्रगले ग्रादेश तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है:—

नाम	पदनाम्	नियुनित तिथि
1. श्री के० बालकुण्णन	•	
2. श्रीसी० उन्नीकृष्णन	सहायक प्रशासन सेर्घ्याद्यकारी	26-11-1982
3. श्री एस० सेनगुप्ता	सहायक प्रशासन श्राधकारी	16-10-1982
4. श्री ए० एन० वैद्य	सहायक ऋय प्रधिकारी	9-8-1982
 श्री प्रमोद कुमार 	सहायक भण्डार प्रधिकारी	18-8-1983
6. श्री कें० यू० मेनन	सहायक प्रशासन प्रधिकारी	17-2-1983
 श्री एस० फिलोमिन राज 	सहायक ऋय ं भ्राधिकारी	23-2-1983
8. श्री ग्रार० ग्रार० नायर	सहायक प्रशासन श्रधिकारी	18-2-1983
9. श्री के० एस० नायर	सहायक प्रशासन भ्रधिकारी	27-12-1983
10. श्री एन०जी० मोकाम		1-9-1983
11. श्री सी० के० माह	सहायक लेखा प्रधिकारी	12-9-1985
12. श्री विश्वेष्वर दल	आवकारा हिन्दी अधिकारी	15-10-1985

सं० श्रंडके/स्था/3-19/84:---निदेशक श्रन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र ने निम्नलिखित पदाधिकारियों की श्रन्तरिक्ष विभाग के श्रन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र श्रहमदाबाद में प्रत्येक के नाम के श्रागे विये गर्ये पद पर तथा दी गई तारीख के पूर्वाह्म से अगले श्रादेश तक स्थानापन रूप से नियुक्त किया है:--

नाम	पदनाम	नियुक्ति तिथि
 श्री विनोदराय सी सन्ता 	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	1-4-1984
 मंनोज कुमार धार० ठाकुर 	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	1-4-1984

, नाम 	पदन≀म	नियुक्ति तिथि	नार	T	पदनाम	 नियुक्ति सिथि
ठाकुर	गुरा० ची-०	•	25.	- श्राध्मात्रकोत	 वैज्ञानिक/इंजीनियर	1-4-1984
 श्रीमती रागिनी वो 	वैज्ञानिक/इंज√नि यर	1-4-1984		सवसाणी:	एस० बो०	
णास्त्री	एस० वो०		26.	श्रो एम० पो०	वैज्ञानिक/इंजीनियर	28-11-1983
4. श्रीजै०मा० गुप्ता	वैज्ञानिक/इज नियर	1-4-1984		पधदल	एस० बोर	
-	म्म ० विके		27.	श्रो स्रोम प्रकाण	वैज्ञानिक/इंजीनियर	1-4-1983
 श्री मुधीर पा० टेल 	वैज्ञानिक्क/इंज <i>िय</i> ण	1-4-1983		शर्मा	एस॰ बी॰	
,	मन् व् व्याप्त		28.	श्रो ग्रतल पी० शक्ला	वैज्ञानिक/इंजीनियर	7-4-1983
 श्रीमत नोता के० 	त्रैज्ञानि ।/इजोनियर	1-10-1983			एस० बी०	, . 1000
सेट	ग्स० ब}ं∘		29.	थ) राजेश धीरजनाल	्वैज्ञानिक/इंजीनियर	13-6-1983
7. श्रो बलवन्त एच ^०	वैज्ञानिक/इंजी, नियप	1-10-1983		मृति	एस० बो०	10 0 1000
मिलिणिया	एप० बो०			ः । श्रीकेल्तेल्ड्यास	वैज्ञानिक/इंजीनियर	15-7-1983
8. श्रोमतो वन्दना श्राई	•	1-4-1984	00,	-41 (11141/4	एस० बी०	10 / 1565
पटेल	চ্নত আহি		31	श्री प्रदीप बी०	वैज्ञानिक/इजीनियर	28-7-1983
 श्री विनोदराय पी 	्रैज्ञानिक/इंजोनियर	1-4-1983	31.	खेकले	म्स ं बी ०	20-7-1963
प रमा र	म्स्टब ०	1 4 1500	. 20	श्री। भ्रानिलक् _र मार	्स० था० वैज्ञानिक/इंजोनियर	12-8-1983
10. र्थाः विनोद जीत	वैज्ञानिक/इंजोिन स र	1-10-1983	32.	वर्मा	्रशासक/इजा]नयर एस० बी०	12-8-1983
पंचासरा	भ्रम्बर्गातम् । भ्रम्भव बीर	1 10 7500	2.0	थन। श्रो जगदोश प्रमाद	•	00 0 1000
11. श्री भगवानजी बी०		1-4-1983	33.		वैज्ञानिक/ इंजीनियर सन्दर्भ	26-8-1983
बाकोरी	गुम् गुम् ० बी ०	1-4-1965		णिवहरे को कियान	एस० बी०	0.0 0 1000
भावतरा 12. श्री हिराजी भाटी०	•	1-4-1983		श्रो दिलीप कुमार	वै्ज्ञानिक/इंजीनियर	26-9-1983
	यशानिक इजानियर गुम्र बीठ	1-4-1983		आर० पटेल	एस० बी०	
	•		35.	श्रो भयन लालभाई	वैज्ञानिक/इंजीनियर	26-9-1983
	वैज्ञानिक/इंजोनियर	1-10-1983		भाह्	एस० बी०	
	गस् ० वा ।	•	3 6.	श्री हेमेन्द्र ग्रार०	वैज्ञानिक/इंजीनियर	31-10-1983
14 श्रो प्ररिवन्द एम०	वैज्ञानिक/इंजि}नियर	1-10-1983		कन्सारा	एस० बी०	
सचदे	एम० बो॰		37.	श्री डो० एन० विनोद	वैज्ञानिक/इंजीनियर	31-10-1983
15. श्री एम० एन० सत्य	वैज्ञानिक/इंजीनियर	1-4-1984			एस० बी०	
प्रकाण	ग्स० बी०		38.	श्री कें० के० जोशी	वैज्ञानिक/इंजीनियर	31-10-1983
16. श्रोमती वर्षाके०	वैज्ञानिक/इंजीनियर	1-10-1983			एस० बी०	
	एस० बी०			श्री चिराग पी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर	31-10-1983
17. श्रो रमणिक पो०	वैज्ञानिक/इंजीनियर	1_10_1093		दोवान	एस० बी०	
17. आ रमाणक पार झालाबाङ्या	गुस० बी ०	1-10-1905	40.	श्री डो० मार०	वैक्रानिक/इंजीनियर	16-11-1983
	=			गोस्वामो	एस० बो०	
18. श्रो जमना दास एम०		1-10-1983	41.	श्री दिपक कुमार	'वैज्ञानिक/इंजोनि यर	12-12-1983
गोपाणी	एस० बीठ			दास	एस० बो०	
19. श्री हसमुख के० टाक	•	1-10-1983	42.	श्रो रवि कुमार	वैज्ञानिक/इंजीनियर	12-12-1983
	एस० को०			प्र कावरापू	एस० बो०	
20. श्री मगन लाल एम०	वैज्ञानिक/ इं जोनियर	1-10-1983	43.	श्रीहेमन्त सी०	वैज्ञानिक/इंजोनियर/	3-1-1984
वार्धासया	एस० बार			गोहिल	एस० बी०	
21. श्री देवेन्द्र श्रार०	वैज्ञानिक/इंजोनियर	1-10-1983	4 4.	श्रो जयेश कुमार	वैज्ञानिक/इंजीनियर	4-1-1984
भिस्त्री	एस० बी०			एम० लाला	एस० बी॰	
22. श्री जेठालाल जी०	वैज्ञानिक/इंजोनियर	10-6-1982		श्री स्टेनले ग्राई०	वैज्ञानिक/इंजीनियर	1-4-1984
४४. श्रा जठालाच जाण ब क्रा णी	एस० बोल	20 0 1000	₩ .ਹ•	श्री म्ट्याल आस्य फिक	एस्० बी०	- , 1001
	•	1 4 1004	, -			1_ 4_ 1 0 0 4
23. श्रीएम० एच०	वैभानिक/इंजोनियर	1-4-1984		श्रोमतो शोभा नरेश	•	1-4-1984
ठाकर	एस० बोर	_		मोदी	एस० बी०	
24. श्रीमती श्रन्जना एच		1-4-1984		श्रीतिद्वल ग्राप्	वैज्ञानिक/इंजीनियर	1-4-1984
पटेल `	म्म० बोर			धारपुरे	एस०. बी०	

	नाम	पःनाम	नियुनित गिथि
48.	श्री ग्रसिम कुमार प्रसाद	 वैज्ञानिक/इजीनियर एस० बी०	10-5-1984
49 .	श्री माधव कालिया	वँज्ञा निक/इंजोनियर एस० बं1०	30-6-1984
50	श्री रवि विजय- वर्राजया	वैज्ञानिक/३ज . नियर एस० बी'०	16-7-1984
51.	श्री शान्तन कुमार दत्त	वैज्ञानिक/इर्ज\नियर एस० बी०	16-7-1984
52.	श्री चित्तरंजन दास	वैज्ञानिक/इंजोनियर एस० बी॰	16-7-1984
53.	श्री नितीन एस० ब्यास	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	16-7-1984
5 4 .	कुमारौँ ध नधा पी० श्रा ^र टे	वैज्ञानिक/इजीनियर गम ्ब ि०	18-7-1984
55.	श्री भ्रक्षिवनी कुमार शर्मा	वैज्ञानिक/इजीनियर एस० बो०	30-7-1984
	श्रो लक्ष्मण सिंह रोपिया	वैज्ञानक/इंजोनियर एस० बो०	30-7-1984

के० एस० कृष्णन, प्रणासनिक भ्रधिकार(--11 (स्था०)

सहायक नोदन प्रणाली यूनिट बंगलौर-560017, दिनांक 16 श्रप्रैल, 1984

स० 8/ 284-प्रशासन:—श्री शिव कुमार को महायक नोदन प्रणाली यूनिट, बंगलीर में महायक लेखा यधिकारी के पद पर ६० 650-30-740-35-880-द० रो०-40 960/— के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में दिनांक 22 फरवरी, 1984 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेश तक नियुक्त किया जाता है।

विनांक 23 ध्रम्तुबर, 1984

सं 12/49/76-प्रणासन.--श्रीमती एस० एन० भाग्य-लक्ष्मी को हिन्दी ग्रधिकारी के पद पर क०-650-30-740-35-880-द० रो०-40-960/-- के वेतनमान में स्थाना-पन्न रूप में दिनाक सितम्बर 25, 1984 के पूर्विद्व से भागामी श्रादेश तक नियुक्त किया जाता है।

> ए० ई० मु<mark>युनायगम,</mark> यार्थकम निदेशक

सिजिल उंगितियर प्रभाग

बगलीर-560009, दिना ह 11 दिसम्बर, 1984 सं० 6/39/84-र्नि० ई० प्र० (मुख्या०):--मुख्य इंजी-नियर. सिविल उर्नेरिनयरी प्रभाग, प्रन्तिरक्ष विभाग निम्न-लिखित प्रधिकारियों की प्रनारिक्ष विभाग के लिखिल इंजी-नियरी प्रभाग में महायक लेखा प्रधिकारों के पद पर स्थाना-पन्न रूप में उनके ना तो के नामन दी गई तारोखों से श्रागामी श्रादेश तक नियुक्त करने हैं --

सहायक लेखा श्रिधिकारों के पद पर पदोन्नत की तारीख
(पूर्वान्त्र)
14-9-1984
17-9-1984 (पूर्वाझ)

कें। एम। जाः। वारियर, प्रणासन प्रधिकारो कृते मुख्य द्वर्गानियर

इन्मेट-1 प्रधा। नियतण सुविधा दिगार 3 अप्रैल 1984

ह्मन-573201 दिनाक 03 अप्रैल, 1984 एम० सी० एफ० पणासन ए० जैंड

सं० जी० एन० 007 — पियोजना, निदेशक, इन्सेष्ट-1, अन्तरिक्ष खण्ड परियोजना, अन्तरिक्ष विभाग, कुमारी बी० झामी रानी को इनसेष्ट-1 प्रधान नियवण मुविधा, हसन में वैज्ञानिक/इजीनियर एम० बी० के पद पर दिनाक मार्च 27, 1984 के अपर हिन से आगामी आदेण तक नियुक्त करते हैं।

मं जी ० एन ० 008 --परियो दना, निदेशक, इनसेट-1, अन्तरिक्ष खण्ड परियोजना अन्तरिक्ष दिभाग, श्री ए० सी० मोहन्ती को इनसेट-1 प्रधान नियतण मुविधा, हसन में बैज्ञानिक इजीनियर/एस० बी० के एद पर दिनाक मार्च 31, 1984 के अपराह्न में आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

सं० जी ० एन० 009.—पीरयोजना निवेणक, इनसेट-1 अन्तिरक्ष एण्ड परियोजना अन्तिरक्ष विभाग, श्री जी ० एस० भर्मा को इनसेट-1 प्रधान नियंत्रण मुदिधा, हसन में वैज्ञानिक इजीनियर-एस० बी० । एद एर दिनांक 31 मार्च, 1984 के अपराह्म से आगामा आदेण तक तियुक्त तरने हैं।

सं० जी ० एन० 010: ----परियोजना निवेशक, इनसेट-1 अन्तरिक एण्ड परियोजना, अग्तरिक विभाग, श्री ए० के० श्रीवास्तवा को इनसेट-1 प्रधान नियंत्रण सुविधा, हसन में वैशानिक इंजीनियर/एस० बी० के पद पर विनांक 31 मार्च, 1984 के अपराह्म से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

सं जी एन 011:— परियोजना निदेशक, इनसैष्ट-1 अन्तरिक्ष खण्ड परियोजना, जन्तरिक्ष विभाग श्री पी० चिरू कन्डन को इनसैष्ट-1 प्रधान नियंत्रण सुविधा, हसन में बैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० के पद पर दिनांक 31 मार्च, 1984 के अपराह्म से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

संवजी । एन । 012: परियोजना निदेशक, इनसैंट-1, अन्तरिक्ष खण्ड परियोजना अन्तरिक्ष विभाग, श्री बी । जिन्नस्वामी को इनसैंट-1 प्रधान नियंत्रण सुविधा, हसन में वैज्ञानिक इंजीनियर एस । बी । के पद पर दिनांक 31 मार्च, 1084 के अपराह्म से आगामी आदेण तक नियुक्त करते हैं।

सं जी एन 018:—परियोजना निवेशक, इनसैट-1 अन्तरिक्ष खण्ड परियोजना, अत्तरिक्ष विभाग, श्री एच एस रंगास्कामी को इनसैट-1 प्रधान नियंत्रण सुविधा, इसन में वैज्ञानिक/इंजीनियर एम बी के पद पर दिनांक 21 दिसम्बर 1984 के पूर्वाह्म से आगामी आवेश तक नियुक्त करते हैं।

विनांक 8 जनवरी 1985

सं० जी० एन० 029:—-परियोजना निदेशक, इनसष्ट-1 अन्तरिक खण्ड गरेयोजना, अन्तरिक विभाग, श्री अनि शर्मा को इनसैट-1 प्रजान निज्ञण मुब्बिंग, इसन में वैज्ञानिक/ इंजीनियर-एस० बी० के पद पर दिनाक दिसेम्बर 21, 1984 के पूर्वीह्म से आगामी आवेण तक नियुक्त करते हैं।

वी०पी० श्री० निम्बयार, प्रशासन अधिकारी कृते परियोजना निवेशक

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 30 जनवरी, 1985

सं 1/271/84-स्था:--बम्बई के प्रशासन अधिकारी, श्री एस वेकटेश्वरन निर्वतन की आमु हो जाने पर 31 दिसम्बर, 1984 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो मये। र्सं ० 1/62/84-स्थाः -- बम्बई के सहा प्रशा अधिकारी श्री टी॰ ए॰ हैक्मास्टर निर्वतन की आयु के हो जाने पर 31 दिसम्बर, 1984 के अपराह्म से सेवा निवृत्त हो गये।

रा० का० ठक्कर, उप निदेशक (प्र०) कृते महानिदेशक

नौबहन भौर परिवहन मंत्रालय नौबहन महनिदेशालय

बम्बई-400038, दिनांक 28 जनवरी, 1985

सं० 23-टी० आर (3)84:—राष्ट्रपति कप्तान वाई वी० अभ्यंकर को 13 जून, 1984 से तदर्थ आधार पर आगामी आदेशों तक लाल बहादुर शास्त्री नाटिकल धौर इंजीनियरिंग कालेज, बम्बई में नाटिकल अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

> ए० चन्द्र, नौवहन उपमहानिदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी, 1985

सं० ए०-32012/1/84-स्या० 5(खण्ड दो):--अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, विभागीय पदोन्नति समिति (ममूह ख) की सिफारिशों पर, डिप्लोमाधारी पर्यवेक्षक श्री जी० कुमार स्वामी जो इस समय प्रतिनियुक्ति के आधार पर केन्द्रीय विद्युत अनुसन्धान संस्थान, बंगलौर में सहायक इंजीनियर के रूप में कार्यरत है, श्रौर जो सवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति बाह्य सेवा में रहते हुए आसम्म क्रांनिष्ठ नियमों की सभी मते पूरी करते हैं, को उनका अनुपस्थित में ६० 650-30-740-35-810-द रो०-35-880-40-1000-द० रो 40-1200 के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, 31 दिसम्बर 1984 की अपराह्म से, अगसे आदेशों तक, असिरिक सहायक निदेशक सहायक हजीनियर (सिविल यांत्रिकी) के ग्रेड में नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री कुमारास्वामी उपरोक्त तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिये अतिरिक्त सहायक निदंशक सहायक इंजीनियर के ग्रेड में. परिवीक्षा पर रहींगे।
- 3. श्री कुमारस्वामी की पदोन्नति कलकत्ता के माननीय उच्च न्यायालय में विचाराधीन 1980 के सिविल रूल नंव 10823 (डब्स्यू०) के निर्णय के अध्यधीन है।
- 4. यदि वह निवले पद के वेतनमान में अगली वेतन वृद्धि की संभूति की तारीख पर मूल नियम 22 (ग) के

उपबन्धों के आधार पर अपना वेतन पुनिनयत करवाने के इच्छुर्क हों तो उन्हें गृह मंत्रालय (कामिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग) के कार्यालय ज्ञा० मं० 7(1)/80-स्था० पी० एक, दिनांक 26-9-81 के साथ पठित का ज्ञा० सं० 13/26/82-स्था० पी० एफ०, दिनांक 8-2-1983 में निहित प्रावधानों में यथापेक्षित ऐसे पुनिनयतन हेतु अपना विकल्प नियमित पदोक्षति की नारीख से एक माह के अन्दर दे देना चाहिये।

5. श्री जीं० कुमारस्वामी यदि केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी बीमा योजना, 1980 के सदस्य हैं, तो उनका इस योजना में पहली जनवरी, 1985 में श्रणदान 20/— रुपये से बढ़ाकर 40/— रूपये प्रतिमाह किया जाता है। वह पूर्वोक्त विधि से योजना के ग्रुप ख को दिये जाने वाले लाभों के हकदार होंगे। श्री कुमारस्वामी की सेवा पुस्तिका में इस सम्बन्ध में आवश्यक प्रविष्टि कर दी जायेगी।

दिनांक 29 जनवरी 1985

मं० ए०-19012/1054/84-स्थापना पांच:--अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री अमर्जात सिंह, अभिकल्प सहायक को अतिरिक्त सहायक निदेणक सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेंड में स्थानापन रूप में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में पूर्णतः अस्थाई तथा नदर्थ आधार पर एक वर्ष की अर्वाध के लिये अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, 30 अप्रैल, 1984 की पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 31 जनवरी 1985

सं० ए-19012/1064/84:—स्था० पांच:—विभागीय पदोन्नति समिति (समूह ख) की सिफारिणों पर, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री एस० एन० झा पर्यवेश्वक को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त महायक निदेशक महायक इंजीनियर के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में 31 दिसम्बर, 1984 की पूर्वाह्न में अन्य आदेशों तक नियति आधार पर नियुक्त करते हैं।

मीनाक्षी अरोड़ा अवर सचिव

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग निर्माण महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनाक 24 जनवरी 1985

सं० 30/4/84-ई० सी०-1:--राष्ट्रपति निम्नलिखित सहायक कार्यपालक इजीनियर (विश्वुत) की केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में नदर्थ आधार पर उनके नामों के आगे विखाई गई तारीकों से अगले आदेशों तक कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत) के नाते नियुक्त करते हैं।

सर्वश्री

1. एस० सी० गंगिल

27-10-84

2. अमोल प्रभाकर जोशी

16-10-84

3. मुकेश बिज

18-10-84 (दोपहर बाद)

4. बी० बी० ठाकुर

7-12-84 (दोपहर बाद)

 पुरूषोतम ए स० रावल (अनुसूचित जाति) 30-11-1984

नीना **मर्ग,** प्रशासन उपनिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी, 1985

सं० 1/215/69—ई० सी०—9:——इस विभाग के वरिष्ठ वास्तुक, श्री ईश्वर दयाल माणुर, वार्धक्य की आयु प्राप्त करने पर 31-1-85 (अपराह्म) को सरकारी सेवा से निवृत्त होते हैं।

पृथ्वी पास सिंह, प्रशासन उपनिवेशक

उद्योग भौर कम्पनी कार्य मंद्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय,

कम्पनी रिजस्ट्रार बिहार का कार्यालय
 पटना-800001, दिनांक 1 फरवरी 1985

कम्पनी अधिनियम 1956 ग्रीर कम इण्डिया प्राइवेष्ट लिमिटेड के विषय में ---

सं० 387/560/476:—-कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार में एसद्दारा सूजना दी जाती है कि कम इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गया है भीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है। कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर स्पार्क श्रीस श्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 1 फरवरी, 1985

सं० 449/560/577:—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसार एतद् द्वारा पह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अबसान पर स्पार्क प्रैस प्राइवेष्ट लिमिटेड का नाम इसके

प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रिजस्टर से नाम काट दिया जायेगा श्रौर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

> ए० वहाब अन्सारी कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार, पटना ।

प्ररूप आई.टी.एन.एस------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 15 जनवरी, 1985

निवेश मं० ए ल० सी० 705/84-85—अतः मुझे, बी० रिवंबालन,

कायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकीं मं० अनुसूची के अनुसार है तथा ग्रो मावेलिक्करा, गांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मावेलिक्करा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफाल के लिए बन्तरित की गई है और अभे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तए पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिख के बास्तिबक क्य से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अनुत्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री उम्मन नैनान,

(अन्तरक)

2. श्री कोच्चेंप

(अन्तरिती)

को सह सूचना भारी करको पृकाँकत सम्मत्ति को अर्थन को क्रिय कार्यवाहियां शुरुत करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध के कोई भी बाक्षेद:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी कृष्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए या सकोगें।

स्पब्दीकरणः --- इसमें प्रवृक्त शब्दों और नदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्र्यो

तारीख 10-5-1984 उप रॉजिंस्ट्री कार्यालय मावेलिक्करा, के दश्तावेज, स० 1410 में संलक्ष्त, अनुसूची में के अनुसार मावेलिक्करा विलेज में सर्वे सं० 18/1 में 13 सेंट, भूमि।

वि० रिववालन सक्षम प्राधिकारीं सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् :---

दिनांक: 16-1-1985

मोहर :

प्रक्ष बाई. टी. एन. एस.----

नायकर नांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धाय 269-च (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर बायकर (निरक्षिण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 16 जनवरी 1985

निर्वेश सं० अई०-2/37 ईई०/705/84-85---अतः मुझे, बी० रिवबालन

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के वभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

घोर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो मावेलिक्किरा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मावेलिक्किरा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-5-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार जून्य से कम् के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य सतको स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्छ्ड प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरच के लिए तय पाया नवा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण मिस्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण से हुई जिल्ली आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के मिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी नाव या किसी धन या जन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, 'छिपाने में मुश्रिक्ष के सिए;

वितः क्या, उक्त विधिनियम कौ भारा 269-गं की अनुसरण कों, कों, उक्त विधिनियम की भारा 269-वं की उपभारा (1) को विधीन, निस्तिचित व्यक्तियों, वर्षात् ⊪⊶ः 1. श्री उम्मन नैनान

(अन्तरकः)

2. श्री एम० क० चेरियान,

(अन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

जन्म सम्प्रीण को वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (श) इ.स.स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किमी व्यक्ति द्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंग।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसची

दिनांक 10-5-1984 उप रिजस्ट्री कार्यालय मावेलिक्किरा के दस्तावेज, सं० 1411 में मंलग्न, अनुसूची में के अनुसार मावेलिक्किरा विलेज, में सर्वे स० 18/1में 12 सेंट, भूमि।

> बि० रविबालन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक: 16-1-1985

माहर 🗯

प्ररूप बार्ड, टी. एत. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सहकार

कार्याजव, सहायक बायकर बायक (निर्देशक)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 16 जनवरी, 1985

निदेश सं० एल० सी० 707/84-85—अत: मुझे, वि० रिवंबालन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भीर जिपकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो मावेलिकिकरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मावेलिकिकरा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-5-1984

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

1. श्री उम्मन नैनान

(अन्तरक)

2. श्रीमती शोशाम्मा,

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नाम्बील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बार ाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों। कसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वां पत्र में प्रकाशन की तारीस से 4 विन र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अर्थ प्रकाश द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए. जा सकोंगे

स्पर्काकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विनोक 11-5-1984, उप रिजस्ट्री कार्यालय मावेशिकिकरा के वस्तावेज सं० 1426 में वंलग्न अनुसूची के अनुसार मावेलिकिकरा विलेज, में 12 सेंट भूमि।

> वि० रिववालन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

विनोक: 16-1-1985

भोहरु 🕹

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोचीन-16 एरणाकुलम, दिनांक 16 जनवरी 1985

निदेश सं० एल० सी० 708/84-85—अतः, मुझे, ध्वि० रविबालन,

आयकर अधिनियम, 1961 (196 स्तके परचात् 'उक्त अधिनियम'। 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकार कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, 25,000/- रु. में अधिक है 43) (जिसे इसमें प्या है), की धारा के विश्वास करने का रिडेमिक बाजार मूल्य

श्रीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसूत्र हु औं मावेलिककरा, में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मावेलिककरा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-5-1984

को पूर्वे कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूस्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री उम्मन नैनान ।

(अन्तरक)

2. श्री कोच्चैप ग्रौर एम०के० चेरियान ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त, सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह----

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्रिकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, को जक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विनांक 11-5-1984 उप रिशस्ट्री कार्यालय मावेलिक्करा के दस्तावेज सं० 1427 में संलग्न, अनुसूची के अनुसार मावेलिक्करा विलेज, में 12 सेंट, भूमि।

> बि० रविद्यालन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलंम

दनांक : 16-1-1985

मोहर :

} 1

प्रकल् वार्षः टी., एनं., एवं.------

भागकर अधिनियुन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

धाइत स्रकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 24 जनवरी 1985

निदेश सं० एल० सी० 709/84-85---यतः मुझे, बि॰ रिवबालन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की भारा 269- क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- क से अधिक ही

भीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो एसप्पारा में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कट्टप्पना, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-5-1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के ध्ययमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गांधीनगर में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मृख/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है। मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखत में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क्क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत अक्त बचि-नियम के बचीन कर दोने के बन्तरहक के वायित्वा में कमी करने या उत्तर बचने में सुविधा के निरु, बौड/बा
- (क) एसी किसी जाय या देशसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना जाहिए था, किपाने में सुविधा और किसा

नतः श्व, उक्त विधिनियम की भारा 269-मं के नतृतरक में, में, उक्त विधिनियम की भाषा 269-मं की उपभा<u>रा</u> (1) में विधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, वर्षात् क्ष--- श्री दीपक अटल

(अन्तरक)

2. श्री जोसफ मात्यु, भौर ग्यारह अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्थन् के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप् :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि पा तत्सम्बन्धा व्यक्तिया पर स्चान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा:
- . (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपन्ति में द्वित-बद्ध किसी जन्य स्थावत द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकर्णः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उनके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

दिनांक 24-5-1984 उप रिजस्ट्री, कार्यालय कट्टप्पना के दस्तवेंज, रु० 1097 में संलग्न, अनुसूची के अनुसार एलप्परा विलेज, में सर्वे सं० 8/1, 9/1, 10/1, 10-4-2, 11, 12, 13, 185/1/11, 206 से 211, 213, 555 से 562 तक 564, 585, 566, 568, 569, 571, 572, 573, 575, 578, 579 और 582 से 586 तक, में 98वर्ग एकर, 65 सेन्ट, भूमि और बिल्डिंग एन्ड, वैहिकिल्स ।

बि० रविवासन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक: 24-1-1985

मोहर ध

वस्य बाह्नं, टी., एत., एस., :-----

1. श्री नारायण बाग्ला

(मन्तरक)

2. श्री जोसफ, मैकिल घीर ग्यारह भन्य।

(प्रन्तरिती)

आमकद अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (व) (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर वायुक्त (निर्देशिय) मर्जन रेज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 24 जनवरी 1985

निवेश सं० एल० सी० 710/84-85--- प्रतः मुझे, बि० रिषयालन,

गायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमैं इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000 ∕- फ. से अभिक ह[•]

भौर जिसको सं० धनुसूची है सथा जो विल्क्षेत्र में स्थित है (और इससे उपावद्ध प्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट।कर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय कट्टप्पना, में रजिस्दोकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 25-6-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफॅल को लिए अंतरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचितं नाजार भूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे उदयमान प्रतिफल का थन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- 🕊 अंतरन से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक की बायित्व में कमी करने या उससे बजने में सविधा **के लिए: गरि**/मा
- (क्य) एंसी किसी जाय या किसी भन या क्रम्य कास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अर्थिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभाके लिए:

अतः क्य_{ाः} क्वतः विधीनयम की पाच 269-म के अनुसरक में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (' ब्रे बधीन है नियमित्रविक्त स्पन्तियों, सर्पाद्यः---

🛍 वह स्थना बारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के हिस्स् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन को सम्बन्ध में कोड़ भी माक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पह स्चनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र म प्रकाशन का ताराख से 4.5 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बध्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोष्ठस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जासकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, मो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाधित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

नगराय

विमोक 25-6-1984, प रजिस्टी कार्यालय कटटप्पना के दस्तावेज सं० 739/84 में संलग्न घनुसूची के घनुसार बागमन विलेज में सर्वे सं० 592, 633, 634, 727, 731, 732, 734, 735, 1025, 1027, 1029 से 1032 तक, 1030/2, 1033 से 1038 तक भीर 1041, 3865.49 एकर, 'टी एन्ड कार्डमम एस्टेट" ग्रीर फैक्ट्री बिल्डिंग, प्लान्ट, एन्ड मिशनरी, वेहिकिलस ।

> बि० रविबालन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जेन रेंज, एरणाकुलम

विनांक: 24-5-1984

मोहर:

प्ररूप मार्च.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर साय्वत (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 10 जनवरी, 1985

निदेश सं॰ 37-जी/2198/1216--- प्रतः मुझे, प्रनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ग्रपार्टमेन्ट, न० 207, नं० 8, बेलनकर, ग्रपार्टमेन्ट, 1542, सदाणिव पेठ, में है तथा जो पूणे में त्यित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूनों में ग्रीर जो पूर्ण रूप में वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्राधकारी के कार्यालय दुय्यम, निबन्धक, हपेली-1 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान दिनाक

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अभीत कर दोने के बन्तरक के बायित्य में कभी करने वा सेवसे बचने मा सुविधा से सिए:
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के रिष्ए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- पुरना रामचन्द्र वेलनकर,
 श्व. गजानन विविग मिल्स कम्पाउन्डर,
 वखार भाग, 560, शिवाजी नगर,
 सागल।

(अन्तरक) '

2 श्री दुष्यन्त नारायण देव, 1504/1, मुझवार पेठ, पुण-2 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए ला वाहिया करला हूं।

जनत संपत्ति के वर्षन के सबभ में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसु अध्याय में विया स्या है।

धनुसूची

श्रार्डिमेस्ट, नं० 207, श्राफिस नं० 8, वेलनकर सपार्टमेस्ट 1542, सर्वाशव, पेठ, पुणे-30 ।

(क्षेत्र०: 517.75 चौ० फि०)

(जैसे कि रजिस्ट्रीइस्त विलेख क॰ 3481, जो मई, 84 को दुष्यम, निबन्धक, हवेला-I के दफ्त र में लिखा गया है।)

प्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर पायुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज, पूना

दिनोक: 10-1-1985

माह्य 🛭

प्ररूप बाइ ै. ट्री. एन. एस. - - - ---=

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के मधीन स्भना

भारत सहकार

कार्याचय, सहायक वायकर बाय्वत (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० 37-जो | 724 | 84-85 | 1215 — ग्रतः मुझे, ग्रनिल कुमार,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी करें, यह विज्ञान करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसका सं० नं० 514/3 वी है, तथा जो सौंगलों में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्टीकर्ती अधिकारा के कार्यालय दुय्यम, निबन्धक, मिरज में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के निष्; करेर थी,
- (स) एसा तेलसी पाय या किसी पन ६ १ अन्य अति तर्यों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपान के स्ट्रीकथा के लिए।

अतः अवन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, प्रकृति ध— श्री: दं!पक, र० खीकले, महावीर नगर, घर नं. 173० , सीगली ।

(भ तरक)

2. श्री नरसप्पा, र० मगदुम तथा भ्रन्य, श्रोक भ्राली, ता ० मिश्र, सांगली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उच्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप ए---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धों व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की नारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाख्डीकरण ---इसमे प्रथानत शब्दों और पवा का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुवृत्ती

जमीन जो सं० नं० 514/3 बीं, जो सांगली, में है तथा जिसका क्षेत्र० 0.55 एकर है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क॰ 1054 जो मई, '84 को क्यम निजन्धक, मिरज के दफ्तर में लिखा है।)

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, पूना

दिनांक: 10-1-1985

मोहर 🛭

प्रकप बाइ". टी. एस. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) / श्रर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० 37ईई/5572/84-85/1008—श्रतः मुझे, ग्रनिल कुमार,

श्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात ''तकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विस्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० जो, छठी मंजिल, माया टावर, फ्लैंट नं० 41, सैक्टर 17, वाणि, नई बंबई, है, तथा जो वाणी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायकत, (निरीक्षण), श्रुर्जन रेज, में रिजस्ट्राकरण श्रिक्षिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिक्षीन दिनांक मई, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रुयमान ग्रितिफल के लए शन्तिरा, की गर्व है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एम दश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अतरितियो) के जीच एस अन्तरण के लिए तथ पाया गया श्रीतफल, निम्निलिखत उक्षक्य से उक्त अन्तरण है किया में वास्तिक कम से कियत महीं किया नमा है हिन्स में वास्तिक कम से कियत महीं किया नमा है हिन्स

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीभिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के बायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बोर/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उन अधिनयम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए हो, छिपान मा सुबिता के जिए;

कतः अव, उक्त अभिनियम, की भारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्ट^{ें} अर्थात् :---

मसर्स माशा डस्ट्रेट,
 612, व्हा० एन० पूरव मार्ग,
 चेम्बर, यम्बई-400071

(ग्रन्तरक)

2. बैमो रुस्तुप इरानी श्रौर परिवार, बाच ब्हयु,० ग्रपार्टमेन्ट, फ्लैट नं० 501, पाचवी माजल, 77 चित्रई रोड बाद्रा-बम्बई 400050 ।

(श्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष्ट कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी बाक्षण :-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन को अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति अपित स्वित स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितक्स्थ किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के बाद विवित में किए वा सकों ने ।

स्वव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं वर्ष होगा को उक्त अध्याय में दिका गया हैं।

नन्स्ची

प्लैट न० 2. छठी मजिल, मोशा टावर, फ्लैट न० 41, सैक्टर, 17, वाशा नई बम्बई।

(जैसे कि र्राजस्ट्रःकृत विलेख कि० 5572 जो मई, 1984 को सह।यक आयकर आयुक्त (िरोक्षण), अर्जन रेंज, पूणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

> र्श्वान्त कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रंज, पूना

दिनाक: 8-1-1985

मोहर.

प्रस्य मार्थः, टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269(व) (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं॰ 37ईई/5520/ए-84-85/1005/——श्रतः मुझे श्रनिल कुमार

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क जे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्यास राग्ते का कारण है कि स्थावर सम्भित्त, जिसका अधित बागा मना 25.000 - रा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लाट सी/6, दूसरी मंजिल, सतगुरु की-ग्राप-रेटिव, हार्जीसग सोसायटी, नाखवा स्कूल, के करीब, चेदानी, जिला, थाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूर्च, में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षण); ग्रर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिकांक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान परितान का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है '——

- (क) अन्तरण से हुए जिसी आय की शावत, उक्त अधिनियस के अधीय कर दोने के अन्तरक को दावित्य में कसी करने वा उससे अपने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा औ लिए :

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 2'69-ग के उन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिस्यों, वर्षात् क्र—

1. श्री मुरलीधर, तोपणे, फ्लाट नं० 6, दूसरा मजिल, बिल्डिंग 'सी' सतगुर को-श्रापरेटिब, हाउसिंग सोसायटी, नाखवा स्कूल, के करीब, चेदानी, जिला थाना ।

(भ्रन्तरक)ेर्

2. श्री कार्ति लाल चतुर्भुज, पुरोहित, फ्लाट नं० 6, दूसरी मंजिल, सतगुरु, को-म्रापरेटिब, हाउसिंग सोसायटी ताखव स्कुल, के करीब घेदानी, जिला थाना।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारी के से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (म) इस सम्बना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में 1-50 जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिम्मिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं की

त्र**नु**स्षी

फ्लाट नं० सी/6, दूसरी मंजिल, सतगुरु को-श्रापरेटिय, हाउसिंग सोसायटी नाखवा स्कूल के करीब, चेदानी, जिल्ला थाना।

[जैसे कि रिजस्ट्रीक्टत क० जो मई, 1984 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पूमा के दफ्तर में लिखा गया है।]

> म्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)*् मर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 8-1-1985

मोहर:

प्रकप शहरी. टी. एट. एस. ५/-----

भायकर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्थल

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाक 8 जन गरो, 1985

निरेश सं० 37-ईई/4876/84-85/1006--- ग्रतः मुझे, श्रनित कुमार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' करुण्या हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25 000/-रा से सीधक हैं

भौर जिन्ही सं० पनाटनं० 301/81, ते सरी मंजिल, कल भवन, सुकवार पेठ, पूण-411002 में स्थित है (भीर इससे उपावड अनुसूर्च से भीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिद्राहर्गा अधिहारा के कार्यालय सहयक अध्यक्त प्रायुक्त (निर क्षण), ऋर्गन रेज, पूना में रजि द्वांकरण ऋधि नयम, 1908 (1908 का 16) के श्रध न दिनान जून, 1984

का प्राक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और प्रक्रे यह विख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल स एस दश्यमान प्रतिफल का उद्गह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाना गण इतिफल, निम्नलिकित उद्वास्य स उक्त बन्तरण् लिखित में बास्तविक रूप स कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त बाधिनियम के बधीन कर राने के अन्तरक मे दायित्व में कमी करत रा तम्पे बसन में स्विधा को निए, बोरु∕या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों का, जिन्हा भारतीय कायका बोर्यानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मा सिवधा अके लिए

बतः अब, उन्त अधिनियम की भाष 269 न के बन्धरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) 🛋 अधीन निम्नालाश्वत स्यावतयाँ, वर्धात :----

- 1. मसर्म र्न;लम बिल्डर्स 1482, सदाभित्र पेठ, पुणे-411030 (भ्रन्तरक)
- 2 श्रं महेन्दर कुमार पी० जैन, गुरुवार पेठ, पूर्ण-411002 201, (भ्रन्तिरती)

कायह स्थाना जारी करके पृत्रों क्स संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उन्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्जाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की उविधि, जा भी अविष बाद मं समाप्त हाना हा, क भातर प्वाचित व्यक्तियां में से जिसी व्यक्ति व्यागः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन क भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति मा हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित दुरारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्तित्म किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, क अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहां व्य हागा, जा उत नध्याय में विया गया

पताय न० 301/31, नी गरी मिजिन, कल भवन, गुक्रवार पेड, पुगे-411002

जैं। कि रिन हक्का कल्म 4376, जो जून, 1984 की सङ्घ्रु प्रयक्तर प्रदुक्त (स्टातग), श्रर्जन रेज, पुना के दफार में 1लजा गजा है 1

> भ्रतिल कुमार सभाग प्राधकारी श्रायकर श्रापुका (नरक्षण) सह.यरु श्वर्जन रेज, पूना-411001

दिनांक 8-1-1985 मोहर:

4-466GI/84

बस्य नाई. टी. एन. एव.-----

जाभकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन स्पना

भारत स्रकार

कार्यातय, सहायक जायकर जायूक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेज, पूना

पूनः, दिनांक 7 जनवर्रः 1985

कायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की भारा 263-इ के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसक: सं० प्लाट नं० 6, ती र मंजिल, पार्वतं पेठ, सं० नं० 43/20/10 है, त्रा जो पूणा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूव में भौर जो पूर्ण रूप में विणित है) राजस्ट्र कर्ता भाधित री के कार्यालय सहायक आयकर आयुवत (निर क्षण) भाजेत रेज, पूला में राज ट्रीहारण अधानपम, 1908 (1908 का 16) के भाधीन दिनाक मई, 1984

का प्यांक्त सम्पास्त के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल को लिए बन्तरित की गई है और मृझ यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्यांक्त सपस्ति का उचित बाजार बृष्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल में, एस क्ष्यमान प्रतिफल का पहुड़ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (बन्तरकाँ) और अन्तरिती (बन्तरितियाः) के बीच एस बन्तरण के लिए सम पामा नदा अतिफल, निम्निलिक उद्युष्य से उक्त बन्तरण तिकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बलारण से हुई किसी बाथ की बाबत बल्ल विधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्थ में कमी करने या उससे बचन में सृविधा के सिए, बॉर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हां भारतीय बाब-कर ब्रीधीनयम, 19∑3 (1922 का 11) या उक्त ब्रीधीनयम, या खन-कर ब्रीधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्याग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपानं में सूत्रिधा के स्थि;

ज्ञतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण वी, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) इने अधीन, निस्नतिचित स्थिक्तयो, अर्थाकु:--- मैसर्स के० गोमराज, श्रीर कंपनी, लागा भवन, 557/ए/1, प्लाट नं० 23-बी, गुलटेकड, पूर्ण-411037

(भ्रन्तरक)

2. विठ्ठल निवृत्ति काकड़े।

(प्रन्तुरितं.)

को यह मुखना आरी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्थन के सिए कायंवाहिया । के करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यभ में प्रकाशन की हारी कर्ष के 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में स्माप्त हाती हा, के भीतर पूर्वों कर्ष व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

प्रनुपूची

प्लाट नं० 6, ते मरो मंजिल, बिल्डिंग ए, पार्वेती पैठ, सं० नं० 43/2ण्/1ण्, पुणे ।

(जैसे कि राज द्री गाकि 4506 जो मई, 1984 को सहयह आयहर प्रापुक्त (पर्राजण), प्रजीन रेज, पुणे के वफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुपार सञ्जाग प्राविहारी सहायक आयकर आयुका (निराक्षण) धर्जन रेंज, पूना

दिनांक 7-1-1985 मोहर:

प्रक्रम मार्च . टी . एन . एस . ***

बावकर अधिनियम, 1961 (i961 था 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्स (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, पूरा

पूना, दिनाक 8 जनगरी 1985

निदेश सं० 37ईई/6701/84-85/1015—-अतः मुझे, भनिल कुमार,

बायकर बाधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उस्त बाधानयम' कहा गया है), की धारा 269-स क अधान महारा का कारण है कि स्थावर सपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25.000/- रा. सं अधिक है प्रीर जिसका सं प्लाट सं प्रति है तम जो थाना में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूच में आर जो पूर्ण रूप मे विणित है) र ज दू कर्ना अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेज, पून में र ज दू करण अध नयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक जून, 1984

का पृथावत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई हूं और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्यांकल संपत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल से एस दृश्यमान प्रतिफल का वन्स्रह प्रतिम्नत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) का बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नालखित उददृश्य से उक्त बन्तरण निखित में बास्तिक स्प से क्रिंथल हो किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बाधीनसम्बद्धान कर दान क बन्तरण क बाधिन्स कक्षी करन या उसस वचन से सूर्विधा के लिए, बार/था
- (स) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय अग्यकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए;

बत बब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथाद :--- मैतर्न एम० के० इन्टरबाइजेस 'सत्यम', एम० जो० रोड, थाना।

(भ्रन्तरक)

वर्धमान और एसो शिएट्स,
 303, कामर्स हाउस, नागतदास, मास्टर पथ फोर्ट,
 बम्बई-400 003

(मन्तःरेतः)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बार्क्षप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, आ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में सं कि सी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारो।

स्पर्व्योकरण '— इसमी प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुयूची

ष्त्राट सं० नं० 15, हिस्ता नं० 1, कोतबाड (पंचराखंडी) जिला थाना ।

(जैं।, कि टोज ट्रीक्वा कर संर 6701 जो जून, 1984 को सहायक ग्रायकर प्राय्वत (निर क्षण), भ्रर्जन रेज, पूर्ण के दफ्तर लिमें खा गया है।

धनित कुमार मक्षत गोबहारी सहायक आयकर आहुवा (नेरोक्षण) धर्जन रेंज, पूना

ं दितां हा 8-1-1985 मोहर ः अरूप नादी, टी. एन. एस.-----

थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 8 जनवरो 1985

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्जात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाद्धार मृत्य 25,000/- रुपये संश्विक है

श्रीर जिसका संश्माप स्व नव 21/5-ए/1 एफवर्गाव नंव 28, भासुडा, संगमवाड , शिव ज नगर, पूर्ण है, तथा जो पूर्न में स्थित (श्रीर इसमें उगबद अनुसूच में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) र्रास्ट्रो ति अधिकार के कार्यालय सहय तथाय र आयुक्त (तिर क्षण), अर्जन रेंज, पूना में र्गजस्ट्र करण /अविनियम, 1908 (1908 का 16) के अप न दिनाक मई, 1984

का पूर्वाक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अर्तारत की गई है और मुक्ते यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बाजार मृत्य, उसक दर्यमान प्रतिफल से, एसे इष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) आरं अन्तिरती (अन्तिरित्यो)क बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देन के अन्तरक के बाजित्व भी कसी करने या उराव बयन या सृत्रिधा के लिए बरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हा भारतीय आयकर औधीनयम, 1922 (1922 की 11) या उन्नत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना शाहिए था., छिपाने मा स्वीवना के जिए,

जात: जाज, उक्त जिपिनियम की भारा 269-ग के जनुमरण जी, जी, इक्त अधिनियम की,भारा 269-च की उपभारा (1) जो वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्भात् क्र--

- मैयर्स एमा पो० जे० बिल्डर्स सुव्रापार एम० पाठक, मार्ग, चौताटी, बम्बई-400007
 - (2) नवताम को-प्रा (रेटिय हा उक्तिंग सो पयटी लि० सब फ्लाट न० 21/50/1, मिनाजा नगर पुणे-5

(ध्रन्तरक)

मैंसर्स सुजित्रे ग्रीर इन्त्रेस्टमेन्ट कंपनी, लिमिटेड,
 प्लान स्ट्राट, फोर्ट, बम्बई ।

(म्रन्तरिती)

को यह स्वना चारी करके प्वोंक्त सम्पत्ति के अवन के सिए कादवाहिया कृरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की बाविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की बाविध, जा भी अवधि बाद में समाप्त हाती हा, की भीतर पृत्तीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उस्ते स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य थिति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के शास निकास में किए आ सकता।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और प्रदों का, भो उक्त क्षिणित्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गा है।

अनुसुची

कुफान सं० नं० 21/5/ए/1 , एफ० जी० न० 28, भासुडा संगम बाडा, शिवाजा नगर, पुणे ।

(जैसे कि रिक्टिक्का कि 4597 जो मई 84 को सहायक श्रयकर श्रापुकत (निरक्षण), श्रर्जन रेज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।

र्घानल कुमार सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना-411001

THE STATE OF STREET

दिनांक 8-1-1985

मांहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

कायभर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 8 जनवरो 1985

निर्देश सं० 37ईई/4360/84-84/1013——प्रतः, मुझे,

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पब्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसको सं० प्लाट नं० 204, बिल्डिंग नं० III, दूसरी मंतिन, खिएत्य ग्रंटिनेन्ट, एफ० पा० नं० 320, घोर डो, कोरेगाव, पार्क, पुगे है, तथा जो पुगे में स्थित है (श्रीराइससे उपावक प्रनुत्ता में श्रीरा जो पूर्ण का से विभिन्न है) परिष्ट्रा हर्ता भिश्चार के कार्यात्य गहायक श्रायात्र श्रायुक्त (गरक्षण) भर्जन रेंज, पूना में एतिस्ट्रकरण श्राधित्यम, 1908 (1908

का 16) के प्रधान दिनांक मई, 1984
कु पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विष्यास
करने का कारण है कि प्रथापवींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल में एमें दृश्यमान प्रतिफाल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफाल, निम्मिलियत उद्दृश्य में उक्त अन्तरण
निचित में मास्तिविक रूप से किथत नही किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत, उसत आधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दांगित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (च) एमी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

्रश्रातः अत्र, उक्तन अधिनियम की धारा 260-ग के अनसरण क्री. मी. नक्रम अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) क्षे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्रः कैताण चन्द्र एत० माइव वाला, (कर्ता),
 5/6, पृथ्य वाटिका, 5 श्रानन्द नगर सोतायटो,
 विले पार्ले, बम्बई-400056।

(भ्रतरह)

श्री पंठरोनाथ, हरो प्रमु
 222/27, पथ बांब्रा, वम्बई-400050।

(प्रन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहिया शृरू करता हु।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्र्यच्याची व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रविकत स्यक्तियाँ में से किसी क्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण को प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति को हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित को किये जा सकरेंगे।

स्वष्टिकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आ उद्शल अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

मन्स्मी

प्लाट नं० 204, बिल्डिंग नं० []I, दूसरी मंजिल, खिएन्तू, ग्राटिनेन्ट, एफ० जो० नं० 320, घोराडो, कोरेगांव पार्क।

(जैसे कि रिजिन्द्र कुन ऋ० 4360 जो मीर्ट, 84 की पड़ायक भ्राय गर प्रायुक्त (निर/क्षण) भ्रर्जन रेंज, पुगे के दक्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (िनराक्षम) ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 8-1-1985

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-व (1) के नधीन स्वना

भारत मरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, पूना

पूना, दिनां क 7 जनवरी, 1985

निदेण सं० $37 \hat{\chi}_{i}^{2}/5560/34-85/1012/--प्रतः ् मुझे, मिल कुमार$

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम , कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पन्ति, जिसका उचित दाजार मूल्य 25 000/- रुट से अधिक है

भीर जिसको सं० प्लाट और विश्विग, बैरक नं० 776, रूम नं० 1, उल्लान नगर जिता, थाता में हैन या जो पुता में स्थित हैं (श्रीर इसमें उताबढ़ अनुसूच, में और जो पून रूप से बणित हैं) रितिस्ट्राहिती छोध हार के कार्यालय सहायह छायहर छ युक्त (तिरक्षिह) क्रर्जित रेंत, पूगे में तिस्ट्रारण छोधिनयम, 1908 (1908 का 16) के जयन दितांह मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथ्था पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पढ़ प्रतिकास अधिक है और अंतरक (अतरको) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दश्य से उक्त अंतरण जिल्लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :—

- (ंक) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मं सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (१०22 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तर्गट हवारा प्रकट नहीं , किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 मे तर्स एस० जे० देम्बानो 776/1, देम्बाना, ग्रात्वेंमेन्ट, उल्लास नगर।

(ग्रन्तरः)

2. श्री शिव कुमार जेलापिह नारंग, फ्लैंड नं० 12, जय तार्द बाबा सो तायटो, उस्लास नगर-3

(प्रन्तरितो)

कौ यह स्वमा कारी करके पृथाँक्त सध्यरित के वजन के सिष् कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के मंबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब दें 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तिया पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हांती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति मों किए जा सकोंचे।

स्वध्द्रीकरण: — इसमें प्रयक्त कव्दों और पदों का, जो तक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिकायित है, बड़ी अर्थ हुग्गा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग प्रौर पर्नैट बर ह नं० 776, नं० 1, उल्नापार, स्पृति गान हाउन्तित, उल्नाम नगर, जिला थाता। [जमे हि र्राजस्ट्र कृत कै० 5560 जो मई, 84 को सहायह प्रायहर ग्रायुक्त (निर.क्षण), प्रर्जन रेज, पूणे के दफ्तर में लिखा गया है।]

> म्रतिल क्**मार** सञ्जयकाशिकारी सहायक प्रायकर प्रापुक्त (जिरोजग) भार्यन रेंज, पूना

दिनांक: 7-1-1985

मोहर 🤌

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. -----

भासकर विधिनियम, 1961 '1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रम, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्तण)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 8 जनवरी, 1985

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसें इसके इसके प्रचात 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25 000/- रु. से अधिक है

भौर जिसको सं० शोक्स, ग्राउन्ड पलोग्नर, भक्ती ग्राव्टीमेन्ट 402, घोराडी, पेठ, पुणे-411002 में है, तथा जो पुणे में स्थित है (श्रीर अससे उपायक श्रमुसूच में श्रीत जो पूर्ण रूप से बाणत है) रिजस्ट्र कर्ता श्राधिकार के बार्यालय सहायक श्राय र श्रायुक्त (निर क्षण) श्रर्जन रेज, पूना में रिजस्ट्र करण श्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान दिनांक मई, 1984

को पृथंकित सपरित के उचित बाजार मृल्य स कम के दश्यमान
चितफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता कार्यालय शिवाजि नगर में धारा

¶69 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्म्य /के पास रिज-स्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृथेकित संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तियिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की वाबत, अक्ट अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उसस बचन में सृविधा के लिए, और/या
- (का) एमी किसी बाय या किसी धन या कत्य ब्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत श्रीधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क अयाचनाथ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया स्वा का वा किया वाना वाहिए वा कियाने में स्विभा के लिए;

बतः अअ. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण वीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

- मेसर्स मंजवाना कंस्ट्रक्यन, कं नो
 247/1, रास्ता पेठ, भक्ता प्रार्थिनेन्ट, पूना-411011 (श्रन्तरक)
- भेनर्स "गरतार , कट रिवः एसोशिएट्स,
 525/26, महात्मा फुले पेठ, पुगे-411002 (श्रन्तरिती)

को बहु स्वना कारी करके पूर्वांक्स सम्मित्त को अर्जन के सिए कार्यकाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीस से 45 दिन क भीतर त्रक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- से दिध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लाखत में किए का नकरों।

रूकीकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के गन्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

मोरूम, ग्राउन्ड फ्लोत्रर, भन्ती श्राहमेन्ट, 402 घोराडे पेठ, पुणे-411002

जैने को र्शिष्ट्रका कि 4590 जो मई. 84 की सहस्रक प्रस्तर स्था (शिर्ध्या), प्रश्नेत रेंज, पुगे, के. दश्वर में लिखा गया है।]

श्रीतत कृमार सञ्जान प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रापुत्त (तिरोजग) श्रजन रेंज, पुना

दिनाक 8-1-1985 मोहर ॥ प्रसम्बाही, टी. एव. एस.

बायकर क्रिंपिनियम, 1961 (1961 के 43) की भारा 269-इ (३) के बंभीन सुचना

शारत सरकार

सार्यालय, सञ्जासक सामकर सायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना पूना, दिन क 8 जन रि., 1985

नि:ेश सं० 37ईई/5942/83-84/1009—— आतः मुझे अनिल क्मार

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन मक्ष्म प्राधिकारी को यह निष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य पृत ०००/ क से अधिक है

भीर जि की सं० फ्लैंट नं० 4 श्रीर 5, ग्राउन्ड फ्लोर, शारदा श्रपार्ट मेन्ट, सं० नं० 78, हिरसा नं० 'सं' पार्ट, ज'०, पट नी, जी डीब ली, जिना थाना में है तथा जो डीब बला में किट है (श्रीर इसमे उपाबढ़ प्रनृसूच में श्रीर जो पूर्ण कप से विष्त है) रिज के क्षां कार के कार्यालय महायक श्रायकर श्रायुक्त (निर:क्षण), श्राजी रेंज, में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1968 (1908 का 16) के श्रिधान दिनाक मई, 1985

को प्रांक्त मम्पत्ति के उचिन बाजार मन्य स कम के स्वयमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड ही और मुक्ते यह विक्वास करन का कारण ही कि यथापुर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मन्य उसक रहयमान प्रतिफल स, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अनरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल निय्निसिंबत उद्यक्त से उसल बन्तरण सिवित से वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरक से हर्फ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व सो कसी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए; आर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ववा वा किया काना चाहिए वा, छिपाने में सविधा के लिए;

कतः कव, उकतः अधिनियम, की धारा 269-व को अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क अधीन, निमनलिकित व्यक्तिया, अधीत्:—

- मैं ार्स सपरा वैद्य कंपन:, तोरन बिल्डिंग, शिव मार्केट, मानपाडा, रोड, डीबावना (इ), जिला थाना में।
- डोंबीवली मानव कल्याण केन्द्र, कार्यकार: विश्वस्त डा० एम० एच० चड्डा, शारदा अपार्टमेन्ट, डोंबोवला (ई), जिला याना।

(श्रन्त रतो)

(ग्रन्तरक)

का यह म्चना चारी करके प्योंबद संपृत्ति के ब्जन क लिए कार्यवाहिया करता हो।

उपत सम्परित के बबन के सम्बन्ध में कोड़ी भी बाक्षेष:---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय वं 45 चिन की अवधिया तत्सवधी अधित्या पर सूचना की तामील से 30 चिन की अवधि को भी बवीच बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यास्त्या में संकिसी व्यक्ति द्वारा;
- (शा) इस स्वान के राजपत्र मो प्रकाशन की ठारी हा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सपत्ति मो हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधाहस्ताक्षरी के पास सिकास में किए सा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जा रहने अधिनयमः, के अध्याय 20-के में परिभाषे हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा। नया है।

श्रनुसूची:

पलैट तं० 4 पौर 5, गाउःड पत्तीपर, शारदा ग्रागर्टमेन्ट, सं० नं० 73, हिस्ता 'सा' पार्ट-जा० सा० पटाना, डांजावला, जिला थाना ।

(गैत-कर जिस्ट्रफा क० 5942 जो मई 84को सहत्यक भायकर अर्भुका (निरंक्षण), अर्जन रेज, पुणे के दफ्तर में लिशा गया है।

> श्रीतत कुमार सञ्जम प्रात्वेकःरी, सहायक आयकर श्रापुक्त (निरोजग), श्रजन रेंज, पूनेर्

दिनांक 8-1-1985 मां**हर** ब प्ररूप बाइ . ही . एन . एस . ------

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर सायुक्त (निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना

" पूना, दिनांक ८ जनवरो, 1985

निकेश सं० 37ईई/5547/84-85/1016— प्रतः मुझे भन्तिल कुमार .

कायकर ब्रांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उर्क्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उषित बाजार मृस्य 25.000/- रु से अधिक हैं

श्रीर जिप्तको सं० प्लाट नं० ४२, ग्राउन फ्लीग्रर, शारदा भार्त्र मेन्ट, डोजावला, जिला थाना है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूच में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्राकर्ता श्रीधकारे। के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, में रिजरट्र करण श्रीधिनयम, 1908 (1908का 16) के श्रधान दिनांक मई, 1984

का पृथीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के रण्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल सं, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलियन उद्देष्य से उच्ते अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बायत उकत बिधिमयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियन्त में कामी कारने या उससे अचने में सुविधा के सिए। और/या
- (का). एचि किसी अप्य या किसी धन बा अस्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा धा घा किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में शृविधा को निए।

कतः अव, उक्त अधिनियम करी धारा २६०-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६०-गे की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--5----466GL/84

मैसर्स सपरा वैद्य, कंपन।
 तोरना विल्डिंग, शिव मार्केट, मान्। रोड,
 डोज,वलः, (इ) जिला थाना ।

(भ्रन्तरक')

श्रस्मीता वामन खारकुल
 शिव सदन , गीनल नगर, डोज:वली, (ई),
 जिला थाना।

्(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बजन के लिए कायवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप 🌤

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो; कं भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इस्में प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहां अधे हागा था उस अध्याय मादया समाही।

वन्स्ची

प्लाट नं० 2, ग्राउन्ड फ्लोर, शारदा ग्रपार्टमेन्ट, क्रोजीवल, जिलाथाना।

(जैसे कि राजिस्ट्र कृत नं० 5547/जो मई, 84 को सहायक आयकर आयुक्त (नर:क्षण), रेज, अर्जन पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।

म्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर क्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

िदिनीक **8-1-**1985] **मोह्यर** ु

प्रक्य बार्धं .टी . एन . एस . ------

बादकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक अग्यकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जनरोजी एना

पूना दिनाक 8 जनवर 1985

निदेश सं० 37६६/336/84-85/1017—%तः मुद्दे सन्तिल कुमारः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक प्रकार 'दकर यधिनियम कहा गया हैं) की धारा 269-ब को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपरित जिसका उचित बाजार सृत्य 25,000/-रु से क्षिक हैं.

ग्रीर जिसक सं० फ्लाट नं० 5 सत्व ग्रपार्टमेन्ट सं० नं० 717 फ्लाट नं० व एच० प ० ट ० क्रालेज रोड ना सिक तथा जो ना सिक में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूच में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) र जिप्ट कर्ता ग्राधकार के कार्यात्रम सहायक ग्रायकर ग्रायकर ग्रायकार ग्र

को पूर्वोक्त सपित्त के उचित बाजार मृल्य में कम के दृश्यमान भ्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मफे, यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्प्रित का उचित बाजार ब्र्ल्य, उसके रृश्यमान प्रतिफल है, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से बिध के हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एस बनरण के लिए त्य पाथा गया प्रति- फल निम्नलिखन उददृष्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हर्ष िकसी अंग्य की अवित उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्ट/या
- (वा) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती दवारा प्रकर नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए या, क्रिपाने में सुविधा के सिए;

कतः कवः जन्न अधिनियम की धारा 260-त के अनगरण कें. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिनत्यों, अर्थात्:——

 श्रं: एर्नै० सं:० पटेल (स्मृत ' पटेल इस्टेट इंदिरा कुंज जुह वाडी) पंचबट: नात्मक।

(भ्रन्तरक)

2. श्री क्रिप्ण कुमार लक्ष्मण चावरे और सार्थ। 1572 सोश्वार पेट नासिक,422001

(भ्रन्तरतं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः संपत्ति क्षेत्र वर्णन के लिए कायवाहिया करता हुं।

धक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीत है 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अवधि बाद मा समाप्त हाती हो, क भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन स 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पन्ति में हितबद्धृ किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधाहस्ताक्षरी के पास^{्त} लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण :—इसमें प्रयक्त शस्तों थीर पर्तो का, जो ज़क्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाष्टि है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

पत्रट नं० 5 मार्गो ग्रार्थिट स० नं० 717/ प्लट में० बीर एच० पंर०टेर० करने गोड नासिक।

(जै। कि रिजिन्द्र कि 336 जो जुल ई 84 की सहय के आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेज पुणे के दफ्तर में । लखा गया है।

भ नित कुमार सभम प्रश्विकारी -सहायक आयकर आयुक्त (निरीजण) भर्जन रेंज पूना

दिनांक 8-1-1985 मोहर प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

, भारत सरकार •

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, पूना

पून, ^{*}दा्क 8 जनगर: 1985 निरेग सं० 37ईई/4723/84-85/1018--- स्रत: मुझे, स्रनिल कुरा:

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थान्द सम्पार्त, जिसका उन्हत बाजार मूल्य 25,000/- रु. स अधिक है

भीर जिन्ना सं० फ्लंट नं० 53 स० नं० 121 122 रामवाग कालोना कामगढ पूर्ग-411029 है। तथा जा पुणा में स्थित है (श्रीर इससे उपावंड श्रुनुस्वा में ग्रांर जो पूण रूप से विणत है) र जन्द्राहर्ग श्रावहरा के कार्यालय सहायह आयहर आयुक्त (निराक्षण) श्राजंन रेज में र जस्ट्र बरण आधीन्यम 1908 (1908 हा 16) के श्रावंत विनाक मई 1984

का पूर्वाक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मृक्षे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसक दश्यमान प्रतिफल स एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नांशित उद्दश्य स उक्त अन्तरण लिश्नित में वास्तिविक रूप स कथित नहां कया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधानयम क अधोन कर दन क अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा दायित्व के लिए, और/यां
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्ह भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में., मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैंसर्स प्रतृत इंटरप्राइजेस
 प्रां,ल बहार कालोते:
 रुतुगाल पौड फाटा दारडवणे
 पुग-4:110291

(अन्तरक) .

2 श्री: दं पक विनायक जोणी
49/1 राम बाग कालोनी: पौड रोड एल० ग्रार०
सा० के नाछ काम उड पुण-411029।
(श्रनारिती:)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवा।ह्या करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकारन की तारीस से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, आ भी अविधि बाद में समाप्त हाती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अध.हस्ताक्षरी के पास रिखित में किए जा सकीगे।

, स्पष्टीकरण: — इस्में प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ ह्यागा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

पर्लंट नं० 53, मं० नं० 121, 122 रामबाग क.लोनी कोय रूड पुणे, 411029।

(जैते कि र जस्ट्रक्ट्र क० 4723 जो मई 84 को सहायक अध्यक अध्यक (नरक्षण) अर्जन रेज पुणे के दफ्तर में क्षिया गया है।

भ्रतिल कुमार सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (नरक्षण) स्र्जन रेज, पूना

ंदिनांक 8-1-1985 सोहर ७ प्ररूप नाइ. टी. एव. एस. -----

आय्कार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 8 जनवरा 1985

निवेश सं० 37ईई/4355/83-85/1010--श्रतः मुझे, श्रीनल कुमार,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), को धारा 269- क कुलधीन मक्षम प्राधिकारी को, बह विक्थान करने अप कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित ब्राजार मूल्य 25 000/ - रु. से अधिक है

25 0007- र. स आवक है

भीर जिल्ले सं० पसाट नं० एस० 1, दूसरे मंजिल, फ्लैट, नं० 65, तुन्त्रः वाग वाले कालोना, पूना में है तथा जो पुणा में स्थित है (और इसमे उनावद अनुमूच। में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिन्स्ट्र, वर्ता अधिक र के कार्यालय महाय अयार अयुक्त (निरंक्षण), अर्जन रेज, पूना में र्राज ट्रंकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक मई, 1984 को प्वोक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मृल्यं स कम क क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वस करन का कारण है कि यथाप्यक्ति सपत्ति का उचित बाजार मृल्यं उनके का अधिक है और अंतरिती (अन्तरितिगं) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न लिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण, लिखित में गस्त-विक इप से अधित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई जिसी आग की नायन उक्त अधि-नियम के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व ने कभी करन या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 ना 11) या उपल अधिनियम, 1922 सनकार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, कियाले में सुविधा के लिए;

एस० ऋो० नाटेकर, भीन सन्स।
 1206-बा/15, शित्राजा नगर क्वेबान, जीमखाना,
 पूणा-411004।

(ग्रन्सरक)

2. श्री एस० ए० कुटे, 318, सह हार नगर, नं० 1, किरन सो तायटी, मोहन बिल्डिंग, पूना-411001

(म्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

' उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स् 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पार लि। कत मा किए आ स्कर्ण।

स्पष्टीकरण:—इस्माँ पयक्त क्रव्दों और पवाँ का, जो उसे जिथिनियम, के अध्याय 20 का परिभाषि हैं, बहा अर्थहां के जो उस अध्याय में विष गया हैं।

जन्स्ची

क्लाट न० एस० 1, प्लाट नं० 65, तुलशोक्षाग द्वाले कालोनो, परवत पुणा ।

(जैसे कि र्राजस्ट्रकृत क० 4355, जो मई, 84 को सहायह आयहर अप्युक्त (निरक्षण), अर्जन रेज, पूर्ण के दफ्तरमें लिखा गया है।

> म्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आपृक्त (निरीक्षण) मजन रेंज, पूना

अतः अव, अक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वै, मी उक्त आधीनयम की धारा 269-व की उपधारा (!) के बधीन, निम्मतिवित व्यक्तियों, वर्षात् क्र---

दिनांक 8-1-1985 बोहर : प्ररूप आहें. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

हारत र का

कार्यालय, सहायक बायकर कायकर (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, पूना पूना, दिनाक 10 जनवरो, 1985

निदेश सं० 37ईई/84-85/1019—ग्रतः मुझे, ग्रनिल क्मार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित आजार मृत्य 25.000/-रु. से अधिक हैं

भीर जिसको सं० पलैट नं० 102/ए-1, कला भवन, 305 (ए), मुक्रवार पेठ, है तथा जो पुणे में स्थित हैं (ग्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूको में भीर मो पूर्ण रूप से विणात हैं) रिजस्ट्रोकित प्रधिकारों के कथिलय सहयक आयक्त धायुक्त (जिर क्षण), अर्जन रेंज, पुणे में रिजस्ट्रोकरण अधित्यम, 1908. (1908 का 16) के के अधिन दिनांक मई. 1984

को पर्वाक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुझे यह विश्वामु करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का मन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी अरने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किमी आय या किमी धन या अन्यं आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती बनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- म० नोलम बिल्डर्स,
 1482, सदाशिव पेठ,
 पुण-30

(अन्तरक)

 श्री डो॰ ए॰ पोरवाल, तथा झन्य 54/57, गुरुवार पेठ, पुणे-2

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पृथोंकत सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील सं. 30 विन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, थी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं मधी हागा को उस अध्याय में दिया नया ही।

अनुसूची

फ्लैट नं० 102/ए-1, कला भवन, 305 (ए), शुक्रवार पेठ, पुणे-2 (क्षेत्र० 685 चौं) फा०)।

(जैसे कि राजिस्ट्रेकृत के० 4620, जो मई, 84, को सङ्ख्या अध्यार आहुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के क्फ्तर लिखागयाहै।)

> भ्रतिल कुमार सक्षम प्रःधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांकः 10-1-1985

मांहर :

प्रक्रम कार्ड. टी एम एक, -----

आयकर अधिनियम, .1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) क अधीन स्चनः

भारत सरकार

कार्याजय , सहायक कापकर आयुक्त (जिरीकाण) श्रजन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 10 जामरी, 1985

निदेश सं० 37र्वर्ड्/4601/34-85--प्राः मुझे, प्रानिल कुमार,

बायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सङ्घम पाधिकारा का, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थानर मरणीम, । असका उचित नाजार मृत्य 25.000/- रह संअधिक है

भीर निका सं० म० नं० 26, प्राप्ट नं० 24, डाइण्णुकर कालोन, को ग्रिस्ड है नया जो पुणे में स्थित है (भीर इससे उपाब अनुसूच, में और जो पूर्ण का मंत्रिता है) र्राष्ट्रा ति अधिकार। के कायनिय मह्यह अथ तर अप्राप्त प्रकृति (निर क्षण) अनेन रेंज, पुणे में र्राजम्द्र करण प्रांचित्यम, 1908 (1908 का 16) के अध न दिनाह मई, 1984

का पूर्वाक्त सपरित क उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान पितफल के लिए अन्तरित का गई हैं और अफ यह विश्वास करन का कारण हैं कि बनापृत ति सपति का उचित बाजार क्ल्य, उसक दश्यमान प्रतिफल स एम इश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत्त से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितार) क बान हम अन्तरण का लए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नाली बत उद्देश्य से उस्त अन्तरण निम्नाली बत

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जा भानसम के जनान कर दन के अन्तरफ के द्वायत्थ सा क्रमी करन या उक्त सचन मा सुविधा के लिए; आर. 41
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आय-कर आधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त आधीनयम, या धनकर आधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाध-गार्थ अन्तरिती इंडारा प्रकट नहीं किया गया था जा किया जाना चाहिए था छिपान में सुनिधा के लिए;

स्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :--- मै० विशाल, प्रोमोटस, एण्ड बिल्डसं 136, सुक्षवार पेठ, पुणे-2

(भ्रन्तरक)

2. श्रोमतो संतोशदेवी, जगदीशश्चश्रवाल 234, उत्तम नगर, पुणे-23

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिए कार्यगोहया करता हु।

त्रवस सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप इ--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी करें 45 दिन की अवधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील स 30 दिन की अवधि, जां भी अवधि बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकगा

स्पच्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, क अध्याय 20-क मा परिभाषित ही, वहां अर्थ हागा जा उस अध्याय में दिया गुया है।

अनुसूची

परीप्र तं० 26, प्राप्ट तं० 24, डप्ट्राम्हर कालोत्ती, कोमरुड, पुगे । । (क्षेत्र० 1160)

्रीते कि रिजिस्ट्रेक्टन ऋ० 4601, जो मर्ड, 1984 को सर्यक श्रायकर श्रापुक्त (निरक्षण), श्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गमा है।

> श्रांतल कुमार ॄैसक्षम प्राधकारी सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) भ्रजेन रेंज, पूना

विनांक 10-1-1985 मोहर: प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

भावभार विभिन्नियम, 1961 (1961 क्या 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सुमना

भारत तरकार

कार्मालय, सहायक अन्यकर आयक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, जालन्धर

जासन्धर दिनांक 15 जनवरो 1985 निर्देश सं० ऐ० पो० नं० 5746—अतः मुझे, जे० एल०

आएकर अधिनियम, 1961 (1961) का 43) (जिले हरमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह त्रिष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर निक्तो मं 2 के 11 प्रभू पूर्वा में निवा है, तथा जो जानन्धर में स्थित है (श्रीर इपसे उताबद्ध प्रनुस्च में श्रीर जो पूर्ण रूप से विजित है) रिकम्ट्राक्ती अधिकार के क्यांनिय जानन्धर में रिकम्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान विनांक मई, 1984

कर पर्वाकत सम्पत्ति से उचित बाजार मृत्य से कम कै दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विद्यास करन का कारण है कि यथाप्तीवत सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत स अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मितियां सन पदहुष्य में उस्त प्रसारण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त अधि-नियम क अधीन कर दान क अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अत्य आस्तियों कां., जिन्हें भारतीय बायकर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के स्विद्

1. सीमनाथ पुत्र नन्द ल'ल, 90 मा निजातम नगर, जालन्धर।

(श्रन एक)

 श्री प्रोतप तिर्, पुत्र के रिपर् इन्द्रुकौर क्लो प्रातम तिर्ह सुरकात हिंह, पुत्र प्रत म िंह,
 90-का, कालक्कर नगर, जालक्कर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सचना अपरी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति क अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजात्र मों प्रकाशन की नारोब से 45 विन की अविधि या तत्स्मा की व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 3(दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त हाली हा, के भीतर प्रविक्ष स्थानकार में सार रे ज्या कर कारा;
- (व) इस मुखना को राजपक घो प्रकारण करी तारीक वो 4.5 दिन को भीतर अकत स्थावर संपत्ति मो हित-सवध किसे अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकरी को पास निक्षित मा किस जा सकीयो।

न स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों अंत पदों का, जो उक्त बाधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, यहां अर्थ हाना जी तस अध्याय में विसा गया है।

बनसची

सम्पनि तथा व्यक्ति, जपा कि विलेख नं० 579, दिनांक मई, 1984 को र्राजस्ट्राकर्ता ग्राधिकारः के कार्यालय जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर क्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के असमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260-व की उपधारा (1) के लभीन, निम्नुलिवित व्यक्तियों, अधार ः

दिनोक: 15-1-1985

माहर :

प्रकृष बाह् .टो . एव . एव . -----

नायकर अधिजियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सूचना

सारत सरकार

भग्रयस्या, सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 15 जन र 1985 निर्वेण सं० ऐ० पं१० नं० 5747—मृत. मुझे, जे० एस० गिरधर,

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन संक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्य सम्मित, जिसका उचित बाजार मून्य 25.000/- रह से अधिक है

भौर जिन्नों मं० जैना कि प्रानुष्त में लिखा है सथा जो भटिन्डा में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुमूच में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विगत है) रिजस्ट्र कर्ता ग्रिधकारों के कार्यालय भटिन्डा में रिजन्द्र करण ग्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधन दिनाक 31-5-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (जन्तौरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिकित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) कतारण ते हुई किती बाव की, बावतः, उचतः विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा की किए; बॉर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्यां, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क्षे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नृहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

 ल न्त्र बन्ता पत्नी मुखदेव किशन पुत्र प्रमृत सार्रः राम मारका जयनल सिंह मोहन सिंह 12-वा माल भटिन्डा।

(भन्तरक)

 जनवंदिकौर पत्नी जियमल सिंह मारफत जयमाल मोहन सिंह कपड़ा भ्यापारी। दि माल, भाटन्का ।

(प्रन्सरिती)

का यह स्पना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रीत्त के वर्षन के सिए कार्यमाहिया करता हु।

सक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाश्रोप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तस्सवधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील में 30 दिन की अविधि, आ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्द व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीचा वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति म हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वादशीकरण :--हरूकों प्रयक्त राज्यों और पर्यों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अधंहागा जा उस अध्याय में विया गया

अनसर्ची

समाति तथा व्यक्ति जमा कि विलेखनं 997 दिनांक मई 1984 को राजस्ट्राकर्ता अधिकारा, भटिंडा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सञ्जम प्राधिकारो सहायक भायकर भायुक्त ('नर'क्षण) ्भर्जन रेंज, जालम्धर

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अधीत् उन्न-

दिनांक 15-1-1985 मोहर:

प्ररूप आइं. टी. एन. एस,-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 जनवरी 1985

निर्देण मं० ऐ० पी० नं० 5748---ग्रत मुझे, जे० एल० गिर्धर,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जैसा ध्रनुसूची मेलिखा है तथा भटिंडा में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूच। मेश्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारों के कार्यालय भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाक 1-6-84 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरका ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, लिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 10? दें (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन-कर अधिनियम, 1057 (1957 के पर्याजनार्थ अतिरिता द्यारा एकड नहीं किया गया था या किया जान चाहिए था, छिपाने में सूरिक्धा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन. निम्नलिखिट व्यक्तियों. अर्थात :--- 6_466GI/84

 श्रोमत लिज्जाबन्ती पत्नी मुखदेव कृष्ण मारफत जय मेल सिंह मोहन सिंह 12-दिमाल, भटिन्डा ।

(ग्रन्तरक)

 श्री जयमल सिंह पुत्र बुद्धसिंह पुत्र राम सिंहः म्लरफत जयमल सिंह मोहन ॄसिंह कपड़ा व्यापारी 12-दि माल, भटिन्डा।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षण :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकीं।

स्पष्टोकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगसची

सम्पत्ति तथा व्यक्तिः जैसा कि विलेख नं 1008 दिनांक जूनक 1984 को रिजिस्ट्राकर्ता ग्रिधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम श्रिधकारो सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेज; जालन्धर

दिनांक 15-1-1985 मोहर: प्रकथ नाइ . टी. एन. एसं . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, जालन्धर जालन्धर दिनाक 8 जनवरी 1985 निर्देश स० ऐ० पी० नं० 5738—ग्रत. मुझे, जै० एल० गिरधर,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

स्रोर जिसकी म० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो किगरा में स्थित है (स्रोर इसमे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर जो पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता स्रधिकारों के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रोकरण श्रधिनियमः 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनाक मई: 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि येथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक औं दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी भ्रन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय वायकर अभिनियम, 1922 (1929 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण का, में, उठन अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, पिक्निलिखिए व्यक्तियों, अर्थात् ध---

श्री मोहन सिंह पुत्र शुला सिंह बस्ती किंगरा तहसील जालधरः द्वाराः श्री भ्रनील कुमार मारफत शिशु माङल स्कूलः मुहल्लाः खोदियाः पक्का बाग, जालन्धर ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रो गुर्ग्वापाल सिंहः पुत्र कश्मीरा सिंह वासी पिंड श्रौर पोस्ट श्राफिस छरोलो॰ कला तहसील जिलन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त संपर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सपति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

∙मनुसुची

सम्प्रीत तथा व्यक्ति कर्ना जैसा कि विलेख नम्बरः 643 दिनाक मई 1984 में रिजिस्ट्रा कर्ना ग्राधिकारी जालन्धर ने सिखा है।

जे० एल० गिरधर सक्षम ऋधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रेजन रेज, जालन्धर

दिन(क 8-1-1985 मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृथना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धरिं ् जालन्धर दिसांक 8 जनवरी 1985 निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5739—श्रतः मुझे, जे० एल०

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमं इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूर्च। में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (श्रौहर इसमें उपावद श्रनुसूर्च। में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजर्स्ट्राकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजर्स्ट्राकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16)

के श्रधीन दिनांक मई। 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्त्रिक रूप से कृथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अर्[धिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा चे निए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्रिक्षा के लिए;
- अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तिगुर्गे, अर्थात् ह—

- श्री सोहन सिंह पुत्र भुला मिंह वासी पिंड किंगरा तहसील जालन्धर द्वारा मुख्तयारे श्राम श्री अनील कुमार चौपड़ा मारफत शिशु माडल स्कूल मुहल्ला, खादिया पक्का, बाग, जालन्धर । (श्रन्तरक)
- श्री गुरमुख सिंह, पुत्र गुरिदयाल सिंह, वासी पिंडं ग्रमैर पोस्ट ग्राफिस डरोलो, कलाँ, तह्मपील जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप म--

- (क)। इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर त्या की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पिश्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

जनसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, कर्ता जैसा कि विलेख नंबर, 675, दिनांक मई, 1985 में रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जानन्धर

दिनांक 8-1-1985 मोहरः

प्ररूप आईं टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 जनवरो, 1985 निवेश सं० ऐं०पी० नं० 5740—प्रतः मुझे, जे०एल० गिरधर

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गयां हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्ध्यायर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रौरजिमकी मं० जसा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रद्री मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है !--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की ब्रावस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री सोहन सिंह, पुत्र भुला सिंह वासो पिंड किंगरा तहसील जालन्धर द्वारा मुख्तवारे ग्राम श्रो ग्रनील कुमार चोपड़ा, मार्फत, शिशु माडल स्कल, मुहल्ला खादिया पनकाबाग, जालन्धर ।

(भ्रन्तरक)

2. मुरिन्दर सिंह पुत्र गुरदियाल सिंह, वासी पिड डरोली कला, तहमील जालन्धर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति कर्ता जहा कि विलेख नं० 690 में दिनांक मई, 1984 में रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जालन्छर में लिखा है।

> जे० एम० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, जालन्धर

दिनांक 8-1-1985 मोहर :

प्रकल् काई ुटी, एन. हुस्-----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मुभीन सुचना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्स (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 8 जनवरी, 1985
निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5741—श्रतः मुझे, जे० एन०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि' श्रनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से बांगत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उधित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती. (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में गास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाद की बादल, इसक अधिनियम की अधीन कहर योगे के अन्तरक की दामित्व में कमी करने वा उससे दूपने में सुविधा के निहर; बार्-/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, ज़िन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) चे अभीन, निस्तिचित स्विकतयों, अर्थात्य— श्री जगत सिंह, पुत हरी सिंह, वामी गांव किंगरा, तहसील जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री इन्द्रजीत सिंह पुत्र गुरदियाल सिंह, बासी पिंड, श्रीर डाकखाना डरोली कलां, तहसील जालन्धर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सुम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में की किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्विभिन्यम् के अध्याय 20-क में गरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया भवा हैं।

प्रनुसूची

सम्पत्ति, तथा व्यक्ति, जैया कि विलेख नं० 603, दिनांक मई, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय जालन्धर में लिखा है ।

> जे० एत० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) ध्रजन रेंज, जालन्धर

दिनांक 8-1-1985 मोहर ः।

प्रकप आई.टी.एच.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण) धर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 जनवरी, 1985

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5742—प्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि भनुसूची में लिखा है तथा जो खुरला में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण स्प से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मर्थ, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूळे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंगे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिए उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) वंतरण से हुई किसी अध्यु का बाबत , उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्√मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तृशिया के निय;

कता शब उक्त किंधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविश्विस व्यक्तियों, अर्थात :---

श्री सुरजीत सिंह पुत्र शाहमीर सिंह
 वासी नकोदर, रोड, (नजदीक सस्ता श्राईरन स्टोर),
 जालन्धर ।

(भ्रन्तरक)

 श्री भनजीत सिंह पुत्र करतार सिंह, वासी पिंड खोहकार, जिला जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी काइक पूर्वोक्त संपरित के अर्जन में लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकारी।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वहीं अर्थ द्वीगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।∤

et a d

सम्पति, तथा व्यक्ति, कर्तां जैमा कि विलेख नंबर 540, में दिनांक मई, 1984 को रिजस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० ∤गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ∕ग्रर्जन रेंज, जालन्घर ५

विनांक 8-1-1985 मोहर : प्ररूप आइ. टी. एन. एस _-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) -

म्रर्जन रज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 जनवरी, 1985

निदेश सं० ऐ०पी० नं० 5743—म्ब्रसः मुझे जे० एल० गिरधर

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- अं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित गाजार मृल्य 25,000/- रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची में श्रनुमार लिखा है तथा जो वरीयना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय जालन्धर में रौजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्स सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास ≰ करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्वित में बास्तविक क्य मं किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जनसरण से हुई किसी थान की नासत अक्त जीवनियम के जभीन कुद दोने के जनसदक की दायित्य में कभी कटने या उससे बचने में सुविभा ठिला; आर√या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिर्गनयम की धारा 269-ग के, अनुसरण - क्रो, मैं, उक्त अधिनियम् की धारा 269-घ की उपधारा (1) - क्रो अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अधीत् ः—

- श्रीमती भ्रमरकोर, परना रणजीत सिह, श्रीर, मुखर्बार गिह पुत्र देसराज वासी पिड, वरोयना, तहसील जालन्धर। (श्रन्तरक)
- 2. श्रो गुरवचन मिह् पुत्र मेहरचन्द, वामी पिड बरीयना, तह्सील जालन्धर। (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (**) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्ते स्थावर सम्पति में हिल्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

अन्स्**ची**

सम्पत्ति, तथा व्यक्ति, कर्ता जैसा कि विलेख नं० 688 में दिनांक मई, 1984 की रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्रा**र्**धिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रुजेन रेंज, जालन्धर

दिनांक 8-1-1985 मोहर :

प्रकृष कार्च . टी : ६व . एस ., ------

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-म (1) के मधीन स्पना

माउद यहकाड

कार्यात्म, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जासन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 जनवरी, 1985

निदेश सं० ए० पी० नं० 5744—अतः मुझे जे० एस० गिरधर

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का काएण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्व 25,000/- रा. से अधिक है

म्रीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक गई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल 'हे लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का दिह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के भीच एसे बन्तरण के निए तय पामा गया प्रतिक फल निम्निलेखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक कप से कि भत नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के जभीन कर देने के अन्तरक कें बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (को एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधां खें लिए:

अतः । । ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !---

- 1 श्री विद्यासागर, पुत्र श्री अमरनाय वासी 343, एल, माइल टाउन, जालन्धर। (अन्तरक)
- श्री मुच्चा सिंह, पुत्र जोगिन्दर सिंह वासी गांव महन गहला, तहसील जालन्धर। (अन्तरिती)

भो यह स्थान बारी करके पृवानित सम्परित के वर्णन के ज़िए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

दक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध के कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्यव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के दास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ज़क्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परिः भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन संची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 1148, दिनांक मई, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर के कार्यालय में लिखा है।

जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्षर ग्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

ंदिनांक 10-1-1985 ्

मोहर:

मुक्तपु कार्यः , दर्श , स्वा, स्वा ु− ल ० ०००

बायकर बिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के संधीतः स्वना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विर्नाक 10 जनवरी, 1985

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5745---अतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-क के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,,000/- रा. में अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो मुक्तसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाधक अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कि कार्याजय मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उणित् बाजार मृस्य से क्षम के क्षयमाल प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मूक्ते यह जियबास करने का कारण है कि यभापूर्णोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्ममान, प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित जब्देक्य से उक्त जन्त्रण सिचित में वास्विक रूप से कथित महीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बाबस, उपल विधिवयम के वधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्य में कमी अक्काक्तेल्या उससे बचने में हुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन, निम्तितिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—
7—466GI/84

1. श्रीमती जगदीश कौर पत्नी हरपाल सिंह,
पुत्र आत्मा सिंह बामी गांव खूरांज (मुक्तसर) ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गुरदेव कौर, पत्नी हरपाल सिंह पुत्र आत्मासिंह वासी गांव खूरांज (मुक्तमर)

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोचत् सम्पृत्ति के अर्थन के िन्य कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त सक्यित् के वर्णन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (कं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकारी

स्पन्नीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियीं '. गया है।

वयसंची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैमा कि विलेख नं० 472, दिनांक मई, 1984 को रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में लिखा है।

जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक 10-1-1985 मोहर : प्रकार गार्ड, दी. एनं पूर्व ----

माबकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) की वधीन स्वा

भारत संप्रकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 31-12-1984

निवेश नं ० एम ० ३००/८४--८५---अतः मुझें , चें ० पी० . हिलोरी

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के सधीन सक्षम प्राधिकारी कारे, यह विक्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 30/1 है तथा जो नया गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2-3-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि स्थाप्त्रों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दल्यमान प्रतिकत्त सं, एसे दश्यमान प्रतिकत का पन्न्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक्त (अन्तरिकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिवियों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्विये से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से अभिक नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरम **चे हुई किसी आव की वावत**ा **उनत** विविध्यम के वधीन कर देने के बन्तरण के दायित्व में कमी करने या उसमें वचने से सुविधा के विद्यु: ब्रीट/का
- (क) ऐसी किसी बाव वा किसी घन वा बन्य कारित केंग जिन्हों भारतीय अध्य-अर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जेंग था या किया जाना वाहिए था फिपान बें सुविधा के सिए;

जत: कव, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन किर-पिनीसत व्यक्तियों, वधान क्र-- श्रीमती पुरना देवी पत्नी श्री डी॰ एस॰ माल 30/1 नया गाव मोहिनी रोड, देहरादून ।

(अन्तरक)

 श्री हरी किशन भट्ट पुत्र श्री ब्रह्मानन्द भट्ट आदि नि०—सेमल, तथा टेहरी ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती -(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पस्ति हैं)

को यह सूचना चारी करके पूजाँक्त बंदरित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त बंद्रित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेत्र है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बर्बाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ गर सूचना की तामील से 30 दिन की बर्बाध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर प्रांतर महिलायों में में किसी स्थित ब्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिल्बहुभ किसी अन्य स्थावत इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकेंगे।

स्वक्रीकरणः -- इतमे प्रयुक्त कथाँ और पर्दों का, जो उपक लिपिनियम, के अध्याव 20-क में परिभाषित ह⁴, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा ह⁴।

मकान नं० 30/1 नया गांव मोहिनी रोड, देहरादून।

जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) | अर्जन रेंज, कानपुर।

तारी**ल : 31**—12—84

भोहर 🛭

प्रकथ बार्ड . टी ., पुन ् एस ...----

जागकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) कीं ं धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत शरकार

कार्यालय, सङ्गायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 दिसम्बर 1984

निदेश नं० एम० 863/84-85--अतः मुझे, जै० पी० हिलोरी

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पृथ्वात् 'उक्त अधिनियम', कह्म गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं े हैं तथा जो मेहमा सराय में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-5-84

को पूर्वोक्त सम्पोत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में शस्तियक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जिथ-शैनवम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वरि/का
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भून या जन्य आस्तियों फो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ग्रयोजनार्थ अंटिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा है सिए;
- र्ण जतः अव उक्तः अधिनियम की भारा 269-ग कै अनुसरक वों, मीं, उवत अधिभिनयम की भारा 269-च की उपभारः (1) के अभीन्, निस्तीसित् व्यक्तियों, अर्थात्ः—

(1) मे० दी बेबीसं एण्ड वेलेप्टिंग फॅक्ट्री प्रा० कि० निकोहोल्सन रोड दिल्ली द्वारा मैनेजिंग डाइरेक्टर श्री रतन कौल

(अन्तरक)

(2) मे॰ भुनीता मदन पहिन श्री रिबन्द्र मदन, नि॰ एस॰ 290 पंच शील पार्क नर्ष दिल्ली

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती (यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति हैं)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध मां कार्क्ष भी वार्क्षण ---

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीच दें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर स्वान की तामील में 30 दिन की अविध, आं भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धुवारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्यहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्तीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

खसरा नं० 32 मिन 33 मेह्मा सराय उर्फ कोट जि० गाजियाबाद

> जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरें ज, कानपुर

तारीच : 29-12-1984

मोहर ५

प्रकप भाष्ट्रि डो. एन . एस∑------

नायकर निविधियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सहस्रह

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त-(विरीक्षण)

अर्जन रें ज, कानपुर

कानपुर दिनांक 31 दिसम्बर, 1984

निर्देश सं०एम० 864/84-85---अतः मुझे, जे०पी० हिलोरी' बायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'खक्त बिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्व 25,000/- रु. में अधिक है

शौर जिसा सं० है तथा जो मेहम्मा सराय में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद भें, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15--5-84 को पूर्वोच्न मपित्न के उचिन जाजार मृत्य में कम के दश्यनान श्रीतफल के लिए जन्तरित की गई है और मुमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान श्रीतफल का पन्यह प्रतिषात सरे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और इन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दादित्य में कनी करने या उसके वचने में सूबिशा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

ीं अर्ताः कींबा, उक्त आधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अक्तिंद्र ह— (1) मैं वि वेर्विंग एष्ड वैलेटिंग फीक्ट्री प्रा० लि० निकोलसन रोड देहली

(अन्तरक)

(2) श्रा रतन कौर पुत्र हर प्रसाद कौल, नि० एवरेस्ट हैर्जिस जीं० टी० रोड, गाजियाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी अरकं पूर्विक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस तुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जन्मि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितमें पर सूचमा की तांमील से 30 दिन की जन्मि, जो भी 'जनभि' नेव में संगण्त होती हो, के भीतर प्रोंक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सुक्रमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उपल स्थावर संपरित में हितब्द्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास सिक्ति में किए जा सकति।

स्वक्रदिकरण: -- इसमें स्युक्त फेब्दों और पतों का, जो उक्ते अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गयी है।

अनुसूची

प्रापर्टी ग्राम मेहमा सराय, गाजियाबाद ।

जे०पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक आयंकर आंगुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 31~12**~**1984

मोहर 🙂

प्रकप कार्य 🚉 द्यु 👵 एन् . एस . -----

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) की अभीत सुख्ता

TISO SECTION

कार्यान्य, सहायक बायकर बायक (रिन्डीक्रक)

अर्जन रें ज, कामपुर

कानपुर, दिनांक 29 दिसम्बर 1984

निर्वेश स० एम०/875/84-85--अतः मुझे, जे०पी० हिलोरी

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परनात उस्त नियम कहा गया हैं) की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित् वाबार मुन्स 25,000/- रह. स अधिक हैं

स्रीर जिसगी स० आर 5/49 है तथा जो राजनगर, गाजियाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रिजस्ट्रीकर्रा अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7 मई 84

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाधार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि युग्नपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाधार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से विभिक्त हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिए तब पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया हैं:——

- (क) बन्तरण से हुद् किती बाब की पाइत, अक्ट अधिनियम के बधीन कर देने के बन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बुक्त में सुविधा के निए; बहुर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया या द्वा किया बाना वाहिए था, कियाने में स्वैवधा के लिए;

बतः अब्, उनत् अधिनियम की धारा 269-न के बन्तरूष् मों, मों, उवत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1 14

(1) श्री हंस राज गुष्ता पुत श्री रघुनाथ दास गुप्ता निवासी ए०-दया नन्द बिहार विकास मार्ग, इन्द्रप्रस्थ इक्सटेनशन 2, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) राधे लाल पुत्र श्री मुरारी लाल श्री मति एस० नेहला परिन श्री राधेलाल निवासी के०ए० 100 कवि नगर, गाजियाबाद (अन्तरिती)

को बहु सूचना कारी करके पूर्वीक्त संगीतत को अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त इस्पीत के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृजीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन् कें भीसर उन्त स्थावर संम्पस्ति में हितत्र द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल निवित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कान्यों और पर्यों का, जो उनस विभिन्नम्, के कथ्याय 20-क में परिभाषित् हैं, वहीं वर्ष होना, जो उस अध्याय में दिया चना है।

धनुसूची

प्लाप्ट नं ० आर० 5/49 राज नगर, गाजियाबाद

जे०पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी ,सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, कानपुर

तारीख: 29-12-1984

मोहर :

अ प्रम् सार्क , टर्ने , एमं , एसं , पन-------

কামসমস ऑक्नियम, 1961 (1961 **का 43) की पारा** 269-ष (1) **के सभीत स्पता**

HIST EXPLE

कार्यालय, सहायक <mark>धायकर धाय्यत (निरीक्षण)</mark> अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निर्देशसं ०एम० 876/84-85,—अत: मुझे, जे०पी०हिलोरी अध्यकर ्रीधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परकात उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सतम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका छिषत बाजार मृख्य 25,000/- रह. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० है तथा जो चौधरी बाग में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद अनुभूची में भौर पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अतिगितयों) के बीच एसे अंतरण के सिष्ट तय पाया गया प्रतिक का , निम्नलिखित उद्देशम से उक्त अंतरण लिखित मे वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया प्रया है है—

- (क) अन्त्रण से हुइ किसी बाय की बाबत, उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविभा के निस्-वरि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुनिधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण सं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधिन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों भूषात् डि— (1) श्री अब्दुल हमोद पुत्र श्री कल्लन खां नि॰ चौधरी वाड़ा कस्या सिकन्दराबाद जि॰ बुलन्दशहर

(अग्तरक)

(2) शमशोर अहमद पुत्रश्री बोदल खांमौ० काजीबाड़ा सिकन्दराबाद,जि० बुलन्दशहर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्पत्ति के अर्थन के जिल्ल कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाध्येप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंबारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्धः किरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ' अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया 'या हैं।

अनुसूची

मकान नं ० मुहल्ला चौधरी बाड़ा जि० बुलन्द शहर ।

जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरें ज, कानपुर

नारीख: 31-12-1984

मोहर 🛭

प्ररूप महा . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 29 दिसम्बर 1984

निदेश सं० एम० 891/84-85-अतः मुझे, जे०पी०हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्रवातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), वही भारत 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार बृख्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिस ी सं० 19-20 है तथा जो हापूड में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हापुड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-5-84

को पर्नोधन सम्बन्ति के उचित बाजार भूरव से कब के रश्यमान प्रतिकास के लिए सत्तरित की गई है और युक्के यह विकास करने का कारण है कि यथाप्योंक्स संपरित का उपित बाजार मृत्य, उनके रायपान प्रतिफल ते एसे प्रमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और भन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे मन्तरण के निए तम भाशा गया प्रतिपास, निम्नौसिक्क उत्पर्देग्य मे उत्पर्त अन्तरण सिसित में वास्तविक म्पा में करियत नहीं किया क्या है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के द्रायित्व में वाली कारने या उत्तरी वन्तने में स्वीवधा के जिए; और/या
- (क) एेसी किसी कार्य या किसी धन या अपय कास्तियों को जिन्ह भारलीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा को लिए।

(1) कैलाश चन्द अग्रवाल य राजकुमार अग्रवाल पूत स्व०-श्री मोनीचान अग्रवाल व श्रीमिन उमिला देवी परित स्व०-निर्मल कुमार अग्रवाल मोदी भवन, रेलवे रोड, हापूड

(ग्रन्तरक)

(2) सत्या शर्मा परिन श्री जगदीश प्रसाद शर्मा नि॰ मोती गंज 2, हापूड़

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उन्ह सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राज्यत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्यम्बन्धी व्यक्तियो पर सचना की तामील स 30 दिन की अवधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (ध) इस स्वका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मन्ति में हित्बद्दध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अध्यस्ताक्षरी के पास रितीभात मा किए जा सकेगा

ल्पाक्टोकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ट अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

धन्स्ची

अहाता नं० 19-20 रागा पुर हापुड

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपूर

अत अब, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में में उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1)

1

के अधीन, निम्मलिबित व्यक्तियों, वर्षात् 🏗 -

तारीख: 29-512-1984

मोहर 🕄

प्रकथ काहं, टी., एन. एक:

बायफर विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-म (1) में बभीत सूच्ता

पारत सरका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशक) अर्थन रेंज, कानपुर

कानपुर, दनांक 31 दिसम्बर 1984

निदेश सं०एम० 899/84-85-अत: मुझे, जें०पी०हिलोरी जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिपकी सं० है तथा जो मिर्जापुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्रय गाजियाबाद में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिक्त कि विश्वास के बाद बाद के स्थान के बाद बाद के बाद के

- (क) अन्तरण में हुन कियी नाम की नामृत क्या नाम-नियस के अभीन कर बोने के अन्तरक के वासित्य में कभी कहने वा क्याचे बाहने में सुरिया के लिए; बोहर/का
- (व) एंसी किसी बाव वा किसी वन या अन्य व्यक्तियाँ की, विस्तृ भारतीय वायकर विधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधित्यम या धन- कर विधित्यम, 1957 (1957 का 27) केल प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया धर या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के तिए;

(1) दिनेश चम्द बंशल पुतः जग मोहन लाल बसल नि० रजन बाजार मेरठ

(अन्तरक)

(2) विशास सहकारी आवास समिति लि० दादरी वी० 4 यू०पी० स्टेट इन्डस्ट्रीयल एरिया, मोहन नगर, माजियाबाद

(अन्तरिती)

(3) अंतरिती (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में मस्पत्ति हैं)

न्द्रों अहं स्वता बार्डी करके प्वांभित सम्परित के अर्थन के निव् कार्यवाहियां शुरू फरता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षक के सम्बन्ध में कोई भी बार्शय ---

- (क) इस स्चान के राज्यक में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृजना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वादा;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 गास निविस में किए वा सकागे।

स्वक्षां क्षरण: -- इसमी प्रवृक्त शब्दों और पदों का, वी उपक अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा वो उन्न अध्याम में दिवा पदा है।

मन्त्रचीं

भूमि:-ग्राम मिर्जापुर प्रा० लोनी जिला गाजियाबाद

ए० प्रसाद, ं मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जनरेज, कानपुर ,

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभारतः—

सारीख: 31-12-84

मोहर :

प्रस्प आई. टी. एत्. एस. -----

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-म (1) के वृधीन सुचना

माग्त भरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपूर, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निदेश सं० एम० 905/84-85--अतः मुझे जे०पी० हिलोरी बाबकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसर्वे इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृत्व 25,000 /-रह. से अधिक **है** ग्रीर जिसकी सं० 84 ब्लाक ए है तथा जो रामपुरी में स्थित है (मौरइससे उपावस अनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दादरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन , तायीख 31-5-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के बाजार मृत्य से कम के रख्यमान प्रतिफल के अंतरिती की गई है और मूक्ते यह विख्वास करने का कारण है यह पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य, उसके प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक इरयमान प्रतिफल से, ऐसे अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नसिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में रक्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) असरण ने हुई किसी बाब की बाबत, अनक श्रीपायन में वर्णीन कर दोने में क्यूएक में बाह्यात्व में कभी करने मा उत्तरी बचने में स्विधा ने तिए; नीड/वा
- '(क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तिबाँ को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, वा धनकार विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना थाहिए था. छिपाने में स्विधा के किए;

ं जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्ति जिस्ति क्यिक्तयों - व्यक्ति है—

8—466GI/84

- (1) श्री रणधीर सिंह पुल चौधरी बहोडू सिंह नि० जाफर पुर डा० नजफगढ़ सूबा देहली (अन्तरक)
- (2) श्री योगेश चन्द्र गर्ग पुत्र, श्री रघुनाथ प्रसाद श्रीमति राम चन्द्रा पत्ति श्री सुशील चन्द्रा (अन्तरिती)
- (3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पस्ति हैं)

को यह स्वना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिं कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कत्य स्पन्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी से पाच लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का. को उनस् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बड़ी अर्थ होगा को उस अध्याय में विवा मेंबा हैं।

वनसभी

प्लाट सं० 84 ज्याक ए, सेक्टर 7, रामपुरी 7 एच० ए० गा० बाद

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 31-12-84

मोहर ः

प्ररूप शाहाँ, टी. एन. एस. -----

जासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सहकार 🗳

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 29 दिसम्बर, 84

निदेश संमएम० 913/84-85--अतः मुझे, जे०पी०हिलोरी बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० है तथा जो नसरत पुरा गाजियाबाद में स्थितहैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री — कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रिजस्ट्रीकरण अधिकारा के कार्यालय, गाजियाबाद में, रिजस्ट्रीकरण अधिकारा 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18—5—85 को पूर्वों कर सम्परित के उचित बाजार मूस्य से कम के स्वमान प्रतिकाल के लिए जन्तिरत की गई है और मुक्ते यह बिख्याम करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पर्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके सस्यमान प्रतिकाल से, एसे सस्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अन्तरित (अन्तरित्वा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण सिवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में तविभा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा को तिए;

बतः जब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ए के बनुसरण में, मैं उक्त जिथिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के जभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्षाए ।——

(1) रामरती देवी परिन श्री स्व० बालस्वरूप गोयल, नि० मकान नं० 2 मुहल्ला सोहनलाल देहली गेष्ट-गाजियाबाद

(३३

(2) जुगल किशोर पुत श्री किशन लाल व श्रीमति राज रानी पत्नि श्री किशन लाल मकान नं० 280-सी राजनगर गाजियाबाद

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

कों यह स्वना बारों करके प्वॉक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करतां हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरण: — इसमें प्रयुक्त सम्बं और वर्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा ववा है .।

नगस्यो

प्लाप्ट मुहल्ला नसरत पूरा गाजियाबाद ।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण); अर्जन रेंज, कानपुर,

तारीखा: 29-12-84

मोहर 🛭

प्ररूप शार्^कः टौ_ु एन**ु एस**ु --शासामा

ारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी धारा 269-घ (1) के अधीन स्भना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (िनरीक्षण) अजन रें ज, कानपुर

कानपुर विनांक 29 विसम्बर, 1984

निदेश सं०एम०-914/83-84-अतः मुझे, जे०पी०हिलरो। बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिसकी सं० श्रार० 5/42 गाजियाबाद है, तथा जो गाजियाबाद में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से बणित रिजस्ट्रोकण श्रधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 14-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उध्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाव की बाबत, अक्त जीभनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में भृषिभा के लिए; और या/
- (ख) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्य आस्टियी को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना धाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अव, उक्त विधितियम की धारा 269-ण के जनसरण कों, में, उक्त अधितियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) इं अधीत, निभ्नलिखित व्यक्तियों, अधीत ६(1) श्री राजेन्द्र नाथ गुप्ता पुत्र रामचन्द्र गुप्ता नि० सी० 12, निजामुद्दीन ईस्ट सकिन्ड पस्तोर दिल्ली—13

(भन्तरक)

(2) श्री विजय गोयल पुत्त श्री मुरली मनोहर गोयल नि॰ ए/143 मगोक बिहार फेस वन, विल्ली

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

का यह स्वना जाड़ी करके पूर्वीक्स संपरित के अर्थन के निए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :~~

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की सारी खंदे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपरित में हितबकुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए. जा सकरेंगे।

स्थळ्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में लिया गया है।

मन्स्यो

एक मकान जो कि राजनगर गा० बाद स्थित है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिका**री** सहायक **श्रायकर भ्रायुक्त** (निरीक्षण) **भर्ज**न रेंज, कानपुर

तारीख: 31-12-85

मोहर :

प्ररूप. बाहाँ. टी. एन. एस. - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के भभीन सूचना

भारत सरकार

कायसिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

कानपुर, डिनांक 29 दिसम्बर 84

निदेश सं० एम०-916/84-85--श्रतः मुझे, जे० पीं० हिलोरी। नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ग्रार 14/27 है तथा जो राजनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूत से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीक्षकारों के कार्यालय, गाजियाबाद में, रिजस्ट्रीकरण ग्रीक्षितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 29-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर का अपित का अपित का पन्तरका प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल के किए तर प्रतिस्ति (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिपाल निम्नलिचित उच्चेप्य से उक्त अन्तरण निम्नलिचित उच्चेप्य से उक्त अन्तरण निम्नलिचित उच्चेप्य से उक्त अन्तरण निम्नलिचित से सास्तिया गया है क्ष्रिक स्ति वा स्तिया गया है क्ष्रिक स्ति के स्तिया गया है क्ष्रिक स्तिया स्

- (क) अन्तरण सं हुए किसी जाय की बाबस उक्स अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मीं कमी करने या उससे अचने मीं सुविधा के लिए; और/या
- (वा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवा, उक्त अपिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवितयों, अर्थात् :— (1) श्री सुभाष चन्द्र पुत्र श्री विशान दास बतरा कलकत्ताएम० जीरोड-कानपुर

(મ્ર

(2) श्री सालिक राम पुत्र श्री लम्ब् नि० खेड़ा शिकोहाबाद, जि० मैनपुरी

(मन्तरिती)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह त्रुवना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिकरण: — इसमें प्रयुक्त सन्यों गौर पर्यो का, वो उक्त अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

मन्त्रूची

प्लाट नं० ग्रार०/14/27 राजनगर गाजियाबाद।

जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी स**हायक भा**यकर प्रायुक्त (निरीक्षण) **भजन रें**ज, कानपुर

तारीख: 31-12-84

मोहर 👙

प्ररूप बाइ".टी.एन.एस.-----

अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-ज (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, कामपुर

कानपुर, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निदेश सं० एम०--917/84--85---ग्रतः मुझे, जे०पी०हिलोरी आयकर अभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जसको सं 2 सी० 119 है तथा जो नेहरू नगर गाजियाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रिजस्ट्री— करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 25~5~84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभे यह विश्वास म्लरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का फल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबतं, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अक्ष, उक्ष अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीरा, निम्निजिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री विष्णु लाल चन्द मितल पुत्र स्व॰ श्री श्रार० एन० मित्तल, निवासी वर्तमान 3 ए/163 झाजाद नगर कानपुर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दिनेण कुमार जैन, पुत राजकुमार जैन परिन जिनेश कुमार जन, नि० 2 सी 119 नेहरू नगर, गाजियाबाद

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती (बह व्यक्ति, जिसके अधिभीग में सम्पर्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

त्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नमुस्या

भवन प्लाट नं० सैंकिन्ड सी०-119 नेहरू नगर, गजियाबाबद

> जे०पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 31-12-84

माहर 🛭

प्रकव बाइ°. टी. एन. एस. ⊬ - - ----

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीत स्वता

वारत चहनात

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निदेश सं० एम०--924/84-85--- प्रतः मुझे जे ०पी० हिलोरी भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/-रु से अधिक हैं

श्रीर जिसको मं० है तथा जो मायापुरी हरिद्वार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, हरिद्वार में, रिजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 7-5-84

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एमें रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- र्थंक) अन्तरण वेह्दं चित्रती जाय की वाक्तः, उच्छ अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी कर्ने या उसके वचने में समिधा के लिए बह्∡ंबा
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी पत्र वा क्या वास्तियों को, जिन्हों भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

- (1) स्वामी सोमेश्वरी मिह मुनी शिष्य हरीराम सिंह, नि० संतपुरा, कुटिया बेगम, वाद रोड, में पंजाब सिंह रोडा भागोडा हरिद्वार
- (2) श्रो ध्रमर नाथ ध्रधलखा पुत्र श्री निमल दास नि० भीम गोडा हरिद्वार

(म्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पस्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :- -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में से किसी स्थित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नम्पित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पथ्योकरण ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

एक मकान स्थित निरंजनी असाहा हरिद्वार

जे० ती हिलोरी सक्तम प्राधिकारी सङ्घायक बायकर आयुक्त ((निरीक्षण) श्रर्जनरंज, कानपुर¶

अत. अव. उक्त अधिनियम की भारा 269-म को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नील्सित व्यक्तियों अभारत् ध—

सारीस : 31-12-84

मोहर 🛭

प्रकृष वाह्र . दर्ज . एस ::------

कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

नारत सरकात्र

.गर्यालय, सहायक **बायकर जायक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निवेश सं०एम० 931/84-85—अतः मुझे, जे०पी० हिलोरी नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृल्य 25,000/- रहे से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 19 है तथा जो पटेल नगर मेरठ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकार के कार्यालय, मेरठ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिध- नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन, तारीख 31-5-84 को पूर्वीक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से का के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतारितियों) के भीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति- उस, निम्नलिसत उच्चेस्य से उक्त अन्तरण निम्ल में वास्तविक क्य में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधील कर दोने के अन्तरक के दरियरच में कमी करने वा उक्त वच्चने में सुविधा के निए; बाँड/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तिवों को चिन्हों भारतीय नाय-कर निभनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर न्हींभिनवम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तुविधा के सिए;
- अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) से स्थीन निम्नलिकित व्यक्तियों, सर्भातः—

- (1) श्री सलाउद्दीन पुत्र श्री जहूर श्रह्मद नि० बन बटान खैर नगर गेट ग्रख्नर मजीद मेरठ (श्रन्तरक)
- (2) श्री णहाबुदीन पुत नजरूदीन रनिया मुहल्ला, भेरठ

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती
(वह व्यक्ति, जिसके अधिओग में सम्पत्ति हैं)
को बह सूचना जारी करके पृश्लोंक्त सम्परित के अर्धन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप ;---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जबिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिनत्यों में से किसी व्यक्ति हवा ग
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितदस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पच्चीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में ज़रिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रपृष्यी

एक ग्रहाता नठ० 19 वाके पटेल नगर कालोनी शहर मेरठ

> क्षे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यक्त अध्यक्त (निर्राक्षण) श्रर्जनरें ज, कानपुर

तारवेखा: 31-12-84

मोहर 🔞

प्रकल भार्च ु टी : एन :, एस : -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सहकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 दिसम्बर 84

निदेश सं० एम०-960/84-85--अतः मुझे, जेमैंपी०हिलोरी बायकर सिंधनियम, 1961 , 961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25.000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० के० डी॰ 81 है तथा जो कवि नगर गाजियां वाद में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्री— करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3—5—84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार यूर्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रोत्तरात से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्वेदय से उस्त अन्तरण लिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइं किसी बाव की बावत उक्त भाषितियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसते बच्चये में सुविधा से निष्कु जौर/वा
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या करू कास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अभीनः, निम्निनिधित व्यक्तियों, प्रभात १८——

- (1) श्री बलदेव राध पारसर पुत्र श्री मुलुख राज पारसर नि० के०डी० 81 पुराना कवि नगर गाडि द्वारा श्रीमति सुरेन्द्र कौर पत्नि द्वरभजन सिंह नि० के०डी० 81 कवि नगर, गाजियाबाद
- (2) श्री हर भजन सिंह पुत्र स॰ तिलोक सिंह नि॰-सम्भोली सुगर मिल्स, सम्भोली जि॰-गाजियाबाद

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्कीक रूण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वन्तुकी

प्रापर्टी नं० के०डी० 81, कवि नगर, गाजियाबाद

जै०पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जनरेंज, कानपुर

ता**रीब** : 29—12—84

मोहर 🖫

प्रकथ बार्च दी पन एस

.कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 विसम्बर 1984

निदेश सं० एम०-997,84-85- अतः मुझे जे०पी० हिलोरी नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

शौर जिसकी सं० 1 है तथा जो इन्बर रोड देहरादून में स्थित
(शौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है),
रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्याणय, देहरादून में, रिजस्ट्रोकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख 21-5-84
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और
न्मतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्विषय से उक्त अन्तरण
मिचत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) करारण से हुई किसी नाम की नानत, उक्त विभिन्नियन के अभीत कर दोने के जन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा ' के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविभाके लिए;

(1) श्रीमित कमला पत्नि श्री बनारसी दास धवन 26, प्रेमपुरी गाजियाबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमिन रामरानी अग्रवान पत्नि श्री नवीन कुमार अग्रवाल, दरसानी गेट, वेहरादून

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां शूरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्धों का, जो उक्त अधि र नियम के अध्याय 20 का में परिभाष्टित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया

अनुसूची

प्रापर्टी नं० 1, इन्दर रोड, देहरादून

जे० पा० हिलेरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकः आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, कानपुर

तारीज : 29-12-84

मोहर 🛭

प्रक्रम आई ० टी० एन० एस०----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुवना

सारत बदकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरें ज, कानपुर

कामपुर, विनाक 29 दिसम्बर 84

निदेश सं०एम०-998,84-85-अतः मुझे, जे० पी० हिलोरी आयंकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर तम्पत्ति जिसका उचित बाबार मूक्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं॰ 18,1 है तथा जो मोहनीरोड वेहरादून में स्थित है (मौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-5-84

को पूर्वों कत समपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान शितफल के लिए अंतरित की गईं है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके क्रयमान प्रतिफल से ऐसे क्रयमान प्रतिफल का प्रमुद्ध प्रतिमात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में बुविधा के लिए; जीव/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धून या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

नतः अय, उन्त अधिनियम का धारा 269-ग के नमृशरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) क अधीन, निम्निसित्त म्यानिक्यों, नर्भात् क्रिक्ट (1) एसं,श्री के०आर० नरवीर सिंह एण्ड के०आर० प्रताप सिंह पुत्र स्व० कनवार सिंह नि० वी० गौरो पो०-धाग जिला सिरमौर

(2) श्रीमति उमिला कपूर पत्नि श्री सी० पी० कपूर नि०-13,6, मोहनी रोड, वेहरादून

(अन्तरिती)

(₃

्को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवार;
- (क) इस स्वना के राजपव में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कितवद्वध_ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नक्षित्व :-- इसमें प्रयुक्त कर्ना नीर पर्वो का, को उन्ह अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिआवित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

न्युची

प्रापर्टी ने॰ 18/6, मोहनी रोड, देहरादून

जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजैन राहारुर

तारीब : 29-12-84

मोहर 🕄

प्रथम् वार्षः स्रोतः एव त्रुप्तः ------

कार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीत कुषता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें ज, कानपुर

कानपुर, विनांक 31 दिसम्बर 84

निवेश र्स० एम०-923/84-85-अतः मुझे, जे०पी० हिलोरी

बायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्कों इतके परवाल् 'उन्त मिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के मंभीन सक्तम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रत. से निधक हैं श्रीर जिसकी सं० 55 है तथा जो श्रवण नाथ नगर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णक्ष्य से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-5-84 को पूर्वोक्त संपरित् के उचित बाजार मून्य से कम के क्रयमान प्रतिक्रल के सिए बन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके क्रयमान प्रतिक्रल से, एसे क्रयमान प्रतिक्रल का पंद्रह

-प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती

(जन्तरिक्षियों) के **बीच** एसे अन्तरण **के लिए तय** पांया गया प्रति-

कल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त∞

विक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) बन्चडण से हुई किसी बाय की बावत, उन्धे अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्दडक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिया के सिए; बाडि/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थं अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के सिए;

अतः तम, धक्तः विधितियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभितियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) हे <u>सर्भोत्, निम्मक्तिस्थि व्यक्तियों</u>, सर्भात् ध— श्रीमित सुधा पितन
पुरुषोत्तम दास सपरा
नि० श्रवण नाथ मगर हरिद्वार
परगना ज्वालापुर इडकी,
जि०-सहारनपुर

(अन्तरक)

(2) श्रीमति शान्ती देवी कौशिक पत्नि पं० सुरेश कुमार कौशिक, नि०—मोलागिरि रोड, हरिद्वार ज्वालापुर जि०—सद्वारनपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करको पूर्वोक्स सम्परित को वर्जन को हिन्न कार्यक्राहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्थन के सम्बन्ध में क्रोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाबन की तारीच से 45 बिन की सर्वीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की बबिथ, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीकां हैं
 45 दिन क्रें भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में द्वितववृथ
 किसी बन्ध व्यक्ति बृदार्ग अभोहस्ताकरी के पाक
 सिवित में किए वा स्केंगे।

स्पच्छीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

वन्त्र्जी

भकान नं० 55 श्रवण नाथ नगर, हरिद्वार, जिला—सहारनपुर

> जे० पी० हिलेरी संसम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, कानपुर

तारोख: 31-12-84

मोहर 🖫

(34

प्रकृप बाइ. टी., एन. एस.------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के नभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 29 विसम्बर 84

निवेश सं०एम०-930/84-85—यत, मुझे, जे० पी० हिलोरी नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

सौर जिसकी मं हाल नं 15 है तथा जो तिलक रोड, मेरठ में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-5-84 को पूर्वेक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने के कारण है कि स्थाप्नेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रिश्वात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरित्यां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नितिस्ति उद्विधों से उक्त अन्तरण कि सिक्त में बास्तिका स्प से कि सित नहीं किया गया है रे—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उल्से अधने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या जन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वर्ष, उपत विधिनियम की भारा 269-ग के अमुसरन वी, मी, उपत विधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के बधीन, निम्मविधित व्यक्तियों, वर्धात ह——

- (1) श्रीमिति सानीश्री सिंह परिन श्री नानीहाल सिंह नि० बेगम ब्रिज, मेरठ
- (2) श्री राजेन्द्र कुमार व राम ऋषि पुत्र श्री मुरांरी लाल जीवन, मकान न'० 286 व 15 (तिलकरी रोड)

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

नंग्युकी.

आधा मकान नं० 286 हाल नं० 15 तिलक रोड मेरठ

जे० पी० हिलेरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त[(निरीक्षण) ∑्र अर्जन रेंज-3, कानपुर

तारीख: 31-12-84

मोहर :

प्रकृप भाद टी. एन. एस. -----

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

बाइए ब्राइट

कार्यालय**, तहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक .31 विसम्बर 1984

निदेश सं०एम०-890/84-85—अतः मुझे जे०पी० हिलोरी आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार्य 269-269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० है तथा जो अत्पपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता

अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता खि 15-5-84 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितयों (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवार;
- (व) ऐसी किसी बाय या भन या जन्म बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया जाना चाहिए था, कियाने के सुविधा के लिए;

कतः वंदा, खनत अधिनियम की धारा 269-गं के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-जं की उपधारा (1) के अधीन, निस्नतिशिक्त स्थितियों, अर्थात् क्र--- श्री राजा राम पुत्र मिह्नाल ग्रा० ब्रह्मपुर उर्फ भोवापुरा प्र० लोनी ता० जिला० गा० बाद।

(अन्तरक)

2. वायु सेना हिन्छन सहकारी आवास समिति लि० वायु सेना कैम्पस हिन्छन—गा० बाद । द्वारा डी० के० वीक्षित चेयरमन ।

(अन्तर्रिता)

को यह सूचना चाड़ी करक पृशासित सम्परित को वर्जन को तिक् कार्यग्राहियों करता हुं।

उनत संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्वेंक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध भ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के कथ्याक 20-क में परिभावित हैं, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया देवा हैं।

धनुसूची

भूमि स्थित ग्राम— ब्रह्मपुर उर्फ कोपुरा प्र० लोनी ता० व जि० गावियाबाद।

> जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारी**ख**: 31-12-84

मोहर 🛭

प्रकथ भार्च. टी. एन. एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 31 दिसम्बर 1984

निदेश न० एम० 1002/84-85--अतः मुझे, जे० पी० हिलोरी

आयकार आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, $\sqrt{}$ यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित, जिसका उपित बाधार मृल्य $_{2}5$, 000/- $_{3}$. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सख्या 667-238 है तथा जो भोवापुर में स्थित हैं (ग्रीर इससे जपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता आंधकारी के कार्यालय, दावरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक

19-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करन में हारण है जियथापूर्वोक्त नम्बति का उचित बाजार मूल्य उस हे बुश्यमान प्रतिफत ने, एन दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिश न प्रविक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बण्तरिती (बग्तरितियों) ह बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, विश्वसिवित रहेश्य में उच्न प्रनरण स्तिबन में वास्तविक इप के ज्ञाबत नहीं विद्या गया : .—

- (क) बन्तरण ने हुइ किसी आय की बाबत, अवस्य अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; अडि/या
- (क) एसं फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (18.22 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

क्षल क्षत्र, उक्त अभिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्रीमती मनोरमा गौतम पत्नी श्री कैसाश नारायण, गौतम, निव---2999 कूचा नीसकंठ दरिया गज, नई दिल्ली।

(अ

 सरकारी कर्मचारी एव मिलगंज सहकारी आवास समिति लि०, रिज० 667 श्री मानक चन्द सचिव, ग्रा० हसनपुर भोवा पुर प्र० लोनी ता०— वावरी जि० गाजियां दि। (ग्रण्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य स्थाक्त द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नया है।

जनसंखी

खा नं 238 ग्रा० हसनपुर भोषापुर, लोनी दादरी, गाजियाबाद।

> जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बस्बई

तारीख: 31-12-1984

मोहर '

प्ररूप जाइ दी. एत्. एस ,-----

गभकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सहकार

, कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कामपुर, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निदेश नं० एम० 929/84-85--अतः मुझे, औ० पी० हिलोरी,

नायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उम्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उजित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 550 है तथा जो अनूप शहर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अनूपशहर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 14-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरका के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियिक रूप से किशत नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियह के अधीन कर दोने के अन्तरक के वार्यित्व में क्सी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/वा
- (वं) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए,
- मत: अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् :---

 श्रीमती राम कुमारी पंत्नी भ्रोम प्रकाण जिं अनूपगहर, मो० केदारणाह प्र० व ता० अनूपगहर।

(अन्तरक)

 श्री अमित तेवतिया नावा लगान पुत्र हरकेश सिंह एवं नरेन्द्र पाल सिंह पुत्र उदय सिंह नि०—पगोना ता० अनुपशहर।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(शह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विन्तयों में से किसी व्यक्ति दुवाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर नपारत में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नगरानी

खेती ख॰ नं॰ 550 अनूपशहर बांगर—अनूप शहर।

जे० पी० हलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायक्त प्राधुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, कानपूर

ता**रीख**: 31-12-84

मोहर:

प्रकप मार्च. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **धारा** 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

ं निदेश नं० एम० 1000/84-85—अतः मुझे, जे० पी० लोगी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-चं के अधीर सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थात्रर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या 769 है तथा जो ग्रा० मकन पुर में स्थित है (भौर इससे उपाधदा अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यांलय, दावरी में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक

27-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूर्यमान और ग्रह बन्तरित की लिए प्रतिफल के िक कारण विषयास करने का मभ्ते यह यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रति-कल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिकत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, मिम्निलिखित उद्वेदेय से उन्त लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, जन्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कर्मी करने या उससे वचने में सुर्विभा असे लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

भतः शकः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थाक् :— श्री शीश राम व जगराम पुत्र राम चन्त्र पुत्र समय सिंह आदि । निवासी—गाजीपुर, सूबा दिल्ली ।

(भ्रन

 मै॰ जागृति सहकारी आवास समिति लि॰ नव मार्केट, गाजियाबाद द्वारा राजा राम पाण्डे पुत्र हरि चन्द पांडे , एफ॰ 14 नेहरू नगर, गाजियाबाद ।

(अन्सरिता,

(3) अन्तरिती

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास _ लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

गन्स्**यो**

खेत नं ० 769 वाके ग्राम—मक्तनपुर परगना लोनी तहसील वावरी, जिला गाजियाबाद ।

> जे० पा० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपूर

तारीख: 31-12-84

मोहर 🛭

प्ररूप माइँ, टी. एन. एस.------

यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्थाना

भारत बरकान

कार्यात्तव, सहायक जायकार बायकत (निर्नेक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

िष श र्नं० एम० 1003/84-85-अतः मुझे, जे० पो० हिलोरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या 183 है तथा जो बनी पदा में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वावरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 19-5-84

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक से निम्निसित उद्देश्य से उनत अंतरण सिवित में वास्तविक स्य से कथित नहीं किया नया है ---

- (क) जन्तरण से हुइं जिसी नाय की वाबत, उबस अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्ट; जोड़/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भंन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की अयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नदी किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा को सिए;

 श्री कन्हैंया लाल पुत्र उदय सिंह व अजीत सिंह, हरी राम पुत्र मत्यू बनी पहा डा० वरोला, दादरी, गाजियाबाद ।

(अन्तरकः)

 सर्वप्रिय सहकारी आवास समिति लि० 2785 इ।रा चन्द्र प्रकाश पुत्र प्रेम चन्द्र नि०---66, राम नगर, नई दिल्ली ।

(अन्सरिती)

3. अन्तरिती

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के किश् कार्यशाहियां करता है।

तक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:~-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की बविध, वो औ अविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबकृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जनत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्यं होगा को उस अध्याय में दिना पदा है।

वनसर्वी

खसरा नं० 183

जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, कामपुर

परीख : 31-12-84

मोहर 🛭

प्रकप् बाह्". दी ु एन , एस् ,------

बायकर मिश्रिनयम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बधीन सुचना

भारत बहुकार

कार्यासय, सहायक जायकर मागुक्त (निद्राक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निदेश र्ने० एम० 1005/84-85--अतः मुझे, जे० पी० हिलोरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पस्ति, जिसका उचित बाजार 25,000 /- हरु. से अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी सख्या 687/2 है तथा जो रोशन पुरा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरधना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का .16) के अधीन, दिनांक

21-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्सरित की ग**र्द है और मु**क्तें मम विश्वास करमे का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्परिस का धिकत बाजार मृत्य, उसके खयमान प्रतिफल हो, एसे खयमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए इय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्ववेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया ग्या है :---

- (क) बन्दर्भ से हुई किसी बाय की शासह, प्रवितियम के प्रधीन कर देने के बस्तरक के शाबित्व में कमी करने वा उसमें बचने में सुविधा के सिए; बरि/वा
- िंश) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य अमितयाँ को जिन्हों भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कं प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया चया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के निए।

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) कुं अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री रचुबीर सिंह पुत्र शेर सिंह आदि पुत्र बुद्ध रतन सिंह नि०-रोशनपुर, डोरली प्र० पो० दौराला, सरधना, मेरठ ।
- 2. श्रीसी० डी० शर्मा पुत्र जे० पी० शर्मा कोकर्क सहकारी आवास समिति लि० भीडीपुरम, द्वारा राजपूत पुत्र खेच सिंह नि० रोशनपुर, डोरली, सरघना, भेरठ।

(अन्सरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित है) को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अयथि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकरेंगे।

स्पक्कीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याभू में विया गया है।

MATERIAL PROPERTY.

ख० न० 687 रोशनपूर डोरली प्र० दौराला ता० सरधमा जिं० मेरठ।

> जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 31-12-84

प्ररूप नाइ िटी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 दिसम्बर 1964

निवेश नं ० एम० 1001/84-85-श्रतः मुझे, जे० पी० हिलोरी,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भौर जिसकी संख्या 195 है तथा जो वाजिवपुर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, दादरी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16-5-84

कर पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावस उक्स जिथ-जिथिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के वादिस्त में कभी करने या उससे ब्लाने में सूर्तिया के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या धन या अप्य आस्तियों की, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्रत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना साहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

नतः अव, अक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अमूसरण 'में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निकासिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष--- श्री खचेड़ू पुत्र मुन्यी नि० वाजिवपुर डा० गैझा प्र० व ता० दादरी, जिला गाजियाबाद ।

(भ्रन्तरक)

 सर्विप्रिय सहकारी भावास समिति लि० चन्द्र प्रकाश पुत्र प्रभु चन्द
 नि०—61 राम नगर, नई दिल्ली–55।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरिसी

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं) को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्दों का, अरे उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्तुची

मा० वाजिवपुर प्र० दादरी खसरा नं० 195 गाजिमाबाद ।

जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक घायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण), ग्रजन रेंज, कानपुर

ता**रीख** : 31—12—84

मोहर 🖫

प्रकार नाही. टी. एवं. एवं.----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज कानपुर.

कानपुर ।दन्नांक 31 जनवरी, 1589

निवेश सं० 10004/84-85-यतः मुझे, जे ०पी० हिलोरी नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

मीर जिसके सं० 188 है तथा जो बनीपहा दादरी में स्थित है (मीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता मिश्रिकारी के कार्यालय दिंदरी में, रिजस्ट्रीकरण मिश्रिकारी के कार्यालय दिंदरी में, रिजस्ट्रीकरण मिश्रिकारी के कार्यालय दिंदरी में, रिजस्ट्रीकरण मिश्रिकारी के जार्यालय दिंदरी में, रिजस्ट्रीकरण मिश्रिकार 1908 (1908 का 16) के मिश्रिकात तिथा 19—5—84 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतिरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्बदेश्य से उक्त अंतरण लिखिल में बास्त कर स्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण के हुई कि सी जाय की बाबत, उक्त अधिनियद के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए? और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयीं को, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर क् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः वन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, फिल्लीसिंक अधिकतयों, अधीत् हि— (1) श्री गुलाब खजाम पुत श्री गिरधारी किशन लाल पुत श्री मन्सुख , नियासी—वशीला डा० खास प्र० दादरी जिला—गाजियाबाद

(ध

(2) श्री सर्वं प्रिय सिंह सहकारी भावास समिति द्वारा चन्द्र प्रकाश पुत्र प्रभुषन्द 61, राम नगर नई दिस्ली

(प्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सकत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🚎

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में ने किसी स्यक्ति द्वारा:
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ।

 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए का सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, वो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसंची

खमरा नं 188 वाके बनी पहा प्र व दावरी गाजियाबाद

जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायंकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, कान ग्र

तारीख: 31-12-1984

प्ररूप बाह् .टी.एन.एस . -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निदेश सं०ए म०-910/84- 385-ग्रतः मुझे, जे०पी० हिलोरी,

बायकर अधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्त प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 47/एल-4 है तथा जो जवाहर ववार्टर भेरठ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णक्ष्प से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मेरठ, में रिजस्ट्रीकरण भिक्षितियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारी व 11-5-8 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मूल्य से कम के दश्यमान सम्पत्ति का जिन्ह बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं गया है ।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्म के अन्यरण मिं, में, शक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिम्बिक व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सनदीय कुमार पुत्र मनोहर लाल नि०-111 तोपची वाड़ा मेरठ, दर्शन सिंह पुत्र रामिकणन नि०-1387/5 ब्रह्मपुरी, मेरठ

(ध्रन्तरक)

(2) डा॰ मोन प्रकाश पुत कग़ीर चन्द एण्ड श्रीमित सरोजनी श्रग्नवाल नि०-कैन्ट जनरल हास्पीटल मेरठ कैंट

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति **हैं)**

कां यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 15 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपप्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाप्तर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित .है, वहीं अर्थ होगी जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

मकान नं 47/एल०-4 जवाहर क्वार्टर मेरठ

जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रें ज, कानपुर

गारीख: 31-12-84

मोहर 👙

प्रकल बाह् .टी . एन . एस . -----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के न्धीन स्पना

मारत बहुकार

कार्यासय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जनरेज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 31 दिसम्बर 1984

निवेश स० एम०-900/84-85--श्रतः मुझे, जे०पी०हिलोरी, बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया है"), की भारा 269-ब के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का क्षारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृस्व 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो मिर्जापुर मे स्थित है (श्रीर इसमे उपाव दें श्रनुसूची मे श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मिर्जापुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 15−5−84

को पूर्वोक्त संपत्ति को उधित बाजार मूल्य से कम के क्रमान प्रतिफल को लिए बन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विषयस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (जन्तरितयो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरूप से हुई किसी जाम की बाबत उक्त अधिनिक्त के अभीत कर्यु कोने के बन्तरक के दाजिएन में कभी करने वा उक्क विकास में सुविका के हिंदर्य कर्यु/का
- (व) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आरितयों की, जिन्हें मारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के जिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधांसु.--- (1) श्री ग्रमर नाथ पुत्र श्री कामता प्रसाद ग्रा०-अरडौली डा०-शाह गज, जिला-फैजाबाद

(अन्तरः

(2) विशाल सहकारी श्रावास समिति लि० दादरी वी० 4, यू०पी० स्टेट इन्डस्ट्रियल ए। मोहन नगर लोनी रोड, गाजियाबाद

(श्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं) को यह स्थान बारी करके प्रभोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए

कार्यवाहियाँ करता हुं। उक्त कम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्सेप्ड--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, से शीतर पूजों कर
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के जीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा नथोहस्ताक्षरी के पास निकास में किस का सकेंगे।

व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;

स्पन्तीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्निम के अध्याम 20-क में प्रिभावित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया पत्रा है।

मन्दर्भी

भूमि स्थिति ग्राम-मिर्जापुर तहसील-गाजियाबाद जि॰-गाजियाबाद ।

> जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षीण) श्रजन रें ज, कानपुर

तारीख . 31--12--1984 मोहर 🛭 इक्क आहें . क्षेत्र . **एक . एक** . लल्लाना काल्या सुरस्का

। आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

शारत करकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 दिसम्बर 84

निवेश सं०एम०-988/84-85--ग्रंतः मृझे, जे०पी०,हलोरी, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका जीचत नाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० बी-46 है तथा जो नीइडा गाजियाबाद में स्थित है) श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नोइडा में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30-5-84 को पूर्वों क्या सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार स्मून्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिगों) के बीच एसे अंतरण के लिए एस पाया गया प्रतिक का निम्नसिंखत उद्देश्य से सक्त अन्तरण निवित में दास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (का) जन्तरण तं तुष् किसी मात्र की शावस, उपस् अधिनियुत्र के अधीन कर दोने के अन्तरक की शायरण में कभी करने या उत्तरे वचने में सुविधा को किए; और/वा
- (क) एसी किसी भाग या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा जिन्त अभिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गणा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में युविया के लिस्

शतः अभ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुकरण अं, भं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ∷—— (1) श्री बलवन्त सिंह,वी-2-207 ब्लाक कवि नगर, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मन्तोप बतरा,डी०~124, XXVIIनोइडा, गाजियाबाद

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती (शह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारा करके पूर्वीस्त सम्पत्ति की मर्जस के सिप् कार्यवाहियां करता हूं।

तकत सम्पत्ति को बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाकोप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सृष्या की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकित
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्तिकरण: ----इसमें प्रयुक्त सम्बों और पूर्वों का, वो अवत अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० वी-46 सेक्टरे-IX नोइडा गाजियाबाद

> जे० पी० हिंलीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, कानपूर

तारीख 31-12-84 मोहर:

प्रक्य वार्षं.टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) में अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यां कर, सहायदः आयकार जायकतः (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9-1-1985

निवेश सं० 850/1984-85--यतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज, शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें स्तर्के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' ब्रह्मा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित काजार मूल्य 25,000/- रहे से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या खाता नं० 703/617-677 27 है तथा जो गांधी नगर शिमोगा में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूती में श्रीरपूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रांकर्ता ग्रिधकारी के कार्यात्य शिमोगा में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908) का 16 के श्रधीन, दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम. के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्त का संदृह प्रतिफल से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियो) के बील एसे अंतरित के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथितियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कभी कड़ने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य लास्तियों को चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, १०१४ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, १०१४ कर विश्व कर स्थापित अस्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गर्भ का विका आजा चाहिए चा, किया में अधिक के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण कै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- शि टी० ती० वेंकटचाला शास्त्री पुत्र श्रां टी० वेंकटराम वकील, एस०पी०एम० रोड, शियोगा ।

(भ्रन्तरक)

श्री एच० वी० मुक्रामन्या
 पुत्र श्रा वेकटारंगय्या
 BS,Eade. Ca. Peartite Industrial Estate.
 New Tirthahallix
 रोड, शिमोगा।

को यह स्थान जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिकृ कार्य हार करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थितिस्यों पर स्थान की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी तबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त करित्तरों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;

स्यत्कीकरण:—इसमें प्रयावत शब्दों और पदों का, जो उच्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा को उस व्यथाय में दिका गया है।

वन्त्र्य

(बस्तावेज सं० 376 दिनांक मई, 1984) खुली जगह नाप में 40'×60' जिसका खाता नं० र 703/ 617~677~27 जो गांधी नगर चौथा खाईन शिमोगा, शहर में है _

> श्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) कृ स्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 9-1-1985

प्रथम बार्च टी. एव. एवं.------

नायकर मीर्थिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नभीन सूचना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक भायकडु नायुक्त (निरक्षिण)

ध्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 जनवरी 1985

निर्देश सं० 851/1984-85—प्रतः मुझे, आर० भारद्वाब, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं तथा जो कंत्रगर गली हक्ति में

म्रोर जिसकी सं० सी०टी० नं० है, तथा जो कंचगार गली हुबली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है) रिज काय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन विनाक मई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाबार मृत्य से कम के क्रयमाय प्रतिफल को लिए बन्तरित की गई है बौर मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य उसके क्रयमान प्रविफल से, एसं व्ययमान प्रतिफल का बन्द्रष्ट्र प्रतिशत से कथिक है बौर अन्तरक (जन्तरकों) बौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बौच एसे बन्तरक के जिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्योक्त से उच्त श्रृन्तरक कि बिहर में गस्तिकल कम से कथित गृहीं किया ग्या है है

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आव की वाबसा, उनक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें वाजिए में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के किए; औद्र√का
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी थन या बन्ध आस्तियों को. जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री सुबन्ना यम्सा दलबंजन ग्रराल काट्ट गल्ली, हबली।

(ग्रन्तरक)

- (1) श्रीमती शांताबाई पत्नी चंपालालजी जैन
 - (2) श्री गौतमचंद धनराज जैन, कंचगार गली, हुबली।

भ्रन्तरिती)

का वह स्थाना बारी करके पृशांधित संपत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पड़ सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वों कर, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार।,
- (क) इंड स्वमा के राजपण में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उत्तरा स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति पूजारा सभाहस्ताक्षरी के पाव लिखित में विकार ला सबरेंगे।

व्यक्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित् हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया गया हैं।

बगुस्पी

(दस्तावेज सं० 725 दिनांक मई, 1984) 31-5-84 मार०सी०सी० बिल्डिंग मी०टी०एस० नं० 1041ए 2 नाप में 91 स्क्वेयर गज जमीन में यह कुल मिला कर तीन मंजिलों की इमारत, जो कंचगार गली में हुबली में श्रनुपस्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बंगतुर

दिनांक 9-1-1985

मोहर 🚁

प्रकल नार्षं. टी. एन. एस.,-----

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-म (1) के अभीन भूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलौर, विनांक 9 जनवरी 1985

निर्देश सं० 852/1984-85-यतः, मुझे, आर० भारद्वाज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एल० भार० न० 2-0 है तथा जो नवेलिम मडगांव में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती भिकारी के कार्यालय मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 15-6-1984

को प्वोंक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए जन्तरिती की गईं है और मुभ्ने वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्मित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अंतरितियाें) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्नितिकृत उद्देश्य से उक्त अंतरण जिकित में वास्तिवक कम से कथित नहीं किया गवा है हि—

- (क) नंतरण से हुइं किती बाद की शावत, अक्ट निभिनियम के अधीन कर देने के अंतरक की दायित्य में कभी करने या असुसे वचने में मिनिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय की चिन्ह आरतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्मा था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अत जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, जन्तरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के जभीन निम्निलिस्त, व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री रामचन्द्रा सिनाई कारो, केन्द्रीय खाने स्टोर, न्यू मार्केट, मडगांव, गोग्रा ।

(ग्रन्तरक)

 श्री चक्रा मोहन मेहता, मार्फत सीको ब्याट्रीस, केपेम रोड, मडगांव, गोग्रा।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्यी

(यस्तावेज सं० 9067 दिनांक 15-6-84)

प्लाट नं० 21 में दाखिल डी-21/ए ग्रीर छी-21/बी, जगह जमीन की 110 वर्ग मीटर, नवेलिम मडगांव, गोग्रा।

> ग्रार० भारक्षाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, बंगलौर

दिनांक: 9-1-1985

मोहर 🖫

मक्स बार् टी.एन.एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 9 जनवरी 1985

निर्देश सं० 853/1984-85-अंत:, मुझे, आर० भारद्वाज बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त बिधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या सी॰टी॰एस॰ 764/8 है, तथा जो ग्रंगोल बडावणे "ए" स्कीम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारों के कार्यालय बेलगाम में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 7-5-1984

को पूर्वों कत सम्मत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ब्रीह/या
- (थ) एसा किसी बाय या किसी अन या बन्य बास्तियां को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर बिधनियम, या धनकर बिधनियम, या धनकर बिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् ह----

1. श्रीमती लीलाबाई उर्फ मोहिनी बाई पत्नी कृष्णराव तगारे, शेरी गली, बेलगाम ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री शशिघर मलप्पा श्रंगडी, घर नं० 764/बी, श्रंगोल बडावणे, "ए" स्कीम, बेलगाम। (श्रन्तरिती)

की बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त अञ्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप हु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों कौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिवा स्वा हैं ॥

बन्स्ची

(दस्तावेज सं० 449 दिनांक 7-5-1984 एक घर नं० 764/बी, ग्रंगोल बडावण ''ए०'' स्कीम में, यह घर 8 गुंटे जगह में है श्रौर घर की जगह 1100 वर्ग फीट है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलौर

दिनांक: 9-1-1985।

मोहर 🖫

मुख्य बाहु हो हु एम् एस .-----

शायकर स्थिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के सभीन सूत्रना

HIST MATE

कार्यांलय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर दिनांक 11 जनवरी, 1985

सं० एक्यु | 84-85/133—यतः, मुझे बी ० एस० ढिल्लो, आई० आर० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सभ्पत्ति, जिसका उचित बाचार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

भौर जिसकी र्सं० एक दुकान है तथा जो भंदरून रामा मार्केट, कटड़ा आहलूवाला अमृतसर मे स्थित है (भौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार शृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय शामा गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त बन्तरण जिल्कात में अम्बित का में कार्यायक का में कार्यायन नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त सिर्धानयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वर्षावस्थ में कवी करने या उच्चे कुमने में दृष्टिश के लिए; बरि/वा
- (ब) एसी किसी अाय या किसी धन या छन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिये था, किया में सुविका के लिए;

जतः जब, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण बें,, में, उक्त जिधिनियम की धारा 269-च की उपधायु (1) को अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात ह—— श्री जवाहर लाल पुत मदन लाल दवेसर, प्रेम वती पत्नी मदन लाल, जीवन लाल अमृत लाल पुतान मदन लाल, आशा कुमारी शर्मा विधवा मदन लाल, द्वारा जनाहर लाल, जय लाल मौर रोशनलाल पुतान मदन लाल मजकूर द्वारा जनाहरलाल मुखतयार लाम निवासी कटड़ा गरें सिंह, अमृतसर।

(अन्तरक)

 श्रीमती शकुन्तला पत्नी गोपाल कृष्ण, निवासी कटड़ा श्रेर सिंह, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

जैसा ऊपर के 2 में कोई किरायादार हो
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
 में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त बीधीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषिह है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

वनस्थी

एक दुकान तीन मंजिला 25 वर्ग गज जो अन्दर रामा मार्केट, कटड़ा आहलुद्धाला, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 1776/28-5-84 रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> बी० एस० ढिल्सों, बाई० बार० एस० सक्षम बिधकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) औ अर्जन रेंज, अमृतसर।

रातिव : 11-1-1985 ।

मोहर 🛭

प्ररूप आहे.टी.एन.एस.-----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर । अमृतसर, दिनांच 11 जनवरी, 1985

सं० एक्यु०/84-85/134—यतः, मुझे बी० एस० ढिल्लॉ, आई० आर० एस०

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), भी भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचिन बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक मकान है तथा जो उड़का रोड, धारीबाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय गुरुदासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इवयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरम से हुई किसी भाग की बाबत, अच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्य में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँड/वा
- (क) एसी किसी अाथ या किसी धन बन्य ब्रास्तियों की जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा वै सिए;

े अत: अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

 की भोम प्रकाश पुत्र देस राज , निवासी इस्त्रों रोड, धारीवाल,

(अन्तरका)

 श्री बूटा राम पुत्र दीवान चन्द डडवां रोड, धारीवास, तद्दसीम, गुरवासपुर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर मं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति हैं)।

(4) और कोई (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

इक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संखंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रित में हिन्न हुंध किसी अन्य व्यक्ति इंबारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिवादिक हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नमा है।

ग्रन्सूची

एक मकान जो गली जसवन्त राए डडवां रोड, धारीवाल तक्क्सील गुरदासपुर में है जैसा सेल डीड नं० 730,18-5-1984 राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुरदासपुर में दर्ज है।

> बी॰ एस॰ विस्लों आई॰ भार॰ एस॰ सक्षम अधिनारी, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज अमृतसर

तारीख: 11-1-1985।

धरूप जाइ⁴.टी. एन. एस. ------

आधनार आंधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

भायां तम, सहायक नामकर नामुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 11 जनवरी, 1985

सं० एक्यु 0183-84/135-यतः मुझे बी० एस० बिल्लों, आई० आर० एस०

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो धारीवाल, उडवा रोड में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान मिन्निक के निक् अल्लारत की गर्द ही और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, अभित अभिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अखने में सुविधा के लिए; और/बा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया, धा या किया जारा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह

 श्री म्रोम प्रकाश पुत्र देस राज, वासी धारीवाल, डडवां रोड, गनी जसवंत राए, तहसील नुरवासपुर ।

(अन्तरक)

2. श्री भारतभूषण पुत्र बूटा राम, वासी ४डवां रोड, धारीवाल जिला गुरदासपुर। (अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधेहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीगर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्वथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दा और पक्षे का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

बनुस्ची

एक मकान जो गली जसवन्त राए उडवी रोड, धारीबाल तहसील गुरदासपुर में है जैसा कि सेल डीड नं० 798/22-5-1984 रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी गुरदासपुर में दर्ज है।

> भी० एस० ढिल्मों आर० आर० एस स**सव अधिकारी,** 'सहायक आयकर आय्वत (निरक्षिण अर्जन रेंज, अमृतसर में

सारीख: 11-1-1985।

बक्त बाही, टी. एत. एसं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

चार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 जनवरी 1985

मं० एक्यु०/84-85/136---यतः, मुझे बी० एस० ढिल्लों, आई० आर० एस०

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त बाधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से बाधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० जायदाद है तथा जो कशमीर एवं न्यू, अमृतसर में स्थित है (स्रौर इस उपावद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1984

को प्रशंकत सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्सरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित हाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण के बित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है: --

- (क) विश्वास से हुई किसी बाय की वावत, उस्त विधिनियम के अभीन कर दोने के वस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा से सिए; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में स्विभा के सिए;

हैं बत: बज, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण कों, में. हक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिक व्यक्तियों, अर्थात् हिल्ल 1. श्री मोहन सिंह पुत्र सरदूल सिंह,

माल मंडी, अमृतसर ।

(अन्तर्क)

 श्री जरनैल सिंह पुत्र गुरबचन सिंह, बासी नेष्टा तहमील तरन तारन, अमृतसर।

(अन्तरिती)

जैसा कि ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) और को**इ**°

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुमना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्धिक अजन को लिए कार्यवाहिया करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी गाओप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में मनाप्त होती हो, जे भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति सुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की ताराल स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्ल बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दशारा अधोहस्ताक्षरी क पास सिक्ति में किए जा नकींगे।

स्वष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशांबित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जायदाद जो कणमीर एवेन्यू, टी० पी० स्कींम, अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं० 1249/11-5-1984 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> बी० एस० ढिल्लों आर० आर० एम० सक्षम अधिकारी, (सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीच :3-1-1985।

मोहर 😩

प्रकृष बाहु . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 जनवरी, 1995

सं ० अमृत ०/8-85/137---यतः, मुझें, बी ॰ ए स० विस्सों, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारां 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25.000/-क. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जायदाद है तथा जो कशमीर एवेन्यु अमृतसर में स्थित है (ग्रीर इस से उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख मई,

को पूर्वितत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाम गया प्रतिफल, निम्नितिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित के बासतिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) नलरण वं हुए किती बाव की बाब्छ, उच्छ, निधीनयम के नचीन कर दोने के नलारक के वाजिल्ड के कानी कारने वा बख्डे व्यम के बृजिया के लिए; और/या
- (म) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय वाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में तिका के लिए;

जतः अज, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग क अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात ः— 1. श्री सोहन सिंह पुत्र सरदूल सिंह,

माल मन्डी, अमृतसर। (अन्तरक)

 श्री धमं पाल पुत्र रत्न चन्द गोल्डन एवेन्य, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं)

(4) और कोई

(बह व्यक्ति, जिनके नार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्परित में हितनद्ध है)

की यह सूचना चारीं करके पृथींबत सम्पृत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां जुरू करता हुं।

उक्त सम्मिति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं सत व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन को भीतार उक्त स्थावर संपरित में हिसक्यूध किसी अन्य व्यक्तित व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगें।

रमध्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विश्वीकरणः अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।।

वनसंची

जायदाद जो कशमीर एवेन्यू, अमृतसर टी० पी० स्कीम में है जैसा कि सेल डीड नं० 1070/4-5-1984 रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में दर्ज है।

> बी० एस० ढिल्लों आई०आर०एस० सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 3-1-1985।

महिर 🕃

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस. ------

कायकर अर्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की वार्य 269-म (1) के बभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अञ्चल लागृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 3 जनवरी 1985

सं० अमृत०/84-85/138----यतः मुझे, बी० एस० ढिल्लों, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिनकी सं० जायदाद है तथा जो कणमीर एवेन्यू, अमृतसर में स्थित है (भीर इस उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप विजत है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मूफ्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण किसित में वास्तिक उप से कार्यन नहीं किया गया है के स्मार्थन नहीं किया गया है के सम्प्रतिक से स्मार्थन नहीं किया गया है के समार्थन नहीं किया गया है के समार्थन नहीं किया गया है के समार्थन नहीं किया गया है के स्मार्थन नहीं किया गया है के स्मार्थन नहीं किया गया है के समार्थन नहीं किया गया है के स्मार्थन नहीं किया गया है के स्मार्थन नहीं किया गया है के समार्थन नहीं किया गया है के स्मार्थन निर्माण निर्माण

- (च) जलारण से हुई किसी जाव की वाबत, उन्तर जिथिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 19^2 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री मोहन सिंह पुत्र सरदूल सिंह, माल मंडी, अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्रीमती सुदर्शन कुमारी पत्नी धर्म पाल । गोल्डन एवेन्यू, अमृतसर । (अन्तरिती)

जीसा ऊपर नं ० में कोई किसएदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं) (4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह स्म्पत्ति में हित**बद्ध हैं)**

कां यह मुचना जारी करके प्यावत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अप्रीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर निकास स्थान होती हो।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

ह्यस्टीकरण: — इसमें प्रयानत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, भो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्थी

जायदाद जो कशमीर एवेन्यू, टी० पी० स्कीम, अमृतसर में है जैसा सेल खीड नं० 1071/4-5-1984 कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में वर्ज है।

> बी० एस० ढिल्लॉ, आई०आर०एस० सक्षम अधिकारी, (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख: 3-1-1985।

महर:

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण

ाँ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

डे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

2—466GI/84

प्रस्प नाइ.ं.दी.एन.एस..-----

आधकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर व्ययुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनोक 11 जनवरी 1985

सं ० अमृत ०/84-85/139----यतः मु**वं, बी० एस० दिस्सों,** आई० आर० एस०

अगयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गर्या हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहः से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक मकान है तथा जो जी० टी० रोड, बटाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पृणं रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बटाला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाज़ार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान भ्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उसते बचाने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एरेनी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निणिखित व्यक्तियों, अधीत्:---

 श्री वेव भारत पुत्र सत्या वेष वार्सः जी० टी० रोड, बटाला ।

(अन्तरक)

 श्री विजय कुमार पुत्र कस्तूरी लाल, प्रेम नगर, मोहला, बटाला।

(अन्तरिती)

3. जैमा कि ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पस्ति हैं)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति जिनके बार' में अधोहस्ताक्षरी) जानता है कि वह सम्परित में हितबद्ध हो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्ववाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्र अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

1/10 भाग इमारत जी० टी० रोड, बटाला में है जैसा कि सेल डीड नं० 540/10-5-1984 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बटाला में दर्ज है।

बी० एस० **ढिल्सों** आई० आर० एस० सक्षम अधिका**री,** (महायक आग्रकर आगुक्त (निरीक्षण) **अर्थन रेंज, अ**तसर्**र**ि

ता**रीख**: 11-1-1985 +

माह्र 🛭

प्रकार भाष्ट टीज पुराज प्रबाज सारा नामन

बायकड विभितियम, 1961 (1961 को 43) की भारत 269-म (1) के सभीन सुचना

प्राप्त सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

वर्जन रेंज, अमृतसर।

अभृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1985

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जायदाद है तथा जो रेस कोरस रोड, अमृतसर में स्थित है (भीर इससे उपायद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयमान
प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपयमान
प्रितफल से, एसे रूपयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित
नहीं किया गया है 6—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाव की वावत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कभी करने या उससे बचने में मृतिया के जिए और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपाने में स्विधा से सिए।

बद: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, तें, उक्त अधिनियम की धरा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निस्नृतिचित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती सत्या भाटिया पत्नी सुखदेव भाटिया, द्वारा ए० के० भाटिया वासी रेस कोरस रोड, अमृतसर। (अन्तरक)
- श्री हरदीवन्द्र सिंह पुत्र नाजर सिंह, रेस भीरस रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा ऊपर स॰ 2 में कोई किराएदार हो। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) और कोई (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह स्म्पत्ति में हितबत्रुध हैं)

को यह सुभाना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पृतित् के अर्थनु के संबंध में कोई भी नाक्षेप ह—

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यास अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए का सकोंगे।

स्पक्तिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वहा है।

प्रनुसूची

1/2 भाग जायदाद जो रेस कोरस रोड, अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं० 1129/7-5-1984 रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> नी० एस० ढिल्लों आई० आर**० एस∙** सक्षम अधिकारी, ∤्सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अभृतसर

तारीख: 11-1-1985

मोहर 🖯

प्रक्यः बाह्रं दीः एतः एतः -----

नासकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाद्य 269-म (1) के नधीन सूचना

भारत वर्डकार

कार्यालय, सङ्घायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, ममृतसर

ममुतसर, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० एएसम्रार/84-85-यतः मृह्मे, बी०एस० ढिल्लों माई०मार०एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं ० जायदाद है तथा जो ब्यूटी एवन्यू श्रमृतसर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ताराख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल निम्नलिखित उप्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की भावत, छक्त अधिनियम के अधीन अर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आर्थानयम, मन्मर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विती के किए;

बत: बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, बनुसरण मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अभीन, निमनस्तिवित व्यक्तियों, वर्धात् :---

- (1) श्री ए० के० माटिया पुत्त ईशर दास, निवासी 1/146 सफदर जंग, नई दिल्ली (मन्तरक)
- (2) श्री हरदेशिन्द्र सिंह पुत्र नाजर सिंह ब्यूटी एवेन्यू ग्रमृतसर

(भन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार थे। (वह ध्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं)

(4) भीर कोई

(बह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह स्म्पिति में हितबहुध हैं) की यह सुजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहयों शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोंड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पद्धीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जा उक्त अधि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, वो उस अध्याय में विया गया है।

नम्सप्ती

1/2 भाग जायदाद जो ब्यूटी एवेन्यू रेस कोर्स रोड प्रमृतसर में है जैसा सेल डी नं० 1130/7-5-84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी प्रमृतसर में दर्ज है।

> बी० एस० ढिल्लों माई०न्नार०एस० सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रें ज, ग्रामुतसर

तारीख: 11-1-85

मोहर .

प्ररूप आहाँ टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आपृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1985

बी०एस०ढिल्लों, भ्राई०म्रार०एम०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 296-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहा, से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो मानावाला तहसील श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इस उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णक्ष्प से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्याक्त सम्पत्ति का जाचित बाजार मृत्य से कम रिक्शास हैं का कारण है कि यथाप्याक्त सम्पत्ति का जाचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पृत्य प्रतिफल का प्रतिफल का जाचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल से जन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेश्य से जक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जंतरण से हुन्हैं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन अहर दोने के जंतरक कें दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय गा किसी धून या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार प्रानिष्ठ, 1967 (1957 का 77) के प्रयोजनाओं अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविध, के लिए:

्रेक्षतः वयः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वें, में, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) कें अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः— (1) मैसर्स प्रमर इण्डिया पेपर भेन्यूकेक्वरिंग कम्पनी लि॰ पिशोरिया मैन्सन, अमृतसर द्वारा जुगल किशोर पुत श्री किशन सिंह चौक फबारा, अमृतसर

(प्रनरक)

(2) श्री गुरणरण सिंह पुत्र स० तिलीक सिंह सुल्तान विंड रोड, ग्रमृतसर

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं 2 में कोई किराएदार हो

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति जिनके बार में अक्षेहस्ताक्षरी) जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

का यह सूचना जारी करके पृत्रीक्त मध्यत्ति क अजन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (म) इस सूचना को राजपथ मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अविध स. उत्सम्बन्धी व्यक्तित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद मो समाप्त हाती हो, को भीतर पूर्वोक्त प्रक्रिया। मो से चिल्ली व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन के भीतर उबत स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्तित हवारा अधोहुस्ताक्षरी के पास लिसित में दियों जा सकरी।

स्पष्टीकरण: -- इसभो प्रथुक्त शब्दों और पदों का. जो उक्त आंधिनयम के अभ्याय 20-क मी परिभाषित ही, यहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय मी विका स्थाही।

arra tal

भूमि 16 कनाल जो मानावाला तहसील भ्रम्तसर में है जैसा सेल बीड नं० 1030/2~5~84 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी धमृतसर में दर्ज है।

> बी० एस० ढिल्लों ग्राई० ग्रार० एस० स्थम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, ग्रम्तसर

तारीख: 11-1-85

ध्कप् बाइ^च. टी. एव. एस.-----

भागमः अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत सूचना

भारत सरकात

कार्यावय, सहायक वाय्कर वाय्कत (निरीक्ष्)

म्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1985

सं० ग्रमृतसर/84-85/143--यतः, मुझे बी० एस० ढिल्लों भाई० भार० एस०

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिश्त जिसका उष्टित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

मोर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो मानावाल तहसील श्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इस उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1984

को पृश्वेंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में शास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरुण से हुए किसी आय की बाबत, उन्नत अधि-नियम के अभीन कर वार्च के बन्तर् के के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने मों सृक्षिभा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विभा के हिसए;

कतः, अव, उक्त अधिनियम की भार 269-व के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- मैससं ग्रमर इण्डिया पेपर मैन्यूफैकचरंग कम्पनी लिमिटेड, पशोरिया मैनसन, ग्रमृतसर द्वारा जुगल किशोर मैनेजिंग डाइरैक्टर पुत्र श्री किशन, चौक फव्वारा, ग्रमृतसर। (ग्रन्तरक)
- मुमिता सिंह पुत्र त्रलोक सिंह, निवासी मुल्तान विन्ड रोड, ग्रमृतसर। (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर सं० 2 में कोई रिकरायदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्म्परित में हितबब्ध है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्यब्दीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यस ही।

अनुसूची

भूमि 15 कनाल 16 मरला जो मानावाला तहसील ग्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 1063/4-5-84 रजिस्ट्रीकर्ता घधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

> बी० एस० ढिल्लों श्राई० ग्रार० एस० सक्षम ग्रीधकारी /सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रैंज, ग्रामृतसर ।

तारीब : 11-1-85।

मोहर 🖫

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

श्रमतसर, दिनांक 9 जनवरी 1985

सं० ग्रम्तसर/84-85/144--यतः मुझे बी॰ एस० ढिल्लीं श्राई० श्रार० एस०

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० एक जायदाद है तथा जो सेठ जगत बन्धू रोड, ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीवर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व कर पधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- मैसर्ज कोटी वीवरज, जेल रोड, ग्रमतसर। (ग्रन्तरक) द्वारा श्री रविन्द्र मेहरा हिस्सेदार फर्म,
- 2. श्री गुलजार सिंह , राजकुमार ग्रौर श्रीमती हरशरन राजकुमार, निवासी 218, वसंत एवन्यू, ग्रम्तसर।

(ग्रन्तरिती)

 जैसा ऊपर नं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं) (4) और कोई

> (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्मपित्त में हितबद्ध है)

को यह सुचनाजारीक रके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन कै कायेवाहियां शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिरण गया है।

मनस् ची

1/12 भाग जायदाद 105 वर्ग गज जो सेठ जगत बन्धु रोड, ग्रमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं० 1157/8-5-84 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्रम्तसर में दर्ज है।

> बी॰ एस॰ ढिल्लों ग्राई० ग्रार० एस० सक्षम ग्रधिकारी 'सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर।

तारीख : 9-1-1985। मोहर

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) रूप धारा 269-च (1) के अधीन मुचर

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 9 जनवरी 1985

नि देश सं० श्रमृतसर/84-85/145—यतः मुझे, बी० एस ढिल्लों, श्राई० श्रार० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो सेठ जगत बन्धु रोड, ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में राजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्नेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं कया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सूविधा दायित्व के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---

- मैसर्स एसो,सर् कीवरज,
 द्वारा श्रीमती राजकरनी पूरी टिस्सेदार । (श्रन्तरक)
- श्री गुलजार सिंह राजकुमार,
 पुत्र स० दिलबाग सिंह राजकुमार,
 निवासी: 218 बसंत एवेन्यु,

श्रमृतसर । (ग्रन्तरिती)

जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4). और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्मित्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे। गया है।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रय्कत शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5/48 हिस्सा जायदाद 131.25 वर्ग गज जो सेठ जगत बन्धु रोड ग्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 1158/8-5-84 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

> बी० एस० ढिल्लों ग्राई० ग्रार० एस० सक्षम ग्रधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज,⁶ग्रमृतसर ।

तारीख : 9-1-1985। मो**हर** : प्रकप नाइ. टी. एन. एस., --५०---५--

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेज, ममृतसर

द्ममुतसर, दिमांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० ए० एस० घार० /84-85/148-धतः मुझे, बी० एस० ढिल्लों घाई० घार० एस०

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो सेठ जगत वन्धु रोड, भमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1984

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास कैंदने का कारण है कि यथापवोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्दह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) सन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दासित्य में कमी करने या नससे बचने में सुविधा के लिए; बांड/बा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-स्तर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिए;

ब्रिंश शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरभ को में, प्रेक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत है——

(1) मैसर्स एसोसिएट्स वीवरज झम्तसर, जेल रोड द्वारा: श्री झवतार कृष्ण पुरी, हिस्सेदार फर्म ।

(झन्तरक)

(2) श्री गुलजार सिंह राज कुमार पुत स० दिलबाग सिंह राज कुमार श्रीर श्रीमती हरणरण पत्नी स० गुलजार सिंह राज कुमार, बासी 218, बसन्त एवन्यू, झमृतसर ।

(ब्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रौरकोई।

(बह्ब्यक्ति, जिनके दारे में ग्रघो⊶ इस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पति में हितजद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हा।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जन्स्यी

एक जायदाद 9/48 भाग जो 197.5 वर्ग गज है जो सेठ जगत वन्धु रोड, ग्रमृतसर में है जैसा कि सेल डीडनं० 1188 दिनोक 19 मई, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, ग्रमृतसर में टर्ज है।

> बी० एस० ढिल्लो म्नाई० मार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, ममृतसर

तारीख : 9-1-1985

मोहर ः

प्ररूप आहर्. दरी., एन ू एस ू-----

भायकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीन स्कृता

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश स० ए० एस० आर० /84-85/149-अत: ्रो, बी॰ एस० ढिल्लो आई० आर० एस०

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 25,000/-रा. से अधिक है

मौर जिसकी स॰ जायदाद है तथा जो सेठ जगत बन्धु रोड, अमृतसर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबक अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अतमृसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान ब्रह्मिफ ल को लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त समपित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह बित्यत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और जंतरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिक्रक कम निम्नसिक्त उद्वेदिय से उक्त अन्तरण कि निए तम पाया गया प्रतिक्रक कप से कि शिश नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरम से हुई किसी बाब की बाबत, उक्ष वींपनियन के बंधीन कर दोने के अन्तरक के वायरम में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ध्रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वें प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया चाना चाहिए था, कियाने जें स्विधा के लिए;

जतः अब उक्त निर्धितयम की धारा 269-ग की जन्तरक काँ, कीं, उशत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की मधीन, विकासित व्यक्तियों, अर्थात् क्रमार (1) मैंसर्स वीवरज टू वेवरज, अमतसर माल रोड द्वारा : श्री सतीन्द्र मेहरा , वासी छेहरटा, हिस्सेदार फर्म ।

(अन्तरक)

(2) श्री गुलजार सिंह राज कुमार पुत स० दिलबाग सिंह ग्रीर श्रीमती हरशरण राज कुमार पत्नी श्री गुलजार सिंह राज कुमार, वासी अमतसर 218, वसन्त एवन्यू, अमृतसर ।

(अभ्तरिती)

- (3) जैसा कि सं० के 2 में कोई किराएदार हो। (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) ग्रौर कोई।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का वह बूचना चारी करके पूर्वों कर सम्मरित के वर्षन् के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाकीप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनिध ना तत्त्रक्र भी किसा के दिन की बनिध ना से 30 दिन की बनिध, जो भी बनिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ध्वादितमों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्यक्षीकरणः ----इतमें प्रयुक्त सन्यों और वर्ष का, हो स्वस् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है:

धनुसूची

1/12 भाग जायदाद 105 वर्ग गज जो सेठ जगत वन्धु रोड, अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड न० 1239 दिनांक 11 मई, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> बी० एस० ढिल्लो आई० आर० एम० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतंक्र

€तारीख: 9-1-1985

प्रकृष नार्ष् की. पुष्ठ पुष्ठ = ≥ = ≥ ≥ भाषकर् विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के अधीन सुष्ना

भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक नायकर नायुक्त (निडीक्राण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनाक 9 जनवरी 1985

निदेश स० ए० एस० आर० /84-85/150--अतः मुझें, बी० एस० ढिल्लो आई० आर० एस०

नायकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) (हैंबर्च इस्त्रें इस्त्रें पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-व के वधीन सक्त्र प्राधिकारी को यह विश्वास कर्ने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धित, हैजसका उचित वाचार मृक्व 25,000/- रुत से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० एक जायबाद है तथा जो सेठ जगत वन्धु रोड, अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के धधीन, तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास का कारग है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निनिचित उव्वदेशों से उक्त जन्तरण सिचित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी कार की वावत, उनत वृधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के मिए; वीदः/वा
- (क) एंबी किसी अाव वा किसी अन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व्यं प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रवाद नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिभा व्यं निए;
- ं शक्त वर्ष, जनत नाँधीमचम की भारा 269-ए में ननुसरण में, में, उनत नाँधीमयम की भारा 269-म की उपभारा (1) में नधीम, निम्मिनियम स्पित्तकों, नमीं ए---

- (1) मैसर्स वीवरज-टू- वेवरज, अमृतसर जेल रोड द्वारा: श्री धर्म चन्द पुत श्री विषम्बभर दास पुरी, वासी छहरटा ।
- (2) श्री गुलजार सिह राज कुमार पुत्र श्री विलबाग सिह, श्रीमती हरशरण राज कुमार पत्नी स० गुलजार सिह, 218, वसन्स एवन्यू, अमृतसर।

(अन्सरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर स० 2 में कोई किराएदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
 सम्पत्ति है)
- (4) भौरकोई:

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि सम्पत्ति हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के टिलए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्वा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृताराः
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सैम्पृति में हितबृब्ध् किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

अनुसूची

1/12 भाग जायदाद खसरा नं० 199 105 वर्ग गज है जो सेठ जगत बन्धु रोड, अमृतमर में है जैसा सेल डीड न० 3646 खिनाक 28 अगस्त, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> बी॰ एस॰ ढिल्लो आई॰ आर॰ एस॰ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 9-1-1985

मोहर ः

प्रकथ काई.टी.एन.एस.-----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के भभीन सुमना

भारत सरकाड

कार्यानय, सहायक जामका ज्ञायका (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० ए० एस० आर० /84-85/151-अतः मुर्हे, बी० एस० ढिल्लो आई० आर० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हुँ कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृल्य 25.000/-रा. सं अधिक हुँ

भीर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो सेठ जगत बन्धु रोड, अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से काम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दरयमान प्रतिफल से, एस दरयमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेषय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कृथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंशरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त जीभनियम के जभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा की निष्; आर्√वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था वा किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

बत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) है बधीब, विस्तिष्टित व्यक्तिस्तु, व्यक्तिस्ता

(1) मैसर्स मैसर्स कोटी वीवरज , जेल रोड द्वारा । श्री रविन्द्र मेहरा पुत श्री गिरधारी लान मेहरा, कूपर रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री गुलजार सिंह राज कुमार पुत्र श्री दिलबाग सिंह, श्रीमती हरशरण राज कुमार, पत्नी स० गुलजार सिंह, 218, वसन्त एवल्यू, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) भौरकोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्वना बारी करके पृशेंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की दारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेष्ठस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

वन्स्य

जायदाद जो गांव गुमला सेठ जगत वन्धु रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डोड सं० 3666 विनांक 29 अगस्त, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> भी० एस० ढिल्लों आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसरः

तारीख: 9-1-1985

मोहर 🗉

प्ररूप आहाँ, टी., एन., एस., --------

जायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० ए० एस० आर० /84-85/152-अतः मुझे, की॰ एस॰ किल्लो आई० आर॰ एस॰

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.700/- स. स. विधिक है

श्रीर जिनकी मं० एक जायदाव है तथा जो सेठ जगत वन्ध्रोड अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1984

का प्रांचित सम्पत्ति के जीचत बाजार मृत्य से कम के क्यामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने के कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीचत बाजार मृत्य, उसके उस्यमान मृतिफल सा, एम उस्यमान मृतिफल का पन्तिक, का पन्तिक, का पन्तिक से ब्रिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतिरती (अंतरितिकों) के बीच एसे अंतरण के जिए तय पायः गया पति-फल निम्नितिकत उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक क्य से कींवत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्ष्य अधिन्यम के जभीन कर दोने के अतरक के यायित्य में कामी करने या उससे बचने भें स्विधा के लिए; और/वा
- (ण) ऐसी किसी नाथ वा फिसी भन या अन्य आस्तियां कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

जतः जन, उत्तर अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंदा व्यक्तियों, जर्थात् ६(1) श्री सतीन्द्र नाथ पुरी पुत्र श्री धर्म चन्द पुरी, द्वारा श्री धर्म चन्द पुरी छेहरटा (बीवरज टूबीवरज)।

(अन्तरिती)

(2) श्री गुलजार सिंह राज कुमार पुतः स० दिलबाग सिंह, श्रीमती हरशरण राज कुमार, पत्नी स० गुलजार सिंह, 218, बसन्त एवन्यू, अमृतसर।

∄(अन्तरक)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रीरकोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह भ्वना जारा करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हुं।

उसरा सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी शासीप 🌬

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थिक्तयों पड़ स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, खो श्री अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो अवस् अधिनियम, के अभ्याय 20-क में प्रिशाचित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिना जमा है।

अनुसूची

एक जायदाद जो गांव गुटाला सेठ जगत वन्धुरोड, अमृतसर् में है जैसा कि सेल डीड नं० 3397 विनांक 17 अगस्त, 1984 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में वर्ज है।

> बी॰ एस॰ ढिल्लों, आई॰ आर॰ एस॰ सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, समृतसर

सारीख: 9-1-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आहें, दी, एन, एस. ---- ===

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० ए० एस० आर० /84-85/153-अतः मुझे, बी०एस० ढिल्लों आई० आर० एस०

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाहार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एक जायबाद है तथा जो सेठ जगत बन्धु रोड अमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वींगत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्ताह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिलित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्राय्तिय में कमी कुरने या उससे बख़ने में सुविधा के ख़िए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनिय, 1957 (1957) का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए; .

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ∴— (1) श्री सतीन्द्र नाथ पुरी पुत्र श्री धर्मचन्द पुरी, द्वारा : श्री धर्म चन्द पुरी, छेहुरटा (वीवरजट्र वीवरज)।

(अन्तरक)

(2) श्री गुलजार सिंह राजकुमार, पुत श्री दिलबाग सिंह, श्रीमती हरणरण राज कुमार, पत्नी स० गुलजार सिंह, 218, वसन्त एथन्यू, अमृतसर।

(अग्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में कोई किराएधार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) औरकोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ता-क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप क्ष्म

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति प्रांत
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगि।

स्पाका किरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो गांव गुमटाला सेठ जगत बन्धु रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 3403 दिनांक 18 अगस्त, 1984 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

बी० एस० ढिल्लों, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

ता**रीच**: 9—1—1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायक ड मॉंभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारता 269-व (1) के सभीन स्वात

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नाय्क्स (निर्दाक्त) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृक्षसर, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० ए० एस० आर० /84-85/154-अतः मुझे, बी॰ एस० ढिल्लों आई० आर० एस०

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रापसे से अधिक है

मौर जिसकी सं० एक जायबाद है तथा जो विजय नगर बद्याला रोड, अमृतसर में स्थित है (मौर इससे उपाबद अनुसूची में मौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एोसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरम सं इन्द्रं किसी बाव कर्मवावत, उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, जिएतने भें सविधा के लिए;

जतः अब अक्त जभिनियम की भारा 269-ग जी जनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री बलविन्द्र सिह् पुत्र श्री बिशन सिह, वासी फप्तह पुर, राजपूतां तहसील जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हरभजन कौर पत्नी श्री सुरजीत सिंह कोहली, कश्मीर रोड, अमृतसर।

(अम्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)
- (4) भीरकोई।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तररीत से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों हो.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उच्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा औं उस अध्याय में दिया गया ही।

and the

्र.एक मकान 100 वर्ग गज जो विजय नगर, बहाला रोड अमृतसर में है जैसा सेलडीड सं० 1340 दिनांक 16 मई, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है ।

> बी॰ एस॰ ढिल्लो, आई॰ आर॰ एस॰ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅंज, अमृतसर

तारीख: 11-1-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

आयफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, श्रमृतसर

भ्रम्तसर, दिनांक 11 जनवरो 1985

निदेश सं० ए० एस० भ्रार० /84-85/155 -श्रत सुझे, बी० एस० ढिल्लों,श्राई० श्रार० एस०

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), ब्रही धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निज्ञवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्सि, जिसका निचत बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० जायदाद है तथा जो विजय नगर, बटाला रोड अमृतमर है में स्थित है और इससे उपावद्ध श्रनुसर्वो में पूर्ण स्प से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप गेंक्त सपन्ति का उचित कारार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें स्प्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिद्यात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अनरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किश्त नहीं किया गया गया हैं:——

- (कं) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त किमिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1°57 का 27' के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, व्हिजाने कें स्विभा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बलविन्द्र सिंह पुल श्रो बिशन सिंह, फतहपुर, राजपूतां, तहसीस व जिला श्रमृतसर (भन्तरक)

(2) श्री जसविन्द्र सिंह कोहली पुत्र स० सुरजात सिंह कोहली, वासी कश्मार रोड, श्रमुतसर।

(भन्तरिता)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार है। (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(यह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रघोहता-क्षरीं जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह मुखना जारी कारके पुर्वाक्त सम्पत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितका में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित- बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसा अध्याय में दिया प्रवाही ।

नगुलुकी

एक मकान 100 वर्ग गज जो विजय नगर, बटाला रोड, अमृतपर मे है जैसा कि सेल डोड नं० 1341 दिनांक 16 मई, 1984 को रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारो, अमृतसर में दर्ज है।

> बी० एस० ढिल्लों, ग्राई० ग्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) . ग्रजैन रेंज, ग्रमुतसर

सारीख : 11-1-1985 मोहर : प्रारुप बाई. टी एम. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

भ्रमतमर, दिनाक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० ए० एस० प्रार० /84-85/156--श्रत सुमे, बो०एस० हिल्लों, ग्राई० ग्रार० एस०

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 '- रुठ से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो विजय नगर, बटाला रोड, ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रां कर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, ग्रमृतसर में रजिस्ट्रां करण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वेक्ति संपर्ति के उचित बाजार मल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल ने लिए अन्तरित की गद्दें हैं और मुफ्ने यह विद्वास करने का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिस में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपसे बचने में सृविधा के लिए; आर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाड़िए था, छिपाने में मृविधा के निया।

 श्री बलविन्द्र सिंह पुत्र स० बिशन सिंह, वासो फतहपुर राजपूतां, तहसील/जिला श्रमृतसर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो सुरजीत सिंह पुत्र स॰ तारा सिंह, 15, काश्मीर एवन्यु, श्रमुक्षसर।

(श्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में कोई किरराण्दार हो। (वह ध्यक्ति, जिसके श्रीधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रीर कोई । (बझ व्यक्ति: जिन

(वह व्यक्ति, जिनके बारे मे श्रधाहस्ताक्षर) जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

उनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :— को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकनी।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया बसा हैं।

भन्स्पी

जायवाद जो ब्राबादो विजय नगर, श्रमृतसर मे है जैसा सेल डोड नं० 2277 दिनांक 22 ज्न, 1984 की रजिस्ट्राकर्ता अधिकारो, श्रमृतसर में दर्ज है।

बी॰ एस॰ किल्लों, आई॰ प्राप्त॰ एस॰ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजीन रेज, अमृतसर

क्षारीख : 11-1-1985

मोहर ;

प्ररूप बार्ड. टी., एन. एस. : -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-भ (1) के अधीन स्था

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रंज. अमृतसर

श्रमृतगर,दिनांक 11 जनवर। 1985

निदेश मं० ए० एम० ग्रार्०/84-85/157--- ग्रनः मुझे, बां० एस० ढिल्लां, ग्राई० ग्रार० एस०

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भीर जिसको सं० एक जायबाद है तथा जो विजय नगर, बटाला रोड, ग्रमृतमर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनृसूच। में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता श्रिकार। के कार्यालय, रजिस्ट्राकरण श्रिधिनायम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के शरयमान करने का कारण ही कि मधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके शर्ममान प्रतिफल से एसे शर्ममान प्रतिफल सा पंत्रह प्रतिशत से अधिक ही बीर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती किन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाम प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक एप से किथा नहीं किया गया ही:---

- (क) बस्तरण घे हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; ब्रॉट्/था
- (ख) ऐसी किसी शाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने हों सुविधा के सिए;

कतः। अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में चैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपभाषा (:) के वधीन, निम्निलिसिस व्यक्तियों, वधित :--- (1) श्रा बलविन्द्र सिंह पुत्र श्रा बिशन सिंह, वासा फतहपुर राजपूतां, तहमाल∫जिला अमृतसर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रांमता हरभजन कौर पत्ना श्रो मुरजात सिंह, 15, काश्मोर एवन्यू, प्रमुतसर ।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर मं० 2 में कोई किराएवार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति

(4) श्रौर कोई।
(बह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना भारी करके पूर्वों कर सम्मृतिस के वर्षन वे विषय कार्यवाहियां करता हूं।

उन्द बन्दित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाबोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंध 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की बज़िध, को भी वर्जी धाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स स्थानतायों में से किसी स्थानत इवारा;
- (२) इस स्वान के रावपत्र में प्रकावन की तार्री के की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वध्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा नमा है।

वन्त्रा

एक जायदाव नं० 12 और 13 जो श्राबादो विजय नगर, वटाला रोड, श्रमृतसर में है जैसा सेल डोड नं० 2278 दिनांक 22 जून, 1984 को रजिस्ट्रोकर्ना श्रीधकारी के श्रमृतसर में दर्ज है।

बो॰ एस॰ ढिल्लों श्राई॰ श्रार॰ एस॰ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) र् श्रजैन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 11-1-1985

प्रकृष् आहे".टी.एम्.एस.,------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत बहुकान

कार्यां तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

भ्रमुतसर, दिनांक 9 जनवरी 1984

निवेश सं ० ए० एस० श्रार० / 84-85/147—श्रतः मुझे, बी० एस० ढिल्लों श्राप्ट० श्रार० एस०

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ६समें ६सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो सेठ जगत बन्धु रोड, अमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्थ, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

> (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनिय्म, के क्षीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या

4 14

(क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

् अतः वयः, उक्त विभिन्नियम की पाटा 269-ग के अनुसरभ भूगें,मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्.— मैसर्स वीवरज टू वीवरज, अमृतसर, जेल रोड द्वारा:
 श्री धर्मचन्द पुरी पुत्न श्री बंशबर दास पुरी, वारती छेहरटा हिस्सेदार फर्म।

(श्रन्तरक)

(2) श्री गुलजार सिंह राजकुमार श्रीमती हरणरण कीर राजकुमार, वासी 218, वसन्त एक्वेन्यू, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में कोई किराए दार हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रीर क्लोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में स्रधोहस्ता— क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना भारों करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्णन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप ---

- (क) इस सूचना के राजपथ मो प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की सबिध था तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियां में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इब्रु स्चमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यव्थ किसी बन्य स्थित द्वारा जथाहरताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त बाधिनयन, के अध्याय 20-क में परिभाषित इंग, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया भ्या है।

नम्स्ची

1/12 भाग जायवाद 105 वर्ग फीट जो गांव गुमरा ला, सेठ जगत बन्धु रोड, श्रमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं० 1159/ दिनांक 8 मई, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, श्रमृतसर में दर्ज है।

> बी० एस० ढिल्लां, ग्राई० ग्रार० स० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

ता**रीख** : 9~1—1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाई, टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार-

फार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

घर्जन रेंज, ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० ए० एस० श्रार० / 84-85/147--श्रतः मुझे, बी० एस० ढिल्लों, श्राई० श्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- 5 स अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक जायबाद है तथा जो सेठ जगत बन्धू रोड, श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है). रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रधीन, मई, 1984

को पूत्रेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल कर पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिवक हम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्क अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभाने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियः को, रंजन्ते भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 260-व के अनुसरण ४, भ, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, व्यक्ति - ⊶ (1) मै० बावरज टू वीवरज श्रमृतसर जेल रोड द्वारा : श्रीधर्मचन्द पुरी पुत श्रीविषम्भर दासपुरी, वासी छहरटा तहसील श्रमृतसर हिस्सेदार फर्म ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री गुलजार सिंह राज कुमार पुत्न स० दिलबाग सिंह श्रीर श्री हरशरण राजकुमार पत्नी स० गुलजार सिंह राजकुमार, वासी 218, वसन्त एोवन्यू, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में कोई कराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रौरकोई।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे स्वाहस्ता – क्षरी जानता है कि यह मस्पत्ति में हिस्सबद्ध है)

को यह स्वाना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि सद में समाप्त होती हो, के भीनर प्रविक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भातर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितः बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया बसा है।

अनुसूचो

1/12 भाग जायदाद 105 वर्ग फीट जो सेठ जगत बन्धू रोड, ग्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 1187 दिनां क 9 जनवरी, 1985 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, ग्रमृतसर में दर्ज है।

> बी० एस० ढिल्लों, श्राई० श्रार० एस० मझम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 9-1-1985

मोह्य 😢

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायक्त (निरक्षिण)

अर्जन रीज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जनवरी

्रिनविश नं. ए एसआर /84-85/158---यतः मुक्ते,

बी. एस. ढिल्लो, आई. आर. एस.

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी स. एक जाएदब्द जो सुलतान विंड निकर जी डी. रोड नहर, अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कर्ग्या-लय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख महीं 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उत्तित बाजार मृन्य में काम के शश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे शश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; आरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या कन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में के सिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अभूसरण में, में, उक्त अधिनिय की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निस्तिखिक व्यक्तियों, अर्थात् ह (1) मेहर सिह् पुत्र राम सिह् 15 वमरा काटेज पदमा नगर बंबई द्वारा मोहन सिह् पुत्र उद्यम सिह् एवन्यू अमृतसर मुख्तयार खास।

(अन्तरक)

(2) न्यू इण्डिया मशीन इण्डस्ट्रीज द्वारा :श्री जयपाल सिंह, 93, ईस्टमोहन नगर, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराए दार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) भ्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन संबंध में कोई भी मार्काप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्वित्यों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 स्वित्यों में से किसी स्वयित ध्वारा;
- (क) इत् सूचना की राजपन में प्रकासन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थान्य सम्मस्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा अथोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए का सकाने।

स्पन्ध्टोकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँका, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा, जो उस वध्याय में दिया नवा

जनसंची

एक जायदाद 850 वर्ग गज जो सुलतान विंड निकट जी० टी०रोड, नहर अमतसर में है जैसा सेल डीड स० 1620 दिनांक 23 मई 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> बी० एम० ढिल्लों आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 11-1-1985

मोहर ः

प्रकृष् वार्डः दी. एन . एस . ------

बावकर मीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के अभीन स्वना

٠ اله ۴

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० ए० एस० आर० /84-85/159-अतः मुझे, बी॰एस० डिल्सो आर्ड० आर० एस०

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारल है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृस्व, 25,000/-रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० एक जायदाव है तथा जो सुलतान विंड, जी० दी० रोड, अमृतसर में स्थित है (भीर इससे उपायद अनुसूची ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिय तय पाया नवा प्रतिफस निम्नतिचित उद्वोच्य से उक्त कन्तरण निचित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया नवा है:--

- (क) बन्तरण वं हुई किथी बाव की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरण के श्रीयत्व में क्ष्मी करने वा उक्त वचने में सुनिया से बिक्; वं(द्र/वा
- (च) ऐसी किसी आय वा किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्यद्विती स्वारा प्रकट नहीं किना वना वा वा वा वा किया चाना चाहिए वा, किनाने में सविभा के लिए.

बतः अवं, उक्त विभिनियमं की भारा 269-गं के वनुसरण भं, में, उक्त विभिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) इं कभीर, निम्नलिबित स्यक्तियों, वर्धात् :---

- (1) श्री मेहर सिंह पुत्र श्री राम सिंह वमरा वासी प्लाट न ० 16, बमरा काटेज पद्मा नगर, बम्बई द्वारा: श्री मोहन सिंह पुत्र उधम सिंह, 434, रणजीत एवन्यू, अमृतसर मुख्तयार खास मुख्तयार नामा ।
 - (अन्तरक)
- (2) मैं ॰ डायमण्ड स्पेयर्स इण्डिया, अमृतसर, 54, ईस्ट मोहन नगर।

(अन्सरिती)

- (3) जैसा ऊपर स० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को थह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से A.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों वे से किसी व्यक्ति हुवारा।
- (क) इस ज्यान के राजपण में प्रकारण की दारींस से 45 दिन के भीतर धनत स्थान्त सम्मात्त में हितनद्भ किसी कम्ब स्थानित द्वारा मधोहस्ताकारी भी पास सिवित में किए वा सकोंने।

स्थानिकरणः -- इसमें प्रयुक्त बन्दों श्रीर श्वीं का, वो उन्त निधानियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं बर्च होगा वो उस मध्याय में दिवर गंवा है।

अनुसूची

एक जायदाद 850 वर्ग गज जो मृलतान विष्ठ निकट जी० टी० रोड नहर, अमृतसर में है जैसा सेल डीड न० 1723 दिनांक 25 मई, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर मे वर्ज है।

> बी० एस० डिल्लों, आई० आर० एस० सक्षम 'प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीच : 11-1-1985

मोहर ः

श्रुक्ष बार्च. टी. एन. एस.- - - ----

नामकर निभृतियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के संभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीर्कक) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० ए० एम० आर्० /84—85/160—अत: मुझे, बी०एस० डिस्लों आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परभात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो चाटी विंड, गेष्ट के बाहर तरन तारन रोड, अमृतसर में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार भूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयकान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिस्ति से विधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरक जिल्हित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्मरण से हुन्दें किसी जान की वाबस, स्वतः जिसीनयम के बधीन कर दोने के जन्मरक के श्रीयरण में कमी करने मा सससे तचने में स्विधा के किए; बॉर/वा
- (थ) एसे किसी आय या किसी अन वा अन्य जास्तियों करे, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जो प्रबोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त निभिनियमं की भारा 269-गं के नगुंतरण को, मी, उक्त निभिगमं की भारा 269-गं की उपभारा (1) के सभीतः निम्निनियतं न्यक्तियों, सम्मीत् ध--- (1) भी बिहारी लालभुन श्री नारायण दास, किला भंगीया आबादी गोकलचन्द, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री बुज मोहन पुत्र श्री बिहारी लाल, नमक मण्डी, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) भौरकोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः सम्पृत्ति के सर्जन के हैंसए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की नवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपन में प्रकावन की तारीच चे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कांगे।

स्पक्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिविश्वम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उत्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/12 थाग जायदाद 287.37 वर्ग नज जो तरनतारन रोड, बाहर जाटी विंड, गेट, अमृतसर में है जैसा सेल डीड सं० 2106 दिनांक 13जून, 1984 को रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> बी० एस० दिल्लों, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीव : 11-1-1985

प्ररूप नाइ . टी. एन. एस. -----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० ए० एस० आर० /84-85/161—अतः मुझे, भी० एस० ढिल्लों आई० आर० एस०

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्भत्ति, जिसका उधित नाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं ०एक जायदादे है तथा जो चार्टीनिड गेट के बाहर तरन तारन रोड, अमृतसर में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद अनुसूची में और पृष्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1984

को प्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के उपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण संहुई किसी जाय की बावतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा की लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के सिए;

क्तः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण में, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्मसिनित व्यक्तियों, अधीत:— (1) श्री बिहारो लाल पुत श्री नारायण दास्, वासी किना भगिया, आबादी गोकल चन्द, अमृतसर।

(अन्तरितो)

(2) श्री जुगल किशोर पुत्र श्री जगन नाथ, आबादी ग्रीन एवन्यू, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं०े 3 में कोई किराये दार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) ग्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सबभ में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक् किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया हैं।

बन्स्पी

1/12 भाग जायदाद 287.38 वर्ग गज जो बाहर चाटी विंड गेट, तरन तारन रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 1836 दिनाक 29 मई, 1984 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> बी० एम. ढिल्लों, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 11-1-1985

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतपर, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश नं० १०ए२० आर० /84—85/162——अत: मुझे, की०ए२० ढिल्नों, आई० आर० र्स०

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/-रा. सं अधिक है

मीर जिनकी सं० एक जायदाद है तथा को चाटी विष्ठ गेट के बाहर तरत तारत रोड, अमृतार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुपूर्वों में और पूर्ण का ने विजित्त है), रिस्ट्राकर्ती अकि रोके कार्यात्रम, अमृतार में दिनस्ट्राकरण अभितियम, 1908 (1908 का 16) के अधान तारीख जून, 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य से कम के एवसमान प्रतिफलं के लिए अन्तरिश की गई है और मफ यह विश्वास किरने का कारण है कि यथापर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्यमान प्रतिफल में एमें एवसमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकात से अभिक्ष है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया. गया प्रतिफत, निम्नीलीकत उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है रू--

- (क) जनतरण में हुई किसी आध की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के लिए;

कृत अंथ, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री बिहारी लाल पुत्र श्री नारायण दात, आबादी गो जल चन्द, किना भागिया, अमृत्यार।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार पुत श्रा हो । नान, क् कण्डा बनाना गना बाई नानी, अमृतार।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर मर्व 2 में कोई फिराण्दार हो। (वह .व्यक्ति, जिस अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(बहु व्यक्षित, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानसा है कि वह सम्पत्ति में हि खद्ध है)

को यह मचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पिन के अर्जन के लिए कार्यवीहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राज्यत्र मों प्रकाशन की नारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाः मों से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर नकत स्थावर सम्पत्ति में हिनब्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयक्त शस्तों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

1/12 भाग गायदाद 287.34 वर्ग गण जो बाहर चाटी विंड गेंड, तरन तारत रोड, अमृत्तर में हैं जैना सेल डीड नं० 2107 दिनांक 13 जून, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृत्तर में दर्ज है।

> बी० एस० ढिल्लों, आई० आर० एस० सक्षम प्रीधिकारी सहायक आयकर आपुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 11-1-1985

प्ररूप नाइ . टी . एन . एस . ------

क्षाण कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्जालय, सहायके आगकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जानरेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 10 जनवरी, 1985

निहेग पंज्यारव्ये व्सीव्नं व 356/84-85---यतः मुझी एमव अगन मोहन,

झायकार प्रांभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर बात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की अधरा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण ही कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 000 कि ए एं उपित को

प्रौए निन्ही रं० भूमि है, तथा जो प्राल्टीपर बार्ड वैझाग स्थि है (प्रौए हाने उन बद्ध भा नुवा में और पूर्ण रूप में विण : है), पिट्टी कर्ना भे कर री कि कार्यान्य, बैझाग, में भारतेय रि स्ट्री रण अितियम, 1908 (1908 का 16) के अबीन तारीख 5/84 का प्रवास्त मम्पन्ति क उचित आजार मृत्य स कम क स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एमें दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रीणात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्घष्य में उकत अन्तरण सिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (फ) अन्तरण से हाई किसी आय की 'दाबन, उक्त क्रिधिनियम के अधीन'कर दोने के अन्तरक औं दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, बॉर/या
- (भ) गोनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त आधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था ग किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरक जो, में उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) श्री यन० आवन्ता ग्रीर अन्य, 7 कोथाटालरीपट, विशाखापत्तानम

(अन्तरक)

(2) श्री एम॰ पूरनदास पिता खोम चन्द, मेन रोड, विशाख,पत्तनम ।

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के सिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त संपरित के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप्:----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं से 45 दिन की अविधि या तत्सवंभी व्यक्तिदाँ कर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर प्रवाक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति सुतारा;
- (का) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्याक्त द्वारा अवाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पच्छोकरण:--हममे प्रयक्त शक्तें और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ हागा जा उस अध्याय में विया गया ही।

धनुसूची

भूमि विस्तींण 622 भौ० गज, वास्टीयर बार्ड, वैझाग, रजिस्ट्रोहत विलेखनं० 6108/84 रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी वैझाग।

> एम० जगन में हुत सक्षम अधिकारी सहायक आयकर अप्युक्त (निरंक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-1-1985

प्रकृप बाइ .टी. एन. एस ------

आधकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

जारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैरर बाद, दिसाह 10 जातरी, 1985

निरेत् राज्य राजे ० पी व्यं ० 357/84-85---

ग्रातः रुप्ते एम० जगा माहा, प्रतिफल को लिए अंतरित को गर्द है और मुक्ते यह विश्वास इसक पथ्चात् उक्त अधिनयम कहा गया हा), का धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का इसरण ही कि स्थावर सर्णस्त जिसका उचित बाबार सून्य

25,000 /- रा से अधिक हैं।

भौर जि की संव घर है तथ जो अनवा परली स्थित है (भौर इससे उपाबक अनुरूषा में ग्रार पूर्ण रूप से विधित है), र्याप्ट प्ता अधिवार क कार्यालय, अनुगारला, में भारताय रिजिस्ट्र प्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान ताराख 5/84

का प्रविक्त सर्पान्त के उभिन ग्राजार मृल्य से कम के रिष्यमाने प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने की कारण है कि ग्राथमाने स्थापत्राक्त स्थापत्राक्त का रोचन बाजार मृल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से एसे देश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रातश्वत से आधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरका) के बीच एस अन्तरण के निए त्य पाया ग्राथमानिक ने निम्नालिक उद्देष्ट्य से उक्त अन्तरण निम्हित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया ग्रायमा है:---

1

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के द्यायत्व मं कमी करने या उसस बचन मं सुविधा के लिए,-आर/या

ν

(स) ए'सी किसी आग्न या किसी धन या अन्य आस्तियां का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गणा था शा रिन्या जाना चाहिए था, छिपाने मा स्विधा के लिए;

र् इन्त अन्न, उक्त ऑप्धियिक की धारा 260-ग के अनुसरण इं., में, उक्त अधिनियम की धारा 260-च की उपधारा (1) इटें अलीन, निम्ल्लिखिल ध्यक्तियों अर्थात्:⊶ (1) श्री व्ही० देमु**ड्** अनकापल्ला

(अन्तरक)

(2) श्री सीयंच, वें टरमना पिता सन्याख्या सेट्टा, गाबास्मास्न, (श्रोतामपुरम) अनुकापल्ली, वैक्षाग जिला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हु।

इच्या सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस स्वता के राजात प प्रकारत की नारीख से 45 दिन की भवधि ये तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्वता की नामीन से 30 दिन का भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होना हो, कभीतर पूर्वोक्त व्याक्तयों मस निसा श्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्भ किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधाहस्ताक्षरा क' पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण. --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क ओधीनयम के अध्याय 2()-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्त्रकी

घर गंदि अनुभाषली रिल्झिट्स विलेख नं० 2289/84 रिजिस्ट्राह्मा अनुभारती अनुसारल्ला

> एम जगन मोहन सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकुर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज, हैदरा**बाद**

तारीख : 10~1—198**5**

प्ररूप बाई ुटी ुएन ुएस ,-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) क अभीन सुचना

भारत सरकार

्कार्यातम, सहायक नामकार नामृक्त (निर्दीक्ण्)

अर्जन रेज,हैदराबाद

हैश्राबाद धिनाक 10 जनवरी, 1985

तिरेग म० भार गे० सी० नं० 358/84-85-यंतः मुझे एम० जगन म हत,
श्रीयफर आधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-क के अधीन मध्रम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, 'जिसका उचित बाजार मृत्य
25,000/- रु. सं अधिक है
स्रोर निकी का मूमि है नथा जो किया स्थित है (और इससे
उक्तब अनुन्ता में स्रार पूर्णच्य से विणा है), रिजस्ट्रा र्ला
अत्यह अनुन्ता में स्रार पूर्णच्य से विणा है), रिजस्ट्रा र्ला
अत्यह री क कार्यानय, विषय, में भारतीय रिजस्ट्री रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) क अधीन 5/84
को प्रांचा स्पीलन क उचित बाजार मृत्य स कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए रिजस्टीकत विलय के अस्पार अवरित को गई

- को पूर्वाकः सपित्त क उचित बाजार मृत्य स कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलख के अनुसार अर्जरित को गई है आर मूझ यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्रविक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमा। प्रतिफल का पहुं प्रतिस्त से अधिक है और अत-रक (अतरका) आर अर्जरिती (अतर्रितियो) के बीच एसे अत-रण के लिए हं पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अतरण किखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---
 - (क) बलरण से हुई किसी बाय की बायत, उत्ता धीं भोजयम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में केमी करने या उससे बचन भी सुविधा के लिए, और/या
 - (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त आधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की प्रयाजनाथ अन्तिज्ञी दगरा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

कृत: जब, उक्त किंधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण बी, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (३) को अधीन, निम्निस्ति व्यक्तियों, अर्थात .-- श्रीमित एम० आशालचन्द पति
 श्री लालचन्द,
 पोयाता बिलिंडगत्त, वैझाग

(अन्तरक)

(2) श्री मनोहर लाल आहूजा, डो॰ न॰ 10-1-11 टूरिस्ट बगला, असीलमेटा विशाखापत्तनम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवर्ग्रहमा शुरू करता हु।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में, कोई भी बाओप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील में 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवेक्ति स्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ब) इस सूचना के राजपण मों प्रकाशन की तर्गीख से 45 दिने के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्धथ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरों के पास लिखित मों किए जा सकींगे।

स्वीकरणः --- इसे में प्रयक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम कि अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुंसूची

भू^म विस्तीण 600 चौ० गज, विशाख पत्तनम, रजिस्ट्रीष्टत विलेख न० 5639/84 रजिस्ट्राकर्ता अधिका**री वैशाग**।

> एम० जगन मोहम सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबा्**ट**

तारीख : 10-1-1985

मोहर ३

प्रकार लाडी.टी.एव एस. -----

साथकर स्रीधनियम, 1961 (1961 सा 43) की भारा 269-व (1) के सभीन स्पना

भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक व्यायकर भायक्त (निरक्षिण) अर्जनरेंज, हैदराबाद

हैश्याबाद दिनां ह 10 जनवरी, 1985

निदेग पं० अपर० यो० सी० नं०359/84-85--अतः मुझो, रुम० जगन मोहन,

कायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा ?69-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार मृस्य 25,000∕- रा. सं अधिक हैं:

भीर निना हो नं विषय है था जो इति पेट राजमूंडी स्थित है (भाँर इनसे उनावद अनुपूचा में भारपूगल्य स्वर्णित है), राजिन्द्र तर्ता . आधि हारों के कार्योगन, राज हुंडा में भारताय राजिस्ट्रा हरण आध— निनम, 1908 (1908 हा 16) ते अवीन 5--184

का पुर्वाक्त सर्पात्त क डांचल बाजार मृल्य स कम क इत्यमान अन्तरित लिए • की विश्वास करने 'का कारण है मुभ्ते यह यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मृल्य, उसके दशमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिमित उदद्गरय से उक्त अंतरण लिखित में बान्तियक रूप से किथत नही किया गया है:--

- (क) अन्यप्रका भे हार्च किसी काम की बावन, उपल अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तर्रक के शामरण मा कमा करन या उसस वचन मा सुरवधा कामर अपरामा
- (च) ऐसी किमी आय या किसी भन या बस्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरती द्यारा प्रकट नहीं किया गया जा का का का जाना जाहिए था, क्रिपान में सावधा के सिए;

्रै अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मीं, मीं, उक्त आधिन्यम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् : (1) श्री बि॰ सीम्हाचलम पिता रामन्ता, इतित्रपट, राजमुँडी

(अन्तरक)

(2) श्री के० मत्त्रनारायम श्रीर अन्य, डॉ॰ न॰ 36-25-20, इनिजपेट, राजनुडो

(अन्ही)

को यह स्वना जारी करके पृथाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

जनत संपत्ति के सर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सचना के राज्यत्र में प्रकाहन की लागील रें 45 दिन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थासत्यों में संकिशी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिक्ष्य सांकष्ट का सक्ता।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों, का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ द्वागा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर पम्पत्ति इतिपोण राजनुंदी डी० नं० 21/162 बि० रजिस्म्रो हा जिने अनं . 3728/84 राजस्मा हर्ता अधिकारा राजमुद्धी

> एमः जगन मोहन सञ्जन प्राधि शरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, हैदराबद

दिनांक : 10-1-1985

्ष्टस्य बाह्रं टी. एन. एस. --

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की ' भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

बारत बरकाउ

^{ैं)} **कार्यालय, सहा**यक आयकर आयक्त (नि**रीक्षण)** अर्जन रें ज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी, 1085

निदेश तं० आर्० रो० सी० गं० 360/84-85--अतः

मुझे रम० जगन मोहन,

द्रायंकर आधीनयम, 1961 (1961 का 43) जिसे हतमें इसके परचात 'उक्त माधिनियम कहा गया है')., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाबार मृत्य 25.000/- रह से अधिक हैं

प्रौर जिनकी तं० भूमि है तथा जो विजयानगर में स्थित है (ग्रौर इससे उन्नाबद्ध अनुत्रा में श्रोर पूर्ग रून से विजिता है), रिजस्ट्री-हर्ता अविहारों के कर्या ।य विजयानगर में भारताय रिजस्ट्रा तरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) त अवीन 5/84

का प्वांक्त सम्पत्ति क्र उचित बाजार मृल्य स कम के खरमाथ रितफल के लिए अन्तारत की गई है और मफे यह विक्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त मम्प्रित का उचित बाजार जुन्स उसके दृश्यमान प्रतिपाल में, प्राम क्रियमान प्रतिपाल का जिन्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रक्ता (अन्तरित्तमा) क वाच में अन्तर्ण का लिए तृष्ठ प्रामा गया प्रतिपाल निम्नलिकित उदहरिय में उक्त अन्तरण लिखित में मस्तिबक रूप में करियंत नहीं किया गथा है:——

- (क्क) अध्यारण में हुद्दं किसी आध की बाखत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सावधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी अक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बि॰ गूतराजू पिता वें हटस्त्रामुता रंगाराजू स्ट्र:ट, विजयानगरम

(अन्तरक)

(2) साउथ इस्टर्न रेल्वे एम्लाइज हाउस बिल्डिंग सो ताइटी विजयानगरम

(अन्तरिती).

की यह स्चना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के िनए कार्यनाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, बा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित म किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बाधानयमः क बध्याय 20-क मा परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया ब्या है।

जन्सू ची

भूमि विर्तेर्ग 4.6 चरहर, कनपाका, विजयानगरम रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी विजयनगय

> एण जान पीइन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकरं ग्रापुर (निरोक्षण) अजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-1-1985

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 क्रा 43) की 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकाडु

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरो 1985

आर० ए० सी० नं० 361/84—85—यृत: मुझे, एम० जग

मोहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/- रूप से अधिक है

ग्रीर जिनकी नंख्या भूमि है तथा जो नैझाग जिला में स्थित है (श्री इन ने उनाबद्ध अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकृत अदिकारी के कार्यालय, नैझ ग, में भारत य रिन्ट्रिकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के उधान, दिनाव मई 84

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सपित का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिथक हुए से कथित नहीं किया नया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दन के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उसरी बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एमी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयं-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था ए किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण भीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— श्राचित्रक्तिम्हाजलम स्रोर अन्य,
 ५ शाखापत्तनम ।

(अन्तरक)

 श्री पोलिसेट्टी वे त्र्यामात्रक्या राव श्रीर अन्य सेकड कोल रोड, मद्राज ।

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुख्या के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अलिए या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुचना की तायों ल स 30, दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समास्त हाती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखन के किश्र का सका ।

स्पष्टीकरण :---हममें प्रयुक्त कर्वों और वदों का, जो उक्क कांधिनियम के कथाय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं कथे क्षणा जो उस कथाय में दिवा नया हैं।

अनुसूची

भूमि विर्म्टण 4-96 एकड, विशाखापत्तनम, डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रें ति विलेख न > 5966, 5968, 5965, 5967 प्रर 5969/ 84, रजिस्ट्रेंकिर्ता अधि । र्रारंकी शाग ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्रधिकारी सहायक आयाहर आयुकः (िर्दान्हण) अर्जन रेज, हैदरा**बाध**

तारीख: 10-1-1975

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) क अधीन शृपना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक कार्यकर आयक्त (मिर**क्षिण)** अर्जारोंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10-1-1985

आर० १० सी० नं० 362/84-85:---अतः मुझे, एम० जगन मोहन

बाय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस है पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'). की धारा 26 रे-ब क अधीन सक्षम गांधिकाला को यह जिल्लाम करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

भीर जिस्की पंचा घर है तथा जो बाडी देश, र्टूर में स्थित है (श्रीर इस्पे उसव अनुम्बं में और पूर्ण रूप से विणि है), रिजिट्स जिलिकारी है कार्यातय, र्ट्र में भारतीय रिजिट्स करण अधितियम, 1908 (1908 का 16) है अधीन, दिनां के 5-1-84 की पूर्वोक्त सर्पारत की उचित बाजार-मूल्य से कम के दृश्यमान प्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है अर मफ यह निक्शम करने का कारण है कि यथाप्वाक्त सर्पारत का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल के प्रमुख प्रीतफल के प्रमुख अपनित की अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बातरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पास गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उसत अन्तरण मिखत में वास्तविक स्प म किश्वत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त आफान्यम के अधीर कर दान के अन्तरक आई दाधित्व में बमी थरर या उससे अचले में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर आधिनियम, 1922 (1922 का (1) या उक्त अधिनियम, या धन-कल अधिनियम 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चौहए था, जिया मा सूबिधा के लिए;

कतः अतः, उच्न अधिनियम की धाण 260-ग के अनसरण के में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-ल की उपधारा (1) के अधीक, दिस्तिसिक व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री १० एडणा रेट्डी पिता स्वामी रेड्डी,
 बहानपूरन, ईनाता तालुह, जिला पुर ।

(अन्तरक)

2. श्री के० पांडूरंगाताव पिता वेंबटेस्घर राव, डा० नं० 15-5-1, ब्राडासेट, गुटूर।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कायवाहिया करता हु।

उन्त संपंति के वर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचेना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधिया तत्सबधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियान साक्रिस। व्यक्ति बुबारा,
- (ख) इस सूचना हो र उपत्र मो प्रकाशन की शारीख से . 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मो हिसबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

घर संगीत डी० न० 15-5-1, ब्राडीवेंट, फस्ट लेन, 14 थ काप रोड, गुट्र, रिजस्ट्रोइत विलेख नं० 4932/84, रिजस्ट्राकर्ती अधिकारी गुट्र।

एम० जगन मोत्न सक्षम प्राधि ारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-1-85

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) जर्जन रेंज, हैदरीबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 ननवरी, 1985 ------निदेश सं० आर० ये० सी० नं०363/84-85-असः मुझे एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें) इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने व कारण है कि म्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मा 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० घर है तथा जो गुटर स्थित है (ग्रीर इससे उपा अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकार के कार्यालय, गृहर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1 (1908 का 16) के अधीन 5/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के । प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मफ़े यह विकास क्रने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्रविश्वास मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रिंश बाजार पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरक का अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण की और पाया गया, प्रतिफल, निम्नितिखत उद्देश्य से ूर्क लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से की लिए तय लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं कया गुरुवत अन्तरण भा है:--

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अधिनियम के अधीन कर देने अ बाबत, उक्त नियन में कमी करने या उससे के अन्तरक के अधिनियम क लगा । दायित्व में कमी करने या उससे की अन्तरक क व्यायित्व में कमी करने या उससे की सुविधा दायित्व के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किस् को जिन्हें भारतीय आयशी धन या अन्य आस्तियों (1922 का 11) या उन्कर अधिनियम, 1922 प्रयोजनार्थं अन्तरिती 357 (1957 का 27) के - था या किया जाना/ इवारा प्रकट नहीं किया गया नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ें ब्रत: अब, उक्त अधि र्वे, में, उक्त अधिनियमनग्रम की भारा 269-ग के अनुसरण के बधीन, निम्नलिखित वृक्ती, भारा 269-घ की उपधारा (1) विक्सयाँ, अर्थात :---

(1) श्री एम० बसवालिंगम ग्रीर अन्य, गोबापेट, गुंट्र

(धन्तरक)

(2) श्रीमति व्ही पदमावती पति बाला भास्कर राव, डी॰ नं॰ 12-12-34, कोथापेट गुटूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोच्द सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियस, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

घर सम्पत्ति डी० नं० 12-12-34, भ्रोल्ड क्लब रोड, गुंटूर रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6627 मीर 6628/84 रजिस्ट्री-अधिकारी गुंदूर।

> एम० जगनमोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज, हैदराबाद

वारीख: 10-1-1985

मोहर 🛭

16-466GI/84

ारूप बाइंटी, एन, एस.----

आयकर निधनियम, 1961 (196! का 43) की धारा

26८-छ (1) हे अधीन मुबता

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रे ज, हैदराबांद

हैदराबाट दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० २० सी० वं०364/84-85--अतः मुझे एम० जगन मोहन,

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियमं कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 15 000/ 7. स अधि है

स्रौर जिसगी सं ० घर है जो ग् नदला विजयवाड़ स्थित है (स्रौर इसमे जावड़ में प्रार पूर्णरूप पे विगत है). रिजस्ट्री जो अधि-कारी च कार्यात्य विजयवाड़ा में सारतीय राजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5/84

को पूर्वोत्त सस्स्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम यह विश्वाम करन का कारण है कि मन्गपूर्वाक्त पर्माट कि कि मन्गपूर्वाक्त पर्माट कि मन्गपूर्वाक्त पर्माट कि मन्गपूर्वाक्त पर्माट कि मन्गपूर्वाक्त पर्माट कि माजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल, निम्निलिखित जुद्दाक्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक्त क्ष्य स कथित नहीं किया गया है.—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबन, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मितिधा के लिए; और/या
- (क) एनी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सिवधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के जनमण्ड में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, विस्तिनियन व्यक्तियों, अर्थात के (1) आमाने जो ० सरोजनी देवी पति मगुद्धन राव फुष्णा लका, विजयवाडा

(अन्तरक)

(2) श्रीमित यस० महेन्द्र मिन, पित एस० सुरेश सुयौरावपेट, विजयुक्तान

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के किए कि करके के लिए

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप -

- (क) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी तर पूर्वोक्त बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से के किसी व्यक्ति द्वारा;
- '(खं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

धः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त स्पच्दोकरण, अधिनियम के अध्याय 20-क मं परिभाषित हैं, "ही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुमुची

्रादला, विजयबाड़ा, रिजस्ट्रीकृत विलेख मं० खुली जमीन, गुर्का अधिकारी विजयबाड़ा 3306/84, रिजस्ट्रीकर

> एमः जगत मोहर्न सक्षम प्राधिकारी -रे आयकर आयुक्त (निरीर्धण) -सहायक्ष अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-1-1985

मोहर ः

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी, 1985

निदेश सं० आर० ये० सी० नं०365/84-85-अतः मुझे एम० जगन मोहन,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्तक पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाश 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, ज़िसका रिवत बाजार जूल्य 25.000/र र से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० घर है तथा जो, विजयबाड़ा में स्थित है (स्रौर ् इससे उपावड अनुसूची में स्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वियबाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-84 ।

ते पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास तरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ्य गाया चा प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उक्त कतरण जिलामा

- (क) बन्तरण सं हुन्दं किसी बाद की वादतः, उन्दः स्वीतियद से बचीन कुन्न होने के बंतरक के दासित्व में कभी करने या उससे बचने में मृजिधा के लिए; बौर/वा

(1) श्रीमित जी० मरोजनी देवी पित मधुसूदन राव कृष्णा लंका, , विजयबाडा

(अन्तरक)

(2) डा० आद्सूमील्ली भुन्नमन्यवस्वर राव, संयरावपेट, विजयबाडा '

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्श्ववाहियां करता हूं।

उक्त बंपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बार्क्ष:---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीख की 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ भग स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो की अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों, में से किसी व्यक्ति द्वासा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित सूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षण के पास लिखित में किए जा सकींगी।

सम्बद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गबा हो।

वग्स्यी

भर सम्पत्ति, गूनदला, विजयबाड़ा, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3305/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयबाड़ा ।

एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

न्सतः सब, उस्त अधिनियम की धारा 269-न के बन्दरण , मैं, उस्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) । सभीन , निवनीबिकत अधिनयमें, सभीत :—

तारीख: 10-1-1985

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

 श्रो जे० रामदेव पिता शिवरामप्रसाद, कारमचेड् ।

(भन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना (2) श्री थोटा ग्रादिनारायणा पिता टा॰ कोटय्या, करमचेडू।

(ग्रन्तरितो)

बार्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10-1-1985

म्रार० ये० सा० नं० 366/84-85-म्बतः मुझे, एम० जगन

मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भौर जिसकी संख्या भूमि है तथा जो करमचेडू में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारः के कार्यालय, चिराला, में भारतः य रजिस्ट्रः करण अधि-

नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, दिनांक 5-84
को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्ष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण हुँ, कि यथापूर्वोंक्त सपित्त का उचित बाजार
मृल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अतरक (अतरकाँ) और अंतरिती
(अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
अतिफल, निम्नतिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण निखित में
आस्तिबक रूप से कथित नहीं किया गयां हैं:---

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाव की बाबत, उपत बीधनियम के बधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी फरने वा उससे बचने में सुविधा व्ध निष्; बार/वा
- (ब) एसी किसी बाय वा किसी थन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धरा-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में जुनिधा और विद्या

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सू चा

भूमि विस्तर्ण 1-50 एकड़, करमचेडू, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 1844/84, रिजस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी चीराला।

> एम्० जगन घोहन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निराक्षण) सर्जन रेंज,हैदराबाद

बत: अब, उक्त विधिनियम, की धारा 269-ग के बुब्सरण बाँ, माँ, उक्त बिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को बधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियाँ, वर्धात् :---

दिनांक 16-1-1985 मोहर . प्ररूप आर्हे. टी. एन. एस. - - -

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय् सहायक कायकर नायुक्त ([नर्डीक्राक)

मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1985 प्रार् ये० सा० नं० 367/84-85---प्रक्षः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसको संख्या भूमि है तथा जो गूनदला, विजयवाड़ा में स्थित है (भीर इससे उपावद धनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्राकर्री श्रविकारा के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजिस्ट्राकरण श्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के धर्वान, विनाक 5-84

को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वों क्त सम्मरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एसे स्थ्यमान प्रतिफल के जन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) से बीच एसे अन्तरण के सिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निसिबत उद्देश्य से स्थत अन्तरण निस्तर में वास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया हैं----

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबता, उक्त जिभिनियम के जभीन कर दोने के बन्तरक के द्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉट/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का '27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

ं अत अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, में उक्त अभिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के के अभि , ज्यानिकार व्यक्तियम, अभिन् :---

 श्रीमती जी० सरोजिनी देवी पति मधुसूदन राव कृष्णा लंका, विजयवाड़ा ।

(भन्तरक)

 श्री भूपला साराहा कुमारी पित रामचंद्रा प्रसाद, सूर्यारावपेट, विजयवाङ्ग ।

(मर्त्तारती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उथत सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :---

- (क) इस सूर्चना के राजपत्र मं प्रकाशन की तार्राझ से 45 दिन की अयिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामीन से 30 दिन की अविध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीश से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध
 किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के गास
 सिखित में किए जा मकोग :

स्परशिकरणः --- इसमा प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ हागा जा उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्की

भूमि विस्तीर्ण 284 चौ० गज, गूनदलाविलेज, कृष्णा जिला, रिजस्ट्राकृत विलेख नं० 3307/84, रिजस्ट्रीकर्ती स्रधिकारी विजयवाड़ा।

एम० जगन मोहन सक्षम द्यविकारी सहायक ग्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) धर्मन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-1-1985

प्रक्य बार्ड .टी .एन् . एन् . ------

बायकर ग्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मजंन रेंज, हैवराबाद

· हैदराबाद, दिनाक 10~1-1985

म्रार० ये० सी० नं० 368/84-85--मतः मुझे, एम० जगन

मोहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्स अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-व के अधीन रक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण ही कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य

25,000/- रह. से **अधिक ह**ै.

भौर जिसका संख्या घर है जो वैभाग में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), राजस्ट्रांकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैभाग, में भारतीय राजस्ट्रांकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक 5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिकल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्नुह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गवा प्रतिकल निम्नितिवित उद्देश्य से उसत अंतरण निस्तित में वास्तीवक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) बन्धरण से हुई जिल्ली बाब की बायस, उनके बिधिनियमं के लगीन कार धोर के अन्तरक के बाबित्य में कमी कारवे वा सबसे बुधने में बृविधा के सिए; बरि/मा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कार किभी नयम, 1922 श्री 1922 का 11) या अन्य अभिनियम, या अन-कार अश्रीनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से विष्;

शतः क्रें क्रें क्रें क्रें क्रिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभाउ (1) कों अधीन, निम्म्बिलिख व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री एम० मूलय्या और ग्रन्य, ल्लोश्यनगर, वैझाग ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती पी० राधा पति पार्थसारपी, डी० नं० 49-19-20, जगन्नाथपुरम, लेमाउट, विशाकापटनम । श्रीर श्रन्य

(धर्न्तारती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उन्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राखपत्र में प्रकाशन की तारीं व के 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी खबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मपत्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए था सकेंग।

स्वक्तीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया रक्षा हैं।

जन सच्ची

घर संपत्ति डी० नं० 49-19-20, जगन्नाथपुरम लेखाउट विशाखापटनम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5880/84, रजिस्ट्रीकर्ता धरिकारो वैद्याग ।

> एम० जगन० मोहन सक्षम प्रधिकारः सहायक प्रायकर धायुक्त (निराक्षण) प्रजन रेज, हैदराबाद

तार(व : 10-1-1985

मोइरः

प्ररूप काइ. टी, एन. एस ------

कार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याभय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदरावाद दिनांक 10-1-1985

ग्रार० ये० सा० नं० 369/84-85—श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परबात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का किए हैं कि किए अपने अपित किया उपनित कावार मूल्य 25 000 - स्ड में अधिक हैं

मौर जिसका संख्या भ्मि है तथा जो वाल्टेपर वार्ड, वैझाग में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद श्रनुस्क, में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजम्ई कर्ता श्रिधकार के जार्यालय, वैझाग में भारतीय रिजस्ट्रोकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 5-1-84 का एवं तर राम्पित के रिचित शासर मूल्य में कम के रूप्यमान एतिफत से लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने के कारण है कि यथ्पपूर्ण किन संपत्ति का उपित बाजार मूल्य श्रीस वश्यमान प्रतिफल त एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दर प्रतिक्ष में अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) तौर अत्रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिवित खुव्येष्य से उनत अन्तरण सिवित का स्थान है अप्याप्तिक क्यं से कीचत स्थान हों किया गया है अन्तरण कि सिवित

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे उपने में सुविधा के कार; और/बा
- , (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अभ्य जारितवां करे, जिन्हें भारतीय वाय-कर जीभीनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम बा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया करा या किया जाना काहिए था, छिपाने भें सुविधा के लिए;

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) क्रे प्रभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों अकाँह क्रिक्त 1. श्री एस० **प्रचन्ना ग्रीर भन्य** कोषा तलारीपेट, वैझाग ।

(भन्तरक)

2. श्री एन० प्राणालचंद पति लालचंद, डी० न० 26-24-77, पोर्ल्याना बिल्डिंगस, वैझाग । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवादिया करता हूं।

उक्त सम्परित क अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की स्विधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवागः;
- (स) इसंसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में दिनसक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्वीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याद में दिया गया है।

अनुसूची

मून विस्तार्ण न० 467 ची० गज, वाल्टीयरवार्ड, वैझाग, राजस्ट्रीकृत विलेख न० 6108/84, राजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी वैझाग।

एस० जगन मो**हन** सक्षम श्राधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख . 10-1-1985

त्ररूप बाइ". टी. एम. एस.,------

भावकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10-1-1985

श्रार० ये० सी० नं० 370/84—पतः मुझे, एम० जगन

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अभिक है

भीर जिसका संख्या भूमि है तथा जो करमचडू में स्थित है (प्रीर इससे उपाबद धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजर्द्राकर्ता धिकारी के कार्यालय, चिराला, में भारतीय रिजर्द्राकरण धिक्ति किया 1000 (1000 का 16) के प्रशीद हिन्दीक 5-94

नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिखत उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण मिचित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, उक्त जभिनियम के जभीन कर दोने के बन्तरक के दायिरन में कमी करने या उससे बजने में सुविधा कें सिए; और/या
- (क) ए२ी कि ती जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम था धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, छिपाने मा स्विधा के लिए;

अतः, अव, उक्त, अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्थात् क्रिक्ट श्रा जे० रामदेव पिता शिवरागप्रसाद, करमचेड्।

(अन्तरक)

 श्री थोटा श्रीनिवासा राव, करमचेड्।

(भन्तरितो)

को यह सूचना चारीं करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिमां करता हुं।

पक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध मा कां**हाँ भी आक्षेप**:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4/5 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की सामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकीं।

स्यस्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उस्त . अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वय संस्थित

भूमि विस्तीण 3 एकड़, 58 सेंट्स, करमचेडू, रिजस्ट्री इत विलेख नं 0 1845/8, रिजस्ट्री कर्ता श्रीधकारी चीरासा।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्रक्रिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-1-**198**5

प्रका बाइ'. दी. एत. एस. ------

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) 269-म (1) के जभीन मुचना

पारत रहकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायका (निर्दाक्त) प्रर्शन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 11-1-1985

म्रार० ये० सी० नं० 371/84-85--मतः मुझे, एम० जगन

मोहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति जिसका उचित बाजार गृन्य 25,000/- फ. सं अधिक है

मौर जिसकी संख्या घर है जो विजयवाड़ा में स्थित है (मौर इससे उपाबद्ध मनुसूर्च। में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता म्राध-कारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीम, दिन क 5-1-84

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शैतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापनाँक्त संपत्ति का 'उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे धश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कम निम्नसिवत उद्योग्य से उक्त बन्तरण सिचिट में बास्तिवक रूप से कि मत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की नावत उनत बिथ-नियम के जभीन कर वोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्लाने में सुविधा के निए; अद्वि/या
- (क) ऐसी किसी जाम ना किसी धन या अन्य जास्तिनों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते जीधिनियम, या धनकर जिथिनियम, या धनकर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रवोचनार्थ जन्तरिती द्वार प्रकट वहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा खे चिद्

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्मात् :---

 श्री के० कसी अञ्जपूरनाचंद्राराच, पूरलाबावि स्ट्रीट, विजवाडा ।

(चन्सरक)

श्री एम० वेंकटेश्वर राघ ग्रीर ग्रन्य
 डी ० नठ० 11-59-17, जूम्मा मस्जिद स्ट्रोट,
 विजयवाङ्ग ।

(मन्तरितो)

को यह स्थाना जारी करके पृत्रीक्स सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के स्थाधित स्थापत से किसी व्यक्ति ह्या स्थापत स्यापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्था
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंद्य-बहुभ किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकनी।

स्पव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में विया नवा है।

वन्स्ची

थघर संपत्ति जूमा मस्जिव, लेन, विजयवाड़ा, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2566/84, रजिस्ट्रोकर्ता घधिकारी विजयवाड़ा।

> एम० जगन मोहन सक्षम श्रीधकारी सहायक भ्रायकर ब्रायुक्स (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख**ः 11+1-1985 मोहरः

प्रकल काई.टी.एन.एस. . ------

कायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बधीन सुभाग

भारत तरकार

कार्यांसय, सहायक जायकर कायुक्त (निर्दोक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11-1-1985

भार० ये० सो० नं० 372/84-85-भातः मुझे, एम० जगन मोहन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- उ. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या घर है तथा जो वैझाग में स्थित है (भीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, वैझाग, में भारतीय रजिस्ट्रोकरण भिधिनियम,

'1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 5-1-84 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य में क्षम के रूच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके रूच्यमान प्रतिफल से एसे रूच्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिफल के पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उन्तर अन्तरण निवित में शस्तिक रूप से किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उचत अधि-नियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/अ
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियीं को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- ্রু, श्री एन० गोपालफुष्णा, विशाखापटनम ।

(धन्तरक)

2. श्रीमती के॰ जसवाश्री पति हारी बाबू, ग्राधा, यूनिवसिसेटी, 7-20-2, विशाखापटनम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के तिय कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उन्त तम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी वासोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो और
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्वारा;
 - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सम्बं और पवांका, को उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

धनुसूची

घर संपत्ति डो०नं० 7-20-2, बाल्टीयर वार्ड, विशाखा-पटनम रिजस्ट्रीकृत विलेख्नं० 5655/84, रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी वैझाग ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्रधिकारी सह्यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जं न रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-1-1985

प्रकृत वादी, टी., पुर्व हुम्_{या}क्षण्याम्य

भायकर मृभिनियम, 1961 (1961 भा 43) की भारत 269-म (1) में मुभीन सुजन।

RIDG STORE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11-1-1985

ग्रार० ये० सी० नं० 373/84-85--श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत मिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से विधिक है

मोर जिसकी सख्या भूमि जो गूट्र में स्थित हैं (मौर इससे उपाबद मनुसूची में भी पूर्ण रूप से विणित हैं), राजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारों के कार्यालय, सुंदूर में भारतीय राजस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, दिनाक 5-1-84

को पूर्वोक्त सम्परित के उपित बाबार मूल्य है कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निशिवत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्त- विश्वक कम् से कथित महीं किया गया है क्र-

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/शा
- (वा) एवी निस्ती आयं वा किसी भन वा जल्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूविभा ने सिए;

बतः वन, उक्त विधिनियम की भारा 269-ण की, वनुसर्व में, मैं, उक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ---- 1. श्री एम० नरसिम्हाराव, गूंदूर।

(ग्रन्तरक)

 श्री बो० वेंकटसुब्बाराव, चेंब्रमोलीनगर। गृंदूर।

(भन्तरिती)

को बहु भूकत काड़ी करके पूर्वों कर सम्मृहित के अवीद के हिंगुए कार्यवाहियां सुरू करता हो।

उक्त कुम्पीरत के वर्षाय में कुम्बन्य में कोई भी बाक्षेप्3-र

- (क), इस स्वान के राजपन ने प्रकारन की तारीस से 45 विन की जनिए या उत्सरनाथी व्यक्तियों पर स्वान की तानील से 30 दिन की जनिए, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुनाराः
- (ण) ह्रच बृज्जा के हाजपुर के प्रकारक की ताड़ी है वे 45 विश के भीतर उक्त स्थावड़ सम्पत्ति में हितवबृध किसी बन्य व्यक्ति ब्वाडा अभोहस्ताक्षरी के पाइ सिवात में किए वा सकेंगा।

स्थळकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जगर की

भूमि विस्तीणं 477 चौ० गज, पडरीपुरम, गूंटूर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4994/84, रजिस्ट्रोकर्ता श्रविकारी, गूंटूर ।

> एम० जगन मोहन सक्षम श्रधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैंदराबाद

तारोख: 11-1-1985

प्ररूप आहें. टी. एन. एस., - - -

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

धारत सरकाड

कार्यां सन्, सहायक नायक र नायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैदराबाव

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरीं, 1985

मार० ये० सी० नं० 374/84-85:—मतः मुझे, एम० जगन मोहन

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क को अधीन सक्षम प्राध्विकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि है, जो खम्मम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, खम्मम, मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 5/84

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एवयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निस्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में निस्ति वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं

- [क्रि), ज़ल्कारण वं हुई [क्रिकी जान की बावत क्रका वीधनियम के अधीन कर्ड योगे के जन्तरक को श्रायत्व में कमी क्रद्रने वा उससे वधने में सुविधा के सिए; बीड√या
- (क) ऐसी किसी बाव वा किसी थन वा नव्य नास्तिनों का, जिन्हों भारतीय नाय-कर निभिन्नमं, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिन्नमं, या थन-कर अधिनियमं, या थन-कर अधिनियमं, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना नाहिए था, क्रियाने में सुनिधा के लिए;

अतः अव, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण औ, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधादा (1) अ अधीन, निम्नसिक्त म्युक्तियों, अधित् ४(1) श्री पी० पेदा नारायणा भौर भन्य, चीन्ताकनी विलेज, जिला खम्मम,

(भ्रन्तरक)

(2) श्री टी॰ सत्यनारायणा, नरसिम्हापूरम, चीन्ताकानी, जिला खम्मम.

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्पन् के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्यों में से किसी व्यक्ति ब्राहरा;
- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी बन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवास में किस का सकोंगे।

स्थव्यक्तिस्थाः — इसमें प्रयुक्त सम्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस स्थ्याय में दिया सवा है।

बन्द् ची

भूमी विस्तीर्ण 6.0 एकड़, खम्मम जिला, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 1589/84, रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी खम्मम ।

> एम० जगन मोहन, सक्षम श्रधिकारी, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 11-1-1985.

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

नायकर मिनियस, 1961 (1961 का 43**)** की

धारा 269-व (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 11 जनवरी, 1985

भ्रार० ये० सी. नं० 375/83-84:—यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० भूमि है, जो श्रोंगोल, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रोंगोल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 5/84

को पूर्वो क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक के धायित्य में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) एसी किसी बाव वा किसी धन या जन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाला चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री के० कासी विस्वनाथराव, श्रींगल।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रन्थरा केसरी एजुकेशन सोसाइटी, बाई सेकेटरी श्रीर करसपोंडन्ट, श्री जालप्रसाद श्रांगोल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जार। करके प्वीवत सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाकीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी 'अशिक बाद भें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्याक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लि। बत में किए का सकेंग।

स्थव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिवा गया है।

भूमी विस्तीर्ण 7.65 एकड़, श्रोंगोल, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 1533 से 1537/84, रजिस्ट्रीकर्ना श्रोधकारी, श्रोंगोल ।

एम० जगन मोहन, सक्षम श्रविकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अस्तरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तिस्थों के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तिस्थों के अधीन,

तारीख: 11~1-1985.

प्रकृप बाई , टी. एन् , एस . -----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीर स्वना

शाहर बरकार

कार्यालय, सञ्चायक मायकार कार्याक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 11-1-198 5

म्रार० ये० सी० नं० 37684-85--- म्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की पार 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या घर है जो विज्यवाड़ा में स्थित है (स्रौर इससे उपाबस स्ननुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 5/84

को प्वेंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय मैसूर में धारा 269-ए बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के मम्मूच/के पास रिजस्ट्रोकृत किया गया है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण कि सित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है। —

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त बाधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तत अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया नाना चाहिए था. छिपाने थें स्विधा से लिए;

अतन अन, उनत विधिनयम की धारा 269-म की अनुसर्भ में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री ए० तिरुपति रायडू,
 77-क्रीरलम्पुडी लेझाऊट, वैसाग ।

(ग्रन्तरक)

 श्री डी० श्रीरामुलु पिता पापस्या, दुर्गा श्रग्रह्माम, विजयवाड़ा ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन औं सिए कार्यशाहियां करता हो।

सन्त संपत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी बाक्षीप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अ्यक्तियों पर बुचना की शामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर, व्यक्तियों में से किसी अपनित द्वारा;
- (ख) इस एचना के राजपत्र में प्रकाशन को नारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थाकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उन्ह अधिनियम, के अध्याय १०-क मा परिकारिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिखी गया है।

annal

भूमि विस्तीणें सीतारामपुरम विजयवाड़ा, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2745, 2791 भौर 2860/84, र्जिस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी विजयवाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

ता**रीख**: 11-1-85

मोहर 🛭

त्रस्य नाइ. टी. एन., एत. -----

कायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 11-1-1985

म्रार० ये० सी० नं० 377/84−85—म्रतः मुझे, एम० जगन

मोहन

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), जो कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या भूमि है जो जगय्यापेट तालुक, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगय्यापेट, में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक 5/84

को पूर्वोक्स सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह व्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृष्यमान प्रतिफल सो, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह क्रित्ति से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ते हुइ किसी बाव की बावतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दामित्व में कमी करने या उग्नस्त वर्षे स्पने में सविधा के लिए; बॉर/या
 - (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिकित व्यक्तियों अधीं है:---

 श्रा जी० विश्वनाधम गोइनेनीवारीपोलयः, जगव्यपेट तालकः, जिला नलगोंडा ।

(भ्रन्तरक)

 श्री ह्वी० जॅगन्नाथराब पिता पेदा विरय्या, मक्कपेट, जगय्या पेट तालुक, जिला नलगोंडा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनता सम्बक्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी नाक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में क्या गुरा ही।

-

भूमि मक्कापेट, जंगय्यपेट, तालुक, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1341/84, रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जगय्यापेट।

एम० जगत मोहत सक्षम ऋधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाव

तारीख: 11-1-1985

प्रकृप आडा. टी. एम. एम ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाय

हैदराबाद, दिनांक 11-1-1985

भार० ये० सी० नं० 378/84—85—श्रत. मुझे, एम० जगन मोहन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क है अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित पाजाल मृल्य 25,,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या भूमि है तथा जो भवानीपुरम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908का 16) के अधीन, विनाक 5/84

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अलरक (अतरकों) और जल रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पत्था गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) शुक्तरण वे हुए किसी बाय की वावत, उकत विधिनवंत्र के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने वा उससे वचने में मृतिधा वे शिष्ट; बाहर/वा
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपान में सुविधा के निए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारः (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- अीमती के० विजयालक्ष्मी पति वेंकटेण्वर राव, सोमावारापाडू, भीमडोले तालुक, जिला वेस्ट गोदावरी।

(भ्रन्तरक)

2 श्री बी० विष्णुयवरधना राव, नीयर सिडीकेट बैंक, कोडापल्ली।

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

बक्त सम्पत्ति को वर्षन को सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप ्

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की सामील से 30 दिन की सर्वीध, जा भी सब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकरें।

स्थव्हीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवह जया है।

नग्सूची

भूमि, भवानीपुयम, विजयवाडा, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं ० 3295 श्रौर 2972/84, रिजस्ट्रीकर्ता धिकारी विजयवाडा ।

एम० जगन मोहन सक्षम श्रधि सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-1-1985

प्ररूप आई ् दीं. एन . एस ्ड-----

जायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निश्रीक्षण)

न्नजेंन रेंज, हैवराबाद हैवराबाद, दिनोंक 11-1-1985

म्रार० ये० सी० नं० 379/84—85—म्प्रतः मुझे, एम० जगन हिन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसती संख्या भूमि है तथा जो इन्कि।पाडू, विजयबाडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्ररकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 5/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पासा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेदेश से उच्त जन्तरण निचित्त में चास्तिक रूप से काथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाव की नावत, समय अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे बचने पें सुविधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या कन्य मास्तियों की जिन्हों भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अन्य अधिनियम, या धन-अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का ?7) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--18—466GI/84

 श्री जी० विजाकुमार श्रीर श्रन्य विजयवाडा ।

(श्रन्तरक)

 श्री एम० ग्रोंडय्या बिता श्रकय्या, पाटामाटा, विजयवाड़ा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांस , सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण: ----इसमें प्रमुक्त शब्दों और पहों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ क्षोगा जो उस अध्याय में दिशा गंगा है।

अमुसूची

भूमि, इनिका पाडु, विजयवाड़ा नालुक, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2802/84, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी विजयवाड़ा ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्रधिकारी सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख :11-1-1985

प्रसम् कार्यः टीः एतः एतः ------

भायमार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा २८२-६ (३) दो अधीन सुचना

त्राप्त संप्रक्रम

कार्यालय, सहायक जायकर कायका (निरीक्षण)

मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके प्रश्नात 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की भाग 269-स के सधीन सक्षम प्रांथकारी को गह विकास करन का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उणित बाजार मृत्य 25,000 /- रह. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या भूमि है तथा जो इनिकापाडू, विजयवाड़ा में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रुपसे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 5~84

भा पूर्वोकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाध करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त दिक स्म से कियत नहीं किया गया है —

- (क) अतरण से हाई किसी याम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी थन या बन्य वास्तियों को, विन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उपत लीधनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनाथ बन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, न्थियान में मृतिधा के निता

कत अब, उपत अधिनियम की भारा 269-म है अनुपरण में, में सकत विधिनयम की भारा 269-च सप्तारा (1) के अधीन, निम्नतिवित म्यक्तिकों, वसति ए---- श्री जी० विजयकुमार श्रीर भ्रन्य, विजयवाडा।

(अन्तरक)

2 श्री बी० वेंकटेश्वर पिता पदा चेंचय्या, विजयवाड़ा।

(भन्निरती)

को यह सूचना जारी करके पृशेंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध् में फोर्ड भी वार्शय 🚈

- (क) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि भाव में समाप्त होती हो, के भीतर पृथा कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खं 45 दिन के भीतर जनत स्थानर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी नन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास सिवित में किए वा सर्कोंगे।

स्था करणः -- इसमें प्रयूक्त कर्कां और पदां का, को उक्त विधिनियम, के कश्याय 20-क में परिभावित है, नहीं कर्ष होगा को उस कश्याय में दिया क्या है।

वनुसूची

भूमि इनिका पाडु विलेज, विजयवाड़ा तालुक, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2915/84, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी विजयवाडा।

एम० जगन मोहन सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-1-1985

मोहर 🛭

प्रकल भार्त्ः, टॉ ् एन ु एस्, ≝००±०

बायकर कभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत करकाडु

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11-1-1985

श्रार० ये० सी० नं० 381/84-85--श्रतः बुझे, एम० जगन

मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा ू69-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या भूमि है तथा जो रेमाले विलेज, गूटूर जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रमरावती, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक 5-84

की पर्योक्त सम्पत्ति के लिखत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि सथापूर्वेक्त सम्पत्ति का जीचत बाजार मृत्य., उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया स्या अतिफल, निम्नलिखित ज्वादेष से जक्त बन्तरण कि बित के बास्तिक रूप से किथत नहीं किया नवा है कि

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या जन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया थाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः। जवः, उक्त अभिनियमं, की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भाग 269-घ की उपभाग (1) के अभीन,, निम्मलिकित व्यक्तियों, अभीत् क्ष्म श्रीमती जी ० सुजाता पति पूत्रस्या चौधरी, रेमाले विलेज, करलापुडी सीवर्स मंगलिंगरी, तालुक, गूटूर जिला।

(अन्तरक)

 श्री चेतना इन्टरप्राइजेस, बाइ मैंनेजिंग पार्टनर, श्री बी० शिवरामप्रसाद, घर नं० 4-4-132-बी, चंद्रमौलीनगर, गृंट्र।

(ग्रन्तरिती)

की यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व सै 45 दिन की जबीं थे या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए वा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दाँ जाँर पदौं का, जा उन्त विभिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

भूमि, रामले विलेज, विस्तीर्ण 8 एकर, 65.5 सेट्स, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं. 914 और 911/84, रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमरावती।

> ाम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-1-1985

माहेद्र 🛭

प्रकार बाह्य हो है एवं है एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

शास्त्र बुरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायकः (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाध

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1985 श्रार० ए० सी० नं० 382/84-85---श्रतः मुक्को, एम० अगन मोहन ,

नायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (निसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त लिभिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-च के लिभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वात् करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से लिभिक है

श्रीर जिसकी संख्या भूमि है तथा जो नल्लापाडू, गूंटूर में स्थित है (श्रीर इसमें उगब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्र कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गूंटूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 5-84

का पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित वाकार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाकार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्वोद्य से उक्त अंतरण सिन्तित में वास्त्विक रूप से कांचित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, स्थत विभिनियम के बचीन कर बोने के बन्तरक के दावित्व में कभी कुरण वा उत्तवे वचने में स्विधा के सिस्त बोड/वा
- (क) एसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए।

अतः जम, उपल विभिनियम की धारा 269-ग के जनसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मणियित व्यक्तियों है, अर्थात् है— श्रीमती के० सरोजिमी पति नागेस्वरा राव, रामक्रापेट, गूंट्र भीर भ्रन्य ।

(ग्रन्तरक)

2. दि प्रशांतनगर को-भ्रापरेटिय हाऊस बिल्डिंग सोसायदी लि०.

सेकेटरी श्री पी० वेंकटेश्वर राव गृंटूर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आओप :--

- (क) इस सूचना के ताजपत्र में प्रकाशन की तारील ते 45 जिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

भूमि नल्लापाडू, गूंदूर विस्तीण 3 एकड़ 96 सेंद्स, रजिस्द्रीकृत विक्षेख नं० 4987, और 4896/84, रजिस्द्रीकर्ता ग्रधिकारी, गुंदूर।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, हैदराबाद

तारीख: 11-1-1985

मोहर ः

14

त्रक्य बाहे., टी. एव. एव. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ब्योन स्थ्ना

भारत स्टब्स्टर

के भवतिय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11-1-1985

ग्रार० ए० सी० नं० 383/84-85--- ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) चिसे इसको इसको पश्चात् 'उकत विधिन्यम' कहा गया है, की भारा 269-च के अभीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 25,090.'- रह. से अभिक है

श्रौर जिसकी संख्या घर है तथा जो कोरीटीपाडू, गूंटूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबज अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गूंटूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 5-84

को पूर्वा ते सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के करमान मित्रिक्त के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके करमान प्रतिफल से, एसे करमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल, निम्निलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कायति नहीं किया गया है ट—

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे जवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर विभिनियम, 1922 ६५922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्-क्ष्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के मिए;

ें जितः अन् उस्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अधिन, निम्निस्चित स्यक्तियों, अधित् ह— श्री भी० वैंकटे क्वरलू और अन्य, कोरीगीपाडू, गूंट्र ।

(भ्रन्तरम)

 श्री बी० शांताराम, ् डी० नं० 4-7-137, कोरीगीपाडू, गूंटूर।

(म्रन्तरितीं)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हुई।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इबारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति मों हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति ह्वारा अधाहस्ताकारी के पार्व जिल्ला में किस्र का सकीने।

स्वव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त सम्बों नौर पर्यों का, जो उक्ट अधिनियम, को अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस न्थ्याय में दिया गया

and the

भूमि श्रौर इमारत, कारीटीपाडू, गूंटूर रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4797/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी गूंटूर ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीया: 11-1-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाइ". टी. एन. एस.-----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन सुचना

नारत तरकार

कार्याक्य, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैसराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1985

आर० ए० सी० नं० 384/84-85-अतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

प्रौर जिनको नक्ता भूमि है तथा जो मुननानाबाद, तेनाली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तेनाली में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन, दिनांक मई 84

करे पूर्वांक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिपात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अंतरिसियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) अलारन र हुए किसी नाग की शावत , उपक अधिनियम के अधीन कर दोने के अलारक के वायित्य में कमी करने वा उससे वजने में बृजिधा के बिए: जॉर/वा
- (वा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकहर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आया चाहिए था, छिपाने में सुविधा से लिए;

 श्रीमती डी॰ सरस्वती देवी पति नंदागोपाल रेड्डी, गांघी नगर, तेनाली तासुक, जिला गुटूर।

(अन्तरक)

 मेसर्स रेमालथा रोलिंग मिल्स, बाइ पार्टनर श्री एम० मुंकुंती, बूरीपालेक, रोड, तेनासी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के संबंध में कोई जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी मविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पछ्डीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पंदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁴ वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्यू

भूमि, सूलतानाबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1748 श्रौर 1747/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तेनाली ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅंज, हैदरासाद

अस्त. अस्त उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, औं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् ६——

विनांक 11-1-1985 मोहर् । प्रकप बाइ ., टी., एन., एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1985

आर० ए० मी० नं० 385/84—85—अतः मुझे, एम० जगन मोहन

शायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परवात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की भारा 269-श्व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार कृष्य 25,000/-रः. से अधिक है

भौर जिसकी मख्या भूमि है तथा जो नेलीर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेलौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विहवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दहयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिवक रूप से कथिय नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी शाय की दावत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी बार कर किसी धन या अन्य आस्तियों करि, जिन्हों भारत के प्रायन्त रामित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का १२) र प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के निए.

अंत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री यस० भास्कर रेड्डी
पिता रामींलगा रेड्डी,
बयालावालम, यत्यावेडू तालुक, ए० पी० ।

(अन्तरक)

श्री के०, मुदर्शन धीर अन्य
 17, विशास गार्डन,
 ग्रीन वेज रोड, मद्रास-600028।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्स किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकारी।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वगृस्की

भूमि विस्तीर्ण 18 एकड़, 85 सेंट्स, ताडाकंद्रीगा विलेज, सूलूरपेष्ट, तालुक, नेलौर जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3641/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेलौर।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, हैदराबाद

तारीब : 11-1-1985

माहर 🖫

प्ररूप वाह्र : टी. एन. प्रसः-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

हैवराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 386/84-45—यतः मझे, एम० जगन मोइन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं विष्य है तथा जो कोरीटीपाडू गुंटूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुंटूर में रजिस्ट्रीकाण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ताील मई 1984 की

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निस्तर में वास्तिक रूप से कियत महीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त अधि-जिधिनियम के अधीन कर देने में अन्तरक के बायित्य में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के सि;
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अस्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा खैं किए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्धात् :—

(1) श्रीमती बी० नागेंस्वरम्मा भौर अन्य कोपार, गुंट्र

(अन्तरक)

(2) श्री एन० सरम्मबय्या श्रीर अन्य नागभीष्वारीपालेम, गुंदुर जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्ष्रेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकारन की तारीक से 45 हिंग की स्वीध या तत्क्ष्म्यन्थी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की सविध, को भी नविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्षी।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह्^{र्} में वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर संपति, कोरीटीपाडू, गुंटूर रिजस्ट्रीइत विलेख नं • 3774, 3790, 3792 भीर 3791/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुंटूर।

एस० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-1-1985

प्रकृष काष्ट्र हो तम **एस**

गावकार अधिनियस 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1985

निवेण सं० आर० ए० सी० नं० 387/84-85—यतः मुझे एम० जगन भोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृष्य 25,000/- रा. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० घर है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1984

को पूर्वेक्स सम्पत्तिः के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य राग्के दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिक्ति उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तिवक रूप में क्रीणत नहीं किया पवा है:---

- ंफ) अन्तरक में हुई किसी शाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा हे लिए, और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः । तथः , उक्त विधिनियमः की भारा 269-न की जनसरक् के अधीन , निम्निलिखित व्यक्तियों , अर्थात् ः—— 19—466GI/84 (1) श्रीमती के० विजयलक्ष्मी पति के० नारायणा कृष्णाकुमार, पतीब्रदलावारी लेन, गव्हरनरपेट, विजयवाडा

(अन्तरक)

(2) श्री ए० रमश बाबू, केयर आफ फोक्स मिरर इन्डस्ट्रीज, नियर बस स्टेण्ड, गव्हरनरपेट, विजयवाङ्ग।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेत् .--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्ची

्घर संपत्ति, पटी बडलाबारी लेन, गव्हरनरपेट, विजयवाड़ा रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2864/84 रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी विजयवाड़ा।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 11-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराक्षाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1985 निदेण सं० आर० ए० सी० नं० 388/84-85—यनः मुझे एम० जगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मून्य 25,000 - रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी म० घर है, जो लब्बिपेट, विजयवाशा में स्थित है (श्रौर इसमें उपाश्रद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रकर्ना अथधकारी के कार्यालय विजयवाशा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1984 मई

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या अन्यः आस्तियाँ को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

(1) श्रीमर्ता एम० स्वर्ण कुमारी पति बूर्चाबापय्या विजयवाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री ई० जी० नागेस्वर राव, क् कनूमुरु विलेज, क्रोडणा जिला

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की उनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शक्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ' हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियर गया है।

अनुसूची

घर संपत्ति, लब्बिनपेट, विजयवाड़ा, रिजस्ट्रीकृत विलेख न॰ 2797/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा।

> एम० जगन मोह्रन सक्षम अधिकारी महायक ,आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीय, निम्नलिकिन व्यक्तियरें अर्थात् :—

तारीख: 11-1-1985

मोहर 🛭

प्रक्ष आई.टी.एन.एस. - - --

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक भायकर जायकत (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1985

भ्रार० ए० सी० न० 389/84-85—श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विजास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि है जो इतिकीपाडू विजयवाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रिजम्ट्रीकर्ना प्राधिकारों के कार्यालय विजय-वाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908-का 16) के प्रधीन, तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त तम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रस् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नोलिखित उत्देष्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है दन्न

- (क) जन्तरण वंहूर्य किसी जाव की वावत, उक्त विभिन्नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के कृषित्व में कभी करने या उससे अपने में स्विधा के सिए; बॉर/या
- (स) एमे किया आहे. अधि गा पा अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने से मुविधा के लिए,

(1) श्री जिल्लियकुमार और अन्य, विजयवाङ्ग।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० नागीरेडी घौर अन्य, सीक्षारामपूरम, विजयवाडा।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मोश के अर्जन के रिष्ठ कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिताउद्। किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधाहस्ताक्षण के पाम निस्तित भे किए जा मकाँगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

भूमी विस्तीर्ण 5 : सेट्म, इनिकीपाष्ट्र, विजयवाड़ा तालूक, रजीस्ट्रीकृत विलेख न० 2599/84, रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा।

> एम० जगत मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद।

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के नधीन, निस्तिसिक्त स्पृक्तियों, क्यांति है——

ना ीख: 11-1-1985.

त्ररूप मार्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांस्य, सहायक अध्यकार वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी, 1985

आरः ए० मी० न० 390/84—85ः—यतः मुझे,एम० जगन मोहन,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपित नाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

म्रौर जिनकी स० भूमि है, जो विजयवाडा में स्थित है (भ्रौर इससे उपावज्ञ अनुसूची में भ्रौर पूर्ण प्रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उष्येश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की बायत, उक्त विभिनियम के बंधीन कर दोने के जन्तपुक की दायित्व में कभी करने या उससे वचन में सुविधा के लिए और/शा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपकारा (1) के अधीन निम्नसिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री जी० विजयकुमार श्रौर अन्य, विजयवाडा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती टी० पद्मावती पति प्रजय्या, इनिकीपाडू, विजयवाड़ा तालुक ।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करक पृत्रांक्स सम्परित को अर्थन के जिल कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उन्त संपत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेगः

स्पळीकर्ण: --- इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित इंग, वहीं अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

प्रमसूची

भूमि इतिकी पाडू, विजयवाड़ा, विस्तीर्ण 60 सेंट्स, रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 2582/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाड़ा।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरोंज, हैदराबाद।

तारीख : 11-1-1985.

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के नभीन सुनना

भारत परकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी, 1985

निदेश स० लुधि०/87/84-85:--अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकात जिसीनयम' कहा गया हैं). की भाष 269-क को नधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्नित बाबार मृख्य 25000 द० से अधिक है

ू और जिसकी सं० 1/6 हिस्सा मकान नं० बी-XX/662/2287, तरफ काराब्वारा, लुधियाना है तथा जो लुधियाना में स्थित है (भ्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में वींणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि कारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को प्रवेकित संपत्ति के उचित वाजार म्हन्य में रस के अध्यक्षान अतिकल को लिए अतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल म, एसे अध्यमान प्रतिफल का पन्तह भितिशत से अधिक है और अन्तरफ (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पासा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्यों से उक्त अन्तरण निक्ति में बास्तिक क्या से किएत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी शाय का बाबत, स्वयत बीधीनयस के अधीन कर पंत्रे के अन्तरक के दायित्व में कभी करने थे. उससे बचने में सृविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी भन या बन्य आफ्लियों की, जिन्हों भारतीय आपकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, 20 भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में नृविधा खे किए;

हैं अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेजिक्ति व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्रीमती राज मोहिन्द्र कौर पश्नि श्री जगीर सिंह, पुत्र श्री जगत सिंह, निवासी--बी०-20-662, गुरुदेय नगर, सुधियाना ।

(अन्तरक)

(2) श्री कुलवीप सिंह, इन्द्रपाल सिंह पुतान, श्री बलराज सिंह पुत्र श्री गुरवयाल सिंह, श्रीमति हरजिन्द्र कौर पित्न श्री कुलदीप सिंह, श्रीमती रिवन्द्र कौर पित्न श्री इन्द्रपाल सिंह, निवासी—वी-1-662, कुन्दन पुरी, सिंबल लाईन्ज,

(अन्तरिती)

को मह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू कारता हुँ।

सकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों कर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्थव्हीक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विका गया है।

धनुसूची

मकान न० बी-20-662/2287 तरफ काराबारा, लुधिरान का 1/6 हिस्सा। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी, लुधियाना के विलेख सख्यान ० 1317 माह मई, 1984 के तहत वर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जुक्षियाना

तारीख : 10-1-1985. मोहर . प्रकृष बाह्र . टी., ध्रम , ध्रस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुबंना

भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चायक जायकर भागूक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० लुधि०/142/84-85:--अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, आयक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्थात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारक हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य

25,000∕-रु. से **अधिक ह**ै

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० थीं -XX-662/2887 का 1/6 हिस्सा, तरफ काराबारा, तथा जो लुधियाना है में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूपसे विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उिचल बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और मुभो यह विश्वास करने का कारण है

मुक्त यह विश्वास करन का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों)
के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नविश्वित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से
किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिमित्यम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (था) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना जाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण वें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधील, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् ४--- (1) श्रीमती राज मोहिन्द्र कौर पत्नी श्री जगीर सिंह, पुक्ष श्री जगत सिंह निवासी बी-20-662, गुरदेव नगर, लुधियाना ।

(अन्तरक)

(2) श्री कुलदीप सिंह, इन्द्र भाल सिंह पुत्रान, श्री बलराज सिंह पुत्र श्री गुरवयाल सिंह, श्रीमती हरजिन्द्र कौर पत्नी श्री कुलदीप सिंह, श्रीमती रिवन्द्र कौर पत्नी श्री इन्द्रपाल सिंह, निवासी बी-1-621, कुन्दन पुरी, सिवल लाईन्ज, लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोड् भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी उपितत पुर्वाचर
- (स) इस सूचनों के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सब्ध , किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्वो का, जो उक्तं अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभावित है वही अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में विया गया है।

वनुसूची

मकान नं वी-20-662/2887, तरफ काराबारा, लुधियाना का 1/6 हिस्सा। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या नं 3281 माह जन 1984 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, लुधियान

तारीच : 10-1-1985.

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. ------

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 जनधरी 1985

निदेश सं० चडीगढ़/16/84-85--अत: मुझे, जोगिन्द्र सिंह भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

धीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 257 है तथा जो सैंक्टर 35 ए बाडोगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में धीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चर्डागढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए रिजम्ट्रीकृत विलेख के अन्सार अंतरित की गई है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रथमान प्रतिफल से, एसे श्रथमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत महीं किया ग्या है :---

- (क) अंतर्रण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कारने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय का किसी भन या अन्य आस्थियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

 श्री एस० एम० चन्द पुत्र श्री मूल राज चन्द, एच०सी० 12, कालेज, कैमबट मोह (मध्य प्रदेश)-453441।

(अन्तरक)

 श्री के० एस० मदान पुत्र श्री अवतार सिंह तथा श्रीमती चरनजीत कौर पत्नी श्री के० एस० मदान, मकान न० 1005, सैक्टर 18 सी, चंशीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबह्र भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

प्लाटन० 257, सैंक्टर 35 ए चंडीगढ़। अर्थात् वह जायवाद जी कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चंडीगढ़ के विलेख संख्या नं० 97 माह मई, 1984 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, लुधियाना

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, सक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीनः निम्नतिसित व्यक्तियों, अधीत्—

्र दिनांक 11-1-1985 मोहर :

प्ररूप बार्ड. दी. एन. एस्.-----

बायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक वामकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० चण्डीगढ़/13/84-85--अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को... यह विज्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मृख्य 25,000/-से अधिक है

भौर जिस्की संख्या रिहायणी प्लाट नं० 163 है तथा जो रिहायणी कालोनी, चडीगढ़ कालका सड़क पर पूर्व की धोर (61.21 एकड़ डिवेलपमेंट स्कीम) मनी माजरा में स्थित है (ग्रीर इस से उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, चड़ागढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1984,

कौ पृष्णिका सम्मित्त के उषित बाजार मृत्य से कम के श्रामान प्रतिपन्न के मिए खन्तरित की गई है, और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उषित् कावार मृत्यु, उसके क्यान प्रतिफल से ऐसे व्यथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवास से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया विकक्त, निम्मिलित सब्वेष्य से उक्त बन्तरण सिवित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है कि

- (क) बलारण वे हुए किसी नाम की बाबत उनत जीध-जिब्ब के बधीन कर देवें के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में तृतिभा के लिए, बीर/बा
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों कारे, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जिधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ज अस्तिरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री गुरचरन सिंह, पुत्र श्री गण्जन सिंह निवासी 46, सैंक्टर 21 ए, वंडीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमतो पिन्नता रानो पत्नी श्री राज कुमार श्रीमती विमला रानी पत्नी श्री णिव कुमार, निवामी 114,ग्रेन मार्केट, मैं क्टर 26, चंडीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस मृचनः के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यस्थ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अथोत्रस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकर्ग।

न्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का. को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵., बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

बगस भी

रिहायशी प्लाट सख्या 163 जो कि रिहायशी कालोनी चडीगढ़--कालका सड़क पर पूर्च को स्रोर (61.21 एकड़ डिबलपमेंट स्काम), मनीमाजरा यू.पी० चडीगढ़ में स्थित है (अर्थात् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चंडीगढ़ के विलेख संख्या 74 माह मई 1984 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, सुधियाना

दिनांक 10-1-1985 **मोहर** ६ इक्ष्य बार्ड, टी, पुत्र, एड., ----

नावकार वाधिनिवस, 1961 (1961 का 4.3) की धारा 269-न (1) के नधीय प्रका

BISG SERVE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, सुक्षियाना

लुधियाना, दिनांक 11 जमवरी 1985 निदेश सं० लुधियाना/97/84-85--अतः मुझे, जोगिन्द्र

सिंह, शायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उथत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के सभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह जिस्सास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित नाजार मृज्य 25,000/-रा. से लिभक हैं

भौर जिसकी सं कि मकान नं की XXXV-7/83-की है तथा जो भाई रंधीर सिंह नगर, लुधियाना में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1984

की प्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के अयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्स्ने यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिवत उच्चेष्य से उक्त अन्तरण कि जित में वास्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुए फिक्टी बाय की बावत उपत जीध-गियम की अधील कर वोने के अन्तरक के दायित्व को अभी कर्म वा उससे अपने में सुविधा के सिए; और/वा
- (व) एसी किसी बाव वा किसी धन या बन्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था कियाने में सुविधा के विष्

(1) भी शामेग्द्रः सिक्क पुत्रः भी रचुबीर सिंह, निवासीं गांव पायम, तहसील लुक्षियाना ।

(अन्सरक)

(2) श्री बलवन्त सिंह पुत श्री खुशहाल सिंह, श्री रिवन्त्र पाश सिंह, श्री राजपाल सिंह, श्री राजेन्द्र पाल सिंह, पुत्रान श्री बलवन्त सिंह, सभी निवासी मकान नं∘ 9-सी, सरामा नगर, लुधियामा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकासन की तारीब त' 45 विन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी क्यित्तरों पर स्थान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी सर्वीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थानत्यों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति।
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी वन्य व्यक्ति व्यारा स्थोहस्ताक्षरी से पास निकित में किए वा सकेंगे।

स्वाहितरणः -- इसमें प्रयुवत कव्यों और पर्वों का, को उक्त विभिनियमं, के बच्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, को उस बच्याय में दिया ववा है।

वन्त्रक

मकान नं वी-XXXV/7/83 बी भाई रंनधीर सिंह नगर, लुधियाना (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस् किति अधिकारी लुधियाना के विलेख स० 1449 माह मई, 1984 के तहत दर्ज है) ।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सह्गयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

मतः कव, सक्तः वीधीनवन की धारा 269-न क वनुतरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मसिक्ति क्यक्तियों, वर्कत् 🎶

20-466GI/84

तारीच : 11-1-1-1985

मोहर व

प्ररूप मार्ड, टी. एतं. ऐसं. -----

बायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्थना 11,....

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियानाः

लिधयाना, विनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० चण्डी०/40/84-85-अतः मुझें, जोगिन्द्र सिंह

आयकर शिक्षितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पच्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विदेवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 2.5 000 [/]-रः मे अभिक**है**

ग्रौर जिसकी सं० 18% हिस्सा है तथा जो इण्डस्ट्रीयल बिल्डिंग नं 0 20, इन्डस्ट्रीयल एरिया, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सन्बन्ति का उजित बाजार मुल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से एसे 🤄 पान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरका) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए संय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ह--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सनिधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय काय कर अधिनियम, 1922 (१८०२ का ११) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अतरिती द्वारा प्रकट नशी किया गया भा या किया जाना चाहिए था स्थिपानं में स्विधा के जिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधार, (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात :---

(1) श्री जीवन दास पुन श्री मेहर चन्द्र, श्री मन्त लाल पुत्र श्री गोदा राम तथा श्री सुन्दर लाल पुत श्री सोहन लाल, निवासी सब्जी मण्डी, करनाल।

(अन्तरक)

(2) श्री सदीप बजाज पुत्र श्री बलयन्त सिंह, श्रीमती कैलाश रानी पत्नी श्री बलवन्त सिंह, निवासी मकान नं 0 3304, सेक्टर 32-डी, चण्डीगढ ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुः।

उदरा सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में /काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कत ब्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वागः
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिमित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षें का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

धन्म्ची

इण्डस्ट्रीयल बिल्डिंग नं० 20, इण्डस्ट्रीयल एरिया, चण्डीगढ़ का 18% हिस्सा (अर्थान् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख सं० 351 माह अगस्त, 1984 के लहत दर्ज है)।

> জ, {≀ सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) → अर्जन रेंज, लुधि यार्न

सारीख : 10-1-1985

प्रस्य नाह . टी . एन . एस . ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 जनवरी 1985 निदेश सं० लुधि०/82/84-85--अतः मुझे, जोगिन

सिंह बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० बी—XIX—914/6—डी/2 का हिस्सा है तथा जो टैगोर नगर सिविल लाइन, लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिश्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक की दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सृविधा को सिए; और/या
- (खं) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 घा 11) आ उक्त श्रितियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनाथ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था अ किया जाना चाहिए था, कियाने में सकिया के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीनिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् (1) श्री राम रतन कपूर पुत श्री हर सहाय मेल, बी XI-994, कूचा शाह जादवाला गोहर, इकवाल गंज, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री रवेन्द्र खोसला पुत श्री बलजीत सिंह, निवासी बी-III-427, पुराना बाजार, वकीलां स्ट्रीट, लुधियाना।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के किस कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुक्ता र राजपत में प्रकाश की तारीख से 4% दिन हो अवधि या तरपंजी व्यक्तियों पर मुक्ता के तामील में 30 दिन ही अवधि, जो भी अवधि बाद म समाप्त होतो हो, के बीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों स स किसी क्यक्ति दारा;
- (ख) इस पूनिता के राजपन में प्रशासन की तारोच से 45 दिन के मीतर उदत स्थावर मम्पत्ति में हिसकड किसी 'अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोत्रस्ताक्षरों के पत्य लिखित में किये जा सकेंगे ।

हपक्टीकरण ! --इसमें प्रयुक्त भक्तों और नदी का, अा उकत अधि-नियम के अध्याय '०-५ में नियमित है, वही सर्थ होगा, जो उस सध्याय में दिया गया है।

धग्तुपरि

मकान नं० बी-XIX-914/6-डी/2 का हिस्सा जो कि टैंगोर नगर, सिविल लाइन, लुधियाना में स्थित है (अर्थात् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख सं० 1211 माह मई, 1984 के तहत . दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : .11-1-1985 मोहर ध

प्रक्रपञ् मार्द्रे हो. स्मञ्ज्या स्टब्स्ट - व्यवस्थान

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन स्थना

भारत बरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० लुधि०/83/84-85--अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयंकंर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं॰ मकान नं॰ वी IXX-914 6डी/1 का हिस्सा जो कि टैगोर नगर, सिविल लाइन, लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पर्णि के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है अौर मृके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिखत उद्देश्य से उन्त अंतरण बिहित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) व्यत्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त निधिनयम के बुधीन कर देने के बन्तारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर्/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य कॉस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

वतः वर्षः उक्त विधिनयम की भारा 269-न के बन्धरण में, में, उक्त विधिनयम की भारा 269-न की उपभारा (1), में विधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् ्— (1) श्रीमती श्रीलावंती पत्नी श्री राम रतन कपूर, मकान नं बी-XI-994, कूचा शाहजादवाला गोहर, इकबाल गंज, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री अविनाश खोसला पुत्र श्री बलजीत सिंह, 924/2ए, टैगोर नगर, सिविल लाइन, सुंधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

वन्त्र्यी

मकान नि॰ बीXI-X-914/6-डी/1 टैगोर नगर, सिविल लाइन, लुधियाना का भाग (अर्थात् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख सं० 1212 माह मई, 1984 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह सद्यम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-1-1985

मोहर 🛭

प्रकृष बाई. टी. एम. एस. -----

बायकड बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, विनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० लुधियाना/100/84-85---श्रतः मुझे, जींगिन्द्र सिंह,

कायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-क क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है "क स्थावर सम्यक्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं मकान नं बी-XIX-915 सी का 1/6 हिस्सा है तथा जो टैगोर नगर, मिबल लाइन, लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाना गमा प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित मही किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत, अकत जिथिनियंत्र के जभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्य में क्रमी करने या उससे बचुने में सुविधा के निए; बांद्र/वा
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी कर या नम्य नास्तियों का, जिन्हों भारतीय नाय-कर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते विभिन्नियम, या अनकर निभिन्नियम, या अनकर निभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

नतः तव, उक्त वॉधिनियम की धारा 269-ग कें अनुसरन वें, मैं, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) ∤कें वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ः--- श्री रवेन्द्र कुमार पुत्र श्री कृष्ण कुमार, निवासी नकोदर, जिला जालन्धर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कीमती लाल जैन पुत्र श्री हसराज जैन, टैगोर नगर, मकान नं० बी—XIX-915, टैगोर नगर, सिविल लाइन, ल्धियाना ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्थान की सामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स्र में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्यक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंने।

स्वक्षीकरण: ----इसमें प्रयुक्त सम्बों और पदों का, थी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

वनस्यो

मकान नं वी-XJX-915 सी, टैगोर नगर, सिविल लाइन, लुधियाना का 1/6 हिस्सा (ग्रर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी, लुधियाना के विलेख सं 1761 माह मई, 1984 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना

तारीब : 11-1-1985

बरूप वार्ड.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० लुधि०/101/84-85---ग्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करों का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान नं० बी-XIX-915-सी का 1/6 हिस्सा है तथा जो टैगोर नगर, सिविल लाइन, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्री-करण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से वस के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उस्ति बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य स उन्त अन्तरण कि बित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य जास्त्यों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः मृब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) है अधीन, निम्निलिख व्यक्तियों, अधृति :--- (1) श्रीमती ग्रंजना देवी पुँत्री श्री रोड़ी राम, निवासी नकोदर, ∙जिल़ा जालन्धर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कीमती लाल जैन पुत श्री हंस राज जैन, मकान नं० बी—XIX-915 सी, टैगोर नगर, सिविल लाइन, लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूधना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारौं से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र अव्यक्षि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः हौ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

मकान नं वी-XIX-915 सी, टैगोर नगर, सिविल लाइन, लुधियाना का 1/6 भाग (श्रर्थात् जायवाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख सं 0.1762 माह मई, 1984 के तहत दर्ज है) ।

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक पायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप. वार्ड. टी. एन. एस. - - - -

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यां तय, सहायक आयकर अध्यक्त (निरीक्षण) - प्रजीन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 जनवरी 1985

निर्वेश सं० लुधियाना/102/84-85--म्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हो

मकान नं० बी-19-915-सी है तथा जो टैगोर नगर, सिविल लाइन्स, लुधियाना का 1/5 हिस्सा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्धश्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1984

करे पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रियमान प्रतिफल से, एसे ख्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अतिरित्यों) के बीच एसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कवित क्षी नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तर्भ से हुई किनी आय को बाबत, अवश विधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, - सादः/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने मा सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (!! के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, वर्षोत ह----

र्भे (1) श्रीकृष्ण कुमार पुत्र श्रीतेलूराम, निवासीनकोदर, जिलाजालन्धर।

(भन्तरक)

(2) श्री कीमती लाल जैन
पुत्र श्री हंसराज जैन,
निवासी बी-19-915,
टैगोर नगर,
सिविल लाइन्स,
नुधियाना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहयां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या ततस्म्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्यों में से किकी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए का सकत्ये।

स्पंध्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गर्या है।

बगतवी

मकान नं बी-19-915 सी, टैगोर नगर, सिविल लाइन्स, लुधियाना का 1/6 भाग (स्रयीन वह जायदाद जो कि रजिस्ट्री-कर्ता सिधकारी, लुधियाना के विलेख स० 1763 माह मई, 1984 के तहत दर्ज है) ।

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 11-1-1985 मो**हर** 🛭

अरूप करहाँ हो। एकः एकः -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सूचना

भारत स्एका

कार्यांसय, शहायक मायकर मायुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० लुधियाना/120ए/84-85-प्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

मौर जिसकी सं० मकान नं० बी-20-1162/5 (प्लाट नं० 184-ए) का 1/2 भाग, है तथा जो सरला नगर, लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अतरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आग की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दावित्य में कनी करने वा स्तरो बचने में त्रीवधा में निष्ठ; जरि/वा
- (म) एंसी किसी बाय मा किसी भन या जन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृविधा के लिए;

कतः जवः, उक्त जीधीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नतिष्ठित व्यक्तियों, जर्भति :--- (1) श्री मोहिक्स जीत सिंह,
पुत्र श्री जगजीत सिंह,
ग्रारा श्री जगजीत सिंह
पुत्र श्री सरदारा सिंह
मकान नं० बी-20-एस०-5/550,
माई नन्द कौर रोड,
सिविल लाइम्स,
लुधियाना ।

(म्रन्तरक)

(2) बा० समधेर सिंह पुत्र
 श्री मोहिन्द्र सिंह,
 निवासी मकान नं० बी-20-1162/5-सी
 (184-ए), सरला नगर,
 लुधियासा ।

(मन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के वर्षन के जिल्ला कार्यवाहित्यां वारत करता हूं।

उक्त संपत्तिः के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हुन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 सार्थि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताकारी वं पास लिखित में किए जा सकोंगे।

प्रनुसूची

मकान नं बी-20-1162/5 (प्लाट नं 184-ए) का 1/2 भाग जो कि सरला नगर, लुधियाना में स्थित है। (ग्रथीत् वह जायवाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, लुधियाना के विलेख सं 1202, मई, 1984 के तहत वर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

ता**रीयः** : 11--1--1985

मोहरू 🖫

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के वभीन सूचना

कार्यासय, सहायक बायकार बायक्स (निरीक्सण)

गर्जन रेज, सुधियाना

लुधियाना, दिनोक 11 जनवरी 1985

निवेश सं० चण्डी०/12-ए/84--85---धतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कष्टा गया है), की धारा 269-च की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मृत्य 25,000/- रापये से अधिक है

धीर जिसकी सं प्लाट नं 9, इण्डस्ट्रीयल एरिया है तथा जो जण्डीगढ़ में स्थित है (धीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भीर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारा के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीमन, तारीख मई, 1984

को प्रजीवत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान
अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास
करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त संपत्ति का उचित बाजार
कृत्य, उसके रच्यमान प्रतिफल से ऐसे रच्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और
अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच अन्तरण के लिए तय पामा
गदा प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त गाँध-निवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कसी करने या उससे अचने में स्विभा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या जन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवीवनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया वा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा खे विष्:

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ॐ अधीन, पनम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

(1) श्री धर्मचन्द पुत्र श्री ज्ञानचन्द, निवासी प्रश्नोहर, । श्रीमती सुमित्रा देवी पत्नी श्री ग्रविनाश चन्द्र, श्रीमती झुडणा देवी पत्नी श्री जतेन्द्र नाथ, श्रीमती रमेश कांता पत्नो श्री रोशन लाल, निवासी फाजिल्का । श्रीमती बिन्दु पत्नी श्रो इन्द्रपाल, निवासी ए-75, कीर्ति नगर, नई दिल्ली। श्रीमती सुशीला देवी पन्नी श्री रोशन लाल, निवासी मुक्तसर, श्रो लक्ष्मण वास पुत्र श्री झान चार, निवासी अबोहर, श्रो राजेण कुमार पुत्र श्री जान चार निवासी अबोहर, श्री राजेण पुत्र श्री जयलाल, निवासी अबोहर, श्री राजेणल पुत्र श्री जयलाल, निवासी अबोहर, श्री स्रोनंद्र कुमार, निवासी अबोहर। श्री स्रोनंद्र कुमार, निवासी अबोहर।

(भन्तरक)

(2) मैं० हिन्द मोटर्स (स्कूटर डिवीजन), 15,इण्डस्ट्रीयल एरिया, **कन्द्रीगढ**।

(श्रन्तिरती)

(3) मैं वास मोटर्स तथा मैं राष्ट्रीय टायर्स, प्लाट नं 9, इण्डस्ट्रीयल एरिया, भण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स्त सम्पत्ति को अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेष :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीवर प्रविवास व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रागः;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा हकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिवा गवा है।

नगुसूची

प्ताट नं० 9, इण्डस्ट्रीयल एरिया, चण्डीगढ़ । (प्रयात् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख सं० 67 माह मई, 1984 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारो सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11-1-1985

मोहर:

21-466GI/84

प्ररूप. बाई. टी. एन. एस. -----

वायकर विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० मोलन/7/84-85--ग्रतः मुझे, जोशिन्द्र सिंह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की धारा 269-इ से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० मकान, जमीन एरिया 170 वर्ग मीटर के माथ है तथा जो सोलन में स्थित है (भौर इससे उपाबस अनुसूरी में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्राकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सोलन में रजिस्ट्रोकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रीधन, तारीख मई, 1984

कां पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के क्ष्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि सथाप्चोंक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके द्रूपमान प्रतिफल से, एसे क्ष्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माम की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे दचने में सृविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या कत्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अटरिती व्वारा शकार नहीं किया गया था हा किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृजिधा के लिए:

अतः अव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की अपरा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :--- (1) श्रीमती प्रजमेर कौर पत्नी श्री पृथ्वी सिंह सिधु, निवासी कोश्रापरेटिय बैंक स्ट्रोट, फाजिल्का द्वारा श्री कुलजीत सिंह सचदेव, पुत्र श्रा तेजा सिंह निवासी मोहल, कुल्लू (हि॰ प्रदेश)।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती स्वर्ग कीर पत्नी श्री मोहिन्द्र भिंह निवासी सेहगल नेस्ट, मोलन, श्रव मकान नं० 1004, फेज 5, मोहाली, तहसील खरड़।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अप्रीध या तस्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों., के भीतर पूर्वेक्ट्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन को तारांख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रय्वत शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनसूची

मकान नं० 170 वर्ग मीटर जमीन के साथ सोलन (प्रयात् वह जायदाद जो कि राजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकार), सोलन के विलेख सं० 218 माह मई, 1984 के तहत दर्ज हैं)। जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निर्राक्षण) प्रजीन रेंज, लुधियहार

तारीख : 11-1-1985

प्रक्य बार्च , टी, एन । एस_,-----

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भ्रषीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निड्रीक्सण)

ग्रंजीन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० लुधियाना/122/84-85--श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मन्ति, जिसका उचित साचार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्नीर जिसकी सं भकान नं बा XX 1162/5 (प्लाट नं 184-ए) का 1/2 भाग है तथा जो सराया नगर,

लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकार। के कार्यालय, लुधियाना में रिजस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रिष्ठिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशाद से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बावत उनत विध-रिनवल के अधीन कर दोने के अन्त्रक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में त्विभा के सिए; खोड़/वा
- (व) एसी किसी भाव वा किसी थन या अभ्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा वे सिक्;

क्षाः नव उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के जनसरण भं, मं, उक्त अधिनियम को धारा 269-व की उपधादा (1) के अधीन, निम्नलिकिस व्यक्तिस्थों, अधीत् हिल्ल (1) श्रो महेन्द्र जात सिंह पुत श्रा जगजीत सिंह, द्वारा श्रा जगत सिंह, पुत्र श्रो सरदारा सिंह, निवासी मकान नं० बा०-20-एस० 5/550, भाई नन्द कौर रोड़, सिविल लाइन्स, सुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्रामतो सतनाम कौर ढिल्लों पत्नो डाक्टर शमशेर सिंह, निवासी मकान नं० बी-XX-1162/5, (प्लाट नं० 184ए), सराया नगर, नुधियाना।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप क्ष--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस ब्रुचना के राजपन में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हिए- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति कृतारा अधोहस्ताक्षरी के गात सिवित में किए वा क्केंगे।

स्पब्दीकर्णः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के बध्वाय 20-के भें परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसभी

मकान नं० बी-XX-1162/5 (प्लाट नं० 184-ए) का 1/2 भाग, सराया नगर, लुधियाना । (ग्रर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्र।कर्ता ग्रधिकारो, लुधियाना के विलेख सं० 2381 माह जून, 1984 के तहत दर्ज है)।

नोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकरा सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षाण) धर्जन रेंज, तुधियाना

गराज : 11-1-1985

माहर 🛭

प्ररूप आरं टी.एन.एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के मधीन स्ण्ना

मारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज-1, बम्बई

बन्बई, दिनांक 11 जनवरी 1975

निवेश सं० भाई-1/37 ईई/1771/83-84--म्रतः मुझे, ए० लाहिरोः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० आफिस नं० 711, सातवीं मंजिल, हासाम टावर, नरामन पाँइट, बम्बई-21 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्राकर्त अधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (१९08 का 16) के अधीन स जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधान सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय मे रजिस्ट्रा है तारीख 17 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ब्र्यमान प्रतिफल से एसे ब्र्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो पाया गया प्रतिकात, निम्नलिखित उद्योध्य से उजत अन्तरण निस्ति व वास्तिक रूप से किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के कभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उक्क दुवने में कृषिभा के लिए; और√या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अशोबनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बतः बन, उत्तर बिधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरक में, में, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् ।——

- (1) मैं ॰ उत्तमचन्द मेघराज एण्ड सन्स (इण्डिया) । (धन्तरक)
- (2) मै० रेकेम इजोनियरिंग प्रा० ल०। (बन्तरिती)

को यह सूचना आ<u>री करके पूर्वोक्त सम्परित</u> के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्स्म्बन्धीं व्यक्तियों पर तृत्रना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 15 किन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकार्य।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ झोगा जा उस अध्याय में विया यस है।

मगुज्यों

माफिस नं० 711, सातवीं निजल, वाला मल टावर 211 नरीमन पांदर, वस्वई-21 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि ई०-1/37 ईई/डिग्र/8/3 भौर जो सक्सम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 17 मई, 1984 को रजिस्टड किया गया है।

> ए० लहिरा सक्षम प्राधिकारी सङ्गापक धायकर आयुक्त (विरोक्षण) धर्णव रेंग-1, वस्वर्ष

वारोब : 11-1-1985

प्रकथ नाहाँ, टी. एन्. एक्. \cdots 👵 👵

मायकार व्यक्तित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मभीन सुम्मा

भारत् सरकार

कार्यासप्, सहायक भायकर मामृक्त (निरीक्षण्) भर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निवेश सं० भाई०-1/37 ईई/1772/83-84--मतः मुझे, ए० लाहिरो,

कायकर मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमं इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० श्राफिस नं० 712, सातवां माला दलामल टाँबर, 211 नरामन प्लांट, बम्बई-400021 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबस अनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण रूप से बणिता है), रिजस्ट्रांकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रांकरण श्रीध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान भौर जिसका करारक नामा भायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रीधकारों के काज्यांलय में रिजस्ट्री है तारीख 17 मई, 1984

को पूर्वोक्त समपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारणे है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी साम की वायत, सक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविभा के सिए; और/वा
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के सिए।

कतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-व के अन्सरण में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् : (1) मै॰ उत्तम इन्टरप्राइसेस।

(धन्तरक)

(2) मै॰ राय केमिकल्स इंजे।नियरिंग प्रा॰ लिमिटेड ।

(मन्तरिती)

को यह स्थाना जारा करके पृथीवत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यविहिशा करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

मन सर्ची

धाफिस नं० 712, 7वा माला दलामल टॉवर, 211 नरीमन पाइंट, बम्बई-400021 ।

श्रनुसूर्वः जैसा कि कम सं० श्राई-1/37 ईई/डिम्ड 83/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनाक 17 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहिरो सक्षम प्राधिकारी सहायक पायकर प्रामुक्त (मिरीक्षण) प्रजैन रेज-1, बस्बर्फ

तारीख: 11-1-1985

प्रकृष् कार्त् ही .एन . एस . ------

पायकर प्रविक्षिण, 1961 (1961 जा 43) की बारा 269-प(1) के स्वीत यूचना

भारत संचा

कार्यालय, सहस्यक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

बम्बई, विनांक 11 जनवरी 1985

निवेश सं० श्राई०-1/37 ईई/1810/83-84--श्रत: मुझे, ए० लहिरी,

बावकर संभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारि को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाबर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

गौर जिसका सं० ग्राफिस नं० 116, पहला माला, दलामल टॉबर, 211, नरीमन पाइंट, बम्बई-400021 में स्थित है (गौर इससे उपाबढ़ भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधान है भौर जिमका करारनामा आयार ग्रिधिनयम) 1961 का धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम ग्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है जारीख 11 मई, 1984

को पूर्वेक्स सम्परित के उषित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गर्व हैं और मूफे, यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, एमें स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उष्देश्य में उक्त क्तरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जलरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तिकों को. जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्तर अधिनियम, 1927 भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती ब्वास प्रकट नहीं किया तथा या या सिथा जाना वाहिए था, जिनाने ये स्विभा के लिए;

डतः कवा, उक्त अधिनियम की धारा ३०५-भ के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मै॰ उत्तम चन्द मेवराज एन्ड सन्स इण्डिया (इण्डिया)।

(अन्तरक)

(2) मैं० एलकब इन्सुलेटर्स प्राइवेट लिमिटेड।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रेप :---

- (क) इस स्वना के रावपण में एकाधन की तारीब के 45 दिन की वनीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृक्षेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से '45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधांकृष्ताकारी के पास सिश्वित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त विधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

अनुसूची

ग्राफिस नं० 115, पहुला माला दलामल टॉवर, 211 नरोमन प्वाईट, बम्बई-400021 ।

भ्रतुसूची जैसा कि कम सं० भाई०-1/37 ईई/डिम्ड 84/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बस्बई दिनांक 11 मई, 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज I, बस्बई

तारीख: 11-1-1985

प्ररूप आहं. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक जायकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज→1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्रह०-1,37 ईई/1841/83-84--ग्रतः मुझे, ए० लाहिरी

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 42) (जिसे इसमें इसके पश्चात्ँ 'उक्त अधिनियम' काहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1366, बिल्डिंग नं० 49, एम० श्राई० जंा० श्रावर्श नगर, वरली बम्बई—400025 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारा के कार्यालय, वम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन है श्रीर जिसका करारनामा श्रायंकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन तारीख 22 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुफ्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यभाप्योंक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके रच्यकान प्रतिफल से, एस स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से कृष्ट किसी गाय की भावत अक्त बाध-नियम के अधीन कर दीने के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; बीट/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया न्या भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सृविधा के निए;

बतः वस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-न के अनुसरण के, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन., निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :→ (1) मैं० पेरान एम० बिलिमोरिया।

(भन्तरक)

(2) भिरु धोरजलाल और मि० महेन्द्र एम० संघर्ष। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परिष्ठ को अर्जन को लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त संपर्तिन के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

व्युस्ची '

पनैट नं० 1366, बिल्डिंग नं० 49, ए० म्राई० जी०, म्रादर्शनगर, वरली, बम्बई-400025 ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-1/37 ईई/2298/ 83-84 और जो सक्सम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22 मई, 1984 को रिजन्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरो सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज~1, बस्बई

तारीख 11-1-1985 मोहर (

प्राष्ट्रमः बार्षः द्वाः एसः -------

क। यक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 न्य (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिलत बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीरफ्लट जिसकी सं ं नं ं 1474, जो बिल्डिंग नं ं 61, एमं श्राई जी ज्यादर्श नगर, बरली, बम्बई—25 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप सेविणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन/श्रीर जिसका करारनामा भायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 22 मई, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को अचित बाजार मूस्य से कम के उत्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरिक की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उपित बाजार मून्य, उत्तक दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिंखत उद्देश्य से स्टब्त अन्तरण कि बित में गास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) सन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन ऋर दोने के सन्तरक के दाबित्य में कभी करने या उससे अजने में स्विधा वै सिए; बौर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को जिन्हें भगरतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया वा बाहिए था जिपाने में सावधा के सिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीएच० टी० रोहरा।

(भन्तरक)

(2) श्रीवी० वी० कर्णिक।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरक

वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हो

(ग्रन्तरिती)

स्त्र भ्यना जारी करके पृथानित सम्मृतित से वर्षन के विष् कार्यश्राहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जां भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया क्या है।

जन्मु सी

फ्लैट नं० 1474, जो बिल्डिंग नं० 61, एम० आई० जी० श्रादर्भ नगर, वरली, बम्बई-25 में स्थित है।

. श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-1/37 ईई०/36 डिम्डग्र०/ 83-84 श्रीरजो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहि**री** सक्षम प्रा**धिकारी** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (नि**रीक्षण)** श्रर्जन रेंज~1, बम्**यई**

तारीख: 11-1-1985

प्रकृत बाह् ... टी. एन. एस., ----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985 निर्देश सं० भ्रई०-1/37 ईई०/1996/83-84--भ्रतः मुझे, ए० लहिरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० गाला नं० 224, टोडी इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, वम्बई—11 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) ग्रधीन/श्रीर जिसका करारनामा आयकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 18 मई, 1984

को पृथांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल दिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वासिविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाब की वावता, अन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व को कशी कारने वा अवदे वचने में सुनिधा के सिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी काय वा किसी भन वा वन्त आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृष्टिभा के लिए:

(1) नेमशी बच्चू भाई शाह ।

(भ्रन्तरक)

(2) मै॰ संतोजन टैक्टाइल मिल्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्का के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

गाला न० 224, जो टोडी इण्डस्ट्रीयल इस्टेंट, एन० ू एम० जोशी मार्ग, बम्बई--11 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई०-1/37 ईई०/2278/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 19 मई, 1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, सम्बद्ध

तारीख 11-1-1985

मोहर ⊧

प्ररूप आहें. टि. एन . एस . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निर्देश मं० 'श्रई०-1/37 ईई०/1997/83-84-*श्रतः मझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं के गाला नं 225, जो टोडी इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, एन क्ष्म जोशी, मार्ग, बम्बई-11 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन/श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 18 मई, 1984

को पूर्वेक्स संपत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाअत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आए-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधाने निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधरना (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थातु:——

(1) श्री हिरजी बच्च भाई शहा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सन्तोजन सिल्क मिल्स प्रा० लिमिटेड ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि। नियम के अध्याव 20-क में परिभाष्ति है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

गला न० 225, जो टोखी इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, एन० एम० जोशी, मार्ग, बम्बई-11 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कम स० अई०-1/37 हेई०/2279/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 11-1-1985

मोहर 🚁

प्रस्त् बार्र् टॉ. एव. एव. -----

बावकड मुस्पिनियम्, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-म् (1) के अभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यांच्यु, स्थायक बायक र वायुक्त (मिरीक्षण)

· भ्रजन रेल-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निर्देश स० म्पर्ड•-1/37 **ईई**०/2166/83-84--भ्रतः

मुझे, ए० लहिरी

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारत 269-च के सभीन समम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारन है कि स्थानह संयत्ति विस्ता उचित वाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

म्रोर जिसकी स० फ्लैट न० 402, जो प्लाट न० ग्राफ लैण्ड कोल्ड एज 'मूडी' प्रभादेवी, बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायद ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रिधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 29 मई, 1984

भी पूर्वों करा सम्पृत्ति के उिता बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास , करने का कारण है कि स्थापूर्वों क्स संपृत्ति का उचित बाजार बृच्य, उत्तक दूरमान प्रतिफल से, इसे दूरमान प्रतिफल का नम्बह प्रतिशत से अधिक है और अतुक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अतुरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस निम्निचित्त उद्देश्य से उच्त अन्तरण सिचित में वास्त-विक स्प से क्रियत नहीं किया गया है कि—

- (क) जन्तपुण से हुए किसी जाय की बाबत उक्त जिंध-मियम के जभीन कर को ही की जन्तपुक के दायित्य में कृती कुरूने वा उससे बजने में सुनिभा के सिए; और/वा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की पिनहें आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त कियानयम, या धन-कृष्ट अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोद्धनार्थ अन्तिरिती वृवाहा प्रकट नहीं किया गया था या किया खाना खाहए था खिपाने में सुविधा वौ लिए।

्र वर्ताः वर्षः उद्ययः वीभनियमः , क्री भारा 269-ग वी वनुसरण वी, वी, उपस्य अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अभीन, निम्नोविचित व्यक्तियों , अर्थोत् ६—— (1) गिपट कन्स्ट्रवशन कम्पनी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राज मित्रा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हि—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्ं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नग्तुची

पलैट न० 402, जो प्लाट ग्राफ लैण्ड कोल्ड 'मृडी' प्रभा देवी रोड, बम्बई मे स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम म० श्रई०-1/37 ईई०/2197/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख: 11-1-1985

मोहर 🔢

प्ररूप काइ . हो . एव . एस . -----

बायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के ब्रधीन सुवंता

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशका)
भर्जन रेंज-1, बम्बई
बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985
निर्देश सं० म्रई०-1/37 ईई०/2175/83-84--म्रतः
मुझे, ए० लहिरी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं श्राफिस प्रिमिसेस नं 1512-ए (1513), जो 15वीं मंजिल, प्रसाद चेम्बर्स श्राएरा हाऊस, बम्बई-4 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रिधित्यम, 1961 की श्रारा 269 कर्ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 29 मई, 1984

को प्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पावा गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित है बास्तिक क्य संकृष्ठ नृहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वांबत्, उक्ट बीधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व् में कनी करने या उससे बचने में तृत्विधा के लिए; बीर/वा
- (वा) एसी किसी बाय या किसी धन वा जन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनगृहर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिर्ण।

बद्धः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) को अधीन, निभ्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री श्याम सुन्दर यीलत राम कटारा।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं • जोगानी एक्सपोर्ट कारपोरेशन।

(भ्रन्तिरती)

(3) मै० रूकमनस प्राइवेट लि०।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्यति के अर्थन् के निष्
कार्यवाहियां भूक करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में की हैं भी वाक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास सिचित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदौं का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्वी

ग्राफिस प्रिमिसेस नं० 1512-ए (1513), जो पन्द्रहवीं मंजिल, प्रसाद चेम्बर्स, टाटा रोड नं० 2, ग्रापेरा हाऊस, बम्बई-4 में स्थित हैं।

भनुसूची जैसा कि कम सं० भाई०-1/37 ईई०/2198/ 83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 29 मई. 1984 को रजिस्टड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीख : 11-1-1985

मोक्टर ३

प्रकम बाह् टी. एन. एस. ------

नायकर निधनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-घ (1) के नधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निर्देश स॰ श्राई०-1/37 ईई०/2176/83-84-श्रत.

मुझे, ए० लहिरी,

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रूट. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० स्राफिस प्रिमायसेस न० 1512, जो 15वीं मंजिल, प्रसाद चेम्बर्स, स्रपेरा हाऊस, बम्बई-4 में स्थित हैं (स्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन स्रोर जिसका करारनामा स्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, खंके स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 20 मई, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिक्रल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुखे यह विश्वास करूने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिक्रल से, ऐस दृश्यमान प्रतिक्रल का पद्धह प्रतिशत से मोधिक है मोर प्रन्तरक (श्रम्तरकों) मोर बस्तरिती (मन्तरितियों) के बीव एस भन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीक्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त मन्तरण शिखित ने बाश्तरिक क्य से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रसोवनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

र बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण बें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निस्निसित व्यक्तियों, अधार्त हि— (1) श्री श्याम सुन्दर दौलत राम कटारा।

(ग्रन्तरक)

(2) मै० जगानी एक्सपोर्ट कारपोरेशन।

(ग्रन्तरिती)

(3) मै० रूकमनस प्राइवेट लि०।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सृषना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शृरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियमें, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भाफिस प्रिमायसेस नं० 1512, 15वी मंजिल, प्रसाद चेम्बर्स, टाटा रोड नं० 2, भ्रपेरा हाऊस, बम्बई-4 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई०-1/37 ईई०/2199/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनाक 29 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 11-1-1985

मोहर 🖫

प्रकष बाह् ुटी एन एस------

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निर्देश सं० म्रई०-1/37 ईई०/2462/83-84-म्बतः मुस्रो, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रेंड से अधिक है

मौर जिसकी सं० गाला नं० 314, तीसरा माला, 'ए-1' बिल्डिंग, गाह एण्ड नहार इण्डस्ट्रीयल इस्टेंट, लोग्नर परेल, बम्बई-14 में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में मौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण मधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन भौर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 12 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उरयमान प्रतिफल से, ऐसे एरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत उक्त अभिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियमें, अर्थात :----

(1) मै० धनराज मिल्स प्राइवेट लि०।

(मन्तरक)

(2) श्री राम यतन मर्मा।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाह्यां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वास्तेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिकताों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नगत्त्रची

गाला नं 314, तीसरा माला, 'ए-1' बिल्डिंग, शाह एण्ड नहार इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, लोग्नर परेल, बम्बई-14 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई०-1/37 ईई०/2301/ 83-84 श्रौर जो सक्षेम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 मई, 1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर झायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 11-1-1985

प्रकम कार्ष . टर्ड ु एन , एक् ु-------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रजेन रेंज-1, बम्बई अम्बई दिसांक 11 जनवरी 1985

निर्देश सं० ग्रई०-1/37 ईई०/2473/83-84---भतः मुझे, ए० लहिरी

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 क्या 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विरुवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रा से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० धाफिस नं० 29, जो तीसरी मंजिल, ताडदेव एयर कंडिशन्ड मार्केट, ताडदेव मेन रोड, बम्बई—34 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रीविनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री है तारीख 29 गई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ज़्ल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत अभिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण मिकित में बास्तिवकं रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संहुद किसी भाय की शावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के श्रीयत्व में कमी करने या उससे वचने में तृविभा के जिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य जास्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं जिया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन, निम्निसिचित स्यक्तियों, अर्थाव ६—— (1) श्रीमती शोभा सी० उधवानी।

(अन्तरक)

(2) श्रीरमेण मुल्लचंद छुगानी, श्रीर श्रीमती सरला रमेश छुगानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब सै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहम्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्मव्यक्तिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो जस अध्याय में दिया गमा है।

वन्स्ची

भ्राफिस नं० 29, जो, तीसरी मंजिल, ताउदेव एयर-कण्डिशन्ड मार्केट, ताउदेव मेन रोड, बम्बई-34 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-1/37 ईई०/2310/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख 11-1-1985

प्ररूप आई. ट. एन. एस. - - ---

शरमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक साथकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निर्देश सं० अई०-1/37 ईई०/2481/83-84--अतः मुझे, ए० लहिरी

हुसके पश्चीत् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 1269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने क्रमा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० आफिस नं० 104, बिल्डिंग नं० 4, पहला माला, लिमिन्टन रोड, बम्बई-400008 में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैतारीख 3 मई, 1984

को प्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्बेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किंबत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एतेसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनयम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंकनार्थ अंतरिती दारार एकत तनी किया एता वाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

वतः कव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के वनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अभारत् ः-- (1) श्रीमि० एल०सी० जैन। मि० ललिख राष्टाडिया।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रेणू मनोहर बेहरानी।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(बह व्यक्ति जिसके अधियोग में सम्पति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शृष्ट करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यावित व्यावित
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा मकाँगे।

स्थव्हीकरण : —- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्द्रस

आफिस न॰ 104, बिल्डिंग नं॰ 4, पहला माला, लिमग्टन रोड, बम्बई-400008।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-1/37 ईई०/2317/ 83-84 श्रौर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 मई, 1984 को रजिस्टक किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ५ अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 11-1-1985

प्रकृष बाह्". ही. एव. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कार्यकर वायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निव^रश सं. आर्क -1/37र्हर्ष/2482/83-84. अतः मुभ्हे *बा*धकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रत से अधिक हैं

फ्लैंट नं० 104, जो शिरीन मंजिल, 1 ली मंजिल झगांव, बम्बई-10 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अत्भूची में स्रीर पूर्ण रूप में वर्णि । है), रिजस्ट्री हर्ती के अधि । री के कार्यात्रा, बम्बई में रिनिस्ट्री परण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अप्रोत्र और जिल्हा करानामा आयक्य अधिनियम, 1961 की धारा 269 कखं के अगीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि हे री के कार्यालय, बम्बर्ड में रजिस्ट्री है तारीख 3 मई, 1984 की पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार सल्य से कम के स्क्रण्यान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्ड है और मझे यह विष्यास करने का कारण है कि य्थापृर्वक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बान्सरिनी (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिनित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अल्लरण से हर्ड किसी काय की बाबत, अर्थिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए: और/या
- (श्वा) ए मी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय बाय-धार मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर यधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती देवारा प्रकट नहीं किए। करा शांधा किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त प्रधितिसम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उस्त अभिनियम की भाग २८९ व की उपभारा (1)

🚽 🗝 ि चित्रतिवित व्यक्तियों, वर्धात :---23 —466GI[84

(1) श्रोमतो रोजन अहमद लिलानी ।

(अन्तरक)

(2) श्री सैपफुद्दीन फक्तूद्व द भूरिया।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक।

(ब्ह्र व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं)

को बहुत्थना जारी करके प्वाप्त हरूमात्त को वर्जन को विष् कायवाहिया करता है।

जन्ध सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में को**इं भी वाक्षेप** :---

- [(क) इस त्वनाको राजपत्र में प्रकाशन की तारीचार्च 45 विन की सर्वाध या तत्सवधी स्पक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, का भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्चनाको राजपत्र में प्रकाशन की तारीख **र्ख** 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बबुध किसी अन्य व्याक्त बुवारा, अधाहस्ताक्षरा के पास निस्ति में किए वा संकेगे।

स्पष्टीकरण :---इसमा प्रयुक्त र ब्दो और पवों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहा वर्थ हांगा, आ उस वध्याय में विया गंबा B. I

ग्रनुसूची

फ्लैंट नं० 104, जे फिरीन मजिल, पहली मंजिल, 18 24, सेन्ट मेरी रोड, माझगाव, बम्बई-10 में स्थित है । अनुर्च जना कि कम सख्या अ ई०-1/37 ईई०/2318/ 83-8, भ्रौ जो सक्षम प्रधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तरिका : 11-1-1985

प्रक्र बार्षं. टी. एन. एव.-----

बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत सुचना

शास्त सरकार

क्षायालिय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिगांक 11 जनवरी 1985 निदेश सं० अई०-1/37 ईई/2485/83-84-अत: मुनी, ए० नहिरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें किन पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्याम करने के. कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- राज्यों अधिक है

स्रीर जिन्नि मं० पर्नेष्ट नं० 106 पहुना माला एफ० बिंग, सी। बी। आ ट्रेनेट्न, अवार्य होंदे मार्ग, शिवरी (पिक्रम), सम्बद्ध-15 में स्था है (पीए इनने उत्तबद्ध अनुसूची में और पूर्ण का पे बिंगा है), रिनिट्ने जी अधिकारी के कार्यालय, सम्बद्धी में रिनिट्ने जा अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधी। है पौर जिन्ना कर राम अधिकार अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधी। बम्बई स्थिन जक्षम प्राधिकारी के कार्यात्य में रिनस्ट्रों है तारीख 3 मई, 1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दिश्यमान प्रिटिफलं के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृशामान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अध्कि है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, रिम्निलिखित उद्देश से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वादत, उक्त इपिटिटम के स्पीत कार तोने के बन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के सिए, बरि/य।
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपका अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ववारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था छिपान में सुविधा के निए;

बत बब, उक्त अधिनियम की धारा 260-म की अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-म की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :——

- (1) श्रागारधन दाल भिवनन्द रायगरोडिया। (अन्तरक)
- 2. श्री राल्फ फर्नाडिस और श्री ल्यूइस फर्नाडिस। (अन्तरिती)
- (3) श्री नानू राम भर्मा । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) (अन्.रि.तः)

करो यह मुखना जारी करको पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त कम्पील के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाकीप :---

- (क) इस सचना के राजण्य में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयक्त कब्दों और पदों का. जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है. वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 106, पहा माला एफ विंग वीना बीना अपार्टमेंट्स, आचार्य दोंदे मार्ग, फिक्री (पश्चिम), बम्बई—

अनुसर्च जैंग कि क्रम सं० अई०-1/37 ईई/2320/ 83-84 फ्रींग जो मक्षम प्राधि ारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 मई, 1984 को रिक्टि ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिनारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीच : 11-1-1985

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.------

भाग्कार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कायां सहायक. मायकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० अई०-1/37 ईई/2486/83-84--अत: मुझे, ए० ला हरो

बार कर आधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इममें इसक पश्चात् 'उक्त आधानयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिनको सं० पर्नंध नं० 306, ती तरा माना, एफ निंग, बारा-बाना आहर्मेंट्रा, अत्वार्य दांड मार्ग, गणपरा (प्रावन), बम्बई-15 में स्था है (प्रारहत उन्हाइ आहुता में आर पूर्ण रूप में वार्य है), राज्यहाउनी आजे हरा के कार्यान्य, बम्बई में राज्यहाउण अजनपन, 1908 (1908 का 16) के असा है नाराज्य का के असा बन्ध है स्वाराज्य का के असा बन्ध है स्वाराज्य है। के असा बन्ध है स्वाराज्य है। के बार्य के कार्यालय, में राज्य हूर है। राज्य 3 मई, 1984

का प्वाक्त सम्पास्त के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान मित्रफन के निए अन्तारत का गई है और मूफ यह विद्यास कर का कारण है कि यथाप्वाक्त सम्पास्त का उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान अतिफल स, एस दृश्यमान अतिफल का पहुत प्रात्तात स आधक है और अतरक (अतरका) और अतारती (अतारात्या) के बाच एस अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कन, निम्नानासत उद्दृष्य म उक्त अन्तरण लिखत में बास्ताबक क्य में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उपस् बाधानयम क अधान कर दन क अन्तरक क बाबित्य म कमी करन या उसस बचन म सुविधा क लिए, ब्रीर/सा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर आधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती ब्लास प्रकट नहा किया गया था या किया जाना चाहिए आ, छिपान में सुविधा के लिए;

कतः, जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रो पोर्या दाल सामिनाद्याम गरोहिमा। (अन्यक्)
- (2) श्री:अञ्चत काहिद खान । (अन्तारका)
- (3) प्राप्ता त्रविमा अब्दुन बहिंदा। (यह व्यक्ति, जिप्ते अधिसीम में सम्पत्ति है)
- (4) श्रीनती सबिया अञ्चल वाहित। (यह व्यक्ति, जिनके बारे में अयादण प्रसा नावता है कि वह सम्यता में हिलाब है)

को यह स्थान जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति क अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दन का अवाध या तत्सम्बन्धा व्याकनया पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वोक्त ब्याक्तया में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध जिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्टाक्षरी के पास जिस्त में किए जो मकोंग ।

स्पष्टीकरण: ---- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनयम क अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्धी

पत्रैण तं० 303, ती एए मात्रा, बिंग एक, कीता—बीता अगर्डनेंट्रा, अर्जार्य दोंदे मार्ग, शिवरी (गश्विम), बस्बई— 15 ।

अनुपूत्री नैगाति कम मं० अई०—1/37 ईई/2321/83— 81 मो: ना तामामें गरो, बन्बई द्वार दिशात अमई, 1984 कार्याज्यकीकामया है ।

> ए० लाहिरी सक्षम गोधिकारो, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख:11-1-1985

मोहर 🛎

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार ,

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनाक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० प्रई०-1/37 ईडि०/2487/83-84—अतः मुझे, ए० लाहिरी,

बायकर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 264-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. म अधिक है

श्रीर जिपि शिष् पर्नेट नं० 502, जो पांचवीं मजिल, एक विंग, बाना बी।। अपार्टमेट्स, शिवरी (पिण्चम) बम्बई—15 में स्थत हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुर्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिज ट्रीकर्ती अधकारी के कार्यालय, बम्बई में रिज ट्रीकरण अधनयम, 1908 (1908 का 16) के अधी। हैं श्रीर जिसका करारनमा आयकर अधिनित्म, 1961 की धरा 269 क ख के अधी। बम्बई स्थित सक्षम प्रतिधकारी के कार्यालय में र.जस्ट्री है तारीख 3 मई, 1984

का पूथावत सम्पात क उचित बाजार मृन्य से उम्म के दश्यपान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुफे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापबीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दशामान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नालिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबते, उक्त आधीनयम के अधीन कर दन के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उस्से अचने में सुत्रिधा का 'सए, और भा
- (क) ऐसी किसी आये या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गय। धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा सविधा क लिए,

जतः बनः, उन्त विधिनियम की धारा 269-ग के जनसम्ब भो, भी, अक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के विधीन, निस्तीलिखित व्यक्तियों, वर्धात्:—

- (1) श्री गोवधंन दास भिवचन्दराय गरोड़िया। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती झुबेदा अबूबकर पेटीवाला। (अन्तरिती)
- (3) श्री किशोर बी० छि.बिया। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पास है)
- (4) श्री किशोर बी० छिछिया।
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पात्त में
 हितबद्ध है)

को यह स्वना जारी करके पृवाक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिया शुरु करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर स्थान की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस ग्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सपन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का ओ उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्पा

फ्लैट नं० 502, जा पांचवी मंजिल, एफिवग, विना बीना अपार्टमेंट्म, आवार्य दोंद मार्ग. शिवरी (पश्चिम), बम्बहै-16 में स्थित है।

अनुपूची जैसा कि कम सं० अई०~1/37ईई०/2322/83~ 84 श्रीर जो सक्षम प्रधिकारा, वम्बई द्वारा दिनांक 3 मई, 1984 में रज्ञार्ड कारागा है।

> ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्राप्र्क्त (निराक्षण) अर्जन रेंज−1, बम्बई

तारीख: 11-2-1985

माहर:

प्ररूप काई. टी. एवं एसं. - - - -----

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वास 269-व (1) के वभीन सुचना

भारत सरकार

काथितिय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−1, बम्बई बम्बई,दिनांक 11 जनवरी, 1985

निदेश सं० अर्ह०-1/37 ईई0/2535/83-84—अतः मुझे, ए० लाहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2 र 9 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. स अधिक है

भी : जितिती सं आफस नं 9 श्रार 12 वां माला, बि त्र ग नं 3, नव जीवन को अपरिटिव हाउ सिंग से से हिंदी ति सिटेड, सिन्दा सिनेसा के नजदीक, रिम्डिन रेड, देश ई- ह से वित्त है (श्रीर इससे उपाद्ध अनुर्ध से श्रंर पूर्ण रूप से दित हैं), रिजर्स्ट्रवर्ता अधिकारी के वाय स्य, दम्दर्द में परिष्ट्रवरण अधि नयम, 1908 (1908 को 16) के अप्रीय श्रीर जिसका करारनामा आयकर आधानयम, 1961 की धरा 269 कख के अधीन बम्बई स्था सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री के तारीख 5 मई, 1984

का पूनाक्त सम्पत्ति क उषित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रीतफल का लए अन्तरित का गई है आए मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स एस दश्यमान प्रतिफल का पद्मह प्रांतशत अधिक है आर अन्तरिक (अन्तरिका) आर अन्तरित (अन्तरित्या) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रांतफल, निम्नोलीखत उद्देश्य से उक्त बन्तरण निवित्त में वास्तविक रूप स किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक क दायित्व म कभी करन या उक्षस भवन में सुविधा के लिए काँद्र/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन मिनलिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् ---

(1) मि० महत्रूब सत्रजत सुन्दरानी।

(श्रन्तरक)

(2) मिसेस प्रोत्मका भरता।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के जर्जन के सिए कायंत्रीहमा करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के मीतर पृथीक्त स्थापत्रा में से किसी व्यक्ति इंगरा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकीगं।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्मों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहा अर्थ हागा, जा उस अध्याय में दिया सवा है।

वन्स्धी

आफिस नं० 9, 12 वां माला, बिल्डिंग नं० 3, नव जीवन को० प्र ११ टब हा अभिंग सो नाउटी लिलिटेंड, मिनवी सिनेमा के नजदी κ , लिलिटेंद रोड, बम्बई-40008।

अनुपूत्री जैना कि कम मं० अहि०-1/37 ईहि०/2394/83-84 और ना नजन माधारिंग, बम्बई द्वारा दिनोक 5 मई, 1984 को राजस्टडं किया गया है ।

ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारो सहायक स्रायकर अप्युक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-1, सम्बर्फ

तारीख: 11-1-1985

मोहर 🛭

4F 416 C1. Un. Ut . ---

भाषकार श्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० अई० -1/37 ईई०/2536/83-84--अत: मुझे, ए० लाहरी,

बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० आपिस प्रिमिन्स नं० 8 (1108), जो 11वीं मिजल, 'आर्के,बया विल्डिंग, नरीमन पाईट, बम्बई-21 में स्थत है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री-करण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन भीर जिसका करारनामा ष्टायवर अधिक्यम, 1961 की घरा 269 क ख के अधीन बम्बई स्था अक्षम प्रिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 5 मई, 1984

को पूर्वाक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान गर्भ और प्रदिफल के लिए अन्तरित' की मुभ्हे विश्वास करने का कारण है कियशा-यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृला,, उसके दश्यमान प्रति-फल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं आरेर अंतरेक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे **अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य** से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथिस नही पाया गया है :---

- (क) बन्नरण से हुई किसी आय की बाबन जिल्ला अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के द्यायत्व मा कमी करन या उसस बचन में म्राबभा के सिन्न, बीर/मा

ज्ञास भव, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री राजीत चडा लया, और श्रीनती मंजुता चंडा लया।

(अन्तरक)

(2) मै० इण्डिया बुक्त डिस्ट्रीब्यूटर्स।

(अन्तःरेती)

को यह स्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के सर्थन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरंगे।

स्पष्टीकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकता का भिनयम, के अध्याम 20-क में परिभाषक हैं, बही अर्थ द्वारा जो उस अध्याम में रिमा गया है।

बन्सची

- 1 - 1 ·

आफिप प्रिमिनेप नं० 8 (1109), जो 11वीं मंजिन, 'आर्हेडमा' बिल्डिंग, प्लाट नं० 195 ब्लाक नं० 3, बक्तबे रिलेक्शेशन, नरीमन पाइट, बम्बई-21 में स्थित है।

अरुप्ती नैरा कि कर २० अ ई०-1/37 ईई०/2395/ 83-84 प्रीर नो नजन प्रश्चिक री, बम्बई द्वारा दिनांक 5 मई, 1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० स हिरी सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 11-1-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष्ट 269-व (1) क सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) . अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश स० आई०-1/37/8ई०/2539/83-84--अतः मुझे, ए० थाहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषमे इसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 260-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह िण्डवास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000 - उ. स अधिक ही

श्रीर जिपकी स० आफिस यू नेट नं० 6, पहली मजिल, 'भ रत नेम्बर्से, बरोडा स्ट्रीट, बम्बई—9 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुपूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याजय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन श्रीर जिनका करारनामा आयकर अधिनियम, अधिन्यम, 1961 की धरा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थि। सक्षम प्रतिधकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 8 मई, 1984

का पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के रुध्यमान मिलल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रुध्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अंतरण । लिंगत में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बावत उक्त बीव-नियम के बभीन कर दोने के बन्तरक की दावित्व में क केमी करने या उससे वचन में सूविभा के लिये; बीर/वा
- [क] एसी किसी जाव वा किसी धन बन्न बास्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर किपीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बीधीनयम, या धन-कर बीधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था खिपाने में सुविधा के सिए;

र्कतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात् ः— (1) मै० आर० पी० ट्रेडरी।

(अन्तरक)

कु (2) श्रीनती मुमित्रा ग्पा।

(अन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पारित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्मवधी व्यक्तियों पर स्चन की तामील स 30 दिन की अवधि, जो भैं अवधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारील ह 45 दिन के भीतर उनत स्थायर सम्पन्ति मों हिता।द्ध किसी अन्य व्यावत द्वारा अधाहस्ताक्षरी क पार लिखित मो किए जा सकरि।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभोजित ही, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अ िष य्निट नं० 6, पहली मि जिल, 'भारत चेम्बर्स', बरोडाप्ट्रीट, बम्बर्ध-9 में स्थित है।

अनुपूत्री जैसा कि कम सं० आई०-1/37 ईर्ड $_{0}$ /2400/83-84 और जो नजन प्र. ध हारी, बम्बई द्वारा दिनाक 8 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लाहिरी सञ्जम प्रान्धकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण**)** अजन रेज-1, **बस्दर्ह**

तारीख: 11-1-1985

मोहर:

प्ररूप आर्ड. टी एन एस -----

, बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांत्रमः, सङ्गायकः आयकः आयकः (निरीक्षण) प्रार्थनः रेज-1, बम्बई अम्बई, दिनांकः 11 जन्दरी 1985

निरेग सं० प्रारं०-1/37 ईई०, 2542 8 1-84-प्रतः मुझे, ए० लाहरी,

आयकाः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीप जिपका संव यूनिट तंव 210, ए-1, विविध्या, दूसरा माना, महा एण्ड नहार इंग्डिन्ट्रिंस इंग्टेंट, संत नम जाधव मार्ग, लिक्कर परेल, बस्बई-13 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध इन्स्किं में श्रीर पूर्ण क्य में विणा हैं) रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधव री के कार्यालय, बसाई सें रिजिस्ट्री रिण श्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीत श्रीर जिनका करारनामा आयकर श्रीधित्यम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीत बसाई स्थित सक्षम प्राधिकार के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं त.रंख मई, 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गढ़ें हैं और मुफ्ते यह विवनास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रिःशत में अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरिरियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया विकल , निम्नलिनित उद्देष्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आयकी बाबत, उक्त आधिनग्रम के अधीन कर वाने के अन्तरक के आणिन्य में कभी करने या उसमें बचने में स्थिधा के लिए; और/या
- (च) ऐमी कि मी आय या कि मी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्यारा प्रकट नहीं किया गण धा या किया जाना चाहिये था, खिपाने में स्थिभ के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---- (1) मैं० तुलसं: इन्टरप्राद्जेत ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स शीःतल एन्टप्राईजेस

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है।)

को यह भचना जारी करके पूर्वोक्त संम्यत्ति को अर्थन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (कं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मुचना को राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ू अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणित है, बही जर्थ हागा जो उस अध्याय में दियाह गया है।

नगत्त्री

यू तट नं० 210, ए-1, बिल्डिंग, दूसरा माला, शाह नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, सीजाराम जाधव मार्ग, बम्बई-13 ।

अनुपूर्च: जैमा कि कम सं० आई०-1/37 ईई०/2403/ 83-84 और में पत्रम गांबिकर: के कार्याला, बम्बई द्वारा दिनाक 8 मई, 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) भ्रजीन रेंज-1, बम्बई

तार**िषा** : 11-1-1985

मोहर 🛭

प्रचल बाहाँ, टी. एम , एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यान्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई,दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेण सं० माई०-1/37 ईई०/2555/83-84--मत: मुझे, ए० लाहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/- रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 140, जो पहली 'मंजिल, शहा एण्ड नहार इंण्डिट्रयल इस्टेट, ए-1, सन मिल कम्पाउन्छ, लोश्नर परेल, बम्बई-13 मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, बम्बई मे रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम, 1961 को धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 8 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्र कल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक ध्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुर्द्ध किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा को लए, और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन या जन्म आस्तियों का, जिन्हों भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जितः तथा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरच माँ, माँ उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को प्रधीतः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधारा :---24---466GI/84 (1) श्रोमर्ता मंजू एम० लोधा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सहिष्दान वाजीहृद्दीन शेख श्रीर गययसुदूदीन बाजीउदूदीन शेख, मुजिबुद्दीन बाजीउद्दान शेख।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्परित है।)

कार्य शहस्त्राना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर रूम्पति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति युवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रिकरणः ---इसमें प्रमुक्त ग्रंकों और पदों का, वो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया हैं।

अनुसूची

यूनिट नं० 140, जो पहली मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ए-1 सन मिल कम्पाउन्ड, लोग्नर परेल, बम्बई-13 मे स्थित हैं।

श्रनुसूची जेंसा कि कम सं० श्राई०-1/37 ईई०/2415/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्राप्त दिलांक 8 मई, 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 11-1-1985

मोहर :

त्रुक्ष्युः बार्ड्ः टी. एव . एस_{.,}-------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

प्रारव वृद्धकारु

कार्यंतव, सहायक भावकड जायुक्त (निर्देशक)

धर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निर्देश सं० ऋ६०-1/37 ईई०/2556/83-84--- श्रतः मुझे, ए० लहिरी,

भायकर अभिवियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त् अभिनियम' कहा गया है), की धारा है69-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भपार्टमेंट्स नं० 101 जो पहली मंजिल, प्रसाद चेम्बर्स, ऑपरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी

श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम, 1961 को धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 8 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार बृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और√या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने के स्विधा के सिए;

क्तः अबा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मै० इन्टरफार्मा डिस्ट्रिब्युशन
 श्रीर
 मै० सेरूम इन्स्टीट्यूट आंफ इण्डिया।
 - (भ्रन्तरिता)
- (2) 1. मैं० जैन इन्टर नेशनल 2. मैं० श्री/मल कवर्स

ग्रौर

मै० जैन डांयमण्ड्स एक्सपोर्ट प्राइवेट लि०।
 (म्रन्तरिता)

को यह सूचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के शिष्ट् कार्यवाहियां कारता हुने।

उक्त, सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास निवित में किये वा सकेंगे।

स्पथ्यीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्वा है।

अनुसूची

श्रपार्टमेंट नं० 101, जो, पहली मंजिल, प्रसाद चेम्बर्स, ऑपरा हाऊस, बम्बई-4 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई०-1/37 ईई०/2416/ 83-84 और जो सक्षम प्रायधकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 8 मई, 1984 की रजिस्टई किया गिया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारिषाः । 1-1-1-1985

मोहर :

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकःर जायुक्त (निरीक्षण) ।

धर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवर) 1985

निदेश मं० श्रई०-1/37 ईई०/2571/83-84--- स्रतः मुझे, ए० लहिरो,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 32, जो पांचवी मंजिल, मधुबन प्रपार्ट-मेंट्स, वरली, बम्बई—18 में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध धनुसूर्वी में धौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधकार। के कार्यालय, बम्बई मे रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रीधकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री है तारीख 8मई, 1984

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा केलिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मूरे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रामती लक्ष्मीदेव। तयाल ।

(भ्रन्तरक)

(2) मै० मेवा विहार प्राइवेट लि०।

(ग्रसरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) मैं ० नूतन मधुबन श्रपार्टमेंट्स को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०।

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरों जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त धब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

भग्भूक

फ्लैंट नं० 32, जो, पांचबीं माजिल, 'मधुबन' अपार्टमेंट्स, ज्लाट नं० 60-61, वरला हिल स्काम नं० 58, वरलो, बम्बई-18 में स्थित है।

ध्रनुसूच। जैसा कि क्रम सं० ध्रई०-1/37 ईई०/2425/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8 मर्ह, 1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--1, बम्बई

तारीख: 11-1-1985

मोहर ः

प्ररूप. बाहुँ. टी. एन. एस्. - = - - -

बायकर ऑभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सहकार

कार्मालय., सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 11 जनवरी 1985

निर्देश स० प्राई०-1/37 ईंडि0/2573/83-84—प्रत. मुझे, ए० लहिरी.

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा ?69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसेका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिपको स० यूनिट न० 218 जो, दूसरी मजिल, ए-1 साह एण्ड नहार इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, सीताराम जाधव मार्ग लोग्नर परेल, वम्बई-13 मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचो मे भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बम्बई मे रिजस्ट्रोकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन और जिसका करारनामा भायकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रिधकारा के कार्यालय में रिजस्ट्रो है तारोख उमई 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मभें, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिवक रूप स कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवन में सुविधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं फिया गया को या किया जाना चाहिए था. धिपाने में मुविभा सै सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) म० शहा एण्ड नहार एसोसिए इस।

(ग्रन्तरक)

(2) कुमारो सोतल सुखराज नहार (माइनर)।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया अरता हो।

उन्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच क्षे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष . किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

न्यव्यक्तिकरणः ---- हसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही बर्ध होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 218 जो दूसरी मंजिल ए-1 णहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रीयल इस्टेट; सीता राम जाधव मार्ग लोभ्रर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि कम सं० ब्रई०-1/37 ईई०/2333/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 3 मई 1984 को राजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरो सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 11-1-1985

मोहर:

प्ररूप बाइं.टी. एन. एस. ------

बायफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक आधकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निर्देश सं० ग्रई०-1/37 ईई०/2574/84-84--- ग्रतः

मुझे, ए० लहिर*े.* सम्बद्धाः समितिया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 351 जो तीसरी मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रीयल इस्टेट ए-1, लोश्नर परेल, बम्बबई-1 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीर-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन अमर्थ स्थित सक्षम श्रीधकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 3 मई-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रविद्यत से बिभक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्घेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बंतरण से हुए किसी आय की साबस, उनस अधिनियन के अधीप कर दोने के अंतरक के दािनस्य में कमी करने या उससे अपने में सृध्िपा के लिए; और/या
- (७) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ब्तः वयः, उपतः विधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरणं में हैं, मैं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-णं की उपधारा (1) के अधीतः नियनसिस्तित व्यक्तियों, अधीतः ----

(1) मै॰ शहा एण्ड नहार एसोसिएट्स।

(ग्रन्सरक)

(2) मै० जैन; 'शू' हैण्डलूम सेन्टर।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पृत्रोक्त सम्पक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सं मंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी समिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपल स्थावर सम्पत्ति में हिदबब्ध किसी जन्म व्यक्ति इवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित को किये का सकींगे।

स्मण्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाद्रित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूषी

यूनिट नं० 351 जो तोसरो मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रोयल इस्टेट- 'ए-1' धनराज मिल्स कम्पाउन्ड, सीताराम जाधव मार्ग लोग्नर परेल, बम्बई-11 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि क्रम सं० भई०-1/37 ईई०/2332/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 3 मई-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) भजेन रेंज-1, वस्बई

तरीख: 11-1-1985

मोहर 🖫

प्रकृप बाइ', टी. एन. एस.-----

भारतकर वाभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के तभीन स्वना

नारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भजन रेंज-1, वम्बर्द

बम्बई दिनांक 11, जनवरी 1985

निर्देश सं० झई०-1/37 ईई०/2575/83-84--- झतः मुझे ए० लहिरी,

कायकर मधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च को मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मून्य 25,000/- रा से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० यूनिट नं० 220 जो दूसरो मंजिल, शिहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, ए-1 विल्डिंग लोग्नर परेल बम्बई-13 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय बम्बई में र्राजस्ट्रीकरण मधिनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन भौर जिसका करारनामा मायकर मधिनियम 1961 की धारा 269 कख के मधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 3 मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है हिन्न

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत उक्त बिध-वियम के बधीन कर दोनें के उन्तरक के बायित्व में कमी करने या उनसे यथने में स्विधा के लिए: बीद/बा
- (च) एसी किसी काय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय काय-कर कैधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कै प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्तारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा कै सिष्;

कतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, जिल्ला कित व्यक्तिकों, अवित :---

- (1) मै॰ शहा एण्ड नहार एसोसिएट्स । (मन्तरक)
- (2) कुमारी पूजा एस० नहार (भायनर)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

क्या पर्वी

यूनिट नं 220 जो, दूसरो मजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रोयल इस्टेट ए-1, बिल्डिंग लोग्नर परेल-बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई०-1/37 ईई०/2334/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13 मर्ड 1984 को रजिस्टड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 11-1-1975

मोहर :

प्रकल बाह्र . टी . एन् . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाइ

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, सम्बर्ध

बम्बई, विनांक 11 जनवरी 1985

निवेश सं० माई०-1/37 ईई०/2576/83-84-मतः मुझे, ए० लहिरी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्ति, जिसवा उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० युनिट नं० 218-ए जो दूसरी मंजिल शह एण्ड नहार इण्डस्ट्रीयल इस्टेट ए-1 सीता राम जाधव मार्ग लोधर परेल बम्बई-13 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधित श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रीधकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है ला खि 8 मई 1984

कर पूर्वोक्त सपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप में किथन नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धावत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे धचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों का जिल्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ष्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मै॰ शहा एण्ड नहार एसोसिएट्स।

(ग्रन्तरक)

(2) कुमारा नहार हिम्पल सुखराज (माइनर (।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के शर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के शायपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-द्व किसी अन्य व्यक्ति ब्रवारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम जिस्ति में किए जा सकारी।

स्पक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पश्चों का, जो उक्त गिंध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, पही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनत ची

युनिट नं० 218-ए॰ दूसरी मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रीयल इस्टेट ए-1, सीताराम जाधव मार्ग, लोभर परेल, बम्बई-13 में स्थित है ।

प्रनुसूची जैसा कि कम सं० प्राई०-1/37 ईई०/2335/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 8 मई 1984 को राजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-1 यस्बई

तारीख: 11-1-1985

मोहर:

प्रस्प बार्ड . धी . एन . एस . ------

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

वस्यई, विनोक्त 11 जनवरी 1985

निदेश सं० भाई०-1/37 ईई०/2585/83-84-- मतः , मुझे ए० लहिरी

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हों), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 803 जो बिस्डिंग नं ० ए॰ भागवानी को ० धापरेटिन हाउँ जिंग सोसाइटी लि० इंकन काजने रोड, जूना भट्टी, बस्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में धीर पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रामकर धिनियम 1961 की धारा 269 क ख के धीन बस्बई स्थित सक्तम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 8 मई 1984 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपात बाजार मूच्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाबार मूच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से बिधक हैं और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तस पामा गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं ——

- (क) अन्तरण ते हुई किसी जाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीत कर दोने के उसरप्क व दायित्व में कमी करने या उससे स्थाने में मृजिथा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी अब या किसी धन या अन्य अस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आवकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना श्राहिए था, छिपाने में स्थिधा के लिए.

अत: अत, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग्म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म्म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एयाम कुमार हंसानन्द गेही।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री महेश कुमार बी० पारेख ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया जुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिगः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्वयं करणः -- इरूमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो जकता अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्द्र वी

फ्लैट नं 803 जो बिल्डिंग नं ए भागवानी को श्रापरेटब हाउसिंग सोमाइटो लिमिटेड इंकन काजेबोड चूनाभट्टी बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम स० अई०-1/37 ईई०/2432/ 83-84 और जो सञ्जम प्राधिकारा बम्बई ब्रारा दिनांक 8 मई, 1984 को रजिस्टड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायत आयक्त अव्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, वस्बई

ता**रीय** : 11-1-1985

मोहर:

प्रस्प नाइं.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्चना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 11 जनवरी 1985

निर्वेश मं॰ ब्राई॰/37ईई/2587/83-84---ब्रतः मुझे, ए॰ लहिरी,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सें० फ्लैट नं० 102, जो विकास बिल्डिंग जंक्शन, श्रॉफ ग्रनंत गणपत पवार, लेन, श्रीर जिंचपोकली कास रोड, भायखलगा, बम्बई-27 में स्थित है (ग्रींए इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) है एजिस्ट्रीकर्ता के के कार्यालय बम्बई, में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधी न /ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रीधिनियम 1961 की धारा 269 कखं के श्रधी न बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनां क 8-5-1984

को पूर्वित सम्मित्त के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूझे यह विद्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितिवारें) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम वापा नया प्रतिफल, निय्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गमा है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सविधा के लिए; और विश
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना सनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) खें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुदिशा के लिए:

बत. थव, जब्स अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत:—— 25—466GI|84

- 1- श्री श्रार० टी० मेहसा, कन्स्ट्रक्शन, कंपनी। (अन्तरक)
 - श्री मालती श्याम मेहलीत।
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्ह सम्मतित के नवीन के सम्बन्ध में कोई भी बाहोप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर स्वस्ताओं में वे किसी स्वक्ति इवास्त;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीकु से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपरित में डिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के पान जिल्ला में किए या नकीने।

स्वकातिकरण ----- इसमें प्रयोक्त गार्की गाँउ पर्योक्ता, जो जन्म अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा क्या है।

जन्सूची

फ्लैट नं 102, जो विकास बिल्डिंग, जंक्शन, ग्रांफ भनंत गणपत प्वार लेन ग्रेंर चिचपोकली, क्रांस रोड, भायखला, सम्बद्द-27 में स्थित है।

भ्रनुसूचो जैसा कि ऋ० सं० भ्राई-1/37ईई/2338/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोक 8-5-1984 की रजिस्टर्ड] किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, ब्र^{म्}वई

तारीख: 11-1-1985

मोहर :

अक्टूबाई. टी. एन. एस. ----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बभीन स्वमा

भारत चडुकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निवेश सं० माई०-1/37ईई/2588/83-84—मतः मुझे, ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम 1,961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बाधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाय करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 504, "नितिन" 5 वां माला, श्रनर्रत गणपत प्यार लेन, चिचपोकली, काम रोड, बम्बई-10 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 कक्ष के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय म रिजस्ट्री है दिनांक 8-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूक्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीसिंखत उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक हम से किया गया हैं

- (क) अन्तरभ वे हुई किसी बाय की बायत, उपस् मिनियम के अभीन कर बोने के अंतरण के दाबित्य में कमी करने या उससे दबने में सुविधा के लिए, आर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्ध जास्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तीरती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

जतः अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण। माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्मात् र—

- 1. श्री भ्रार० टी० मेहता, कन्स्ट्रक्शन, कंपनी (भ्रन्तरक)
- 2 श्रीमती मंगला, ललिल कुमार जैन, (धन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील स 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

वनसंची

पट फ्लैट नं० 504, नितिन, मनंत] गणपत पबार लेन, चिचपोकली, कास रोड, भायकला, बम्बई-10 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-1/37ईई/2339/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, ढारा दिनांक 8-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरो, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 11-1-1985

मोहर 🤨

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

नायकर मुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, वस्यई

भम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

कायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 25, जो ग्राउन्ड फ्लोग्नर, ए-1 ब्लाक, धनराज इंडस्ट्रियल, इस्टेट, सन फिल रोड, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध प्रनुपूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारों के कार्यालय बम्बई, में र्राजस्ट्रीकरण श्राधनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनयम 1961 की घारा 269 कला के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रो है दिनांक 8-5-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उनित मानार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास सरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उजित का सावार शूल्य, उसके ध्रमान प्रतिफल से होसे ध्रमान प्रतिफल के एसे ध्रमान प्रतिफल के प्रमान प्रतिफल के विर्तितों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्षा, निम्नसिशित उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित में शास्त्रिक क्य से किथत नहीं किया क्या है ध्रमा

- (क) अन्तरण सहूर किसी बाय की अध्या, अवस अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्य मो कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी भन या जन्य जास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया बाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए;

अतः अज्ञः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् ।:—

1. मसर्स खंडेलवाल द्रेडर्स, ।

. (मन्तरक)

2. मैंसर्स इलेजन्ट ट्रेडर्स

(भ्रन्सरिती)

भन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्तिहै)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया शरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इ.स. स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकरें।

स्पध्दीकरणः -- इसमं प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को सन्दर्भ अधिनिवस को अध्याय 20-क में परिभाजिन हुं, दही अर्थ होगा को उस अध्याद में दिया गया है।

धनुसूची

यूनिट नं० 25, ग्राउन्ड फ्लोग्नर, ए-1, ब्लाक, धनराज इंडस्ट्रियल इस्टेट, सनमिल रोड, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है। ग्रनुसूत्री जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-1/37ईई/2434/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 8-5-1984 से को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्स आयुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 11-1-1985

मोहर 🖞

प्ररूप आई. टी. एन ु एस.- ----я

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्थना

शारत तरकाह

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निहासक) अर्जन रेंज--1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्राई०-1/37ईई/2593/83-84—म्झतः मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० माला नं० 107, जो, 1 ली मंजिल, ए-2 बिल्डिंग, शहा एण्ड, नहार, इंडस्ट्रियल, इस्टेट, लोभर परेल, बम्बई-13 में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बिणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारों के 'कार्यालय बम्पई, में रिजस्ट्रीकरण भिधनियम 1908 (1908 का 16) के भिष्ठीन भौर जिसका करारनामा भायकर भिधनियम 1961 की धारा 269 कल के भिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनाक 8-5-1984

को प्याक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृस्य से कम क ध्ययान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्ययमान प्रतिफल का प्रमुह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्दरण के लिए तय पामा गया प्रति-फल निकासिक्त उद्विषय से उक्त बंदरण निकास में बास्तरिक क्य से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण में हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कड़ दोने के अन्तरक के ब्रायित्व में कमी करने या उससं बचने में सुविधा के निए; ब्राष्ट्र/द्या
 - (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोख-नार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया आना जाहिए था कियाने में सुविधा के सिग्रहें।

भतः भव, उक्त माभिनियमं की भारा 269-ग के मनुसर्ग मं, मं, उक्त मिभिनियमं की भारा 269-म की उपभाय (1) के अभीना निकालिखित न्यमितमाँ । अभीत् धिन्न 1. धनराज मिल्स प्रायकेट लिमिटेड,

(ग्रन्तरक)

- 2. यूनिटेक कारपोरेशन पार्टनर्स (मुमताझ हुसेन शेख) घौर
 - (2) भी इमिताझ हुसेन, शेख ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्छ व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है ।

अनुसूची

——माला नं ० 107, जो 1 ली मंजिल, ए-2, बिल्डिंग शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, लोगर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि कि अई-1/37ईई/2347/83-8-भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनोक 8-5-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरो सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जंन रेंज-1, नम्बर्ध

तारीख: 11-1-1985

मोह्य 🖫

गया हैं ः---

प्ररूप काई, टी, एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्पना

भारत सहकाड

सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य

25,000/- र. से अधिक हैं
शीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 12, जो, 3रो मंजिल, "दि ओनर्स हाउस को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, कोलीवाडा (पू०), बम्बई-22 में स्थित हैं (शीर इससे उपायड अनुसूची में शीर पूर्ण रूप में विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रोकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 को धोरा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 7-5-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिएमुके यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, एसे दूर्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और

अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेग से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया

- (क) बंतरण तं हुई किसी बाब की बाबत, जक्त बीधीन्यम के बधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (क) एसी किसी जान या किसी धन या जन्म जास्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयक ए ज्ञिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;
- बत: बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के बृत्सरण को, में उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :---

1. श्रीमती सतवंत कौर ग्रमिर सिंह

(भ्रन्तरक)

2. 2. श्री गुरविन्दर सिंह, जसवंत सिंह, श्रीर श्री सतपाल सिंह जसवंत सिंह।

(श्रन्तरिती)

मन्तरितियों ।

(बहु व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह त्यमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्सि के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुएं।

बक्त स्म्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस, सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी विश्वित में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्घ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विष गया है।

मनुस्ची

फ्लैट नं 12, जो, 3 री मंजिल, "दि ओनर्स हाउस को-म्राप० हाउमिंग सोसायटी लिमिटेड", प्लाट नं 169, कोलीवाडा (पू०), बम्बई-22 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि क० सं० धर्ड-1/37ईई/2204/83-84 धौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-5-1984 को रजिस्टड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज-1, बम्बई

ि दिनांक 11-1-1985 मोहर ं श्ररूप काइं.टी.एन.एस. -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत तरकार

कार्यातय, सहायक बायकार वायुक्त (गिर्दोक्षण)

मर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी, 1985

निदेश मं० ग्रई०-1/37ईई/2600/83-84—ग्रतः मुझे, ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्स, जिसका जीवत बाजार मून्य 25,000/- का. में अधिक हैं , प्रीर जिसकी संव्यूनिट नंव 219-बी, 2 रा माला, शहा प्रण्ड वहार इन्डस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, सिताराम, जाधव मार्ग, लोग्नर परेल, वम्बई में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बणित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान/श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनयम 1961 को धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिनांक 7-5-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उंचित बाजार मूस्य से कम के सम्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया चया है:—

- (क) जनसरण संहुई किसी जाब को बाबत, उक्त जिस्तियम के अधीन कर दोने के जनसरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के लिए; जार/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी घन या जन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ती हिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस स्थितियाँ, अधित हु--- शहा एण्ड नहार एसोशिएट्स, ।

(भन्तरक)

2. नहार भजय कुमार सुखराज (मायनर)। (भन्तरिती)

को यह सूचना वारी कारके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के सिध् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में नोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि कार्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्टित में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनु पू वो

यूनिट नं० 219-बो, 2 रा माला, शहा एण्ड नहार इन्डस्ट्रियल, इस्टेट, ए-1, सीताराम जाधव मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-1/37ईई/2205/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 7-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 11-1-1985 मोहर:

प्रस्त्र वार्ड. टी. एन. एस. - -

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुषता

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक बायकर बायुक्त (विरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनोक 11 जनवरी 1985 निदेश सं० ग्रई०1-37ईई/2601/83-84—प्रतः मुझे, ए० लहिरी

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कौ भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1349, जो बिल्डिंग, नं० 47, एम० श्राय० जी० नगर, बरली, बम्बई-25 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन/श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रीधकारी के कार्यालय में र्राजस्ट्री है दिनांक 7-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया नया है:—

- (क) बन्तरण में हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के संस्थित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और√वा
- (ख) एेसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियां को, जिन्हों भारतीय बायकर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधनियम या धनकर बिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए
- बतः बदः, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-च के छन्स्रक मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नजिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

1. श्री के विव कुलकर्णी।

(ग्रन्तरक)

2 श्री मुस्तान के०टी० कागलवाला।

(भ्रन्तरिती)

3. भन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

 एम० न्नाय० जी० नगर को-न्नाप० हार्जीसग सोसायटी लिमिटेड ।

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रष्टोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्वकाष्टिकरणः — इसमें प्रमुक्त कट्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ववा है।

अन्स्ची

फ्लैट नं० 1349, जो बिल्डिंग, नं० 47, एम० स्राय० जी० स्रावर्श नगर, बरली, बम्बई-25 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कि के सं० भ्राई-1/37ईई/2206/83-84 भ्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्राग, दिनांक 7-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लॉहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजैन रेंज-1, बम्बई

विनांक 11-1-1985

मोहर :

प्रक्ष आइं.टी.एन,एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निर्वेश सं० श्राई-1/37ईई/2602/83-84--मतः मुझे, ए० सहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 15.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ध्राफिस नं० 19, जो 8 वीं मंजिल, बिल्डिंग, नं० 3/819, नवजीवन सोसायटी, लेमिग्न, रोड, बम्बई-8 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ध्रिधकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण ध्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ध्रीर जिसका करारनामा ध्रायकर ध्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 7-5-1984

प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय ह्वली में धारा 269 ए. की. के अन्तर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मुख के पास रिजस्ट्री-कृत किया गया है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवींकत सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अम्तरण लिखित में घास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उच्छ अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाधित्व में कमी करने मा उक्को वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तिकों का, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या भनकर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्निरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसा जाना चाहिए था, खिमाने में सविधा के लिए;

भतः मन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित स्मिनियों, अर्थात् के

- ू1. श्री देवेन्द्र एन० शहा, श्रीर श्री विजय रतीलाल शहा। (भ्रान्सरक)
 - मैंसर्स अटो ग्रार्टस प्रोप्राइटर: श्रो सेवंती लाखबी० ग्रहा।

(भन्तरिती)

3 प्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्तिहै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां सूक्त करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राषपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के एक तिचित में किए जा सकाँगे।

स्पच्छांकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं हैं, वहीं अर्थ कृषा, जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

धनुसूची

ष्माफिस नं० 19, जो 8 वीं मंजिल, बिल्डिंग नं० 3/819, नवजीवन सोसायटी, लेमिग्टन, रोड, बम्बई-8 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-1/37ईई/2207/83-84 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी , संहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज-1, बम्बई

विनांक 11-1-1985 मो**इ**र**ः** ा भारता प्रशासकार के प्राप्त के प्रति है । प्रति प्रति । प्र

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-6, बम्बई बम्बई, दिनोक 11 जनवरी 1985 निदेश सं० आई०-1,37ईई,2609,83-84— अतः मुझे,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 202, जो 2री मंजिल, जमुना निकेतन, मानव मंदिर, रोष्ट, बम्बई-6 में स्थित है

(भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन भीर जो जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 7-5-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हम्म

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जिस्तियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उपस्थे बचने में सुविधा के लिए; अपर/या
- (था) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तिया को जिन्हों भारतीय आधकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिनाने में सूविधा के लिए।

अतः अबः,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 5—466GI/84

- श्री श्रोम प्रकाश नवानी, श्रीर फुल श्रोम प्रकाश नवानी। (अन्सरक)
- 2. श्री किर्ती कांतीलाल जैन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षम के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्दाक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकरें।

स्पच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्ची

पलैट नं ॰ 202 जो 2री मंजिल, जमुना निकेतन, मानव मंदिर रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० आई-1/37ईई/2214/83-84 धौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-5-1984 को रजिस्टर्ड, किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-6, बस्**यई**

दिनांक : 11-1-1985

मोहर 🗓

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जनवरी, 1985

निदेश सं० आई०-1/37ईई/2610/83-84---अतः मुझे, ए॰ लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृच्य 25,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० आफिस प्रिमायसेस नं० 614, जो, 6 वी मंजिल, मैंजेस्टिक, सेंटर, 144, जें० एस० एस० रोड, बम्बई-4में स्थित है (श्रीर इससे द्भुपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) करारनामा आयंकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के क मेंर्जि स्ट्री है दिनांक 7-5-1984

को पूर्विति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती बन्दरितियों) के बीच ऐसे धन्तरक के लिए तब पाया गया प्रतिफल, जननिर्विक बहेर में लक्ष्त धन्तरण लिखित में वासा-विक कर म प्रतिक न न किया बना है:--

- (क) प्रश्तरण से हु⁵ कियो धाय की बाबत कर। प्रश्चि-विवर्ष के संजीत कर दन के प्रश्तरक के वादित्व में कथा करन या उससे बचन में सुविद्या के किए। सीर'या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदन अधिनियम, ए। धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिख्याने भें सुविधा के लिए;

जत: अब, उन्ते लाभिनियम को भारा 269-ग के जनसम्ब में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निकालिखित व्यक्तिकों, सभीत् :---- 1. मैसर्स रमणिकलाल एण्ड सन्स।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मिना बी० मेहता।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृशाँकत सम्परित के अर्थन के अर्थ कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्मित्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर म्यान्त अधिक विवास में से किसी भ्यक्ति ववारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्कीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

नगुसूची

आफिस प्रिमायसेस नं० 614, जो 6वीं मंजिल, मैजैस्टिक भाषिग, सेंटर, 144, जे० एस० एस० रोड, बम्बई-4 में स्थित है।

अनुचची जैसा कि ऋ० सं० आई-1/37ईई/2215/83-84 श्रीरजो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-5-1984 को रजिस्टर्ड, किया गया है।

> ए० लहिरी मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, **बम्बई**

दिनांक 11-1-1985 मोहर:

प्रकल बाह्". टी. एव. एव . ------

भागकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बुधीन सुभाग

बारल सरकाड

कार्यालय, तहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं अई-1/37ईई/2623/83-84--अतः सुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं आफिस नं 112, जो बिल्डिंग, नं 4, नंबजीवन सोसायटी, लैमिन्टन रोड, बम्बई-8 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बिणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 का के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 7-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान (पितफार के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास) करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार यून्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गास्तरिक रूप से किया नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण ते हुइ किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बारियल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (थ) एसी किसी नाय या किसी धन या नत्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नामकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) अं प्रयोजनार्थ अन्तौरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

्री अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिवित व्यक्तियों, अवाँत् हिन्स 1. श्री चुन्नी लाल जमनादास कपाडिया ।

(अन्तरक)

- 2. श्री ललित एम० रताडिया, श्रीरश्री लालचन्द जी० जैन (अन्तरिती)
- 3. अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उस्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की सबधि या तत्सम्बन्धी अधितयाँ पर स्वना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी तबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्र की

आफिस नं 112, जो बिल्डिंग, नं० 4, नवजीवन सोसायटी, लैमिंग्टन रोड बम्बई-8 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि क० सं० अई-1/37ईई/2225/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी संक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-!, **बम्बर्ड**

दिनांक: 11-1-1985

मोहर:

प्ररूप आ**र्ध**ः टी*् एम*् एसः -----

बायकर अर्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० अई०-1/37ईई/2633/83-84--अतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ए. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं आफिस प्रिमायसेस नं 28, जो 11वीं मंजिल, नवजीवन सोसायटी, लेमिन्ग्टन रोड, बम्बई-8 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 काल के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 16-5-1984

को पूर्विक्त सम्मित्न के उच्चित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विवत सम्पित का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नोलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्ट्रिक रूप से किथा नहीं किया गया है है—

- (क) क्रारण वे हुई किसी बाव की वावत, उक्त अधिनियम के क्षीन कर वेने के अस्तुरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्षाने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अब उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरक स , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) इ स्थीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, जभात हि—

- 1. (1) श्रीमती जगदीश कुमा जे खन्ना,
 - (2) श्री किशनचन्द श्री० मेहरा श्रीर
 - (3) श्रीमती कमलावती के० मेहरा

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री सुधिन्द्र एस० ज्ञानी,
 - (2) मास्टर मिलिन्द एस० ज्ञानी, श्रीर
 - (3) मास्टर मनिष एस० ज्ञानी
 - (4) श्री एस० एस० ज्ञानी।

(अन्तरिती)

कों ग्रह सूचना बारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियों कारता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकी।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ते अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सन संची

औंफ़िस त्रिमायसेस, नं० 28, जो 11 वी मंजिल, नवजीवन को-आपरेटिव, हाउसिंग सोसायटी लैमिन्ग्टन, रोड, बम्बई-8 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फ० सं० अई०-1/37ईई/2264/83-84 शौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 ; बम्ब्र्स

दिनांक : 11-1-1985

मांहर:

प्ररूप आई टी. एन. एस.-----

अध्यक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-1, अस्वर्ध

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० अई०-1/37ईई/2637/83-84--- अतः मुझे, ए० लाहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के विशेष सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 000/- रु. से अधिक हैं

ष्रौर जिसकी स० फ्लैट न० है, 202, 2रा माला, विना-बिना अपार्टमेन्टम, ए० डी० मार्ग शिवरी (पश्चिम), बम्बई-15 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में भौर जो पूर्णे रूप से विणित है) भौर जिसकाा करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कल के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 16-5-1984

को पूर्वो क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित क्वी गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स, एस व्ययमान प्रविफल का पन्हह भौतशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जंतरण के निए द्वय पाया गाराफस, निम्निनिकत उद्देश्य से उक्त अंतरण कि बिन में शास्तिक रूप से किया गया है:---

- (का) विकरण ये हुइ किसी नाम की नावस, उपस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरिक के दायित्व में कभी करने या उससे वसने में सुविधा के सिए; जॉर/दा
- (N) ऐसी किसी नाथ या किसी भन या नम्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय नायकर निभिन्यमें, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्यमें या धनकर निभिन्यमें या धनकर निभिन्यमें या धनकर निभिन्यमें या धनकर निभिन्यमें, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया वा या किया धाना वाहिए वा छिपाने वें स्विधा के निए,

अतः गय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

1. मैसर्स विना-विमा, एटरप्राइजेस,

(अन्तरक)

 श्रीमती सिताबाई, मनमल गहा भौर श्री जयन्ती लास एम० गहा ।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिभ या तत्सम्बन्धी क्योक्तयों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ बा भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यों में से किसी व्यक्ति ख्यान
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उबन स्थावर सापांचा भी दिन बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किया में किया जा सकते ।

स्पायक्तीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुष्यी

पर्लंट नं ० ई-202, 2रा माला, विना-बिना अपार्टमेन्टस, ए ० डी० भागें, शिवरी (पश्चिम), बम्बई-15 ।

अनुसूची जैसा कि क० स० अई-1/37ईई, 2267/83-84 भौय जो सक्षम बाधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० ला**हिरी** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) **अर्जन रे**ंज-6, **बम्बई**

विनौक : 11-1-1985

मोह्नर 🛭

प्ररूप. अरहाँ, टी. एन. एस. - - - -

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के नधीन सुणना

भारत नामकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज-I, बस्बई

• अम्बई, दिनोक 11 म्नवरी 1985 निदेश सं० आई०-1/37ईई/2638/83-84--अतः मुक्के, ए० लहिरी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 404, जो 4थी मंजिल, विग-ए, विना बिना अपार्टमेन्टस, ए० जी० मार्ग, सिवरी, (प०), वम्बई-15 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणित है) जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 16-5-1984

को पूर्वित्व सम्पन्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मृसे यह विश्वास करने के कारण है कि सथापूर्विक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का गंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अतरितिया) के बोच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक्त हम्म के किया नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण संहुदं िकती नाथ की वावत, उक्त कोचितियम के अधीन कार दान के अन्तरक की वायितय को कभी करने या असस प्रचन में सुविधा वे निया और/बा
- (अ) एंसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, खिपान में सुरेश की सिहा;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निर्मालिखत व्यक्तियों, नर्थात् — 1. मैसर्स बिना बिना एंटरप्राइजेस, ।

(अन्तरक)

2. शीमती फरीबाबानू, एम० चांविवाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्बन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्वना क राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्थ किसी बन्य व्यक्ति ध्वारा, वशोहस्ताक्षरी के पास विविच में किए जा सकतें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्यायं 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन संची

क्सीट नं॰ 404, जो 4 थी मंजिल, विश्व ए, विना बिना अपार्टनेन्टस, ए॰ डी॰ मार्ग, सिवरी (प॰), बम्बई-15 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-1/37ईई/2268/83-84 भीर जो सक्तम प्राधिकारी बम्बई द्वारा धिनांक 16-5-1984 को रजिस्टड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) वर्षण रेंग-७, बम्बई

दिनांक: 11-1-1985

मोहर 🔒

प्रक्ष काइ". टी., एस. एस.,--------

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के अधीन सुचना

भारत तरुकार

कार्यालय,, सहस्यक भागकर नामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-!, बम्बई बम्बर्ष, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० अई०-1/37ईई/2641/83-84--अत: मुझे, ए० नाहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त भिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 11, जो 1ली मंजिल, "पिटर मार्सेल" बिल्डिंग, प्लाट नं० 941, भीर 941 -ए, प्रभादेवी बम्बई में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विजित हैं) भीर निसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है विनांक 16-5-1984

को प्रवेषित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान असिफल के लिए बन्तरित की गई हैं और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निक्निलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तिक क्य से क्यित क्यें वास्तिक क्य से क्यित में

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाग की बाबत, उक्त जिथिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के बामित्व में कमी करते या उत्तसे बचने में नोवधा के सिए; कीर/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कार आधानयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त और्धानयम. या धन-कर ऑर्धानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

्र कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियप्र की धारा 269-घ का उपधारा (1) के अधीन, निस्तीलिका व्यक्तियों, सुर्वात ह— 1. मैसर्स काशीहोम, बिल्डर्स

(अन्तरक)

 श्री जयन्त कृष्णाजी आठवसे, भौर श्रीमती ससिता जयन्त आठवसे।

(अन्तरिती)

को यह तुमना चारी करके प्रांचन संपत्ति के अपन क हला। कार्यनाहियां करता हो।

उमत सम्मरित को अर्जन के मक्त्र मा कोले की काओन

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व है 45 दिन की अविध या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों क सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख़ के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति सुत्रार भ तेल्याए की प्रकार लिखित में किए का स्कोंगे।

स्पक्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कर्या और पड़ों का, को उक्प अभिनियम के अध्याय १११-क में परिश्राधित हीं, कही क्षी होगा को एक कान्य के जिल, एका ही।

प्रनुसूची

प्लैट नं० 11, जो 1 ली मंजिल, "पिटर मार्सेंल" बिल्डर्स, प्लाट नं. 941 फीर 941ए, प्रभादेती, बम्बई-25 में स्थित है। अनुसूची जैना कि क० मं० अई-1/37ईई/2270/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई तारा, दिनांक 16-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी स**हायक** आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अ**र्जन रे**ंज-I, **बस्बई**

विनांक : 11-1-1985

मोहर 🎄

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज, 6, बम्बर्ड बम्बर्स, दिनांक 11 जनवरी, 1985

निदेश सं श्रई०-1/37ईई/2646/83-84---अतः मुझे, ए० लहिरी

आप्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं आफिस प्रिमायसेस नं० 413, जो अनन्त दीप चेंम्प्रसें, नरसी नाया, स्ट्रीट, भात बाजार, बम्बई-9 में स्थित हैं भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कल के अधीन धम्बई, स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 16-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्चोंक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से करियां महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्ननिधित व्यक्तिमों, अर्थात् :--- 1. श्री नन्शी रणमक्ष शहा।

(अन्तरक)

2. मैसर्स भी राम एजेम्सी

(अन्तरिती)

3. मैसर्सं श्री राम एजेन्सी।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. मैसर्सं श्री राम एजेन्सी।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध क्षाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी ब्रन्य विकत द्वारा अधोहस्स्याक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकोंगे।

अनुसूची

आफिस प्रिमायजेस, नं० 413, जो 4थी मंजिल, अनन्त वीप चेम्बर्स, नरसी नाथा स्ट्रीट, भात बाजार, बम्बई-9 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-1/37ईई, 2442/83-84 घौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-5-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 11-1-1985 मोहर 🖫 धारूप नार्वं .टी .एन .एस . ------

नायकर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (विरीक्षण)

ं प्रजैन रेंज-I, बम्बई बम्बई, विनांक 11 जनवरी, 1985 निवेश सं० प्रई-1/37ईई/2654/83-84—मृतः

ए॰ लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 11, विजयानन्द की-श्राप० हार्जिसग सोसायटी, लि० प्लोट नं ० 267, किस्म नं ० 6, रोड, नं ० 31 सायन बम्बई-22 में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन/श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री विनांक 19-5-1985

पूर्नोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रितिक के लिए अन्तरित की गईं है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिश्चत उद्वेषय से उस्त अन्तरण कि बिह में वास्तविक रूप से किया नहीं किया नया है है—

- (क) बलारण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त विधिनियम के वधीन कर दोने की सम्तरक के . दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; बॉर/या
- ंश) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हु भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविभा के लिए,

् झतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तिस्यों अर्थातः—

27-466G1/84

1. श्री भानुगंकर, रेवागंकर, विवेषी।

(ग्रन्तरक)

2. मा नाराणजी सास जी खोना, मौर प्रताप राय, लाल जी खोना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए जा संकी।

स्वव्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रनुसूची

फ्लैट नं० 11, जो विजयानन्द को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोमायटो लि०, प्लांट नं० 267, स्कोम नं० 6, रोड, नं० 31 सायत वम्बई-22 में स्थित है।

श्रन्सूचो जमा कि कि सं श्राई-1/37ईई/39 दिम्डयू/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 19-5-1984 को रजिस्टड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

विनांक: 11-1-1985

मोहर :

इक्स नार्षः टी., एन. एषा ------

क्षंप्रयक्तर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

त्रारत सरका€

कार्धालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जनवरी, 1985

िनदेश मं० श्राई०-1/37ईई/2659/83-84---ग्रनः मुझे १० व्यक्ति

ए० लहिरो

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्मति, जिनका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलट नं० 2, जो 2 रो मंजिल, किस्मत पार्क हाउम, वूड हाउम रोड, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है (ग्रीर इससे उगाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है रिजस्ट्रीकर्ना ग्राधिकारों के कार्यालय वम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक/ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनाक 20-5-1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृस्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह प्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एमे इश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्मण्य से हुई किसी बाब को बाबत, इक्ट किमिनियम के कभील कर दोने के कन्दारक के बायित्व में कमी करने या उत्तर बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां क्यें जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने जैं सुविधा के निए;

नतः नव, उपस लिधिनियम की धारा 260-ग ऋ जन्सरण माँ, मौँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के पधीन निम्निनिया व्यवितयों, अधित :— श्री श्रत्केड, जान सोसा त्यूईस, श्रीर श्रीमती एफ० ए० सर्वेझा, त्यूईस ।

(भ्रन्तरक)

2. क्पारी फिरोझा, एस० मेहता,

(भ्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरकों ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्तिर)

को बह स्थना जारी करके पूर्वोवत सम्पत्ति के अर्जन के अप् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

सबत सम्पत्ति को बर्जन को संबंध में कोई भी जाक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्थ किसी अन्य व्यक्ति इसारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्सिस में किए जा सकोंगे।

स्थक्कीक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पृष्टिभाषित हैं, वहीं अर्थ हरेगर को उस अध्याय में दिया स्था हैं।

अनुसुची

पर्लंट नं० 2, जो 2 रो मंजिल, किस्मत पार्क हाउस 81, वूजहाउस, रोड, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-1/37ईई/75 डिम्डग्र/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-5-1984

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी महा क श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 11-1-1985

को रजिस्टर्ड किया गया है।

मोहर:

४७५. बार्'ु टी.; एत्. एत्. : -----

नायकर निधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सुचना

भारत सरकारु

कार्यास्य, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-1, वस्वर्ड

बम्बई, दिनाक 11 जनवरी, 1985

निदेश स० आई०-1/37ईई/2655/83-84--- प्रतः मुझे ए० लहिरी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ौर जिसकी में प्यूनिट नं 203 जो 2 रो मंजिल, किएटीव्ह, इडस्ट्रियल सेंटर, लोग्नर परेल, डिबीजन, बम्बई-11 में स्थित हैं और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूण रूप में बणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय बम्बई में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन और जिसका करारनामा आयकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रीधन बम्बई स्थित सक्षम श्रीधकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनाँक 16-5-84

को प्रांचित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथा प्रांवित सस्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं पाया गया है :---

- (क) अंतरण स हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के शिथित्व में कमी करन या उससे बचन में सुविधा के तिए; जौर/या
- (क) एसी कियी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने हें हिया के सिष्

भारा अन्न उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, की, शक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

1. मैसर्स यस्मिन कारपीरेणन

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स श्रीधर इंजीनियरिंग वर्क्स,

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त रम्परि के अर्जन के गंबध में करेड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यक में प्रकाशन की सारी सं से 45 दिन की अवधि या तत्स्य की व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त ज्याकता में से कि नी व्यक्ति द्यारा;
- (का) इस सूचना के राज्यत्र भें प्रकाशन की तारांख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का सकेंगे।

स्थण्डोकारण: -- इमम दन्तत शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

कर संख्यी

यूनिट नं० 203, जो 2 री मंजिल, ऋिएटीव्ह इंडस्ट्रियल सेंटर, एन० एम० जोशी मार्ग, श्राफ लोग्नर परेल, डिवीजन, बम्बई-11 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कि स० श्राई-1/37ईई/2448/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 16-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-1, बम्बई

विनांक 11-1-1985 मोहर

बाल नार्वेच सीच स्टब्स्ट स्थाः -----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुन्ता

भारत सरकाड

कार्याक्षय, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज 1, बस्बई बस्बई, दिनांक 11 जनवरी, 1985

निदेश सं० ग्राई-1/37ईई/2660/83-84--- मतः मुझे ए० लहिरी

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के निधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बंजार मृत्य

25,000/- रह. से **अधिक है** भीर जिसकी सं० फ्लट नं० 102, जो "नितिन, बिल्डिंग", बम्बई-27 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचों में श्रीर जो पूर्ण रूप से वीणत है) रिजस्ट्रोकर्ता श्रीधकारा के कार्यालय बम्बई में एजिस्ट्रोकरण श्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधोन श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर 1961 को धारा 269 कथा के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रो है दिनांक 16-5-1984 क्ये पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिकल से, एसे दर्पमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक **इन्य से कथित नहीं किया गया है:--**

- (क) जंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जाभानयन के नर्भात कर यान के अन्तरक के बायित्व में कभी कड़ने या उस्से ब्यूने में सूब्भित के निष्; बार्-या
- (क) ऐसी किसी बाब, वा किसी धन वा बन्य आस्तिनों को जिन्हों भारतीय आयकार निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ बन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

बतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नसिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- श्री भार० टी० मेह्ता, कन्स्ट्रक्शन, कंपनी (भन्सरक)
- श्रीमती शांती बाई एव० जैन, भौर इस्तीमल एस० जैन।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की बामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीं के 45 किन के शीतर अकत स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास लिकित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है वही धर्य होता जो उस ग्रध्याय में दिया स्याह⁸ी.

अनुसूची

फ्लैट नं ॰ 102, जो, "नितिन, बिल्डिंग", जंबशन, झाफ धनन्त गणपत पवार लेन, श्रीर चिचपोकली कास रोड, बम्बई-27 में स्थित है।

भ्रनुसूचो जैसा कि कि के सं० भाई-1/37ईई/2450/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1*6-5*-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रेंज-18 वस्बर्ध

दिनोक : 11- -1985

मोहर 🤋

प्रकम बार्षः, टी., एन., एस.-----

मायकर मिंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को मधीन सूचना

मारव चरकार

कार्यासय, संहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिण) श्रर्जंन रेंज-1, बस्बर्ड

बम्बई, विनांक 11 जनवरी, 1985 निदेश सं2 भई०-1/37ईई/2665/83-84—अतः मुझे ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), उन्ने भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसको सं० धाफिस नं० 110, जो बिल्डिंग, नं० 4, नव-जीवन सोमायटी, लेमिग्टन, रोड, बम्बई-8 में स्थित है (और इससे उपाबद धनुसूची में और जो पूर्ण रुप से बणित है) रिजस्ट्री भौर जिसककरारनामा आयकर धिर्मियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है धिनांक 16-5-1984

को पूर्वांक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृक्षे यह विश्वास करने क्य कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्य का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से विश्वत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन करंद दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ए'सी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (192? वा 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के किए:

. वतः जव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण रूमें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) र के वसीन, निष्निचित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— 1. श्रीमती हंसाबेन, चुनीलाल कपाडिया।

(मन्तरक)

- 2. (1) श्रो लालचन्द जी, जैन, श्रीर
 - (2) श्री ललित रटाडिया।

3 अन्तरक

वह व्यक्ति जिसके अधिधो ग सम्पति है

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध म कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (प) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम निस्ति में किए जा सकों ने।

स्यष्टीकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विगा गया हैं।

नन्सूची

भाफिस नं ० 110, जो बिल्जिंग, नं ० 4, नवजीवन सोसायटी वैभिंग्टन रोड, बम्बई-8 में स्थित हैं ।

धनुसूची जैसा कि कि सं प्रई-1/37ईई/2455/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 16-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० ल**हिरी** स**क्षम** प्राधिकारी स**हा**यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्**ष)** शर्जन रेंज-1, *बस्स*है

दिनीक 11-1-1985 मोहर ध प्रकृष ताहुँ, ती, सूम एस, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश मं० ग्रई -1/37ईई/2668/83-84--ग्रतः मुझे, ए० लोहरी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसको मं० फ्लैट नं० 44, जो 4थो मंजिल, विनस अपार्टमेट, बिलांगींगग टू ट्वीन, स्टार विनस को-श्रापरेटिय हाउससिंग सोसायटी लिमिटेड, कफ परेड, कुलाबा, अम्बर्ड-5 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) राजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में राजस्ट्री करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन/श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 को धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है विनांक 16-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के व्यक्तियम के कमी करने या उससे क्वते में सुविधा के सिए; बौडः/बा
- (भ) एसी किसी नाय या किसी भन या जन्य शास्तियों को जिन्हें भारतीय नाय-कर निर्मानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना आहिए था, कियाने में स्विधा के सिए;

वतः वन, उनत विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कै, मैं, उनके विभिन्न की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीत , निम्निसिक व्यक्तिकार्यों, नशीत् ६—

1. श्री प्रियाकान्त प्रलहाद राय पारेख,

(प्रन्तरक)

- 2. (1) श्री पनीष एन० वीहरा,
 - (2) श्रीमती गोपा, एम० बोहरा, श्रीर
 - (3) किरण एन० वोहरा।

(श्रन्तरिती)

3. झन्सरक ।

(वह व्यक्ति जिसके भाधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचमा चारी करके पूर्वोक्त स्म्मृतित के अर्थन खें सिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्मत्ति के नर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्रोप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के सै 45 दिन की जनभि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बद्धि बाद में समाप्त होती हो, क भीतर प्रवेक्त व्यक्तिता में में किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं,। बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

नगरा ची

फ्लैट नं० 44, जो 4यो मजिल, विनस श्रपार्टमेन्ट, बिलागरीग टूट्वीत स्टार को-ग्रासरेटिव, हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 40, कफ परेड, कुलावा, बम्बई-5 में स्थित है।

भ्रानुसूची जैसा कि कि सं अई-1/37ईई/2482/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 16-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज-1, बस्बई

वनोक 11-1-1985 मो**हा**र 🛭

प्रकप् बाइ. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत संस्थार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई बस्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० श्रई०-1/37ईई/2669/83-84--भर्तः मुझे, ए० लहिरी

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' काहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-क. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 11, 2रा माला, महेण विला, 85, बी० जी० खेर मार्ग, वरली, बम्बई-18 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 16-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावस्, उपत अधिनियम के अधीन कुट कीने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; आहि/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कि जिम्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपानं में मृतिथा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, जभात :--- 1. मि० हरो मोहन भटनागर।

(प्रन्तरक)

2. मिसेस भ्राशा शैलेन्द्र भटनागर।

(अन्तरिती)

अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्स स्वित्यों में से किसी स्पन्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य स्थावर वृद्धारा अभाहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ज्ञायाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अभ्याय में दिया गया हैं।

वन्स्यो

फ्लैट नं० 11 2रा माला, महेश विला, 85 बी० जी० खेर रोड, बरली, बम्बई-19 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-1/37ईई/2226/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० नहिरो सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, **बम्बई**

दिनाक 11-1-1985

मोह्रर:

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. ------

बायकर बिधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के नधीन सुचना

मारत सरकाह

कार्यासय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी, 1985

निदेश सं० म्रई०-1 37ईई / 2671 / 83-84—मतः मुझे, ए० लहिरो,

जाबकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की मह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० बुकान नं० बी-1, जो शारवा वेम्बर्स, नं० 2 भात बाजार, बम्बई-9 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणित है) भीर जिसका करारनामा भायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वमें रिजस्ट्री है विनोक 16-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित नाजार मूल्य से कम के द्धयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापनाँक्त संपरित का उणित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उष्योध्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्त-बिक कप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण संहुद्दं कियां बाव की वावता, स्वर्त विभिन्नियम को अभीन कर दोने को अन्तरक के वादित्य में कभी करने या सससे दकने में सुविधा को सिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या नत्य निस्तयों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोधनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, ज्याने में सृत्भा की किए;

ज्ञतः अव, सक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण जो, जो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के जधीन, विस्निमिधिक व्यक्तियों, नर्षात् ८—— 1. मैसर्स विराकी श्रांस ।

(बन्सरक)

2. मैसर्स जी० के० बास ।

(ग्रन्तरिती)

3. मैसर्स जी० के० ब्रास ।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति को अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपरा संपर्वत के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ;----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 विन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्पारित में हितबद्ध किसी अन्य प्राक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिविस में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त सन्धों और पर्वों का, को उच्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

दुकान गं० बी-1, जो शारदा चेम्बर्स, नं० 2, 27-ए, केशवजी नाईक रोड, भात बाजार, बम्बई-9 में स्थित है।

त्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० प्रई-1/37ईई/2227/83-84 प्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-5-1984 को र्राजस्टकं किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 11-1-1985

मोहर

प्ररूप आही. टी. एन. एस. -----1. मैसर्स भट्ट बदर्भ ।

मे (ग्रन्तरक)

2 मैंसर्स पेपर उद्योग।

(अन्तरिती)

3. ग्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके र्त्राधभोग में सम्पत्ति है)

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जनवरो 1985

निदेश सं० म्रई०-1/37ईई/2672/83-84---**म**तः मुझे, ए० लहिरो,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० श्राफिस त्रियमासेस, नं० 11, जो 3 रो मंजिल यशवंत चेम्बर्स, बी० देसाई रोड, बम्बई-1 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जी पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण भधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन/और जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारो के कार्यालय में रजिस्टी है दिनांक 16-5-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफलं, निम्नलिखित उद्दोष्यं से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरम से हुई किसी बाब की वाबस, दक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के किए; जौर/या
- (स्त) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🎥—

को यह सुचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए। कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-अबुध तेकासी अन्य व्यक्ति युवारा, अधोहस्ताकारी के पास लिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया 👸 ।

नन्स्ची

भ्रांफिस प्रिमायसेस नं० 11, जो 3रो मंजिल, यशवंत चेम्बर्स, बो० देसाई मार्ग, (मिलिट्रो स्क्वेयर लेन), बम्बई-1 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० **श्र**ई-1/37ईई/2228/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-5-1984 को एजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरो सक्षम प्राधिकारो महायक भायकर भायका (निरोक्षण) मजंन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 11-1-1985

मोहर:

28--466GI/84

ध्रुक् बार् . टी . एन् . एत् . -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्वना

बारत ब्रकार

कार्यालय, सहायक बावकर वायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरा 1985

निदेश सं० भाई०-1/37ईई/2674/83-84--भ्रतः मुझे, ए० लहिरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा. संअधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 36, जो 1ली मंजिल, मांगवाडी शापिंग, श्राकेंड, भांगवाडी, बम्बई-2 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीच जो पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रामकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 16-5-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उपित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उजित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव की वावत, उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने वा स्वसंविभने में सुविधा के शिष्ट; और/वा
- (ब) ऐसी किसी भाग या किसी भन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा भनकर अधिनियम, बा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया बबा बाबा किया जाना चाहिए था क्रियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नित्सित व्यक्तियों अर्थात :—

1. श्री कल्पना प्रमोद शहा।

(ग्रन्तरक)

 संतोष कुमार जबारमल चौधरो , भौर कातादेवी, विमलकुमार चौधरो ।

(धन्तरिती)

कल्पना प्रमोद शहा।

(वह व्यक्ति, जिसके भाधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्स्ची

दुकान नं० 36, जो 1ली मंजिल, भागवाडी शाँपिग भाकेंड भागवाडी, बम्बई-2 में स्थित है।

धनुसूची जैसे कि क० सं० माई-1/37ईई/2230/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 16-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 11-1-1,985

प्ररूप बाड . टी. एन. एस.-----

एस . ----- 1. मैं ० धनराज पिल्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

2. युनिक कारपोरेशिन ।

(अन्तरिती)

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायक्त (निरीक्षण) पर्जन रेंज 1, वस्वर्ष

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी, 1985

निदेश सं० ग्रई०-1/37ईई/2677/83-84--भ्रतः मुझे ए० लक्ष्टिरी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) '(चिस इसमें भाक प्रकात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 263-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

प्रीर जिसकी सं० गाला, नं० 107, जी, 1 ली मंजिल, बिल्डिंग, शहा एण्ड नहार, इंडस्ट्रियल, इस्टेंट, लोभर परेल, बम्बई-13 में न्यित हैं (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत हैं) /भीर जिसका करारतामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 16-5-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खर्यमान प्रतिफल से, एसे ख्रमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजित उद्युविध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बतारण ने तुद्दं किसी बाय की वावता, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; बीट/वा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर क्रिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विभा के लिए;

अतः अवः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्स्पी

गाला नं 0107, जो, 1लीं मंजिल ए-2, बिल्डिंग महा एंन्ड नहार, इंडस्ट्रियल इस्टेट, लोग्नर परेल, बम्बई 13 में स्थित है ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37ईई/2233/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० नहिरो सक्षम प्राधिकारो, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ' भर्जन रेंज 1, बम्ब

दिनांक 11-1-1985 मोहर 🛭 प्रस्थ आहें.टी. एत एस-----

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के बभीन स्वता

भारत सरुकार कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जेन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरो, 1985

निदेश मं० ग्राई-1/37ईई/2678/83-84--ग्रान:, मुझे ए० लहिरी,

अगनकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धाय 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं माला नं 106, जो, 1ली मंजिल, ए-2, बिल्डिंग णहा एण्ड, नहार इंडस्ट्रियल, इस्टेंट, लोग्नर, परेल, बम्बई-13 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचों में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रामकर श्रधिनियम 1961 को धारा 269 कख के श्रधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रों है दिनांक 16-5-1984 को पूर्वोंक्त संपत्ति के उपात बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोंकृत बिलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोंक्त पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उपात बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया आना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उसते अधिनियमं की धारा 269-ग के जनूसरण , मैं, उस्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- 1. मैसर्स धनराज सिल्स प्राथवेट लिमिटेड ।

श्रन्तरक)

2. श्री फिरोझ फरदुरजी, मिनबतीवाला, श्रीर झरोन फिरोझ मिनवतीवाला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्ञपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

माला नं 106, जो 1 लो मंजिल, ए-2, बिल्डिंग, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल, इस्टेंट, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुमुवी जैंगा कि क० मं० ग्रई-1/37ईई/2234/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिका रीं बम्बई द्वारा दिनांक 16-5-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० नहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, बम्बई

> > . .

^{र्र}दनांक 11≆1-1985 मोहर: प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-- थ (1) के अधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज 1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जनवरो, 1985

निवेश सं० ग्रई०-1/37ईई/2682/83-84--- प्रतः मुझे, ए० लहिरो

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 4, (बेसमेंट), "क्रीएटीव्ह इंडस्ट्रियल मेंटर" श्राफ लोग्नर, परेल, बम्बई-11 में स्थित है (श्रौर इसमे उपावश्व श्रनुभूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वणित है) और जिसका करारनामा श्राय हर प्रिवित्यम 1961 की धारा 269 काब के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कायलिय में रजिस्ट्री है दिनांक 16-5-1984

का पूर्वेतित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान कितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहूप किसी नाम की वावत उक्त विध-निवक के अधीन कर वोने के अन्तरक के श्रायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी नाय ना किसी धन ना बन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर मिश्रिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नृत्सीरती ध्वारा प्रकट नहीं किया नया वा वा किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के विकः;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविद्यत व्यक्तियों, अधित क्षान्त 1. यस्मिन कारपोरेशन

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स बैस्ट एण्ड काम्प्टन इंजीनियरिंग लि॰ (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भगस्यो

यूनिट नं० 4, जो "काएटीव्ह इंडस्ट्रियल सेंटर" बिल्डिंग प्लाट नं० 12, सी० सं० नं० 72, एन० एम० जोशी, मार्ग, ग्राफ लोग्नर, परेल, डिवीजन, बस्बई 11 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० भई-1/37ईई/2237/83-84 भीर भी सक्षम प्राधिकारों बस्बई द्वारा दिनांक 16-5-1984 को रजिस्टटई किया गया है।

ए० नहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक (आयुक्त (निरीक्षण) **धवन रेंज 1, वम्बर्ध**

दिनांक 11-1-1985 मोहर ≝

प्रकल बाह्री, टी., एम., एस., ननन-नन-

जायकार अधिनियसः 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चन।

भारत सडकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्धिण) ग्रर्जन रेंज, 1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जनवरो, 1985

निदेश सं० श्राई-1/37ईई/2684/83-84—श्रत, मुझे, ए० लहिरी,

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा यया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहः सं अधिक ही

श्रीर जिसकी सं ं फ्लैंट नं ि 8, जी "सिंधु", णिखरपुरी कोश्रापरेटिव, हाउसिंग सोमायटी लिं ि, नेताजी सुभापरोड, बम्बई-2 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में विणित है). श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 16-5-1984

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिषत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वा से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जुक्त चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियां, अर्थात् :—

- 1. (1) श्री घनश्याम दास भ्राय० बजाज,
 - (2) गोपाल जी० बजाज,
 - (3) श्री माधीजी० बजाज,
 - (4) श्रीश्रीचन्द जी० बजाज,
 - (5) श्री क्मार जी० बजाज घीर
 - (6) श्रो**मती** लिलाजी० बजाज ।

(ब्रन्तरक) 🕝

- 2. (1) श्री सुरेश नानलाल कोठारी,
 - (2) श्रीमती स्नेहलता, सुरेश कीठारी, श्रीर
 - (4) प्रतिक सुरेश कोठारी।

(अन्सरिती)

3. मन्तरितीयों

(वह व्यक्ति जिसके अधियोग में सम्पति हैं) की यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के सिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

बनत सम्परित के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सफोगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हों, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

-

प्लैट मं० 8, जी "सिन्धु" शिखरपुरी की-ग्रापरेटिव, हाउसिंग सोसायटी, लिमिटेड, 87, नेताजी सुभाष रोड, बम्बई-2 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि से पई-1/37ईई/2239/83-84 भीर को सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-5-1984 को रनिस्टर्ड किया गया है।

> **ए० लहिरी** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) **धर्णव रेंज-1, वस्बर्ध**ि

दिनांक 11-1-1985 मोहर् ₽ प्र**क्ष्म आई. टी. एन. एस. ----**

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालम्, सहायक भायकर भायक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

बम्बई, विनांक 11 जनवरी, 1985

निदेश सं० ग्राई०-1/37ईई/2693/83-84---- ग्रतः मझे. ए० लहिरी,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चास् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाकार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी स० दुकान नं० 29, जो ग्राउन्ड फ्लोर, गालिमार गापिंग सेंटर, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूण रूप से वणित है) कर्ता ग्रिधिकाी के कायलय बम्बई में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन /ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कक्ष के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 16-5-1984

भूको पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मृझे यह विश्वास फरने कां कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ शया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आग की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

ं अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. एशोसिएटड, कन्म्ट्रक्शन कम्पनी

(अन्तरक)

2. श्रो दामजी श्रवा श्रीर श्रो वापमी श्रवा

(भ्रन्तिरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु ।

हबत सम्पत्ति के वर्षन के गम्बन्ध में कोई भी आक्षप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीख रं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, को उक्त अधिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

दुकान नं० 29, जो प्राउन्ड प्लोर, शालिमार शाणिग मेंटर, जाला निगम रोड, कुलाबा, बम्बईन्ड में स्थित है। श्रनुसूची जैमा कि फ० सं० शाईबा/37ईई/2246/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारों बम्बई द्वारा दिनांक 16-5-1984 को रजिस्टट डें किया गया है।

> ए० लाहिरो सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 11-1-1985 मोहर : प्रसम आहे.टी.एन.एस. -----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज 1, बस्बई

असर रच ४, वरवर

बम्बई, दिनांक 11 जनवी, 1985

निदेश मं० ग्राई०-1/37ईई/2694/83-84---ग्रतः मुझे, ए० लक्षिरी

अ। गंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् (उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं क सर्विम यूनिट नु o 110, जो 1 ली मेंजिल, नारायण उद्योग, भवन, लालबाग, बम्बई-13, में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबत श्रनुसूची में श्रीर जो पूण रूप मे विणत है) श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कला के श्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांक 25-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रममान प्रतिफल से एसे श्रममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिमित्रम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी अप मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः सब उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उथत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री लाजबन्द प्रमरचन्द्र मोदी।

(ग्रन्तरक)

 श्री श्रप्रविस्द शंकरताल पांचाल, प्रोप्राइटर श्राफ मैगर्भ श्रप्रविन्द पाँचाल एण्ड कार्स ।

(श्रन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. पटेल हाउसिंग फायनान्स एण्ड कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लि० (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्वना जारी करके वृशेंक्त सम्परित के शर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजभन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारिख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी को पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्वव्योकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उन्नर अभिनियम के अध्याय 20-क में पी। भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गवा हैं ॥

वन्सूची

मिविम यूनिट, 110, जी 1नी जिल, नारायण उद्योग, भवन, डा० ब्री० भ्रम्बेडकर रोड, लालवाग, बम्बईबा2 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि कि सं्रे आई-1/37ईई/2246/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-5-1984 को रजिस्टटई किया गया है।

> ए.० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 11-1-1985 मोहर : प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985 निदेश सं० आई०-1/37ईई/2698/83-84---अत: मुझे, ए० लाहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उक्ति बाजार मेल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

क्रौर जिलकी सं० फ्लैंट नं० 503,जो 5 वीं मंजिल, एफ विंग, विना बिना अपार्टमेन्टम, सिवरी (प०), बम्बई-15 में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिन हा करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कव के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है विनांक 16-5-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मूक्ते यह विद्यारा करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त भाकार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे एक्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपाल विस्तिसित उद्देवस्य से उपल कलाएक जिल्लित में बास्तविक रूप से करैंशन नहीं किया गरा है :---

- (क) अन्तरण से हुई विसी आध है। बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; 477/67
- ल्या एको किसी प्राप्ट का किसी **धन भा अन्य आस्तियो** का, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धत-**कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)** अर्थे प्रजाननार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया भागा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के चिए;
- अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ं, 🕷 . उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधररा (1) कं अधीत, निभ्नानिसित व्यक्तियों, अर्थात .---29-466GI/84

1. श्री गोवर्धनदास, भिवनंदराय गरोडिया ।

(अन्तरक)

- 2. यस्मिन बी॰ शेख, भौर वहीदा जी॰ शेख (अन्तरिती)
- 3. श्री गयासूदीन, बी० शेख (बह व्यक्ति जिसेके अधिभोग में सम्पत्तिहै)
- 4. श्री गयासूहीन बी० शेख (वह ध्यक्ति जिमके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्धहै)

को यह स्थाना जारी करको पूर्वों क्ला संपत्तिः के अर्थन के क्रिय कार्यवा**हियां कारता हूं।**

उस्त सम्परित के जर्जन के सम्बन्ध की कोई भी बाक्षण ----

- (क) इस सुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी स्पक्तियों पर सुवना की शामील से 30 दिन की अविधि, जो भी करीं ध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वावत व्यक्तियों में से किसी स्थितन दुवारा,
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में फिए जा मकोंगे।

स्वष्टिकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, को उक्त अभिनियम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया 🚜 ।

बन्स्ची

पत्रैट नं० 503, जो 5 वीं मंजिल, विंग एफ०, विना बिता, अपार्टमेन्ट्म, आचार्य वोंदे मार्ग, सिवरी (प०), बम्बई-15 में स्थित है।

अनुमूची जैमा कि ऋ० मं० आई-1/37ईई/2249/83-84 ब्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 16-5-1984 को रिजिस्टटर्ड किया गया है।

> ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, अम्बई

दिनांक 11-1-1985 मोहर:

त्ररूप बाहै, टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रीज, 1, अम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी, 1985

नितेश स० आई०-1/37ईई/2699/83-84--अतः मुझे ए० सहरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उभित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी स० फ्लैंट न० 504, जो 5 वीं मजिल, विग-एफ, विना बिना अपार्ट मेन्ट्स, आचार्य दोंदे, मार्ग, सिवरी (प०), बम्बई-15 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में सौर जो पूर्ण रूप से विणित है) स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कला के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनां क 16-5-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित द्वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकार) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय भाषा जया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उद्दृत अन्तरण किंचिए में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गए, हैं:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस उक्त सिंपीनयम के संधीन कर बोने के अन्तरक कें दासित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा की लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-गे की उपधारा (1) कै अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:— 1. श्री गोर्धनदास, एस० गरोडिया।

(अन्तरक)

2. श्रीमती आशिया बेगम बी० शेख श्रीर ताजूहिन, बी० शेख।

(अन्सरिती)

3. पूरी शेख झहिरूद्दीन, वि०

(बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै)

4. श्री शेख महिल्हीन, वि०।

(बह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मैं हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स संपत्ति के अर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध के कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संगत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकनेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, आ उन्हरः समितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

फ्लैंट न० 504, जो 5ली मजिल, विगएफ, विना बिना अरार्टमेन्ट्न, आचार्य दोदे मार्ग, सिवरी (प०), बम्बई-15 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० स० आई-1/37ईई/2250/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बक्बई द्वारा दिनांक 16-5-1984 को रिजक्टर्ट किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रैंज 1, नम्बई (

दिनांक 11-1-1985 मोहर: प्ररूप बाई, टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० अई०-1/37ईई/2700/83-84---अतः मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उण्जित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लंट नं० 602, जो, 6 वी, मजिल, विनाबिना अपार्टमेन्ट्स आचार्य दोदे, मार्ग, सिवरी (प०), बम्बई-15 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है) श्रीर

जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांक 16-5-1984

को पूर्विक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूविधा केलिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अजः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- 1. श्री गोर्धनदास, शिवचन्दराय गरोडिया।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री मोहम्मद सिद्दीक, एच० इस्माईल, भौर
 - (2) श्री घंजूम मोहम्मद सिद्दीक।

(अन्तरिती)

3. श्री प्रताप भावजी ।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री प्रताप भावजी।

(वह व्यक्ति, निर्जसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ण।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूधी

फ्लैंट नं० 602, जो 6 वी मंजिल, विग-एफ, विना बिना अपाटमेन्टस, आचार्य दोदे मागों, सिवरी (प०), बम्बई-15 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई-1/37ईई/2251/83-84 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-5-1984 को रजिस्टर्ट किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक 11-1-1985 द मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, (देनाक 11 जनवरी, 1985

निदेश सं० अई-1/37ईई/2701/83-84--अतः मुझे, ए० लहिरी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

श्रीर जिमकी सख्या फरैंड न० 606, 631 माना, विना-बिना अपार्टमेट, आचार्य दोंदे मार्ग, शिवरा, (प०), बम्बई-15 में स्थित है, (ग्रीर इसमे उपावक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 16~5~1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पात्रा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्द ब्रास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उवन अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण म. म., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) डे अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री गोरधनदास एस० गरोडिया

(अन्तरक)

2 श्री लालजी शिवजी मनवाना

(अन्तरिती)

3 श्रीमती निर्मला लाल जी मकवाना । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रीमती निर्मला लाल जी मकवाना । (वह व्यक्ति जिसके बारे मे अधोहस्ताधरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

प्रनुसूची

क्लंट न ० 606, 6वाँ माला, एफ विंग, विना-बिना अपार्ट-नेन्ट्म, आचार्य दोंदे मार्ग, शिवरी (पश्चिम) बम्बई-15 i

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० आई-1/37ईई/2252/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 16--5-1984 को रजिस्टर्ट किया गया है।

> ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई १

दिनाक 11-1-1985 मोहर: प्ररूप बाह्र .टी.एन.एस. -----

बायकर व्यक्षिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, बम्बई

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट न० 303, 3 रा माला, एफ विंग, विना बिना, अपार्टमेन्ट्स, आचार्य दांदे मार्ग, शिवरी, (पश्चिम) बम्बई-77 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन/श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ब अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 16-5-1984

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उच्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथामूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा कर लिए।

भ अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीनः, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत्:——

1. श्री गोरधन दास शिवचंदराय गरोडिया ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती हयतीकाई मोहम्मद हैंदर हुसैन,

(अन्तरिती)

3. श्री नरेन्द्र जी० नेगंधी ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री नरेन्द्र नेगंधी ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के िलष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र मं प्रकानन का तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात निकास में किए जा सकते।

स्पत्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं ० 303, 3रा माला, एफ़ विग, विना-बिना अपार्टमेन्टस, आचार्य दोंबे मार्ग, शिवरी (पश्चिम), बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि ले लं आई-1/37ईई/2253/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा धिनांक 16-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 11-1-1985

प्रस्म बार्च दी. एत् प्रः----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्थान

भारत स्रकार

कार्यालव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-6, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निवेश सं० आई-1,37ईई,2705,83-84---अतः मुझे, ए० लाहिरी,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचर् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० यूनिट र्न० 348, जो 3 री मंजिल, गहा एण्ड इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, लोअर, परेल, बम्बई-13 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन श्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनाक 16-5-1984

को प्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिस्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण लिस्ति में वास्तिविक स्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निगम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिथा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-- घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. शहा एण्ड नहार एशोसिएटस ।

(अन्तरक)

2. रायस एक्सपोर्ट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृक्षित सम्मिति के वर्षन् के लिए कार्यनाहियां शुरु करता हुं।

डक्तु सम्प्रत के कर्पन के सम्बन्ध में कोड़ भी वाकोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध अद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति में किए जा सकांगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वा है।

वन्स्यी

यूनिट नं० 348, जो 3 री मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल, इस्टेट, ए-1, सीताराम जाधव मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुस**भी** जैसा कि ऋ० सं० आई-1,37ईई,2280,83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहि**री** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, बम्बई

दिनांक : 11-1-1985

प्रकप भाइ. टी. एन. एस . ------

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्ब**ई**

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निर्वेश सं० अई-1/37ईई/2706/83-84- अतः मुझे, ए० लाहिरी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ह्यौर जिसकी सं० यूनिट नं० 425, जो 4 थी मंजिल, महा
एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, लीअर, परेल, बम्बई-13
में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से
विणित है) रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन/
श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269कख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय

, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एते अंतरण के लिए तय पार्या प्रतिफल निम्नलिखित उच्च हेय से उक्त अंतरण लिखित व बाजार महातिक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

में रजिस्ट्री है दिनांक 16-5-1984

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाब की वायत, उक्त जिभिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक की वासिस्त में कमी करने या उससे अचने में सिवधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सृविधा के तिए।

अतः ज्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) चे अभीन, निम्मसिक्त स्वमित्तमों, अर्थात :--- शहा एण्ड नहार एसोशिएट्स ।

(अन्सरक)

2. श्रीमती अनिता बी० हरी श्रिगानी।

* (अन्तरिती)

का यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए चा सकोंगे।

स्त्रव्योकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 425, जो 4 थी मंजिल, शहा एण्ड नहार इडस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, सीताराम जाधव मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि ऋ० सं० आई-1/37ईई/2281/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, **य**म्बई

दिनांक : 11-1*1985

गया है :--

प्ररूप बार्द् टी. एन. एस. ------

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 1 जनवरी 1985

निर्देश सं० आई-1/37ईई/2716/83-84--अतः मुझे, ए० लाहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से क्रिथक है

श्रीर जिसकी सं० पसैट नं० 4-बी, जो नवलटूक, अपार्टमेंन्ट्रस, 23, वाय० एम० सी० ए०. रोड, बम्बई-8 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी

के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 16-5-1984

को प्वेंक्ति संपित के उच्ति बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रवेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचाने में सूत्रिधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, अध्यान में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिसित ग्यक्तियों अर्थात् :---

 श्री गब्बीरभाई, तय्यव अली मर्चेंट, श्रौर श्री गुलामहुसेन, तैयब अली।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री क्रेश अब्बासभाई मियासाहेब,
 - (2) श्री शोहेब अञ्बासभाई मियाजी,
 - (3) श्री शब्बीर अब्बासभाई। मियासाहेब।

(अन्तरिती)

3. अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थान जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

फ्लैट नं० 4-बी, जो नवसट्क, अपार्टमेन्ट्रस, 23, बाय० एम० सी० ए०, रोड, बम्बई-8में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-1/37ईई/2289/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-5-1984 को राजस्टर्ट किया गया है।

> ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 11-1-1985

प्ररूप आइँ. टी. एन. एस. ------------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक, 11 जनवरी, 1985

निदेश सं० अई०/1/37ईई/2723/83-84- अत; मुमो, ए० लाहिरी,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

मीर जिसकी सें० अमीन बेअरींग सी० एस० नं० 230 आयखला डिविजन (जमीन स्ट्रक्चर्स के साथ), जो, डिमटीका रोड घम्बई में स्थित है (मीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में मीर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 260कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 16-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) आर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निष्णु त्व पाया गया प्रतिकृत्य निक्वितिष्त स्वृद्धिक से स्वयं अन्तरण विश्वित में वास्त्रिक स्प से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जान की वाबत, उपतः अधिनिश्य के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (का) एती किसी भाष या किसी भन या अस्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त, अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

े अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिस व्यक्तियों, अधीत हुन्न 30-466GI/84

(1) श्री गौकतअली सुलेमान

(अन्तरक)

- (2) मेसर्स मेलिस इन्वेस्टमेंट एण्ड ट्रेडिंग क० प्रा० लि० (अन्तरिती)
- (3) भाडूत (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं")

को बृह कुल्ला बारी करके पूर्वोक्त सम्पृति के वर्षक में किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्र--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्भव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त खब्बों बीट पवों का, जो उक्त जिथिनियम, जो अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन बेर्जीरंग सो० एस० सी० 230 आफ्र आयखला डिविजन जमीन स्टुक्चर्स के साथ जो, डिमटीकर रोड, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कं० सं० अई०/37ईई/2294/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहिरो सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई

तारीख: 11-1-1985

मोहर ;

प्रकृष बाद्दी. टी. एस्. एस्.------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 11 जनवरी 1985

निर्वेश सं०अई--1/37ईई_/2727/84-85---

अतः मुझे ए० लाहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी संव इंडस्ट्रियल युनिट नंव 215-ए, 2 रा माला, शहा अन्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट' धनराज मिल कंपाउड, लोअर रेल बन्कई-400013 में स्थित है तथा श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्णरूप से वर्णित है) ,रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रा है तारीख 25-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण विखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मेसर्स एम० के० एम० इन्डस्ट्रीज,

(श्रन्तरक)

(2) मेसर्स सिमको इंजिनियर्स

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के वध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस वध्याय में दिया ग्या है।

- 4

अनुसूची

इंडस्ट्रियल युनिट नं० 215—ए०, जो, $2 \$ री मंजिल **शहा** एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट (ए०ं-1) धनराज मिल कम्पाउन्ड, लोअर परेल बम्बई 13 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि कि सं अई०/3 7ईई/-1/2459/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-5-84को रिजस्टर्डकिया गया है।

ए ० लाहिरी सक्षम प्राधिका**री** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण**)** अर्जनरेंज, **बम्बई**

अत: अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरफ में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा-269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्त :----

तारीख: 11-1-1985

प्रकप बाइं ा टी. एन् ा एस् । 😑 -- -

भायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) . श्रजैन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाक 11 जनवरी 1985

निवेश स॰ अई-1/37ईई/2387/83-84-अतः मुझे, एम॰ लाहिरी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित विसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी स प्रिमाइसेंस शाप न० 6-ए, प्राउंड फ्लोअर ''मार्शेल अपार्टमेट'' जनशन आफ पान गर्ली और आगस्ट काती मार्ग, बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वे कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थि० सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 25-5-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूं भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिश्व से अधिक है और अंतरका (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) से बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किश्यत नहीं किया गया है:—

- (क) कलाह्रण से हुइ किसी बाय की बायत उत्तर माँध-नियम को अभीन कर दोने को बन्सरक को शायित्व में कमी कर्रने या उससे बजने में सृविधा के लिए; वाह्र/या
- (च) एसी। किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें आरतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत विभिनियम, या चृत्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया चा वा किया हाना चाहिए चा, जियाने में सुविधा के लिए,
- बतः ब्रंब, बबर बीचीनवन की धारा 269-न की बनुबरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) है बधीन, निम्निश्चित व्यक्तियों, नुधात :—

(1) श्रीमति विमाला कमालचन्द कोठारी

(अन्तरक)

(2) अमझेल आटोमेटिव लिमिटेड

(अन्तपिती)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के वर्षन के लिक्ष कार्यवाहियां करता हैं।

उस्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्वॉक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति दवाय, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पर्क निरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्रिमाइसेस बेअरिंग शाप नं० 6-ए, ग्राउन्ड पिलोर, "मार्शल अपार्टमेंट" जक्शन आफ पान गली और आगस्ट क्रांति मार्ग, बम्बई -6

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अइ-1/37ईई/2467/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा 25-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० नाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहाँयक आयकरायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख: 11-1-1985

मोहरु 🖫

प्रकप_{्र} बाह^र् टी. एन्. एस. ----

भायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~1, बम्बई

बम्बई दिनांक 11 जनवरी, 1985

निदेग मं० अई-1, 37ईई, 2739, 83-84--अतः मुझे, ए० लाहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्शास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी र्सं० शापनं० 6-वा, मेश्वीनन प्लोअर, मार्शल अपार्टमेंट जंक्शन आफ पान गल्बी और आगस्ट काती मार्ग, बम्बई-6 में स्थित है श्रीर इससे छपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ग्रीर जिसका करारनामा आगकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारा के कार्यालय में रजिस्ट्रा है, तारीख 25-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का उाचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निचितित उद्देशिय से उक्त अन्तरण निकति में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया बना है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी कारने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; और/भा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उस्त अभिनियम की धारा 269-ए की अनुसरक में, म⁵, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिकार्ग, अधृति :--- (1) श्रीमति विमला कमलचन्द कोठारी

(अन्तरक)

(2) अमसेस प्राइवेट सि॰

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीः
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति को वर्षन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सी 45 दिन को भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकी।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मगसची

शाप नं ० 6-बी, मेझनिन फ्लोर, "मार्शल अपार्टमेंट" जंक्शन आफ पान गली श्रीर आगस्ट ऋाति मार्ग, बम्बई-6

अनुसूची जैसा कि कि सं अर्ध्य 1-37ईई/2468/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारों, बस्बई दारा दिनाक 25-5-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।-

> ए० लाहिरो सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, क्षम्बई

तारीख: 11-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आँहैं. टी. एन. एस. - - -

क्रायकर सिंपिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-भ (1) के सधीन स्वना

भारत सरकात

कार्यांनय, सहायक नायकर नायक्त (नित्रीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई दिनांक 11 ज वरी 1985

निदेश सं० आई-1/37ईई/2741/83-84-अतः मुझे ए० लाहिरी,

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनको पंज किन तर 60% जो 6वा, मजिल प्रसाद चेक्स शक्त सिने के ब जूमे आदेश हाऊम बम्बई-4 में स्थित है श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची

में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का क़ 16) के अधीन.

स्रीर जिनका हर रन मः आयहर स्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधिन बम्बई में स्थित यक्षम प्राधिकारी के कुलार्यालय में रजिस्ट्री मई तारीख 29-5-84

- को पूर्वोकत सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोकर्ता के कार्यालय शिवाजीनगर में भारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्म्ख/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह यथा पूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा गया है :——
 - (क) जन्तरण में हुंचूँ किसी जाग की बाबत, उक्तू अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्सरक के श्रीवत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जार्ं/या
 - (स) एसी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

--- अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मेसर्स ट्रडेक्स पार्टनर श्री मनसुखलाल देवराजशहा

(भ्रन्तरक)

- 2. मेसर्स रास डायमंड एण्ड जेम्स (प्र०) लि०
- 3 ् अन्तरिती

(म⊁

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाओप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबवृध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

आफ़िस नं० 609, जो. 6 वी मंजिल, "प्रसाद चेम्बर्स,, राक्सी सिनेमा के बाजू में बम्बई-4 में स्थित है।

अन्सूची जैसा कि कि कि सं आई-1/37ईई/2469/83-84 गौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-5-1984 का रजिस्टर्ड किया गया है।

> सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई

तारीख: 11-1-1985

प्ररूप थाई. टी. एन. एस. -----

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वाय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई | बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

बम्बह, दिनाक 11 जनवरा 1985 निदेशसं० अई-1/37ईई/2445/83-84--

अतः मुझे, ए० लाहिरी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० युनिट नं० 244. जो, 2रो मंजिल, सनमिल कंपाउंड, लोग्नर परेल, सन इंडस्ट्रियल इस्टेट, बन्बई-13 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्ष अनुसूची में श्रीर प्पूर्णरूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन और जिस्ट्रीकरण करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रा है ताराख 25/5/1984

को प्रविक्त संपृत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्वमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से एसे दृश्यभान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बावत , उन्त जीभीनसम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) प्रेसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, धिक्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जीना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अथ, उस्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उस्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन ्रीनम्मजिखित व्यक्तियों. अर्थात अस्त- (1) श्रीमति मुक्ता वि० मेहता, और श्रीमति राजूल के० मेहता,

(अन्तरक)

(2) मेससं जमनाधर विजय कुमार

(अन्तरक)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में सथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

यम्स्ची

युनिष्ट नं० 214, जो 2री मंजिल, सन इन्डस्ट्रीयल् स्टेष्ट, सनमिल कम्पाउन्ड, लोजर परेल, बम्बई-13 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं०अई-1/37ईई/2472/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहिरी स**क्षम प्राधिकारी** सहामक आवक्षर बाबुक्त (निरीक्षम) अर्जन रें ज, सम्बद्

ता**रीख :** 11-1-1985

प्ररूप . भाइ^{*}, टी. एम्. एस . --==

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जनरेंज-1, सम्बर्द

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985 निदेश सं० अई-1/37ईई/2748/83-84--अतः मुझे, ए० लाहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 3-ना, नवलटच अपार्टमेंट्स, वाय० एम० सी० ए० रोड, वस्वई-8 में स्थित है (श्रीर इससे उपावस अनुसूर्चः में श्रीर पूर्ण रूप वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बस्वई में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन/श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 25~5-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृश्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृश्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीभ एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निश्वत में वास्तिबक रूप से कियत नहीं किया गया हैं——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :— (1) श्री अबदुल्ला असगरअली बकर, भौर श्रीमति फरमाना गफार वासी

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री अन्दुस हक खान,
 - 2. श्रीमति क्यूमार बानो खान,
 - 3. क्यू मरूल हुक खान,
 - 4. श्री सफरूल हुक सान

(अन्तरितो)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधियोग में सम्पति हैं)

को यह स्वना जारी करके पृत्रोंक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्चन के संबंध में कोई भी नाशेष :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

जन्**स्**ची

परोष्ट नं ० 3-बी ० जो, नवलटच अपार्टमेंटस, 23, वाय एम० सी ० ए० रोड, बम्बई-8 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-1/37ईई/2475/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सब्बम प्राविकारी सहायक नायकर आयुक्त (विरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 11-1-1985

मोहर 🕄

प्ररूप भाई.टी.एन.एस.,-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अम्बई बम्बई, दिनांक 11 जनवरी, 1985

निवेश सं० अई-1/37ईई/2449/83-84--

अतः मुझे, ए० लाहिरीं,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जसकी सं० पर्लंट नं 37, जो, ए-बिल्डिंग, 2री मंजिल, भारत नगर, ग्रेन्ट रोड, बम्बई-7 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में ग्रीर पूर्ण रूपसे वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम 1961 को धारा 269 क ख अधीन बम्बई स्थित सक्षम के प्रधिकारी के कार्यालय, में, रिजस्ट्रो है, तारीख 25/5/1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह

पूर्वीक्त सम्पिति का उपित बाजार मूल्य, उसके उत्यमान प्रतिफल से, एसे उत्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीम एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा वायित्व के लिए; और/या
- (स) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

(1) होनी शैरियर इरानी, श्रीर निमस होनी इरानी

(अन्सरक)

(2) श्री अमृतलाल उत्तमलाल शहा, श्रीर श्रीमित कांताबेन अमृतलाल शहा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🏗---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मण्डीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जम्स्**जी**

फ्लेट नं० 37, जो ए० में विलिंडिंग, 2 री मंजिल, भारत नगर, ग्रान्ट रोड, बम्बई-7 में स्थित हैंप

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-1/37ईई/3476/83/84 और जो सख्यम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-5-84 को रजिस्ड किया गया है।

ए० लाहिरी स**धम** प्राधिकारी - महायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बस्ब**ई**—1

क्षतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)} के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक 11-1-85 मो**हर** ध

प्ररूप आई.टी.एन.एस------

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बर्ष, दिनांक 11 जनवरी, 1985 निदेश सं० अई-1/37ईई/2750/83-84--

अतः, मुझे, ए० लाहिरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)', की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भीर जिमकी संव्वसमेंट नंव 1 और 2 जो, बेममेंट, जली अब स्टिल बेंनमं, बम्बई-9 में स्थित है (ग्रीए इनसे उपावत अनुम्ची में ग्रीर पूर्णक्य से विणित है) रिजस्ट्री हर्गा अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, और जिसका करारनामा आयकर

अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री ह³, 'तारीख 25-5-84

को पृवांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरित तथारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस स्थितयों, अर्थातः—
31—466GI|84

(1) मेसर्स इंडो सायगन एजेन्सी, प्रोपराइधर, गोबिन्द एम० इयनानी

(अन्तरक)

(2) मेसर्स एन० जे० इंटरप्रायजस, प्रोप्रायटर श्रीमति अरूण, कुमार मधलानी,

(अन्तरिती)

(3) मेससं आर० तुलसीदासएण्ड कम्पनी
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्यो

बेसमेंट नं०-ग्रीर 2, जो बेसमैंन्ट फ्लोर, स्टील, चेम्बर्स श्रीच स्टेट, बम्बई-8 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कं सं अई-1/37ईई/2477/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधि हारी, बम्बई द्वारा विनांक 25-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, वस्वई

तारीख: 11-1-1985

प्रकृष बाइं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनाक 11 जनवरी, 1985

निदेश सं० अई-1/37ईई/2770/83-84- अतः मुझे,

ए० लाहिरी शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रुट से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलेष्ट नं० जे—1, जो 5 वी, मंजिल, फेमिली हाउस, दावर माटुगा इस्टेट बम्बई में स्थित है (श्रीर इस उपाब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, सम्बई में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की घारा 269 के, ख के श्रिधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रों है, सारोख 30-5-1984।

को पूर्वोक्क सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई हैं और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतर्कों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सिविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा औं लिए;

गतः गवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कों नधीन निम्मीचिक्त व्यक्तियों, अर्थातः :----- (1) रमेश बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्री होगंग नरीमन खंबाटा, भौर, श्रीमित मेहेर एष० खंबाटा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त संपरित के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी चं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की ताभील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उन्कत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गवा है।

अनसची

फ्लैटनं ० जें ०-1, जो, 5 वीं मंजिल, फेमिली हाउस, प्लाट नं ० 794, जामे जमशेंद रोड; दावर माटुगा इस्टेट, बम्बई-14 में स्थित है।

> ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरें ज, बम्बई

तारीख: 11-1-1985

प्रकष का<u>र्षः,टी..</u>एक..यस.,-------

जायकर ज[भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकतु आयुक्त (निर्देशिण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं • मई--1/37ईई/2773/83-84-- ग्रतः मुझे, ए०, लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने की कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. से अधिक है

25,000/- रत. से अधिक हैं भौर जिसकी सं० जमीन बेर्भारग सी० एस० नं० 230, जो, भायखला डिविजन, (इमारत, शेडस, गोडाउन स्टब्चर्स के साथ) बेलासिसं रोड, बम्बर्ड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बर्ध में रजिस्दीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जिसका क्षरारनामा अधिकर 1961 की घारा 269 क,ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 25-5-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्त बाजार मूल्य से कम के कश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे ज्लारण के सिए तब पाया गया प्रतिकास, निम्नसिचित उद्वर्षक से उक्त अन्तरण हिस्सिद में बास्ति[बक रूप से कथित नहीं किया गया है है---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के <u>ि</u>लए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो की जिन्ह भाउतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कुर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपान में सुविधा से सिक्;

अतः वन, उन्त विभिनियम की भारा 269-म के अनुतरण बो, मो, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) की अभीन, निस्मतिविक कार्टिककों हा अर्थाव क

- (1) श्री एच० एच० संयदना मोहमद बुरानुद्दीन साहेंब (अन्तरक)
- (2) श्री शौकत ग्रली सुलेमान ।

(मन्तरिती)

(3) भाष्ट्रत

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जार् करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यक्रीहर्या करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के ट्राअपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम तिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन बेग्नरिंग एस० सी० न० 230 भायखला डिनिजन, (बिल्डिंग, गेंडस, स्टक्चर्स के साथ) बेलासिल रोड, डिमटीकर रोड, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37ईई/2497/83-84 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक पायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज-1 बम्बई

तारीख: 11-1-1985

माहर 🛭

प्रकपु आइं.टी.एन.एस्.------

बासकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत् तुरकार्

कार्यास्य, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैंन रेंज-1, बम्बर्ड

बम्बर्ड, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं • प्रर्ड-1/37 र्डड / 2777 / 83 - 84 --- प्रतः मुक्ते, ए० लहिरो,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ध्राचाहाँ), की धारा 269 आ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं ० गाला नं ० 12, जो, 1 लो मंजिल, ए०-2, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, लोग्नर परेल, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबंद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्राकर्ता श्रीधकारों के कार्थालय, बम्बई में, राजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रीर जिसका

करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 25-5-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है दिन्त-

- हैंक) बंतरण से हुई किसी नाय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वच्ने में सुविधा के सिए; आरि∕या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या स्न-कर अधिनियम, '1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुन्था के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की भारः 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (१) वे वधीन, निम्निसिक्त काक्षित्वों, वर्षात क्र-- (1) धनराज मिल्स प्राइवेट लि॰

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमति शकुन्सला जगदीश शहा, श्रीर श्रीमति कांचन तारामल जैन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

गोला नं ० 120, जो, 1 ली मंजिल, ए०-2, शहा एण्ड नहार इन्डस्ट्रियल इस्टेट, लोग्नर परेल, बम्बई में स्थित है ।

प्रनुसुची जैसा कि क० स० प्रई-1/37ईई/2499/83-84 प्रौर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 25-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरो सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, बम्ब**ई**

तारीख : 11-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बार्ड .टी . एन . एस . ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की . भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बद्दी, विनाक 11 जनवरी 1985

निर्देश सं ब्**शर्थ**-1/37र्देई/2780/83-84-- अतः मुझे, ए० लहिरो

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लेट त० 74 जी- 8 वी मीजिल "दीपक" राक कस्टल की-प्राप् ० हार्जिस सीसाइटा लि० जी० छी० मार्ग बम्बई 26में स्थित है (भीर इससे उपाबक मनुसूचोंमें भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारों के कार्यास्य बम्बई में रिजस्ट्राकरण माधिनयम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन भीर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम 1961 की घारा 269 क, ख के अबीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 25-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इदयमान प्रतिकल से एसे स्वयमान प्रतिकल का पन्सह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूर्विभा के लिए;

्र अतः अवः, उक्त अभिनियम की भास 269-ग् के अनुसरण अं, मं, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिकिट अयुक्तियों, अभृत् ६—

- (1) 1. श्रोमति इन्दिरा बेन दोलतराय देसाई
 - 2. श्रो राज दोलत राय देसाई श्रीर
 - 3. श्री संजाव दोलत राय देसाई

(प्रन्तरक)

- (2) 1. श्री हर्रानण जेशिंग लाल झवेरी श्रीर
 - 2. श्रीमर्ता स्वाती हर्रानण क्षवेरी

(भन्तरिती)

(3) अन्तरकों (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपर्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के बें 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

प्रनुसूची

पर्लंट नं० 74, जो, 8 वीं मंजिल "वीपक" राक कस्टल-को-म्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि० जी० की० मार्ग बम्बई-26 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं अहि-1/37ईई/2502/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरो, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 11-1-1985

भूरूप बाह^र्. टी. एन., एस., ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

फार्जनय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

प्रजेन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निर्देश सं**्य**ई-1/37ईई/2790/83-84-- **य**तः

मुझे, ए० लाहरी.

गायकर गिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० फ्लंट नं० 413 है जो पद्यमावती अपार्टमेंट (प्रिपोक्ष्ड), परेल विलेज, बम्बई-12 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, बम्बई में, रजिस्ट्रोकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिथीन श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धार्रा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 25-5-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिपत बाजार मूल्य से कम के पर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह वश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे उस्पमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरम् से हुद किसी अाय की यावत, उक्कः अभिनित्त के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कती करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (का) एसी किसी जाम वा किसी धन मा जन्म जास्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर जिन्हों मारतीय जाय-कर जिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिपाने कें सविधा के निए।

वतः वव, उक्त विभिनियन की भारा 269-व के अनुतर्भ में, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के वृभीन, निम्नलिखित स्युक्तियों ह वर्षात् ः— (1) मेसर्स पदमा डेवलपमेंट कारपोरेशन,

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दत्तात्रय एम० गोविलकर

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वता बारी करके वृत्रीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए..! कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पृतित्यों में से किसी स्पृतित द्वारा;
- (च) इस सूचना के सूचपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळकिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गका है।

वन्स्वी

क्लंट नं ० 413, जो पर्दमावती भ्रपार्टमेंट, (प्रयोश्रूड), परेल, विलेज, बम्बई-12 में स्थित है।

श्रनुसूर्व जैसा कि कि सं श्रई-1/37ईई/2511/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 25-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० सहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, **बम्बई**।

तारीख: 11-1-1985

मोहर 🛭

प्रकल नाहाँ , की , एन , एस , भगनन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेंज-1, बम्बई
बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985
निर्दोश सं अई-1/37ईई/2793/83-84-

मुझे, ए० लहिरी, आयकर अधिनयम, 1961 (1961 .3) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

25,000/- रु. से अधिक हैं।

भीर जिसकीं सं० श्राफिस त्रिमायसेस नं० 1314, 13 वीं मंजिल प्रसाद चेंम्बर्स की-श्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, श्रापेरा हाउस बम्बई-4 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन और जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 25-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रुयमान प्रतिफल से, ऐसे श्रुयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंसरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सृतिधा के लिए; आरि/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया निष्णुजाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धार्य 269-म्य के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धार्य 269-म्य की उपधारा (1) क अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) मेसर्स पारसमणि देखिंग कम्पनी

(भ्रन्तरक)

(2) श्रं कुमरपाल बालूभाई झवेरी, श्रीर श्रीमति ग्रहणा कुमरपाल झवेरी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्या

श्चाफिस प्रिमायसेस नं० 1314, जो, 13 वीं मंजिल, प्रसाद चेम्बर्स प्रिमायसेस को-भ्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, टाटा रोष्ठ नं०2, स्वदेशी मिल कम्पाउड, श्चापेरा हाउस, बम्बई 4 में स्थित है। श्चनुसूची जैसा कि कि सं० श्चई—1/37ईई/2413/83—84 श्चौर सक्षम प्राधिकार, बम्बई द्वारा दिनांक 25—5—1984 को रजिस्टर्ड जिया गया है।

ए० ल**हिरी** सक्षम प्राधिकारी; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶1, **बम्बई** ।

तारीख: 11~1-1985

प्रकृष बाइ. टी. एन. एस.------

नामकर निर्धितयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीत स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निर्देश सं० 1०म्रई-1/37ईई/2794/83-84~ धनः मुझे ए० लाहिरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इस्के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन-सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रुट. से अधिक है

ष्मीर जिसको सं० प्लाट नं० 50, नवा मालगा दिखा महल को-आंप० हाउमिग सोमाइटी लि०, 80 नेपिएनसी रोड़ बम्बई-6 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूबी में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीर्धाकारी के कार्यलय, बम्बई में रिजस्ट्र करण ग्रीर्धानयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीक्षान और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269 के ख के अधिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय रजीस्ट्री है तारीब 25-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान ब्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तार्रातयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उचत अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरण के बायित्व में कमी करने या उससे यवने में सृविधा के सिए; बीड/वा
- (मां किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण. में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नीसिंखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रामित कस्तूरबाई माधववास और श्रामित मोनाक्षा मोरारजी (एक्जीक्यूटर झाफ श्री मोरारजी माधववास ।

(भ्रन्सरककु)

(2) श्री दिनेश चन्द्र शहा, भिसेस जसूबेन दिनेश चन्द्र शहा

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

()

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान कि तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- सब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधीहस्ताकरी 🛸 पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्थव्दिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, दही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्वी

प्लाट नं ० 507 वां माला, दरिया महल की-प्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 80 नेपिअनसी रोड बम्बई-6 ।

श्रतुसूची जैसा कि ऋ० सं० 2340 श्रई-1/37ईई/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई क्वारा दिनांक 25-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए. तहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बम्ब्स्

तारीख: 11-1-1985

प्ररूप **गाह**ै.टी.एन.एस. ------

मायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-ध (1) के मधीन सृथना भारत सरकार

कार्यालय, यहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-1, वम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निवेश स० **प्रार्थ-**1/37ईई/2796/83-84- प्रतः मुझे ए० लाहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार भन्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० कमरा न० 13, जो, 4 थी मंजिल मुक्ती चैत्थन्य को--ऑप० हाउमिंग सोमाइटी लि० सेमुश्रल, स्ट्रीट, बम्बई-3 में स्थित है (श्रीर इससे उपाब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ना श्रीधकारी के कार्यालय, बुम्बई में रिजस्ट्रोकरण मधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन/और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 बख के श्रधिन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय सें रिजस्ट्री है, नारोख 25-5-84

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूलय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निस्ति में वास्तिक रूप से अधिक नहीं किया गया है "---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आग या किसी धन या जन्य जास्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निय्निधित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) श्री शांती लाल पी० मेहसा

(अन्तरक)

- (2) मेसर्स नवकेतन इन्टरप्राइसेस, पार्टनर्स:
 - 1. श्री राजेन्द्र के० बोषी
 - 2. श्रीं सुशील कुमार जैन, श्रीर
 - 3. श्रीं मन्सूख बी० संघवी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के कर्जन के निए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी अ्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु³, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में लिल गया है।

नमृत्यी

कमरा नं ० 13, जो मुक्ती चैत्यन्य को-म्राप० हार्जासग सोसाइटी लि० 235/238, सेम्युल स्ट्रीट, ४ थी मंजिल, बम्बई-3 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र॰ सं॰ श्रई-1/37ईई/2342/83-84 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहिरी नक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आँयुक्त (निरीक्षण) य्यर्जनरंज 1, वस्बर्ष

नारीख: 11-1-1985

माहर ६

प्रकप् भाव . टी. एन्. एव् -----

वायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-व (1) के अभीन स्वना

TIES ESTRE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण

श्रजैन रेंज, बम्बर्ड

बम्बर्ड, दिनांक 11 अनवरो 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से बिधक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 4, जो 4 थी मंजिल कोहिनुर ग्रपार्ट मेंट्स, दादर बम्बई-28 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वीणत है) राजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन और जिसका कारनामा आयकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारो के कार्यालय र्राजस्द्री है, तारीख 25-5-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के सस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते ग्रह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार अस्त्य उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण संहुर्ष किसी बाब की बाबत उक्त जिथितियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (च) ऐसी किसी जाय वा किसी भन वा जास जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के स्थोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा का वा किया चाना चाहिए था, कियाने वें व्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स को हिन्द बिल्ड सं

(ग्रन्सरक)

(2) प्रजित दिगम्बर कणिक

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाभितः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

चनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र को प्रकासन की तारी सुध 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृपना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शंख्यों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाट नं० 4, जो, 4 थो मंजिल कोहिनूर ग्रपार्टमेंटस, बाबूरान परूलेकर मार्ग, दादर, बम्बई—28 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई—1/37ईई/2346/83-84 ग्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-5-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० लाहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रें ज. बम्बर्ट

तारीख : 11-1-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई-, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं ॰ आई-1/37ईई/2804/83-84-मुझे, ए० लाहिरी,

श्रतः

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रुध्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 8, जो, पहलीं मंजिल, धानंद निवास, चर्च गेट बम्बई—20 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध ध्रनुस्ची में और पूर्ण रूप से विणित है रिजस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, धौर जिसका करारनामा ध्रायकर प्रधिनियम, 1961 को धारा 268 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 25 मई, 1984 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसमों ु अधीत व— (1) श्रज विपिन ई० मुल्लाजी ग्रौर श्रीमित कोकिला बी० मुल्लाजी

(भन्तरक)

- (2) 1. श्री सुन्दरजी खेतशी महा,
 - 2. श्रीमति मंजूला सुन्दरजी शहा,
 - 3. मास्टर मश्विन सुन्दरजी शहा, भौर
 - 4. मास्टर म्रोजस सून्दरजी शहा ।

(भ्रन्तिः)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां बुरू करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णनं के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चिना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगृक्ती

प्लाट नं ० 8, जो, 1र्ल मंजिल, ग्रामन्द निवास, 25, "ए'' रोड, चर्च गेट, बम्बई-20 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37ईई/2347/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-5-1985 को जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-5-1984 को रजिस्टर्ड किया किया है।

> ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहासक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैंन रें ज, बम्बर्ध

तारीख: 11-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भाउत तरकाड

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० अई-1/37ईई/2805/83-84- स्रतः मुझे, ए० लहिनी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्रशिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,003/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं बलाक नं 201 जो दूसरी में जिल भारत नगर है/2 बिल्डिंग, ग्रान्ट रोड, बम्बई-7 में स्थित है (श्रीर इममें उपाबद्ध श्रनुसूत्रा में श्रीर पूर्ण क्ष्य में विणय है), जिसक करारनामा आयक र श्रीधिनियम 1961 की धारा 269व ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यलय में रिजिस्टी तारीखे:— 25-5-84

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल सं, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तथ पाया गया प्रति- क्का निम्निनिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विशित में बास्त- विकास स्थ से कांचत नहीं किया नहीं है है—

- (क) अन्तरण से हुन्द्रं किसी जाय की बाबत उपन जीध-विक्रम को बभीव कर दोने को जन्तरक को बाबित्व में अभी कर्ल का उवसे बचने में सुविधा को किए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

बतः सव, उक्त जीवनियम की भारा 269-त की अपूत्रक मों, भीं, उक्त जीवनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) मोहन लाल तुलमी दास भाटिया

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मावेचन्य प्रखाजी सघवी

(श्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां शुरू करता हुं।

उमत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकर क्यक्तियों में से किमी क्यक्ति ब्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की .तारींका सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपित्त में निहत-ब्राथ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए का सकोंगे।

स्पक्कीकरणः -- इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अलाक सं ० 201, जो, 2 री मंजिल, भारत नगर, ई/2 विहिडग 342, ग्रान्ट रोड, अम्बई-7 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई—1/37ईई/2348/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बम्बंई

नारीख: 11-1-1985

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, बम्बई

वम्बई, दिनाक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37—ईई/2807/83—84—-ग्रतः मुझे, एम नाहिरः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसका सं० कमरा न० 107, जो, रेक्स चेम्बर्स, वालचद हिराचद मार्ग, बम्बई-38 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूचा में श्रीर पूर्ण म्प से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अविकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रे, करण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) में अवीन/श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम के धारा 1961 का धारा 269 क, ख के श्रधान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारा के कार्यालय में - रिजस्ट्रो है, तारोख 25-5-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के जित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित संपत्ति का उचित शाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया विफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिखित में गस्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ब्रीड/बा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य शास्तियों की जिन्ह भारतीय जायकर अधिनियम, 1 #22 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थास् :-- 6. श्रामता शाता नानीकराम जगासिया

(भ्रन्तरक)

2. मै० मराथीन शापिंग कम्बाईन

(भ्रन्तरितः)

3. श्रन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सुभान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुभान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति व्चारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियमं के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कमरा न० 107, जो, रेक्स चेबर्म, वालचंद हि्राचंद मार्ग, बम्बई-38 में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि ऋ० म० अई-1/37-ईई/2350/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनाक 25-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीख: 11-1-1985

मोहर:

प्रकृत नार्यं टी त एन्त एक त ----

भागकर नौभनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के भभीन सुमना

भारत स्रकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, अम्बई

बम्बई, दिनाक 11 जनवर, 1985

निदेश स० श्रई-1/37-ईई/2810/83-84--श्रत. मुझे, ए० लाहिरो,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (रिन्से इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह रिनश्चास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका रिक्त बाजार मुल्य 25,000/-रा से अधिक है

भौर जिनको म० पलैट न० 54डा०, जो, डायल महल कफ परेड, बम्बई-5 मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), र जिस्ट्रोकर्ता श्रधिकार। के कार्याक्षय, बम्बई मे रिजस्ट्रोकरण श्रां।धात्रयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन/श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रधित्यम की धारा 1961 को धां।रा 269क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजस्ट्री है, ारीख 25-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित गाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाए वॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफार से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का प्रनद्ध प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बांच ऐसे अतरण के लिए तय ग्राया गया प्रतिफल निम्नतिचित 'उद्देश्य से उक्त अंतरण लिचित में बास्तिक रूप से अधित ने हीं किया गया है।

- (क) बंतरण से 'हुइ' किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के सिए; व दि/या
- (क) एसी किन्सी आय या किसी धम या अन्य आस्तियों को, जिल हैं भारतीय आये-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) आ जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में बृत्विका, के सिए;

नतः नन, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अनत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (१) के अधीन, निध्नतिष्णित व्यक्तिस्था अर्थाद् ध--- श्री बेनेडिक्ट जोसेफ फर्नान्डीस, ग्रीर श्रीमती बीठ बीठ फर्नान्डीस।

(ग्रन्तरक)

े 2. श्री प्रदीप हर्राकसीनदास क्लाल ।

(भ्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरिती ।

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाला;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

धनुष्य

फ्लैट न० 54-डी, जो, 5वी मजिल, डायल महल, दालामल पार्क, 223, कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है। श्रृतुसूची जैसा कि ऋ० स० श्रई-1/37-ईई/2352/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लाहिरी मक्षम प्राधिकारो सहायक ग्राथकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-1, बम्बई

तारीख: 11-1-1985

मोहरिध ु

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-~---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर भायक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० म्रई-1/37-ईई/2832/83-84--मृतः मुझे, ए० लाहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० यूनिट न० 513, जो, रहेजा सेंटर, भी प्रेम मार्ग, नरामन पाइंट, वम्बई-21 में स्थित है (श्रीर (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, बम्बई मे रजिस्ट्री-करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) /श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269क ख के श्रीचीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 30-5-1984

को पर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के के लिए अन्तरित की गइ और प्रतिफल विश्वास करने का यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, का कारण है कि उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निक्नसिक्ति उददोश्य से उक्स अन्तरण सिमित' में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 🗗 🖫 🛶

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शामिरक में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन अर अधिनियम, या धन अर अधिनियम, या धन अर अधिनियम, या धन अर अधिनियम, या धन अर्थाजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए

्बतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 2469-घ के अनसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिकित स्यक्तियों, अधीत् :---

- 1 मैं ० मेर्नामत इन्ब्हेस्टमेंटम् प्राइवेट लि०, (ग्रन्तरक)
- 2. म॰ गुप्ता ट्यूब्म एण्ड पाईप्स प्राइवेट लि॰ । (म्रन्तरिती)
- भन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके भ्राधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह स्वना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप हन्स

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितकद्व भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अक्षीहस्ताक्षरी की पास लिखित मो किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित है, वहों अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

् भ्रनुसूची

यूनिट नं० 513, जो, रहेजा सेंटर, फी प्रेस मार्ग, 214, नरीमन पाईंट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई—1/37ईई/2364/83—84 और जो सक्षम प्राधिकारो, अम्बई द्वारादिनाक 30-5-1984 को रजोस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

सारीख: 11-1--1985

मोहर

प्ररूप जाई ,, टी., एन ,, एस ,,------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भाउव बङ्कार

कार्यात्तय, सङ्गायक नायकर नायक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनाक 11 जनवरी 1985

निदेश स० ग्रई-1/37-ईई/2838/83-84--- ग्रत मुझे · ए० लाहिरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी म० फ्लैट न० 5-बी, नवलटच श्रारंमेट्स वाय० एम० सी० ए० रोड, बम्बई-8 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रीधकारों के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन/श्रीर जिसक करारनामा श्रीयकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269क ख के श्रीचीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 30-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह निरुवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कम, जिम्मानिवित उद्देषम में स्वतंत अन्तरण सिवित में वाका, विक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुर्इ किसी आय की वावता, उत्तर अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते वचने में तृतिधा को निए; बाँड/या
- (था) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्त आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया अया था या किया जाना वाहिए आ छिपाने में मृशिधा के निए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, कुर्धात् हुन्न

- शो क्षाक (उद्गीन प्रसगरप्राली बकर, ग्रीर था मन। अनुववाई मुल्ता किकाभाई (ग्रन्तरक)
- 2 (1) श्री निसार ग्रहमद सिद्दीकी
 - (2) श्रोमतो बिल्किम बानो श्रीर
 - (3) मास्टर शहद सिद्दोकी
 - (4) कुमारो नेला सिद्दोको

(भ्रन्त(रती)

3 ग्रन्तरको

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्षत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

दक्त सम्पत्ति के वर्जन के शम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष 🖫

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी अयदितयों पर स्पना की तामीस से 30 दिस की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विवर व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति वृवारा;
- (च) इस तृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ लिखित मा किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

फ्लैट नं० 5-वी जो, नवलटच श्रवार्टमेट्स, 23, वाय० एम० सी० ए० रोड, बम्बई-8 में स्थित है।

श्रनुसूची जसा कि ऋ० म० श्रई-1/37—ईई/2369/83—84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई दाश दिनाक 30--5-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० लाहिरी मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-1, बस्वई

तारीख 11-1-1985 मोहर .

प्ररूप आहे, टी. एन् एस्. —

कार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

.कायलिय, महायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अजन रेंज-I, वस्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेग स० अर्र-1/37-ईई/2842/83-84--अतः मुझे, ए० लाहिरो,

काथकर को शानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके गरुचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-क के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,0000/- रुपयं से अधिक हैं

श्रौर जिक्को पं० पर्नंट गं० 10, जो, 1ली मंजिल, सी-विंग, मिना अप्तर्टनेंट, माताप्ताखडा रोड़, माझगांव, बभ्बई में स्थि। है (म्रार इतने उपायक अनुसूचा में म्रार पूर्ण रूप से वर्गित है), रिजिन्द्राहर्ता अधिकारी क कार्यालय, बम्बई में रितिस्ट्राइएण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अजा।/ब्रार जितका कराएनामा आयक्तर अधिनियम, 1961 का बारा 269 ह ख क अधान, बम्बई स्थित सक्षम प्रतिध-कारा क कार्यालय में रिजिस्ट्रा है, ताराख 30-5-1984 को पृषांक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मृल्य स कम क दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसको दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप स कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के दायिल से कभी करन दा उन्हें नचन से तुंबिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किमी अय या किमी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विथा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नुलिखित व्यक्तियों, अथात् :---33 -466GI/84 1. मेतर्स गुंदेचा इंटरप्राइसेस

(अन्तरक)

2 श्री मोहम्मद हर्न:फ इस्माईल कामी

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवा:हथा करता हु।

उक्त रुम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप 🎞---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील स 30 दिन का अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पृत्राक्त प्राचना में समाप्त सामिल प्राचन
- (ब) इस मजना के राज्यव में प्रकाशन की तारी व बे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकींगे।

स्पष्टीकरण :----इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, बही अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ann wi

फ्लैट नं० 10, जां, 1ली मजिल, सी-विंग, मिना अग्रार्टनेंट, मातारपाखडो टोड़, माझगांव, बम्बई में स्थित है।

अनुपूर्वा जैपा कि ऋ० सं० अई-1/37—ईई/2372/83—84 ग्रीर जो सक्षम प्राधि हारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-5-1984 को रजिस्टर्फ किया गया है।

ए० ल हिरी सक्षम प्राधि तारी महायक आयकर आयुक्त (निर:क्षण) अर्जन रेंज-1, बभ्बई

तारीख: 11-1-1985

मोहूर 🕹

प्ररूप बार्दः टी. एन. एस.------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अजैन रेंज-!, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेग पं॰ अई-1/37-ईई/2847/83-84-अतः मुझे, ए॰ लाहिरी,

आयक र अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रा से अधिक हैं

भीर जिन्ही सं० पूनिट नं० 246, जो, 2री मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियन इस्टेंट, र्-1, लोअर परेल, बस्दई में स्थि। है (प्रोर इन्हें उन्नद्ध अनुद्दा में श्रीर पूर्ण रून में बीगा है), रिस्ट्रिजिंग अक्षितराक कार्यालय, बस्बई में रिजिप्ट्रिंग अगिनियम, 1908 (1908 का 16) के अग्रात/प्रोर जिन्हा हारामा आयक्तर अधिनियम, 1961 को आरा 239 व ज अग्रात बन्बई स्थि। नक्षम प्राधिहारों के कार्यानम में रिजिस्ट्रा है, ताराख 30-5-1984

का पर्धांकत रूपित के उपित बाजार मृत्य म कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विषयास करने का कास्ण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृष्यमान प्रतिफल में, ए में दृष्यमान प्रतिफल का विषय अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक हैं से किया गया है :—

- (क्ष' बन्तरण में हुइ' किसी शाय की शावत, उक्त बाधिनियम के बधीन कर दोने के बज्तरक खै दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, बार'या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथत अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अति अत्र उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण म, मैं, इक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों अधीत :--- 1. नै० महा एण्ड नहार एतो तिएट्स

(अन्तरक)

2. मैं अपेगो कारपोरेशन

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया करताहूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की मर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रीस में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाइस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकग।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा जा उस अध्याय में (देश) गया हैं।

नगृत्यी

यूनिट रं० 246, जो, 2री मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडिएर्रान इल्डेप ए-1, निहाराम जावब मार्ग, लोअर परेल, बन्बई में स्थित है।

अनुदूता जैना कि कि कि सै॰ आई-1/37-ई 2377/ 83-84 स्रोप जो नक्षत प्राधिहारा, बम्बई द्वारा दिनांक 30-5-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-1, **बम्बई**

तारीख: 11-1-1985

म्राहर:

प्ररूप बाइ¹. टी. एन. एस. -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, धम्धर्ष

धम्बई, विशोत 11 जनवरी 1985

निदेग सं० अई-1/37-ईई/2848/83-84--अतः मुझे, ए० लाहिरी, .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् उक्त आधीनयम कहा गया ही), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करन का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रुप से अधिक है

2.5.000/- स्त में अधिक है भौर गिराहो संव र्तिय नंव 248, जो, 2री मंजिल, ए-1, बिन्डा, पाहा एण्ड तहार इंडास्ट्रयन इस्टेप, लागर परेल, बन्बई-13 में स्था है (ब्रोर इसने उनाबद्ध अनुपूचा में म्रोर पूर्व रूप से विगित है), रोजस्ट्रा र्जा अधि हारा ज कार्यालय, बन्बई में राजस्ट्राहरण अन्यतियम, 1908 (1908 का 16) के अज्ञातिर जिन्ता करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269 ख क अत्रान, बम्बई स्थत सक्षम प्राप्त हारा के कार्याजय में राजस्ट्रा है, ताराख 30-5-1984 को पुत्राक्तः सम्पाल्त क उचित बाजार मृल्य स कम क ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करंक का कारण हैं कि यथापूर्वाक्त सम्पात्त का उन्तर बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रहप्रतिक्त से अधिक है और अंतरक (अतरका⁻) अर्थर अनंतारती (अतारतया) कंबीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहां किया गया है:---

- (क) बन्तरण संहुई किसी आयं को नवत, उक्त अधिक आधीनयमं कं अधीन कर देन कं अन्तरक के दायित्व मं कमी करने या उससंबंधन में सुविधा कालए, और/सा
- (क) गिसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (19∠∠ फा 11) या उक्त अधिनयम, या बनक्तर आधीनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविभा के लिए;

र्षे जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधीत :---

1. मै॰ शहा एण्ड नहार आसोजिएट्स

(अन्तरक)

2. मैं अपिगो कापीरेशन

(अम्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कायनाहिया करता हूं ।

उक्त सम्पात्त के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्र्यम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सृक्षना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति देवारा अधाहरताक्षरा के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयक्त शब्दों और पर्दों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय १०-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्स्यी

यूनिष्ट न० 248, जो, 2री 2री मंजिल, शहा एण्ड नहार ६ड ऐड़ान ६९ टेप, ए-1, निहाराम जाधव मार्ग, लोअर परेत, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुपूता तैना कि क० स० अई- $1/37-\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}/2378$ / 83-34 तोए को तिन मार्गितारों, बन्बई द्वारा दिसंक 30-5-1984 को स्थित्धई किया गया है।

ए० लाहिरी सञ्जान प्राधिकारी सहाजक आजकर आजुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

सारीख: 11-1-1985

मोहर 🕹

प्रस्थ बाई. टी. एन. एस. - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, बम्बई

बम्बई, विनांक 11 जनवरी 1985

निदेश स० अई-1/37-ईई/2849/83-84--अत: मुझे, ए० ल हिरी,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्रप्रिकारों को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रांर जिसकी स॰ यूनिट न॰ 245, जो, 2री मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियन इस्टेट, लोअर परेल, बम्बई-13 मे स्थिन है (ग्रीर इतसे उनाबद्ध अनुपूर्वा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्गित है), रिनस्ट्रोइल अधिकारा क कार्यालय, बम्बई में रजिस्हा हरग अजितियम, 1908 (1908 का 16) के अप्रा/प्रोप जिल्हा कपारतामा अध्यक्तर अधिनियम, 1961 का धारा 269 ह ख त अवान, वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी व कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 30-5-1984 को प्रवीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्यक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दश्यमान प्रतिफल सं एसं दश्यमान प्रतिफल की पन्छह प्रतिशत स अधिक है और बन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एस अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्दव्य से उक्त अन्तरण लिश्वित भी बास्तविक रूप संक्रियत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आपीनयम क अधीन कर दन के अन्तरक के बागित्य में कमी करने या उसस बचनें में सुविधा क लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तारती द्वार प्रकट नहां किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविभा के निए;

आह: आव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण वै. कैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात् :--- 1. मैं । महा एण्ड नहार आसोतिएइस

(अन्तरक)

2. मेसर्स अधिगो मार्केटिंग प्रायदेष्ठ लि०

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया वर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वान के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन के भीटर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी जन्म व्याक्त द्वारा अधीहम्ताक्षण के पास लिखित में कियं या सकोगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो . उक्त अधिनियम, कं अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे विया गया है।

अनुस्थी

यूनिट न० 245, जो, 2री मंजिल, महा एण्ड नहार इंड^{िट्}रात इण्डेट र-1, तित्राम जाधव मार्ग, लोअर रेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुपूर्चा जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/2329/ 83-84 श्रीर जो लक्षम प्राधितारः बम्बई द्वारा दिनांक 30-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहिरी सक्षत प्राधि गरी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जनरेंज-I, बम्बई

तारीख: 11-1-1985

मांहर:

प्रकृष नाष्ट्रं टी. एन एस ------

बारकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) की अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रज-1, बम्बई बम्बई, दिनांत 11 जनवरी 1985

निदेग पं० अई-1/37-ईई/2850/83-84--अतः मुझे, ए० लाहिरी,

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्कर स्विधिनयम' कहा गया है), की भारा १९० स्त्रों गशीय स्थाप पाधिकारी को, यह विक्रवास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000 रहे संस्थित ही

मीर जिनकी सं० यूनिट नं० 328, 3रा माला, शहा एण्ड नहार इंडिस्ट्रान इस्टेप्ट-1, पिरानम जाधव मर्ग, लोअर परेल, बम्बई-400013, में स्थित हैं (ग्रीर इससे उन बढ़ अनुप्ते में ग्रीए पूर्ण कर से विजित हैं), रिनिस्ट्रिंग्तां अधिनारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्रिंग्यण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन/ग्रीए जिनका कार्यामा अपार अविनियम, 1961 की धारा 269क ख वे अधिन बम्बई स्थित सक्षत प्राधिनारी के कार्यालय में रिजिस्ट्रें है, तारीख 30~5-1984

का पर्वाक्षत मणीं के उचित्र बाजार सन्य में कम के द्वयमान प्रतिफात के लिए अन्तरित की गर्ब है और मुझे यह विश्वास करने का फारण है कि स्थापवींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके ख्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रत प्रतिकास से अधिक है और अध्यक (अन्तरका) और बन्तरिती (प्रदर्शितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय बास गया प्रतिफल निम्निसित उददेश्य से उक्त अंतरण जिल्हा में वाक्टिविक क्य से किथा नहीं जिल्ला गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधान कर देए के अन्तरक के इतियम में भी कान एए उसने यक भी मीविका के लिए और/या
- (क) एसी किसी काय का किसी धन का राज प्राप्तिकारी को. जिन्हीं भारतीय ब्राप्टकार प्रतिनित्ता, 1922 (1922 का 11) का उस्ता मधिनियम, का धनकर किधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवीकनार्थ करनिति वधारा प्रकर सही किथा गया था का किया काला काहिए वा कियाने के स्विका के निर्णाः

क्रमा अब उक्त अधिनियम की धारा २६५-ग के कर्म्यरण पमें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६५-घ की उपधारा। (1) के अधीन, निम्नलिखिक व्यक्तियों, अर्थात --- 1. तै० णहा एण्ड नहार असोतिएट्स

(अन्तरक)

2. सरफेउ पत्रस्टिक्स

(अन्तरिती)

को गृह सकता जारी करके पृथेकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

सक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब च 45 दिन की अविध या तत्मवधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, आं भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के नीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपण के प्रकाशन की तारींच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किवात में किए जा सकेंगे।

स्थादकी करण:---- ग्रममें प्रायस कर्न्यों और पटों का जा तक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिस है, वहां अभे हागा जा उस अध्याय में ह्रदेश ज्या है।

अनुसुची

यूभिष्ट त० 328, 3र माता, शहा एण्ड नहार इंडिस्झ्यल इच्डेप, १-1, ना पाम जाधव माग, लोअर परेल, बम्बई-400 013 में स्थित है

अगुचो जैना कि कि कि सं अई -1/37-ईई/2380/83-84 स्रोर जो पक्षा ना बिहारी, धम्नई द्वारा दिनांक 30-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० साहिरी सभा प्राधितारी महायक आयकर अप्युक्त (तिरीक्षण) अर्जन र्जन-1, सम्बद्धी

तारीख: 11-1-1985

मोहर

प्ररूप मार्धः टी. एत. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

धर्जन रंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निवेश सं० अई-1/37-ईई/2888/84-85-अतः **मुझे,** ए० लहिरी,

आयकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वस करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपयं से अधिक हैं

भीर जिनकी सं० 121/ए, हिरा-गन्ना प्रिमाहसेस को-आप० सो गायटी लिमिटेड, हार्ज अली स्कंल, बम्बई में स्थित है (श्रीर इनसे उगा ग्रुद्ध अनुपूर्ण में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्राजित अधिकारा के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन बम्बई स्थित नक्षत प्राधिकारी के कार्यालय क अधीन, सारीख दिनाक 30-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह (तिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सन्तरण लिखित में शस्तिक रूप स कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दागिस्त्र में कमी करने या उखसे बचने में सूनिधा के लिए, आर/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रय जनार्थ अतिरिने दनारा प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना वाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-व कौ अनुसरम न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) कौ वो अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थानुः— 1. श्री पटेल नरेन्द्र बी॰

(अन्तरक)

2. श्री शीरह मधुहांत पटेल

(जन्तरिती)

3. **अ**न्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

सकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजण्य में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों म स किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकांगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्त्र

121/ए, हिरान्यमा प्रिमायमेष को-आयरेटिव सोजायटी जिलिडेड, हाना अना तर्हन, बन्बई।

अनुपूता नैता कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/2613/ 83-84 और नो तता मार्थि औरा, बन्बई द्वारा दिनाक 30-5-1984 को राजस्पर्ड किया गया है।

> ए० लाहिरी सञ्जान प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेज-1, सन्सर्घ

तारीख: 11-1-1985

मोहर 🖧

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दितांक 11 जनवरी 1985

निवेश सं० अई-1/37-ईई/2474/83-84--अत: मुझे, ए० लहिरी,

आध्यकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावत सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिन्न नं पर्नै : न० 9, जो, 3री मंजिन, सै के । कृष्णा निजान को शान हार्जी गसो नायट , जान क्ष्यर रोड, बम्बई - 6 में स्थित है (श्रीर इनसे उनाक अनुसूर्ण में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रो किला अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्रा करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अज्ञा श्रीर जिनका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269 ख ह अधीन बन्बई स्थिन क्षम प्रधि जरी के वार्यालय मेरिजस्ट्री है, हर ख 5-2-1984

को पृश्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य स कम के दृष्यमान इतिफल के लिए अतरित की गई है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्त्रेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रुश्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल स, एमि दृष्यमान प्रतिफल को पृष्य प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एम अन्तरण के निए यय एया गया भितिफल निम्नितियों उद्देष्ण में उत्तर अन्तरण सिविया में बास्तायक कर सकतरण सिविया में

- (क) अन्तरण से इन्हें किसी जान की गायत, उपक् विधिनित्रम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दासित्य भो कसी करने या उत्तर्श सभने में सुधिशा के जिए; गीर∕ण
- (क) एमी किसी काय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अतः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्तः अधिनियम की धारा 260-च की उपधारा (1) मैं मुधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. आ मे० एम० झवेरी

(अन्तरक)

2. श्री भरत कुमार यू० संघवी

(अन्तिरिती)

3. अन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहर गक्षरा जानता है कि वह सम्पत्ति में हि,बढ़ है)

स्त्रे यह स्वाना कारी करके पृथानित सम्पृतित के अर्थत के सिष् कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

जनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बर्बाध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियां पर सचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी वर्बाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्स स्मिन्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए जा सकेंग।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

बग्स्ची

पर्लंट नं० 9, जो, 3री मंजिल, सीफीस कृष्णा निवास को-आप० हाउनिंग सोतायटो, 58—ए, वाल⊲ग्वर रोड़, बम्बई -6 में स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि कि सं० अई-1/37-ईई/2311/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 2-5-1984 को रजिस्टर्ब किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिनारी सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीख: 11-1-1985

माहर:

प्रकप बाइ'. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दितार 11 जनवरी 1985

निदेग स० अई-1/37—ईई/2480/83—84——अत मुझे, ए० लाहिरी,

कायकार आधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 260 के अधीन सभय प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित धाजार मृत्य 25 000/- रह से अधिक हैं

स्रीर जिन्हों प० परंड न० 24, जो, प्रायंता आर्टिमेट, एन० एम० काले मार्ग, दादर, बम्बई-28 में स्था है (स्रार इनमे उनाबद अनुपूनः में स्रार पूर्ण रूप से विणा है), रिनिष्ट्रा ति अधि गरा क वार्यानय, बम्बई मे रिनिस्ट्रा एण अधि त्यम, 1938 (1938 हा 16) के अप्रात्रियार जिन्हा करारतामा आप्रहर अपित्यम, 1961 की धारा 269क, ख व अधान बम्बई स्था वक्षन प्राधिहारों के कार्यालय में रिनस्ट्रा है, ताराख 3-5-1984

की प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रातफल के लिए अन्तरित को गई है और मृत्र यह विश्वास करन का कारण है कि यथापर्याक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, ानम्नालीखत उदवण्य स उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीलफ रूप स कथित नहां किया गया है ---

- (क) बन्तरण से हुए किसी बाब की बाबस, उपस्थ अभिनियम के अभीन कर दाने के अन्तरक को दर्गयल्य में अभी करने ये। उससे बक्त में सुविभा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जेक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया बा वा किया जाना भाहिए था, छिपान में सूब्धा के लिए,

अत शब, उक्त अधिनियग की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, दर्थात् :--

1 श्रानता रोहिना पी० पात्रेकर

(अन्तरक)

2 श्री अजय कन्हैयालाल चौतसी

(अन्तिरिती)

को यह मुचना जारी करके पृथेक्ति संपरित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उन्तर संपत्ति को अर्जन को मंत्रंध में कार्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तिया पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा,
- (६) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशा की तारीख से 45 दिन के भीतर उवन स्थावर संपत्ति में हितचदभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिकिन में किए जा सकता।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधिनिश्य के अवाय 20 के में पीरकाश्वत हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ननस्ची

पर्नेष्ट न० 24, जो, प्रार्थना अगर्डमेट, एन० एम० काले मार्ग, दादर, जम्बई-28 में स्थित है।

अनुपूता नेना कि ऋ० स० अई $\sim 1/37-\xi\xi/2316/83\sim 84$ प्रोर को नप्ता प्राधिकारों, बन्मई द्वारा दिनाक 3-5-1984 को रिनस्पर्ड किया गया है।

ए० लाहिरी सक्षम प्राधित रो महायक आयकर अयुक्त (निरक्षण) ऋर्जन रैंज∼1, बम्ब्दि∢

तारीख. 11-1-1985 मोहर ⊭

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/2534/83-84--अतः मुझे, ए० लाहिरी,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अबीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु से अधिक **हैं**

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 412, जो, 4थी मंजिल, बम्बई मार्केट, ताडदेव रोड़, बम्बई-34 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन/ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दो है, तारीख 3-5-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का जारण है कि नथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित वाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से., एसे दश्यमान प्रतिफल का ान्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिबाक रूप से काश्वित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जीधीनयम के जधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/बा
- ¹स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर जीपनियम, 1957 (1957 का 27) **क**े प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा लं जिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) कें अधीन, निग्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---34-466GI/84

1. श्री रजनीकांत केशवलाल शहा ।

(अन्तरक)

2. श्री जिगनेश रमेश कुमार धारीया ।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (ब) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच चै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की नामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी र से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित हो किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया गया है।

ग्रनुसूची

फ्लैंट नं० 412, जो, 4थी मंजिल, बाम्बे मार्केट अपार्टमेंट ताडदेव मेन रोड़, बम्बई-34 में स्थित है। अन्सूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/2555/

83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

शरीख . 11-1-1985

मोहर :

प्ररूप बाइ . टी. एन, एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

बाइत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, धम्बई बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/2537/83-84--अत: म्झे, ए० लाहिरी,

मायक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

स्रौर जिनकी मं० वेअर हाउम नं० 312, जो, 3री मंजिल, वर्धमान चेंबर, मस्जिद बंदर, बम्बई-9 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन/स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 369क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 5-5-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नतिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में अस्तिवक रूप से किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-निवस के बधीन कर दोने के जंतरक के वासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के दिवस, बीड/वा
- (क) ऐसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायक र विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विश्य के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तिमों, अर्थात् :--- 1. मेसर्स वर्धमान इंप्टरप्राइसेस ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती भाना सी० कुट्टी।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध भे कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियों में में किमी व्यक्ति ब्वाग;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उसत रशावर संपरित में हित- बद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा रुफोंगे।

स्पष्टीकरण :----- इसमे प्रयंक्त कथ्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क के परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा मया हैं।

वन्स्त्री

वेअरहाउस नं० 312, जो, 3री मंजिल, वर्धमान चेंबर कल्याण स्ट्रीट, मस्जिद बंदर, बम्बई-9 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-1/37-ईई/2396/ 83-84 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 5-5-1984 की रजिस्टई किया गया है।

> ए० लाहिरी मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 11-1-1985

माहर:

प्ररूप ब्राइ^{*}. टी. एन. एस.-----

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई दिनांक 11 जनवरी 1985 1∱37-ईई/2538/83-84--अतः म् झे,

करने

107 **″1,9**61 (1961 का 43) (जिसे इसमें **काय**क %मेंद्रीनयम['] कहा गयाह°), की भारा इसके प्राधिकारी को, यह विश्वाण 269-₹ कारण हरी पित्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य भिक्त है[°] 25,000**/**** प्रीर जिसेकी ∤ानि न० 110, जो, 1ली मंजिल, विसे, माम्बद बदर, बम्बई-9 में स्थित विल्डिंग, र है (श्रोर[ं] क्षु<mark>ंक्रक्</mark>राबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिक्टिंग्यें अधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रजिस्ट्री-करण अधिराध्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन/ श्रीर शिक्षक करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी क 269

कार्याल्यान रेजिस्ट्री है, नारीख 5-5-1984 का पुर्वोद्धी सम्पंति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण 📢 के यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके । इंग्रेमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रसिक्तल, निम्नलिखित उद्देश्य से अंक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भाध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासिल्ब में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धनकर अधिनियमः, 1957 (1957 町 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंधा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभाके जिए;

15 अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मेसर्स वर्धमान इंटरप्राइसेस ।

(अन्तरक)

2. श्री अली महमूद घोंडने ग्रौर इक्राहीम महमूद घोंडने।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक ।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क**) इ**स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 किन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों स्चना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियां में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 विन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

दूकान नं० 110, जो, 1ली मंजिल, बिल्डिंग बर्धमान चेंबर्स, 72, कल्याण स्ट्रीट, मस्जिद बंदर, बम्बई-9 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० अई-1/37-ईई/2399/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 11-1-1985

मोहर:

शक्य बाह् टी. एन. एस.----

मायक ए मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) को मधीन सुभना

भारत धरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निवेश सं० अई $\sim 1/37$ —ईई/2563/83—84—अतः मुझे, ए० लाहिरी,

क्षायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है फि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 36, जो, 4थी मंजिल, वेन् अपार्टमेंट्स, नायगांव, दादर, बम्बई-14 में स्थित हैं (मीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन/म्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 8-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापृश्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुर्द्द किसी आय की वाबत, उक्त विभिनियम के वधीन कर देने के बन्तरफ के दायित्य में कमी करने या उससे अवने में स्विधा के किए; बॉर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन मा बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. श्री प्रयागधाम ट्रस्ट

(अन्तरक)

- 1. (1) श्री हरचरण सिंग दौलत सिंग,
 - (2) उमिदर सिंग स्रोर
 - (3) श्री उत्तम सिंग हीरा सिंग।

(अन्तरिती)

क्षे यह स्थन, वारी करके प्रावेश्य संस्थ कार्यवाहियां करता हुं।

्चे सिए

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में

(क) इस स्वना के राजपत्र में 45 दिन की जबकि सार् स्वना की तामीन से 30 जबकि बाद में समाप्त होते हैं। स्थानस्यों में से किसी व्यक्ति

से ह्यापांपर सीक्षर यो भी सिक्षर प्राॅक्त

(व) इस स्वना के राजपत्र में तारीय रो 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समृद्धः हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा वर्धाहरताहः ...' के पास तिस्तित में किस् जा सर्वोगे।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का उन्हें जिल्हा अभिनियम के अध्याय 20-क कि कि भिनियम है, वहीं अर्थ होगा जो उस के सुक्ते कि विया नवा है।

नग्त्र्भी

पर्नेट नं० 36, जो, 4थी मंजिल, वेनू अवार्टमेंट, नायगांव दादर, बम्बई में स्थित है।

अनुसूचो नैसा कि कि स० अई-1/37—ईई/2421/83-84 और जो नक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3,यम्बर्ष

तारीख: 11-1-1985

मोहर :

प्रक्ष बार्ष . दी . एन् . एस . ----- ----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज 1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985 निदेश सं० भ्रई-1/37-ईई/2572/83-84---भ्रतः मुझे, ए० लाहिरी,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी में० श्राफिल प्रिमायसेम न० 82, जो, बजाज भवन, बी० बी० श्राप्त स्किम, नरीमन प्वाइंट, बम्बई-21 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनस्वा मे ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रांकर्ता ग्रीधिकार, के कार्यालय, बस्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन/श्रीर जिसेका करारनामा श्रायकर श्रविनियम 1961 को धारा 269क ख के प्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारो के कार्यालय में राजस्दो है, तारीख़ 8-5-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और **भन्तरित (**अतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपाल, निम्नलिखित उदवेशों से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिमियम स सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मां कभी करने या उसमें बचने में सृदि के लिए: और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अप्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् क्र— 1. मै० पिजय माया एक्सपोर्ट

(ग्रन्तरक)

2. मै० महिसा प्रसारक ट्रस्ट,

(म्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थाना बारी करके प्रवेक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त रुम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि. जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर प्रकार व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा.
- (क) इस सुभाना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवदव किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षण। के पास लिखित मो किए आ सकरेंगे।

स्माच्यीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उत्कर अधिनियम, के अध्याय 20-क में पिन्माधित हैं, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्राफिस प्रिमायसेस नं० 82, जो, 8वी प्रजिल, बजाज भवन, बीं० बी० ग्रार० स्किम, ब्लाक 3, नरोमन प्वाइंट, बम्बईब21 में स्थित र।

अनुसूची जसा कि ऋ० सं० भई-1/37-ईई/2426 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी ,बम्बई द्वारा दिनाक 8-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया र।

> ए० लाहिरी पक्षम प्राधिकारी स**हायक धायकर आयु**क्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज:1, बम्बई

तारीय: 11-1-1985

माष्टर :

वक्य नाहाँ दी एन एस , -----

नायकर निर्मित्यन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन स्चना

नाइत चंड्रका

कार्यातव, सञ्चयक जायकर जायूक्त (निरीक्षण)

श्रजैंन रेज-1, बम्बई धम्बई, दिनोक 11 जनवरी 1985

निदेश स॰ **बर्ध-**1/37-ईई/2582/83-84--- ब्रत. मुझे, ए॰ लाहिरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परिता, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट त० 10/बी०, न्यू श्राकाशगगा की श्रापरेटिव हार्जासग सोसायटी लिमिटेड, 89, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण छ। से बणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्राधकारी के कार्यालय में र्राजस्ट्रीकरण श्राधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन/श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रधितयम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, तारीख बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 8-5-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-क्ष्य विक्रासियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक क्ष्य से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त अभिनिवस के सभीन कर दोने के अन्तरक के शाक्तिक को कभी करने वा उन्हर्स वचने को सुविधा के जिदा: कोंद्र/पा
- (क) एती किसी नाय वा किसी भन या नभ्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिमिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 ((1957 का 27)) अ प्रयोधनार्थ नंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः सव, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के बन्सरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपभाग (1) के अभीन, निम्नीलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— 1. श्री सोनाली अनुप जलोटा

(भ्रन्तरक)

2. डा० विनेश वपतरी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पिन्तयों में स किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वना के राव्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के कात विश्वत में किए जा सकों में।

स्वयोकरणः -- इतमें प्रमुक्त वश्यों जीर पथों का, की सक्य अधिनियम, के ब्रुगाम 20-क में प्रिराणिक ही, नहीं वर्ष होना जो उस अध्यास में द्विमा गया ही।

अनुसूची

पलैट न० 10-जी, न्यू धाकाशगगा को धापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 89, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई 36। धनुसूत्री जैसा कि ऋ० स० धर्म-1/37-ईई/2430/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-5-1984 की रजिस्टई किया गया है।

> ए० नार्तहरा मक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज-1, बम्बई

तारीख: 11-1-1985

मोहर:

प्रकथ नाइं.टी.एन.एस. ------

भायकार अधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की; भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायकभूबायकर माय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनसरी 1985 निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/2583/83-84---ग्रतः मुझे, ए० लाहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 805, जो, बिस्डिंग ए, भागनारी को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिं०, डंकन कांजवे रोड़, चूना भट्टी, बम्बई-22 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपावद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), र्राजस्ट्रीकर्ता श्रीध-कारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन/श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है सारीख 8-5-1984

को प्रवेकित सम्पत्ति के उचित गाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किंग्त नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण हें हुई किसी जाब की सावत, सक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृधिधा के लिए; और/श
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयधा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण ; में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) दे अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, जर्मात् ■—

- 1. श्रोमती शांती रामचन्द्र गुरवानी
- (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती निला महेश पारेख

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी नाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवादा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिकिश् में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उसे. अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया हैं।

वन्यूची

सेफ्लैट नं० 805, बिल्डिंग-ा, भागनारी को-प्राप० हार्जासग सोसाईटी लि०, डंकन कोजवे रोड़, चूनाभट्टी रेलवे स्टेशन के बाजू में, बम्बई-22 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अर्ड-1/37-ईई/2431/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज-1, बम्बई

तारी**ख:** 11-1-1985

मोहर 🧐

प्रकथ मार्च. टी. एन. एव.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की. धारा 269-च (1) के अधीन स्पना

भारत सरकाइ

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्तण) धर्जन रेंज-1, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० म्रई-1/37-ईई/2586/83-84---म्रतः मुझे, •ए० लाहिरी,

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धमके धरणात् जिक्त अधिनियम कहा गया है), को भारा 269-क के अधीन संक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य (८००/- क से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 905, श्रो, भागनारी की श्रापं० हाउसिंग सोसायटी लि०, छंकन काजवे रोड़, चूनाभट्टी बम्बई 22 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन/श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित उक्षम श्रीधकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारोख 8-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृश्यमान प्रिपिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रिपिफल का पन्द्रह प्रिपेशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिथक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- तिहा सम्बद्ध सं हुई सिसी बाम की बामत, अमध बाधितियम के अर्थान कार दोक वे अराह के दायित्व में अभी कहते या नसरों अपने से स्विश्ता से सिए; बीर/मा
- श्र) ए'सी किसी आय या किसी धन वा जन्म जास्तिको का चिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिन्हां मारतीय आयक्त जिन्हां प्राचित्र का 27) श्रे प्रकार जिल्हां जन्दिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, स्थिपाने में मुख्या के सिक्ष;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जन्सरण मं, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—- क्रिक्ट ज्यास्त्र कः 1. श्रो दिलिप राम रसोला ।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमता महाजन हसीबाई मथुरादास

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके प्रतिकत संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त राम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासीय:--

- (क) इस स्थना के राजपन में प्रकाशन की धारीब से 45 दिव की अवधि मा तत्स्वस्वरणी व्यक्तिमों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति दवारा बधोहस्ताकरी के पास किसीजन में जिल्ला को महोंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगसची

फ्लैट नं० 905, जो, भागनारो को-म्राप० हाउसिंग सोसाईटो लि०, डॅकन कांजवे रोड, चूनाभट्टी रेलवे स्टेशन के बाजु में, बम्बई-22 में स्थित है।

श्रिन्सूची जैसा कि ऋ० मं० श्रर्ह-1/37-ईई/2433/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-ा, बस्बई

तारीख: 11-1-1985

मोहर ः

त्रस्य बाइं. दी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सुचना

बाइस बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

धम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० अई-1/37—ईई/2604/83-84—अतः मुझे, ए० लाहिरी,

कायकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 से के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्रौर जिपकी मं० पर्नैट नं० 23, जो, 2री मंजिल, अशोका अपार्टेमेंट, आ नेपियन सी रोड़, बम्बई-36 में स्थित हैं (और इपने उनाधद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, म्बई में रजिस्क्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16क) के अधीन/ श्रौर जिमका करारनामा आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, म्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 7-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि गंथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कैं बाबित्व में अभी करने या उससे बचने में झुविधा के लिए; बौर/बा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ह³ भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव-भव्य विधिवस्था, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में विकशा के लिए,

1. श्री सुन्दर एच० थडानी

(अन्तरक)

श्री योगेश के० मेहरा,
 श्रीर कुमारी अनुराधा के० मेहरा

ं (अतरिती)

को यह स्थाना भारी कारके पूर्वीकत सम्पत्ति के वर्णन के निए कार्यवाहियां शुक्त करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाताप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (व) इव वृष्णा के राज्यंत्र में प्रकारण की तारील वे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृष किसी कर्य स्थावत स्थावत, नभाहस्ताकारी के पास निवास में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया एया है।

अनुसूची

पलैंट नं० 23, जो, 2री मंजिल, अशोका अपार्टेमेंट्स, आफ नेपियम सी रोड़, मिंबई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि ले सं० अई-1/37-ईई/2209/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 11-1-1985

मोहर ः

प्रकृप बाह्रं, टी. एन. एस. ~ - - -

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बार 269-अ (1) के अधीन सुचन।

1. श्रीमती मोदिनी लंखमनदास शहानी।

(अन्तरक)

2 श्री रामकृष्णा आत्माराम साख्ररदाडे ।

(अन्तरिती)

भारत पहलाई

कार्यालय , सहायक शावकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 11 जनवरी 1985 निदेण म० अई-1/37-ईई/2661/83-84--अतः मुझे, ए० लाहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० फ्लैप्ट तं० 69, जो, पंकज मन्शन, वर्ष्ण्य, बम्बई-18 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अक्षिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन/ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 16-5-1984

पर्ने प्वाप्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्बित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) बन्दरभ से हुए किसी आयु की करवा, सबस अधिनियम के अधीन कर बाने के बन्दरक से बाधिरल में कभी करने या उससे अधने में सुविधा में सिए; बांद्र/ना
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्मियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यरिती द्वारा प्रकट नहीं िक प्रयोजनार्थ अन्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विभा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त विधिनियम की भारा 269-त के बन्दरल मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :— को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सावना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त कि क्वाया न से उद्धारित होती हो,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास विक्रित में किए जर सकोंगे।

स्वव्हीकरण --इसम प्रयूक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याक 20-क मो परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो लग अध्याय मा दिया गया ही।

अनुसूची

प्लॅंट नं० 69, जो, पंकज मन्यन, डा० ए० बी० रोड़, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि ऋ० स० अई-1/37—ईई/2451/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-5-1984 को रिजस्टड किया गया है।

ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई ।

सारीख : 11-1-1985

मोहर 🖫

प्रकृप बाह्र .टी एन २व .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत अस्कत्रक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० अई-1/37—ईई/2708/83—84——अतः मुझे, ए० लाहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्का जिल्ह बाजार मृन्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० दूकान न० 31, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, विंग डीं ममता अगर्टमेंट, ह्यू प्रभादेवो रोड़, बम्बई में स्थित है), श्रौर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिकस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन/श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के अधीन रिजस्ट्री है, तारीख 16--5-1984

को पृथोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तिरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण में कि सक्ति वेदित प्रमति का उचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, एसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतिरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी अग्र की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व मों कभी करने या उससे अभनं मों सुनिधा के जिए; बार/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर्त, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ट अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का २०३० के प्रवोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा अव-उ गहीं किया गया क्या या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुनिधा के लिए;

जसः अब, उथत अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण थे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीय, निस्निचित व्यक्तियों, अर्थात् ६1. मेसर्स गुन्देचा बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

2. जनता दूरीस्ट कार्पीरेशन।

(अन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप ह---

- (क) इस स्वता के राजपन में प्रकाशन की तारीय न 45 दिन की अवधि या तत्स्त्रमधी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यध्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का जो उनता अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।।

मन्त्रची

दुकान नं० 31, जो, प्राउण्ड फ्लोर, ममता अपार्टमेंट, विग-डी, प्लाट नं० 926, टी० पी० एस० नं० 4, माहीम एरिया न्यू प्रभादेवी रोड, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि ऋ० मं० अई-1/37-ईई/2282/83-84 धौर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बस्बर्ध

सारीख: 11-1-1985

मोहर:

प्रकप आई.टी.एन.एस. -----

बायकद्व विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

बाह्य धरकार

कार्याच्य, सङ्घयक गायक र भागुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निर्देश सं० अई-1/37—ईई/2709/83—84—अतः मुझे, ए० लाहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 61, जो 6वी मंजिल, विग-डी, ममता अपार्टमेंट्म, न्यू प्रभादेवी रोड़, बम्बई-25 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकर्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 16-5-1984

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफला के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे धश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के लीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव की यावत, एक जीपनियम के जधीन घर दोने के जन्तरक के वासिन्य में किसी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा चे बिद्रा

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मनिक्कित अपिक्तयों, अर्थात् ध--- 1. मेसर्स गुवेचा बिल्डर्स

(अन्तरक)

2. श्रीमती हिरा इदर प्रकाश छात्रा

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिंग के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए वा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया चया हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 61, जो 6वीं मंजिल, ममता अपार्टमेंट्स, विग-डी, प्लाट नं० 926, टी० पी० एस० नं० 4, काहीम एरिया न्यू प्रभादेवी रोड़, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-1/37–ईई/2283/83–84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लाहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्बई

वारीख: 11—1—1985

मोह्यर 🛭

प्ररूप बाइ .टी एन. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **गरा 269-व (1) के अभीन स्वना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भार्जन रेंज-1 बम्बर्ध

वम्बई, दिनाक 11 जनवरी 1985

निर्देश स० **अई**-1/37-**ई**ई/2721/83-84--**अतः मुक्षे**, ए० लाहिरी,

अगयकर अधिनियम, 1961 (196 1का 43) (जिसे इसमें इसमें परिशात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० दुकान न० 79 श्रीर 80, जो पटेल एण्ड सोनी श्राकेंड, बेलामिस रोड, बम्बई-8 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), राजस्ट्रीनित श्रिधकार। के कार्यालय बम्बई में राजिन्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन/श्रीर जिमका करारनाम। श्रीयकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन वम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, तारोख 16-5-1984

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई और मुके यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरको) और अतरिती (अतरितियो) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उक्षेष्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) बन्नरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बक्कने में सुविधा की बिए; बरि/क
- (1) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसितयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

जत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- 1. मैं ० पटेल एण्ड सोनी श्राकेंड

(भ्रन्तरक)

2 मेसर्स घेराप्यूटिक्स इन्वेस्टमेट प्राइवेट लि० (ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

दक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोर्ड भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, खो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में खे किसी व्यक्ति दुवारा.
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, वहीं बर्थ होगा जो उस अध्याय में निया गया हैं।

मन्त्रची

दुकान न० 79 भीर 80, जो, पटेल एण्ड सोनी झार्केड 233/234, बेलासिम रोड़, बम्बई-8 मे स्थित है। धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भई-1/37-ईई/2292/ 83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 16-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्राय**कर ग्रायु**क्त** (निरीक्षण) **ग्रजैन रेंज-1, बम्बर्द**

तारो**ख**: 11-1-1985

मोहर 🧓

प्रकृष भाइ . टी. एन. एस. ----

भायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-म (1) के अभीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बर्फ, दिनांक 11 जनवरी 1985

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/2732/83-84--ग्रतः मुझे, ए० लाहिरी,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास कारने का कारण ह' कि स्थावर मध्यति, जिसका उचित बाजार मृत्य १६०,०००/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं दुकान नं 7, जो विसेंट कोर्ट, दादर, बस्बई-14 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबक्क प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं). रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, वस्बई मे रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रीधिनयम, 1961 का धारा 269क, ख के श्रीधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री हैं, तारोख 29-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उकित बाबार मृल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मृक्षे यह निश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंशिरती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) वंतरण वं हुई किसी बाद की बाबत, उक्त बीधीन्युम् के बुधीन कर बेने के बंतरक की बाबित्य में कामी करने या उद्यक्त बचने में सुनिना के सिए; और/मा
- (भ) श्रेसी किसी नाय या किसी पून या जन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार आधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं जिल्ला गण या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से सिए;

अतः, अव, अक्त विभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण वो, जो उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नसिविक्त व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री मुल्लांकांडी चंद्रन

(प्रन्तरक)

2. मेसर्स एच० कोठारी एण्ड कम्पनी

(श्रन्तरिती)

3. मन्सरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए कार्यवाहिमां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से फिसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिंद- कर्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर। के पास लिसित में किए था सकेंगे।

स्थळीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अमृसूची

दुकान नं० 7, जो विसेंट कोर्ट, 175, डा० भ्रांबेडकर रोड. दादर बम्बर्ड-14 में स्थित है।

भ्रनुसूची जसा कि क० सं० प्रई-1/37-ईई/60 डिम्ड्स 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई ढाएा दिनांक 29-5-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहिरी, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज-1: बस्बई

तारीख: 11-1-1985

मोहर 🗓

प्रकृप कार्षे. टी. एन्. एस.------

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अभीत सुचना

मारत तरकार

कार्यां लय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निर्देश सं० **प्रर**-1/37-ईई/2791/83-84---प्रतः मुझे, ए० लाहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं यूनिट नं 30-ए, जो ग्राउंड फ्लोर, बुमा उद्योग भवन इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को-ग्राप हाउसिंग सोमायटो लि , टी जे रोड, सिवरी, बम्बई-15 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारों के कार्यालय, बम्बई में र्राजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन/ग्रीर जिमका करारनामा ग्रायकर श्राधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्राधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में र्राजस्ट्री है, तारोख 25-5-1984

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सेन् एमे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निष् तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उच्चेश्य से उच्च अन्तरण सिचित में वास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बस्तरण से हुई किसी बाय की बावत, शक्त बीधनियम के बधीन कर दोने के बस्तरक क वास्तिक में कमी कारने मा जूससे बचने मां मृविध्य के लिए; और/या
- (वां) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) यो उक्ता अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, खिपाने में मुख्यिया खें किए;

्वतः वद, उक्त विधिनियव की भारा 269-ग के वनुसरण के में उक्त विधिनियव की भारा 269-व की उपभारा (्रेक् के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् —— मै० बुसा उद्योग भवत इंडस्ट्रियल श्रिमायसिस को०-म्राप० हाउसिंग सोमायटो लि०

(भ्रन्तरक)

श्री मुलचंद पो० नहार,
 श्रीर श्री प्रविण पो० नहार

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्मित्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीचा से 45 विन की अविध या तत्सं कंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकंग ।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हूँ, वहां अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

यूनिट नं० 30 "ए", तृपा उद्योग भवन इंडस्ट्रीज प्रिमायसिस को-श्राप० हाउसिंग सोमायटी लि०, बुसा उद्योग भवन, ठोकरणी जिवराज रोड. सिवरी (प०), बम्बई-15 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि कै० सं० श्रई-1/37-ईई/2512 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 25-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहिरी, सक्षम प्राधिकारो सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) सर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीख: 11-1-1985

मोहर:

प्रकर नाइ.टी.एन.एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्थना

THE THEFT

कार्यालयः, सहायक कार्यकर जागुक्त (जिर्दीक्रण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निर्वेश सं॰ म्रई-1/37-ईई/2806/83-84---म्रतः मुझे, ए॰ लाहिरी,

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विवेश करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं दुकान नं 11, जो ग्राउण्ड फ्लोर, जयंत ग्रपार्टस्मेंट्स, ग्रप्पासाहेब मराठे रोड़, प्रभादेवी, वरली, बम्बई-26 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन/ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 25-5-1984

को पूर्वोचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और प्रभे यह विश्वास करने का कारण है कि बंधापूर्वोचत सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रूच्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तक वावा जया इतिफल, जिस्नीजिसत उद्देश्यों से उन्त जन्तरण जिच्लित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जनसरण ने हुए जिल्ही भाग की नागव, उपव विधिनियम के सभीन कार कोने के जनसरक के वर्षीवरण यो कभी करने सा उससे विश्व में सुविध्य नो जिल्हा; वरि/सा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अच्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियमम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर महीं किया गया धा किया जाना धाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. मै॰ तिडेंट ट्रेबल्स एण्ड टूर्स प्रायवेट लि॰ (श्रन्तरक)
- श्रीमती मिना माधवा द्वाचार्य,
 श्रीर प्रवीन माधवा द्वाचार्य।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के किया कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पृत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई थी वासोरध--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की मामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित इवारा;
- "(ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितथद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभेहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए था सकेंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

दुकान नं० 11, जो, जयंत ग्रपार्टमेंट्स, ग्रप्पासाहेब मराठे रोड़, प्रभादेवी, वरली, बम्बई-25 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37-ईई/2349/ 83-84 ग्रीर जो मक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 25-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्० लाहिरी सक्षम पाधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रुजैन रेंज-1, बस्बई

रताीखाः 11-1--

मोहर:

प्रकृत काइ . दी . एन . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सुचना

मारतं चरका

कार्यालयः, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निवेश सं० अई-1/37-ईई/2831/83-84---अतः मुझे, ए० लाहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के सधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 7, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, दिपक महल को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, बरली हिल, बम्बई-18 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अन्मूची में म्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन/ग्रौर जिसका करारनामा आयहर अधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, तारीख 30-5-84 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित गाजार मृत्य में कम के इक्ष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विक्वास कारने का कारण है कि यथायुर्वेक्ति सभ्यति का उचित बाबार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदर प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) वन्तरण से हाई किसी बाय की बाबत, उक्त आधि-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए: करि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1923 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकार नहीं विष्या गया था किया जाना चाहिए था, छिपानी में सुविधा के लिए;

कतः सब, उक्त स्वीधीनयम की भारा 269-ग के सनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के सधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, सर्थात् :--- 36-466GI/84

ा श्री मोहनलाल जी ठाकुर

(अन्तरक)

 श्रीमती ज्योथी ठाकुर श्रीर राकेश ठाकुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 विन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति पुनारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त धब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया हैं।

प्रनुसूची

फ्लैट नं० 7, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, प्लाट नं० 31, दिपक महल को-अपि० हार्डीसम सोसायटी लि०, वरली हिल, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि क्र॰ सं॰ अई-1/37—ईई/2363/83-84 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनाक 30-5-1984 को रजिस्ट के किया गया है।

ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, **बम्बई**

तारीख: 11-1-1985

मोहर 🛭

प्रस्थ बाह्री. टी. एप. एवं. -----

ं बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रीज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० अई-1/37-जी०/5071/83-84-अत: मुझे, ए० लाहिरी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- क से निधक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जमीन बेअरिंग न्यू सर्वे नं० 3554 (ग्रंश) ग्रौर सी० एस० नं० 1553 (ग्रंश) आफ भायखला डिविजन मोहम्मद स्ट्रीट, आफ रिपन रोड, बम्बई में स्थित है (ग्रौर इसके उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन/ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 16-5-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाबार बूक्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का ब्ल्यूइ प्रतिकृत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए उस पाना गया प्रति-कृत विश्वामित स्कूष्टिस से स्वत्य बंतरण विश्वित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अप की बाबद समस सिभ-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के जिए और/बा
- (व) इति विकार जाव वा किसी थव वा कर्य आस्तिकों को, विनक्ष भारतीय जायकर विधितियन, 1922 (1922 का 11) या उनते अधितियन, या धनकर अधितियन, या धनकर अधितियन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, कियाने में मृतिधा के विकार

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 26% ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 26% के की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात :--

श्री युसुफ एम० मुशी,
 श्रीर इक्नाहीम एम० मुशी

(अन्तरक)

आयशाबाई
 वाईफ आफ मोहम्मद मूसा बावला
 मोहम्मद मूसा बावला

(अन्तरिती)

3. अन्तरतियों

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. अन्तरितियों

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अघो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के कर्जन के जिए कार्यवाहिया श्रुक करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में किया गया है।

धन्सूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० बांम॰ 1350/82 ग्रौर जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 16-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, **बम्बई**

न(रीखा: 11-1-1985

मोहर :

प्ररूप आहुँ. टी. एन. एस.-----

भाषकर विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन स्मना

भारत चरकार

क्षार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (विद्वीक्षण)

अर्फन रेंज-4, बम्बई

अम्बर्ड, विनाक 8 जनवरी 1985

निदेश स॰ अई-4/37-ईई/2247/83-84-अत: मुझे, ए॰ प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विदयास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- दन से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लैट नं० 103, जो, 1लीं मजिल, बिल्डिंग "ज्ञान अमृत", शातिलाल मोदी रोड़, कादवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसेका करारनामा आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्ययमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अतिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतिरती (अतिरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कसी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एंसी किसी आय पा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

1. श्रीमती कल्पनाबेन आर० शहा

(अन्तरक)

2. श्री एच० सी० मेहता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करछे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन में सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप र-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

भवुष्ट

पलैट नं० 103, जो, 1ली मंजिल, बिल्डिंग "ज्ञान अमृत",शांतिलाल मोदी रोड़, कादिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि नं सं० अई-4/37-ईई/2247/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 4-5-84 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनाक: 8-1-1985

मोहर :

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. -----

भागकर भौधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जनवरी 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/2267/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद

णायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसफें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 16, जो, उरी मंजिल, बी-विंग, बिलिंडग, नं० 19, झालावेद ज़ैन की-आप० हार्जिसग सोनाईटी लिं०, अशोक चक्रवर्ती रोड़, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण हप से बिणत है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, श्रा के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यानय में रिजस्ट्री है, नारीख 5-5-1984 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल से लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) नन्तरण से हुइ किसी आय की वाश्य उथत किय नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्त्र भी कमी करने या उससे नचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था किया जाना थाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कंड: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की जयभाग (1) के अभीन, निम्मनिषित व्यक्तियों, अधार्त:----

1. मै० सरल इंटरप्राइज

(अन्तरक)

'2. कौशिक एन० कपासी, ग्रोर श्रीमती बीता के० कपासी

(अन्तरिती)

कों यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🎾

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्चता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- नव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास-लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

यगस ची

पलैट नं० 16, जो, 3री मंजिल, बी-विंग, बिल्डिंग नं० 19, झालावेद जैन को-ऑप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, अशोक चकवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है।

अतुमूची जैसा कि क० सं० आई-4/37-ईई/2267/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक: 8-1-1985

मोहर ः

प्ररूप बाई. दी एन. एस. ---~

कायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुकना

भारत सरकार

कार्यालय, सहादक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, बम्बई

सम्बर्ध, दिनाक 8 जनवरी 1985 निर्वेश सं० **धार्ड**-4/37-ईई/2268/83-84-श्रत मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिस्की सं ० फ्लैट नं ० 14, जो, 3रो मंजिल, बं.-विग बिल्डिंग नं ० 21, झालाबेद जैन को ग्राप० हाउसिंग बीसाईटो लि०, ग्रिमोक चक्रवर्ती रोड, कादिवलो (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रिभोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कायलिय में रिजस्ट्रो है, तारोख 5-5-1984

पृतांकित सम्पत्ति के उचित बाजार भूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं आर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरित (मंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नोलिंखत उच्च स्य से उचत अन्तरण निकल के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क शियत्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भीड़/था
- (ब) एमी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नाभ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतें: लाब , उक्त अधिनियम श्री धारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (४) अधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, अधीत् :---

1. मैं० सरल इंटरप्रांईज

(प्रन्तरक)

2 श्री महा राजेन्द्र रमणीकलाल

(झन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप १----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रबेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध. किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्तों का, आं उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

-

पलैट नं० 14, जो, 3री मंजिल, बी-विंग, बिल्डिंग नं० 21, झालावेद जैन को-म्राप० हार्जासग सोसाईटी लि०, मशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है।

भ्रत्भुकी जैसा कि कि कि म श्राई-4/37-ईई/2268/ 83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-5-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, बस्बर्ध

दनाक: 8-1-1985

मोहर :

मक्ष वार्ं हो पुष् पुष्

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) को अभीन सुन्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4 अम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 8 जनवरी 1985 निर्वेण सं० ग्राई--4/37-ईई/2270/83-84--- मतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन, सक्षम प्राधिकारी की यह विस्थास करने का कारण के कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 7, जी, 1लो मंजिल, ए-विग, बिल्डिंग नं० 19, झालावेद जैन कोश्रीप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, श्रशोक चक्रवर्ती रोड, कां-दिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों चो में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, खंक श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 5-5-1984 को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वेदस से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क), नम्बद्धम् सं हुर्द किवी नाग भी गान्त, उनस्य नृषितिषुम् के स्पीन् क्र दोषे के सम्बद्धः के वादित्व में कवी क्ष्यने वा बक्छे नमने में तृतिका में तिए; शक्ति/गा
- (थ) एसी जिसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना काहिए था, कियान में सृतिया से जिए;

अतः अब उक्त अधिनियमः की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मै० सरल इंटरशाईज

(भन्तरक)

2. श्री वीरेन्द्र मगनलाल गहा

(ऋन्तरिती)

को वह स्वना बादी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की नवींथ, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्विसवर्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ निविद्य में किए जा सकतेंगे।

स्पष्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसभी

फ्लैट नं० 7, जो, 1ली मंजिल, ए-विंग, विल्डिंग नं० 19, प्रालावेद जैन, को-ग्रॉप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, श्रणोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवतो (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसा कि कि सं श्राई-4/37-ईई/2270/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-5-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-4, बम्बई

दिनांक. 8-1-1985

मोहर 🕆

इक्ष् बाह् . टी. इन. इन्. ----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीम स्वना

भारत संद्यात

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

शर्जन रेंज-4, बम्बर्ड
बम्बर्ड, विनांक 8 जनवरी 1985
निर्वेश सं० ग्रार्ड-4/37--ईई/2277/83--84---ग्रतः मुक्षे,
ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट तं० 55, जो, 4थी मंजिल, शिवम विहिंखंग, एस० वि० रोड़, फतेहबाग, कांदिवली (प०) बम्बई-67 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा झायक कर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 8-5-1984

को पृथा कि संपत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के व्यवसाय अतिकस के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्बोंक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिचत उद्योदनों से स्था अन्तर्भ कि बिद्

- (क) बनाइन वे हुए फिक्षी वाल की शानत, करत बादिविवृत के बनीन कर दोने के बनाइक के खनिएव में कभी करने या उन्नते वचने में सुविवा के लिए; मार/था
- (क) एसी किसी जाब वा किसी वन वा वन्त वास्तियों की विन्हें भारतीय जाब-कर जिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विभिन्यम, वा वन-कर जिन्मान कर जिन्मान (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा वे निक्;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अधीत :----

1. मेसर्स राजलक्ष्मी कन्स्ट्रमशन कंपनी

(ग्रन्तरक)

2. श्री हरेंग के मेहता

⊬(**धन्त**रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्घन के जिल्क कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाहोप ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय हैं
 45 जिन की अविभि या तत्सम्बन्धी अयिक्तयों पर
 सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए या सकींगे।

नग सची

प्लैट नं० 55, जो, 4थी मंजिल, शिवम् स्थितिङ्ग, एस० वि० रोड, फतेहबाग, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसा कि कै० सं० आई-4/37-ईई/2277 83-84 श्रीर जो सक्षम श्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 8-5-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4 सम्बद्ध

दिनोंक: 8-1-1985

मोहर 🖫

प्रकर बाह् . टी . एन् . एक . ------

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सुकता

भारत सडुकाड

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जनवरी 1985 निदेश सं० मई-4/37-ईई/2280/83-84---मतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पर्वात (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी मं० दुकान नं० 7, जो ग्राउंड फ्लोर, श्रद्धा दिए भ्रपार्टमेंट, प्लांट नं० 65, श्रिशोक नगर, ग्रशोक चक्रवर्ती काम रोड न० 2, कांदिवली (पूर्व), बम्बर्ट-101 में स्थित है (भीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बांगत है है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, तारीख 4-5-1984

को पूर्वोपत सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मुक्ते यह विक्रवास करनों का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एंग्रे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हृद्दं किसी माथ की बाबत, उच्त लिध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या बन्ध कारिक्यों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, खिपाने के स्विधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-व कै अनुमरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थास् '—— 1. मेसर्स ज्वमी बिस्डर्स

(भ्रन्तरक)

2. नेमिचद एच० जैन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए का पहिला हुए।

ग्रस्य सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्यपः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाब में समाप्त होतों हो, के भातर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) ६स स्वना के राजधन भे प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन के भीतर ज्वल स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य श्रिक्त प्रवास अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ैश्पन्दिकि एण:--इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्ष होगा जो उस अध्याय में विषया पया हैं।

वर्भ या

दुकान नं० 7, जो, ग्राउंड फ्लोर, श्रद्धा दिप भ्रपार्टमेंट; प्लांट नं० 65, भ्रशोक नगर, ग्रशोक चक्रवर्ती कास रोड़ नं० 2, कांदिवली (पूर्व), बस्वई-101 में स्थित है। श्रनुसूचो जैसा कि कै० सं० ग्रई-4/37-ईई/2280/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारा, बस्बई द्वारा दिनांक 4-5-1984 को राजस्टर्फ किया गया है।

ए० प्रसाव मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-4, तस्वर्ष

विनांक: 8-1-1985

मोहर .

प्रक्म आई. टी. एन. एस. ------

1 म० प्रदीप बिरुडर्स

(मन्तरक)

2 भोहम्मद हुसैन मुहम्मद हुनीफ

(भन्तरियी)

नाश्कर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सूचना

तारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नि<u>र</u>क्षिण) धर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० **घई-**4/37-**ईई/2319/83-84---ग्र**तः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपन्ति जिसका उचित दावार मृज्य 25,000/- रा से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० दुकान न० 1, शितल छाया, उहाणकर वाडी के सामने, कांदिवली (प०), बम्बई-62, में स्थित हैं (भीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित हैं), और जिसका करारनामा भायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यलिय में रजिस्ट्रो है, तारीख 11-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान इतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक का से काथत मही किया नवा है हिन्स

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे वचने में सविधा के स्पिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय नायकर निर्धानियम 1922 (1922 का 11) वा उक्त निर्धानियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के लिए;

को यह सूचना आरो करके पुत्रांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाह्य करता हूं।

अक्त रुप्पति के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनः की तामील मे 30 दिन की अवधि जा भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्वाराः

स्पष्टोक रूगः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवार गया है।

जन्सूची

दुकान न० 1, जो, शितल छाया, डहाणकर वाडी के सामने, कांदिवली (प०), बम्बई-62 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि क० स० ग्राई-4/37-ईई/2319/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 11-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, वस्बई

प् जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अंग्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिकितः आक्तियों, अवित :----

दिनांक 8-1-1985 माँहर 🛭 प्रकप बाइं.टी.एन.एस. ----

शायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० अई-4/37—ईई/2322/83—84—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269- को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संबद्दकान नंव 4, जो ग्राउंड फ्लोअर, प्लॉट नंव 7, मृलजी नगर, एसव विव रोड, कांदिवली (पव), बम्बई-67 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका लगरनामा आयवर अधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 5-84 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बम्तरित की गई है और मृसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी साथ की बायत, ठलर अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के बागिल्य में कमी कारने या उससे बचने में सुविभा के सिए; बार/बा
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य ब्राम्तिय को जिन्हें भारतीय बायकार अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उच्कत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट उहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, जिन्नाने में सिंगिया के सिए;

अत: अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मो, में उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, सर्थात् :— 1. मेसर्प कर्नाटक ट्रेडसं

(अन्तरक)

श्रीमती मालती देवी दूबे,
 ग्रीर एम० वि० दुबे

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथां क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्से बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो कर व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पाक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

वससर्वी

दुकान नं० 4, जो ग्राउण्ड फ्लोअर, प्लॉट नं० 7, मुलजी नगर, एस० वि० रोड, क्रांदिवली (प०), धम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के संब अई-4/37—ईई/2322/83—84 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 5-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 8-1-1985

मुक्य नाइ . टी. एन्. एस्. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन स्थान

वाह्य उरकार

कार्यालय, महाथक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-4, अम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० अई-4/37—ईई/2336/83-84-3त: मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने की कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 8, जो, 1ली मजिल, बी-विंग, बिहिंडम न० 19, झालावेद जैन को-आप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, अशोक चक्रवर्ती रोड़, कादिवली, वम्बई-101 में स्थित हैं (स्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), स्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनाक 11-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्यविक हम से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण संहुई किशी बाम की बाबत, उक्त विभिन्नम के बभीन कर दोने के बन्दरक के दावित्व में कभी कल्ले ए उससे मचने में सृविधा के निष्कृ करिया
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना आहिये था, ज्यानि में सुविधा में शिक्ए;

बतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के बनुसरण में. में , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिक व्यक्तियों , अर्थात् ८—— 1. मैं० सरल इंटरप्राईज।

(अन्तरक)

 श्री मनोहरलाल जेथालाल महा, श्रीर जयश्री ए० महा।

(मन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्प्रतिस के अर्जन के लिए कार्यनाष्ट्रिया करता हु।

उक्त संपरित के नर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षण :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निर्वित में किए वा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हो।

फ्लैट नं० 8, जो, 1ली मजिल, बी-विंग, बिहिंडग नं० 19, झालादेव जैन को-आप० हाउमिंग सोमायटी लि०, अशोक चक्रवर्ती रोड़, बम्बई-101 में स्थित है।

अनुसूची जैंमा कि कि सि० अई-4/37-ईई/2336/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-5-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, पक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज 4, बम्बई

दिनांक : 8-1-1985

प्रकप बार् दी एन एस

नायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

भम्बई, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं ० अई-4/37-ईई/2337/83-84-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उप्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 11, जो, 2री मंजिल, सी-विंग, बिस्डिंग नं० 21, झालावद जैन की-आप० हाउसिंग सोमाईटी लि०, अशोक चक्रवर्ती रोड़, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है 'और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत है), और जिनका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 11-5-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ६—

- (का) जन्तरण से हुन्दं किसी जाय की नायत, उपल विधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उपसे वचने में सुविधा के निए; और/बा
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने यें सुविधा चै किए;

जतः अव, सक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निस्तिक व्यक्तियों, अर्थातः--- 1. मै० सरल इंटरप्राईव ।

(अन्तरक)

2. श्री महेश कुमार ने० पटवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक तें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्वी

पर्लंड नं० 11, जो, 2री मंजिल, "सी" विंग, बिल्डिंग नं० 21, झालावद जैन को-आप० हार्डींसग सोसायटी लि०, अशोक चक्रवर्ती रोड़, कोदिवली (पू०), बम्बई-101 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सै० अई-4/37-ईई/2337/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद मझम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रंज-4, बम्बई

दिनोक: 8-1-1985

मोहर 🖫

प्रकृष बाइं . दी . इन . एस . ----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

भारत शरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

बम्बई, विनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं ० अई-4/37-ईई/2338/83-84---अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्रीधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा से अधिक है

भीर जिनको स० पर्लंट नं० 301, जो, 3री मंजिल, सूर्यं मुखी, प्लांट बेअरिंग 82 (ई०), अधेरी बाग, पोईसर, कादिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 26 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 11-5-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तुरण लिखित में वास्ति विक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बानत, उक्त अधिनियम के जभीन कार दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी कारने या उत्तरी बचने में सूर्विचा वे लिए; सौर/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय आय-स्टर बिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विका के विका

भ अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मिलिशित व्यक्तियों, अधीत् :---

1. मेसर्स विवेक कन्स्ट्रक्शन कंपनी

(अन्तरक)

श्रीमती कोशस्या श्री० वोरा,
 श्रीर श्री श्री० टी० बोरा

(अन्तरिती)

स्त्रों यह सुमना भारी करके पृशांक्त सम्मित्ति के वर्षन के निए कार्यनाहियां करता हो।

उक्त सम्परित् के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाखोप 🖛

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकासन की तारीज ने 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों प स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

न्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों जीर वदां का, वो उक्त जीवनियम के जन्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं जर्म होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्र्यी

फ्लैंट नं० 301, जो, 3री मंजिल, सूर्य मुखी, प्लौंट बेऑरंग 82(ई०), अंधेरी बाग, पोईसर, कांदिवली (पश्चिम) बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-4/37-ईई/2338/83-84 धौर श्री सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में बम्बई दिनांक 11-5-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 8-1-1985

मोहर 🛭

प्रस्य नाइ⁴. टी. एन. एस. - - - -

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्थना

भारत धरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-4, बम्बई

वम्बर्ट, दिनाक 11 जनवरी 1985

निपश स० **श्र**ई-4/37-**ई**ई/2346/83-84--श्रतः मुझे, ए**म** प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 196! (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वस्य करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति , जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-र से अधिक है

श्रीर जिसकी स० फ्लैट न० 501, जो, 5वी मजिल, जान दर्शन, सो० 210 एस० नं० 328, विलेज मालाड, एस० वी० पा० रोड, कादिवला (प०), बम्बई-67 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 को धारा 2697, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, तारीख 14~5—1984

को पूर्वोक्त सपित्त के उचित बाजार मूल्य संकम र दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, ऐसे ख्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृष्य से उकत अन्तरण सिखित में नास्तिक ध्य से किथा नहीं किया ह्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की यावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के श्रीयत्व में कमी करने या उससे अकने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अपिनियम का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था खिलाने में सुविधा के सिए;

अतः अधः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भाँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण भाँ प्राप्तरा (1) को अधीन, निम्हलिखित व्यक्तिस्यों, अधीर 🛶 1. मेसर्स मक् बिल्डर्स एण्ड कान्ट्रेक्टर्स

(श्रन्सरक)

2 श्री गोपाल रमणलाल कडाकिया ग्रीर श्रीमती ग्राय० के० कडाकिया

(धन्तरिती)

का यह म्चना जारो करके प्रविक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी त्राक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
 - (ब) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिभित स किरा जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं, अर्थ होगा को उस अध्याय में दिसा गया है।

श्रन सुची

पलैट न० 501, जो, 5वी मजिल, ज्ञान दर्शन, प्लॉट बेसिएम सी० टा० एस० न० 328, विलेज मालाड, एम० वी० पी० रोड, कादिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है। सनुसूच। जैसा कि ऋ० स० सई-4/37-ईई/2346/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 14-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक **धा**यकर **धा**युक्त (निरोक्षण) **भ**र्जन रेंज-4, **बम्बई** -

दिनांक 11-1-1985

मोहर ध

प्ररूप आहें.टी.एन.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक क्रायकर क्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्रई-4/37-ईई/2354/83-84--ग्रत: मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एर्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं िप्स ग्रण्ड गर्सेल ग्राफ लैण्ड वेग्रिंग न 10 (प्लॉट नं बी) (ग्रंश) सी टी एस नं 1121, काद्यिली, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रम्तुस्वी में ग्रीर पूर्ण स्प से बिणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 11-5-1984

को पूर्वा कर स्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उरुके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिक रूप से किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्यां की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियभ, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियभ, या अधिनियभ, 1957 (1957 की 27) के प्रयोज-प्रयोजनार्थ अतिरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जबः, उत्रत अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :--- 1. भेगर्ग श्रीपत बिल्डर्स

(बन्तरक)

2. श्रा नरेन्द्र मोहनलाल भ्घानो

(भ्रन्तरितो)

को यह स्थाना जारी करके पृषीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** 45 किन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख छ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त कब्दों और पर्वो का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

-

श्राल देंट पिम श्रण्ड पार्मेल श्राफ लैण्ड बेश्नरिंग सर्वे नं० 10 (प्लाट न० बो०) (श्रंग), सी० टो०एम० नं० 1121, कादिवला, अम्बई में स्थित है।

अनुमूची जैमा कि ऋ० म० अई-4/37ईई/2454/83~84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बस्बई द्वारादिनांक 11-5-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

ण० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेज-4, बस्बई

दिनांक ₍ 8--1--1 985)

प्ररूप बार्ड . टी. ५५. एस.------

बामकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूजना

भारत चरकार

कार्यासय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्णन रेंज-4, बम्बर्ड सम्बद्दी, दिनांक 8 जनवरी 1985

निवेश सं श्रई-4/37-ईई/2386/83-84--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया गया है), की भारा 269-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित् आजार मूल्य 25.000/- रु से अधिक है

घीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 14-ए, जो, ए-विंग, 4यी मंजिल बिल्डिंग नं० 23, झालादेव जैन को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिं०, प्राप्तोत्र जक्षवर्ती रोड, कांधिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधि-नियम, 1961 की घारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 14-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उथके अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक, क दायित्व में कमी कारने या उससे अधन में सृष्टिके के लिए; और/धा
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी भन या जन्म जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उजत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपान में सुविधा खें सिए।

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कं अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- । मै० सरल इंटरप्राईज

(भन्तरक)

2 श्रोमती प्रग्ता के वोरा ग्रौर श्री किसी के ब्होरा।

(झन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति को नर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस भे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को टारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सक्तें।

स्पक्कीकरण :—इसमें प्रयासन शस्त्रों और प्रवांका, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिता है, वहीं अर्थ हागा के उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

फ्लैंट नं० 14-ए, जो. ए-विंग 4थी मंजिल बिहिंडग नं० 23 झालादेव जन को-म्राप्त० हार्जीसग सोमायटी लि० भ्रमोक चक्रवर्ती रोड कार्यवली (पूर्व) सम्बद्ध-101 में स्थित है।

श्रतुसूची जैसा कि ऋ० स० श्रई-4/37-ईई/2386/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज-4 बम्बई >

दिनांक : 8-1-1985

मोहर ॥

प्रकृष कार्ड, टी. एन्. एस., ----

1. मै० सरल इन्टरप्रार्षज

(भन्तरक)

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना श्रीमती अजबदोबैन डब्ल्य्० बखारिया,
 श्रीप हेमलता एम० शहा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकार सायुक्त (निरोक्षण) प्रार्जन रेंज-4, बम्बर्ड

बम्बई दिनांक 8 जनवरी 1985

निर्देश मं० ग्राई-4/37-ईई/2392/83-84--ग्रानः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियस. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियस' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट न० 16, जो 3री मंजिल, बी-विश बिल्डिंग नं० 21, झालावद जन को-श्राप० हार्जिसम सोसाईटी लि०, श्रमोक चक्रवर्ती रोड, कॉदिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा शायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रिजस्ट्री है, तारीख 14-5-1984

को पूर्वेक्ति सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य उसके दश्यमान प्रतिफल के, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) को बीच एसे बन्तरच के बिए तय पाया क्या इतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण जिल्लित में बास्त्रीवक कप से किथत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के बभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य भे कारी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए अर्थ / ए।
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय्कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सविधा औं तिए।

, शतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 38-466 GI/84

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यग्रहियां करना हा।

उक्त सम्पत्ति। को अर्जन को सम्बन्ध मो कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहत्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो जनत अधिनियम के मध्याय 20-क में परिशाणित हु⁰, वहीं वर्ध होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 16, जो, 3री मंजिल, बी-विग, बिल्डिंग नं० 21, झालावद जैन को-भ्राप० हार्डीसग सोसाईटी लि०, भ्रामोक चक्रवर्ती रोड, कॉदिवली (पूर्व), वस्बई-101 में स्थित है।

ग्रन्सूची जैसा कि कि० सं० ग्रई-4/37-ईई/2392/83-84 ग्रीए जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-5-1984 को रिजस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बस्बई

विनांक: 8-1-1985

जस्म बाइं.टी.एन.एस.------

बायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, अम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेण म० अई- 1/37 ईई/2393/83-84-अत. मुझे, ए० प्रगाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर समंत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रीर जिसका में पल प्लैंट नं ि 6, जो ाली मंजिल, बी-बिंग, बिल्डिंग नं 19, झानावद जैन की-आप व हाउसिंग मोसाईटी लिं , अभोक चक्रवर्नी रोड, कादिवली (पूर्व), बम्बई-101. में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुस्वी में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, खें के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रीधिकारों के पार्यालय में रिजिस्ट्रों है, तारीख 14-5-1984 को पूर्वोक्त मंपित के उचित बाजार भूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तियक रूप से किशत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाउत, अन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने क अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण भो मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तिगर्मी, अर्थात:—— 1. मैं० सरल इटरप्राईज

(अन्तरक)

श्री मजीव कुमार अमृतलाल शहा
 ग्रीर लीलावती अमृतलाल शहा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

्उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोड् भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि., जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्मान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिग्र गया है।

अनुसूची

प्लैंट नं० 6, जो, 1ली मंजिल, बी-विंग, बिल्डिंग नं० 19, झालाबद, जैन को-आप० हाउसिंग सोसाईटी लि० अशोक चक्रवर्नी रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-34/37–ईई/2393/ . 83-84 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-5-1984 को रंजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन र्रेज-4, बम्बई

दिनांक: 8-1-1985

प्ररूप मार्चं .टी.एन.एस. -----

मायकः विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के सभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश संब अई-4/37-ईई/3403/83-84--अतः मुझे, ए० प्रभाद,

भागकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त' अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 2,69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000 ∕-रुः. से अधिक **ह**ै

श्रौर जिसकी स० फ्लैंट नं० 2, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, बिल्डिंग नं ० 23-ए, झालावद जैन को-आप० हाउसिंग सं(सायटी लिं , अणोक चक्रवर्ती रोड, कादिवर्ला (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूर्वा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 19-5-1984

को पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूर्ल्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अर्तारत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्परित का उचित वाजार मूल्य उसके प्रयमान प्रतिफल से, एसे उस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नीलीवत उद्देश्यों से उक्त बन्तरण लिबित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण स हाई किसी आय का बावस, उक्त अर्थिनियम की अभीन कार दोन की अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के निए; बरि/या
- (क) एसे किसी बाय मा किसी भन या जन्य अमिस्तयाँ को, जिन्हु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के सिए:

अस: अब, उक्स अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--

1 मै० सरल इंटरप्राईज

(अन्तरक)

2. श्री दिपक कुमार पी० मेहता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 4.5 दिन की अवधि या तत्मनधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त **क्यक्तियां** में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत हो प्रकासन की तारांख से 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पात मा हिल-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इस्मॉ प्रयुक्त शस्दों और पदों का, जा उत्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

फ्लैंट नं० 2, जो, ग्रापड फ्लोर, बिलिडम नं० 23-ए, झालाबद जैन को-आप० हाउमिंग मोमाईटी लि०, अशोक चकवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर संर अई-4/237-ईई/2403/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजंन रेंज, बम्बई

दिनांक : 8-1--1985

प्रकृष् बार्च.टी.एन.एस.-----

नामकार निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत तूरकार

कार्यां तय, सहायक भायकर नायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, धम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जनवरी 1985

निपश सं० अई-4/37-ईई/2404/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेशास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रत. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 8, जो, 1ली मजिल, ए-विंग, बिल्डिंग नं० 19, झालायद जैन को-आप० हार्जासग सोसाईटी लिं०, अशोक चक्रवर्ती रोड़, काविवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबत अनुसूची में श्रौर पूर्ण र्रैरूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्स्ट्रा है, तारीख 19-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान प्रतिफल न्दे लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके 'स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत स पिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास निम्नसिधित उद्देश्य से उक्त अंतरण निधित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण संहुर्च किसी जाय की वावत , उक्त जाभनियम कं जभीन कर दोने के जतरक के दायित्य में कामी कारने या उससे यथने में सुविधा कॉसए, और∕मा
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्सियों का, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर मिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दवारा प्रकट नष्टी किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभाके सिए;

बत: बव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण म , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) म्ह अपीतः निम्नलिखित व्यक्तियाँ अधातः ----

सरल इटरप्राईज

(अन्तरक)

2. श्री कमलेश एस० शहा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचत सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्नोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की हारी असे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबवध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पद्धान्तरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दी और पर्वो का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होना जाँ उस अध्याय में विया गया है ।

जनसूची

फ्लैंट नं० 9, जो, 1ली मंजिल, ए-विंग, बिहिंडग्र नं० 19, झालावद जैन को-आप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, अशोक चक्रवर्ती रोड, कादिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि ऋ० स० अई--4/37-ईई/2404/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 19-5-84 को राजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ध्रजन रेज, बम्बई

दिनाक: 8-1-1985

मोहर 🖟

प्रकप नाहरे. टी., एन., एस.,-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन सुवसा

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० अई--4/37-ईई/2405/83--84---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. सं अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० १, ए-विग, 2री मंजिल, विल्डिंग नं० 23, झालावद जैन की-आप० हाउसिंग सीसाईटी लि०, अशीक चक्रवर्ती रोड़, कादिवर्ली (पूर्व), बस्बई-101 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विलित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 19-5-1984 को पूर्वेक्त संपत्ति के उसित बाजार मूल्य में कम के क्यमान शितफल के सिए बन्तरित की गई है और मूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उसित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और जंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरक (अन्तरकों) मीर जंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरक के सिए तय पाया गया शितफल का निम्निसित्त उद्देष्ट से उसल जन्तरण निक्तर में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बानत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के बंतरक की दायित्व में कमी करने या उमसे नधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरितौ द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के चिहा;
- ै अत. अब ः उक्त विधिनियम की भारा 2<mark>69-ग के अन्तरण</mark> अर्फ में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निरमलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—-

1. मै० सरल इंटरप्राईज

(अन्तरक)

2. श्री जितेन्द्र रमणलाल शहा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:---

- (क) इस स्पना के राजपन में प्रकाशन की तारी ख है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और ५वां का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया

यगत्त्र ची

फ्लैट नं० 9, जो ए-विंग $2 ext{री}$ मंजिल, बिल्डिंग नेक 23, झालाबद जैन को-आप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, अशोक चक्रवर्ती रोइ, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित 3 है।

अनुसूर्चा जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/2405/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-5-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रमाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4. **बम्बई**

दिनांक: 8-1-1985

प्रकल बार्स . ही. एवं. इस......

भाषकर अभिनियम, 196! (1961 का 43) की - भारा 269-क (1) के अभीत सुभूना

बारव बरकार

कार्यांसय, सहायक नायकर नायकः (निरक्षिण) प्रजंग रेंज-4, बस्बर्ध

बम्बई, दिनाक 8 जनवरा 1985

निदेश म० ग्रई-4/37ईई/2406/83-84--म्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ए. सं सिषक है

मीर जिसकी सं० पलैट नं० 4, जो 2री मजिल, बी-विश मिरिड न० 19 झालावद जैन की० ग्रीप० हाउसिंग सीसायटी लि० ग्रशोक चक्रवर्ती रोड़ कादिवला, पूर्व बम्पई—101 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्ची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रीधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम आधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है नारीख 19-5-84 को पूर्विकत सपरित के उचित बाजार मृल्य से कम क द्रियमान श्रीतफल के बिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विकास करने का कारण हैं कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का बन्दि प्रतिकत से अधिक हैं और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के निए तय पाया गया प्रतिकत की निम्नीचित उद्योग हैं उपत बन्तरण सिचिए में द्रिकर के हैं कीचल महीं किया की हैं—-

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य शास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम या भन्कर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ का उपभारा (1) के अधीन, निमालिशित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) सरल इन्टरप्राहज

(अन्तरक)

(2) विनोदबेन कन्हयालाल शाहा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पृत्रोंक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्क सम्मरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्के ६---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच से 45 दिन की जनधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचता की तामील से 30 दिन की अनिभ, जा भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रजीवन्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के रावपण के प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के शास लिखित पाविष् आ सकीय ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ते । अभिनियम, के लभ्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वाही।

अनुसूची

पलैट नं० 4, जो 2री मंजिल, बी-विग, बिल्डिंग न० 19, क्षालावद जैन को० श्रो० हाउमिंग सोसायटी लिमिटेड श्रेशोक चक्रवर्ती रोड, कादिवली, बम्बई-101 में स्थित है। श्रेम्सुवी जैसा कि क्रम स० श्रई-4/37ईई/2406/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 19-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनोंक: 8-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बार्ड. टी. एत. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सृ**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ्रै श्रर्जन रेंज-4, बम्श्रई

बम्बई, दिनांक 8 जनवरी, 1985

निदेश मं० म्रर्श-4/37ईई/2407/83-84—-म्रतः मझे ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 17, जो 4थीं मजिल बी विग बिल्डिंग नं ० 23, झालावद जैन को० श्रो० हाउमिंग सोसायटी लि० प्रणोक चन्नवर्ती, रोड कांदिवली. बम्बई-101 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्राधिनियम 1961 की घारा 269क, ख के ग्रधीन वस्बई स्थिप सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्दी है, तारीख 19-5-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान ^{के} प्रतिफल के ਜਿए अन्तरित गह मुभ्रे यह विष्वास करने का है कि यथापर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके **एरयमान** प्रतिफल सं, एंसे इक्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रिंतियों) को बीच एसे अंतरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निष्कित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रशिनियम के अधीन कार दोन के जातरक के दायित्व में कामी कारने या तसमें बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उने अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अयोजनार्थ अन्तरिती इवारा (कट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए ता छिपान में सुविधा की निए।

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण यहूं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्रो/अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधित :--- (1) सरल इंटरप्राइज

(ग्रन्तरक)

(2) कमलेश जेठालाल णाहा और, परंग जे० गहा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के हाजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (र) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख़ रो 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्भीत्त मी हिन्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अनोहस्ताक्षरी की पास् लिखित मा किए आ सकींग।

स्भष्टीकरणः - - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनसर्थे

पलैट नं० 17, जो 4थी मंजिल, "बी विग" बिहिड्स नं० 23 झालाबद जैन की० भ्रो० हाउमिंग मोसायटी लि० श्रशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली, (पूर्व), बम्बई-101 मे स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि अम सं० श्रई-4/37ईई/2607/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनाक 19-5-1984 की रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जेन रेंज~4, बम्बई

तारीय : 8-1-1985

मोहर 😢

अरूप नाइ^{*}.टी.एम.एस.; -------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नि<u>र</u>ीक्षण) अर्जनरेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश मं० श्रई-4/37ईई/2450/83-84--श्रतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है:

श्रीर जिसकी सं० पलट नं० 301, जो 3री मंजिल, ज्ञान दर्शन बिल्डिंग, सी० टी० एस० नं० 328, विलेज माला ह, एस० वि० पी० रोड़, कांदिवली (प) बम्बई—67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाब ग्रमुस्थी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिशिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिशीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 19—5—1984 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार क्रयमान प्रतिफल के स्थिमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल के स्थिमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल के स्थित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया बया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्व में कभी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; ब्रॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों नेप्रे विनहीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के तिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण अं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिसिक्त स्यक्तियों, अर्थात् हु---- (1) मेसर्भ मंनू बिल्डर्स एन्ड कान्ट्रेक्टर्स

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कांतीलाल जी, मफर्तिया श्रीर मास्टर एस० के० मफर्तिया ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पत्रह किरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं । बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

मग सन्दर्भ

फ्लट नं 301, जो, 3री मंजिल, ज्ञान दर्शन बिर्हिडग, सीं॰ टी॰ एस॰ नं॰ 328, विलेज मालाड, एस॰ वि॰ पी॰ रोड़, कांदिवली (पिण्चम) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रर्ह-4/36 \$5/2450/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 19-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज−4, बम्बई क्र

तारीख: 8-1-1985

मोहर 🖫

प्रकार कार्या. टी. पत्. एक. -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्दीक्षण) श्रर्जन रेज-4, बस्बई

बम्बई, दिनांक 8 जनवरी, 1985

निदेश सं० अई-4/37ईई/2451/83-84-प्रतः मुर्झे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है', की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 503 जो 5वीं मंजिल ज्ञान हर्णन सी० टी० एस० नं० 328, विलेज मालाड, एस० वि० पी० रोड़, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 19-5-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्तुह प्रतिसद्ध से अधिक है बाँड अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निस्तिय संबदेश्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तिक क्य से क्षित नहीं किया गया है ---

- (क) जन्तरण सं हुएं किसी जाय की वावता, उक्त जीधीन्यम के अधीन कर दोने के जंतरक के वायित्व में कमी कर्रने या उसते वचने में सूर्तिभा के लिए, और/वा
- (च) ऐसी किसी बाव या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 '(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;
- मितः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्मितिकत व्यक्तियों, अधीत्:—
 39—466GI|84

- (1) मेसर्स मंक् बिल्डर्स एन्ड कन्ट्रक्टर । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एस० बी० शहा श्रीप श्रीमती के० एस० शहा । (भन्तरिती)

को यह सूचना चाड़ी कड़के पूर्वोक्य सम्परित के अर्थन को लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप हः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की सदिए या तत्सम्बन्धी स्पित्रियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की स्विध, जो भी सदिए में सामाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्स स्पित्र में से किसी स्पित्र द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन् को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी बन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास तिचित में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्दों नीट पर्यों का, को उक्त वीधिन्यम, के नध्याय 20-क में परिभावित इं., वहीं नर्थ होगा जो उस नध्याय में दिया ववा हैं।

वन्स्या

प्लट नं० 503, जो 5वीं मंजिल ज्ञान दर्शन, प्लाट बेमरिंग सी० टी० एस० नं० 328, विलेज मालाइ, एस० वि० पी० रोड़, कांधिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं० प्रई-4/37ईई/2451/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-5-1984 को राजस्टाई किया गया है।

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त(निरोक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीच: 8-1-1985

मोहर 🗓

प्रकार कार्य ,धी , युन् , एक् , ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्नीक्षण) प्रजेन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जनवरी 1985

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु से बिधिक है

धीर जिसकी संव दुकान नुंव 6, जो ग्राउण्ड फ्लोर, बाँबो गापिंग मेंटर, प्रेम को-ग्रापव हाउसिंग सोसाईटी लिव ए.मव जीत रोड, इहाणकर वाडी, कांदिवली (पव), बम्बई-67 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा, आयकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं तारीख 22-5-1984

को पूर्वोस्त संपत्ति के उणित बाजार मून्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मून्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे क्रयमान प्रतिफल का पत्त्वह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण संहुद किसी जान की वाजता, संबद्ध वृधिनियम् की अधीन कर वंगे के अग्तरक के शामित्व में कभी करने या उससे व्यक्ते में सुविधा के निए; आहे/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर आधिनियम, या भन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में प्रविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वल व्यक्तियों. अर्थीत है— 1. श्रीमतो इला महेन्द्र ठक्कर

(भ्रन्तरक)

2. श्री हरीलाल प्रेमजी माला

(भन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके प्वावत सम्पृत्ति के कर्णन के सिष् कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविश्व, को भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथा कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- . (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का थों उच्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

वनसर्वी

बुकान नं० 6, जो ग्राउंड फ्लोर, बाँबी शाणिंग सेंटर, प्रेम को-म्राप० हाउमिंग सोमायटी लि०, एम० जी० रोड़, इहाणकर बाड़ी, कांदिवली (प०), वस्बई-57 में स्थित है। श्रमुस्वी जैसा कि ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई/2495 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 22-5-1984 को रजिस्टई किया गिया है।

ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक **भायकर ग्रा**युक्त (निरीक्षण) **प्र**जन रेंज-4, बम्बर्ष

दिनांक: 8-1-1985

वक्य मार्चः टीः एत्, एसः, - - - - - ।

नायकः निभानियमः, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्राज्ञ रेज-4, बम्बई बम्बई, दिनाक 8 जनवरी 1985 निवेश स० श्राई-4/37-ईई/2506/83-84--श्रतः मुझे, ए० प्रमाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा से अधिक है

श्रीर जिसकी म० यूनिट २० 47, जो 2री मजिल, "डी" विंग, बोनान्सा इडस्ट्रियल इंग्टेट, ग्रंशोक चक्रवर्ती रोड, कादिवलो (प०), वम्बई-67 में स्थित है (श्रीप इसमें उपाबद अनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप सं विंगत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 को धारा 269क, ख के श्रधोन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, ताराख 22-5-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के स्थयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मून्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एस दरमभान प्रतिफल का पद्मह प्रतिशिध से अधिक है और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल, जिन्नीकीचतु उस्वोदय से उक्त अन्तरण किंचित में बास्तिकक स्प से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) वंतरण संबुधं किसी बाय की वाबस,, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के किए; और/मा
- (क) ऐसी किसी ब्राय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

, अतः अतः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-अ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .--- 1. श्री किशिनचद एन० जेसवानी

(मन्तरक)

2. श्री पुरुषोत्तम बो॰ जयस्वाल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्श सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की बलि , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबक्ष किसी अन्य ब्यावत व्वारा अपोक्ष्मताकार के पास लिखित मों किए वा सकींगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मृतिट न० 47, जो, 2शे मृजिल, "डी" विग, बोनान्सा इंडस्ट्रियल उम्हेट, भ्रमोक चक्रवर्नी शेष्ठ, कादिवली (प०), बम्बर्ध-67 में स्थित है।

श्रानुसूचो जैंसा कि त्रां० स० ग्राई-4/37–ईई/2506/83–84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 22-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-4, बम्बर्ड

दिनांक 8-1-1985 मोहर 8

तका बाहु[®] हो. तुम् हुस_{्थ}वन्<u>रा</u>

नायकर निभृतिसम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269=व (1) के बुधीन सुचना

alle design

कार्यासव, सहावक बावकर बाबूक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-4, वस्बर्ध

बम्बई, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० भई-4/37-ईई/2511/83-84--- प्रतः मुझे,

ए० प्रसाद, नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रमात् 'उन्त निर्मानम्' कहा गया हैं), की धारा 269- व के म्पीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निर्माद करने का कारण् हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उच्चित बाधार मृस्य 25,000/- एउ. से अधिक हैं

घौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 303, जो, 3री मंजिल, ज्ञान दर्सन बिल्डिंग, सी० टी० एस० नं० 328, विलेज, मालाड एस॰ बी॰ पी॰ रोड़, कांदिवली (प॰) बम्बई-67 में स्थित है (भीर इससे उपाबक्र भनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वाणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के श्राघीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्थालय में राजिस्ट्री है, तारीख 25-5-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई विष्वास करने कारण का कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान है और अन्तरक (क्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, नियनलि चित उद्वोषय से उक्तु अन्तरण लिखित में वास्तुविक रूप से कथित नहरि किया गया है :----

- (क) अस्थरण से शुर्व किसी बाय की बाब्द, असद अधिकियम के अभीत कर वाने के बंधरक के वादित्य में कभी करने या उन्नच त्वने में सुविधा के किए; अध्र/वा
- (क) इंदी किसी नाम या किसी वन या अस्य आस्तियों को, विक्ट भारतीय नायक र विधिवयन, 1922 (1922 का 11) या उक्ता महिन्यम, या धन-कर निविवया, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया नवा था ना किया जाना चाहिए वा, किनामें में स्विभा की निए;

वटः थन्, उनकं सीधीनवन्, की धारा 269-ए की क्रमुक्तरण वी, मी, उनकं विविध्यन की बारा 269-ए की सम्बाहा (1) की वर्धीन्, ट्रिक्सोलीवत स्थितकृषी अन्तरि ह— 1. मेसर्स मंसू बिल्डर्स एण्ड कान्ट्रेक्टर्स

(भ्रन्तरक)

2. श्री सतिष श्रीराम खन्ना श्रीर श्रीमती मधु एस० खन्ना

(भ्रन्तरिती)

को सह सुप्राना छाड़ी कहनी पूर्वोनक सम्पत्ति से नर्पन के सिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस युक्ता के कुक्पृत् में मुकाबन की तारींब के 45 विन की कवींच या तत्संबंधी व्यक्तियों पर कुक्ता की दानींक से 30 विन की अवधि को भी क्ष्मि वाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हारा;
- ्बिंदू इस ब्राथन के रायकृत में प्रकाशक की तार्डिक है 45 दिन के बीतर उनक स्थानर सम्मत्ति में हिस्सून्य किसी नम्य स्थानित व्वारा, स्थाहस्ताक्षारी के पास सिर्वित में किए या सकेंगे।

स्पाक्तीकरण :---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, को सक्त वृष्टिनियम के नध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा था उस अध्याय में दिया न्या है।

अगृस्ची

प्लट नं० 303, जो, 3री मंजिल, ज्ञान वर्शन बिल्डिंग, प्लौट बेर्घरिंग सी० टी० एस० न० 328, विलेज, मालाड, एस० बी० पी० रोड़, कांदिवली, (प०) बम्बई-67 में स्थिल है।

मनुसूची जैसा कि ऋ० सं० मई-4/37-ईई/2511/83-84 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-5-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज=4, बम्बई

दिनकि: 8-1-1985

साहिए 🛭

प्रकप नार्च. टी._। एन<u>ः</u> एस्<u>.</u>ड----

आयक्तर जिभिनियम, 196। (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सुचनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-4, बम्बई सम्बई, दिनांक 8 जनवरी 1985 निवेश सं०ग्रई-4/37-ईई/2531/83-84--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्सि, जिसका उचित बाजार मूस्य, 25,000/- रह. से अधिक है

धीर जिसकी स० फ्लैट न० 14, जो, 3री मंजिल, ए-विग बिल्डिंग न० 19, झाल।वेद जैन को०-म्राप० हाउसिंग सोमाईटो लि०, प्रशोक चऋवर्ती रोई, कादिवली (प०), बम्बई-101 में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपावछ धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित हैं), श्रौर जिसका करारनामा भ्राय-कर प्रधिनियम, 1961 को धारा 269 ए, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिल्ट्री हैं, तारीख 26-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमाण प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ,, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरका) और अंतरिती (अंतरितवार्वे) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्चित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की वाबत, उक्त निधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सूर्विधा के लिए, और/या
- (का) एसे किसी आय या किसा धन या जन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वो सिए॥

श्रतः मृत, उक्त मिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सभीन, निम्नसिबित अधिनत्यों के सभीत ६—- 1. मैं० सरल इंटरप्राईज

(घन्तरक)

2. श्री बिपिन चंद्र द्यार० म्होरा

(भ्रग्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाही कुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वाभा के राजप्त में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि संबंधी संबंधी से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यमच ची

प्लैट नं० 14, जो, 3री मंजिल, ए-विंग, बिल्डिंग नं० 19, झालदेव जन को-आप० हार्जिस्ग सोसाईटी लि० भगोक चक्रवर्सी रोड़, कादिवली (प०), बम्बई-101 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-4/37-ईई/2531/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनांक 26-5-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) गर्जन रेंज-4, बस्बई

दिन क:-- 8--1--1985 नोडर ध

प्रका बाही, दी., दन्, एक्.,-----

बायकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-चं (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (रिनरीक्षण) प्रजीन रेज-4, बस्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निवेश सं • मई-4/37-ईई/2546/83-84--मतः मुझे, ए • प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्ज हैं कि स्थाव्य सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं० दुकान नं० 5, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, शिव कियं, शंकर नेन, कांविवली (पूर्व), बम्बई-67 में स्थित है (शीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विजत है), ग्रीर जिसका कराश्नामा भायकर अधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 26-5-1984 को पूर्विपत सम्पत्ति के डिवित बाजार मूल्य से कम के उस्प्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए इस पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्ष से उक्त अन्तरण किवत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अंतरण से हुई किसी वाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौर/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, मा धन-अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्थ अंतरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आहिए था, स्थिन में सुविधा के लिए;

बतः स्व, उक्त अभिनियम की भारा 269-म के अनुसरण वो, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अभीन, निम्निल्डिंक व्यक्तियों, अर्थात ≇—

- 1. मेसर्स भादर्भ ज्यूस एण्ड कोल्ड ड्रिक हाउस (भ्रन्तरक)
- श्री गिरधरलाल वि० शहा श्रीर राजकुमार जो० शहा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बाटी करके पूर्वोक्त सम्परितः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप क्ष-

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की स्विधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच्य व्यक्तियों में से किसी स्थबित इवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकासन की तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

न्यस्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अक्ट अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

पगचर्या

दुकान नं० 5, जो आउण्ड फ्लोर, शिव सिर्थ बिल्डिंग शंकर लेन, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसा कि ऋम० सं० श्रई-4/37–ईई/2548/83–84 श्रीर जो सक्षम श्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाध सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-4, बम्बर्ध

थिनांक: 10-1-1985

. علىأ प्ररूप बाह्र दी. एन .एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन तुमना

भारत सरकार

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसको सं० यूनिट नं० 45, जो, 27 मजिल, डी० विंग, बोनान्सा इंडस्ट्रियल इस्टेट, अशोक चन्नवर्ती रोड, कांदिवली (पू०), बम्बई-67 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत हैं) श्रीर जिसका करारनामा भागकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के भ्रिधोन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 28-5-1984

को पूर्विकत सम्परित के खींचत बाबार मृस्य से कम के दूरयमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाबार मृस्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया ब्रितिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण कि बित से बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- किं बलारण से हुए किसी बाब की बाबत उक्त विध-वियम के बंधीन कर दोने ने बंदरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में तुर्विधा के निए; बीर/वा
- (ण) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आर्हितयों को, चिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उक्क निधिनयम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थितने में सुविधा में सिक्ष;

, जतः भव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् स— 1. श्री किशिनचंद एम० जेसवानी

(भन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार बी० पटेल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्य सम्मृत्ति के मूर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-वर्ष किसी बन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकर्णः ---- इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है। वहा हैं॥

नगुस्ती

यूनिट नं० 45, जो। 2री मंजिल डी-विंग, बोनान्सा इंडस्ट्रियल इस्टेट प्रशोक चक्रवर्ती रोड़ कांदिवली (पू०)। बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि कि नं प्राई-4/37-ईई/2593/83-84 और जी अक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 28-5-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर भायुक्त (निरोक्षण) धर्जन रेंज-4 बम्बई

दिनां हः 8-1-1985

प्ररूप नाई.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिगियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के नधीन सुचना

भारत चरवार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-4 वस्वर्ष्ट

बम्बई, दिनांक 8 जनवरी 1985 निदेश सं० ग्रह-4/37-ईई/2598/83-84--ग्रहः मुझे, प्रसाद

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधित्यम' कहा गया है), की भारा 269 व ने निधीत सक्तम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वास उचित कावार मृज्य 25,000/- रा. से निधक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 203 जो 2री मंजिल ज्ञान वर्शन सी० टी० एम० नं० 328 विलेज भालाङ एस० बी० पी० रोड़ कांधिवली (प०) बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) भीर जिसका करारनामा भायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क ख के झधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 28-5-1984 की पूर्वोभत संपत्ति के उचित वाजार भूक्य से कम के अस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्या, उसके रश्यभाग प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिसी (मन्तरितियों) के बीच एसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उबुक्तेस्य से उक्त जन्तरक बिबित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हू---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नायत, उक्त विभिन्न के श्रीन शह दोने के ब्लारक श्री वादित्व में कभी करने ना उसके ब्लार में दृषिका के निष्; भार/ना
- (च) एसी किची नान वा किसी भन वा नाच नास्तिनों को, चिन्हों भारतीय नाय-कर निभिन्नमं, 1922 (1922 का 11) वा उन्त अधिनियमं, वा धन-कर अधिनियमं, वा धन-कर अधिनियमं, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में त्विधा से सिद्धः

अत: अव, उक्त वर्षिनियम की धारा 269-न के अनुसरण कें, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मेसर्भ मंध् विरुडमं एण्ड कान्द्रैक्टर्स

(ग्रन्तरक)

2. श्री जमनादाय लाखाभाई हरमोरा

(भन्तरिती)

की यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

अन्त संपर्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी जाक्षेप ध−-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी की 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्टित में किए वा सकी।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, वो उबदे अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया वया है।

फ्लैंट नं० 203 जो 2री मंजिल ज्ञान दर्शन प्लांट बेग्नरिंग सी० टी० एस० नं० 328 विलेज मालाड एस० वि० पी० रोड़ कांदिवली (प०). बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि कि प्रई-4/37-ईई/2598/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 28-5-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी 'सहायक ध्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4. वस्बई

दिनांक: 8-1-1985

मोहरः

प्रकथ बाह<u>ै. टी.</u> एन्. एस्..==--=

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन स्वना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक बायकर आयुक्त (निर्राक्षण) ग्रजेन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जनवरी 1985 निवेश सं० ग्रई-4/37-ईई/2600/83-84--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 401 जो 4थी मंजिल ज्ञान दर्शन बिल्डिंग प्लॉट बेर्घारंग सी० टी० एम० नं० 328 विलेज मालांड एस० वी० पी० रीड. कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विजित है), भौर जिसका करारनामा प्रायकर प्राधिनियम 21961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 28-5-1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिचित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंशरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियंत्र के जधीन कर बोने के अंसरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय यां किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की निए;

 अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण √में, मं', उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1)
 के अधीनः निम्मिनियत व्यक्तियों, वर्धात् ा—
 40—466GI/84 1. मेरासी मंजू बिल्डर्स एण्ड कान्ट्रैक्टर्स

(प्रस्तरक)

2. श्रा रमेशचन्द्र बाबूभाई शेठ

(भ्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खर्म 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो जी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पदों का, जो सदर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 401, जो 4थी मंजिल, जान वर्शेम बिल्डिंग, प्लॉट बेग्रिया सी० टी० एस० नं० 328, एस० नी० पी० रोड़, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि कें से केंद्र 4/37-ईई/2600/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 28-5-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद रसक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन र्रेज-4, बम्बई

दिनांक: 8-1-1985

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस .------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 8 जनवरी 1985

निर्देण सं० ग्रई-4/37-ईई/2643/83-84--- प्रतः मुझे, ए० प्रसाद

कायर्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं). की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 32, जो 2री मंजिल, शिवम्, एस० वी० रोड, फतेहनाग, कांदिवली (प) बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की घारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, विमांक 29-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिपफल के लिए अन्तरित की गई हैं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निलिस उद्देष्य से उक्त अन्त-लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (श) एमी किसी बाय या किसी धन या अपन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में ब्रीका विकास किया

बतः अवः, उक्तः विधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरण कें में, उक्त विधिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, वधाँत् :---- मेसर्स राजलक्ष्मी कन्स्ट्रवशन कंपनी ।

(भ्रन्सरक)

2. श्री प्रताप ग्र० भाई रामजीमाई संघवी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृष्टीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

and the

पलैट नं 32, जो 2री मंजिल, शिवम्, एस वी रोड, फतेहबाग, कांदिवली (प), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई०-4/37-ईई/2643/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

दनांक 8-1-85 मोहर : प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. = - -

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म(1) के मभीन स्थना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जैन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/77-ईई/4402/83-84-श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या सर्वे नं० 10, एन० नं० 5-ए, सी ठी०एस० नं० 38/बी, विलेज दिहसर, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 के खे के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्र है, तारी ख 21-5-84 को पूर्वे कित सम्पत्ति के उष्यत बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितयाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिन्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप कम से कियत नहीं किया व्या है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा चे सिए।

शतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के क्धीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, वर्थात्∻—

_:.

1. श्रीमती एस० डी० पाठारे श्रौर श्रन्य।

(भ्रन्तरक)

2. वी० एन० ठक्कर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं:।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्थव्दोकरण :--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन सच्ची

सर्वे नं० 10, एच० नं० 5-ए, सी॰टी॰एस॰ नं० 38/बी, विलेज दहिसर, बम्बई में स्थित है।

स्रनुसूची जैसा कि कि० सं० स्रई-4/37—ईई/4402/83—84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21—5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन र्रेज-4, बम्बई

दिनांक : 11-1-85

प्रकप आई. धी. एत. एस.-----

बायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुमना

मारत सरकार

कार्यालय, भहायंक कार्यकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-4, धम्बई
धम्बई, दिनांक 11 अनवदी 85

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ज विभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित विसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ज संबधिक हैं

मौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 42, जो 3री मंजिल, शिवम्, विल्डिंग, एस० बी० रोड, फतेहबाग, कांविवली (प), बम्बई में स्थित है (मौर इससे उपाबद श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), भौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, दिनांक 18-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ते कम के दश्यान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार कृष्य प्रस्था, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) आहेर (जन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय थाया थया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देष्य से उच्त अन्तरण लिखित आर्विक एस के कीच्या पदी किया पदी हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्र्या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, धिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

चित्र वन, उनत मिश्रीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत मिश्रीनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) के मधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मेसर्स राजलक्ष्मी कस्स्ट्रक्शन कंपनी।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीसी० एन० रूणी श्रीरश्री एन० जे० रूणी।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पृत्ति के कर्जन के लिए कार्य्वाड़ियं शरु करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 पिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर संपर्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विशा व्या है।

अनुसूची

फ्लैट नं ० 42, जो 3री मंजिल, शिवम् बिल्डिंग, एस० वी० रोड, फतेहबाग, कांदिवली (प) बम्बई, में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-4/37-ईई/4410/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

विनांक: 8-1-198**5**

मोहर 🔞

श्ररूप बाइं.टी.एन.एस. ------

आधकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सारकार

कार्यासय, सहायक जायकर वायुक्त (निर्द्रीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई दिनांक ४ जनवरी, 1985

निदेश सं ० ग्रई-4/37 ईई/4416 /83-84--भ्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 11, जो 2री मंजिल, ए०-विग, बिल्डिंग-नं 21, भालावद जैन को भ्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि० भ्रमोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थिम है (और इससे उपावद्ध

भ्रनूसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बस्बई में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 26-5-1984

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, ऐस स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिसत उद्विषय से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक क्य से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण् से हुद्दं किसी आप की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में दुविभा के निए; आर/या
- (को) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना जाहिए था, कियाने में स्विधा के सिए।

े अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) वै अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों वर्षात् है— (1) सरल इन्टरप्राईज।

(अन्तरक)

(2) ेश्री जयसुखलाल टी० बाविजी

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर क्वें किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस स्थाना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्भ बिखित मों किए था सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

संस्वजी

पर्लैट नं० 11, जो, 2री मजिल ए-विग, बिहिडिंग नं० 21, झालावद जैन की आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ०सं० श्रई-4/37-ईई/4416/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 26-5-1984 को रजिस्टक किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 8-1-1985

प्ररूप शाइ.टी.एन.एस------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश स० ग्रई-4/4-37/ईई4441/83-84-- ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान न० 5, जो प्लाट न० 7, मुलजी नगर एस० बी० रोड, कांदिवली प० बम्बई-67 में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्णरूप से विणित है) रिजस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में, रिजस्ट्री श्रिथिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्राचीन तारीख 26-4-8 4

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयंकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या

(1) मेसर्स कर्नाटक ट्रेडर्स ।

(श्रन्तरक)

(2) मेसर्स रमेश चन्द्र कन्स्ट्रक्शन ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

' अगृस्ची

दुकान नं० 5, जो प्लाट नं० 7, मुलजी नगर, एस० वी रोड, कौदिवली (प) बम्बई ~67 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि क० सं० मई-4/37ईई/4441/83-84 जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई वितांक 25-5-1984 को रजिस्टडं किया गया है।

> ए० **प्रसाद** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 8-1-1985

मोहर 🖫

अंतः शंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् कृष्ण-

प्रकृष बाइ", टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत संस्कार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जनवरी 1985

निवेश सं० श्रई-4/37-ईई/2176/83-84-श्रतः सुक्षे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 10, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, बिल्डिंग बी०, सेक्टर—2, श्रानन्द नगर, लेग्राउट, दिहसर (पूर्व), तालुका सालेसाइट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थिम सक्षम प्राथिकारी के कार्यालयं, में रिजस्ट्री है। तारीख 5-5-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जार्यालयं, में रिजस्ट्री है। तारीख 5-5-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जार्यालयं, में रिजस्ट्री है। तारीख 5-5-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के विषय अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल तो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, जिस्मितिवित उद्योग से उचन अन्तरण जिल्दित में शास्य विकास कप से अधित नहीं किया गया है :—

- (क) बनारण में हुई जिसी बाब की बावत उच्छ क्षति। मियस में बभीन कर दोने से बनारक से दायिता में कड़ी करने वा सससे सचने में मुविधा के लिसे। बार या/
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तिय, की, जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती दनारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, कियाने में क्यिधा की लिए;
- कत. जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण बाँ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनियम व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मेसर्स हैपी होम हाउसिंग एजेन्सी ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमित श्रजमेरी मदिना श्रब्दुल रेहमान । (श्रन्तरिती)

को बहु सुबना बारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के बिए कायवाहियां मुक्त करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाषांप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरणः ----इसमें प्रयुक्त कर्कों और पदों का, को जक्त जिथिनियम के जध्याय 20 क में परिशावित हैं, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में दिवा गया हैं।

नम्सूनी

दुकान नं 0 10, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, बिल्डिंग-बी०, सेक्टर 2, ग्रानन्द नगर लेग्राउट, दिह्सर (पूर्व), तालूका साल, सेटटे में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकि ऋ० सं० ग्रई-4/3.ईई/2176/83-84. ग्रौर जो सक्षम प्राधिकरी, बम्बई दिनांक 5-5-1984 की रिडस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहाय भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बस्बई

तारीख: 8--1-1985 मोहर ध प्रकप बाइ . टी. एन . एस . ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन स्वता

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकर (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 8 जनवरी 1985

निवेश सं० ग्रई-4/37-ईई/2281/83-84-म्रतः मुझे, . ए० प्रसाद,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25 000/- रुप से अधिक हैं

ष्मौर जिसकी सं • फ्लेट नं ० ६, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, शेखर नगर, परेरा वाडी, विहसर, (प), बम्बई—68 में स्थित है (ग्रौर उपाबद्ध मनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) जिनना करारनामा आयुकर भ्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है

तारीख 7-5-1684

को प्रयोगित सम्पोस के टिश्वत बाजार मृस्य स कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई और गया गया है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उश्वत बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्सरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जनतरण से हुई किसी जान की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (व) एसे किसी बाय का किसी भव का बन्च बास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अजिनियम, 192% (1922 का 11) या उक्त विजियम, या भव-कर विजिनयम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, जियाने में सुविधा से विश्व;

अतः जबः उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरम में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् हिन्स (1) नेससं शेखर डेवलपमेंट कारपोरेशन । .

(भन्तरक)

(2) चन्द्रशेखर जनार्दन गोडदोलें ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन के सिष् कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उनत सम्मत्ति को वर्जन् को सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप् :---

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की सर्वाध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवार;
- (था) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तप्तीय सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिथित में किए वा सकोंगे।

स्पाधीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उचक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सवा है।

वन्त्रकी

फ्लैट नं ० ६, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, शेखर नगर, परेरा बाडी, दिसहर (प) बम्बई-68 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० शई-4/37-ईई/2281/83-84-जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई दिनांक 26-5-1984 को रजिस्टर्ड और है किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी माहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 8-1-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.------

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वता .

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रजैंन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्र**ई**-4/37-ईई/2330/83-84-भ्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25.000 /-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 4, जो ग्राउन्ड फ्लोर, कृष्ण कृपा, एल० टी० रोड दिहसर, (पूर्व) बम्बई-68 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा श्रायक श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राथिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है तारीख 11-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित वाजार मल्य में कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और भभे यह विक्वाय करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उपित बाजार मृल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के सीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्योच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक च्या से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खियाने में सृत्यिभा के लिए:

(1) मेसर्स एक्सेल बिल्डर्स ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमित निलनी णिशकात मागले, श्रीर श्री ग्रार० एम० मांगले,

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अयिक्त द्वारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

दुकान नं० 4, जो, ग्राउम्ड फ्लोर, कृष्ण कृपा, एल० टी०, रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-4/37-ईई/2330/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 11-5-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-4, बस्बई

नारीख: 8-1-1985

मोहर 🖫

निदेश सं०

ए० प्रसाद,

प्ररूप भार्ड. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-4, धम्बई बम्बई, दिनांक 8 जनवरी 1985 श्रर्ह-4/37ईई/2353/84-83-श्रतः मुझे,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, श्रक्षय श्रपार्ट— मेंटस, विहसर, बम्बई में स्थित है (श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 को धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है तारीख 11-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिचित उद्देश्य से उसत अन्तरण निचित बें बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (का) जन्तरण संहुरं किसी जाय की बाबत, उत्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; बौर/या
- (३) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

जतः जज उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री गुरू ग्राशिष कन्स्ट्रवशन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमृतः मथुराबाई लक्ष्मण देशमुख ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस, स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में पीरभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया ही 1

जन परी

फ्लैट नं० 1, जो, 4 ग्राउंड फ्लोर, ग्रक्षय अपार्टमेंटस विहसर बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र सं० अई-3/37-ईई/2353/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रास दिनांक 11-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4,मस्बई

तारीख: 8-1-1985

मोहर 🚁

प्रस्थ मार्ड. टॉ. एन. एस.--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत शरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी, 1985

निदेश सं० अई- 4/37ईई/238 2/83--84 अतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,003/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० फ्लैट नं० ए/17, जो, 4 थी मंजिल, ए०-विग, धहिसर दर्शन की-आप०, हाउसिंग मोसाइटी लि०, वि० एन०, देसाईजी रोड, मराठा वालानी, दिहसर, (पूर्व) -68 बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूर्वी में और पूर्ण रूप से बिणत है), और जिसका कुरारनामा ग्रीयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित पक्षम प्राधिकारी के कायांलय में रिजस्टा है, तारीख 14-5-1984

कां प्योंक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्तिक के स्था नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आयु की बावत, उक्त जीभीनयम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वाजित्य में क्यी करने वा उत्तते वचने में सुविधा में निए, जॉर/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन-या अन्य नास्तियों की जिन्हों भारतीय भाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानें में सुनिधा के लिए;

कतः अव, उत्तर अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— (2) श्रीमती मंगला गौरी आर० धवे ।

(अन्तरकः)

(2) श्री अरविन्दन नायर ।

(अन्तरिता)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के कर्जन के संबंध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अयिक्तयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स अयिक्तयों में से किसी अयिक्त ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकोंगे।

स्पब्धीकरण — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गुवा है।

जन्सूची

पलैट नं ० ए/17, जो. दिह्सर, दर्शन को-आप०, हाउसिंग, सोसाइटी लि०, बी०एच० देसाई रोड, मराठा, कालोनी, दिहसर, (पूर्व) बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-4/37ईई/2382/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर[ि]क्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

नारीखा : 11-1-1985

ए० प्रसाद

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-म(1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985 निर्देश सं० अई-4/37-ईई/2367/83-84--अतः मुझे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्नधावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी पंख्या फ्लैंट नं० 1, जो ग्राउन्छ फ्लोर, "यशोधन" बिल्डिंग, बापू बागवे रोड, कंदारपाडा, विह्नसर (प) बम्बई-68 में स्थित है (श्रीरइससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिलित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम अधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रों है, बिनांक 14-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इरयमान प्रतिफल से, एसे इरयमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टियान में सुविधा के लिए;

जतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् डिल्ल (1). भारत बिरुडर्स ।

(अन्तरक)

(2) अनंतरे रतीलाल व्होरा।

(अन्तरिती)

(3) श्रन्तरक (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभाग में सम्पत्ति है)

की यह सुमना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नगत्त्वी

पलैंट नं० 1, जो ग्राउन्ड फ्लोर, "यशोधन" बिर्हिष्टग, बापू बागवे रोड, कंदारपाडा, दिहंसर (प), बम्बई-68 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37/ईई/2367-83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 14-5-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4,बम्बाई

दिनांक 11-1-1985 मोहर :

प्रस्य बाइ टी पुरु एव ु-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकाडु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 8 जनवरीं 1985

निवेश मं ० अई--4/37--ईई/2384/83--84---अतः मुझे, ए० प्रसाव

श्रायकर प्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् !उनल प्रिविनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रिविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि श्यावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ब॰ से जीवक ह

स्रोर जिलकी संख्या फ्लैंट नं० 4, जो ग्राउन्ड फ्लोर, "यशोधन" बिल्डग, बापू बागवे रोड, कदारपाडा, दिहसर (प), बम्बई-68 में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूर्च। में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), स्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रों है, दिनांक 14-5-1984

को पूर्वोक्त संम्यत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित 'बाजार मूल्य; उसके शश्यमान प्रतिफल से, एसे शश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से प्रक्षिक हे और मन्तर्क (प्रश्तरकों) मोर मन्तरिशी (प्रश्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पामा गया प्रति-प्रम निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त मन्तरण निक्षित में बास्तिक क्या से कृषित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी चुवारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः जब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अथातु क्रेस्स 1. भारत बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

2. अनंतरे रतीलाल व्होरा।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

ं उपया सम्मन्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी जासीप :--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिस्तियम, के अभ्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अभ्याय में जिस् प्राही।

अनुसूची

पलैंट नं० 4, जी ग्राउन्ड फ्लोर "यशोधन" बिल्डिंग, बापू बागवे रोड, कंदारपाडा, दहिसर (प), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-4/37-ईई/2384/83-84 भ्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 14-5-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज–4, **बम्बर्**

विनाक: 8-1-85

प्रकार बार्ड हो पुन् एच्

नायफर निधनियम 1961 (1961 का 43) की गाउँ 269-न (1) के न्यीन त्यका

भारत चर्चार

कार्यालय, संहासक नायकर जामूक्त (निरीक्रण)

अर्जन र्रंज, बम्बर्ड

बम्बई, विनांक 8 जनवरी 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/2385/83-84-अतः मुझे, ए० प्रसाद

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) (तिंबसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त निधितियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, चिसका उचित नायार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 402 जो 4थी मंजिल, "यशोधन" विहिंडग, बापू बागवे रोड, कंदारपाडा, दिहसर (प), बम्बई-68 में स्थित है (भौर इससे उपावढ़ अनुमूची में भौर पूर्ण रूप मे विजित है), और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारों के कार्यालय मे रिजस्ट्री है, दिनांक 14-5-84

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूस्य से कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उजित बाजार भूक्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का बन्द्रश्च प्रतिकत से अधिक, है और जन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कन निक्निलिस उद्देश्य से उच्त अन्तरण निविद्य में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मण्डरम् वं हुइं चिकी वास की नावक, वसक् विभागत्व में वंदीन कर दोने से मृत्युरक के शाक्तिम् में क्सी करने ना उसके वसने में स्विधा से जिक्; करि/वा
- (क) ऐसी किसी गाय या किसी पन वा नम्ब वास्तिनों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर नीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जस्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाडिए था कियाने में स्विभा के विकर;

जतः अम, उक्त विभिनियम की भारा 269-व की, अनुसरण में, में उक्त अभिमियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) भारत बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री अतनंरे रतीलाल व्होरा ।

(अन्तरिती)

को बहु सूचमा जारी करने पूर्वोक्त सम्बद्धित के अर्थन के आधि कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बास्तेष :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर त्वना की ताजीस से 30 दिन की जविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीच है 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्परित में हितनद्देश किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त . विभिन्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगेर को उस अध्याय में दिया गया है।

र फ्लैट नं० 402, जी, 4 थो मंजिल, यशोधन, बापू बांगवे रोड, कंदारपाडा, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि अ० सं० अई-4/37ईई/2385/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 8-1--1985

प्रक्य काई. टी. एत. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० प्रई-4/37ईई/2395/83-84-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 101, जो, 1 ली मंजिल, शेखर नगर, परेरा बाडी, दिह्सर, (पूर्व) बम्बई-68 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत हैं), और जिसका कारनाया आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 260 क ख कें अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में,रिजिस्ट्री है तारीख19-5-1983

को पूर्वोक्षत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के देवसमान प्रतिपत्न के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास , करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य , उसके दृश्यमान प्रतिफल से , एसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (श्रंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है :——

- (क) वंतरण से हुई किसी वाय की वावतः, उक्त विधित्यम के वधीन कार वीने के वंतरक के वाकित्व में कमी कारने या उससे वचने में सुविधा के सिए: बॉर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उणोजनार्थ अर्तारती दनारा प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

र्षे कतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं: अक्त अधिभियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निस्तिसिक्षत व्यक्तियों, अर्थात् ह्— (1) मेसर्स शेखर डिवलेपमेंट कारपोरेशन, ।

(अन्तरक)

(2) श्री धरमजी अनंत खोत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से .
 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्यागः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीकां में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्याक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अभै होगा, ओ उस अध्याय में दिया गया है।

नगसभी

फ्लैट नं० 101, जो, 1 ली मंजिल, शेखर नगर, परेरा वाडी, दहिसर (प) बम्बई-68 में भियत है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अई-4/37ईई/2395/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-5-1984, की रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारी**ख** : 9-1-1985

मोहरि 🛭

प्ररूप बार्च. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर जायुक्त (निरक्षिण)

अजंन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985

निवेश सं० आई०-4/37 ईहै०/2399/83-84--अतः मुझे, गु० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

धीर जिसकी सं० बुकान नं० 7, जो ग्राउन्ड फ्लोर, (निर्माणा— धीन इमारत) साई निकेतन कोआपरेष्टिय हाउसिंग सोसांइटी निमिटेड, फ्लाटनं० 1142, विलेज एक्सार, दिहसर (पिश्चम), बम्बई-68 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन मम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री है तारीख 19 मई, 1984

को प्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय शिवाजीनगर में भारा 269-ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मूख के पासे रिजस्ट्रीकृत किया गया है अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अंतरक (बंतरका) और अंतरिती रिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे क्रयन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेद्य से उक्त बन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है में

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (ग) ऐसी किसी आय गाकिसी धन या अन्य आस्त्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए.

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) 1. श्री एकाज अली पिरोजी,
 - 2. श्री पियार अली भाई, नूरजी भाई ग्रीर,
 - 3. श्रीअलजी भाई पी०।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद इकबाल अब्दुल गफार।

(अड्डतरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ज) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अंधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्वी

दुकान नं० 7, जो प्राउन्ड फ्लोर, (निर्माणाधीन ईमारत) साई निकेतन को० आपरेटिय हाउमिंग सोसाइटी, प्लाट नं० 142, विलेज एक्सार, दिहसर (पश्चिम), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम मं० आई०-4/37 ईई०/2399/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 19 मई, 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 9-1-1985

प्रकप आई.टी.एन.एस. ------

बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म (1) के बाधीन सुचना

भारत दरकार

, 1

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, धम्बर्द बम्बर्ड, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश स० आई०-4/37 ईई-/2432/83-84--अतः मुझे,ए० प्रसाद,

कायकर क्थिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पर्लंट नं० 4, जो ग्राउन्ड फ्लोर, डी विंग, गुलिस्थान अपार्ट मेंट्म, सी० टी० एम० नं० 1053/1 मे 7, एम० वी० रोड, दिहमर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप मे विंगत है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है नारीख 19 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान मितफल के लिए अन्तरित की गई है जौर मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पावा गया प्रतिफस, निम्निवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिचित्

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व में कमी करने या उत्तरों बचने में मृविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी बाद पा किसी भन दा जन्य जास्तियों कारे, जिन्हों भारतीय आय-सर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, वा भनकर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था. छिपाने में स्थिभा के निए;

अत अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अन्मरण की, मैं, 'रक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के,क्शीर पिम्निविक स्वक्तियों सर्भात् है—

42 —466GI|84

(1) मैं० वेस्टनं इण्डिया बिलर्डम ।

(अन्तरक)

(2) मुमनाझ अख्नर हलारी।

(अन्तरिनी)

को बह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता $\mathbf{g}_{\perp}^{\perp}$ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाश्च की तारीय से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी अविध वाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्पस्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त वब्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम दे अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

नग्रंची

फ्लैंट न० 4, जो ग्राउन्ड फ्लोर, डी विंग, गुलिस्थान अपार्टमेंटस, मी०टी० एस० नं० 1053/1 से 7, एस० बी० रोड, दहिसर) पूर्व बम्बई में स्थित है।

अनुसूर्ची जैसा कि कम सं० अई-4/37- ईई/2432/ 83-84 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 19 मई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद पक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरी**क्षण)** अर्जन रेंज--4, **बम्बई**

नारी**ख**: 8-1-1985

मोहर ध

एक्ष्य साइ . टी एन . एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, वम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० अई०-4/37-ईई/2444/83-84--अन: मसे,ए० प्रसाद /

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम'कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित का मृत्य 25.000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 13, जो तीसरी मंजिल, डी-विंग, गुलिस्थान अपार्ट मेंटस, सी० टी०ए स० नं० 1053 से 7/एस० बी० रोड, कांचिवली (पूर्व), बस्बई में स्थित है (स्रोर इस उपाबत अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विंगत है), स्रोर जिसका उरारनामा आयेकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 19-5-1984

को पूर्णेक्स संपरित के उभित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उभित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से बधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निल्लिक उद्याद में उन्तर की लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निल्लिक उद्याद में उन्तरित की स्वार्थ की लिए तथ पाया की वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अवत, उक्त इधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे स्थत में स्विधा चै निए; बीए/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों वर्गे, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवत अधिनियम या एव-कर अधिनियम या एव-कर अधिनियम या एव-कर अधिनियम पा एव-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यस्ति देलारा पकट नहीं किया गया था या विकास पार पाहिए था, स्थिपने में सुनिधा की निष्य

अतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण औं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधिन, जिस्सिवित व्यक्तियों, अधितः— (1) मैं ॰ वेस्टर्न इण्डिया बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री अभिरअली ४० मंकोजिया।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यज्ञाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सं भी अयिक्तगाँ पर म्यान की तामील से 30 पिन की अविधि, जो की अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत अयिक्त में कि सी अयिक्त द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अभिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अमृस्ची

पलैंट नं० 13, जो तीसरी मंजिल, डी-विंग, गुलिस्थान अपार्टमेंट, एस० वी० रोड, प्लाट बेअरिंग सी०टी० एस० नं० 1053/1 से 7,दहिसर (पूर्व),बम्बई में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कम मं० अई-4/37-ईई/2444/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 19 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायह अय्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-4, बम्बई

तारीख: 8-1-1985

प्रकष् नार्थः, टी. एन., एस., +---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई,दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आई०--4/37 ईई०/2445/83--84---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर आंधिनियम, 1901 (1501 का 43) (जिसं इसमं इसके पश्भान 'तकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राविधकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिथका उद्यास बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, जो ग्राउन्ड फ्लोर, डी विंग, गुलिस्तान अपार्टमेंटेंस, एस० बी० रोड, सी० टी० एम० नं० 1053/1 से 7 दिहमर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी ह कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 19 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के ध्रथमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसक्ष ध्रथमान प्रतिफल से, एसे द्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ने) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नोल्सित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तिक एसे बास्तिक मार्च के समान स्राप्तिक के सामानिक कर्म से क्रिक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तिक एमें से क्रिक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तिक एमें से क्रिक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तिक एमें से क्रिक्त अन्तरण लिक्ति के स्वाप्तिक एमें सिक्ति क्रिक्त कर्म के स्वाप्तिक स्वाप्तिक स्थापित क्रिक्ति क्रिक्त क्रिक्ति क्रिक्त क्

- (क) जन्तरभ सं हुई फिसी जाय की वाबत, स्कल जिथिनियुत्र के स्थीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे वचने में सूत्रिधा के लिए; जीर/भा
- (व) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-हर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मैं ० वेस्टन इण्डिया। बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री इकबाल हुसैन अब्बास हल्लारी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हुन्य

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 3,0 दिन की अविधि, जो भी अविधियाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्वीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वो का, भो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा भी उस अध्याय में विसा भवा हैं।

बन्ध्य

फ्लॅंट नं० 3, जो ग्राउन्ड फ्लोर, डी विंग, गुलिस्तान अपार्टमेंट्स, सी० टी० एम० नं० 1053/1 से 7 एस० वी० रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-4/37 ईई०/2445/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19 मई, 1984 को रिजरर्ङ किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

अतः अन उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

नारीख: 8-1-1985

मोह्य 🖫

शुक्क बाहै, टी., एन्., एस.,- - > =---

भायकर विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुभीन सुमना

मारत बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अजन रेज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जनवरी 1985 निदेश सं० अई०-4/37 ईई/2446/83-84-अतः मझे, ए० प्रसाद

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृज्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लंट न० 16, जो तीसरी मंजिल, गुलिस्तान अपार्टमेटस, सी०टी० एस० नं० 1053/1 से 7, दिह्मर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाब के अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि कारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है तारीख 19 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे जन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से धूर्य किसी बाब की बाबत, उक्त विभिनियम के विभीन कर दोने के बन्तरक के विभिन्न में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; वरि/वा
- (ग) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, ज़िन्हें भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

(1) मैं ० वेस्टन इण्डिया बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री सद्दीन ए० ढोका।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, सम्पृत्ति के अर्थन के एलए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए था नकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पर्लंडिनं० 16, जो तीसरी मजिल, गुलिस्तान अपार्टमेंटस, मी०टी०एस० नं० 1053/1 से 7, एस० वी०रोड, दहिसर (पून), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-4/37 हैई०/2446/ 83-84 क्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19 मई, 1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्तर आयुत (निरीक्ष) अर्जन रेंज-4, बम्बई

अतः अक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, कें, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलकुत व्यक्तियों, अधीत् ६——

तारीख: 8-1-1985

मो**हर** 🛭

प्ररूप बार्ड .टी. एवं. एस . -----

(1) मैं ० वेस्टर्न इंडिया बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन स्चना

(2) श्री हिजार अली अलीमाह मोमिन।

(अन्तरिती)

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अज रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनाक 8 जनवरी 1985

निदेश स० आई०-4/37 **६**ई/2447/83-84--अत मझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिर्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य 25,000/-रह. से अधिक **है**

श्रौर जिसकी स० फ्लैंट न० 10, जो दूसरी मजिल, डी बिग, गुलिस्नान अपार्टमेट, मी० दी० एस० न० 1053/1 से 7, एस० वी० रोड, दहिमा (पूष), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे 🕻 उपाबद्ध अनुसूची मे स्रोश पूर्ण रूप से वर्णित है), स्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन वस्त्रई स्थित सक्षम प्राधि कारी के कार्यालय मे रजिस्ट्री है तारीख 19 मई, 1984

को पूर्वोक्त सपित्न के उरिचत बाजार मृत्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्यास करने का कारण **है** कि यथापर्योक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरिय से उक्त अन्तरण लिखित में गास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बांचित्व म" कमी करने या उससे बचने म" स्विधा के लिए मौर∕मा
- (क) एेसी किसी नाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अब उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क्षे अधीन , निम्नलिमित क्यक्तियों , सर्थान् ६---

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की शामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त च्यान्सियों में सं किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क 😘 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अशेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेगे।

स्पष्टीकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

फ्लैंट न० 10, जो दूसरी मंजिल, डी विंग, गलिस्तान अपार्टमेट, सी०टी ०एस० न० 1053/1से 7, एम० वी० रोड, दहिसर (पृव), बम्बई हु स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम स० आई०--4/37 ईई/2447/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 19 मई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-४, बम्बई

तारीख: 8-1-1985

मोहर

प्रस्प बाह् .टी . एन् . एन् .,-----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यात्य, सञ्चायक मायकार भाग्यक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० आ०-4/37 ईई०/2452/83-84-अतः मुझे, ए० प्रमाद

नायकर प्रिंतियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रु. से बिधिक है

प्रौर जिसकी सं० पिस एण्ड पार्सेल आ लैण्ड एण्ड वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे, अक्ट्राय चेकनाका के सामने, दिहसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इपसे उपाबड़ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), ग्रौर जनका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 व, ख अर्धन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिजस्ट्री हैतारील 25 मई, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित याजार मृत्य रो कप्र के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्या, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक्षी (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (स) अम्हरण सं हुए किसं। जाय की बाबत, उपल का धिनियम के अवीन कर ४ न के अन्तरफ के दायित्व में कमी असने मा उससे ज्यने मा सुविधा क लिए; और/धा
- (ण) ऐसी किसी लाग या किसी धन दा अस्य अस्तियां की, जिन्हों भारतीय भाग कर अभिनियम 1972 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं थिया गण भा या किया जाना चाहिए था. छिपाने को अधिक्षा छे लिए:

जतः अव, खक्त अभिनियम की भारा 269-ग की अनुमरण मों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रमेश विनय चनद्र दोशी।

(अन्तरक)

(2) मै॰ लाबिल्ट कारपोरेशन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के जर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म 45 विन की व्वविध या हत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की कविध, जो भी व्यक्तियाँ में तमाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (स) इय मूनरा को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयम्त शब्दों और पदों का, जो उसस अधिनियम, क अन्याय १०-व में १०१४मारित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्राची

आल दैट पिस पार्सेल आफ लैण्ड एट वेस्टर्न एक्सप्रेंस हाईवे, अक्ट्राय चेक नाका के मामने, दहिसर (पूर्व), बम्बई में स्थिस है।

अनुसूची जैसा कि कम स० आई०-4/37 ईई०/2452/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनाक 25 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बाई

तारीख: 9-1-1985

प्रकृष बार्ष . टर्ने, शुक्त एक, नगरस्यक्त

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) में मधीन सूचनः

सारत व्रका

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 9जनवरी 1985

. निदेश स० आई०-4/37 ई५०/2454/83--84--अत मझे,ए०प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्रानिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका अधित अप्रार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० जमीन सर्वे नं० 167, एव० न० 7, मी० टी० एस० न० 2408 ग्रीर 2408 णिवाजी वल्लभ रोड, मुरबली नालाब, दिहसर (पूर्व), बम्बई-83 में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उलाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), ग्रीप जिसका करारनामा आयकप अधिनियम, 1961 की धारा 269 न ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के जार्यालय में पजिस्ट्री हैं तारीख 25-9-1984

को पृवेकित सम्पत्ति के उचित नाजार मृल्य से काम के क्रयमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचिता वाजार मृल्य, न्यक दश्यमान प्रतिफन से, एसे दश्यमान प्रतिफस का पढ़ प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्त-किक कए से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आभि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे राजने में सिराधा के जिल और/या
- (त) एंगी किसी अप या किसी धम या अस्य अपिन्यं। को, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियस, या धन-कर विधिनियस, 1957 (1957 जा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में मृतिभा के लिए,

गर भर उटा पिधिनियम की धारा 269-ग की, अनसरण भी, मी, अक्न अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की रागिन, निम्निलिखन क्यक्तियों, अर्थात ——

(1) श्री हारा लाल राम सृमेर यादव, ऋौर श्री रामानूष वातिता भदव <u>।</u>

(अतरक)

(2) मास्टर मकश राम बक्ष वर्मा।

(अन्तरिती)

को यह स्थान धारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के वर्षन के सिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

जनरा मरमरित के छन्न के सम्बन्ध भी कोई भी बाक्षेप: --

- (क) इस स्वान के रावपन में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन की जबिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की जबिथ, जो भी जबीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीवत व्यक्तियों में से विस्ती व्यक्ति वृद्याना;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार

स्पष्टीकरणः -- इसर्गे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनस्ची

सर्वे न० 167, एच०न० 7,सी०टी० एम० न० 2408 थ्रौर 2409 गिवाजी बल्लभ रोड, मुर्घली तालाब, दह्सिर (पूर्व), बम्बर्द-68 में स्थित है ।

अनुसूची जैना कि कम स० आई०-4/37 ईई०/2454/ 83-84 और जो नक्षम प्राधिकारी, बग्बई द्वारा दिनाक 25मई, 1981 को रजिस्टर्ड वियागया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्रधिकारः गहायतः पागत्र ध्रायुक्त (निर्शक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

नारी**ख 9-**1-1985 मोहर प्ररूप आर्ड्, टी. एन. एस. - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा १९७-च (1) के नधीन मुचना

भारत सरकार

कार्याभय, सहायक नायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश स॰ आई०-4/37 ईई०/2601/83-84--- प्रतः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1.961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क तो अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० डी, जो सुमती को० श्रापरेटिव हाउसिंग मोसाइटी लि० 'सुमती विहार' बिल्डिंग, एल० टी० रोड, दिहसर (पिण्चम), बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजम्ट्री है तारीख 28 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ब्र्ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्र्यमान प्रतिफल से, ऐसे ब्र्ध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्निसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण में सिस्तित बास्तिवक कप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण वे हुई किसी जानकी बावत उक्य अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कभी करने था उससे अधने में सुविधा के लिए; दौर/गा
- (क) ऐसी किसी अाय या दिन्धी धन का अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरियों द्वारा प्रकट नहा देक्या प्रा या किया जाना धाहिए था, खिपाने में सुत्रिधा के लिए;

बतः नवः, उक्तः नाभिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण कों, गें, उक्तः निभिनियमं की धारा 269-म की उपभारा (1) के अर्थीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्थात् ८(1) मै० भ्याम कन्स्ट्रवशन कम्पनी।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० महाबीर स्टोर्म।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर-सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वाना के रावपंत्र में प्रकाशन की तारीय है
 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्मास्त में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाद निवित में किए या सकेंगे।

जन्द ची

दुकान नं डी, सुमती को श्रापरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लिं 'सुमती विहार', एल टी रोड, दहिमर (पश्चिम), बम्बई-68 में स्थित है।

भ्रत्मुची जैसा कि कम सं० स्राई०-4/37 ईई०/2601/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28 मई, 1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम भ्रधिकारी महायक श्रायकर शातुका (निरीक्षण) स्रर्जेन रेज, हैदराबाद

तारोख : 9-1-1985

मोहर 🖰

प्रस्य बाह्ये. टी एन. एस -----

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत स्रकार

शार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-4, बम्बई
वस्बई, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं ० अई - 4/37ईई/2644/83-84/---अत: मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण व कि स्थावर सपिक हैं।

मौर जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-4/बी, 11, जो दूसरी मंजिल अवेधुत नगर, दिहसर सबवे के सामने, दिहमर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 30 मई, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इर्यमान शीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्रे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त संपित्त का उचित शाजार मृत्य, उमके इर्यमान पतिफल से, एसे उद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्का निक्तिलिंग उद्यदेश्य से उक्त जन्तरण लिखित में शास्तिवक कम से अर्जित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बीध न नियम के अधीस कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (वा) एंसी किसी बाव वा किसी भन या अन्य जास्तिवों को. जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा श्री सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण बो, मो, उक्त अधिनियम क्री भारा 269-ंघ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

43 -466GI|84

(1) श्रीमहेश बी० मन्त्री।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीजयन्त वी० मंझी

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

तकत सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस स्वना के श्वपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निर्मायत में किए आ सकोगे।

स्पव्यक्तिरण:—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, थी उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

क्लैट नं० ए-4/बी 11 जो वूसरी मंजिल, भवयुत नगर, बहिसर सबवे के सामने, दिहसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई०-4/37 ईई०/2644/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 30 मई, 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 9-1-1985

प्रस्य बाहे. टी. एन्. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुचना

भारत प्रकार

कार्यासय, महायक आयकार आयुक्त (निर्दोक्तन) प्रजीन रेंज-4, लम्बर्ड

बम्बई, दिनाक 9 जनवरी 1985

निवेश सं० श्राई०-3/37 ईई०/4246/83-84-श्रत. मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० दुकान नं० ए-302, जो पियूष बिल्डिंग, प्लाट बेर्सारंग नं० मी० टी० एम० नं० 979, वाईं० स्नारं० तावडे रोड, दिहमर (पूर्व) बम्बई-68 में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबंद स्रनुमूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका किरारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं नारीख 8 मई, 1984

का' पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, ऐसे ख्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण सिचित में बास्तविक रूप से अभित नहीं किया गया है है——

- (क) कन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाबित्य में कभी करणे वा उत्तरे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः कव, उक्तः अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिचित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) मैं० कुमकुम बिल्डर्स ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री वल्लभ भाई देवराज भाई मावलिया। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सुकेंगा

स्पष्टिकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभागित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मा दिया गया है।

अनुसधी

दुकान न० ए-302, जा पियूप बिल्डिंग, सी०टी० एस० न० 979,वाई० श्रार० तावडे रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि फ्रम स० श्राई-4/37 ईई०/4246/83-84 श्रौर जा सक्षम प्राधिकारी, धम्बई द्वारा दिनाक 8 मई, 1984 को र्जास्टर्ड फिया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, बम्बई

तारीख 9-1-1985 माहर . प्रकृष बार्षः, टी., एन., एस्.,:-----

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुम्ना

शारत सहस्रार

वैभवलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, वम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० म्राई०-4/37 ईई०/4404/83-84---म्रतः मुझे, ए० प्रसाद

जानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-क के अधीन सक्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,090-- रु. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं दुकान नं ए-3-ए4/12, छत्नपति शिवाजी मार्ग, दिहसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है),श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 18 मई, 1984

को पृष्कित सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गृष्ट हैं और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वित्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत के बास्तिक रूप से किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दुने के अक्टरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) श्रेसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को , जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बधिनियम, या धन-श्रेषणनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ी की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिवत व्यक्तियों, अर्थात् ं— (1) मै० स्पेस बिरुडर्स प्रा० लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मूलचन्द जेवतभाई छेड्डा श्रीर श्री धीरज भवानजी भाई निमसार।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीय सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त सोसी हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार स्थाहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए या स्थाहें ने।

स्थव्यकिरणः --- इसमें प्रयुक्त सम्बर्गे और पदों का, खो तथ्य अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित इं, बही वर्ष होगा, को उस क्ष्याय में विया गया है।

नन्त्र्यो

दुकान नं 0 ए-3, ए-4/12, जो छत्रपति शिवाजी रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

ग्रनुभूची जैसा कि कम सं० ग्राई०-4/37 ईई०/4404/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ग्लारा दिनांक 18 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 9-1-1985

मोडर 🛭

(' <u>'</u>...

प्रकार कार्ये हो प्रकार प्रकार प्रकार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यासम, सहायक वायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 जनवरी 1985

नियेश सं० आई०-4/37 ईई०/4405/83-84-अतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 55.000/- रु. से अधिक है

मीर जिसकी सं० दुकान नं० ए-1, ए-2/2, जो छत्रपति शिवाजी रोड, विहसर (पूर्व), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रें। हैं तारीख 18 मई, 1984

को पूर्वो क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विक्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रोत्तकत से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफ्स, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी नाय की वाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी कर्ने या उससे बचने में सुविधा के सिर्माश कीर/बा
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या बला शास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रियाने में स्विभा को सिए।

बत: बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निविद्य स्प्टिक्तमाँ, निम्निविद्य स्प्टिक्तमाँ, निम्निविद्य

(1) मैं रुपेम बिल्डसं प्राइवेट लि॰।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मेला गोवर्धन दास वावड़ा घौर श्री गोवर्धन दास करसन दास दावडा ।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकींगे।

स्थव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा ओ उस अभ्याय में दिया गया है।

an week

दुकान नं v-1, v-2/2, औ छत्रपति शिवाजी रोड, बम्बई द्वारा विनांक 18 मई, 1984 को रिजस्टई किया गया है।

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज-4, बम्बई

सारीक्ष: 9-1-1985

मोहर 🖫

प्रकृष बार्च , टी , एन , पुरु , -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

अम्बई, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० आई०-4/37 ईई०/4422/83-84--अतः

मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्चास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

भीर जिसकी सं० दुकान नं० ए.-303, जो ग्राउन्ड पलीर, पियूष बिल्डिंग, सी० टी० एस० नं० 979, वाई आर० ताबडे रोड,, दिहमर (पूर्व) वम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 8 मई, 1984

को पूर्वितत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्क यह विश्वास किरने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का अधिक बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण सिचित में वास्तिक रूप से किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुए किसी नाय की बाबत, अक्त बीधनियन के अधीन कर दोने के बन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भृथिधा के लिए; और या/
- (क) एंसी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के किया

्रभ्रमतः वाव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिसित व्यक्तियों, धार्त्ः— (1) मैं ॰ कुमकुम बिल्डर्स ।

(अग्तरक)

(2) श्री मिसरी मल मगन लाल खण्डेलवाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के निष्कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- 'क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा मकांगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया गया है।

वनसर्ची

वुकान नं ए-303, जो ग्राउन्ड फ्लोर, पियूष बिल्डिंग, सी॰ टी॰ एस॰ नं॰ 979, बाई॰ आर॰ ताबडे रोड, बहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि कम सं० आई०-4/37 ईई०/4422/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-4, यम्बई

तारीख: 8-1-1985

माहर :

प्रस्य बाह्रं , टी., एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्याखय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० आई०-4/37 ईई०/2340/83-84--अत: मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा से अधिक है

भौर जिसकी सं० पिसेस श्रीर पार्सेल्स आफ लैण्ड श्रीर ग्राउन्ड बेऑरंग सर्वे नं० 23, विलेज आकुर्ली, तालुका बोरीवली (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री है तारीख 11 मई, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मुल्य, उसके स्त्यमान प्रतिफल से एसे स्त्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण कि सिक्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लि;
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य गास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा डै बिए:

अतः अवः, उत्तरं अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती लक्ष्मीबाई हीरा जन्या कोंब ग्रीर अन्य।

(अन्तरक)

(2) मैं० वी० दिनेश ट्रेडर्स लिमिटेड।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षर :--

- (क) इस स्वान के राज्यन में प्रकाशन की तारीक से 45 विव की सबिथ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्वन। की तामीस से 30 दिन की अविध, वो भी वसीध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वेक्स स्वत्यों में से किसी स्वविद क्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

पिसेस आहर पार्सेस्स आफ लैन्ड श्रौर शाउन्ड बेंअरिंग सर्वे नं० 23, विलेज आकुर्ली, तालुका बोरीवली. (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-4/37 ईई०/2340/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वालरा दिनांक 11 मई, 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 10-1-1985

मोहर 🗓

मुक्ष बाह्" दी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

बाइत संहका

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निराक्षक)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निर्देश सं० अई०-4/37/ईई०/2195/83-84--अत: मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन बेजिरिंग नं० सी० टी० एस० नं० 2780, विनायक भवन बिल्डिंग, एल० टी० रोड, बोरीवली, (पिष्चम), बम्बई-92 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के खें के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 5 मई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तथ पाया गया प्रति-कल, निम्निसित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निवित में वास्तिबक कप से कथित नहीं किया गया है हन-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दरिवस्य में कमी करने या उससे वचने में सुनिधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी भन या बन्य वास्तिवों को जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उथत अधिनियम या भवकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविका के लिए;

कतः अवः, उवदः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिणियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) मैं० गोयल ब्रदर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री धनराज एस० खिमावत द्रस्टी आफ : खिमेल वाला फाउन्डेशन।

(अन्तरिती)

(3) 18 भांडूत ।

(वह स्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

सबे यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हन्न

- (क) वस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पच्छोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में वरिभावित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बसस्य प्री

जमीन वेशरिंग नं० सी० टी० एस० नं० 2780, विनायक भवन विस्त्रिंग, एल० टी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई— 92 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि कम सं० आई०→4/37 ईई०/2195/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 11-1-1985

मोहर 🖫

प्रकप कार्य. टी एन एस -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निवेश सं० आई०-4/37-जी्०/53/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसादः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे ६समें इसके परकाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० पीस भीर पार्सेल आफ लैण्ड भीर ग्राउन्ड एट मौजे बोरीवली, बेअरिंग सी० टी० एस० नं० 511 श्रीर 511/1 से 6 बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 8 मई 1984 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीति । के निया कि निया की गई है और सभी यह चित्रतास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे धर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उचत अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियभ के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के रलगः;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मो, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की सपधारा (1) के अधीन, निष्निविक्त व्यक्तियों, वर्धात :-

- (1) श्रीमती मंजुला बेन जसवन्त राय पटेल श्रीर
 - 2. श्री नवीन चन्द्र छगन लाख शाह।

(अन्तरक)

(2) श्री महेश सी० चौधरी।

(अन्तरिती)

- (3) 1. श्री वीनानाथ टी॰ पावले।
 - 2. श्रीमती सुशीलाबेन आर० शाह।
 - 3. श्री लालचन्द भाई द्वी० मोदी।
 - 4. श्री छगन भाई एल० मिस्त्री भौर
 - श्री दत्तात्रय एन० चौहान
 - 6. श्रीजनार्दन एस० मर्येकर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करसा हुं।

उक्त स्माति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास सिवित में किए या सकोंगे।

स्थलकोकरण: --- इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावितः है वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में विका वना है।

नग्स्यी

म्रानुमूची जैसा कि विलेख सं० 258/82 झौर जो उप रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 8 मई, 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए॰ प्रसाद सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त `(निरीक्षण) अर्जंन रेंज-4, बस्बक्क

तारीख: 11-1-1985

प्रकथ बाह् दी. एन .एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निर्देश सं० अई०-4/37/ईई०/2331/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद-

आयंकर अभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 13, पहला माला, शिव दर्शन एस० हिं। पी० रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबंध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), मोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ही है तारीख 11 मई, 1984

को पूर्वोक्ष्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का फल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिगों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अंतरण निहीं किया गया है:—

- (क्नः) अन्तरण से हुइं िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अर्धिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया है आपा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;
- जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं जक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--4 4 46601|84

(1) मैं ० एक्से ल बिल्डसें।

(अन्तर्

(2) मि॰ रजनी नष्टवर लाल शाह। मिसेस जी॰ आर॰ शाह।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के विं कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोड़ भी आक्षेप :-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितस्द्रभ किभी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जम्सूची

पलैंट नं० 13, पहला माला, शिव वर्णन एस० व्ही० पी० रोड, कांदिवली (पिष्टिम), बम्बई-67। अनुसूत्रो जैसा कि कम सं० अई०-4/37 ईई०/2331/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11 मई, 1984 को रजिस्टढं किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 14-1-1985

मोहर 🛭

जरूप बार्ड.टी.एन.एस.-----

७.यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) ज अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निवेश सं० आई०-4/37 ईई०/2554/83-84---अत:मुझे,

ए० प्रसाबः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लैट नं० 902, जो पहली मंजिल, विंग सी, 'अलका भवन', एक्सार विलेज, बोरीवली (पण्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में ग्रीर पूर्ण रूप से व्यक्ति है ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी हैतारीख 1 मई, 1984

को पूर्वेषित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से अम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथामूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिह्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्लिक्तयों. अर्थात :---- (1) श्रीके० एस० थाकू (प्रोप्राइटर)।

(अन्तरक)

(2) श्रीमतीश जै० केतकर।

(अन्तरिती)

(3) मैं ० के ० एन० बिल्डर्म।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रीमती शांताबाई रामचन्द्र महासे श्रीर अन्य।

> (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितब**ढ** है)

को ग्रह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शोद में समाप्त होती हो, को भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्लारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पर्वों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुसुची

फ्लैंट नं० 902, जो पहली मंजिल, विंग सी, 'अलका भवन', एक्पार विलेज, बोरीवली (पिक्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-4/37 ईई०/2554/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मई, 1984 को रिजम्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीखा : 10-1-11985

मोहर .

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० आई०-4/37 ईई०/2640/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी स० बी-13, तीसरी मजिल, रोसारीभो अपार्टमेट्स, बोरीवली (पश्चिम), अम्बई में स्थित हैं (भ्रौर इससे
उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण क्य से वर्णित हैं) श्रौर जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
हैं तारीख 1 मई, 1984

को पूर्गोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा गया अतिफल, निम्नसिवित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तिक रूप से कियत गर्ही किया प्रवा है :---

- (क्) अन्तरण सं हुई किसी नात की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दामित्व में कमी करने या उससे अचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--

(1) श्री बारी मथाई।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रोजा डिसौजा ।

(अन्तरिती)

(4) मैं विल्डर (नारी मधाई)।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करेंके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी-13, जो तीसरी मंजिल, सरोसारीको अपार्ट-मेंट्स, एक्सार, बोरीवली (पिश्चम), बम्बई में स्थित है । अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-4/37 ईई०/2640/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

मोहर 🛭

प्र**वय व्यव**े हो. २५ प्रस_् पर

नावकर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन मुचना

भारत ब्रकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बर्ड, विनांक 10 जनवरी 1985

निवेश सं ० भाई ०-4/37 ईई ०/2587/83-84-भतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसके इसके प्रकात 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 12, जो तीसरी मंजिल, 8, 9, 10 विहिडा; प्लाट नं० 8, 9, 10 'रतन नगर' स्कोम, बोरोवली (पिश्चम) बम्बई-66 में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुमूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर मधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बईमें र्राजस्ट्री है तारीख 1 मई, 1984

भो पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्नितियों उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में बास्त-

- (क) अंतरण से हुई किसी याय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) एसी किसी जाब या किसी थन या बन्य आस्थियां की, जिन्हों भारतीयं आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

कतं अव, उक्त अभिनियमं की बार्च 269-म की अनुसर्थ कों, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तिकों, अर्थात् हिल्ल (1) मैं ॰ परम श्वानन्द बिस्डसें प्राइवेट लिमिटेड ।

(मन्तरक)

(2) श्री सतीश बाबु देव केडिया।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप क्र---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदे बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्यां कारणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया प्रयाही।

अनुसूची

फ्लैटनं 12, जो तोसरी मजिल, इन 8, 9, 10 बिल्डिंग, प्लाटनं 8, 9, 10 'रत्न नगर' स्कीम, बोरोबलो (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

श्रानुसूची जैसा कि कम सं श्राई०-4/37 ईई०/2587/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा विनांक 1 मई, 1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्तम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, बस्बई

तारीख : 10-1-1985

मोहर 🎨

प्ररूप आर्ड्ड. टी. एन. एस.-----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-4, बम्बई

बस्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निवेश सं० आई०/37 ईई०/2417/83-84--- अत. मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25.000/-रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, जो तीसरी मंजिल, श्री नाथ भ्रापार्टमेंट, 259 एस० बो० रोड, बोरोबली (पण्चिम), बम्बई—92 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध प्रानुसूर्य। में भीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर ग्रीध—नियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधोन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारों के कार्यालय में र्राजस्ट्री है तार ख 1 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इच्यमान प्रतिफल से, एसे इच्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की भावत, उक्त जीधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे जजने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी बाब का किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हा भारतीय जाउकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) उपयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मैं सुविधा के लिए;

भतः ख्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नसिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री चम्पक लाल ग्रम्तलाल संघवी ग्रीर श्रीमती सुभद्रा सी० संघवी।

(म्रन्तरक)

(2) डा० झवेरचन्द रानमल हरिया।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन कार्यनाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किमे जा सकी।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्यी

पलैट नं० 301, जो तीसरी मंजिल, श्रीनाथ आपार्टमेंटस, 259, एस० बी० रोड, बोरोवली, (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है। ङ

श्रनुसूची जसा कि क्रम सं० श्राई०-4/37 ईई०/2471/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मई, 1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-4, बस्बई

तारीख: 10-1-1985

मोहर 🕉

प्ररूप बाह्रै.टी.एन.एस.-=----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **अारा 269-च (1), के अधीन सूच**ना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बर्ष, दिनांक 10 जनवरी 1985 निदेश सं० स्नार्ष०-4/37 र्षर्ष०/2641/83-84---अतः मुझे,

ए० प्रसाद बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/ र त. त जायम तृ श्रीर जिसकी सं० 302, जो तीसरी मंजिल श्री रघुवंशी श्रपार्टमेंट्स, चंधावरकर रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उंधाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, मे रजिस्ट्री है तारीख 1 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कुम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से एसे इध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमतीलता गोपाल कुकानी।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती रमेश किसोन दास मर्चेट ग्रीर भ्रन्य।

(मन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 302, जो तीसरी मंजिल, श्री रघुवंशी ग्रंपार्टमेंट, चन्दावरकर रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-4/37 ईई०/2641/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, बम्बर्ड

तारीख: 10-1-1985

मोहर 💈

प्रकप आइ^द्र टी एन. एस्.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अभीन सुचना

भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० श्रई०-4/37 ईई०/2341/83-84--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 501, जो समेर नगर, ए ग, पांचवीं मंजिल, एस० बी० रोड, कोरा केन्द्र के सामने, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्त्री है तारीख 1 मई, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विकित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, करि/या
- (क) एसी किसी बाय का किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निरा:

जत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की बनुतरण कें, में, उक्त जीधिनियम की भारा 269-व की स्पभारा (1) के बभीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :~- (1) मै० इण्डियन रबर प्रोडक्ट।

(श्रन्तरक)

(2) श्री देवेन्द्र शांतिलाल रूपानी श्रीर श्रीमती कोकिला देवेन्द्र रूपानी ।

(भ्रन्तरिती)

की यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष् :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील क्षेत्र 45 दिन की अविधिया तत्मम्बन्धी व्यक्तिया पर सन्धना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस सृष्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य अपिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंचे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मुंबा है।

जम्सूची

प्लैट नं० 501, जो सुमेर नगर ए विंग, पांचवी मंजिल, एस० वी० रोड, कौरा केन्द्र के सामने, बोरीवलो (पांण्चम), बम्बई-92 में स्थित है।

ग्रनुयुची जैसा कि कम सं० ग्राई०-4/37 ईई०/2341/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–4, *बस्ब*ई

^तारीख : 10−1**−**1985 मो**हर** ध प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकाड

कार्यासय, सहायक सायकर अध्यक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बम्बइँ

बम्बर्ड, दिनांक 10 जनवरी 1985

निवेश सं ॰ प्राई॰-4/37 ईई॰/2342/83-84-**-प्र**तः मुझे, ए॰ प्रसाद,

शायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करन का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 502, जो पाँचवीं मंजिल, ए विग, सुमेर नगर, एस० वी० रोड, कोरा केन्द्र के सामने, बोरावला (पिश्चम), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर झिंधनियम, 1961 की धारा 269कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारा के कार्यालय में र्जिस्ट्रो है तारोख 1 मई, 1984

को पूर्णेवस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफाल निम्नलिचित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित को बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त जीभिनियम के जभीन कार दोने के अंतरक के दासित्य में कभी करने या उससे बचने में सविध्य जै लिए; और/मा
- (म) एसो किसी नाय या किसा धन या नन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर निधिनयम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ लंतिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था छिपाने के सिक्धा के लिए;

अतः जबः, उक्त जीधनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैं विमल लेटेक्स इण्डस्ट्री ।

(मन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र शांति लाल रूपानी श्रीर श्रीमती लता नरेन्द्र रूपानी ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शारु करता हूं।

उक्त संपरित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ध--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर
 स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर तकत स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, भहीं अर्थ होगा जो उस बध्याय में दिया गया हैं!

पनुसूची

फ्लैट नं० 502, जो पौचवीं मंजिल, ए विंग, सुमेर नगर, एस० वी० रोड, कोरा केन्द्र के सामने, बोरोबली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि क्रम सं० धाई०-4/37 ईई०/2342/83-84 धौर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, वस्वई

तारीख: 10-1-1985

प्रकार आहें. टी. एंग. एस. ------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुम्ना

भारत सरकार

अधिनिय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० ग्राई०-4/37 ईई०/2439/83-84--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 7, जो आउन्ह पलोर, जयेश अपार्टमेंट्स, जय-राज नगर बजीरा नावा, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इसमे चपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रीध-नियम, 1961 को धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायलिय मे रजिस्ट्रो है तारीख .1 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक हम्म से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन अर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किसा जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

(1) मैं ० जयराज बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमिशई लाल बी० यादव श्रीबंक्य लाल बी० यादव, श्रीर श्रीरामधारी बी० यादव।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 💵

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्पक्तीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 7, जो ग्राउन्ड फ्लोर, अयेश ग्रपार्टमेंट्स, जय राज नगर,वजीरा नाका, बोरीवली (परिचम), बम्बई-92 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क्रथ सं० श्रई०-4/37 ईई०/2439/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–4, बम्बई

तारीख : 10-1-1985

मोहर ः

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269(घ) (1) के अभीन स्चना

भाउत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) भूर्जन रेज-4, बस्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

' निदेश सं० भ्राई०-4/37 ईई०/2579/83-84---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० फ्लैट न० 104, जो पहली मंजिल, ई विग, रोशन श्रपार्टमेंट, चौथा कस्तूरबा रोड, एस० नं० 24-ए, एच० नं० 9, बोरीयली (पूर्व), बम्बई—66 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल सो, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ते हुई किली शय की वावत, उक्त शीधनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के एक्ट, बॉर/या
- (क) एसे किसी बाय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयफर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ?

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् ह—

(1) मैं० रोशन इन्टप्राइजेस ।

(श्रन्तरक)

(1) श्रो कुष्ण कुमार रमण लाल गोस्वामी।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त हाती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिमित में किए जा सकोंगे।

स्पाक्टोकरण :---इसमा प्रयावत शान्यां और एदां का, जो उसत स्पिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या ही ।

अन्मुषी

पर्लैट नं० 104, जो पहली मंजिल, ई विंग, रोशन ग्रपार्टं० चौथी मंजिल, कस्त्रवा रोड, एस० नं० 24-ए, एच० नं० 9, बोरीवली (पूर्व), बम्बई-66 ैं में स्थित है।

ध्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ध्राई०-4/37 ईई०/2579/83-84 ध्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-4, बस्बई

तारीख : 10-1-1985

प्रक्षाः, बार्षः, टी. एम. एस्., - - - - -

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निषेश सं० भ्राई०-4/37 ईई०/4365/83-84--श्रतः मुझे ,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000 /- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसको सं० फ्लैट नं० 316, जो बिल्डिंग ए गगनिगरी नगर, टोनो नगर बस स्टाप के सामने, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है), श्रौर जिसका करारनमा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 को धारा-269 के खे के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालाय में रजिस्ट्री है तारीख 1 मई,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दृब्श्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित उद्दृब्श्य से उक्त अन्तरण

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (च) होती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रोमती रेनृपी० तलरेजा भौर श्रीमती रेखा एन० घह।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीक्याम लाल एन० छात्रिया।

(झर्लारती)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की शविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों आर्ड पदों का, जो उनस अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

नग्स्ची

पलैट नं० 316, बिल्डिंग ए, गगन गिरी नगर, टोगी नगर बस स्टाप के सामने, बोरीवली (पश्चिम) बस्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-4/37 ईई०/4365/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई दिनांक 1 मई, 1984 को रिजस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद्य सक्षम प्राधिकारी - सहायक आयकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजेन रेंज–4, क्क्बई

सारी**ख**: 10-1-1985

मोहर 🖫

प्रकार नार्षं हो. एन , एव ., -----

जायकार जीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, वस्त्रई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निवेश सं० आई०-4/37 **ईई०/**2349/83-84-अत: मुझे,ए० प्रसाद

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), जो कि धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. सं अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 102, जी पहली मंजिल, विशाल 2 बिल्डिंग, एस० वी० रोड, बोरीवली (पिष्चम), बम्बई— 92 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबज्ञ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह व्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से,, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहें प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के बीच तम पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (ग) जन्तरण ते हुई किसी जान की बावस , उसत अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के निए; बॉर/या
 - (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भनेकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गमा भा या किया जाना जाहिए आ कियाने में सूबिधा के लिए;

जतः जन, उक्त जिथिनियम् की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों अभात् ः— (1) मैं० गौतम बिल्डर्स (इण्डिया)।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रिसटोन स्लेवन थामस श्रीर श्रीमती रत्ना सराह थामस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृथिक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्म्यनिहिमां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाध्येप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्लब्स लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्षर्य होगा, जो उस अध्याय में क्लिय गया है।

नगत्त्रची

फ्लैंट नं० 102, जो पहली मंजिल, विशाल-2 विल्डिंग, एस० वी० लोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि कम सं० आई०-4/37 ईई०/2349/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

प्रकृष **वार्**ंटी . **एव**्एस ् =======

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के मधीन स्थान

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक नायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जमवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/2282/83-84--अतः मुझे ,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-क. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० फ्लैंट नं० बी-10द, जो पहली मंजिल 'लक्की स्टार अपार्टमेंट्स' शांति आश्रम बाजू में एक्सार, बो रीवली (पश्चिम), बम्बई-103 में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिंगत है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 मई, 1984

को पूर्वोक्षत संपत्ति के उंजित क्षाजार मृत्य में कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्षित संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल के यन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/का
- (थ) ऐसी किसी भाग या किसी भन या जन्म आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा चूँ सिए;

(1) मै०एम० जे० एण्ड कम्पनी।

(अन्तरक)

(2) श्री वेल्लीयत अचुतन सुकुमारन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के कर्जन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त तम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारींच के 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो और अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाच अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्षित्रणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उन्स निधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ., वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

धनुसूची

पर्लंट नं० बी-101, जो पहली मंजिल, 'लकी स्टार अपार्टमेंट, एस० नं० 99, एस० नं० 3, सी० टी० एस० नं० 1509 श्रौर 1512, शांति आश्रम के बाजू में, एक्सार, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-103 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-4/37 ईई०/2282/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1 मई, 1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाव सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

क्षतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:——

तारीख : 10—1—1985

प्रकर बार्ड . ही , एस , एस ,-----

भावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अधीन सुचना

भाइत संड्रकार

कार्यांतम, सहायक नायकर नायकर (निरीक्तण) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० आई०-4/37 ईई०/2505/83-84---अत. मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इतमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजिल बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक हैं

25.000/- रु सं अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता के बीच एसे अंतरफ (अंतरकों) और अंतरिता से अधिक हैं और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णन हैं), प्रश्नर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के का र्यालय में र्राजस्ट्री है तारीख 1 मई, 1984 करे पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का करण हैं कि यथापूर्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवास से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्हित उद्वेद्य से उक्त अंतरण लिखित में भासतिक रूप से किया नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरक ते हुई किसी शाव की बाबत, कच्छ विधिनियम् के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में अविधा के सिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, किया में सुविधा से लिए;

(1) मैं ० शहा बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री माता प्रसाद धनवन्त मिश्रा श्रीर श्री शीतल प्रसाद धनवन्त मिश्रा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई बाक्षेप है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अयक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के सध्वाय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिवा गवा है।

arrendi .

दुकान नं० 8, जो ग्राउन्ड फ्लोर, बिल्डिंग नं० बी देवकी एक्सार रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची में जैसा कि कम सं० आई०-4/37ईई०/2505/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मई, 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

अत अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुगरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) मुख्योग, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ध—

तारीख: 10-1-1985

मोहरु 🖫

प्ररूप बाहै. टी. एम., एस.,-----

नावकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत ररकार

कार्थालय, सहायक जायकर जायूक्त (निरीक्तण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० आई०-4/37 ईई०/2457/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6, जो दूसरी मंजिल, ए विंग, प्लाट नं० 5, मूलजी नगर, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा का 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है तारीख 1 मई, 1984

को पर्वोक्त सम्पन्ति के लियत नाजार मृन्य में कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके एश्यमान प्रतिफल में, एसे एश्यमान प्रतिफल का बंबह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया पया गितिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किचित में इंग्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्रियित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों. को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

्र जतः सद, उक्त अधिनियम, की भाग 269-ग के अनुसरण क्रों, मी, उक्त अधिनियम की भाग 269-च की उपभाग (1) के सभीन, निम्हिसिखत व्यक्तियों, अधित् क्ष्म (1) श्रीमती स्मिता सुरेश शाह।

(अन्तरक)

(2) श्री मोजी भवर लाल मगन लाल।

(अन्तरिती)

को गह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकी।

स्यब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त जन्दी और श्वांका, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह[‡], वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ॥⁴।

अन्स्ची:

पर्लैट नं० 6, जो दूसरी मंजिल, ए विंग, प्लाट नं० 5, मूलजी नगर, बोरीवली (पिश्चम), बम्बई-92 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-4/37 ईई०/2457/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 10-1-1985

मोहरु 🖫

अक्ष्य कार्यः, टी., यन ,, पुस्रः, -----

(1) श्रामता कमलाबेन सवन्तालाल शहा।

(2) मैं ० एवरेस्ट जेम्स ।

(अन्तरक)

(म्रन्तरिती)

जायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (व) (1) के मधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकार आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेज-4, अम्बर्ष

बम्बई, दिनान 10 जनवरो 1985

निदेश मं० आई०-4/37 ईई०/ 2377/8 3-8 4--अतः मृझे, ए० प्रसाध

गायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रश्नात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० युनिट न्० 216, जो दूसरी मंजिल, बी ब्लाक, मण्डेश्वर इण्डस्ट्रियल प्रीमायसेस लि०, सरवार वल्लभ भाई पटेल रोड, बोर्सब्ली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद अनूसूर्या में और पूर्ण रूप से वणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कथा के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 मई, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मुख्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफ स को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफ स से, एसे द्रश्यमान प्रतिफ स का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेदय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, अक्त शीधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; शीर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः अव, उनतः अभिनियम की भाष 269-ग के अनुसर् जे, जे, उकतः अभिनियम की भाष 269-व की उपभाष !! के अभीन, निम्नसिधित व्यक्तिकों, अविद्याल- की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के शियु कार्यभाष्टियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पिनतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिटबद्ध किसी कन्म व्यक्ति स्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्वयं किर्यः - इसने प्रमुक्त शब्दों और पर्यों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में विसा गया हैं।

नन्स्वी

यूनिट नं० 216, जो दूसरी मंजिल, बी ब्लाक, सण्डेम्बर इण्डस्ट्रीयल प्रिमायसेस लि०, सरदार वल्लभ भाई पटेल रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनूसूची जैसा कि कम सं० आई०-4/37 ईई०/23771 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 सई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 10~1-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4. अम्बर्ड

बम्बई, दिनाक 10 जनवरः 1985

निदेश मं० अई० 4/37 ईई०/2376/83-84 अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रा. से अधिक ही

और जिसकी सं यूनिट न 214, जो दूसरी मंजिल, बी बलाक, मण्डेण्वर इण्डस्ट्रं यल प्रिमायसेस लिं , सरदार वल्लभ भाई ाटेल, रांड, बोरावली (पश्चिम), वस्बई 92 में स्थित है और जिलाम करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिक्ट्रों है नार, खा। मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्वर्षय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबता, उपत जिभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के धायित्य में कामी कारने वा उत्तरसे वचने में सुविधा को लिए;
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या कन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना काहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीमती बाबबेन मंगलजी गह।

(भन्तरक)

2. मैसमें एच पटेल एण्ड कम्पनी

(ग्रन्वरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ब बच संपत्ति के बर्जन की संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (कां) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- कद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

यूनिट सं० 214, जो दूसरी मंजिल, बो ब्लाक, मण्डेश्वर इंड्ट्रीयल प्रिमायसेस लि०, सरदार बल्लभ भाई बटेल रोड बोरीयली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुभूचो जैंग। ए कम सं० अई०-4/37 ईई०/2376 83-84 और जो मक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिलाल 11-5-1934 को रजिस्टेंड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक द्रायकर द्रायुक्त (निरीक्षण) द्राजन रेंज- 4, बम्बई

दिनांक : 10-1-1985

मोहर 🛭

प्रकप कार्य्व द्वी _व प्रस_{म्} एस , ५ ५ - ५ ०---

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सहकाड

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निर्दाक्षण)

प्रजंन रेंज-4' बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० आई०-4/37 ईई०/2351/8 3-8 4--अतः मुझे, ए० प्रसाद:

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 405, जो भौथी मंजिल, बिल्डिंग मं० डो-24, योगी गंगा को० आपरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लि०, योगी नगर, एक्सार, बोरीबली (पश्चिम), बम्बई-92 में रियत है (और इसमे उपावड अनुसूचा में और पूर्ण रूप से बिणित है), और निसका कारारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कका के अबीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के धर्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके धर्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के दाखित्व में कसी करने या उसके बचने में सुविधा के सिए; ब्रोह/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्ति में का, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपात दें सुविधा के लिए:

अत श्रवा अवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्चित व्यक्तियों, श्रक्तींत :--- 1. श्रीधीरज कुमार डी० मकवाना।

(भ्रन्तरक)

श्रीमर्ता गुशःला वेन नाना लाल मोटाने।
 श्रोक ग्राली, सा ० मिश्र,
 सांगली ।

(भ्रन्तरिक्षो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु...।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी नाक्षेप ह-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धों व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसची

फ्लैट नं० 405, जो चौथो मंजिल बिलिंडग नं० डी-24 योगो गंगा को० आपरेटिन-हार्जीमग सोसायटी लि०, योगीनगर, एक्सार रोड, बोरावलो (पिष्चम) बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कम सं० आई०-4/37-ईई०/2351/ 8 3-8 4 और जो सक्षम प्राधिकारी रोड बम्बई द्वारा दिनांक 1 मई, 198 4 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रभाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बभ्बई

दिनांक: 10-1-1985

मोहर 🕾

प्रक्युः बार्षः दीः एतः एकः -----

नायकद्व अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्ते (भारत 269-न (1) के नभीन सुखना

शारुत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अजुन रेंज-4 वम्बई वम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985 निदेश सं० आई० 4/37 ईई०/2572/83-84--अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विधवास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित वाजार मूस्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसका सं० फ्लैट नं० 1, जो गिरनार अपार्टमेंट आफ मंडपेश्वर रोड, गोविन्द नगर बोरीवली (पिश्वम), बम्बई-92 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) और जिसका अरारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री, है तार्रख 1 मई, 1984

को प्योक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वित उद्विथ से उक्त अन्तरण सिश्वित में कास्त्रीक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की नायस जनत निधन नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दार्थित्व को कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/वा
- (ण) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आहितयों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11). या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपान में सुविधा के सिएक

(1) नै० कमला इन्टरप्राइसेज।

(अस्तरक)

(2) श्री अरिवन्द गोवर्धन सुप्तारिया और श्री सुरेश गोवधन दास सुतरिाया।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह स्पित जिसके अधिभोग में वह सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूर्य

पलैट नं० 1, जो गिरना। अपार्टमेंट्स आफ मंडपेश्वर रोड, गोविन्द नगर, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई 4/37-ईई/2572/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बइ द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टड किया गया है।

> ए० प्रसाद स**क्षम** प्राधिकारी स**हा**यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- 4, बम्बई

भतः भवः, उक्त विभिन्नियम की भारा 269-ग क नन्सर्थ में, सें, उक्त अभिनियम की भारा 269-म मही उपभादा (1) के अभीतः, निस्तिमितिक क्षित्रकार्धेश सर्थाद्य क्षेत्रकार्

तारीख: 10-1-1985

मोहुदु 🔉

प्रकम् अवर्ष्य हो. एत् प्रस्तानननननननन

अगयकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत बुरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) • अर्जन रेंज-4' बम्बई

बम्बई; दिनां सः 10 जनवर। 1985

निदेश मं०आई०-4/37ईई०/2494/83-84--अत: मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पेक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० फ्लैंट नं० 306 जो तासरा मंजिल, सुमेर नगर, कोरा केन्द्र के सामने, एस० बा० रोड, बोरावल। (पिचम), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपावड़ अनूसूचा में और पूर्ण रूप रे विणित है),और जिसका करारनामा आयदर अधिनियम, 1961 का धारा 269 के ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारा के कार्यालय में रजिस्ट्री है नारीख 1 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल निम्निसिन्त उद्देश्य से उन्त बंतरण मिन्निन्त में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है हि—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिवियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अडि/बा
- (♥) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अर्थः उक्त जीधीनयम की भारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1), के अधीन, निम्नलिखितु व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रारमेश ए० भाटिया और श्राधमेन्द्र भाटिया।

(अन्तरिती)

(2) श्राकिशोर सा० वेसाई और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्क व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों शौर पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मैं दिया गया है।

Burn's

पर्तेट नं० 306, जो तोत्तरी मंजिल, भुमेर नगर, कोरा कैन्द्र के सामने, एम० वा० रोड, बोरावला (पश्चिम), बम्बई— 92 में स्थित हैं।

अन्भूची जैसा कि कम ग० आई०-4/37 ईई०/2494 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मई, 1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- 4, अम्बई

नारीख : 10-1-1985

मोहर 🛭

प्रक्ष भारी, दी., एम., एस.,-------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- 4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 जनवरी 1984

निदेशम० आई०- 4/37 ईई०/2341/83-84--अत:सुझे, ए० प्रसाद,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-छ से अधिक हैं

और जियको सं० पलैट न० 201 डी- 27, जो एक्सार रीष्ट, योगानगर, बोरंग्वल। (पाण्चम), बम्बई- 92में स्थित है (और इसमें उपाबड़ अनुसूच। में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रा हैतारंख 1 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ट) और अंतरिती (अतरितियों) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किवित में बास्तियक रूप से किथित नहीं किया गया है 2—

- (क) गत्तरण से हुई किसी नाय की नावत, उक्त अभिनियम के नभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौद/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्सियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान मा स्विधा के किए;

अतः अव, उक्त अभिनियम, कौ भारा 269-च के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम, निम्नतिश्चित व्यक्तियम, अर्चात्:---

- (1) श्रीमिती नर्मका बेन जी० सेठ और श्रीमुलाब चन्द वारजा सेठा . (अन्तरक)
- (2) श्री नवीन एल० मेंडल (भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के सिष्ट कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड भी बाओप :~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी कम्य व्यक्ति द्वारा स्थाहस्ताक्षरी के पाझ किसिक में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उन्न सभ्याय में दिशः गया है।

नगसची

प्लैंट नं० 201 डा- 27, जी एक्सार रोड, योगी नगर, बोरोवली (पश्चिम), बम्बई- 92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम मं० आई०-2/37-ईई०/2341/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनाक 1 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॅज- 4, बस्बई

दनांक : 10-1-1985

माहार 🛭

प्ररूप बार्ड .टी.एन.एस. -----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक्रम) प्रजन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 100 जनवरी 1985

निवेश सं ० श्राई०-4/37 ईई०/4302/83-84--- मत: मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं ध्यमें कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह भिष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्त. से अधिक है

शीर जिसकी मं० दुकान नं० 1, श्रमर विजय को० श्रापरेटिय हार्जिस सोसाइटी लि०, साई बाबा टेम्पल के सामने, एस० वी०रोड, बोरीवली (पिश्चम), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क खं के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिम्ट्री है तारीख 1 मई, 1984

क्षे प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धरयमान प्रतिकल से एसे खरयमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से कियत नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वियस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपता अधिनियम, या धनकर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के ट्रिनए;

(1) श्रीनरेन्द्र कुमार चेतराम गुप्ता।

(म्रन्तरक)

(2) श्री पुत्तप्पा ग्नार० गोवाडा ।

(ग्रन्तरिती)

कौ यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उप्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पुर स्वाना की तामी से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेंहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

वन्सम्

दुकान नं० 1, जो ग्रमर विजय को० ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०, राम नगर, साई बाबा टेम्पल के सामने, एस० वी० रोड, बोरीवली (पिण्चम), बम्बई-92 में स्थित है। ग्रनुसूची जसा कि कम सं० ग्राई०-4/37 ईई०/4302/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई ब्रारा दिनांक 1 मई, र 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्रधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष--

तारीख : 10-1-1985

मोहर:

प्ररूप आहे. टी. एन. एस., -----

नायकर निधानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) से मुधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985 निदेश सं० ग्राई०-4/37 ईंई०/2563/83-84---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 32, जो गोविन्द श्रापार्टमेंट्स, जय पाली हिल, शांति श्राश्रम के बाजू में, बोरीवर्ला (पिश्चम), बम्बई—92 में स्थित है (श्रीर इससे जिपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीध—नियम, 1961 की घारा 269 क खं के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के अंतरिती की गई हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक दृश्यमान प्रतिफल से, एसे अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निचिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण निक्कित में प्रस्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाम की वाबत, उन्तर विधिनियंत्र की अभीत कार योगे के वृन्तरक की वाधित्य में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के सिए; बीद्व/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तिनों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सृतिभा के लिए;

🗼 अतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण क्रीं, मैं, उक्त अधिनियम की ध्रुरा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलि**खित व्यक्तियां** ्रधीत् 🖫 (1) मै० जयपाली बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीवीनानाथ जो० महाले।

(म्रन्तरिती)

्करो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्षत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य स्थावत द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए जा सकरो।

स्वक्रीकरणः ---- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का. को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा को उस अध्याय में विधा गुंधा हैं।

प्रवस्त्री

फ्लैट नं० 328, जो गोविन्द श्रपार्टमेंट्स, जयपाली हिल, शांति झाश्रम के बाजू में, बोरीवली (पिंचम), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुभूची जैसा कि ऋम सं० श्राई०-4/37 ईई०/2563/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी. बम्बई द्वारा दिनांक 1 मई, 1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-4, बम्बई

नारीख: 10--1-1985

मोहर :

प्रकल नाइ. टी. एन. एस. - - - ----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

बाइत चहुकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं ० ग्राई०--4/37 ईई०/2170/83-84---ग्रतः मुझे, ए० प्रसाव

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 का ने ने ने सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000 /-रु. में निधक है

ग्रीर जसकी मं० वुकान मन० 22, जो सार्व बाबा धाम, राम नगर, बोरोवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण स्था में विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्वित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरक संहुई फिडी बाव की बावता, उभरा अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उमर्शनका में सविधा के जिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन वा अन्य आस्तिवाँ को, जिन्हाँ भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिस्पृष्ठ

(1) श्रीमोहन मगनमल।

(भ्रन्तर्क)

(2) श्रो मोताराम ईवतराव मालवी।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :- --

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पीत्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक लिखित में किए का सकोंगे।

स्मष्डिकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय भें दिया गया इं।

अनुसूची

दुकान न० 22, जो साई बाबा धाम, राम नगर, बोरीवली पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसा कि क्रम सं० ध्राई०-4/37 ईई०/2170/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रिप्स दिनांक 1 मई, 1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुवत (निरक्षिण) श्रर्जन रेज–4, बम्बई

अतः अबः, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीम, निम्निलिखित व्यक्तियों अभात् :---

तारीख : 10-1-1985

मोहर :

प्रकृष **नाइ**्टिटी ८ १म् _य ए**ड**्ड--४--४-

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सुवा

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भूजेन रेंज-4, वस्वर्ध

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० भ्राई०-4/37 ईई०/2510/83-84—भतः

मुझे, ए० प्रसाद

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का है अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृत्य 25.,004/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, जो स्विट लैण्ड श्रापार्टमेंट्स, विलेज एनसार, तालुका बोरीवलो, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्राधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है 1 मई, 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अस-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है क्ष---

- (क) क्लाइल वे हुई किसी बाद की वाक्ता, अक्स अधिनित्त के ज्योग कर बोने के जन्तरक के बादित्य में कनी करने वा उद्दर्श क्यों में सुनिया के निष्; क्रिंशन
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहियेथा, खिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीपी० वाईर० नाडकर्णी ग्रीर 'श्रीमतीपी० पी०नाडकर्णी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एच० एफ० डिसोजा श्रीर श्रीमती एम० डिसोजा।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के जिए कार्यवीहियां करता हुं।

बनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश है 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सब्धि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन के भौतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ तिवित में किए वा सकरेंगे।

स्वव्यक्तिसरणः — इसमें प्रयुक्त काव्यों और पवाँ का, को उक्त व्यक्तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय में विया क्या है।

बन्स्की

पलैट नं० 301, जो स्विट लैण्ड ग्रागर्टमेंट्स, विलेज एक्सार, तालुका बोरीकली सब डिस्ट्रिक्ट बांब्रा, बेर्यारम सर्वे नं० 119 एच० नं० 7 (श्रंण), पार्टनं० 3, बस्वई मे स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कम सं० भाई०-4/37 ईई०/2510/ 83-84 भीर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद्ध सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, बम्बई

तारोख : 10-1-1985

मोहर:

प्रकथ बार्ड .दी.एन .एस . ------

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यांसय, सहायक भागकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बर्ष बम्बर्ष, दिनांक 10 जनवरी 1985 निदेश सं० ग्रार्ष०-4/37 ईई०/4371/83-84--ग्रतः मुझे, १० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 4, जो श्रानन्द बी, कार्टर रोड नं० 4, बोरीवली (पूर्व), बस्बई-66 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है 1 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उपने क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किंग्त नहीं किया गया गया है:---

- (कं) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबता, उक्त बिभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों भी, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था. छिणाने से स्विभा के लिए;

कतः वर्ष, उकत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269- क की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैं ० टक्षां इन्टरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय भाई ०,म० चौहान ग्रीर श्रीमती विमलाबेन विचौहान।

(म्रन्तरिती)

(3) (श्रन्तरक)
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
को यह सूचना ज़ारी करके पृशाँकत सम्पत्ति के अर्थन के ज़िल् कार्यवाहियाँ करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्तियाँ;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य कंक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षणी के पास निक्षित में किए जा मकोंगे।

स्पत्तिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हें अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय से दिया जवा है।

न्त्र्या

दुकान नं० 4, जो म्नानन्द बी, कार्टर रोड, नं० 4, बोरीवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

भनुसूची जैमा कि कम सं० ब्राई०-4/37 ईई०/4371/ 83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 1 मई, 1984 को राजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज–4, वम्बई

तारीख : 10-1-1985

मोहर 🛭

प्ररूप शाइ. टी. एन. एस., -----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के अधीन स्थना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज-4, बम्बर्ध बम्बर्द, दिनांक 10 जनवरी 1985

निवेश सं० **ग्राई**०-4/37 ईई०/2453/83-84--ग्रत मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,300/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैटनं० 104, जो गोवर्धन 'बी' पहली मंजिल, एका टी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबड़ श्रतुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधितियम, 1961 की धारा 269 के खे के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कायलिय में रजिस्ट्री है तारीख 1 मई, 1984

का प्वीवात सम्बंति के अचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्यह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क क निम्निशित उद्देश्य से बक्त बंतरण निधित में बास्तिबिक क्य से कांधित नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकर अधिनियम के अभीन कर दोने के जंतरक के धायित्व मा कामी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) इंबी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के खिए;

बतः बव, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाष्ट्र— (1) मैं० के० पटेल एण्ड कम्पनी।

(ग्रन्त रक)

(2) श्री कांतिलाल केशव लाल शहा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हूं।

उन्हां सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप 🐎---

- (क) इस सूचना के राजपूज में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिए या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वाच, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकाँगे।

अनसर्च

फ्लैट नं 104, जो गोवर्धन 'बी' पहली मंजिल, एल ब्टी ब रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रानुसूची जैसा कि क्रम मं० श्राई०-4/37ईई०/2453 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद स**क्षम** प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

मोहर अ

प्ररूप आर्ड. दी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मुधीन सूचना

धाउत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिका)

मर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० **प्राई**०-4/37 **ईई**०/2288/83-84--**प्र**तः मक्षे, ए० प्रसाद,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थापर संपत्ति, जिसका उजित बाबार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 6, जी ग्राउन्ड फ्लोर, बिल्डिंग नं० बे)-6, रत्तन नगर स्कीम प्रेमजी नगर श्रीर दौलत नगर के बाजू में, एस० बी० रोड, बोरीवली (पूर्व), बस्बई-66 स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याख्य मे रजिस्ट्री 1 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान इतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह शितशत ये अधिक है और जन्तरक (अन्तरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निचित उद्विस से उक्त जन्मरण जिल्लिक में बाहरीक्त रूप से किथार नहीं किया गया हैं —

- (स) अन्तरण ने हुई किसी शाव की बाबत, वश्ते विधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में केमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; जीर/बा
- (ख) एेसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (192) की (1) मा उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नृता था वा किया बाना वाहिए वा, किया स्विधा के लिए;

जतः अब उन्त जीधीनयम की भाष 269-ग की अनुतरक मं, मं, उम्त जिधीनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) मं जधीन, विस्तितिक व्यक्तियों, सर्वात् मान

- (1) मै॰ परमानन्द बिल्डर्स प्राइवेट लि॰ (ग्रन्तरक)
- (2) श्री शिव नाथ राजदेन यादव भीर , श्री रघुनाथ राजदेव यादव। (भन्तरिती)

का यह ब्राचना बारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के ग्रम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनभि मा सरसम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तात्रीस से 30 दिन की बनिभ, जो भी बनिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त क्यांक्सियों में से फिसी क्यांक्त द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उन्स स्थावर सम्पत्ति में हितन्त्रभ किती अन्य अविक द्वारा अधोहस्तक्षिरी के पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्थाकरणः ---इसमें प्रयुक्त करों और वर्षों का, को उपक निवम, के नध्याच 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में विया गया है।

यनुसूची

दुकान नं 6, ग्राउन्ड फ्लोर, बिल्डिंग न बी-6, रतन नगर, स्कीम, प्रेमजी नगर श्रीर दौलत नगर के बाजू में, एस० बीं रोड, बोरीवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है ।

भ्रनुसूची जैसा कि कम सं० भ्रई०-4/37 ईई०/2288/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1 मई, 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

मोहर 🕉

प्ररूप नाई. टी. एन. एस. ----

441 -1141 - 511 - 511 - 541

भायकड अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सुचमा

भारत तरकार

कार्यासम, सहायक आवकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जनरिंज-4, अम्बर्द

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश स० आई-4/37ईई/4370/83-84--अतः मुझे, ए० प्रमाद

जायकर औं अनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख क अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्धास करने का कारण है 'क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000 - रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी स० फ्लैट न० 304, जो 3री मंजिल, धकूर, विल्डिंग मडपेश्वर रोड, बोरीवली (प०), बम्बई में स्थित है (स्रौर इसने उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कल के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनाक 1-5-1984

को पूर्वाक्त सपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में आस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्सरण से हुई किसी नाय की बाबस, उक्त क्रिपनियम के अभीत कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और∕मा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उस्त अभिनियम की धारा 269-म के अनुसरण भूगें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियमें, वर्षात् :--- 1. मैसर्स गोसाशिया बादर्स,

(अन्तरक)

2. श्री एस० नागेम्बरन्

(अन्तरिती)

को यह स्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहिकां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवद्य किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण: ----इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त जिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वनस्पी

फ्लैट नं० 304 जो 3 री मंजिल, श्रंकूर बिल्डिंग, मंडपेश्वर रोड, बोरीवली, (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि ऋ० स० आई-4/37ईई/4370/83-84 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

विनोक: 10-1-1985

मोहर 🌣

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---- ---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रंज 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985

निदेश सं० आई-4/37ईई/2421/83-84—अतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० माला नं० 8, जो कनल इंडस्ट्रियल इस्टेंट, दौलत नगर, रोड, न० 5, बोरीबली, (पूर्व), बम्बई-66 म स्थित है (श्रीर इसमें उपाबस अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विजित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कला के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विद्यास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उन्दिश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में बास्तविक रूप से किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाय्तिव में कमी करने या उससे दचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957) का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अअ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मैंसर्स, आरोरा इंजीनियरिंग कंपनी

(अन्तरक)

2. श्री विट्ठलभाई देंवजी पंचानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🚁

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारींच से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वायः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्थित में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिस गया है।

अनुसूची

माला नं ० ८, जो कनल इंडस्ट्रियल इस्टेट, दौलत नगर, रोड, नं ० ६, बोरीबली (प०), पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि० सं० आई-4/37ईई/2421/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद स**क्षम प्राधिकारी** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, **बम्बई**

दिनांक: 10-1-1985

मोहर 🗈

प्रकप. बार्च. टी. एन. एस. ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर भायकत (निरक्षिण)

अर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० आई०-4/37ईई/2207/83-84—अतः मुझे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-3, जी ग्राउन्ड फ्लोअर, आफ अपार्टमेन्ट, सोडाबाला लेन, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर जा पूर्ण रूप से विणत है) स्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 क की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के

कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्मित्ति के उभित बाजार मूल्य सं कम के रहयमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उभित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्तरह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाल्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) मन्तरूप से हुई किसी जाद की वावत , अनत जीवनियम के नभीन कर दोने के नन्तरक के वासित्व में कभी करने या उससे अनने में सुविभा के लिए; विश्व/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मा मुविधा के लिए;
- अस: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण सै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (!) के अधीन, निम्निलियत व्यक्तियों, व्योव में

1. श्री धाकन प्रकाश प्रेमजीभाई, भौर श्री धाकन दीएक प्रेमजी भाई।

(अन्तरक)

2. धुजीलाल जे० अग्रवाल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहयां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या ततस्म्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिल्टी स्थित दुतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात शिक्षित में किए का सकने।

स्वध्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, ओ उस अध्याय म दिया गया है।

वसम्बद्धी

अनुसूची जैसा कि एम० चे० आई-4/37ईई/2207/83-84 ब्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बन्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज-4 बम्बई

दिनांक: 10-1-1985

मोहर 🗈

٠ ـ - ⁻

प्रकृताई तुटी. एव. एउ., - ५ ५ ० ०

नायकर मधितियम, 1961 (1961 का 43) की चाडा 269-म (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर नायुक्त (विद्वेशक)

अर्जन रीज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 जनवरी, 1985

निदेण मं० आई-4/37ईई/2571/83-84—अतः

ए० प्रसाद

नायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विस्ते इसकें इसकें परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की वाख 269-च को अधीन सक्त प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाचार मुख्य 25,000/- रा से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, जो, गिरनार अपाटंमेट, अफ मंडपेश्वर रोड, गोविड्डद नगर, बोरिवली, (पिश्चम), बम्बई-52 में स्थित हैं (श्रोर इससे उपाबद अनुसूची में श्रोर जो पूणं रूप से वर्षात हैं) श्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1908 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथाप्नोंक्त सम्बत्ति का उचित बाबार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से बाँधक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचिक उद्देश्यों से उच्त बन्तरण लिक्ति में झास्तिनिक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) बन्दरण से हुई किसी कार की वावत, उत्तर वृधिष्ठिय से क्यीन कर की के बन्दरक के वावित्य में अभी करने या उसलें बचने में श्विधा के लिए; बौद्ध/वा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) व प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वाय प्रकट नहीं किया गया भा या किया आना काहिए था, क्रियालों स्विया के लिक्द।

जतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के वभीन, जिल्लिकिट अधिकायों, अभीद के उ 1. मैससं कमला इंटरप्राइजेज ।

(अन्तरक)

2. कुमारी सुन दा माधव कामत।

(अन्तरिली)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविकत दुवारा;
- (♥) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाधन की तारीं ♥ 45 विन के भीतर स्वतंत स्थानर सम्यक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिं। यत से किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त मिनियम के मध्याय 20-क में प्रिशाधिट ही, वहीं मर्थ होगा जो उस मध्याय में दिरा नमा ही।

धनुषुची

प्लैंट नं० 4, जो गिरनार अपा मेन्ट, आफ मंडपेश्वर रोड, गोविन्द नगर, बोरिवली (प०), धम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-4/37ईई/2571/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टंड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-4, बम्बई

विनां र 10-1-1985 मोहर :

प्रक्य भाइं.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 जनवरी 1985

नि**देश** सं० चण्डी ०/४०/8४--85---अतः

म्झे,

ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैट नं० की 13. जो साईबाबा, धाम, आफ एस० वि० रोड, बोरिवली, (प०), बम्बई-92 में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वित्तण हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कु के अशीन बम्बई स्थिन पक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-5-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रज् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें द्राधित्व में क्षी करने या उमसे यचने में सुविधा है लिए; और /ग?
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1972 का 11) या उक्त प्रश्चिनियम, या भ्रम-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनाथ पन्निरिती दारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, फिराने में मुक्किए के जिए।

• अन्तः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधील जिस्तिनिक्त अधिकत्यों, अधील जिस्तिनिक्ति अधिकत्यों, अधील जिस्तिनिक्ति अधिकत्यों, अधील जिस्तिनिक्ति अधिकत्यों

1 मैसर्स अग्ण इंटरनेशनल

(अन्तरका)

2 श्रां किरीट पांठ जोशी, और श्री रजना झान्त पाठ जोणा

(अन्तरिति)

3. डेबललोपर्म।

वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति को अर्थन को लिख कार्यवाहियां करता हां।

उक्त संपति के अजन क संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तत्सेवंधी व्यक्तियों पर सूचना कं लामील से 30 दिन की भविधि, जो भी अविधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों प य किसी व्यक्ति वारा।
- (ख) इस यूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हित्बद किसी ग्रन्थ व्यक्ति तारा, मधोहस्ताक्षरी के पाम जिखित में किसे जा सकेंगे।

स्वक्टी करण 1---इसमें प्रयुक्त शब्दों पौर पटो का, जो उक्त पछि-नियम से अध्याय 20-क में परिभाषित है वही सर्व होगा, जो उस सध्याय में दिया गया है।

बस संची

पलैंट नं वा 13, जो साईबाबाब धाम, आफ एस बी रोड, बोरिवली, (पं), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं आई-4 37ईई 2381 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 1-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रेज-4, बम्बई

दिनांक: 10-1-1985

मोहर 🖰

प्ररूप मार्ड. टी. एन इस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर आयुक्त (निरौक्षण)
शर्जन रेंज-4, वस्बर्ष बस्बर्स, दिनांक 10 जनवरः, 1985

निदेण सं० आई०-4/37ईई/2422/83-84→-अतः मुझे ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुवाद जिस्ते अधिनियम कहा गया है), की धार 369-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसक। मं० माला, नं० 9, जो कनल इंडिस्ट्रियल इस्टेट, दौलत नगर रोड, नं० 6, बोरोबली. (प०), बम्बई-66 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूचा में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका तरारतामा आयक्तर अधिनियम 1961 को धारा 269 कला के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांश 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गर्ड है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यणप्रविक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे एमा प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के दीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त पिंधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दीयित्व में कामी कारने या उसमे बच्चने में मृबिधा के सिष्ट; और/या
- (स) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्ध बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाग चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के आधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात उ—

- 1. मैसर्स आरोश, इजीनियरिंग, कंपनी
- (अन्तरकः)
- 2 श्रामिति णिला विट्ठल पंचानी।

(अंतरिसी)

करें यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै, 45 दिन की अगिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों परं भूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमं के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्स्ची

माला, नं० 9, जो कनल इंडस्ट्रियल इस्टेट, दौलत नगर रोड, नं० 6, बोरोबली, (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूचः जैसा कि ऋ० सं० आई०-4/37ईई/2422/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारः वम्बर्ड द्वारा दिनाकः 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिवारा सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, वस्बई

दिनांक: 10-1-1985

मांहर :

प्रकप नाहाँ. टी. एन. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के सधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, (दनांक 10 दनवर ;, 1985

निदेग म० आई०-4/37ईई/2584/83-84--अतः मूझे, ए. प्रशाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सदाम प्राचिकारी को यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसक: म० फ्लैंट न० 47, जो. 1 ला नं िल, विग-8, 9, 10, रत्तन नगर स्किम, बार्ग्या, (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूर्वा में और पूर्ण कप से विणित है) और जिसका सरारनामा त्यकर पश्चित्यम 1961 को धारा 269 इ.ख के जर्धान बम्बई स्थित पक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिजस्ट्रा है दिनास 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपन्ति का उचित गाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) बन्तरण से हुइ किसी आम की बाबत, उक्त मधिनियम के अभीन कर दभे के मन्तरक के दायित्व में कर्मा करन या जससे बचने में मूकिशा के लिए, और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

कतः। अव, उक्त मिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मे, उक्त ओधनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) को अधीन, निम्नसिथित व्यक्तियों. अधित ॥——

- 1. श्री परम आनंद जिल्डमी प्रायवेट लिमिटेड, (अन्तरम)
- 2 श्रा भीमरीन लिह

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हा।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब**द्ध** किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

वनसची

फ्लैट नं० 47, जो, 1 ला भंजिल, विग-8, 9, 10 रत्तन नगर, स्काम, बोर्रावली, (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि न ग आई-4/37ईई/2584/83-84 और जो मक्षम प्राधिकार। बम्बई, द्वारा विनास 1-5-1984 को रजिम्टर्ड वित्या गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी भहायक आयकर आयुक्त (निर्रक्षण) अर्जन रज-4, बस्बई

तारीख : 10-1-1985

मोहर .

अक्ष बाई.टी.एन एस.------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याभव, सहावक आमकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985

निदेश सं० आई०-4/37ईई/2616/83-84--अतः मुझे ए० प्रसाद

नायकर भिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/-रः. सं अधिक है

और जिसकी मं० दुकान नं. 4, जो ग्राउन्ड फ्लोअर, बिल्डिंग नं० टी-17, योगी तुलमी की-आप० हाउसिंग मोमायटी लि० (निर्माणधीन इमारत), योगी नगर, एवं हसार रोड, बोरिवली (प०), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमून: में और जो पूर्ण रूप से वणित हैं) और जिसका करारनामा आयक र अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है दिनाक 1-5-1984

का पूर्वोक्त सम्मिस के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्मित का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रितिफल से, एसे दृश्यमान प्रितिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क्क) व्यंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उबत विधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनेकर अधिनियम, या अनेकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था खिपाने में सुविभा के सिए;

सतः सन्, उक्त स्थिनियम की धारा 269-ण के सन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) डी स्थीन : निम्नसिचित स्थितियों, सर्थात्:— 1. श्रीमती आशारानी पी० ग्रोवर।

(अन्तरक)

 झाहिर अब्बासभाई पेठीवाला और इक्बालभाई, अब्बासभाई पेठोवाला।

(अन्दारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाद्धीकरण :--इसमी प्रयाक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गंभा है।

बन्स्ची

दुकान नं० 4, ग्राउन्ड फ्लोअर, बिल्डिंग नं० टो-1 7, योगी— तुलसी को-आप० हाउसिंग मोसायटी लिमिटेड, (निर्माणाधोन इमारत), योगी नगर, एक्सार रोड, बोरियली, (प०), बम्बई-में स्थित है।

अ अनुसूची जैसा कि कि निं आई-4/37ईई/2616/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 10-1-1985

मोहर:

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, तहायक बायकर बाय्क्त (निरीधक)

अजंन र्रंज 4, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 जनवरी, 1985

निदेश सं० आई-4/37ईई/2288/83-84—अतः मुझे . ए० प्रसाद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार म्स्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी स० पर्लं है तं० 201, जो मातृ कृपा, एस० तं० 964 एच० तं० 1ए, सी० टी० एस० त० 2262, ए सार विहले ज, बोरि लिं। बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विधान है) श्रीर जिसका करार- नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कर्ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-5-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एांसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिज्ञत से जिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्म से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्धरण तं हुई किसी बाय की बाबत, उक्स अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, जियाने से मृतिका के लिए;

, जतन वय उक्त विधिनियम की धारा 269-ग जी जनुसरण जों, जों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री महास्ने ब्रदर्स ।

(अन्तरक)

2. श्री टेरेसा कारवाली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तर्रीच है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
 किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरण : ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का., श्री उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 201, जो, मात् कृपा, एस० नं० 96, एच० नं० 1ए, सी० टी० एस० नं० 2262, एकसार हिहलेज, बोरियली बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची गैसा कि ऋ० सं० आई-4/37ईई/2288/83-84 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बबर्म्ड ब्रारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ट किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रंज-४

दिनांक 10-1-1985

मोहर:

प्ररूप बाह्र . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण)

अर्जनरेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 जनवरी, 1985

निदेश सं० आई-4/37ईई/2203/83-84—अतः मुझे ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,900/~ रा. से विधिक है

भीर जिसंकी स० दुकान नं० 5, जो सहयाद्री अपार्टमेट, एण्ड गापिंग, संटर, लोकमान्य तिलक रोड, बोरिवली, (प०), बम्बहै-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सझम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनाक 1-5-1984 को पूर्वीकत सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित्ती (अंगरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दर्श्य से उक्त अंतरण लिखिक में बास्त कर रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उकत अधिनियद के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः जन, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग के जनसरण मं, मं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नतिचित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1. श्री हरीलाल रावजी व्होरा।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री मगनलाल नानजी श्रीर
 - (2) श्री नवीनचन्द्रनानाजी ।

(अंतरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप रना

- (क) इस स्वान के राजपन्न मा प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त ध्यक्तियों में से किमी व्यक्ति जवार:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरिस में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए अर सकेंगे।

ें स्पन्नीकरण.—इसमें प्रयूवस शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्र की

दुक्तान न० 5, जो सह्याद्वी जगाउमेंट, एण्ड शापिंग सेटर, लोकमान्य, तिलक रोड, बोरिवली, (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि क, मं० आई-4/37ईई/2203/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बहै द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्तत (निरीक्षण) अर्जनरेंज 4, बम्बहै

दिनांक: 1-10-1985

माहर

प्रस्प बाह टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-छ (1) के अधीन सुभाग

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० आई.-4/37ईई/2443/83-84---अत: मुझे, ए० प्रभाद,

शायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित्र बाओर मल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० पर्लं है नं० ए-7, जो बिल्डिंग नं० बी, 2 री, मंजिल, श्री योगी दर्शन मक्तवाना को-आपरेहिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेंड, महादेशभाई देसाई, रोड, बोरीवर्ला (पूर्व), अस्बई-66 में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम

प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनाक 1-5-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के इश्यमान ,
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वाम
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एरेर दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफस निम्निवित उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित में बाम्तिक
क्य से कथित नहीं किया नवा है :---

- (क) जन्तरण सं हुइ' किभी बाय को बाबन उक् अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; जॉर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उत्तर अधिनियम, धा भनकर अभिनियम, धा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ जन्मरिती दवारा प्रकट नरीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सेविधा के निए;
- कित: अब. उक्त अधिनियम की धारः 69-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा २६०-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री जयन्तीलाल जमनादास सोती, श्रीर अन्य । (अन्तरक)
- 2. श्री रण छोड़भाई करसनदास दोखिया,। (अन्तरिती)
- अन्तरिती ।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कां यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उकत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कांच्रे भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की जनभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं करें व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीलर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में विष्णु जा सकोंगे।

स्वध्दीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में दिया एका हैं।

-

फ्लैट नं० ए-7, जो बिल्डिंग नं० बी, 2 री मंजिल, श्री योगी दर्शन मकवाना नगर को-आप०, हाउसिंग सोसायटी लि० महादेवभाई देमाई रोड, बोरीबली, (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि ऋ० सं० आई-4/37ईई/2443/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निर्रोक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनांक : 10-1-1985

मोहर :

प्ररूप बाह्र .टी.एन.एस. -----

न/यकर अधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकार नायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० आई०-4/37ईई/83-84--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास अरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संब दुकान नंब 22, जो गिताजली, नगर योजना नंब 2, सबब एसवपीय विग-ए, आर एसव विव रोड, बोधीवली (प्व), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-5-1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिवित उप्योद्य से उक्त बन्तरण निचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक खे वासित्य में कभी करने या उत्तरी यचने में सुविधा के जिए, और/या
- (च) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विभा के किए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्रेंट्र क्रें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्.— ा. श्री अरविन्द वि० शेठ, चिफ प्रमोटर ।

(अन्तरक)

2. श्री उपाबेन, शातीलाल त्रिवेदी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्तोंक्त सम्परित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्रीप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सदिध, जो भी सदिध नाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी स्वविद सुवाराः
- (थ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्बूच किसी अन्य व्यक्ति इवाय बभोहस्ताक्षरी के पास मिसित में किए वा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, को उक्त विधिनिवस के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वसा है।

वन्त्वी

दुकान नं० 2, जो गिनांजिल, नगर योजना, नं०2, सी० एस० पी० विग-ए, आफ एस० वि० रोड, बोरीबली, (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि ऋ० म० आई-4/37ईई/2202/83 8 1 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ट किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-4, बम्बई

दिनांक 10-1-1985 :

माक्षर :

प्रकृष बाह् डी.एन.एक -----

मासकर माधिनियम, 1981 (1981 का 43) की भारा 269 घ (1) क मबी मुख्या

भारत यरकार

कार्यालय. सहायक आग्रकर आग्रक (निरीक्षण)
भार्तन रेंज-4, बस्बई
बस्टई, दिनांक 10 जनवरो, 1985

निदेण सं० म्न.ई०-4/37ईई/2458/83-84--म्न. मुझे ए० प्रसाद

बायकर ब्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषान 'उक्स ब्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन रक्षम प्राधिकारी को यह दिख्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्ये 25 000/- रंग से अधिक है

धी जिसकी सं० दुषान नं० 2, जो मुलजी नगर, प्लाट नं० 5, एसः वि० रोड, बोटु वल , (प०), वस्वई-92 में रिषण है (भी इसने उपावद अनुसूची में भी जो पूर्ण का से विणत है) भी जिस ना करारनामा अयकर श्रीधनियम 1961 के धारा 269 एख के अधान बस्वई स्थित सक्षम श्रीधनार, के कार्यालय में र्गाजस्ट्र है दिनांक 1-5-1984

करं प्यांकिन स्पर्णास्त क पांचार सालार सालार से कस के इटिंगमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और सुभी यह विषयास करने का कारण है कि स्थापूर्वों कर सपरित का उचित साजार सूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल सं, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिगों) के बीच एमे अंतरण के लिए तस पासा गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्यक्त से उक्त उन्तरण लिखित में वास्त-निक इस्प से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हर्ष किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुप्तिथ। के सिए, आर/या
- (क्ष) एमी किसी आय या किसी भन या अन्य अफिलयां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

अत. अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अन्सरण को मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-य को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --- 49-466GI84

श्र मंत्रो पानवाई हिराजो शहा, और
 श्र पुरेश , हिराजो शहा।

(मन्तरक)

2 श्री मोनो, मगनलाल चुनी लाल ।

(भन्तरित

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त धम्पत्ति के अर्जन के लिए व त्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस समन के राजपत्र माँ प्रकाणन की तारीय वे 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचनः का नामाल स 30 दिन का अवध्य र भी अविध बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया मांस किसी स्पोक्त ध्वारा;
- (थ) इत न्यान के रायपत्र के प्रकाशन की शारीय वै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य क्रि.मी अन्य व्यक्ति दवारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेगें।

स्पथ्योकरण:---दसमाँ प्रयुक्त सब्बों और पदों का, जो खक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषत है, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में विदा नमा है।

ननसूची

दुकान नं० 2, जो मुलजी नगर, प्लाट नं० 5, एस० वि० रोड, बोर.वला, (पं०), बम्बई-92 में स्थित है।

भ्राप्त्रो जा कि कम मं० भ्राई-4'37ईई/2458/83-84 भ्रोर जो सक्षम प्राधिकारा बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षण) ग्राजन रेज-४, बस्बई

दिनांक 10-1-1985

मोहर:

प्ररूप बाइं .टी. एन एस . -----

भाधकार आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयक्त (सिशीक्षण) प्रार्जन रेंज-4, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं अरहि -4/37ईई/2507/83-84—भतः मुझे, १० प्रसाद,

आयक र जीपानियम, 1061 (1061 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000 र रु. से अधिक हैं

भीए जिपको म० दुष्तान न० 5, जो ग्राउन्ड फ्लोग्नेंग, बिल्डिंग क्लाट न० को, (निर्माणधान इस रंग), दवका नगण, एक्सार रोड. बोर बन (ए०), बस्बई-92 में स्थित है (ग्रीण इससे उपावक प्रभूसचे में ग्रीए जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीए जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम 1961 का धारा 269 क्ल के ग्राध न बस्बई स्थिन सक्षम श्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रों है दिनांक 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिपत्न का लगा अन्तरित कर गर्ह है गर माम गर्छ विष्यमान करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिक्त उद्देश्य से जकन अन्तरण किचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की वाकन, उपल अधिनयस के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व से कसी करन या उससंवचने से सृविधा के निए, और/बा
- (था) एमी किसी आय या किसी भन या अन्य आम्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकार अभिनियस, 1922 (1922 का 11) या जन्म अभिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सूर्यिधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्नीलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 1. मैसर्स शहा बिल्डर्स ।

(मन्तरक)

2. श्री क्रुष्ण रामचन्द्र गोखले ।

(भन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कायवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाकोप :---

- (क) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सपित में हितवेड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के भास लिखित में किए जा सकी गे।

स्पष्टीकरण:--इसमा प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो. उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अधे हाना जा उस अध्याय में विका नया है।

अनुस्ची

दुशन नं० 5, जो ग्राउन्ड फ्लोग्नर, बिल्डिंग प्लाट बी, (तिसीकाध न ६मान्त), देवको नगर, एक्सार रो, दोरो (प०), बम्बईदेश2 में स्थित ।

अनुत्व जैसा कि कि आई-4/37ईई/2507/83-84 और भी निमा गिंश हरों के बम्बई द्वारा दिनाक 1-5-1,984 को र्राजस्टर्ड -िया गया ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक भायकर भायुक्त (निरक्षण) भाजन रेज-4, बम्बई

विनोक: 10-1-1985

मोहर:

प्रकथ बार्ड. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अग्यकर आयुक्त (निरीक्षण) धार्भन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 ननवरो, 1985

निदेश स० झ.ई०-4/37ईई/26378/83-84---झा: मुझे ए०'प्रभाव

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क की अधीन सक्य प्राधिकारों का यह विश्वास करने की कारण ह कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 000/- रु. सं अधिक है

श्रीए जिलाको सं उ दुहान न ० 4, जो प्राउत्तर, पलेश्वर, रोन रेश्वो श्वार्ट मेन्ट, एक्पार बोएवल (प०), बस्बई में स्थित ह (श्वीर इसा उराबक श्वासूचा में श्वीर जो पूर्ण का संविणत ह) श्वीए जिसाल करारतामा श्वास र श्रीधिनसम 1961 का धारा 269 हथा के श्वासन बस्बई स्थित सक्षम श्राधितारा के कार्यालय में रिजस्ट्रो दिनाक 1-5-1984

की प्रवास्त सम्पात्त क उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान श्रांतफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्त्रीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसक दृश्यमान प्रतिकल सं, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं श्रीधक है और अतरक (अनरका) और प्रतिरती (अन्तरितरा) के बीच एस अन्तरण के लिए त्य गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरेण अखित में भास्तावक रूप सं कथित नहीं किया रुपा है :--

- (क) जन्तरण संहुई किसी जाय की बाबत, उक्त बोधीनयम क अधीन कर दान क अन्तरक के दायत्व मा कमी करन या उसस बचन मा स्विधा का जए, और/या
- (ख) ऐसी किसी काय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा क निए;

श्वतः श्वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरक को, में इक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. नारो मताई

(ग्रनारक)

- श्रीमती ए० एफ । प्रेस, और श्री श्री । ए० परेस, (अन्तरितः)
- 3. बिल्डस (नारे माई) (वह व्यक्ति जिल्ले बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह समर्गत में हितबढ़ है)

को यह स्थला शारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कायवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन को सर्वाध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवीध साथ में सम्पत्त होता हो, के भातर प्रवाकत व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराच स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षर) ? पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इन्प्र्में प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ हांगा जा उस अध्याय में दिया। गया हैं ॥

अनुसूची

मुक्तान, नं० 4, जो भाउन्ड फ्लोग्नर, रोजरेको, कातर्ट मेंट, एक्सर बोरियला, (प०), बम्बई में स्थित है।

भ्रतुम्चो जैसा कि ऋ० सं० भ्राई-4/37ईई/2638/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारा बम्बई बारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर त्र युक्त (निरुक्षण) ग्रजन रेज-4, सम्बद्ध

ि यिनोक 10-1-1985 मोहर अ

प्ररूप नाइ'. टी. एत. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्त भारा 269-म (1) के अधीन भूषना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त ("नरीक्षण)

ग्नर्गन रेजिथ4, बम्बर्ष बम्बर्ड, दिनांक 10 जनवरी 1985

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात 'उक्त को भीनयम कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर निका स० फ्लैट न० व -201, जो 2 री मंतिल, किकी स्टार, भार्यमेन्ट, गाँत अश्वम के बाजू में एक्सार, बोलि को एक्सार, बोलि को (प०), बम्बई-103 में स्थित हैं (और इससे उपन्यत अन्सूच। में श्रीर जो पूर्ण रूप से बणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा भागार श्रीधिनियम 1961 के धारा 269 के खे अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालयमें रिजस्ट्र, हैं दिनांक 1-5-1984

को प्वोंक्श सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मृभे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूबाक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके उश्यमान प्रतिफल, से एसे उश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात से अधिक ही और अतरक (अतरका) और अतरिती (अतारितिया) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्येश्य से उथ्त अतरण लिखिए में बास्तिवक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) बतरण स हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अनरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्थिया के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय

 का जिन्ह भारतीय आय कर अधिनयम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) क
 प्रयाजनार्थ अन्तरिती वजारा प्रकट नहीं किया एया
 धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 से लिए।

सतः जबः, तक्त अभिनियम की भाग ०६०-न के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) ■ जधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैं तमें एमा जो गणाता, एण्ड कंपनो

(भ्रन्तरक)

2. श्री गोपोनाथन्, कुरूप्पलाथ ।

(भ्रन्तरित

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अध्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बको अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

गन्स्ची

पलट न०वी-201, जो 2 री मंजिल, "लकी स्टार मार्ट-मेंट", एस० नं० 99, एच० नं० 3, सा० टो० एस० नं० 1509 और 1512, शांत आश्रम के बाजू में, एक्सार बोरियली (प०), बम्बई-103 में स्थित है।

श्रनुसूची जमा कि ऋ० स० श्राई-4/37ईई/2284/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई शरादिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड विया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (तिरक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

विनांक 10-1-1985 | मोहर : प्ररूप आइ⁴.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्चर्यन रेज-4, बम्बई
बम्बई दिनाक 10 जनवरी, 1985

निदेश सं० म्राई०-4/37ईई/257//83-84—म्ब्राः मझे, ए० प्रसाद,

कायकार क्रांधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ह्योर निक्ता मं० पर्नेट नं० 402, जो 4थी मजिल, गोकण विस्तित, टो० पो०एप० 3, एफ० पो० नं० 63/सा, निम्पोना रोड, बोल्बल (२०), बम्बई-92 में न्थित है(और इससे उपा- बद्ध अनुसूच में श्रीर जो पूर्ण कासे विणित है) जिला करारन मा अपानर अधि रम, 1961 के धारा 269 के ब अधि न बम्बई स्थित सक्षम शिधकारा के कार्यालय में रिजस्ट्र, है, दिनांक 1-5-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्त यह विष्यास करमें का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसक दृष्यमान प्रतिकल से, एमे दृष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तिवक रूप स कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुद्दं किसी जाय की बाबल, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी कारन या उत्तस बचने में सुविभा के लिए, और/दा
- (का) एकी किसी अग्य या किसी धन अन्य सास्तियों की जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सृविधा औं लिए;
- क्ल कर, उक्त अभिनियम की धारा 260-ग के अनमरण कीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
 की अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मसर्व भूषन कन्स्द्रवशन कम्पनी

(भन्तरक)

2. श्रामतं मनीरमा गणेण।

्र (भ्रात्तिको)

3. भन्तरक ।

(वह व्यक्ति जितके प्रधिभीग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करक पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए काय बाह्या करता हो।

डक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवाध या तत्सवधी व्यक्तिया पर स्चना को तामील सं 30 दिन की अवाध, आ भी अवाध बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45। दन के भातर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पच्टीकरण.--इसमो प्रयूक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त आधीनयम, क अध्याय ८०-क मो परिभाषित है, बही अर्थहागा जा उस अध्याय म दिवा गया है।

श्रन् मूर्ची

फ्लैट नं० 402, जो 4 थो मंजिल, गो र्ज्ण बिल्डिंग, टी० गां० एम > 3, एफ० पो० नं० 63/41, सिम्पोला रोड बोरियला (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रां मुची जैसा कि कि० सं० श्र ई-4/37ईई/2577/83-84 श्रीर जो सक्षम शांधि हारों बम्बई द्वारा दिनाक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड वियागया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक आयक्त आयुक्त (निरक्षण) अर्थन रेंज-4, बस्बई

दिनाक 10-1-1985 मोहर

प्रकृष बाह् . टी . एन . एस . ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ(1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यां जय, सहायक जायकर जायकर (निरीक्षण) प्रजेत रेज-4. सम्बर्ध

बम्बई, दिनांत 10 जनवरो 1985

निदेश सं० आई-4/37ईई/2283/83-84--आतः मुझे, ए० प्रसाद,

कालकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पर्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपत्ति जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीए निर्ना सं० पनैट न० बो-103, औं 1 लो मंतिल, "लाग स्टार श्राहिनेस्ट, शांता श्राश्चम के बाजू में, एक्सार बोलिवल (ए०), बम्बई-103 में स्थित है (श्रीए इससे उपाबद श्राप्त्र में श्रीए जो पूर्ग रूप से बीगत है) (श्रीए जिसता कर एत में श्रीए जो पूर्ग रूप से बीगत है) (श्रीए जिसता कर एत में श्रीए श्रीधित्यम, 1961 के धारा 269 के श्रिधान बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारा के कार्यालय में र्जिस्ट्र है दिनांक 1-5-1984

कां पर्याक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रतिक्षक सं,, एसं ख्रयमान प्रतिक्षक का पंद्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक की वाष्ट्रिय में कमी अपने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या सक्त नोभीनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनान जन्तरिती बुनारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाबा वाहिए वा, कियान से सुविधा के लिए:

कतः अर्थ, उकत अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मुदर्श एमा जे गणाता, एण्ड कंपनी

(मन्तरक)

2. श्रीमतो किंग्तिन ग्रेसो डिसा ।

(भ्रन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधियोग में सम्पति हैं)

का यह स्थान जारी करकं पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के शिष् कायवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी न्यान्त्यों पर स्वना की तासीम में 30 दिन की ववधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मणीन में कित- इद्ध किसी बन्द व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा स्कृम ।

स्वरतीकरण :---इसमें प्रयुक्त बाब्दों और पदों का, जो उच्छ अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाणित हैं भहा अर्थ हागा जो उस अध्याय में द्विया गया है।

-

पत्रैः नं० बी-103, जी, 1 जी मंजित, 'लिकी स्टार भार्तिन्ट", एम० नं० 99, एच० नं० 3 (भा० टा० एस० नं० 1509 और 1512), णांता भाष्म के बाजू में, एमजार, बोरिजना (१०), बशबई-103में स्थित है।

प्रानुत्रो जपाकि कि के० सं० प्राई-4/37ईई/2283/83-84. प्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बस्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड कियागया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सह्यक ग्रायकर ब्रापुक्त (निरःक्षण) ग्रार्थन रेज-4, बम्बर्ष

दिनांक: 10-1-1985

मोहर :

पुरुष आर्' टी. एन्. एक . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

· भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बर्ष

ं बम्बई, दिनांक 10 जनवरे 1985

निदेश सं० म्राई०-4/37ईई/2310/83-84—मातः मुक्तें, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परण्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25.000/- रा. से अधिक हैं

श्रीत जिसक संव दुकान नंव 4, जो गिरनार, श्राहेमेन्ट, श्राफ मंडपेश्वर रोड, बॉविल (५०), यम्बई-92 में स्थित हैं श्रीत जिनका क गरनामा श्राय कर श्रध यम 1961 क धारा 269 कुछ के श्रधन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकार, के कार्यालय में रिजस्टू है दिनांक 1-5-1984

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के स्वयमान शितकल के लिए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवाँकत सपित का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिमत स ब्राधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अतिरितिमों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पामा गया प्रति-क्रिक रिक्टार्सिक उक्ट रूप से पक्त चनरण सिवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) जन्मरूप संहुई किसी थाय की बायत, उक्त अधिनियब को अधीन कर दोने के कम्मरक खें वास्तिस्य में कमी करने या उससे स्थाने में सुविधा से सिए; बॉर/बा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय अाय कर अधिनियम 1922 (1922 को 11) या उपत अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती धनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, छिपाने सें क्षिणा के कियू
- कतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनजरण क्रे मी उक्त प्रियमिक की बाग 260-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

ममला ६न्टरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

- दीपक नुमार एल० माव और श्रन्य । (श्रन्तरिती)
- 3. ग्रन्तरित/यों।

(वह व्यक्ति, जितके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कायनाह्या करता हूं।

उक्त सम्मरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाझेपू :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख है 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना का शायोन स 30 दिन का अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पृवक्ति भाक्तियों में से किसी क्यांक्त द्वारा;
- (था) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीच चं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य क्योक्त द्वारा अधाहस्ताक्षरी को पास सिश्चित में किए का सर्वोगे।

स्वस्थीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अवत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हाना जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

वुकान नं० 4, गिरनार भ्रार्टिमेन्ट, भ्राफ मंडपेश्वर रोड बोर वलः, (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

ग्रनुसूच" जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-4/37ईई/2310/83-84 . भौर जो सक्षम प्राधिकारा बस्बई द्वारा दिएक 1-5-1984 को राजस्टर्ड विया गया है।

> ए० प्रसाद , सक्षम प्राधिकारो सहायक मायकर मृथ्युक्त (निरक्षण) मुर्जन रेंज-4, सम्बद्ध

दिमांक : 10-1-1985

मोहर 🛭

 $\dagger = 1$

प्रकप बाह्री, टी. एन. क्स.------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-म (1) के नभीन सूचना

पारत बर्फार

कार्यासक, सङ्गायक कायकर पायक्त (निर्दाक्षण) प्रजेन रेज-4, बस्बई

बम्बई, दिदनां ४ 10 जनवर 🗀 1985

निदेश सं० आई०-4/37ईई/4438/83-84--- ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्न इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारों को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 000/- रा से अधिक है

भीए जिसकी सं० दुरान नं० 9, जो, ग्राउन्छ पर्शाग्रर, समर्पन बिल्डिंग, बी ति नगए, रोडनं० 3, बोरिवल (ए०), बम्बई-66 में स्थित है (श्रीएड मने उपाबछ श्रीमुच में श्रीए जो पूर्ण कामे विणत है), श्रीए जिसहा कराएन मा श्राय प्रश्रिक्तिम 1961 का धारा 269 कल के श्रधान बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकार के काथलिय में राजस्ट्र है दिनांक 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे म्ह जिड्डास करग का कारण है कि यथाप्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसं द्रायमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरभ से हुई किसी. भाग की आजत, उस्त प्रश्चित्त्वन के प्रजीत कर इन के भन्तरक के वासित्व में कभी करने या उससे जयने में सुविधा का साम, आरि/वा
- (क) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ह भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 की 27) के प्रयाजनाथ अन्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के निए।

अतः अध, अकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नीलाखत क्याक्तयां, अधीत :—

- मैर्स्स एस० ए० कान्द्रैक्टर एण्ड कंपनो "
 (मन्तरक)
- 2. श्री धनील कांचनलास कोठारी, ।

(भ्रन्तरिती)

3. ग्रन्सरक

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्मन्ति है)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए , कायवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर बैं 45 दिन की अवधि या तत्में स्वन्धी स्वक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्योक्तयों में सकिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा से 45 दिन के भीतर अक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे!

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याभ में दिया गया है।

वनुक्षी

दुक्तान नं० 9, जो ग्राउन्ड फ्लोब्रार, समर्पन बिल्डिंग, दौलन नगर, रोड, नं० 3, बोस्बिल:, (प०), बम्बई-66 में स्थित है।

श्रनुभूव' जैपा कि ऋ० सं० श्राप्ट-4/37ईई/4438/83-84 श्रोप जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई, द्वारा दिनांक 1-5-1984 को पनिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर भ्रायुक्त (निरक्षण) श्चर्जन गेंज-4, कम्बई

दिनाँक : 10-1-1985

मोहर 🔏

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रें ज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985

निदेश सं० आई०-4/37ईई/2391/83-84---अतः मुझे ए० प्रसाद

शायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- का से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० फ्लैंट नं० ए-201, जो 2 री मंजिल, कृष्णा कमल अपार्टमेन्टम, गोविन्द नगर, सोडावाला रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांक 1-5-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान रिपे के बीच एसे अंतरका (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत रहीं गया है।——

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत, उक्त अरिपरिचाम के अधीन कर दोनें के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

्रा उदा, उदत अधिनयम का धार्य 269-ग्य के अन्मरण में, मैं, तकत अधिनियम की धार्य 269-य की उपधारा (1) के मिनि, निमनीतियम जीवतियों. अर्थात् :--50-466GI/84

1 श्री मोहनलाल एण्ड सन्म ।

(अन्तरक)

2. श्रो कशवर्षा० धैसास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुभ करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथां कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थध्दिकरणः -- इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याग में दिया गया है।

अन्स्ची

पलैट न० ए-201, जो 2 री मजिल, कुष्णकमल अपार्टमेन्टस गोजिन्द नगर, मोडाबाला रोड, बोरिवनी, (प०), बम्बई-92 अनुसूचो जैमा कि के० म० आई-4/37ईई/2391/83-84 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारा नम्बई द्वारा दिनाक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, **बम्ब**ई

दिना हः 10-1-1984

मोहर 🗧

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ७६०-घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यांचय, राहायक आयकर आयुवत (निरोक्षण)

अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाल 10 जनवर्ग, 1985

निदेश मं ० आई०-4/37ईई/3438/83-84--अनः ए० प्रमाद

भायकर किंधितयस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अर्था सक्षम अधिकारों की, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर मम्पीस, जिसका उचित काजार मृत्य 25,১৬৬ জে. ম প্ৰীষ্ক 🐔

श्रीर जिमकी म० दुकान न० 2, जो ग्राउन्ड फ्लोअर, "जम-राज टेरेम", एल० टी० रोड, विझरा नाता, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुमुच में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयङ अधिनियस 1961 को धारा 269 कख के अर्धान यम्बई स्थित नक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है दिनांदा 1-5-1984

को पूर्वीक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य रे करा के उरामा प्रतिफल के लिए अप्तरित को गई है और एक धड़ जिस्वाम करने का आरण है कि यथाप्जेंकित समान्ति का लियल जाजार मृल्य, उसको अरुपमान प्रतिफल से एसे अरुपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरकाँ) के बीच एसे अन्तरण के निम् तस पत्न गया प्रतिफल, निक्निलिसिन उद्देश्य में उसन राज्यम जिल्हित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुदं किती आव को अवक, उक्त किंधिनियम के अधीन कर योगें तो अन्तरक के क्रांतिम्ब को स्थानी करणे का सकत यादन को स्थिता के लिए; और/या
- 🎮) एसी किसी अध्यया किशी धन या अन्य गास्त्रधा को, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनिषप्त यः भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का Д.) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए। था कियाने में सविधाके लिए:

जत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ए क्षं अनसरण मों, मों, उबन अधिनियय की गरा 269 घर की उपध्या (1) क लाधीन, निम्निनिक्षित व्यक्तियाँ, अर्थात :----

1. जयराज बिल्डर्स ।

(अन्तर्क)

2. डा० (श्रो) गिरीणचन्द्र अल्या बी० जाइट, श्रीमर्ता ममना जी० अल्बा।

(अन्मरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्धन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोइ' भी अक्षेप .---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 विन की अवधिष्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामीनं से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध नाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट ्यक्तियों में ¥ेकिसी व्यक्ति दुनाराः
- (स) इस स्थाना के राजपत्र मा प्रकाशन का तारीकार्य 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर संपरित में हिनवष्ध किमी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकोंगे।

ल्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्यी

दुकान नं० 2, जो ग्राउन्ड, फ्लोअर, 'जय राज टेरेम'', एल०टो०रोड, विञ्चरा नाका, बोरिवर्ला, (प०), बम्बई-92 मे म्थित है।

अन्मूची जैसाति प्रा० स० आई-4/37/ईई/2438/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड कियागया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई ~

दिनांक 10-1-1985 मोहर 🕆

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

मारा 269-व (1) के बभीन सूचना भारत बुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-4, वम्बई वम्बई, दिनाक 10 जनवरी, 1985

निदेश स० आई -4/37ईई/4249/83-84—अतः मुझे ए० प्रसाद

कायकर अिरिशाव, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसक परचान 'उदत अधिनियम कहा गया है), की धार 269-च के अधान सक्षम प्राधिकारों को, बहे विस्तास करने का कारण है कि स्थावन सम्पत्ति, जिसवा उचित बाजन मूल्स 25,00€/ रु के अधिक हैं

स्रोर जियका स० फ्लंट न० 301, ज , 3रो मजिल, श्रीनाथ दर्शन, दत्तपाटा, बावली, (पूर्व), प्रार्हन , में स्थित ह (स्रोर इसमे उपावद्ध अनुमूची स्रोर में जा हुणं कर सेर्जाणन ह) स्रार जिसका करा नामा आवश्र जावा त्यम 1961 का धारा 269 कख के अवीन वस्त्रई स्थित पक्षम प्राविकारी ते सार्यालय में रजिस्ट्री है दिनाइ 1-5-1984

का पूर्वोक्त सपरित क उचित बाजा मून्य में कम क द्रायकान प्रतिकाल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह निद्धान प्रतिकाल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह निद्धान प्रतिकाल से, ए ए द्रायमान प्रतिकाल से, ए ए द्रायमान प्रतिकाल से, ए ए द्रायमान प्रतिकाल से का द्रायमान प्रतिकाल से का प्रतिक से का प्रतिकाल से का प्रतिकाल से का प्रतिकाल से का प्रतिकाल से

- (क) जन्तरण से हुई किमी बाग की बाबत., उक्त र्वाचीनयम के ज्यीन कर दें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के स्टिए और/भः
- .या। ६ मी. (कसी बाय या किसी धन या अन्य नारितयों का , जिन्हों भारतीय का नवर की नियम, 1 _2 (1922 का 11) या उदल अधिनियम, या वरकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए,
- हस बद, उन्न जीधीनवम का भाषा 209-व के अमृत्ररण मां, मां, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों अर्थात् —

। मै । सं सहयोग डेवलपमेट, कारपोरेशन

(अन्तरक)

2 श्रा टी० पाडू, राव

(अन्तरिती)

3 अन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुष्या जारी करके पूर्वोंक्त सर्पात्त के अर्जन क लिए काय नोहिया करता हूं।

नकर रेन्। र का १०न के सबये में शाई भी बाहरप ---

- (क) इस मूचना क राजपत्र मा प्रकारान की तारीय स 45 दिन की अविधिया तासम्बन्धी व्यक्तिया पर् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हा, का भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में स किसी व्यक्तित्र द्वार।
- (स) इस भूषना क राजपत्र म प्रकाशन का तारोच वे 4 भी वि के भीतर उन्त न्याकर मार्गलन म हितबद्ध निसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधाहस्ताक्षणी के पाक गासत मा का जा जो

स्यब्द अरण - इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, उत्रणाम १०-क मा परिभाषित इं, बही बुर्थ हागा जो उस अध्यास में दिया गया है।

बन्सभी

पर्नेट न० 301, जा 3 री मजिल, श्रीनाथ दर्शन, दत्तपाडा, वोरीवली, (पूर्व), तम्बई-66 में स्थित है।

नन्भू वो जैमा कि क० म० आई-4/37ईई/4249/83-84 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनाक 1-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रज-4, बम्बई

दिनाक 10-1-1985 मोहर .

त्रकष् वार्षः हो. एन्. एव.....----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्वना

HIS WE WELL

कार्याक्षय, तहायक नायकर नायक्क (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निवेश सं० आई०-4/37ईई/2228/83-84---अतः मुझे ए० प्रसाद

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी क्षेत्र, यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर सम्पत्ति, दिसका उणित बाजार मुख्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० फ्लैंट न० सी/18, जो, मगलकुंज, 4 थीं मंजिल, एस० बी० रोड, बोरिवली, (प०), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिपका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनाक 1-5~1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय श्या गया प्रतिफल, निम्निचित उद्यक्त से उच्च बन्तरण रिम्निक में भारतिक रूप पर कि किया गया है क्र

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त जिस्मियम के भर्मीन अप येने के बश्यारक के शिक्षित के कमी करने या उलते अपने में बृष्टिशा के लिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी आय मा किसी धन या अन्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता जाता वाहिये था, छिपाने हें सुविभा के सिह;

जतः नवः, अक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के जनसरण मो, मो, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपभारा (1) के नधीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, अधित :--- 1. श्याम लाल निर्वेद्रम छात्रिया, ।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती पूणिमा मुभाष खियारा, श्रीर
 - (2) श्री दिनेश नारायणदास खियारा।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उत्कत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का जो उक्त सिंगियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

भनसभी

फ्लैंट नं॰ सी/18, जो मंगलकुंज, 4थी मंजिल, एस॰ वि॰ रोड, बोरिवली, (प॰), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि किं मंग्रीश्राई-4/37ईई/2228/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी के बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनांक : 10-1-1985

मोहर 🕄

प्ररूप आईं डी एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत संग्कार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश म॰ आई०-4/37ईई/2380/83-84--अन. मुझे ए॰ प्रसाद

बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है). की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह िन्त्रास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/-रुपयं से अधिक है

ग्रौर जिमकी पं० पलैंट न० 302, जो 3री मजिल, वेस्ट ह्यू० एस० न० 119, एच० नं० 3, सी० टी० एस० न० 890, एक्सार, तालुका, बोरीवर्ला (प०), वम्बई में स्थित हे (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियन 196 की धारा 269 कख क अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी क कार्यालय मे रिजस्ट्री है दिनाक 1-5-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है है है है एवं माने यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्वाक्त सम्पत्ति का होचन है हम मृय, उनके दश्यमान प्रतिपत्त ना, एक दश्यमान प्रतिपत्त हो पत्ति हिंदी प्रतिकात सं अपिक है और उन्तरक (अन्तरको) और अनि होने एन अन्तरण के लिए ना पाय, एक प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित अस्तिक हप र कीया नहीं विक एसा है ——

- (4) अन्तरण स हुई किसी अप की बाबत उक्त अभि-अधिनियम के अोन कर दार के अन्यक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या बन भा अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उँक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:
- अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के लन्तरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की क्षारा (1) के अधीन, निम्नलिख्त व्यक्तियों, अर्थात :—

1. एल० एन० टी० फैमिली ट्रस्ट।

(अन्तरक)

2. जोसेफ रीचर्डस ग्रौर कान्सोलेशन रीचर्डस । (अन्त रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना की राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस निष्ठित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्ता अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जनसंखी

फ्लैंट न ० 302, जो 3 री मजिल, वेस्ट व्हयु० एस०न ० 119, एच० न० 3, सी० टी० एस० नं० 890, एक्सार, तालुका बोरीवली (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० आई-4/37ईई/2380/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० ंप्रसा**द** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन **रें**ज-4**, बम्बई**

ता**रीख**ः 11-1-1985।

प्ररूप आई.टी.एन.एस------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज, 4, वम्बई

बम्बई, दिनाक 10 जनवरी 1985 निदेश स० आई०-4/37ईई/2627/83-84~अन मुझे, ए० प्रसाद,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी आल दैट पिस० आग० पार्मेल आफ तौन्त, एट जात्रैली गली, बोरीबली, (पिचम), बेअरीग मर्वे नं० 106ए, मी०टो० एस० न० 716, 716 (123), प्लाट न० 84, फायनल प्लाट न० 106, टी०पी० एस० मि, बोरीवली, (प.) बम्बई में रियत है (श्रीर इपसे उपाबढ़ अनुसूर्वी में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की घारा 269 कखार अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिक्टी है जिनाह 1-5-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के द्रामान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अन्सार अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल के पन्मूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1 श्रा जमनादात गार्धनदास मर्चेन्ट, ग्रीर अन्य (अन्तरक)
- . 2 श्री अणाम डा० मारी वाना, कर्ता ग्रीर मैनेजर आफ एच० डो० मारी वाला, एच० यू० एफ० ग्रीर अन्य (अन्तरिती)
 - अन्तरक ग्रार भाङ्कि ।

 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै)

को यह सूचना जारा करक पूर्णक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचरा के राज्ञपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना का तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वामा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वह्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के किए में किए में किए में किए में सकेंगे।

स्पर्ध्वाकरण.--इसः प्रयास अन्ति आन्दि कोर पदी का, जो उक्त आधिन्यिस के अध्याय 20-क मो परिभाषित ही, वही अथ होगा, जो उस अध्याय मो दिया गया ही।

अन्स्घी

आल दैट पिम० आर० पार्सेल आफ लैन्ड, एट जांबली गर्ला, बारोबली, (प०), बेअरिंग मर्वे न० 106ए, सी. टी॰ एम० न० 716, 716 (123), प्लाट न० 83, फायनल प्लाट न० 106, टा॰ पा॰ एस-धा बोरोबली, (प०), बम्बई में स्थित है।

अनु रूचा जैसा कि क० स० आई-4/37ईई/2627/83-84 श्रीर जो सक्षम आधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड क्या गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

दिनाक 10-1-1985

प्ररूप बाइंटी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-- घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रीय-! वस्वई

बम्बई, दितांक 10 जनवरी 1985

निर्देश मं० आई०-4/37ईई/2636/83-84—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 टा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गण हो, की धारा 269- के अधीन सक्षम प्रधिकारी का, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर गण्णति जिसका जीवा कागर मूल्य 25,000/ रूप में लोधक है

स्रौर जिसकी सं० शेअर इन लैंन्ड, एट व्हिलेज एक्सार, (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण म्प से वर्णित है) स्रौर जिपका क्रारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की श्रीरा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि गरी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-5-1984

को पूर्वोका संपत्ति के उचित बागर मृल्य न तम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोकन सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिवक रूप से किथन नहर किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आद वा ११ एक प्रक्त सिए i नश्यक की सधीन कर दोने के अन्तरक अ दापित्य की कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; क्षा (१)
- एकी किसी लाय पा किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1937 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वार प्रकट नहीं किया गया था वा किया आना चाहिए या छिपान या स्विधा के लिए.

जत: अब, उन्त अधिनियम की पारा 269-ग के अतसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :—— 1. श्रीमती म्वनगबाई, एन० मांजरेकर।

(ग्रतरक)

2 श्री गार०मी० ठक्कर, स्रौर अन्य

(अन्रतक)

3. अरुणा जमनादास ग्रौर अन्य

(वह व्यक्ति पंजमके वारे में अधोहस्ताक्षरी प्रजानना है पिक वह सम्पत्ति में पहितबद्ध है)

को यह सूचरा जारा करके पूबाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति है अर्तर वे सम्बन्ध मा क्रोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज़ से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे:

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिप्राणित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्**ची**

शेअर इन नैन्ड, एट द्धिहले ज, एक्हार, बोरीबवली, (प०) बेअरिंग, एस० न० 4, एच० नै० 3, ग्रौर एस० न० 4, एफ न० 2 बोरिवली (प०), वम्बई में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि क० स० आई-4/37ईई/2636/83-84 ग्रौर जो नक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज 1, वस्वई

दिनांक : 11-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

AND THE STREET OF STREET CONTROL OF THE STREET OF THE STRE

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचना

भारत मरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जनवरी, 1985

निवेश स० आई०-4/37ईई/2500/83-84—अतः मुझे ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उकत अधिनियम' कटा गया है), भी आर 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र से अधिक है

स्रीर जिसकी स० लज्जा अपार्टमेन्ट, फ्लैंट न० 1, ग्राउन्ड फ्लोअर, एफ० पी० न० 359, टी० पी० एस० 3, बिसरा, नाका, बोरिवली (प०), बम्बई-400 092 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से बणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधियम 1961 की धारा 269 रख के अधीन बम्बई स्थित सक्तम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-5-1984

को पवाकत सपरित के उचित बाजार मूल्य से कम हे दरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अनरक (अंतरका) और अतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दिष्य से उचत अन्तरण लिखित में पास्तिक एप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उअल अधिनियम के अधीन कर दोगं के अन्तरक क क्षियत्व में कसी करने या उससे बचने माँ कविका के लिखा, और/या
- (अ) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशाजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट गही किया गया वा या किया आना नाहिए था, स्थिपने में सुविधः के लिए:

क्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात :---

मैसर्स ६० ठक्कर,

(अस्त्रकः)

2 श्री च्या 🗀 भोला प्रसाद मालविया,।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(यह ब्यानन जिसक बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां श्रूक करता हुं।

उन्नल सम्पन्ति के ग्राप्त क रागा म कार्य भी पारतेष --

- (क) इस स्थान क राजपन में पकाशन की नाराय सं
 45 दिन ने अनी मा स्टाचपी व्यक्तिया पर
 स्थान की नामील स २० दिन की अविधि, जा भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त
 अविक्तयों में से किसी व्यक्ति क्वाराः
- (ख) इस स्वना के राजपथ में प्रकालन की तारीख से 4.4 दिन के भीतर कित स्थावर सम्पत्ति में हितबद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधारी के पास 'सिखित में किस जा सकाँगी।

स्पष्टीकरण:--इसमा प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जा उक्त प्रीधिनयम, के अन्याय 20 के में परिभाषित हैं, बही अर्थ द्वारा को अन्य प्रकारण में दिया। गया हैं।

बन सच्ची

लाजा अपार्टभेन्ट, पलीट न० !, ग्राउन्ड फ्लोअर, एफ० पी० नं० 359, टी०पी० एम० ३, विझरा, नाका, बोरिवली (पिष्चम), बम्बई-400 092 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि के० स० अ:ई-4/37ईई/2500/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बरबई प्रत्य दिनाए 1-5-1984 को रिजस्टिड किया गया है।

> ए० प्रसाद नक्षम प्राधिकारी पहायतः आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक 14-1-1985 प्रोडर प्ररूप आइ . टी. एन. एस. ------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक <mark>आयकर आयक्त (निरक्षिण)</mark> अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 1 जन**व**री, 1985

निदेण सं० आर्ड०-2/37ईई/4857/83-84---अनः मुसे लक्ष्मण दाम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/र रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 10, दूसरी मंजिल, विल्डिंग नं० 1, फ्लाट नं० 6, भवानी नगर, मरोल मरोशी, रोड, अन्धेर (पू०), बम्बई-400 059 में स्थित है (स्रीर इससे उपाध्रत अनुसूची में स्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) स्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कल के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 14-5-1984 को पूर्वींधत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के ट्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मून्से यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेंधत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कोमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 क) 11) या उक्त अधिनियम, 1927 अन्तिर अधिनियम, 1957 (1957 का -27) के प्रयोगनार्थ अस्तिरती द्वारा पंकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने भे औ लिए,

अतः शब, उत्तत जिल्लियम की धारा 269-ग के अभूमरण मों, मो, उक्त अधिनिय की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों. अर्थात् :—— 51—466GI/84 मैसमं दीपक बिल्डमं प्रा० लि०

(अन्तरक)

श्री मिकेन पिन्दो

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुए।

उक्त संपरित को जर्बन संबंध में कोई भी जाक्षेप :-- 📉

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खा सै 45 दिन की अवीं भागा सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवीं भा, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्थितना में में किसी व्यक्ति द्वाराः
- (च) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध भीकती जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में विद्यु ना सकरेंगे।

स्थळतीकरणः --- इसमे पय्वत अर्व्यो और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ध होगा, जां उस अध्याय में दिया नगा है।

नन्स्ची

फ्लैंट नं० 10, जो दूमरी मंजिल, बिस्खिंग नं० 1, प्लाट नं० 6, भवानी नगर, मरोल मरोणी, रोड, अन्धेरी (गू०), बम्बई-400 059 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि ऋ९ मं० आई-2/37ईई/4857/83-84 श्रौर जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 1-1-1985

प्रकष्, बाइं., टी. एन्. एस. -----

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई अम्बई, दिनांक 1 जनवरी, 1985

निवेश स० आई०-2ईई/37 ,4858,83-84—अत:मुझे लक्ष्मण वास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु से अधिक है

म्नीर जिसकी स० फ्लैंट न० 10, दूसरी मंजिल, बिल्डिंग न० 1 फ्लट नं० 13, भवानी नगर, मरोल मरोणी, रोड, अन्धेरी (पू०), बम्बई-400 059 में स्थित हैं (ग्रींग इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रींग जो पूर्ण रूप से विणत हैं) ग्रींग जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री हैं दिनाक 14-5-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त संपितित का जानत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिश (अन्तरितों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त कन्तरण दिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया थया है —

- (क) अतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्स मिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक क दायित्व में कमी करने या उसके अभने में स्विधा के सिए; आर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धर या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए,

अतः भव, उक्त अधिनियम बी धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिफित व्यक्ति शॉ, अर्थात् —— 1. दीपक बिस्डर्स प्रा० लिमिटेड ।

,

(ब्रन्तरक)

2. श्री रेमण्ड, टाबरेज।

(मन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए क्यार्यनाहियां सुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तिया ५४ सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए आ सकाँग।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अकत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ शुगा, जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अपूर्व की

पलट नं । 10, जो दूसरी मजिल, बिल्डिंग, न ।, प्लाट नं । 13, भवानी नगर, मरोल मगोशी रोड, अन्धेरी (पू०), बम्बई 400 059 में स्थित है।

अन्मूची जैसा कि क स आई-2/37ईई/4858/83-84 और जो सक्ष्म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिशक 14-5-1984 को रिजस्टिई टिया गया है।

> नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक 1-1-1985 मोहर : प्ररूप बार्च. टी. एन. एस. - - -

मासकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा भारा 269-थ (1) के अभीन सुभना

शाउक ब्राइमा

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण)
अर्जन रेज-2, बम्बई
वस्त्रई, दिनांक 1, जनवरी, 1985

निदेश मं० आई०-2,37ईई,1860,83-84--अतः मुझे लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निष्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य - 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं पलेट नें 13, तिसरी मंजिल, वि त 5, प्लाट नं 6, सवानी, नगर, मरोल मतोशी, रोड , अन्धेरी (पू०) बबम्बई-400 059 में स्थित है श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणा है) श्रीर जिपका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कृष्य के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्म्ट्री है दिनांक 14-5-1984 कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपात बाजार मूल्य से क्रम के रूपमान प्रतिफल के लिए रिजर्म्ट्रीकर्ता के कार्यालय शिवाजीनगर में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के मम्मूख/के पास रिजर्म्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह यथा पूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके रूध-मान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकार में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलीखत उद्वैदेय से उन्नत अंतरण लिखत में वास्तविक रूप से

किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अस्तरण में हुई किसी बाय की गावत, उक्त भौधिनियम के बधीन कर वोने के बन्तरक के धीयत्व में कमी करने या उससे अक्षन में सूबिधा के लिए; बॉर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किए। गर्म था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. दीपक बिल्डर्स प्रा० लि०

' (अन्सरक)

2. श्री रोनाल्ड क्वाड्रोस ।

(अन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं) को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदूध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक्ष तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

प्रवस्त्री

फ्लाट न० 13, जो तीसरी माजिल, बिल्डिग०, नं० 5, प्लाट नं० 6, भवानी नगर, मरोल मरोशी, रोड, अन्धेरी (पू०), बम्बई -400059 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि कर संर आई-०/37/ईई 4860/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाव 14 5-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> तक्ष्मण दाप सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) १ नर्जन रेज-२, वस्बई

दिनाक 1-1-1985

मुझे

प्ररूप आही. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजेन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनाक 1 जनवरी, 1985

निदेश र्सं० अई-2/37ई /4861/83-84—अत

लक्ष्मण दास

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (निसं इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार म्ह्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी में पेलाट ने 14 तिसरी में जिल विश्या, ने 6, प्लाट ने 6 भवानी नगर, मरोल मरेशी, रे.ड अधेरी (पू०), बम्बई-400 059 में स्थित है और इसमें उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में विणित है) श्रीर जिसक करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधि कारी वे कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनाक 145~1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य रो कम के इश्यमान प्रसिक्त को लिए अन्तरित की गई है और भूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्क दृश्यमान प्रतिकृत से एसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (मतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन केर दन के अन्तरक के दायिन्त्र में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुन्या के लिए;

कतः अध उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— 1. दीपक बिल्डर्म प्रा० लिमिटेड ।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री आलोक माईनन सुरीन तथा
 - (2) श्रीमती मार्गारेट, ल्युसी सुरीन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकी पूर्वाक्त सम्पर्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या शत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामीक्ष से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदाराः
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के प्रम निस्ति में किए आ सकोंगे।

स्वत्यक्तिरण '--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त जिम्मिनयम के अध्याय 20-क में पी।भाषित हैं, वहीं कर्थ होगा जा उस अध्याय में विद्या गया हैं।

मन्सूची

प्लंट न० 14, जो तीसरी मंजिल, बिल्डिंग न० 6, प्लाट नं० 6, भवानी नगर, मरोल मरीणी, रोड, अन्धेरी (पू०), अम्बई-400 059 में स्थित ई।

अनुसूची जैसा कि कि० स० ग्राई -2_{ll} 37ई $/4861_{l}$ 83-84 ग्रीर जो सक्षमु प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 14-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

दिनाकः 1-1-1985

प्रस्प क्षार्थ टी एन एस -----

बायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्गई, दिनाक 1 जनवरी, 1985

निदंश सं० अई-2/37ईई/4862/83-84——अत मुझे लक्ष्मण दास क्ष्मण दास क्षायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उन्त लोपनियम अना गरा है), की भारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थारण स्पित जिसका उपित तकार स्प्य 25,000/-रा. सं अधिक है

श्रीर जिसकी स० फ्लेट न० 12, तीसरी मजिल, वि० न० 3, ज्लाट न० 6, भयानी नगर, मराल भरोशी राइ, अन्धेरी (पू०), बम्बई-400 059 में स्थित तथार द्वस्म उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण स्वभे विणात है। श्रीर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम, 1961 की यारा 269 कष्ट के अधीन सक्षम प्राधिक्तरी के कार्यालय में रजिस्दी है दिनाक 14 5-1985

कां पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एस दृश्यमान प्रतिफल कर गन्द्रह् प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एस अन्तरण के लिए तथ गया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्बेद्य से उक्त अन्तरण लिख्त में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) धल्लरण म हुई किसी आय की वाबत, उनस अधिनयम के अधीन कर दांग के अन्तरक के प्राचित्व में कमी करने या उसमें नथन में मुनिधा के । ग, बौर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जा प्रयोजनाथ अन्तरिती देवारा प्रकट ने किया किया था या फिया जाता काहिए था, छिपात में सूर्यिका के निए;

ैं जल: बक, उसत अधिनियम की धारा 269-स के अनुसरण में, में, उसन अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) क विषेत्र, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् —⊸ 1 दीपक बिल्डमें प्रा० लि०

(अन्तरक)

- 2 (1) श्री नोएल फड, तथा
 - (2) कुमारी रोझलीन डिमाँजा ।

(अन्तरिसी)

को; यह सूचना जारो अरके पूर्वाक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उक्क सम्मास्त के अर्चन के सम्बन्ध म कार्र भी काक्सम् --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सहरीत हैं 45 बिन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों ६६ सूचना का तामाल स 30 दिन का अविधि, जो ई अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस स्वित्यों में न किसी व्यक्ति देवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबब्ध
 किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास
 विश्वित में किया जा सकींगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, बही अर्थ द्वीगा का उस अध्याय मा दिशा गया हैं।

अनुसूची

फ्लट नं० 12, जो तोसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० 3, प्लाट नं० 6, भवानी नगर मरोल मरोणी, रोड. अन्धेरी (पू०), बम्बई-400-059 में स्थित है।

अन्सूर्चा जैसा कि ऋ० स० अई-2/37ईई/4862/83-अ81 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 14-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन स्त्रेज-2, बस्वर्ह

दिनाक 1-1-1985 **मोहर** स प्ररूप आहर्र.टो.एन.एस.------

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985

निदेश सं अई-2/37ईई/4876/83-84-- यत: लक्ष्मण दास

नायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास **का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, बिक्का उचित** राकार 25,000√- रह. से अ**धिक ह**ै

भीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 602, छठी मंजिल, बि० न० 1, ओशिवरा, वीलेज, बहराम बाग के पीछे, जोगण्वरी (प०), जम्बई -400 058 में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीरजो पूर्ण रूप से वर्णित है) भीर जिसका करारनामा आय-कर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 14-5-1984 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इइयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय **पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेय स** उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गढ़ा है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अभिनियम को अभीन कर दोने को अंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आंग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक्र अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर **अधिनियम, 1957** (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अन्सरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीनिश्चित व्यक्तियरें, अर्थात् :---

श्री शियाउद्दीन बुखारी ।

(अन्तरक)

2. श्री मन्सूरी मोहम्मद युनुस मिया मोहम्म द। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ता सम्पत्ति के अजन क**ा**ंगए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूच्यना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अभोहस्त्राक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया • गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 602, जो छठी मंजिल, बिल्डिंग नं० 1; "अस राका, मिल्ल तनगर, एस० नं० 41, (पार्ट), श्रोणिवरा, विलेज, बहरान, बाग के पीछ, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई- 58 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि कि में अई-2/37ईई, 4876, 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज∼2, बम्बई

दिनांक 10-1-1985

मोहर 🖫

प्रस्य बाह्र टो. एन्. एस. = -- -

माथकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक मायकर मायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985

निदेश मं० अई०-२, ७ई**६०**, ४८७७, ८४**---**अत. **मुझे** लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह से अ**धिक हैं**

ग्रौर जिसकी सं० पसट नं० 302, तीसरी मजिल, बि० न० 1, श्रोणिवरा, विलेज, जोगेण्यरी, (पश्चिम), बहराम बाग के पीछे, बम्बई-100 058में स्थित है श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप से वर्णित है) स्रौर जिसका करारनामा आय-कर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 14-5-1984 को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिक्षिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास अरने का कारण है कि यथाप्नोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार ्य उसके **रू**यमान प्रतिफल से एैसे **रूपमान प्रति**फल का वर्न्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एंगे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उद्धेरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कार दोने को अन्तरक को दायित्य में कामी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए, चौद्य/या
- (वा) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का", जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अब-कार अधिनियम . 1957 **(1957 का 27) के** प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चार्चा किया ल्ल्या वाहिए चा, कियाने सें सुविधा के निए;

क्षतः वयः, उक्त व्योधीनयम की धारा 269-न के वनुसरण ी, भैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) भी वर्षात, निम्नीलिक्त व्यक्तियो, **अर्थात्** :----

1. श्री झियाउदीन, वखारी।

(अन्तरक)

2 श्री अब्दल अझीझ, अब्दल रजाक मन्सूरी। (अन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के वर्षन के जिल् कार्यवाहिया करता हु।

उस्त राम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, **के भीतर प्वांक्य** च्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस लें 🖟 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-वद्भ किसी वन्य व्यक्ति दवारा, वभोहस्ताक्षरी के पाव लिभित में किए का सकारी।

स्पष्ट उरण:--इसमा प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उबल अधिनियम के अध्याय 20-क मा यभा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

पलट तं० 302, तीमरी मंजिल, बिल्डिंग नं० 1, "अलसका" मिल्लात, नगर एम ० नं० 41 (पार्ट), श्रोशिवरा, वीलें बहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी, (पिचम), बम्बई-400 058 में स्थित है।

अन्मूची जैसा कि ऋ० र्स० अई-2/37ईई/4877/83-84 श्रीर जा सक्षम प्राधिकारी के बम्बई द्वारा दिनांक 14-5-1984 को र्गाजस्टर्डकियागयाहै।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 10-1-1985

माहर :

प्ररूप बाह्र . टी. एन. एस.-----

भायकार राधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-घ (1) की अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यांसयः, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ध

बम्बई, दिनांष 11 जनवरी, 1985

निदेश सं० अई०-2,37ईई,4883,83-84-- श्रतः मुझे लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को., यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० टी 3, 61, संजीव टावर बेहराम बाग, श्रोणिवरा, विलेज, अन्धेरी वर्सोवा, बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्सूची में और जी पूर्ण रूप में विणत है) श्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धःरा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 14-5-1984

करे पृथोंकर सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मृक्षे यह विषवास करने का कारण है कि यथाप्योंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्मान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्चत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के सीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलित अब्बेद्य से उक्त जन्तरण विवित्त में शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मनारण ने हुई फिसी माम की नावत उक्त जीध-निवय के अधीन कर दोने के असरक के दायित्व में यामी करने या उससे बचने में सुविधा के निय; भीर ए।
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या कन्य नास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अत: अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६——

ा. सजीव बिल्डर्स प्राईवेट (लिमिटेड

(अन्तरक)

2 मसर्म टीना स्टील्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया जुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस राया के राजपात में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की अवित में ता तामीन के व्यक्तियों पर स्वान की वामीन में 30 दिन की अविध, जो भी अविध शद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों कत ध्यवितयों में से किसी स्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यव्ध कि भी जन्म व्यक्ति पवार अवाह ताक्षरी के शक्त निकास में किए जा सकर्म।

न्यख्टीकरण:---६समें अगुवत शब्दौं और पदौं का. जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में पिन्भनीयत हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यान में किया गण हाँ।

मग्राची

फ्लेंट नं वि 3,61 जो छठी मंजिल, संजीव टाबर बैहराम, बाग, ग्रोशिवरा, वीलेज, अन्धेरी वसींवा, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैंसा \circ सं \circ अई-2, 37ईई/4883/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाय सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायक्तर प्रायक्त (निराज्ञण), अर्जन रेंज-2, धस्य**ई**

दिनांक 11-1-1985

माहर:

प्ररूप आहूं.टी.एन.एस.------

1. संजीव बिरुडर्म प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

2. मैंसर्म टीना स्टील्स।

(अन्तरिती)

आसकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वस्बर्ध

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी, 1985

निवेश सं० अई०-2_| 37ईई_| 4884_| 83-84---अत: मुझे शक्सण वास

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/-75. में अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लेट नं० टी-3,62 संजीव टावर, बेहराम बाग, श्रीणिवरा, वीलेज, अन्धेरी वर्सोवा, बस्बई में स्थित हैं श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 14-5-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का फ्लूह प्रतिफल में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अंतरिती (अन्तरितियार्) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरम में हुई किसी नाव की बाबत, डक्त विधिनियम के बधीन कर दोने के जनादक की दायित्व को भंभी करने या उससे वचने को नृतिभा के निता, और/धा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

फ्लेट नं॰ टी-3,62 जो छठी मंजिल, संजीव टावर, बेहराम बाग, श्रोणिवरा, वीलेज, अन्धेरी वर्मोवा, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं आई-2,37ईई,4884,83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वारा दिनांक 14-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

जित: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुनरण में, म⁵, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीत, जिम्मिलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ७—— 25—466GI/84

दिनांक 11-1-1985

बद्धन बाह्यं अधि प्रचा प्रस्तान्त्रान्त्रा

भायकार अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभन।

बारत तरकार

भागांत्रयः, सहायक आयकर आयुक्तं (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बस्बई

बन्धई दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश स० आई०-2/37 **ईई**०/4886/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजीर मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० फ्लैंटन ० टी-3, 64 संजीव टावर बेहराम बाग ग्रोशियरा विलेज, अन्धेरी वर्सीवा, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीम सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 14 मई, 1984

को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इर्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरस्थान प्रतिफल से ऐसे इर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में मृतिया के लिए;

भतः भव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण भो, भी, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अभीन, निम्निनियित व्यक्तियों, अर्थात् गुल्ल (1) मैं०संजीव बिल्डर्स प्रा० लि०।

(अन्तरक)

(2) मैं ० दीना स्टीस्म ।

(अन्तरिती)

 बाह्य स्थान कारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उभर सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारींच हैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (व) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तार्रास में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम सिचित में किए जा सकींग।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

नगर ची

फ्लैट नं० टी-3, 64 जो छठी मंजिल, संजीव टावर, बेहराम बाग, श्रोणिवरा विलेज, अन्धेरी वर्सोवा, बम्बई म स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम स० आई०-2/37 ईई०/4886/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्वई द्वारा दिनांक 14 मई, 1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 11-1-1985

मोहर ह

प्रकृत काइ . सी . वृत् . एस . -----

काबध्द अभिनियम 1961 (1961 का 43) की कारा 269-व (1) के अभीन सुचना

नारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वस्यई

बम्बई, दिनाक 11 जनवरी 1985

निदेश सं ० आई०-2/37 ईई०/4887/83-84--अनः **मुझे,** लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-छ को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर मम्पीता, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रु. स अधिक है

श्रीर जिसकी प० पर्तीट तं० टी-3, 81 सर्जाव टावर, बेहराम बाग, श्रोशिवरा विलेज, अन्धेरी वर्मीका, बम्बई में स्थित है (श्रीर इपने उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिनका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में राजस्ट्री है तारीख 14 मई, 1984

को पूर्वेक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य उगके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अतरकों) और (अतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिक्ति में वास्त-कित रूप स को यत नहां किया गया हैं:---

- िंक, जन्तरक में हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिमीनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक वर्षे वानित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा धारित्व रॉप्रा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1937 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए,
- अतः, अंब, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-ग कौ अनुसरक् के मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जीक, विक्तिलिखन व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) नैं॰ संजीव बिल्डसं प्राइवेट लिमिटेंड। (अन्तरक)
- (2) मैं ॰ दीना स्टीस्स । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के बर्जन के किए जार्यवाहियां करता हु।

उक्स संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की जबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन संची

पर्विष्टन० डी-3, 81 जो आठको माजिल, सजीव टाबण, बेंक्रगम बाग, प्राणिवरा विलेज, अन्बेरी वर्सीता, ब्रम्बई वे स्थित है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, ब्रम्बई

लारीख 11-1-1985 महर प्ररूप बाहें. टी. एन. एस. ------

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के अभीन त्वा

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आध्वत (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ड, दिनाक 11 जनवरी 1985

मिदेण सं० अई०-2/37 ईई०/4890/83-84—अतः मुझे, लक्ष्मण दास

कार्यकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० फ्लैंट नं० टी-2, 84 सर्जाव टावर, बेहराम बाग, श्रीशिवरा विलेज, अन्धेरी वसींवा, बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख़ 14 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (असरकों) और अंतरिती निकल्पितीं) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औं रायित्य में कमी करने वा उसमे वचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियों को, बिन्हों भारतीय जाय-कर विभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, जियाने में सूविभा के शिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी जी अक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभाषा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :--- (1) मैं ० मंजीव बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) मैं ० टीना स्टील्म।

(ब्रन्तरिती)

र्था वह ज्ञान पारी करके पृत्रों वस सम्मरित के वर्षन के दिवय कार्यवाहियां करता हुं।

अवत सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे . 45 विन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की व्यवधि, जो भी जनभि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकड क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- () इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इसारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्वध्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्क अधिनियम, के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया हैं।

वन संची

फ्लैंट नं॰ टी-3, 84 जो आठवी मजिल, मजीव टावर, बेहराम बाग, स्रोणिवरा विलेज, अन्धेरी वर्सोवा, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि कम सं० आई०-2/37 ईई०/4890/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 14 मई, 1984 को रजिस्टई किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बर्स

वारीख : 11-1-1985

म्बद् बाई. सी. एन् . एत . -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत बरकार

कार्थालय, महायक आय**कर आयुक्त (निरोक्षण)** अर्जन रेज-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनाक 11 जनवरी 1985

निदेण स० आई०-2/37 ईई०/4896/83-84--अत. म्झो, नक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ६समें ६सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-च के अधीन गक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाय अन्ते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पर्नेट नं० 1, 11, 12, 13, 14, सर्जीव टावर, बेहराम बाग, आणिवरा विलेज, अन्धेरी बसोबा, बस्बई , में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनसूची में आर पूर्ण रूप में विजित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के खं के अधीम सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय बस्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 14 मई, 1984

को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कंम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल ने, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त बन्तरण निश्चित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किथत गया है —

- (क) कन्तरण में हुई किसी जाय की बाबन, उक्त अधिनिया, को अधीन कर दन के अस्तरक अने दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वाच प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: बब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग में वनुसरण किं, मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्थात् ---- (1) मैं० मंजीव बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(३) मैं० टीना स्टील्य ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति को अर्थन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

चक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी कार्रुष ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 विन की जनभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की जनभि, को भी जनभि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा,
- (क) इस सुका। के राजपण के बकासन की तारीय से 45 दिन के भीतर स्कत स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी कत्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षणी के पत्र निवित में किए या सकींगे।

स्पष्टीकरण .--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विद्या पता है।

मनसर्व

फ्लंट नं ० टी-1, 11, 12, 13, 14 जो पहली मंजिल, मजीव टाबर, बेहराम बाग, ग्रोणिवरा विलेज, अन्धेरी वसींबा, बम्बई में स्थित है ।

अन्सूची जैमा कि कम गं० अई०-2/37 ईई०/4895/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हीरा दिनांक 14 मई, 1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

ना**रीख: 11-1-1**985

मोहर 🛭

प्रस्प आहं. दी एन. एस -------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायत शायकर आयुरर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाम 11 जनवरी 1985

निदेश स० अई०-2/37ईई०/4897/83-84--अत मुझे लक्ष्मण दास

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) (जिसे इसमें इसके परवात उकत अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जियवा उचित बाजार मृत्य 25 000/ क स्वाधिक र

ग्रौर जिसकी स० गाप न० 45 तल माला, रोगन लाल अग्रवाल गापिग आर्केंड, अपना घर ने पास, ज० पी० राड ने सामने, वर्सोबा, अन्धरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मेंग्री रपूर्ण रूप से वर्णित हैं), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, वम्बई में रिजस्ट्री हैं तारी ख 14 मई, 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के द्रयभान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गद्दे हैं और मध्ये यह विकलास करने का कारण है कि यथापर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिकल से, ऐसे द्रयमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अत्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिकल रूप में किश्त नहीं किया गया है ---

- (कः) जन्तरण से हुइं किसी आय की आजन उक्त जिभिनयम के अभीन कर राम के अन्तरक के दायित्य में कभी करते या उमस यचन में मृविधा के लिए, आदि/या
- (स) ए ती किसी आय ए बिसी धन या अन्य आहित वे को, जिन्हों भारतीय आपकर अिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: बन, उक्त अधिनियम, की धारा 260-व के अनुसरण र, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) दे बधीन, निस्तिजित व्यक्तियों, अधीत - (1) मैं० आर० एन० ए० बिस्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मुनीरा एन० मर्चेन्ट।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्ड भी आक्षप ---

- (क) इस सुचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील म 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद म समाप्त हाती हो, के भीतर पर्वाक्त व्यक्तियों मा में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भातर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरसाक्षरों के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूच।

शाप न० 40, जा तल माला, रोणन लाल अग्रवाल, णापिण आर्केड, अपना घर के पास, एस० न० 41, जे० पी० रोड के सामने वसीवा, अन्धरी (पश्चिम), बम्बई-400058 मे स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम स० अई०-2/37ईई०/48083-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ह्रारा दिनाक 14 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रापुक्त (निरीक्षण) अजेन रेज--2, बम्बई

ता**रीख** 11-1-1985 माहर प्रारूप बाई. टी. एन. एस.------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्क

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश ०सं अई०-2/37 ईई०,4885,83-84- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पंश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित माजार मृत्य 25 000 कि साम में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैंट नं०टी—3, 63 संजीव टायर, बहराम बाग, श्रोणिवरा विलेज, अन्धेरी वर्सीवा, बम्बई में स्थित है श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयंकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 14 मई, 1984

कां पूर्विक्त संपरित के उिचत बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रितिफल से एसे रहयमान प्रितिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में केमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविका के लिए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में ठक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० मंजीव बिल्ड्सं प्रा० लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) मैं ० टीना स्टील्म ।

(अन्तरिती)

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में काह भी आक्षेप :---को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर संपरित में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा को उन अध्याय में दिया गया है।

सनसर्थ

फ्लैंट नं० टी-3, 63 जो सजीव टावर, **बहराम बाग,** श्रीशिवरा विलेज, अन्धेरी क्सींबा, बम्बई में स्थित है।

अनुमूची जैंसा कि क्रम स० अई०-2/37 ईई०/4885/83-84 ग्रीर जो गक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनोक 14 मई, 1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर.क्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई)

तारीख: 11-1-1985

वृक्ष माइ . टी . धन . एव . -----

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश मं० आई०-2/37 ईई०/4888/83-84—अनः मुझे, लक्ष्मण दाम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/रु से अधिक हैं

भीर जसकी मं० पर्लंट न० टी-3, 82 मंजीव टावर्स, बहराम बाग, भोणिवरा विलेज, अन्धेरी वसोंबा, बम्दई में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), शीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 14 मई, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्सरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मपित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण कि सिकत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (कं)ें त्रन्तरण में हुड़ी तिल्ली बाय की वात्रत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वजने में सुविधा श्रेतिस्; मीर/बा
- (क) एमी किसी नाम या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय अप-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया नया वा बा किया जाना वाहिए था कियान हो भ्राचा के विषयः

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 260-ग के अवसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा १६०-घ की उपधारा /1) के अधीन मिम्नलिमित व्यक्तियों अर्थात :---- (।) मै० सजीव विल्डमें प्रा० लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) मैं ० टीना स्टील्स।

(असिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु"।

जनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाधीप '--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पार्य निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें अयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नगतची

पलैट नं री-3, 82, जो आठवी मजिल, संजीव टावर, बहुराम नाग, ग्रोशिवरा विलेज, अन्ध्रेरी वर्मीवा, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई-2/37 ईई०/4884/83-84 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14 सई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

नक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-2, वस्बर्द

तारीख: 11-1-1985

मोहरः

प्ररूप बार्च टी एक एस.-----

मायकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निवेश र्स० आई०-2/36 **ईई**०/4889/83-84-अतः म्*भे*, सक्ष्मण वास

बायकर अधिनियम 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० पलट नं० टी-3, 83, संजीव टावर, बहराम बाग, श्रीशिवरा विलेज, अन्धेरी वसींवा, बम्बई में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 कवा के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीहैं तारीख 14 मई, 1984

को प्योंक्त संपरित के जियत याजार मूस्य से कम के स्वयं नाम प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से वह कियास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पर्तित का उज्जित बाजार मूस्य, उसके स्वयं मान प्रतिकास के एसे स्वयं मान प्रतिकास के व्यवह प्रतिवात से अधिक है और बंबरक (बंबरकों) और बंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिकास , निम्निलिशित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिश्चित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबर, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अतरण के दायित्व मे कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या जन्म जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया थाना थाहिए था, जियाने वें विधा के लिए,

(1) मैं० संजीव बिरुडर्स।

(अन्तरक)

(2) मैं ० टीना स्टील्स।

्र (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (थ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकर्ण।

स्पाद्धिकरणं: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्न के वश्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ष होगा वो उस वश्याय में दिवा गया है।

श्रनुसूची

फ्लैट न० टी-3, 83 जो आठवी मजिल, संजीव टावर बहराम बाग, भ्रोणिवरा विलेज, अन्धेरी वर्सीवा, बम्बई मे स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम स० आई०-2/37 ईई०,4889,83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 14 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लल्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बम्बई

अत अक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :—<3—466GI/84

तारीखा : 11-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, अम्बर्ष

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निर्देश सं ० म्राई०-2/37 ईई०/4891/83-84--म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुट. में अधिक है

श्रीर जिसकी मं० पलैट नं० टी-3, 104 संजीव टावर, बेहराम बाग. श्रीशिवरा विलेज, श्रन्धेरी वर्सोवा, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसकां कराण्नामा । यकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन सक्षम श्रीधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांक 14-5-1984

को प्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के एसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्ति सम्पत्ति का उचित् बाजार मृत्य, उसके एसमान प्रतिफल से, एसे अयमान प्रतिफल का पेड्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय याया गमा प्रतिफल का सुम्निलिखत उद्देष्य से उकत अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के ब्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (अ) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आय-दार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती दृष्टारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त विधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण मं, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित :---

- (1) मेसर्म संजीव बिरुडर्स प्राइवेट लिमिटेड। (ग्रसरक)
- (2) मेमर्सटीना स्टील्स।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पृष्टिंक्त सम्परित के वर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकड व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उद्युक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गमा है।

अनुसूची

"फ्लैटनं० टी-3, 104, जो दसवीं मंजिल, संजीव टावर' बेदराम बाग, भ्रोशिवरा विलेज, भ्रन्धेरी वर्सीवा, बम्बई में स्थित है"

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-37 ईई०/4891/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14 -5-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 11-1-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्भन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 11 जनवरी 1985

निवेण 'सं० ग्रई०-2/37 ईई0/4892/83-84--ग्रतः मुक्ते, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

शौर जिसकी सं० फ्लेट टी-3, 103 मंजीव टावर, बेहराम बाग, श्रीशिवरा, विलेज, श्रन्धेरी वसीवा, बम्बई में स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), शौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रद्योन सक्षम श्राधिकारो, बम्बई के कार्यालय, में रजिस्ट्री तारोख 14 भई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण सं हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के स्थीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे ब्वने में सृविधा के लिए, बॉर/था
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुधिधा के लिए

में संबंध अवत अभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उसत अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित :--- (1) भंजीव बिल्डर्स प्राइवेट लि०।

(भ्रातरक)

(2) मैं० टीना स्टील्स।

(श्रन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रुफ करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 बिग के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त कि विधानयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

ननुस्ची

फ्लैट नं० टी-4, 103, दसवी मंजिल, जो संजीव टावर, बेहराम बाग, श्रीशवरा विलेज, श्रन्धेरी सर्वोवा, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं० स्रई०-2/37 ईई०/4892/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड में दिनांक 14 मई 1984 को रेजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 11-1-1985

प्रकृष भार् ुटी, एन, एस. ----

बायंकड विधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बुधीन सूचना

मारव चहुकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निर्देश सं० ग्रई०-2/37 ईई०/4893/83-84--श्रतः भृक्षे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मून्य 25,000/- से अधिक है

श्रीर जिसको सं० फ्लैट नं० टो-3, 102 संजीव टावर, बेहराम बाग, श्रीशिवरा विलेश श्रन्धेरी वर्सोवा, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से,विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्रें है दिनांक 14 मई, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमे के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह किश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार सूक्य, उद्यक्ते क्यमान प्रतिफल से, एसे द्रम्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिघत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कवित गई किया नवा है :—

- (क) बन्धरम् संहुर्दं किसी बाव की वास्त्रं, उपत विभिनियम के अभीन कर दोने के बंतरम के दायित में कमी करने या उससे अपने में सुविभा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्तः आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियंस, 1922 (1922 का 11) या उक्तं अधिनियंस, या धन-कर अधिनियंस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया अला वाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

अतः अंश, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क्रे अनुसर्क रू । मं, े मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित अधिकायों, अधीत :—- 🕟 (1) मै० संजीय बिल्डर्स प्राइवेट लि०।

(मन्तरक)

(2) मैं० टीना स्टील्स।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्याया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिय गया है।

नन्त्रची

"फ्लैंट ० टी-3, 102, जो दसवीं मंजिल, संजीव टावर बेहराम बाग, श्रोशिवरा विलेज, श्रन्धेरी वर्सीवा, बम्बई में स्थित है ।"

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्राई०-2/37 ईई०/4893/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा विनांक 14 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तार्वा: 11-1-1985

मोहर 🛭

प्रकप् बाइ . टी. एन. एत. - - - ---

बायकर जिथ्नियम्, 1961 (1981 का 43) की

भारा 269-म (1) के अभीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 11 जनवरी 1985

निवेश सं० भ्राई०-2/37 ईई०/4894/83-84--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० पलैट नं० टी-3, 101 संजीव टावर, बेहराम बाग, श्रीशिवरा विनेज, श्रन्धेरी वसीवा, वस्वई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुस्वी में श्रीर पूर्ण रूप विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीश्वानियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय, वस्वई में र्जिस्ट्री हैं तारीख 14 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के प्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एमे दश्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गमा है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, सबस जिम्हीनयम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचन हों श्रीयभ के लिए, और/या
- (क) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात — (1) मैं० संजीव बिल्डक प्रा० चिर

(बन्तरक)

(2) मैं० टीना स्टील्स।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कार्ड भी बाक्षेप :---

- (क), इस स्थान के राजपत में प्रकशन की तारीख से 45 दिन की अविधि ग्रा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकव्ध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकांगे

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

फ्लैंट नठ० टी-3, 101 जो दसवी मंजिल, संजीव टबार, बेहराम बाग, श्रोशिवरा विलेज, श्रन्धेरी वसीवा, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-2/37 ईई०/4894/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14 मई, 1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीच : 11-1-1985

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस. -----

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आवृत्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज-2, यम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश स॰ अई०-2/37 ईई०/4895/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० टी-2, 2६, 22, 23, 24 संजीव टावर, बहराम बाग, श्रीशिवरा विलेज, श्रन्धेरी वर्सीव, अमबई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के श्राधीन सक्षम श्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्टी है तारीख 14 मई, 1984

का पूर्वोक्त संपृत्ति के उपित बाजार मृस्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंसरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त वीधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बाँर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, किया में त्विधा के सिए;

नतः जन, उक्त निभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्निजिति व्यक्तियों. क्यांति k--- (1) मै० सजीव बिरुडर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(मन्तरक)

(2) मैं० टीना स्टील्स ।

(प्रन्तरिती)

को यह सृष्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब धें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों की, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

सम्मुस्ची

फ्लैट नं० टी-2, 21, 22, 23, 24 जो दूसरी मंजिल संजीव टावर, बेहराम बाग, श्रोणिवरा विसेज, धन्धेरी वसींवा, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-2/37 ईई०/4995 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है

> लक्ष्मण दास संबंध वाविकारी सहायक भावकर भावकत (निरीधान) भर्जन रेंज-2, बस्बर्द

तारीच : 11-1-1985

प्रक्रमण्यार्^{*}, टी. एन. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

नार्वामय, महायक अध्यक्षर कायुक्त (निरक्षिन)

धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सठ० आर्ड०-2/37 ईई०/4898/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण द्वास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इतमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मन्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सें० फलट नं० 1, सातवी मंजिल, रोशन लाल प्रग्नवाल कम्पलेक्स, प्रपता घर 41 के पाम, जे० पी० रोड, के सामने, बमीवा प्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बर्ड -58 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायंकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यलिय, बम्बर्ड में र्जिस्टी है तारीख 14 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए सब पामा गया प्रतिफल निम्निचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है '--

- (क) जन्तरक ते हुं दों किसी आय की जाजत, उक्त जिमिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उसमें अचने मों तिवधा के निए: जौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गर। था या किया जाना चाहिए था. कियाने में मौबधा के सिए:

जत: जब, जबत जीधीनयम की धारा 269-त के वन्सरक में, में, उबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात '→- (1) मैं श्रार एम ए विल्डमें।

(ग्रन्तरक

(2) श्री दलबीर सिंह जोगिन्द्र सिंह भरारा।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना बारी करके पृशांक्त संपरित के अर्थन के विव् कार्यशाहियां कारता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की ववधि, वो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पद्दों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, को उस अध्याय में दिशः गुमा है।

(मनुसूची

फ्जैट नं० 71, जो सातवी मंजिल, रोशन साल भग्नथाल कम्पलेक्स, श्रपना घर 41, एस० नं० 41 (पार्ट), जे० पी० रोड के साधने, वर्सोवा बम्बई-400058 में स्थित है।

भनुसूची जैमा कि कम सं० भई०-2/37 ईई०/4898/83-84 श्रीर सक्षम प्राधिकारी, बम्बई में रजिस्टड किया गया है।

लक्ष्मणज वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

तारीख : 11-1-1985

प्रक्ष बाइ . टी . एन . एस् . -----

बाबकर अभिनिवस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीम स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भागकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० अई०-2/37 ईई०/4901/83-84-- मतः मुझे स्थमण दास

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अभिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं फ्लैंट नं 1, तलमाला, सन्नी साईड यूनिट नं 3 जार शंगलोज वसींवा ग्रन्थेरी परिचम अम्बई 400058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबदा प्रनुस्ची में भी र पूर्ण रूप से वणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीध नियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्द्री है तारीख 14 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से एसे ध्यमान प्रतिफल का, पन्द्रह प्रतिक्षत से बिभक है और जन्तरक (जन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो। पाया यमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेध्य से उक्त अन्तरण लिखित व बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी बाय की बाबत उक्त अधि-निवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कजी करने वा उत्तर्ध क्यने में सृष्टिभा के सिए; अदि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957, (1957 का 27) के अशोधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा खे सिए;

अत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

- (1) मैं व लोखण्ड वाला छेवलपमेट कारभोरेशन। (श्रन्तरक)
- (2) श्री मुरेन्द्र कुमार श्राहुजा।

(ग्रन्तरिती)

(3) मे० ओशियरा लैंण्ड डेवलप, म० लि० (वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु"।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्स्मनिधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपितत में हित- बब्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निश्यस में किए इस सर्कार्य।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया स्वा है।

नम्स्ची

फ्लैंट नं० 1, जो तलमाला, सन्नी माईड यूनिट नं० 3, एस० नं० 41 (पार्ट) के प्लाट नं० 355, चार बंगलोज, वर्सीवा, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि ऋ० सं० मई०-2/37 ईई०/4901/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनांक 14 मई, 1984 का र्रजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-2 बम्बई

तारी**ख** 11-1-1085 मोहर:

अरूप बाई. टी. एन. एस. ----

अध्यक्षर आधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2. बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं ० ग्रई ० – 2 | 37 ईई ० | 49084 | 83 – 84 – ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 296-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- का से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 406, चौथी मंजिल, श्रकीड बी' बिलाग, एस० नठ० 41 (पार्ट) प्लाट नं० 17 चार बंगलीज वसींवा, श्रधेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है (श्रौर इससे उपावढ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रुप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 14 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिरियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त इंधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दाधिल्य के कभी करने या उससे बचने में स्विधा के निष्ण; और/शा
- (स) एमेरे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों ग्रे, का भारतीय आयटार अधिनियम, 1922 ११०२ का ११) या उक्त अधिनियम, या राज्याच्या ११५७ (1957 का 27) के प्रदारनार्थ अंतरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उब अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उरा ने नयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) -रें अधीन नियमिला का व्यक्तियों, वर्धात्:——

- (1) 1. श्रो सैप इस्माइल दाणावाला नथा
 - 2. श्रीमती शिरीन ईस्माईल दाणावाला। (म्रन्तरिती)
- (2) श्रीमर्ता मधु निरंजन स.ह।

(ग्रन्तरिती)

ज(3) मैं ० स्रोशिवरा लैण्ड डेवलपमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड।

> (वह व्यक्ति, जिसके ग्रांधभोग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति जिनके बारो में अधोहस्ताक्षरी) जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये जा सकरें।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा पवा है।

जनसंप्री

फ्लैट नं० 406, जो चौथी मंजिल, अर्कांड बी' बिल्डिंग, एस० नं० 41 (पार्ट), के प्लाट नं० 17 पर चार बंगलोज वर्सोवा, अन्धेरी (पश्चिम), वम्बई-400058 में स्थित है। अनुसूचो जैसा कि कम सं० आई०-2/37 ईई०/4904/ 83-84 और जो मक्षम पाधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 14 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रें ज, 2 तम्बई

तारीख: 11-1-85 व

प्रकृष बाह्र .टी.एन एतं

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985 निवेण स० अई-2/37 ईई/4908/83-84--अदः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके पश्चात 'तक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, विसका चित्रत बाबार मूक्य 25,000/- रह. से अधिक है

दादा भाई रोा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई—58 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री तारीख 14 मई, 1984

को प्वें वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम एरयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बक्करक वे हुई कि की बाव की बावत, उससे अभिनियम को अभीन कर दोने के बस्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविका के जिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 ,1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के सिए;

कतः नग, उंक्त निधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, अक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारः (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं अहिया एण्ड एसोसिएट्स।

(मन्तरक)

(2) श्री किशीन हुकमतराय किशनानी ।

(भन्सरिती)

को यह स्वान जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूधना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के मीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध
 किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 निवित में किए आ सकींगै।

स्मध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्यों और पदों का, भी समझ अधिनियम, को अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नवाही।

अनुसूची

पलैट नं 1, जो पहली मंजिल, 'श्रंकुर' बिल्डिंग, प्लाट नं 38, सी टी एस नं 2, दादा भाष्टे रोड, श्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रन्भूची जैसा कि ऋम सं० अर्ड०-2/37 ईहि०/4906/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14 मई, 1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

सारीख: 11-1-1985

प्रकल नाहर् दी . एन . एस 🖯 🗝 ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की " भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (नि<u>रीक्षण)</u> श्रर्जन रेंज~2, बम्बई

बम्बई दिनांक 11 जनवरी 1984

निदेश सं अ आई०-2/37 ईई०/5026/83-84--ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 201, दूसरी मंजिल, 'बेनहर डी', बिल्डिंग, चार बंगलोज, वसींवा, श्रन्धेरी (पिण्चम), बस्बई में स्थित है (और इससे उपाबत श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणत है), श्रोर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकार,

बम्बई में रजिस्द्री सारीख 14 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान श्रीतफाल के लिए अन्तरिती की गई आर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिह्त में बास्तिक कप से किया गया है है—

- (क्) अन्तरण से हुई किसी मान की वावत , उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविभा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाग-एर अधिनियम, 1922 (1992 का 11) या उत्ति अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिविती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती दमयन्ती पी० बल्लूर।

(भन्तरक)

(2) श्री उत्तम सिंह नाटंग, वल्द श्री सुमान सिंह नारंग।

(भ्रन्तरिती)

(3) म० ग्रोशियरा लेग खेवलपमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड ।

> (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचत सम्पत्ति के अर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी मविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तिया में स्विभी व्यक्ति द्वारा,
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा. को उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स् चौ

फ्लैट नं० 201, जो दूसरी मंजिल, 'बेनहर डी', बिल्डिंग एस० नं० 41 (पीर्ट) के प्लाट नं० 15/8, चार बंगलोज, वर्सीवा, 'एस० नं० 41 (पार्ट), के प्लाट नं० 15/8, चार बंगलोज, वर्सीवा, अन्धेरी (पिष्चम), बम्बई-400058 में स्थित है।

ध्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० धाई०-2/37 ईई०/5026/ 83-84 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19 मई, 1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लःमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 11-1-1985

मोश्रूष 🖫

जतः अधः, उक्त जिथिनियम की भारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निकासिकित व्यक्तियों, अर्थात् E--

बाक्य, बार्षं .टी .पृत् .एस .------

अध्यकः र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

त्रमबई, दिनाक 11 जनवरो 1985

निदेश सं अ ग्राई०-2/37 ईई०/5027/83-84--- ग्रतः मुझे,

लक्ष्मण दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका व्यवित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है

श्रौर जिसक. म० फ्लैटन० 702, सातवी मंजिल, 'मन स्वेप्ट~ ए' बिल्डिंग, चाल बंगलोज, बसौवा, ग्रन्धेरः (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूर्च। मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 19061 का धारा 269 क ख के अधान सक्षम प्राधिकार, के कार्यालय में रिजर्स्ट्रा है तारीख 19 मई, 1984

को पूर्वाक्स सम्पत्ति के अचित बाजार मृत्य से कम के दस्यमान अतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास **करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त संपति का उचित** बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नसिचित उद्योध्य से सक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :;—

- (क) जन्तद्रण संहुइ किसी जाव की बाबस, मोधिनयम के अभीन कर दोने के अन्तर्यक के दायित्व में कमी करने या उत्तरे ध्याने में सुविधा र्वे लिए; बौर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का जिन्ह भारतीय नामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) 🖚 प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नवा ना या किया जाना नाहिए था क्रिपान' म^र **क्रान्या** भी निष्;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क् अधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात् ६---

(1) श्रः रविशंकर उप्पूर।

कार्यवाहियां करता हैं।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रोमती रेखा कमल जोधवानी।

(भ्रन्तरित.)

(3) मै० श्रोशिवरा लैण्ड डेवलपमेंट कम्पन. प्राइवेट लिमिटेड ।

(ग्रन्तरित.)

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभाग में सम्पत्ति है)

को बहु स्थान जारी करके पूर्वांभत सम्पात्त के अर्थन के निष्

उक्स सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सी 45 दिन की अवधिया सत्संबधी व्यक्तियों पर सुषना की तामील से 30 विन की बयीध, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थ्योकर्णः--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैटन० 702, जो सातवी मजिल, 'मनस्वेप्ट-ए', बिल्डिंग एस० नं० 41 (पार्ट) के प्लाट नं० 353 पर, चार बंगलोज, वर्सोत्रा ग्रन्धेरो (पश्चिम), बम्दई-400058 मे स्थित है। भ्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० अप्राई०-2/37 ईई०/5027/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारं/, बम्बई द्वारा दिनांक 19 मई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

तारोख . 11-1-1985

मोहर 🖫

प्रस्त बाहा हो एक एस .

आयकर आधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धा 269-थ (1) के अधीन सूचना

577 e 150

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वस्वई, दिनांक 11 जनवरी 1985 निदेश सं० अई०-2/37 ईई०/5028/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसके: स० फ्लैट नं० 701, सातवी मंजिल, 'सनस्वेण्ट-ए" विल्डिंग चार बंगलोज, वर्सीवा, ग्रन्थेर. (पिष्चम), बम्बई-400058 में म्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्व ग्रनुसूच, में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधि-नियम, 1961 के धारा 269 के ब के ग्रधःन सक्षम प्राधिकार के कार्यालय में रजिस्ट्रा हैंज़ारीख 19मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए प्रकारित की गई की ए एस पह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकत से, एं एस्थयान प्रतिफल का पन्द्र ह प्रतिगत से याच्यक है और स्थाप (यन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) र बोव स्थ यन्तरकों किए तय पाया गया प्रतिफल, निमालिकित उन्हेर के उसल प्रन्तरण निकित में बास्तिक के जाया सही के स्थित स्थ

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

> > 1,

(ख) एसी किमी लाय या किसा धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण के, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च को उपधारा (1) के अधीन, िम्मिलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ध---

(1) श्रेशिलाहद काकर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कमल सेवाराम जोधवानी ।

(ग्रन्तरितीं)

(3) मे० ओशिवरा लैण्ड डेवलप० नं० (प्रा०) लि०

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को गह सुचना जारी करके पूर्वित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकनें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

पलैट नं० 701, जो सातवीं मंजिल, 'सनस्वेप्ट-ए' बिल्डिग, एस० नं० 41 (पार्ट) के प्लाट नं० 353 पर, चार बंगलोज, वर्सीवा, ग्रन्धेरी (पश्चिम), वम्बई-400058 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० ग्राई०-2/37 ईई०/5028/893 1984को रजिस्टर्ड कथा गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11-1-1985

मोहर 🖁

अक्या आहू<u>र्</u>टी<u>.</u>एन .एस . 🕬 🕬 🕬

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में मुभीन सूच्या

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जामकार जायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

सम्बर्ध, दिनांक 11 जनवरी 1985 निवेश सं० प्रई०-2/37 ई०ई०/5031/83-84---मतः

मुझे, लक्ष्मण दास

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से विधिक है

भीर जिसको सं० फ्लैट नं० 701, सातवी मंजिल, 'स्काय-लार्क-बा', चार बंगलोज, वर्सोबाधन्धेर (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन सक्षम, प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 19 मई

को पूर्वों कर संपत्ति के उपित बाजार मूस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण हो कि यथाप्योंकर संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पल्कह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पांचा नवा प्रतिकृत, निम्निजिति उपुरुष्य से उस्त अन्तरण लिखित के बास्तरिक स्पूर्व कर्मिन नहीं किया नवा है है—

- (क) बन्तुहुन् से हुन्द्र किसी जान की बाब्द्ध, उन्तर बीभृतिद्य को बभीन कर दोने के बन्तुहुक को सायित्य में कभी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; बीद/बा
- (क), एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर सिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- ऋर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिजार्थ अन्यस्तिति वृद्यार प्रकट नृहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा वी निष्य ।

अत: अय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) मैं० जें० एस० कालपोरेशन।

(भन्तरक)

- (2) श्रोमती गीता ग्रम्बिनी कुमार पटेल। (ग्रन्तरिती)
- (3) मै० श्रोशिवरा लैण्ड डेबलपमेंट कम्पनी लिमिटेड ।

(वह व्यक्टि, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचमा भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन् के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कीई भी वाक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीस से 45 विन् के भीतर उक्त स्थानर सम्मति में हितबब्ध किसी भून्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

पलैट नं ० 701, जो सान्त्री मजिल, 'स्कायलार्क बिस्छित की, एस० न० 41 (पार्ट) के प्लाट नं ० 89 वार बंगलोज, वर्सोपा, ग्रन्धेरी (पश्चिम), अम्बई-400058 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं अई०-2/37 ईई०/5031/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनांक 19 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरक्ष्मण) मर्जन रेंज-2, बम्बई

तारी**ख** · 11-1-1985 मो**ह**र ⊈ प्रकर्ण नार्धे हु दी , एक . एक . - - --

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ' 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत दरकार

कार्यांतय, सद्धायक कार्यकर सामक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांकः 4 जनवरीः 1985

निदेश सं० श्राई०-2/37 ईई०/5033/83-84-श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के नभीन सक्म प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० यूनिट नं० 210, सोना उद्योग प्रसेमा को०-श्रापरेटिव सोसाइटी लि०, पारसी पचायत रोड, श्रोल्ड नागर दास रोड, श्रन्धेरी (पूर्व), बम्बई-400058 मे, स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूच। में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 क धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4 जनवरो 1985

को पूर्वोक्त समपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य उसके उत्यमान प्रतिफल से, एसे उत्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्) और अंतरिती (अंतरितियार) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीलिखत उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, प्रक्त मिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के वासित्य जें अभी अनुसे या उससे वचने में सुविधा के लिए; बार्/वा
- (च) एसी किसी भाग या किसो भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अं प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में मृविभा वे निएं।

कतः: जयः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः (1) मै० मल्यूमिनियम फेन्निकेट्सं।

(बन्तरक)

(2) मैं० रिलायन्स प्लास्टिक्स । .

(मन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यविष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हू---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रायः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्यों का, जो उक्त जिभ्नियम के सध्याय 20 क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वदा है।

"यूनिट नं० 210, जो सोना उद्योग प्रीमिसेस को-भापरेटिव सोसाइटो लि०, सोना उद्योग प्रीमिसेस, पारस. पंचायत रोड, श्रोल्ड नागर दास रोड, श्रन्धेरी (पूर्व), बम्बई-400069 में स्थित हैं।"

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई०-2/37 ईई०/5033/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई द्वार दिनांक 19 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~2, बम्बई

तारीख: 4-1-1984

त्ररूप आहें.टी.एन.एस. -----

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर वाय्वत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० अई-2,37 ई०ई०/50598/3-84—अत: मुझ, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000 - रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लंट नं० 74, पांचवीं में जिल, 'सी" विश रोत अपार्टमेंटस, जी० पी० रोड, के सामने चार बंगलोज श्रोशिवरा, वर्सोवा, अन्धेरी बम्बई – 400059 में स्थित है ग्रौर इससे उपाग्रद्ध अनुचची में श्रौर पूण रूप से वणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री हैतारीख 19 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्म है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संधूदं िकसी बाय की साबस, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक औ वायित्य में कमी करने या उससे वचन में सृविधा के लिए और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृविधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपणारा (1) के अधीन निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीहीरालाल लिलत कुमार एण्ड कम्पनी। (अन्तरक)
- (2) श्री भगवन्ती पृरुषोत्तम सुखिजा। (अन्तरिती)
- (3) अन्तरक

(वड **ब**र्याक्त, जिनके अधियोग में सम्पत्ति में है)

को यह सूचना जारी करके प्रतित गम्पिल कं नर्जन की किए कार्यवाहियां श्रूक करता हूं।

उनत संपत्ति के धर्जन के पंजध या को है भी आक्षेप : ---

- (क) इस सूचना के राजदश्त में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्टिन म किए जा राजेगा।

स्याद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ, वहीं अर्थ होंगा जो अध्याय में दिया गया है।

श्रनसूची

"पलैट र्न० 75, जो पांचवी र्माजल. 'सीं' विंग, रोहित अपार्टमेंटस, प्लाट नं० 52, जे० पी० पूरीड, के सामने, चार बंगलोज, श्रोणिवरा, वर्मोवा, अन्धेरी वम्बई-400059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम मं० अई०-2/37 ई०ई० $/5059^l$ 83-84 मीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-2, बम्बई

तारीख : 11-1-1985

मोहर 🛭

(अन्तरक)

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 69-५ (1) के अधीन मुचना

बारत बहुका

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जनरेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 11 जनवरी 1985

निदेश स० अई०-2, 37ई०ई०/5060/83-84-अतः मुझे, लक्ष्मण दास अयल्ट अधिनियम् 1961 '1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गर्या हैं), की भारा 269-क के अधीन मध्य प्रधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है ित स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25000 रु० से अधिक हैं

जश्रौर जिमकी सं० फ्लट न० 17, पाचवी मंजिल, 'एँ विंग, रोहित अपार्टमेंटस, जे० पी० रोड, के सामने, चार बगलोज, ओशिवरा, वसोंवा अन्धेरी पश्चिम), बम्बई—59 में स्थित है श्रौर इससे उपावद्ध अनुचची में श्रौर पूर्ण रूप से विणितहैं), श्रौर जिसका करारनामा रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय ब वम्बई में र जिंद्दी है तारीख 19 महैं, 1985

को पर्वावत मपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान मितफल के लिए चंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि सथाप्डोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उमक क्यमान प्रात्पत में गासे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह मितकान में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिमयों) के बीच एसे अन्तरण के निए तथ पाया जया भागण निम्नीलिंकित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निम्नीलिंकत में

- (छ) बल्ल्या संहर्ष किसी बाय की बाबत, उक्स यो १०० इंडिंग बार पार के अन्तरक के प्रियास के बाली का या उससे बचने में सुविधा पार और डा
- े एन किसी बाय था किए उन या अन्य बास्तियों , ि ने भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1027 की 11 या उपन अधिनियम, सा जनम्य भीति के 127 (1957 की 27) के एय अन्धे अत्रिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया त किया के निष्

(1) श्रीहीरा लाल ललित कुमार एण्ड कम्पनी।

(2)जश्री हरीप्रसाद गर्ग।

(अन्तरक)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के रिप्ए कायवाही शुरू अपता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन ने भवध में कार्र भी बाक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों धर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि. जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींकर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दवारा,
- (ख) इस सूचना के राजण्य में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किमी व्यक्ति द्वारा, अकोहस्पक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरें।

स्पर्टीकरण --- प्रमुश्त प्रव्यों और पर्यों का, जा उक्त अधिनियम के उध्याय 20-क में परिश्लीषत वी वनी पर्य हागण तो स्पारण मार्गित गया है।

ग्रनुसूची

फ्लैंट न० 17, जो पांचवी मंजिल 'ए' वि०, रोहित अपार्ट् मेट्स प्लाट न० 54, ज० पी० रोड, सामने, चार बगलोज, ग्रोशिवरा, वर्सोवा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400 059 में स्थित है ।

अनुसूची जैंसा कि कम स० अई०-2/37 ई०ई० 5060/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बहै द्वारा दिनाक 19 महै, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2 बम्बर्ड

तारीख 11-1-1985 मोहर: प्ररूप बाह्र टी. एन. एस. - - - -

अप्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धरा 264 घ (1) हे अधीन स्वना

भारत सरकार

भाषालय महत्यक मार्थ आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक । जनवरी 1985

निदेण स० आई $^{2}-2/37$ र्ट्ड 15062 $_{1}83-84$ -अत मुझे, लक्ष्मण दास

मन्द अधिनियम, 1961 (1061 का '3) (जिसे एपमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा २०७-स के अधीन संश्रम प्रांतिकारी को यह विकास करन म कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु में अधिक हैं

श्रीय जिसकी स० पलट न० 306, तीसरी मजिल, 'सुन्दर पार्क, 'ए' विल्डिंग, अन्धेरी (पश्चिम), वस्बई—58 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुस्ची में श्रीर पर्ण प्प से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यीत्य, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख तारीख 19 मई, 1984

का पर्वोदन सम्पत्ति के उचित ताजार मन्य में कम के द्रायमान प्रतिपन में लिए अन्तरित में गई है बार मने, यह विश्वास करन का उस है कि यशापविध्य सम्पन्ति का उचित दासार मृन्य, उसके रूथमार प्रतिकान से, एसे रूथमान प्रतिकार का पद्रह प्रतिशत से अधिक के और अंतरक (अंतरमा) और अनिर्में (अन्तरितिया) के बीच पान अन्तरण में निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिविद्या का स्थार नहीं फिया गया है --

- (क) अन्तरण में हुई किसी आध का बावत, उथन जीवनियम के अभीत कर दाने के राज्यका के बारियद में नसी कर या तसर कर गांत कर के लिए: और/मा
- ण्ड) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 'धान्यम याज्या कर जो धोनयम १८०

के निग्

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-छ टी उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्था --

(1) म० सृत्दर क्लस्ट्रक्शन कम्पनी ।

(अन्तरक्)

(2) श्रीपती सातन्त कोर अमीरचन्द सिंह एलावादा ।

(अन्तरिती)

भा यह शूचना जार, बारको पूर्वावल मध्योल क अर्मन का लिए

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाद प

- (क) इस स्तान वे गाजाण मा प्रात की तागा कर 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी आक्तियों पर मुचना की ताणील मा ३० रेटा की अविधि जा भी अविधि बाद भा न्यापत हानी हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों भा जा करी एर्ट दशरा
- (ख) इस सूचना । राष्ट्रण मा प्रताशन की तारोब से 45 दिन के भीतर एक स्थावर सम्पन्ति । हितबदेश किसी अन्य प्रान्त रवात अधोहस्ताकरा के पास तिराह्म राष्ट्र । एक स्थान

निष्याक्षरण'—-द्रथम प्राप्त गृह्य । ३० ८ । जो उदस् अधिनिया, गांगा () क्रांच परिभाषिण सौ प्राप्त भागा, गांच गांद स विका समाही।

अन्स्ची

फ्लैट न० 306, जो तीसरी मजिल, 'सुंदर पार्क 'ए', विल्डिंग, अन्धेरी पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है। अनसूची जैमा कि कम स० आई०-2/37ईई०/5062/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 19 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षत प्राधिकारी
महायक चागकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, बम्बई

नारीख 11-1-1मैं °5 महुः

प्ररूप बाह्र टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० आई0-2/37 ईई0/5063/83-84—अत मुझे, लक्ष्मणदास

बायकर अधिनिया , 1961 (1961 का 4.) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उत्तत अधिनियम कहा गया है , की या 269-ख के अधीर सदाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपात्त, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी सं० पलैट न० 408, जो वौथी मजित, 'बी' विल्डिंग, सुन्दर पार्क, वीरा देसाई रोड, के सामने, अन्धेरी (पश्चिम), बम्नई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुची मे ग्रौर पूर्ण रूप मे विणित है), प्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 19861 की धारा 269 कख के अधीन बम्दई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 19 मई,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए राजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है मुक्ते यह विश्वाप करने का प्रारंप है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत सी अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ओर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्तित मे वास्तिविक रूप से किथित नही किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई । कसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के सन्तरक की दायित्व में कभी करन या उससे बचने में स्विता के लिए; और/सा
- (ख) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिगयन, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में यतिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , में, सक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा 🗥 के अधीन. निम्नलिसित व्यक्तिया 'अर्थात्.--

TO THE STATE OF THE PROPERTY O (1) मै० गुन्दर कन्म्टक्शन कम्पनी ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री मदन गौरी अमृत लाल कपाडिया
 - 2. जश्री अमृतलाल गोपाल दास कपाडिया। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पोत्त के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्चना क राजपन म प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुचन को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभि दाइ म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिया म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ि इस र पा के राजपक में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मे हितबद्ध किसी 🖂 प्रक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस लिका भाग । जा सक्यो।

.सष्टोकरण:--- एसमे ३५३। शब्दा और पदा का जो उक्त की राम, के अध्याय 20- ह में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा नो उस अध्याय में दिया मध्य दें,

अन्सूची

पर्लंट न० 108, जो चौथी मन्जिल, बिल्डिंग 'बी' सुन्दर पार्न, तीरा देसाई रोट के सामने, अन्बेरी (पश्चिम), बम्बई मे रि , है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अजेंन रेंज-7, बम्बई

तारीख 11-1-1985 मोहर .

प्ररूप आहुर, टी. एन. एस.-----

माशकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा >69-व (1) के लधीन सूचना

भारत सरकाड

भाषालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेज-2, बम्बई
बम्बई, दिनाक 11 जनवरी 1985

निदेश स० म्राई०-2/37 ईई०/5085/83-84--म्र 3 , सक्ष्मण दास

भायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर मम्पिर, जिल्का उच्चित बाजार मूल्य 25,000/-रुक में अधिक है

श्रीर जिसकी म० फ्लैट न० 1, मातवी मजिल 'ग' विग, द्वल टावर्स, श्रीशिवरा विलेज चार बगलोज, जे० प रोड, वर्सीवा श्रन्धेर। (पश्चिम), बम्बर्ड में स्थित है (श्रीर इसस उपाबद्ध श्रन्भूचों में श्रीर पूण रूप संविणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्राय र अधिनियम, 1961 की धारा 269 स्ख के श्रधीन सक्षम प्राधियारों के कार्यालय, बम्बर्ड में रिजस्ट्रो है तारीख 19 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति क उत्ति वाजार मूल स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हाँ और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यभापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एन दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक ही आर अारक (अतरका) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरूण के सिए तम पामा गया प्रति-क्या निम्मीसिवित उद्योग्य में उन्त अन्तर्श निचित्त में आस्त्रिक का श्रे कारिया गया है ---

- (क) अन्तरण संहुइ किनी काय की नागा उपन नाध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक ले द्वायस्य में अभी करने मा उसने बचने में सुविशा के लिए, बीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या बन्य मास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा अकट नहीं किया गर्भ या कि एक जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्— (1) इन्द्रजात प्रान्टीं जप्रांनिमटेड।

(ग्रनरक)

(2) श्री श्रीर श्रीमता राम म्लचन्द शिवलानी । (श्रन्तरिता)

का यह श्वना बारी करके पृत्रांथल सम्बरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म आहे भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्थाध या तत्मम्यन्धी व्यक्ति । ए सत्त्रन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाध मा समाप्त हाती हो, के भोतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (था) इस सूचना के राजधार में प्रकाशन की तारीथ से 45 दिन के भीतर के रखान सम्परित में हित सूच्या अधाहस्ताक्षरों के पान लिकित में कि का राज्य स्थारा अधाहस्ताक्षरों के पान लिकित में कि आ राज्य

स्वाकरण:—हरमा प्रयुवत कव्या और घटा है, जा उसर अधिनियम के अध्याय 2) के मा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा का उस अध्याय है। मया है।

नन्स्वी

फ्लैट न० 1 जो मानवी मजिल भू विग, निर्माणाधीन ईमारत ट्वन टावर्स, ग्लाट न० 8-ग, एव 8-बी एम० न० 41 पार्ट ग्रोशियरा बोलेज, चार बला जे०पा० राइ के सामने वर्मीवा; अन्धेरा (पश्चिम) बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम म० श्राई-2/37 ईई०/5085/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई हारा दिनाक 18 मई, 1984 को रजिस्टई किया गया है।

नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) प्रजैन रेज-2, बम्ब**ई**

तारीख . 11-1-1985 मोहर : प्ररूप आई टी एन एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

बारस सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनाक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्राई०-2/37 ईई०/5091/83-84-श्रतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उदत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है 1 क स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ क. से अधिक है

श्रीर जिसको स० फ्लैट न० 201, दूसरा मजिल, बो नं० 1 'श्रल मदाना, मिवत नगर, श्रीणिवरा बिलेज, बेहराम बाग, के पोछे, जोगेण्वरा (पिष्वम), वम्बई—58 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्व का साणत ह) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रीधानयम, 1961 का वारा 269 क ख के श्रधान सक्षम कावकारी के अविलय, वम्बई में रिजस्द्रो है ताराख 21 नई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल सं, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितयों (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हा नारतीय आसकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) क प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारः प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, जिन्माने के स्थाधा के स्थि;

अतः अवः, उन्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत है—

(1) श्री जेड० बुखारा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रोमतो ज्ञाकिया एम० नजीम ग्रन्सारी।

(अन्तरिती)

भी यह स्थान वारी करके प्वाचित सम्परित क बजन की लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील म 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवाक्त व्यक्तिया मं से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्प्रिटोकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त वीवी कि के अध्याम ूर्यक व प्रभाव है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याद में दिया गमा है

ग्रनुसूचा

प्लैट न० 201, जो दूमरो मंजिल, विल्डिंग नं० 5, 'श्रल मदोन' मिल्लत नगर, एस० नं० 41 (पार्ट) श्रोशिवरा विलेज बेहराम बाग के पाछे, जोगेश्वरा (पश्चिम), बम्बई— 400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम स० आई-2/37 ईई०/5091/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 21 मई। 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 10-1-1985

मोहर 🔞

į

प्ररूप आई. टो. एत. एम -----

The same of the contract of the same of th

आयवर अधिनियम 1961 (1961 वा 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

गार्ट नरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनाक 10 मई 1984

निदेश स० ग्रई०-2/37ईई०/5093/83-84--ग्रत., मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनग्रम, 1961 (1961 का 43 (जिसे इसम इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गण है।, की धारा 269-ख लें अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्रम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. विभिन्न उचित अजान नृत्य 25,,007 र में अधिक है

श्रौर जिसको म० फ्लैट न० 304 त २, मज्जि, व न० श्रोशिवरा विलेज, बेहराम बागे छे २ छे, जोगेण्वर (पश्चिम), वस्तई-400058 में स्थित है (श्रीर वस्ते उत्तव अनुसूच। में श्रौर पूर्ण रूप से विण्त हो) श्रौर जिसका - रारक्तमा अयकर श्रिधित्यम, 1961 क धारा 269 का के प्योन नार्थेख 21 मई 1984

- (क) जन्तरण संहुई किसी अप की बाबत उक्त अधिक नयम के अधीन कर तीन के निष्या के दायित्व मी अभी करने या उससं बचने में शिक्षा के लिए; और या
- (१९) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय अध्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) था उत्पत्त अधिनियम, या धर तक अधिनियम (1957 की 27) के अधिक चीर किया प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चीहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बत बद, उक्त विधिन्यम की धारा 269-ण के अनुसरण गंभाँ, उन्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपभारा (1) क तकान विकास विकास की स्थान क्री

(1) श्रा श्रियादान ब्खारा।

(भ्रन्तरक)

(2) अ। महबब रहमान युल्ला।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना गर करक प्रवोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कायवगहरू का है।

उक्त सम्पात क अजन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षेष .--

- (क) २म मुक्ता के राजपत्र म प्रकाशन की तारीस स 45 दिन को जबिश का लक्षेत्रं भी व्यक्तियों पर स्वार को तामील स 30 दिन की अविध, जा भी अवाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत ज्यक्तियों में से किसी व्यक्त द्वारा;
- (अ) इस सूचना क राजण्य मा प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के क्रिक्ति मा कि जा क्रिक्ति।

स्पष्टीकरण:—इसमा प्रयुवत शब्दी कीर पदों का, जो उनते अपर्धाप्यत, अध्याय 0-क म परिभाषित हो, यहा पा होगा, आउस अध्यास मा दिया गयन हो।

अनसची

मलैट न अ 304, नो नासर भोजन, विल्डिंग न 5, म्रल महीना गिन्दन निर्मे १५० न 41 (पार्ट) म्रोशिवरा विसूज, बेराम बाग के नाछे, जोगेण्यरा (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूनी जैमा कि अम में ग्रई० 2/237 ईई०/5093/ 83-84 और जो मनम शांध कारी, वस्बई द्वारा दिनाक 21 मई, 1984 को रिजिटर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण टास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तार ख 10-1-1985 मोहर .

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 180 ए (1) क वधीन सचन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेंज-2. वस्बई

बम्बई, दिनाक 10 जनवर, 1985

निदेश सं० ग्राई-2/37 ईई0/5100/83-84—ग्रतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की शास 269-ख के अधीन सक्षम अधियार का, यह जिल्ला का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 504, पांचवीं मंजिल, बो नं० 11, 'श्रल श्रराफत', मिल्लत नगर, शोणिवरा दिचेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरों (पण्चिम), ब्रम्बई—58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूच, वे श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रीर जिसक करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 280 कक्ष के श्रीने सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, वम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 21 मई. 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के चित बाजार मूल्य स कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि अथाए बोंक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान पितफल स एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिंक उद्देश्य से उक्त अन्तरक, निष्कित में वास्तरिक रूप में उसले अता गया हैं -

(क) वनसम्भ से वृद्धे किसी बाय की वावस, उनस्स बीधिनियम ी अभीन कर दोने के बन्तरक कि बाधित्य भे कभी करने या उसमें बचने में स्विधा के निष्, शाँग र

ी निर्माण सिंदारों को जिल्ला सारकीय आयंकर की जिल्ला सारकीय आयंकर की जीवयंक, 1922 (1922 कर 11) या उनते की की जिल्ला में सुविधा की निए;

जत: जब, उका विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, औं, उक्त भीतियम की गा। 269-घ की उपधारा (1) के अधीन िम्निलिचिन स्यक्तियों, अर्थोत .--- (1) श्रीणियादः वृक्षार।।

(ग्रन्तरक)

(2) भागव्यं र ग्रहमद खत र ।

(श्रन्तरितो)

को यह सूचना जारा ६४क प्*वाक*त नामात्त के अर्थन है। हिन्द नामका हमा।

उक्त सार्यात्त क अर्जन क सम्बन्ध म कोई भी आक्षय :---

- (क) इस सूचन । को राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 4.5 रिंग की प्राप्त भा तत्मंवणी व्यक्तियों पर सूचना की तामील र 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि अदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस सूचना के रजपत्र मो प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उथह स्थावर सङ्गी म हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति तृत्राच प्रधाहस्ताक्षरी के पास निख्त में किए डा एकंगा।

स्पष्टीकरणः --- इसके प्रयुक्त करती और नदाँ का, जो उक्त जिल्लीनयम, जे जानिन देशाय 20-क में परि-भाषित हैं. वहीं अर्थ कि जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

पलैट नं० 504, जो पाचवीं भजिल, बिल्डिंग नं०, 11 'श्रल श्रराफत' मिल्लत नगर, रस्तनं० 41 (पार्ट), श्रोशिवरा विरोज , बेहराम बाग के पोछे, जोगेश्वरे (पश्चिम), बस्बई— 400058 में स्थित है ।

श्रनुसूच। जैसा कि कम मं श्राई०-2/37ईई०/5100/83-84 श्रीरजो सक्षम प्राधिकारो, वम्बई द्वारा दिनांक 21 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास ाक्षम प्राधिकारी नहायक आय — झापुक्त, (निरीक्षण) मर्भन रेंग्र—2. तम्बई

हर**ेख** 10−1−1985

माहर :

प्ररूप बाईं. टी. एत. एस.-----

शायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीर सूचना

भारत सरकार

कार्धालय , महायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जनवरी 1985

निदेश सं० श्राई०-2/37ईई $\circ/5113/83-84$ —स्रत \cdot , मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकाः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

25,000/-रु. म आधक ह और जिसकी सं० शाप नं० 3, तल माला, बी ए-1, ग्रंकाल को० ग्रापरेटिव हाउनिंग सोसाइटी, वकाला, ग्रन्धेरी (पूर्व), वम्बई-400058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री तारीख 21 मई,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य. उसके दृश्य-

कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्य-मान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ओधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसम बचरे में मृजिधा के लिए अर्टिश
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवट तहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में ेर्ड के रिल्

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण ग, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अअधिम, निम्निलिखिन व्यक्तियों, अधिक है (1) मै० ग्रोमेक्स विल्डर्स एण्ड कन्ट्रैक्टर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) 1 १ नरेन्द्र एम० गुप्ता तथा श्रीमतालक्ष्मा एच० गुप्ता।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके एवं।क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति क अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध . ज्ञां भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों मों से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विवाद किसी के पास

स्पष्टीकरण:—इसमो प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियत को प्रयाय 20-क मो परिभाषित ही बही नथ होगा को प्रस्न अध्याय मो दिया गया है।

वन्स्ची

शापन् 3, जोतल माता, विल्डिंग ग्रकाल को० ग्राप-रेटिव हाउसिंग सोलाइटा जनाता, ग्रन्जेरी (पूर्व) बम्बई-400059 में स्थित है।

स्रानुसूची जैमा ि कम सं अई०-2/37ईई०/5113 83-84 स्रीर जो सक्षम प्राधिकार , बम्बई द्वारा दिनाक 21 मई, 1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सह यक प्राप्यकर ग्राप्युक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-2, बम्बूई

तारीखे .-1-1985 मोहर : प्ररूप नाई.टी.एन.एस------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भाइत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जनवरी 1985

निवेश सं० ग्रई०-2/37ईई०/5114/83-84—मनः, मुझे, लक्षमण दाम,

आयंकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/-रु. में अधिक है

श्रोर जिसकी सं शाप नं 3, तल माला, बिल्डिंग ए-1 धकाला कोश्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी वकाला, अन्धेरो (पूर्व), बम्बई-400069 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से बिणित है), भीर जिसका करारनामा अध्यकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन, बम्बई में र्गजस्ट्री है तारीख 21 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्त्रित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य स्मन्ने दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वास से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त बन्तरण कि विश्व के वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;
- अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :--56-466GI/84

- (1) मैं ० स्रोमेक्स बिल्उर्स एएड कन्ट्रैक्टर्स । (श्रन्तरक)
- (2) 1. श्रोभूपेन्द्र एस० गुप्ता और
 - 2. श्रोनरेन्द्र एस० गुप्तालधा
 - 3. श्रोमती भूदेवी एस० गुप्ता।

(भन्तरिती)

चो बह ब्रुचना चारी करके प्यॉक्त सम्पत्ति से अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरु करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाशेष:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और दवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्यी

णाप नं० 2, तल माला, बिल्डिंग नं० ए~1, श्रकाल को० श्रापरेटिंग हाउसिंग सोमाइटी, वकाला, श्रन्धेरी (पूर्व), बम्बई— 400069 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम मं० श्राई०-2/37ईई०/5114/83-84 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 21 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण**) श्रर्जन रेंज-2, बम्ब**र्ड**

तारीख: 1-1-1985

मोहर ;

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, बम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० माई०-2/37 ईई०/5116/83-84--म्रतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 40, चौथी मंजिल, श्रन 'अराफत' बिल्डिंग, नं० 12, एस० नं० 41 (पार्ट), श्रीशिवरा विलेज, वेहराम नाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), वस्वई-400058 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद अनुमूची मे श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रीधनियम, 1961 का धारा 269 क ख के श्राधीन सक्षम प्राधिकारी के, कार्यालय, वस्वई मे रिजस्ट्री है 21 मई, 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जलके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथा गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई िकसी आय को बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अंतरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिविधित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जियाव्दीन बुखारी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रोविलयाल्ला हुसैनी ए० पी० पीरजारे। (ग्रन्सिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की उनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्त्राक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्यूची

फ्लैट नं० 401, जो चौथी मंजिल, बिल्डिंग न० 12, एस० नं० 41 (पार्ट), 'ग्रलथाफन' ग्रोशिवरा विलेज, मिल्लत नगर, बेहराम वाग के बाग के पीछे, जोगेश्वरो (पश्चिम) वम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई०-2/37 ईई/5116/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, के बम्बई द्वारा दिनांक 21 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीखा : 10—1—1985

महिर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

अध्यक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 11 जनवरी 1985

निदेश मं० ऋदे०-2/37ईई०/5146/83-84---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दाम

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लाम करन का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० णाप नं० 3, नलमाला 'सरोज श्रपार्टमेट्स', विव्डिंग, मुलगाव विलेज, महा काली केव्हज रोड, श्रन्धेरी (पू०) बम्बई-400099 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिटियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 2 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित क्वी गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्त्रींक्त सम्पत्ति का उत्तति वाजार मूल्य, उसके एरयमान प्रतिफल सं, एसं इत्यमान प्रातफल का पन्द्रह प्रातिशत में अधिक हों और अन्तरिक (अन्तरका) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे कंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिश्वित उद्देश्य से अक्त मेंतरण निश्चित में शास्तींबर्क रूप से कीथत नहीं किया गया है:--

- (क) बीवरण में हून किसी बाय की बाबत. , उसल विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के टायिता में कमी करते या उसने बचने में सुविभा के लिए, बॉर/या
- (N) ऐसी किसी काय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए दा छिपाने में सींवधा के लिए,

(।) मैं लसहकार जिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीता वीरचन्द गडा ।

(मन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थना जारी करके प्रवेषित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबीप या तत्सम्बन्धी न्यिक्तयाँ पद रुपना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 वित के भीतर उक्त स्थावर मण्यति में हि:- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास कि बत में किस जो सकर्ष ।

स्पष्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ana a

भाप नं ० 3, जो तल माला, 'तरोज मार्शनेंट्स', बिल्डिंग, ' सो ० ८१० एस० नं ० 13/37/2 मुलगांत्र विलेज, महा काली केव्हज्ञ शेल, श्राध्रेरों (पूर्व), बम्बई-400099 में स्थित हैं। श्रृतुस्त्रों जैसा कि कम सं० श्रई ०-2/37 ईई ०/5146/ 83-84 श्रीर जो सजम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 22 मई, 1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-2, बम्बई

717 da 11-1-1985

माहर .

प्ररूप आहें, टी. एस. एस.-------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, जम्बई

वम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० म्रर्ड०-2/37 ई०ई०/5176/83-84--मत: मुझे, लक्ष्मण दास,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 301, तीसरी मंजिल, बी नं ० 10, श्रीशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई—400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण ६० में विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधानयम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम श्रीधकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 23 मई, 1984

को पूर्विक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द है और मृश्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिसित में बाररिवृक्त क्य से किश्त तहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविभा के लिए; और/मा
- (क) प्रेसी किसी आर्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरक भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपकारा (1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अधारत क् (1) श्री शिया उद्दीन ब्खारी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री उस्मान ग्रली मोहम्मद ।

(भ्रन्तरिती) -

का बहु सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्मिति के अर्थन के निष्

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्धारा;
- (व) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिबित में किए जा सकींगे।

स्वच्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वगस्त्री

"फ्लैट नं० 301, जो तीसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० 10 'भ्रल मुना' मिल्लत नगर, एस० नं० 41 (पार्ट), श्रोशियरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पिश्चम), बम्बई—400058 में स्थित है।"

ग्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई०-2/37 ईई०/5176/, 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23 मई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहस्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2; बम्बई

तारीख : 10~1-1985

मोहरः

प्रकृष मार्ड ् टी ् एन . एस . ------

मायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रज-2, त्रम्बई

वस्यर्र, दिनांक 10 जनवरी 1985 निवेश मं अप्रदेश-2/37 ईडिंश/5177/83-8 --- प्रत मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राध्यकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसका में प्रभित्त के 702. मानवी मिजल की नं व 3, श्रीणिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पिश्वमी), बस्बई—400059 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं) घौर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रीवित्यम, 1961 ती धारा 269 के खें के श्रीवीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रिजस्ट्री है तारीख 23 मई, 1984

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपित्स का उचित बाजार मूल्य उमके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण संहुर्ज किसी बाव की बावत, खक्त क्रिंपिनियम के अभीत कर दोने के बन्तरक के बाबिटल में फ्रामी करने दा उससे बचने में सुविधा के निए; बॉर/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कृर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम. या प्रान्त्र को भीनयम. या प्रान्त्र को स्थाजनार्थ अन्तरियम. 1957 (1957 का 27) के के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूजिधा से सिए;

शत: अब, उथत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

■ अधीन, निम्नोलिश्वित व्यक्तियों अधीत ----

(1) श्रीशियाउद्देश बुखारी।

(भ्रन्तरक्)

(2) श्रीमती श्रश्नीदा शानी श्रमान् उल्लाखिलजी।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्विकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवादा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उचत स्थात्रर सपस्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहाँ अर्थ होगा, जो उत्त अध्याय में विमा नया हाँ।

प्रनुसूची

"प्रलेट नं० 702, जो सात्रवी मजिल, बिल्डिंग नं० 3, प्रिल मार्वा, मिल्लिन नगर, एन० न० 41 (पार्ट), श्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई—400058 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि कम स० श्रिडं०-2/37 ई०ई०/5177/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23 मई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजन रेंज-2, बम्बई -

नारीख: 10--1-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वस्त्रई

बम्बर्ध, दिनाक 11 जनवर। 1985

निर्देश स० श्रई०-2/37 ईई०/5186/83-84--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी यो यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसको स० पलैट नं० 204, दूसरो मंजिल, 'श्रकार्ड बें।' विल्डिग, एस॰ नं० 41 (पार्ट) के प्लाट नं० 17, चाएवंगलोज वर्मोवा, अन्धेरो (पिश्तम). त्रम्बई—400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधानियम, 1961 को धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में राजस्ट्री है नारीख 23 मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिफल से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उवत् अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ।——

- (क) अन्तरण से हुइ^६ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के-अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) कुमारी ग्रर्चना चौपड़ा

(अन्तरक)

- (2) श्री भगवान लोकराम चाबलानी।
- (4) मै० म्रोणिवरा लैण्ड डेवलप० कम्पनो प्राइवेट लिमिटेड।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मन्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख़ से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मम्मी

फ्लैट नं० 204 जी दूसरी मंजिल ''ग्रकार्ड बो'' बिल्डिंग एस० नं० 41 (पार्ट), के प्लाट नं० 17 पर, चार बंगलोज क्सोंबा, श्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में रियत है

श्रनुसूची जैसा कि कम मं० श्रई-2/37 ईई०/5186 83-84 श्रीरजो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23 मई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, यम्बर्द

तारीख : 11-1-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ध।रा 269-ध (1) के बधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985 निदेण सं० अई०-2/37 ईई/5201/83-84--अत: मुझे,

लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. में **अधिक ह**ै

श्रौर जिसकी नं० फ्लैंट नं० ए-201, जो दूसरी मंजिल, 'ॲटलम' अपार्ट मेंट्स, चार बंगलोर, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400050 में स्थित है (ग्रीरइसमे उपावढ़ अन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 25 मई

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के खरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्स सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके शरयमान प्रतिफल से, एसे शरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-फल निम्नेलिकित उद्दोश्य में उक्त अंतरण लिखिन में वास्तविक रष र स्टा न्ट्रा किया पण ले ०००

- ^(क) अस्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्ल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
- (च) ए`सी किमी जाय या किसी धन या अन्य आस्सियों भा, १२८ गरनीय दाय-कार अधिमयम, 1922 (1922 का 11) याउक्त अभिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधाके लिए;
- 🎤 अतः थव, उक्त अर्थिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं ० आपिक्स कल्स्ट्रक्शन् र ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्राजाय आर्नलण्डो कादनर
 - 2 श्रीमर्ता बर्था मैन्युल कडनर ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोर्ड भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उद्धत स्थावर सम्पति में हिरबद्ध किंगी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदीं का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया भया है.

फ्लैट नं ० ए-201, जो दूसरी मंजिल, 'ॲटलस' अपार्टमेंट, चार बंगलान, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बर्ड-400050 में स्थित है।

अनुमूर्वा जैसा कि ऋम सं० अई०--2/37 ईई/5201/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 25 सई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर भाय्क्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 11-1-1985

प्रकृष आइं.टी. एन . एस . -----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनाक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० अई०-2/37 ईई०/5203/83-84--अर्लः मुझे, लक्ष्मण दास

शायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से बिधक है

श्रीर जिमकी स० पलैप्टनं० 8-बी, तीसरी मजिल, बी नवरत्न को आपरेप्टिव हाउसिंग सोमाइटी लि०, 9वां रास्ता, राम कृष्ण मोसाइटी के पास, जै० बी० पी० डी० स्कीम, विले पालें (पिंचम), बम्बई-56 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 25 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कैम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिमत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त किंकियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दर्शभरवाँ भा कभी करने या उसमें बचने में सुविधा क मिए, और/बा
- (क) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आध-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गुगा था या किया जाना चौहा था, छिनन के सिष्धा के निष्;

अतः प्रव उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसरण हो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निस्निलिखत व्यक्तियों, अधीत :----

- (1) ।. श्राकाणवाः जोशी नथा
 - 2. श्रीकी० डी० जार्शा।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री दिलीप दिनकर परमार तथा
 - श्रीमती लालावती दिनकर परमार।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सर्वध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व में 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में स्माप्त होती हो, हे भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में में किसी स्थिक्त ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकी।

स्पट्टीकरणः — इसमां प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याप 20-क मों परिभाषित है, वहां अर्थ द्वीगा का तम अध्याप में दिया गया है।

मन्यक

पलैट नं० 8—बी, जो तीसरी मंजिल, श्री नवररन को० आपरेटिय हाउमिंग मोसाइटी लि०, प्लाट नं० 1135, 136, 137, 9या रास्ता, रामकृष्ण सोसाइटी के पास, जे० बी० पी० की० स्थीन, विलेशार्ले (पांक्तम), बस्बई-400056 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं०, अई-2/37 ईई/5203/ 83-84 सौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 25 मई, 1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर पायुक्त (निरोक्षण) ५ अर्जन रेंज-2, बम्बई

न(रीख: 10-1-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/5211/83/84-अत: मुझे, लक्ष्मण वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकीं सं० पलैंट न० 106, पहली मंजिल, 'क्षेनमोर' बिल्डिंग, चार बंगलोज, वर्सोवा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिनहा करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी है तारीख 25 मई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृतिधा के लिए; आरि/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनयम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए।

(1) श्रीमती नोत्रम किर्तीकर तथाश्री सुदीश एस० किर्तीकर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमर्ता सध्या राम शिदे।

(अन्तरिर्ता)

(3) मे ॰ ओशिवरा लैण्ड डिंबलप कं॰ (प्र॰) लि॰ (ब्ह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 चिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत्र से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सपित में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट न० 106, जो पहली मंजिल, 'केनमोर' बिल्डिंग, एस० न० 41 के प्लाट नं० 346 पर, चार बंगलोज, वर्सोन, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई--2/37 ईई/5211/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनाक 25 मई, 1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) ृ अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11-1-1985

मुक्त बाहे . दी. धृतुः। एवः ::------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन स्थान

नारत ब्ह्रकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 11 जनवरी 1985

निवेश सं० आई०-2/37 ईई/5212/83-84--अतः मुझे, लक्सणे दांस

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचर् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 203, दूसरी मंजिल, 'बेनहर डी', बिल्डिंग, घार बंगलीज, वर्सोंबा, अन्छेरी (पिष्चम), अम्बर्ड-400058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है),ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई में ग्जिस्ट्री है तारीख 25 मई, 1984 के

को प्रवीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवींक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पारा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिन में वाम्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-ेश्या के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे उचने में स्विधा के निष्; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती क्वारा प्रकट नही किया गया धा या किया जाना बाहिए था, छिपाने में मृथिधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269--घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् —

- (1) श्री इलियास हाजी सुलेमान पटेल। (अन्तरक)
- (2) श्री प्रफल कल्याणजी वासानी तथा 2. श्रीमती गिरजा प्रफुल वासानी। (अन्तरिती)
- (4) मै॰ श्रोशिवरा लैंग्ड डेवलपमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड ।

(वह ध्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्वत्ति के अर्जन के क्रिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

बक्त सम्पारत के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप 🕬

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सक्ता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर स्पित्त में तिस बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए आ सकर्ग।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया

बन्स्ची

फ्लैटन० 203, जो बूसरी मंजिल, 'बैनहर डी' बिल्डिंग, एस० नं० 41 (पार्ट) के प्लाट नं० 15/8 पर, चार बंगलोज, बर्सोबा, अन्धेरी (पिरचम), बम्बई-400058 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-2/37 ईई/5212/83-84 म्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 25 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बर्ष

तारीख: 11-1-1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निवेश सं अई०-2/37 ईई०/5216/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण वास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें। इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० पलैट नं० 304, एवं पलैट नं० 303 का पार्ट, मनुस्मृति बिल्डिंग 25 तेजपाल रोड, बम्बई-400057 में स्थित है (और इससे उपाबब अनुभूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 25 मई, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उच्चि बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण जिल्हात में वास्तविक कप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, एकत अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० नेशनल बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुमर मल आर० शाह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन की तिष् कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन का तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरकः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंटनं० 304, तथा फ्लैंटनं० 303 का भाग, जो तीसरी मंजिल, मनुस्मृति विल्डिंग, 25, तेजपाल रोड, बम्बई-400057 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-2/37 ईई०/5216/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25 मई, 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> सक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जन्वरी 1985

निदेश सं० आई०-2/37 ईई०/5219/83-84--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूरव 25,000/- रु से अधिक हैं

भौर जिसको स० प्लैंट न० डी-303, तिरारी मजिल, 'मिनल अपार्टमेंट्स प्रोल्ड नागर वास रोड, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है (ग्रीर इससे उपात्रङ अतुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, तारीख 25 मई, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्के यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वों कत संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के सधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरेर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधिकारी, निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैं ० गोयल बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री नारनदास पिताम्बर भडासियातथा
 - 2. श्रीमती नीलम चन्द्रकात भडासिया श्रीर
 - 3 श्रीमती तरुलता अरविन्व भडासिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वतरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शन्वों और पद्दों को, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सूषी

फ्लैट न० डी-303, जो ती नरी मजिल, 'मिनल' अपार्ट मेंट्स', स्रोलंड नागर दास रोड, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई-400069 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अाई०-2/37 ईई०/5219/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई ।

तारीख: 1-1-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर **धायुक्त (निरक्षिण)** श्रर्जन रेंज-2 बम्ब**ई**

बम्बई, दिनांक 1 जनवरी, 1985

निदेश सं० प्रार्दे०-2/37ईई/5220/83-8/4--प्रातः मुझे लक्ष्मण प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसको नं पलैट नं ए-302, तीसरी मंजिल, "मीनल अपार्टमेन्ट्म", ग्रील्डो नागरदास रोड, श्रन्धेरी, (पू०), बम्बई-69 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्राधितयम 1961 को धारा 269 कख के श्रयोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 25-5-1984

को पूर्वांक्त सम्पिता को उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्द और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. गोयल बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

2. (1) श्री नरेन्द्र सी० शाह, तथा

(2) श्री छोटालाल, सी० शाह

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

Married World

प्लीट नं॰ ए-302, जो तीसरी मंजिल, "मीनल प्रपार्टमेन्ट्स" जुना नागरवास रोड, भन्धेरी (पू॰), बम्बई-400 069 में स्थित है।

म्रनुसूची जैसा कि कि सं मई-2/37ईई/5220/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 25-5-1984 को रस्टिड किया गया है।

> लक्ष्मण धास सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

अत: अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, एक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

ि दिनांक 1-1-1985 मोहरः प्ररूप बार्ड टी.एन.एत.-----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बर्म्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985

निदेश स'० **ग्रई**०-2/37ईई/5248/83-84—**ग**तः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, ज्ञिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लंट नं० 203, धूसरी मंजिल, बि० कं० 7 श्रीशिवरा, विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम) बम्बई-400 058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विजत है) श्रीर जिसका करारनामा स्नायकर अधिन्यम, 1961 की धारा 269 कर्ख के स्थीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है धिनांक 26-5-1984 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित्रत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबते, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

मतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्य के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधास (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री क्षियाउद्दोन, बुखारी

(ग्रन्तरक)

श्रीमती रोशनवी मेहबूब याकिन।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां सूक्ष करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुक्तग्र;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितश्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्स्ची

पर्लंड नं० 203 जो दूसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० 7, "मलक्युबा" मिल्लत नगर एस० नं० 41 (पार्ट) मोशिवरा विक्षेण बेहराम बागके पीछे जोगेश्वरी (पश्चिम) बम्बई-58 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भई-2/37ईई/5248/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 26-5-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेंज-2 बस्बई

षिनोक 10-1-1985

प्रक्रम बार्च. टी. एर एत. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक वायकार वायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेज-2 बम्बई

बम्बई विनांक 1 जनवरी 1985

निदेश सं० (प्रर्ष०-2/37ईई/5258/83-84--- प्रतः मुझे काणा मान

बायकर किंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000/- रा में किंधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट मं० "बी" पहिली/दूसरी मंजिल ग्राभिषेक श्रपाटमेन्ट "ए-1" विक्डिंग हाउस नं० 11 ६० एस श्राई० सी० नगर के पीछे चारबंगलीज, वर्सीवा, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबस ग्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वांगत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीद्यानयम, 1961 की घारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कायलिय बम्बई में राजस्ट्री है दिनांक 26-5-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफ ज के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित आजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, ऐसे ख्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) से बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक खप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के हासित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के सिंह; और/या
- (क्) ऐसी किसी बाय या किसी अन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय झायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मृतिभा के सिए;

अतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ≈ ब्रभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वधारत ह— 1. मैसर्स घोमप्रकाश एण्ड कम्पनी

(मन्तरक)

2. श्रीमती सावित्री रमेशलाल।

(भ्रन्तरिती)

3. भन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके झिष्टभोग में सम्पत्ति है)

4. डा० बोमसी अ० वाडिया

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित्बद्ध है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

प्लैट नं० "बी" जो पहिली/दूसरी मंजिल, निर्माणाधीन ईमारत, भ्रमिषेक भ्रवार्टमेन्ट्स, "ए-1" बिल्डिंग हाउस नं० 11, ६० एस० भाई० एस० नगर के पीछे, चार बंगलीज, वसींबा, वस्वई में स्थित है।

मतुसूची जैसा कि कि सं श्रई-2/37ईई/5258/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बर्ड द्वारा दिनांक 26-5-1984 को रजिस्टर्ट किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज-2, बस्बर्ष

दिनांक 1-1-1985 मोहर : प्ररूप वार्ड.टी.एन.एस. -----

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- ज (1) के अधीन स्भाना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वाय्वत (निरुक्षिण)

मर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जनवरी, 1985

निवेश सं० **धर्ह**०-2/37**६६**/5259/83-84—भातः मुझे सक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मन्य 25,000/-रा. से विधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 'ए', तलमाला, श्रिभिषेक, श्रापार्ट मेन्ट "ए-1", बिल्डिंग, हाउस नं० 11, ई० एस० श्राई० सी० नगर के पीछे, चार अंगलीज, वसीवा, वस्वई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्राधियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालग में रजिस्ट्री है दिनांक 26-5-1984

की पूर्विक्त सम्मिरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाज़ार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरित अन्तरितियों) के भीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गर प्रतिफल, निम्निक्ति द्वेष्य से उच्त मन्तरण लिखित में वास्त-

- (स) प्रश्नरण से हुई जिल्ही आप की गायत छवा गायि-विधम के संभीन करदन के मस्तरक के वाधिक में क्या करन या कससे बचन में सुविधा के खिए। गौर-या
 - क) एंसी किसी आय मा किसी धन यो अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्तः अधिनियम, यो धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सविधा के सिए;

अतः अवः अवस् अधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरण मं, मैं, उकतं अधिनियमं की भारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स भोमश्रकाश एण्ड क्रम्पनी

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती शान्ता धवन, ।

(श्रन्त(रत))

3. धन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्मति है)

4. हा० बोमसी जे० वाडिया

(वह स्मितित जिपके बारे से प्रानीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पक्षि में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पृथांकत सम्मित्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सुमना के राजपत्र मो पकाशन को तारीश से 45 विन की अवधि या तत्सवधी व्यातप्या पर मूचरा की तामील से 30 दिन की अप्रिप्त, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, जो भीतर एवा कर सीतर में में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावन सम्पत्ति मो हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किये का सकोग।

स्यष्टिकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ हागा जा स्थानाय में दिया गया है।

अप्तम की

पवैट नं ॰ 'ए', जो तलमाला, निर्माणाधीन, प्राभिषेक प्रवार्टमेन्ट, "ए-1", बिल्डिंग हाउस नं ॰ 11, डि॰ एम० आई० सी॰ नगरके पोछे, चार बंगनीन, वर्मोत्रा, वन्बई वें व्हिन्त है। प्रमुख्ती जैसाकि क० सं० श्रई-2/37ईई/5259/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी वन्बई द्वारा दिनाक 16-5-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण द्यास प्रक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-2, बस्बर्ड

दिनांग 11-1-1985

वृक्ष् वाह् .टी . एन . एस . -----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां स्था सहायक सामकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी, 1985

निवेश सं॰ **धर्ड**॰-2/37**ई**ई/5260/83-84---**ध**तः मुझे सक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पर्लंड नं० "ए" तलमाला, मिमवेन, मपार्ट मेन्ट, 'ए-1", बिल्डिंग हाउस नं० 12, ई० एस० भाई सी० नगर के पीछे, चार बंगलीज, वसीवा बम्बई में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद मनुसूची में भीर जी पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा भायकर श्रधिनयम 1961 की धारा 269 कख के भाषीन सक्षम श्रधिकारी के कार्यालयं बम्बई में रिजस्ट्री हैं दिनांक 26-5-1984

की पूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मृत्य से कम के दरममान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दरममान प्रतिफल से, एसे दरममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उच्चेश्य से उकत अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरण से हुइ किसी भाग की बाबत, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के बंतरक के धारित्य में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी अाय या किसी धन या नन्य सास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत सिधिनियम, बा धन-कर सिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ग्रा था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सिक्या जी सिए;

बत. अब. उकत अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— 58—466GI/84

1. मैसर्स स्रोमप्रकाश एण्ड कम्पनी

(मन्तरक)

2. श्री विनोद के॰ जोशी

(अन्तरिती)

3. मन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. डा॰ बोमसी जे॰ वाडिया।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबक्रहै)

को यह स्थानां जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी असे 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टी केंत्र व्यक्तियों में से किसी स्पादित हवारा.
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म स्थित द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किसे का सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण: ---इसमें अपूक्त शब्दों और पदों का, वो उनत अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यास में दिया न्या है।

ग्रनुसूची

पलट नं० "ए", जो तलमाला निर्माणाधीन, ईमारत, अभिवेक, अपार्टमेन्ट, "ए-1", विल्डिंग, हाउस नं० नं० 12 ई० एम० प्राई० सी नगर के पोछे, चार बंगलोज वसींवा, बम्बई में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-2/37ईई/5260/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई क्षारा दिनांक 26-5-1984 को राजस्टड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, वस्बर्ध

दिनांक 11-1-1985 मोहर प्रकप बाइं.टी.एन,एस.-----

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2 बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी, 1985 निदेश सं० द्याई०-2/37ईई/5261/83-84—-प्रतः मुझे तक्ष्मण दास,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात 'उकन अधिनियमें' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह त्रिस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं ० पलैट नं ० 'बी', पहिली/दूसरी मंजिल, श्रामिषेक भाषाटेंमेन्ट, "ए-1" बिल्डिंग, हाउस नं ० 12, ई० एम० श्र/हि० सी० नगर के पीछे, चार बंगलोज, वसीवा, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्राम्थकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 कल के श्रधीन ब सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 26-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास कृत किया गया है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिबित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यीयत्व में अमी करने या उनने उचने के स्विधा के लिए; और/धा
- (क) ऐसी किसी बाग या किशी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिरियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के परोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या बिका जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

कतः भव, उक्त आधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीरा, निम्निजिकित व्यक्तियों, अर्थात् ह 1. मसर्स ग्रीमप्रकाम एण्ड कम्पनी

(भ्रन्तरक)

2. श्री मोहन तोला राम

(घन्तरितीः)

3. झन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. डॉ॰ बोमसी जे॰ वाडिया

(वह व्यक्ति जिसके बारे में भ्रष्वोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्वना जारी करके पृशेक्त सम्परित के अर्जन क लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी निष्का बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुधारा:
- (स) देस सूचना के राजपण से प्रकाश की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पाकाकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दां और पतां का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-का में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ कोगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भ्रनुसूची

फ्लैट नं० 'बी', जो पहिली/दूसरी मंजिल निर्माणाधीन इमारत, प्रभिषेक, प्रनार्टमेन्ट, 'ए-1' बिल्डिंग, हाउस नं० 12 ई० एस० ग्राई० सी० नगर के पोछे, चार बंगलोज, बर्सोंबा, बम्बई में स्थित है।

द्यनुसूचो जैसा कि कि सं द्या हि-2/37 है है | 5281 | 83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई बारा दिनांक 26-5-1984 को राजस्टड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर द्वायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बस्बई

विनांक: 11-1-1985

मोष्ठर :

प्रस्य बाई. टी. एन. एस. ----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध /1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बर्ष, दिनांक 11 जनवरो, 1985

निदेश सं० श्राई-2/37ईई/5262/83-84--श्रतः मुझे सक्ष्मण दास

आयकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट, नं० "ए" श्रिभयक, आर्टिनेन्ट, तलमाला 'ए 1' बिल्डिंग हाउस, नं० 14, ई० एस० श्राई० सो० नर के पोछे, चार बंग्लीज. वसीवा, बम्बई में स्थित है

इससे उपाब अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 को धारा 269 कक्ष के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय वम्बर्ड में रिजस्ट्रों है दिनांक 26-5 -1984

को पृथितिक संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पृवेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बासिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (कः) बन्तरण संबुद्धं किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उससे यचने में सुविभा के लिए; और/मा
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अरे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

जत: कत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निषिश्वत व्यंक्तियों, अर्थात :--

1. मैसर्स श्रोमप्रकाश एण्ड कम्पन)

से (ग्रन्तरक)

2. श्री रामचन्द वाधवा

(भ्रन्तरिती)

3. अन्सरक

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्तिहै)

4. डा० बोमती जे० वाडिया।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवक है)

का यह सूचना बारी करके पृषोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की अविध या तत्सबधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं (ए' जो तलमाला निर्माणाधीन ईयारत, अभिषक आर्टिमेन्ट (ए-1' विल्डिंग हाउस नं 14 ई० एस० आई० सी नगर के पीछे चार बंग्लोज, वसींबा, बम्बई में स्थित है।"

मनुमूचो जैसा कि कि सं धाई-2/37ईई/5262/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 26-5-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मणय दास सक्षम प्राधिकारी सहायक मामकर मायुक्त (निरोक्षण) मर्जन रेज-2, बस्बर्ष

दिनांक 11-1-1985 य मोहर 🛭 प्ररूप भाइ. टी. एन. एस. -----

जायकर जीपनियम्, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

भागांसय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई विनांक 10 जनवरी, 1985

निर्वेश सं० आई०-2/37ईई/5282/83-84-- आतः मुझे लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'),, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. में अधिक है

मुद्र जिसकी सं० फ्लैट नं० 604, छठी मंजिल, बि० नं० 10 म्रोशियरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे जोगेश्वरी (पश्चिम) बम्बई-400 058 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से बाणत है) भीर जिसका करारनामा म्रायकर माधिनयम 1961 की घारा 268 कख के मधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में र्राजस्ट्री है दिनांक 26-5-1984 क्षे पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल के प्रथमान प्रतिफल के लिए तम प्राथमान प्रतिफल के प्रथमान प्रतिफल के प्रथम के स्थम के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नितिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्य-विक स्थम से किया नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वावत, उत्तर विधिनसम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उत्तस वचने में स्विधा हे निस्, सोर/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अभिनिवम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा है लिए;

जतः अव, सक्त विधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरक में, बैं, सकत अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के जधीन, हैनक्जिनियस व्यक्तियों, जभीत् ६--- 1. श्री क्षियाउद्दीन, बुखारी

(भन्तरक)

2. श्री नायन घली रजा घली सरूयद ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्मरित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जबत संपत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी से 45 दिन है भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त छन्यों औद पदौं का, को उक्त वाधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनसर्वी

प्रसेट नं० 604, जो छठी मंजिल, बिल्डिंग नं० 10, "ग्रल मुना", मिस्सतनगर, एस० नं० 41 (पार्ट) ग्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), धम्बई-58 में स्थित है 🎼

भनुसूची जसा कि कि सं ु आई-2/37ईई/5282/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 26-5-1984 को रजिस्ट के किया गया है।

> लंक्सण वास सक्षम प्राधिकारी सहासक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) धर्जं; रेंज-2 सम्बर्ध

विनांक 10-141985

प्ररूप बाइ.टी.एन.एस.-----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43), की भारा 269-च (1) के अभीन स्वना

मापुत् सरकार

कार्यांक्षय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, सम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 1 जनवरी, 1985

निरोश स॰ आई०-2/37ईई/5221/83-84---अतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वाद् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रोर जिनकी मं० फ्लैट नं० सी-302, तीसरी मंजिल, "मीनल अपार्टमेन्टस" श्रोल्ड नागरदास रोड, अन्धेरी, (पूर्व), बम्बई-69 में स्थितहैं) श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विजित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रों है दिनांक 25-5-1984

को पूर्नोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मृस्य से कम के द्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उजित बाजार मृस्य, उसके द्रथमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अत्रण के लिए तय पाम गया प्रतिफल निम्निल्चित उद्वेष्य से अक्त अंतरण जिल्हा वे बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बलाइक हो हुई किसी बाद की बावत, उनसे वृधिनियम के वधीन कर दोने के बृत्तुरक के शियरव में कनी करने वा उससे बचने में वृधिमा के निए: बॉर/वा
- (क) एसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर् अधिनियम, या धन-कर् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया धा या किया धाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण हो, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निकित व्यक्तियाँ, अर्थात :—

1. गोयल बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड ।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती कुसुम के गाला, तथा

(2) श्री पारेंग के० गाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निष्
कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वालेंब :----

- (क) इस सूचवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए वा सकोंगे।

स्वयद्धोकरण :—इसमें प्रयुक्त सन्धी और पदों का, को उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा न्वा है।

अनुसूची

पर्लंट नं॰ सी-302, जो शीसरी मजिल, "मीनल अपार्ट-भेग्ट्स", घोल्ड नागरवास रोड, अन्धेरी (पू॰), बम्बई-400 0769 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० स० आई-2/37ईई/5221/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोंक 25-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्तम प्राधिकारी सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 1-1-1985

प्ररूप नाई, टी. एन्. एस.-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर वायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी, 1985

निवेश स॰ आई०-2/ 37ईई/5624/83-84--अतः मुझे लक्ष्मण वास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदयास करने का आरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० पर्नेट न० 1902, 19 वीं मजिल, 'प्रिमियम टावर्स', चार बगलोज, वर्सोवा अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रुप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है दिनांक 26-5-1984

का पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्स्न प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के न्लए तय भाग नया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्योक से उद्या अन्तरण मिचिए में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है है—

- (क) कत्तरण से हुई किसी काय की वाक्त उक्त विधिनियम के अधीन कर्दु को के अस्तर्क की दायित्व में कभी करने या उत्तस क्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा ल्या जाना चाहिए था, छिपाने मूँ सुजिधा की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थातु:—

- मैंसर्स लोखडवाला डेवलपर्मेट, कारपोरेशन (अन्तरक)
- 2. श्री (डा०) विजय कौल ।

(अन्तरिती)

4. मैं० भोशिवरा लैण्ड डेवलप० कम्पनी, (प्रा०) लिमिटेड (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध के कोई भी काश्रेप :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भील ए प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तंगित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए या सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्कर अभिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हु², बहो अर्थ होगा, धांउस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

पर्लंड न० 1902, जो 19वीं मजिल, "प्रिमीयम टावर्स", बिल्डग, एस० न० 41(पार्ट), के प्लाट न० 351 पर, चार बगलोज, वर्सोवा अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400 058 में स्थित है।

अनुसुवी जैसा कि ऋ० स० आई-2/37ईई/5624/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ग्रारा दिनांक 26-5-1984 को रिजस्टिब किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, सम्सर्क

दिनांक: 11-1-1985

प्रकथ बाई.टी.एन एस.

आयकर अधिनियग, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक बायकर वंत्रयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी, 1985

निवेश स॰ आई०-2/37ईई/5625/83-84---अतः मुझे लक्ष्मण दास

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राविकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति. जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिनकी स० पर्नेष्ट न० 1901, 19 वी मिजल, "प्रिमीयम, दावसं", चार बगलोज, वर्मोवा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-में स्थित है (ग्रीर इममे उपाबक्ष अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिनका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कथा के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रजिस्ट्री है दिनाक 26-5-1984

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मन्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयभ के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपान में सुनिधा के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

1. मैसर्स लोखंडवाला डेवलपमेंट, कारगोरेशन

(अन्तरक)

2. श्रीमर्ता उषा, कौल ।

(अन्तरिसी)

4. मैं० भ्रोशिवरा लैण्ड डेवलपमेन्ट, कपनी (प्रा०) क्विं० (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्नाक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यबाहिया करतः हाः

उक्त सम्पत्ति के शर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान की राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास निश्चित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमे प्रयुक्त शस्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में विमा गया है।

वन्स्वी

पलैंट न० 1901, जो 19 वी मजिल, "प्रिमीयम, टावर्स" बिल्डिंग एस० न० 41 (पार्ट), के प्लाट न० 351, चार बंगलोजा अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400 058 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क०स० आई-2/37ईई/5625/83-84 और जो मक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 26-5-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनाक: 11-1-1985

प्रकार बाध: . दी. एन. एस.-----

भाषकर बांभनियम, 1964 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्चना

आर्व वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985

निदेश स० आई०-2/37ईई/5656/83-84—अतः मुझे अठमण दास

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निर्धानयम' कहा गया हैं), की धारा 269-स में नधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित वाजार मृस्य 25,000/- रु से निष्क हैं

भौर जिन्नती स० पलैंट न० 302, तीसरी मजिल, बि० न० ६, भोशिवरा, विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई-400 058 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विष्णत हैं) भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्दी हैं दिनांक 28-5-1984

कारा के कायालय बन्बइ में राजस्ट्रा है दिनाक 28-5-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेस्य से उच्च मन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाद की बादत उपत विधि-विश्वस से अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उनसे वचने में स्विधा के लिए: बीद/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ की, विन्हुं भग्दीय जाय-कर स्पिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते जिथिनियम, या धन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मरिती ब्वारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा को जिए:

बतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण कों, कों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, जिल्लानिकत व्यक्तिकों, अधीत :--- 1. श्री जियाउद्दीन बुखारी

(अन्तरक)

2. श्री र्स्मार्ल जैमुउदीन, वलवी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के सर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बालेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बर्बाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस स्चर्ना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकेंगे।

स्वक्योकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ., वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वया है।

ज्या संची

पलैट न० 302, जो तीसरी मजिल, बिल्डिंग न० 6, "अल मबीना", मिरुलतनगर, एस० न० 41 (पार्ट), भ्रोशिवरा बिलेज, बेहराम पागके पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), ब-म्बई 58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० स० आई-2/37ईई/5656/83-84 श्रीर जो सजन गांधि हारी प्यम्बई द्वारा विनांक 28-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ॄैलक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहापक धायकर धायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रॅज-२, बस्बई

दिमांक 10-1-1985

प्रकृप बार्च . दी . एन् . एव . नन्यक्ष्रमन्त्रनन्त्रन

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जनवरी, 1985

निवेश सं० आई०-2/37ईई/5669/83-84—अत: **मुझे** लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िष्ण इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26ए-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका खिनत बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० इडस्ट्रीयल गैंड नं० 255, दूसरी मंजिल, फेज, तीन, णिवणिनत, इण्ड इस्टेंट, अन्धेरी कुर्ला रोड, अन्धेरी बम्बई-400 059 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 28-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का अन्तरह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पाम प्रमा प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से किथात महीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (अ) एसी किनी बाय या किसी अन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्थात् ध---

1. शिव शक्ति बिल्डसं ।

(अन्तरक)

2. फार्मा आफसेट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, को भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास खिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों की, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं है, बही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

"इण्डस्ट्रीयल, शैंड, नं० 255, जो दूसरी मंजिल, फेज-तीन शिवशक्ति इण्डस्ट्रियल इस्टेट, एस० नं० 79, एच० नं० 15, एवं एस० नं० 80, एच० नं० 1, मरोल वीलेज, अन्धेरी, (पू०) बम्बई 400059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कि बाई०-2/37ईई/5669/83-84 और जो सक्षम प्राधि कारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांकः 1-1-1985

शुरूपः, अरह^कः, दीः, **एतः, एस**्य - = = =

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

ारक सन्दर

कार्याभयः महायक भायकर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जनरेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश स ॰ आई०-2/37ईई/5679/83-84---अन: मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. में अधिक हैं

श्रीर जिनकी सं ० फ्लंट नं ० 101, पहिलो मजिल, बिं ० नं ० 1, श्रीणिवरा, विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पिश्चम), बम्बई-100 058 में स्थित है (श्रीर इसमे उपावद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) (श्रीर जिनका करारनामा जाय एर अधिनियम, 1961 की धरा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 28-5-1984 को पूर्ण क्ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 28-5-1984 को पूर्ण क्ल लिए अन्तरित के उभित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान श्रीतफात के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विक्तास करने हैं कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक स्प के कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, सक्य अधि। नयम से अधीन भार दोने के अन्तरक के दासित्य में कभी कारने के छससे बचने में स्विधा के लिए: शेरु ा
- (क) एंसी किसी नाम मा किसी अन या अन्य न्नास्तियों नन्ने, जिन्हों भारतीय श्रीय-कर गिंधनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्धान्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27! के प्रयोजनार्थ जन्ति दिवी इवारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना प्राहिए था, छिपान प्रविधा के किया जाना प्राहिए था, छिपान प्रविधा के किया

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् । 1. श्री जियाउद्दीन बुखारी ।

(अन्तरक)

2. श्री चतीफ खात रहिम खान।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए अर्धनाहियां करता हुः।

राज्य सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में काई भी आक्रंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त क्यां परायों में में कियी मिक्स द्वारा:
- (क) इस स्थान क राज्यम मं प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवर्भ किसी अन्य स्थानत स्थाहरताक्षरी के पास जिचित । किसी के मास जिचित ।

स्वष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

फ्लैंट न० 101, जो पृहिली मंजिल, बिल्डिंग न०1, "अल सफा", मिल्लत नगर, एस० न ० 41 (पार्ट), श्रोशिवरा विलोज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

ं अनुसूची जैसा कि कि० स० आई-2/77ईई/5679/83-84 भीर जो तक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-1-1985

मोहर 🛭

٢.

प्ररूप जाइं.टी.एन.एस.----

बायक्षार जीधनियाम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जंन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनाक 10 जनवरी 1985

निवेश म ॰ आई-2/37ईई/5697/83-84—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1901 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. सं अधिक है

ग्रीर जिमकी सं ० फ्लंट न ० 2, तीसरी मजिल, विद्या, विला न ० 3-बी, 24-सी/बी, ग्रोल्ड, नागरदास रोड, अन्धेरी, (पूर्व), बस्बई-400 069 में स्थित हैं (ग्रीर इतसे उपाबद अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप में विणित हैं) श्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिन्यम 1961 की धारा 269 कल के अधीन सक्षम प्राधिकारी वे कार्यालय बम्बई में रिजर्स्ट्री है दिनाव 28-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अध्यक्षत प्रतिफंत को लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विक्याल करने का कारण ही कि यथापूर्वाच्या मन्परित का उचित्रत काकार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल न एसे दश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिकत्त से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अत्रित्ती (अन्तरित्यां) के बीच एसे अन्तरण को लिए त्य पाया गया मृतिफल निक्निशिचित उद्वेदय से उसत अन्तरण निस्ति में वाक्तिक कप से किंग्र मन्तरीं किया गया ही :--

- (क) अन्तरण स हक्ष्मी किसी आय के। भावत, उन्हत नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने मो सृविधा के लिए; और नेप्या
- (क) एसे दिया अप दा किसी कार था बन्च नास्तियों कार, विश्वन नास्तियों आवकर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन कर अधिनियम, या पन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का प्रतिकाश वन्तिरती वृषारा प्रकट नहीं किया गमा वा या किया बाना वाहिए वा, किया में तृतिधा वे निए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, बैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निभिन्तिसत व्यक्तियों, संशति .---

1. मैमर्स जे० डी० विल्डर्स ।

(अन्तरंक)

2. श्रीमतो सुमती मारुति आम्बेडकर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँधतः संपरित के अर्थन के जिए कार्यवाहिया कारता हुं।

डक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध के आहे भी आक्षेप 🗢

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , अं भी अवधि बाद भें समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वाक्त स्योक्तया में से किसी स्यक्ति हुइतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान्न निस्तित में किए का सकरेंगे।

स्थान्तिकरण ---- इसमं प्रश्वित शब्दों और पदों का, जो जबत अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा ने उस अध्याद में विया गया ही।

अम्स्पनि

पर्लंड न० 2, जो तीमरो मांगल, विद्या विलान० 3-बी, 24ए/बी, श्रोल्ड नागरदास रोड, अन्धेरी (प०), बम्बई-69 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० आई-2/37ईई/5697/83-84 ग्रीर जो नैक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 28-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

दिनाक 10-1-1985 : मोहर . प्रकृप नाइ , टी. एन. एव., ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मं (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यांतय, तहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, विनांक 1 जनवरी, 1985

निदेश सं० आई-2/37ईई/5712/83-84—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी स० इण्डस्ट्रियल, संड, त० 123, पहिली मंजिल, फेंज त० तीन, शिव मित इण्ड० इस्टेट, मरोल विलेज, कुर्ला अन्धेरी, रोड, अन्धेरी, (पू०), बम्बई-400 059 में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) स्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 30-5-1984

को पूर्विक्स संपत्ति के उच्चि बाजार मूल्य से कम के वश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और

मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथा
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से
उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया
गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे बचाने में तुनिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, धिपाने में सुविधा के जिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात .—

1. मैसर्स शिव शक्ति विल्डर्स ।

(अन्तरक)

2. मैंसर्स कारे एन्टरप्राइजेंस ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टिक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट्डब्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया पना है।

अनुसूचो

"इण्डस्ट्रियल शोड/यूनिट न ० 123, जो मंहिली मजिल, फ्रेंज तीन, शिव शक्ति इण्डस्ट्रियल इस्टेंट, एस० न ० 79, एच० न ० 15, एस० न ० 80, एच० न० 1, मरोल विलेज, अन्धेरी कुर्ली रोड, के सामने, अन्धेरी (पू०), बम्बई-400 059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० म ० आई-2/37ईई/5712/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 30-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11-1-1985

माहुद 🖫

प्रक्ष बाह्र , टी. एन. एक.,-----

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यातयः, सहायक आयकर आगुक्त (निरक्षिण) ग्रजंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जनवरी 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० पलट नं० ए-7, जी "तृष्ती श्रपार्टमेन्ट्स", कोल डोंगरी रोड. नं० 3, श्रन्धेरी (पू०), बम्बई-400 069 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ श्रनुस्ची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका कराणनामा श्रायकर श्रिधित्तसम 1961 को धारा 269 कख की श्रधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री दिनांक 2-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिंगत उद्विषय से उन्त अन्तरण सिचित में भारतीयक रूप से कीयत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक अने दायित्व में कभी करने या उत्तरी नवने में सुविधा के लिए; बीट/सा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-अहर आधानयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त आधानयम. या धन-अहर ऑधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति रही द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ::— 1. मैसर्स वीप्ती बिल्डर्स ।

(मन्तरक)

- 2. (1) श्री लक्ष्मीबाई नारायण सबनीस तया
 - (2) श्री श्ररूण नारायण सबनीस ।

(भ्रन्तरिती)

3. अन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह तुमना भारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा:
- (च) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्रिती के पास सिचित में किए चा सकोंगे।

स्थव्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अभ्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

फ्लैट तं० ए-7, जो निर्माणाधीन ईमारत, "तृष्ती भ्रपार्ट-मेन्ट्स", कोलडोंगरी रोड, तं० 2, ग्रन्धेरी (पू०), बम्बई-69 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक ऋ० सं० माई-2/37ईई/5715/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 1-1-1985

प्रकथ बाई. टी. एन. एस. ------

बायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

क्षायांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 11 जनवरो 1985

सं० भ्राई-2/37ईई/5723/83-84--भ्रतः मुझे, सक्ष्मण दास,

शायकर नां भनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-क कं अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी, 1/2 मंजिल, श्रिधिषेक, श्रपार्ट-मेन्ट, 'ए-1', बिल्डिंग, हाउस, नं० 13, ई०एम० आई० सी० नगर के पीछे, चार बंगलीज, वर्सीवा, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से बिजत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम श्रीधिकारी के कायलिय बम्बई में रिजस्ट्री है विनांक 30-5-1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, एसे रूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बायत, उपत अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व के कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्न अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना श्राहिए था. छिपाने में सुविधा के निए।

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण मो, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीम, शिम्नलिखिल व्यक्तियों, अधित् ⊪— 1. मैर्स श्रोमप्रकाश ऐण्ड कम्पनी ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती चचल बी० खन्ना।

(भन्तरिती)

3. ग्रन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. डा० बोमसी जे० वाडिया।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

टक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 45 दिन की अविधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ध) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकी।

स्पच्छीकरणः--इसमे प्रदक्त शब्दो और पदों का, जो उनस अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

पलैट न० ''ब'' जो पहिलो/दूसरी मंजिल, निर्माणाश्चीन विल्डिंग, ए-1' हाऊस, न० 13, श्राभिषेक, श्रापार्टमेन्ट, विल्डंग ई० एस० श्राई० सी० नगर के पीछे, चार बंगला वसीना, बम्बई व में स्थित हैं।

अनुसूची जा कि कि० सं० प्राई-2/37ईई/5723/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 30-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर **श्रा**युक्त (निरीक्षण) **श**र्जन रेंज-2, बस्ब**ई**्र

दिनांक : 11-1-1985

प्ररूप बाह्य हो हु एत. एस हुननन्त्र हुन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) व अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्राई०-2 37ईई 5724 83-84--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सैक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से विधिक हैं

ग्रोर जिसकी सं० फ्लैट न की, पहिली/दूसरी मंजिल, श्रिभिषेक ग्रपाटमेन्ट, 'ए-1', विल्डिंग, हाऊस नं० 16, ई०एस० ग्राई० सी० नगर के पीछे, चार बंगलोज, वर्सोवा, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जी पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 30-5-1984

की पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरक से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बौर/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों हाएनीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिलाने से मृतिधा के लिए;

जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसर्व उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) नि, निम्निलिखित व्यक्तियों. अर्थात :— ी. मैसर्स ग्रोमप्रकाश एण्ड कम्पनी

(ग्रन्तरक)

2. श्री विनोद एस० पारीख ।

(ग्रन्तरिती)

3. श्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री मोमसी जे० वाडिया।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शृब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

प्लैट त० "बी", जो पहिली/दूसरी मंजिल, निर्माणाधीन ईमारत, श्रीभषेक श्रपार्टमेन्ट, "ए-1" बिल्डिंग, हाऊस नं० 16, ई० एस० श्राई० सी० नगर के पीछे, चार बंगलोज, वसींवा, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राईब2/37ईई/5724/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 30-5-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहावक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बर्ड

दिनांक 1 11-1-1985 मोहर ६

प्रस्य बार्ड . टी . एन् . एस , ------

मासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

मारत बरकार

कार्यातय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बर्ड, दिनांक 11 जनवरी 1985

निवेश सं० ग्रर्ड०-2/37ईई/5725/83-84—ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दाम,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का काएण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० पर्शेट नं० "ए" पहिली /दूसरो मंजिल भ्राभिषेक भ्रपार्टमेन्ट "ए-1" बिल्डिंग हाउस नं० 16 ई० एस० म्राई० एस० नर के पीछे चार बंगलीज वर्सीवा, बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध धानुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की घारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 30-5-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गृंद्रह प्रतिक्षित से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरिक्षियों) के बीच एसे बन्तरच के निए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक कप स कि भत नहीं किया गया है है—

- (कं। अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वाने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (ख। एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विका के लिए;

अत: ।। ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्भ ग्रोमप्रकाश एण्ड कम्पनी

(ग्रन्तरक)

2 श्री चेतन एस० पारीखा

(भ्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. डा० बोमसो जे० वाडिया।

(बह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सुचना जारी कार पर्मा पर्मा क्ति सम्पत्ति के बर्चन के किए कार्यवाहियां गुरू करता हु।

सकत सम्मिलि के वर्षत के सम्बन्ध में कोई भी वाध्येप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में में किमी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मो हित्सबूध किसी अन्य ज्यक्ति द्वारा अशहस्ताक्षरी क अस निस्ति मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शुरुषों आरि पर्यों का, जो उक्त आधितियम . के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय म विया भया है।

वन्स्ची

फ्लैट नं० "ए" जो पहिली/दूसरी मंजिल, निर्माणाधीन ईमारत, श्रिभिषेक, अपार्टमेन्ट, "ए-1" बिर्तिडग, हाउस नं० 16, ई० एस० आई० एए० नगर पोछे, चार बगलोज, वसेवा, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसा कि कि सं श्रई-2/37ईई/5725/83-84 श्रीर नो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 30-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरि---) श्रर्जन रेंज-2, र्रृ ़ै

दिनांक: 11-1-1985

मोहूर 🕆

प्ररूप आहाँ .टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

ब्रम्बई, दिनाक 11 जनवरी, 1985

निदेश; म० आई०-2/37ईई/5728/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि न्थात्रर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत से अधिक है

श्रीर जिसकी स० फ्लैट न० "ए", तलमात्रा, अभिया, अपार्ट-मेन्ट, "ए-1", बिल्डिंग, हाउस, न० 13, ई० एस० आई । एस० नगर के पीछे, चार बगलोज, वर्मीवा, बम्बई में स्थित है (और इसमे उपावद अनुसूची में ग्रांग जो पूर्ण रूप में वर्णित है) श्रीर जिसका कारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अवीन सक्षम पाधिकारी के कार्यालय बस्बई मे रिजस्ट्री है दिनाक 30-5-84

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमाम प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिसत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; **आरे**/या
- (क) एेसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सविधाके लिए:

🙀 अर. अब, उक्षत अधिनियम की धारा 2.69-ग को अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) के लागीम, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात :---60 -- 466G1/84

मैसर्स ग्रामप्रकाण एण्ड कम्पनी ।

(अन्तरक)

2 कुमारी त्रिनुवी० खन्ग ।

(अन्तरिती)

3 अन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे सम्पत्तिहै)

4. डा० बोमसी जे० वाडिया ।

(बह व्यक्ति जिसक बारे मे अधोहस्लाक्षरी जानताहै कि वह सम्पत्ति में हितबब हैं)

कां यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्चेय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 किन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर ास्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो **भी** अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया E .

वम्स् ची

पलैट न० "ए" जो नलमाला निर्माणाधीन ईमारत, अभिषेक, अपार्टमेन्ट, "ए-1", बिल्डिंग, हाउस न० 13, ई० एम० आई० एग० नगर हे पीछे, चार बगलोज, वर्सीवा बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कं० म० आई-2/37ईई/5728/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई ज्ञारा दिनाए 30-5-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाग मक्षम प्राविकारी महायक आयकर आयक्त (निरी**क्षण**) अर्जन रेज-2, अम्बई

दिनांक: 11-1-1985

मोहर 🔧

ब्रुक्ट् बाइै.टी.एग.एच.,-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

प्राप्त संद्रकार

कार्याज्य, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

धम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० आई-2/37ईई/12197/83-84--अतः मुझे लक्ष्मण दास

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारः 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, तीसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० 6, श्रीणिवरा, बिलेज, बेहराम ह्या ग के थीछे, जोगेश्वरी, (पिष्चम), बम्बई-400 058 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रर जो थूणं रूप से वर्णित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 1-5-1984 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उपाव बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का अपित बाजार मृज्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्षित में बास्तिकक, निम्निलियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्षित में बास्तिकक हैं सी किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीधिनियम के बधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कामी करने या उससे नजने में मृतिधा के लिए; बौर/वा
- (ज) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., कियाने के सिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में . उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :---

1. श्री झियाउद्दीन, बुखारी ।

(अन्तरक)

2. श्री मसरुमुद्दीन रुक्तूद्दीन,।

(अन्तरिती)

का यह सूचना चारी कर्रके पृथींक्तु सम्पत्ति के अर्थन् के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति इवारा, ज्याहस्ताक्षरी के पास सिकित में किये वा सकींग।

स्मण्डीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गुका है।

अमुसूची

'फ्लैंट नं० 301, जो तीमरी मंजिल, बिल्डिंग नं० 6, एस० नं० 41 (पाटं), श्रोणिवरा, विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगे ख्वरी (पश्चिम), बम्बई-400 058 मैं स्थित है।"

अनुसूची जैमा कि क० सं० आई-2/37ईई/12197/83 84 प्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिन्छई किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्ब**ई**

दिनांक 10-1-1985

मोहर ;

प्ररूप अरह . टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 11 जनवरी 1985

निदंश स॰ आई-2/37ईई/12201/83-84---अतः मुझे लक्ष्मण दाग,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, ज्रित भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रह. से अधिक ही

श्रीर जिसकी स० फ्लैंट न० 405, जौथी मंजिल, रिजन्सी 'बी', चार बंगलोज, वर्सोबा, श्रोणिवरा, अन्धरी (प०), बम्बई मैं स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 1-5-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के स्वसमन प्रतिफल के लिए अत्तरित की गई है और अभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अस्तरण के लिए सय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है .----

- (क) अन्तरण संहुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्यरक अं दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थात्:——

- 1. (1) कुमारी भारती डी॰ दातवानी तथा
 - (2) कुमारी भगवंती, मेघाराय विसवानी।

(अन्तरक)

2. श्री हरी लारेन्स लोबो।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील म 30 दिन की अविधि, को भील अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इन सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस म 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सक्ता।

स्पष्टोकरणः -- इसमा प्रयक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, उन्हां अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया हो।

श्रनुसूची

पर्नेष्ट न ० 405, जो चाथी मजिल, रिजन्मी "बी", बिल्डिंग एस० न ० ११ (पथर्ट), के प्लाट नं० बी-3, पर चार बंगलोज, श्रोशिवरा, वर्मात्रा, अन्ध्रेरी (पश्चिम), बस्बई- में स्थित है। अनुसूची जैमा कि ऋ० सं. आई-2/37ईई/12201/83-84 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रिजस्टर्ड नियागया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-2, बम्बई

दिनाण: 11-1-1985

मोहर .

वक्य आई. टी. एन्. एश.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

गारक संदुष्णाद

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-2, बम्बर्ड

बम्बर्ध, दिनाकः 10 जनवर्गः 1985

निदेश स० आई-2/37ईई/12202/83-84---अत मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि न्यावर स्थिति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिनकी स० फ्लैंट न० ए/11/30 र, तीसरी मजिल, बि० न० 11, स्रोणियम, त्रिलेन, बेहराम बाग में पीछे, जागेण्यमी (पश्चिम), बम्बर्ट-400 058 में स्थित है (स्रार इसग उपाबद्ध अन्सूची से फ्रीर जो पूर्णरूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा अ। यकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनाक 7-5-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के पश्यमान अन्तरित प्रतिफल के निए की गर्ड ह और मुभ्ते विद्यास करने यह का कि मधापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण संहुइं किसी जाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे अवने से सुविधा के शिष्ट; और/वा
- (ण) एसी किसी बाय वा किसी धन या बन्य धास्तिसों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उनत अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया नवा धाय किया जाना बाहिए था दिस्पाने में सुन्धा के निष्ट;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) है अभीन जिल्लीचित ज्यांक्तयों, अधीत ६1 श्री सिया उद्दीन बुखारी।

(अन्तरक)

2. गर्बार अहमद गेख।

(नअन्तर्रिता)

को यह सूचना बारी कारके पृत्रावित बंपत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहियां कारता हुन।

जनत संपृत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी भारतेय ५ ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्तित द्वारा अथोहस्ताक्षरी को पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इतमे प्रयुक्त सन्वां और पदां का, वा उपर अधिनियम, कं अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया इं!

अपुरुषी

पर्नेष्ट न० ए/ 11/304, जो तीसरी मजिल, बिल्डिंग न० 11, "अल अराफ्त" एस० न० 41 (पार्ट), श्रोणिबरा बिलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेण्वरी (पश्चिम), बम्बई-400 058 में स्थित है।

अनुमूर्चा जैसा कि कर सर्वाई-2/37ईई/12202/83-84 क्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 7-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्ज्जन रेंज-2, बम्बर्क्स

दिनाक : 10-1-1985

मोहर 🔞

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, वम्बई

वम्बई, दिनाक 1 जनवरी 1985

निदेश सं थाई -2/37ईई/12209/83-84-- श्रन मुझे, लक्ष्मण दास,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उचत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका रिजत बाजार मृत्य 25.000/-रु. में अधिक है

स्रौर जिसका स० पलैट नें० व.-5. तृष्ता स्रपार्टमेन्ट, विल्डिंग, कोलडोंगरी रोड, नं० 2, स्रन्धेरा, (प०), बम्बई-400 069 में स्थित है (स्रौर इसमें उपाबद्ध स्रनुसूचा में स्रौर जो पूर्णरूप से विणित है) स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम 1961 को धारा 269 कख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारा के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रों है दिनाक 2-5-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नोलिखित उद्देश्य स उचत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथन नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण में हुई किसी आब की बाबत, उक्त दिधानयम के बधीन कर दोन के बन्तरक के दायित्व में कभी करण या उसमें बचने में सृदिधा के लिए, बार/मा
- (ख) एसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्ही भारतीय आयदार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिणाने में सुविधा खे लिए;

बतः ब्रबः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ≁में, में उक्त अधिनियम की भारा ?69-घ की उपधारा (1) के अधीग, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .--- 1. मैसर्स दिप्ती बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री रघुनाथ एन० नाईक, तथा
- (2) श्रीमती ग्रम्णा ग्राप्त नाईक।

(भ्रन्तरिती)

3 म्रन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके प्राधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है का दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना क राजपत्र म प्रकाशन की ताराख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हिन-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्धाकरण: --इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

बनस्ची

फ्लैंट नं० बोब5, जो निर्माणाधीन ईमारत "तृप्ती म्र मेन्टस" कोलडोगरी, रोड नं० 2, म्रन्धेरी (पू०), बम्बई-400064 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैमा कि के २० ग्राई-2/37ईई/12209/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनाक 2-5-1984 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनाक 2-5-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधाकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) सेभ्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 1-1-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. ------

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 11 जनवरी, 1985

निवंश सं ॰ आई०-2/37ईई/12213/83-84--आतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हो

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 810, ग्राठवी मंजिल, एवरैस्ट, बिल्डिंग, जे०पी० रोड, वर्सीवा, ग्रन्धेरी (पिष्चम), बम्बई-61 (ग्रीर इससे उपाबत ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) । ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनयम 1961 की धारा 269 कल के ग्रीधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्टी है दिनांक 2-5-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास कर्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के त्रीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्तत उद्देश्य से उनत अन्तरण सिश्तत में बास्तविक रूप से कथित नहीं, किया गया है :---

- (क) जन्तरण संहुद्दं किसी जाय की वाजत, उजत जिभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा चकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, । छपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-थ के अन्मरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- 1. नाहर सेठ, एण्ड जोगानी, एसोशिएट्स, । (ग्रन्तरक)
- 2. मैमर्स भवरलाल बी० नाहर फैमिली ट्रस्ट। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इर 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

ह्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं , बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रन्सूचो

पलैट नं ० 810, जो आठवी मंजिल, एवरैस्ट, विस्डि जयप्रकाश नारायण रोड, वर्सोवा, श्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400061 में स्थिल है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० ग्राई-2/37ईई/12213/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-2, बस्वर्ड

दिनांक : 11-1-1985

त्रस्य बाइ'.टी.एन.एस.,-----

काशकार व्यथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सहकार े

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी, 1985

निदेश मं० ग्राई० 2/37ईई/12214/83 84--- ग्रतः मुझे लक्ष्मण वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-के के सभीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाउर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट 608 छटी मंजिल एवरेंस्ट बिल्डिंग, जें० पी० रोड, वर्सीवा, ग्रन्धेरी (पश्चिम), अम्बई-400061 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावत ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्णरूप में विणत हैं) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनयम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई, में रिजस्टी हैं दिनांक 2-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की रई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंदरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निस्ति उद्देष्य से उक्त अंतरण निस्तित में वास्तिषक रूप से किणत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत, उक्त अधिपिया, के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमी कर्ने या उससे बचने में सुविभा में सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, जियान में सुविधा के तिए,

ि बतः ॥व, उक्त विधिनयम की धारा 269-व के बन्सरन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. नाहर गठ एण्ड जोगानी एसोसिएट्स ।

(भ्रन्तरक)

2. थवे भवर लाल वी० नाहर फैमिली ट्रस्ट ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथा के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर मंपरित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्यी

फ्लट न० 608, जो छठी मजिल, एवरैस्ट बिडिला जयप्रकाण नारायग रोड, वर्भोवा अन्धेरो (पश्चिम), बम्बई-4000 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कं० सं० आई-2/37ईई/12214/83-84 श्रीर जो सक्षम श्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 12-5-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महासक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बस्बई

दिनांक 11=1-1985 मोक्षर . प्ररूप आई.ट. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2. बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी, 1985

निदेश सं० ग्राई०-2/37ईई/12215/83ब84---**ग्र**तः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० फ्लैट न० 1005, दसवी जिल, एवरैस्ट बिल्डिंग, जयप्रकाण नारायण रोड, वर्सोमा, ग्रन्धेरी (प०) बम्बई-400 /0601 में स्थिन ई (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर सिजसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनयम 1961 की धारा 269 कत्त ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रिजस्ट्री है दिनाक 2-5-1984 को पूर्वोक्त संपत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप ये विश्वत किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधाकों लिए;

. अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित त्यक्तियों, अर्थात् :---

1 नाहर मेठ एण्ड जोगानी एसोणिएट्स ।

(ग्रन्तरक)

2 मुखरान बी० नाहर फीमली ट्रस्ट।

(प्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिमिन में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाष्ति है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अन्स्ची

परैट त० 1005, तो प्रावॉ मंजिल, ऐवरस्ट विलिंडग जयप्रकाश नारायण रोड, वर्सोवा, ग्रधेरो (पश्चिम) बस्वई 400 061 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई 2/37ईई/12215/83 84 है जो सक्षम पाधिकारी वस्वर्ट द्वारा वितांक 2-5-1984 को राजस्टर्ड किया गया। है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोण) ग्रजैन रेंज-22 बम्बई

दिनांक: 11-1-1985

 श्री जियाउद्दीन ब्खारी। प्रकप मार्च. टी. एन. एस. ------

(अन्तरक)

2. श्रीमती न्र ग्रफरोज बेगम

(मन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत बरकार

सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

श्रजैन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, विनांक 10 जनवरी 1985

निदेश मं० आई०-2/37ईई/12216/83ब84--**अ**तः मुझे लक्ष्मण दाम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रत. से अधिक है

भीर जिसकी म. फ्लैट नं० 409 चौथो मंजिल, बि॰ न॰ 5, श्रीशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पोछे, जोगेश्वरो (पश्चिम), बम्बईब400 058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूच: भे ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर मधिनियम, 1961 की धारा 269 कला प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कायिसिय बम्बई में राजिस्ट्री है दिनाक 2-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मुख्य में कम के इध्यमान प्रतिकृत के लिएम्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्विक्ते सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खरमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिस महीं किया गया है :---

- (क) जतरण से हुइ किसी जाब की बादत, उपल अधिनियम के अभीन कर दोने के जनरक के दायित्व में कभी कारने या उसमे वजने मा भविधा के निए, और/बा
- (च) एसी किसी आय मा किसी धन वा लन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती खुवारा प्रकट नहीं किया गया भाषाकिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए.

ारै अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अपीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---61 —466GI/84

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकर सम्परिता के अर्थन के लिए कार्यवाद्यियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्मन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना कौ सामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र प्वॉक्त म्पजितयों में से किसी व्यक्ति दवास्,
- (अ) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किमी अन्य व्यक्ति ध्वारा, अभोहस्ताधारी के बाब लिकित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---द्रसमं प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ू है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विक गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 409, जो चौथी मजिल, बिहिशा, नं० 5, "**भ्रल मदो**ना", मिस्लतनगर एस० न० 41 (पार्ट), श्रोशिवरा, विलेज, बेहराम बाग के पीछ, जोगेपवरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।"

भ्रनुस्ची जैसा कि क० मं० ब्राई-2/37ईई/12216/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 2-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी नहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) श्रजील रेज-2, बम्बई

दिनांक 10-1-1985

वक्षप बार्च. टी. एन, एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्थना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985

ृ निवेश सं० भाई०-2/37ईई/12217/83-84—धतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

25,000/- रह. स नाभक हैं

श्रीर जिसकी संव पर्लंट नंव 302, तीसरी मंजिल, बिवनंव 5,

श्रीशिवरा, विलेज बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरो (पिष्चम)

सम्बई-400 058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में,

श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर

श्रीधिनयम 1961 की धारा 269 कला के श्रीवीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 2-5-1984
को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल की लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास
करन का कारग है कियथापूर्वोक्त गम्बन्धित का उचित बाजार। मूल्य
असके वृश्यमान प्रतिफल से, एतं वृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिश सं प्रधिक है और सन्तरक (अन्तरकों) और सन्तरिती (सन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
त्रहेंग्य से उन्त प्रन्तरग जिधित में नास्त्रविक क्ष्य से स्वित नहीं
किया गया है:—

- (क) बन्तरण वे हुइ किशी शाय की वावत, उत्कक्ष अधिनियम के वधीन कर येने के जन्तरक की दायित्य में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के निए; अडि/या
- (व) तम धिमी आय या किसी धन या क्रम्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; बॉर/या

कत शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 1. श्री जिया उद्दीन ब्खारी ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मन्यारी मोहम्मद, सुल्तान,।

(ब्रन्तरिती

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :--

- (क) इस स्वान के श्वपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थाक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए वा सकींगे।

स्पव्यक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा नया है।

समस्पी

फ्लैंट नं० 302, जो तीसरी मंजिल, बिस्डिंग न० 5 "म्रल मदोना" मिस्लतनगर, एस० नं० 41 (पार्ट), भ्रोशिवरा, विलेज, बेहराम वाग के पीछे जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

े भ्रतुस्त्री जैसा कि क० स० माई-2/37ईई/12217/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 2-5-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षय प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक 10-1-1985 मोहर: प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985 निदेश मं० ग्राई०ब2/37ईई/12218/83ब84--- मतः मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दुसको प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं णाप नं 56, रोशनलाल श्रग्रवाल शापिग श्रंकेड, जे पी रोड के सामने, क्सींवा श्रन्धेरी बम्बई-400 058 में स्थित है (श्रीर इसने उपावबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा भायकर श्रिष्ठितियम 1961 को धारा 269 कला के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रिष्ठिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 2-5-1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निय्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .---

- (क) अन्तरण से हुई किसी लाग की बाबत उक्त लिध-नियम के अधीन कर दोने के असरक के दियाल में कजी करने या उबसे वचने में सविधा के सिए; बीट्/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त विधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधी के सिए;

अतः वक्ष, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्यों, अथात्ः— 1. मैसर्स श्रार० एन० जिल्डर्स ।

(प्रन्तरक)

2. मैससं के० बी० मार्केटिंग कन्स्ल्टम्सी प्रा० लि० (श्रन्तरिसी)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के बर्ज़न के सम्बंग्ध में कोई भी बाशंप इ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रक्रित स्विक्त स्विक्त में से किसी स्वित्त इवारा;
- (ख) इस स्थान के राज्यत के प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य स्थावर व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकिन में किए जा सकाय।

स्थानिकरण:--- इसमें प्रयासन क्षव्यों और पत्रों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा थी उस अध्याय में अविका पत्रा हैं।

अन्सूची

णाप नं० 56, जो रोशनलाल अग्रवाल, शापिंग अंकेड, जे० पी० रोड, वर्सावा अन्धेरी वस्वई-400 058 में स्थित है। श्रनुसूचो जैस कि क० सं० आई-2/37ईई/12218/83-84 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक **बाष**कर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 11-1-1985

इक्त भार्ष टी एव एखा.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाङ

कार्यालय, सहायक भायकर भायूक्त (निदक्तिण) श्रेजन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 11 जनवरी, 1985

निदेश स० धाई-2/37ईई/12219/83-84--- श्रतः मुझे सक्सण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 75 000 - र से अधिक हैं

श्रीर जिसकी से एक्वैट ने ० 708, सानवी मिलल, एवरैस्ट, विहिन्छन, जे ० पं ० रोड, वसींवा, ग्रन्धेरी (पिष्चम) वम्बई-400 061 में स्थित है (ग्रीर टससे उपावद्ध श्रनुस्ची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विगत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के नार्यालय में रिजस्ट्री है हिनाक 2-5-1984 को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उश्व अन्तरण लिखित में वास्तिबक हुए से कथित नहीं किया गया है ----

- (क) जंतरण से हुई किसी आयं की वाबत, उक्त श्री को शास के अभीन भर दान के वस्तरक के बाबित्व में कामी कारने या उक्क वक्त में सुविधा के सिए; बौर/या
- (क) एंसी किसी अपन वा किसी अपन वा जन्य वास्तिकों को जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिभार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया वा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के जिए:

जतः जब, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातु '—— 1. नाहर सेट एण्ड जोगानी एसोशिएट्स ।

(भ्रन्तरक)

2. भवरलाख बी० नाहर फैमिली ट्रस्ट ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सम्पृत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप ---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या मत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की बामील से 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि बाद मा नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ग्राह्म
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 विश्व के भीतर जवन स्थावर सम्पत्ति में हिनवद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः के लभ्याय 20-क में परिभाषित है वही पर्यं होगा जो उस प्रक्याय में दिया क्वा है ।

अनुसुचा

फ्लट न ० 708, जो मातवीं मजिल, एवरैस्ट बिस्डिंग, जयप्रकाश नारायण शेड, वसींचा श्रन्थेरी (पश्चिम), बम्बई-61 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैमा कि ऋ० स० भाई-2/37ईई/12219/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई क्षारा दिनाक 2-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक : 11-1-1985

मोहर '

प्रारूप आहें टी.एन.एस. ------

नायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्थालय गङ्गियक **मायकर मायुक्स (निरक्षिण)** ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनोक 11 जनवरी, 1985

निदेश सं० ब्राई-2/37ईई/12220/83-84--ब्रतः मुझे लक्ष्मण दाम

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा २०० के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य २5,000 /- रा. में अधिक हैं

श्रीर जियका से ० पर्नेट तठ० 302, तीसरी मिजल, हरिणियम् स्नार्टमेन्ट्स, कापूर विलिखा, जे० पा० रोड, श्रन्थेर (पण्निम), बम्बई-400 058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूचों में श्रीर जो पूर्ण का से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित संभाम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनाक 2-5-1984 को कृतिकत सम्पत्ति के जियत बाजार मृल्य से कम के दश्यमान श्रीमिक के निए अन्तरित की गई है और मुमें यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रक्तमान में कि प्रथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रक्तमान में कि प्रथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रक्तमान में कि प्रथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रक्तमान में कि प्रथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रक्तमान में कि प्रथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रक्तमान के कि प्रथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रक्तमान के कि प्रथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रक्तमान के किए स्थ नियाप्त प्रतिफल, निम्निसित उद्वेष्य से उक्त भन्तरण निम्निसित में बारतिक रूप से किथात नहीं किया गया है इन्स

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाय की सावत, उनत ऑधितियस के जधीन कर दोने की अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा को निष्: और/या
- (क) एसी किनी नाय या किसी भन या कल्य नांस्त्यों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

्र जतः सम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीतः निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. मसर्स हरो णिवम्, बिल्डर्स ।

(श्रन्तरक)

- 2. (1) श्री भ्रतुल भ्राप्ट पारंख, तथा
 - (2) श्री रमणीकलाल पी० पारीख ।

(ग्रन्तरिती)

3 श्रामतो विद्यावती कापूर (ट्रस्ट), श्रोनर्स । (वह व्यक्ति जिसके वारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्तिमें हितवक्क है)

को यह ग्चन। जारी करके प्यानित म्म्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की लामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब क्थ किसी अन्य स्थावत युवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए का सकनी।

स्वष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षे का, को उक्क किपिनयम के अध्याय 20-क में परिभाविक हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका गया है।

समस्वी

फ्लैंट नं० 302, ओ तीसरी संजिल, हरिणिवम. श्राफ्टं-मेन्द्स, कापूर विल्डिंग, जें० पी० रोड, श्रन्धेरी बम्बर्धव58 में स्थित है।

प्रतुमुची जैसा कि कि के सं अग्राई-2/37ईई/12220/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनांक 2-5-1984 क्यू रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी -सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, **बम्बर्ध**

दिनांक : 11-1-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी, 1985

निदेश सं० ग्राई-2/37ईई/1221/83-84---ग्रत: मुझे लक्ष्मण दास

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपय से अधिक है

स्रोर जिसको सं ० फ्वेंट नं ० 303, तीसरी मंजिल, हरी शिवम स्रार्टमेन्टस, कपूर बिल्डिंग, जे० पी० रोड, स्रन्धेरी, बम्बई-58 में स्थित है (स्रोर इससे उपाबड़्द्ध स्रनुसूची में स्रोर जो पूर्ण रूप से विजत है) स्रोर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के स्रधीन वम्बई स्थिप सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 2-5-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान अन्तरित की प्रतिफल के लिए गइ मुभ्दे विश्वास करने का कारण बह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रति-फल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है बौर अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित **उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया** ग्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय करे बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, या पान्य अभिन्यम, या पान्य अभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

कतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्ं:— 1. मैसर्स हरी शिवम् बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्रो नितीन ग्रार० पारेख, तथा
 - (2) श्रीमती सुधा एन० पारेख ।

(श्रन्तरिती)

3. श्रीमती विद्यावती कपूर, (ट्रस्ट) श्रोनर्स । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

्र फ्लैंट नं 303, जो तीसरी मंजिल, हरी शिवम्, अपार्ट मेन्ट्स. कपूर बिल्डिंग, जे० पी रोड, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400 058 में स्थित है।

'श्रनुसूची/जैसा कि कि से श्राई-2/37ईई/12221/83-84 श्रीर जो सुक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-5-1984 को रजिस्ट्रड किया गया है।

> - लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 11-1-1985

मोहर 🖫

४क्ष्यु नाह्रौ, टी. एन. एत. -----

शायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के सभीन सुखता

भारत सरकार

कार्यांबय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985

निर्देश मं० ग्राई-2/37ईई/12222/83-84—ग्रातः मुझे, लक्ष्मण दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

पलैट नं० 402 चौथी मंजिल, बि० नं० 3, ''ग्रल मावौं' मिल्तलनगर, श्रोशिवरा, विलेज, बेहराम वाग के पीछे, जोगेस्य्यूर (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण का से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्राधिनियम, 1961 को धारा 269 कल के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रो है दिनाक 2-5-1984 को पृधालत संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सस्मित बाजार मृल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्निसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मो वास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है :--

- (क) जंतरण से हुंड किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम क अधीन कार दोने के जन्तरक के दायिल्य मां कामी कारने या उससे बचन यो सुविधा के लिए; आहु/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गठा था या किया जाना चाहिए था, स्थित इंस्विभा के सिए;
- हैं बतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थातः :---

1. श्री झियाङदीन ब्यारी ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री श्रन्वारी मोहम्मद तबी खान।

(श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, वां भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- प्रसम् प्रयुक्त शब्दों शौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगस्ची

''एलैंट न० 402, जो चौथी मजिल, बिस्डिंग नं० 3, ''ग्रस मार्वी'' मिल्लतनगर, एस० न० 41 (पार्ट), श्रीशियरा विलेज बेहरम, बाग के पाछे, जोगेण्यरो, (प०), बम्बई-400 058

अनुसूची जैसा कि कर संरु आई-2/37ईई/12222/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो बस्बई द्वारा दिनांक 2-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भूजेन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 10-1-1985 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महागक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 2, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जमवरी, 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 906, नौवो मंजिल एवरेस्ट, बिलिंडग, जे० पी० रोड, वर्मोवा श्रन्धेरी (पश्चिम), वस्बई 400061 में स्थित हैं (श्रोर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत हैं) श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रीधिनियम 1961 को धारा 269क, ख के श्रधीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2-5-1984

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह बिश्वास करने का कारण है कि यह

पूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल सं, एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्दृह प्रतिष्ठात से अधिक हैं जार अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिनित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आगय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनक्तरण कें, कें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) नाहर सेठ एन्ड जोगानी एसोसिएट्स (श्रन्तरक)
- (2) सुखराज बो० नाहर फैमिली द्रस्ट। (ग्रन्तरिती),

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रक् करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हाँ, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्वों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया गया है।

वग्स्य

पलेट नं १ 905, जो 9वीं मंजिल एवरेस्ट बिल्डिंग, जयप्रकाश नारायण रोड़, वर्सीवा ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई-4/37ईई/12223/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो वम्बई, क्वारा दिनांक 2-5-1984 को र्राजस्टिई किया गया है।

ंलक्ष्मण प्रसाद सक्षम प्राधिकारी गहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनोक : 1 ।-1-85

मोहर 🖞

प्ररूप कार्षः, टी. एन. एस. *******

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **धारा** 260-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयवर आयवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक, 11 जनवरी, 1985 निदेश सं० म्रई-2[37ईई|12224|83-84--म्रतः मुझे लक्ष्मण प्रसाद

नायकार व्यथिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन नक्षम राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है थि स्थार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000 करने से अधिक है

भीर जिसकीस सं० पलैंट न० 1105, ग्यारवी मंजिल, ए बरेस्ट बिल्डिंग, वसींवा. अन्छेरी (पिन्नम), बम्बई-58 में स्थित ई श्रीर जिसकी। करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269, काख के श्रीधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 2-5-1984 को पूर्वेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का जारण है कि, एक एए जिस्ट सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल में. एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) आर बंतरिती (अंतरितियों) के भीष एसे अंतरण के जिए तम पामा गया प्रतिक्था शिक्स किनियों के विषय गया है:—

- (क) जन्तरण से बृद्धं किसी नाय की बाबत, उक्त अधिरात्यक के प्रथीन कर दोने के जन्तरक के दाशित्व में कमी करने या उनमें बचने में सुविधा ८ किस् अध्या
- (का) शृक्षा किसी आय या किसी भन या अन्य शास्तियाँ कर्या गिन्हों भारतीय आय- हर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मों मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के पधीन, निम्निसिश व्यक्तियों, अधित है—

- (1) नाहर मेठ प्रेड जोगालों एसोगिएट्स (श्रन्तरक)
- (12) पुष्पत चें तहर फिमलो ट्रस्ट (श्रन्तरिती)

को वृद्ध वृष्यना थारी करके पूर्वीक्स सम्मत्ति के वर्जन के विष् कार्यनाष्ट्रियां करता हो।

जनत सम्पत्ति के नर्जन के सब्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर. सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राँदन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी जन्य व्यक्ति स्थाय वधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

वनुसूची

फ्लेट नं० 1105 , जो ग्याप्तत्रीं जिल, एवरेस्ट बिल्डिंग जयप्रकाण नरायण रोड़, वर्मीता, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400061 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम मं० अई-2/37ईई/12224/ 83-84 श्रीर जो सझम प्राधिकारो बम्बई द्वारा, दिनांक 2-5-1985 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11-1-1985

प्ररुप बार्ड. टी. एन. प्स .-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

1.13月期 衛星監視度

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, वस्बई बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उनित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं प्रतिष्ट नि 21, "बो" विग दूसरी मंजिल रोशनलाल श्रग्रवाल काम्प्लेक्स/ग्राकेड, श्रपन घर 41, जे ० पी ० रोड के सामने, वसंवा, बम्बर्ड-400058 में स्थित है। (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूर्च। मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका काररनामा भागकर, श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ही है तारीख 2-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभिन्न भाषार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है आँथ मूम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिति) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती व्वाग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में गुविशा के निए;

अतः अतः अत्रतः अधिनियम की धारा 269-ग कौ नम्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा-269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथातः :—- (1) ध्रार० एन० बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) डा० किशोर के० राव।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हु।

उवत सम्पत्ति के अप्पर के सबंध में कांहें भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तासील में 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

अनुसूची

फ्लेट नं० 21, जो दूसरी मंजिल "बी" विंग रोशनलाल श्रग्नवाल काम्प्लेक्स श्रपना घर 41, एस० नं० 41, वेशा प्लाट नं० 42, एवं 43, जे० पो० रोड़ के सामने, वसींवा, श्रन्धेरी, बम्बई-400058 में स्थित हैं।

श्रनुमूची जैसा कि क्रम सं० श्रई-2/37ईई/12225/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनाक 2-5-1984 को र्राजस्टई किया गया है।

लक्ष्मण द्वाम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वम्बर्ह

तारीख: 11-1-1985

प्ररूप नार्इं, टी. एन. एस. -----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 की 43) की **धा**रा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सहकार

कार्यालय सहायक जायकर बाय्क्त (निरक्षिण) प्रजीन रेंज 2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

श्रई-2/37ईई/12226/83-84--श्रतः निवेश मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनितम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **६सके परचा**त् 'उक्क भृधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका निवत बाजार मुस्य 25.000 /- रु मं अधिक इं

भ्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 303, जो 3री मजिल, बि नं० 11, स्रोमिवरा वीलेज, बेहणा वाग के पीछे, जोगेइवरी (पिण्चम), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबत श्रनुसूची मे श्रीर पूण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करार नामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 को धारा 269क, ख के भ्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार, के कार्यालय मे रजिस्द्रो है तारीख 4-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एस दश्यमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वेश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (कर् अन्तरण ले हुइ फिभी आब की बाबत. उसा अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाभित्व में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकार मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या **भन-कर जभिनियम, 1957 (1957 का 27)** के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था छिपानं में सविधा के लिए;

जकः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कीं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

(1) श्रो जियाउद्दोन बुखारी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रास्लमखान हसनग्रलो खान ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सचना जारों करने एवं का सम्पत्ति अ अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अपन भ समंग म जार्ड भी आक्षेप - -

- (क) इस भूचरा ५ राजपा या एडाबार की शारीख से 45 दिन की अर्थीय या तत्यन्यन्त्री व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील के 30 किए जी अवधि, जो भी अविधि बाद में भरभात हाता हा, के शीसर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति दवारा;
- (स्त) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णग भितान । पा । का (या सकोंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमे प्रमुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-वः में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्या

फ्लैट नं० 303, जी 3री मंजिल, बिल्डिंग नं० 11, "ग्रल ग्रराफन" मिल्लत नगर, एस० नं० 41 (पार्ट) श्रोशिवरा त्रिलेज, बेहराम बाग के गोर्छ, जागेश्वरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।

ग्रन्**सूची जैसा कि क्रम मं० ग्रई**—2/37ईई/12226/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 4-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर आयुक्त (निरोक्षण), श्चर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 11-1-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

आयकार आभिनियम. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत संस्कार

कार्यालयः, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1984

सं० प्रार्ड-2/37ईई/12242/83~84:--प्रातः मुझे, सक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके विश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या पलैट नं० 401, चौथो मंजिल बि० नं० 11, ग्रीशिवरा विलेज, वेहराम वाग के पीछे, जोगेश्वरी, (पिश्चम), बम्बई-400 058 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), ग्रीर जिसका करार-नामा ग्रायक्तर ग्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 4-5-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह भित्रति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सम्पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायिए के कभी करने या समये उचने में सुविधा के निए; आर/
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों कों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविक्षा के सिए.

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनित व्यक्तियों, बर्थात् ॥ • 1. श्री शियाउदीन बुखारी।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती नेमा क्वेझर मोतीवाला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध रू कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सेबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 बिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के मीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हित- वस्था किसी व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा स्थींगी।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 401, जो चौथी मंजिल, बिल्डिंग नं० 11, "श्रल श्रराफत" मिल्लतनगर, एस० नं० 411 (पार्ट), श्रोशिन बरा, विलेज, बेहराम बाग के पोछे, जोगेण्वरो (पण्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।

म्रनुसूचो जैसा कि ऋ० मं० म्रई-2/37ईई/12242/83-84 म्रीर सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–2, बस्ब**र्ध**

दिनांक: 10-1-1985

मोहर 🛭

प्रस्त वार्ड ही. इन. एस. ----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भाग्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आध्वत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/12254/83-84:--ग्रत मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या पलट नं० 21, दूसरी मंजिल, "बी", विग, रोशनलाल अभ्रवाल काम्पलेवप/ग्राफेड ग्रपना घर-41 के पाम, जे० पी० रोड, के सामने, वर्सोवा ग्रन्धेरी (पिश्चम), बम्बई-400058, में स्थित है. (श्रीए इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हे), श्रीए जिस्ता करारनामा ग्रायकर ग्राधिनायम 1961 कि धारा 269 के के ग्रधीन, सक्षम प्राधिकारा के कार्यालय, बम्बई में राजिट्रा है, दिनांक 5-5-1984।

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से जम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोवत संपर्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीन एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप में कथित उहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण म शृहां १८० शाय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधी जार दलें क अन्तरक के दायित्व में कभी अन्तरे य उसमें वसने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिनियो व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए ा, छिपाने में सृविधा के सिए:

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाठ :— 1. श्रो ग्रार० एन० ए० बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

2. श्री पोकरवदास लक्ष्मणदास, रोहिरा।

(म्रन्तरिती)

कां यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त यंपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्यष्टीकरणः—इमुमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया

अन्स्ची

"फ्लैंट नं० 21, जो दूसरी मंजिल, "बी" विंग, रोशन-लाल अग्रवाल काम्पलैक्स आकेड, अपना घर-41 के पास, एस० नं० 41, जे० रो० लोड के पास, वर्सोवा, अन्धेरी (पश्चिम), मुम्बई 400058 में स्थित ण।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37ईई/12254/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 5-5-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास, सब्बम प्राविकारी सद्धायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11-1-1985

मोहर: ,

प्ररूप् आई.टी.एन.एस.-----

बायकर विधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

STEEL STEEL

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

प्रार्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० भ्राई०-2/37ईई/12258/83-88——श्रतः मुझे नक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इस के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/-रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 504 पांचवी मंजिल, ज्यूपिटर बिल्डिंग हिरनदानी इस्टेट, चार बंगलोज, ग्रन्धेरी (प), सम्बई-400 058 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबब श्रनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप में विणत हैं) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्राधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री हैं दिनांक 5-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इध्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के सीच ऐसे अंतरण के लिय तय पाया गया प्रतिफाल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविक्त में शास्तिक क्य से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण तं हुद् भिन्ती काव की बाबता, उपस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दाबिएव में कमी करने या उससे बकने के भिन्ना के सिए; औष्ट्र/सा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों धो, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्तिरही द्वारा प्रकट नहीं किया गना था या किया जाना थाहिए था, क्यानि प्रेम स्थित के निए:

लतः अब, उक्त निधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्क निधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के लभीन, निम्निनिश्चित व्यक्तियों, सर्थात :--- 1. मैसर्स हिरनवानी विल्डसं ।

(मन्तरक),

2. श्रीमती हन्ना डब्ल्यू, बेन, ।

(भ्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन के भीतर स्थान स्थान्य सम्पत्ति में हितनक्ष किसी अन्य स्थानत स्थान अभोहस्ताकारी की पास लिखित में किए जा सकते हैं!

स्वध्वीकरणः --इसमें प्रयुक्त खब्दों और पर्यों का, वी उप्त जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं., जहीं अर्थ होगा को उप अध्याय में दियर गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० जे/504, जो पांटबी मंजिल, ष्युप्टिर श्रापर्ट-मेन्ट, हिरनदानी इस्टेट, चार बंगलोज, श्रन्धेरी (पॉक्चम) बस्बई 4000058 में स्थित है।

श्रमुम् जो जैसा कि ऋ ई० भई-2/37ईई/12258/83-84 श्रीर जो मक्षम प्राधिकार, बम्बई द्वारा दिनोंक 5-5 1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. - - - ----

बायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन सुकना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

सं ० **ग्रई**-2/37ईई/12263/83-84~-ग्रत, मुझे, लक्ष्मण दास,

अगयकर अधिनियम, 196! (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं 601, छठो मंजिल. वि० नं 3, श्रीशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), बस्वई—400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रीधित्यम 1961 की धारा 259 क, ख के श्रधीन सक्षम श्रिक्षकारी के कार्यालय, बस्वई में रिजस्ट्री है, दिनाक 5-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान श्रातिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रितो (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरंत्र से हुई किसी शाम की शायल, उक्त अधिनियम के लधीन कर दोन है अरप्रक के दायित्व को कमी करने दे। उसके उचने ग्रां स्विधा है लिए; और/ण
- (क) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रशांजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपाने में भूबिधा के लिए;

कतः अन, उक्त अभिशियम की भारा 269-म के अनुसरम में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्तिनिमित व्यक्तियों अभिर :--- 1. श्री झियाउदीन ब्खारी।

(भ्रन्तरक)

1. श्रीमती नसीम ग्रन्तर।

(श्रन्त(रती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए फार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपार में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

फ्लैट नं० 601, जो छठी मंजिल, बिस्डिंग नं० 3, एस० नं० $41((\pi \dot{c})$, स्रोणिवण विलेज, बेह्राम के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई 400.058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-2/3/ईई/12263/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-5-84 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10~1-1985

माहर:

प्रकप बाद : . टरे. एन . एस . -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 जनवरी 1985

निदेश स॰ अई-2/37/ईई/12264/83-84 ---अत मुझे, लक्ष्मण धास,

श्रायकर बांधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित, जिसका उचित भाजार मृस्य 25,000/- रु से अधिक है

मीर जिसकी संख्या पर्लंट लें० 602, छठी मजिल, बिल्डिंग, नं० 3, श्राशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेएवरी (पश्चिमी) बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 के खे वे श्रधीन सक्षम प्राधिवार के नार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 5-5-1984

को पूर्वीकत सपित्त के उपित बाजार मन्य स कम के दश्यमानं शितफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृस्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, एसे श्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत सेर अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .~~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त प्रिथिनियम के अभीन कोर देन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए, ऑप/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्याजनार्थ अन्तरिली द्वारा अकट नहीं किया गया या सिया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

े जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निकालिसित व्यक्तियों. अर्थात् :---

1 श्री सियाउई।न बुखारी ।

(अन्तरक)

2 एम० अगरफ वीत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी दार हे पूर्वाक्त नम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सपिस के अजन का मजध मा का है भी आक्षेप ---

- (b) इस र जा जिएत से प्रक्रियन का तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितमाँ पर सूचना वर्ष गामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद से सन्धि जोती हो, के भीतर पूर्विक्स स्थानिक से से जिल्ही के किस देवारा,
- (क) इस स्वना के गजपत्र में प्रकासन की तारींच से इन जिन के नीतर परत स्थावर सपरित में हितबद्ध किसी क्षाय पर्याप्त बुवाना जपाहस्ताक्षरी के पास निधान में अध्यासम्बद्धी

स्माद्धीकरण: --- हमम १ पूर्ण शब्दा और पदा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उम अध्याय में विया गया है।

प्रतसूची

पुलैंट न० 602, जो छठी मजिल, बिलिंडम न० 3, एस न० 41 (पार्ट), श्रोशिबरा, तिलंज बेहराम बाग के पीछे, जोगेष्वरी (पश्चिम), तम्बर्ध 400058 में स्थित है।

अनुसूची जैंगा कि क ग० अई-2,37ईई,12264,83-84 श्रीर जो सक्षम अधिमारी द्वारा दिनाक 5-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास संज्ञम प्राधिकारी सहायक आयक्ष्म प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख 10-1--1985 **मोहर** ७ प्ररूप बार्च् टी .एन .एत . ------

जायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्वई, दिनांक 1 जनवरी 1985

निदश म० अई-2, 3 7ईई, 12266, 83-84'--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिर्मियम ' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सस्पत्ति, शिवसका उपित बाजार मुल्य 25,000 / - रु. से अधिक हैं^{*}

ग्रीर जिसकी संख्या शाप नै० 4 तलमाला सरोज अपार्टमेंट, बिल्डिंग, मूलगांव विलेज, वारीसी, केवज रोड, अधेरी (पू०), बम्बई-400099 में स्थित है, श्रीर इससे उपाबद अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनाम आयंकर अधिनियम, 1961 की भारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 5-5-19841

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ए से दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निच्दा में वास्तविक रूप हो कथिस नहीं किया गया **है** :---

- 5 x 2 x 4 x 5 (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की गावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरण भी वायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 **का 27**) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सविधाके लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनिथम की धारा 269**-घ की उपधारा (**1) के अधीन, मिम्नेलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ४---63 -466GI/84

मैसर्स सहकार बिल्ड्सं।

(अन्तरक)

श्री हीरालाल दयाभाई परेल ।

(अस्तरिती)

3. अन्तरक

(यह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)।

को यह सुचना गारी करके पूर्वीक्त सम्पर्ति के अर्थन भी हैंसए कार्यवाहियां शुरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संदंध से कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना कं राजपंत्र में प्रकाशन की सारी**व वे** 45 दिन की अलिए या तन्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिल की अवधि, यो भी अवधि बाद में समस्पत हाती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियो स[ा] से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राज्य। म प्रकाशन की नारीच से 45 विन के भीतर 🖒 १ रशावर सम्पत्ति में हित-ब**द्ध**ी उसी अन्य व्यक्ति एकारा, राधाहस्ताक्षरी के पास लिखित से किए जा स्केंग।

स्प**ट्योकरण**'---इसमे प्रयुक्त गञ्दा और पदा का, जो उक्त अधि-नियस के अध्याय 20-% में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जा उस हभाय में दिया गया

अन्सूची

शाप नं. 4, जो नलमाला, "नरोज अपार्टमेंट बिल्डिंग, सी०टी० एस० नं० 13/37/2, मुलगाव विलेज, महाकाली केवज, रोड, अन्धेरी (पू०), बम्बई 400099 में स्थित हैं ।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-2,37ईई,12266,83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई इत्रा दिनांक 5-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 1-1-1985

मोहर 🖫

पक्ष बाई. टी. एवं . एवं . -----

नावकर निधितवन, 1961 (1961 का 43) की चाड़ा 269-च (1) के वधीन सूचना

शापुत् बरकार

कार्यांसय, सहायक ज्ञायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

थम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० अहै-2, 37ईई, 12271, 83-84:--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फैलट नं० 101, पहिली मंजिल, वि० 11, श्रोशिवरा, विलेज, बेहराम बाग के पीछे जोगेश्वरी, (पिष्चम), बम्बई—400058, में स्थित है श्रीर इससे उपा- बद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजरट्री है, विनांक तारीख 5-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसकी उश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए सरि/धा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बा, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1)ं अधीन, निस्निजिसित व्यक्तियों अर्थात् ः—

1. श्री झियाउद्दीन बुखारी।

(अन्तरक)

2. श्री जोहरा खातून अब्दुल करूबुम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के गर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को सारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चमा की तासीस से 30 विन की अविध, जो भी ववीं वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्भ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के जध्याय 29-क में परिभाषित ही, वहीं नर्थ होगा को उस अध्याय में दिया मया ही।

वनसर्वा

''फ्लैंट नं० 101, जो पहली मंजिल, बिल्डिंग नं० 11, अल श्रराफत'' मिल्लात नगर, एस० नं० 41 (पार्ट), श्रोणिवरा विलेज, बेहरास बाग के पीछे, जोगेशवरी (पश्चिम), बम्बई 400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि नं अई-2,37ईई,12271,83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 5-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज-2, **वस्बई**

दिनाक: 10-1-1985

प्ररूप बाड़ै. टी. एन. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्वेश मं० अहै--2_/ 37ईई_/ 12272/84-84:—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम', कह्म गया है, की धारा 269-ख के सधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या पलैंट नं 102, पहिली म जिल, वि नं 1, जो ग्रोशिवरा विलेज, बहुराम बाग के पीछ, ओगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित हैं (ग्रीर उससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 2-5-1984

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उबत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व श कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एमी किसी आय या किसी धन वा अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

अतः अब उक्तः जिथिनियम की धारा 269-ग की बन्नरूप भी, मी, उवस अपिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, वर्षात् :--- 1. श्री जियाउद्दीन बुखारी।

(अन्तरक)

2. श्री जान मोहम्मद कारीआ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांइ, भी आक्षंण :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीच है 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की द्विध , जॉ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथिहम्साक्षरी के पास शिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण ---इसमं प्रयाक्त शब्दों आर पक्षों का, ओ उसत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिशालिक ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में िया गया ही।

अनुप्चा

फ्लैंट नं० 102. जो पहली मंजिल, बिस्डिंग नं० 1, अलताफ भितलनगर, एस० नं० 41 (पार्ट), स्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी, (पश्चिम), बम्बई 400058 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋस० अई-3/37ईई/12271/83–84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-5-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जहै रेंज-2, बस्बई

तारीख. 11-1-1985

प्रस्य आहें. टी. एवं. एवं. -----

पायकर बिश्विषम, 1981 (1981 का 43) की छार 289-४(1) के प्रशंत बुबना

rea , a pr

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

त्रर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक । जनकरो 1985

संमृष्ट ग्रई-2/37ईई/12279/83-84---श्रत, मुझे, लक्ष्मण दास.

बाबकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया हैं) की धारा 69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारि को यह विश्वासं करने का फारण हैं कि स्थापन संपत्ति कि कि उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक इं

ग्रीर जिसकी सं ० ग्लैट नं २ .18, चौर्था मंजिल, बिल्डिंग नं 3 प्लाट नं ० 16, भवानी नगर मरोल मरोलो रोड, ग्रन्धेरी (पू०) बम्बई—4000059 में स्थित है (ग्रोर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रांधिनयम 1961 की धारा 269 कख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 5-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित दाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तर हे हर्दे कियी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; वीर/या

बार अन्त अधिनियम की धारा 269- व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्ति व्यक्तियों, अर्थान्।

- मैसर्स दीपक बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड।
 - (ग्रन्तरक)
- 2. 1. श्रीमती जमुना जञ्बीर जाग्रोरावाला तथा 2. श्री शब्दीर ग्रलीभाई जाग्रोरावाला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बं 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्मक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्रेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिय स्वा है.।

अनुसूची

फ्लैट नं० 18 जो चौथी मंजिल बिल्डिंग नं०, 3 प्लाट नं० 16 भवानी नगर, मरोल मरोशी नगर ग्रन्धेरी (पू०), बम्बई 400059 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि क० सं० स्रई-7/37ईई/12279/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-51984 को रजिस्टई किया नया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 1-1-1985

प्ररूप बाई. टी, एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन पूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

ग्रर्जन ेंः:-2, वस्बई बम्बई, दिनांग 1 जनन्हें. 1985 सं० ग्रई-2/37ईई/12280/83-84:--ग्रत सुझे,

आयकर अधिनियम, 1965 (1961 का 42) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया ही), की भारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्रतिथमारी की, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थानन असे के जिल्हा उचित काजार मूल्य 25,000/- स्त. न अधिक ?

श्रोर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 4, पहला नंजिल, विविद्या नं० 4, फ्लाट नं० 13, भवानी नगर मरोल मरोशी रोड अन्वेरी (पू०) वस्वई—400059 में स्थित है श्रीर इसने उताबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है, श्रीर जिमका करार नामा आयकर श्राधिनयम 1961 को धारा 269 कल के श्रधीन सक्षम शाधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 5-5-1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण ते हुई किसी नाव को वावत तक्त जीध-निमक्ष के अवीर कर क्षेत्र के बन्तरक के द्राधित्व के कभी करने या जससे बचने के स्विधा के निष्ह; बाँद/वा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;
- कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण माँ, बाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मै० दोपक विल्डर्स प्रा० लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

श्रीमतः रेनू एस० मानगर तथा
 श्री सुरिन्दर सिंह।मानगर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृबोंक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप १--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 गर्न के भीतर उसत स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्षारा अधोहस्ताक्षरी के शम सिर्धका में किए जा सकेंगे।

स्पष्ट्रीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस कथाय में दिया गया हैं।

marach

फ्लैट नं० 4 जो पहली मंजिल, बिल्डिंग नं० 4, प्लाट नं० 13,भवानी नगर, मरोल मरोशो रोड, ग्रन्धेरी (पू०), वम्बई 400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि कें। श्रई-2/37ईई/12280/83- कि श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-5, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 1-1-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एज. एस.----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कांगलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

वम्बर्ड, दिनांक 10 जनवरी, 1985

निर्वेश सं० प्रई-2/37ईई/12284/83-84.--प्रतः मुझे, सक्सण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या फ्लैट मं० 404, बीधा मंजिल, वि० नं०, शोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पाछ जागेश्वरो (पश्चिम वस्वर्ध-400056 में स्थित है भीर इससे उपाबद्ध म्रानुसूचों में भीर भीर पूर्ण रूप से बणित है), भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 कल के धीन सक्षम प्राधिकारी के कायलिय, बस्बई में रजिस्टा है, दिनांक

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकार्ने) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की आयल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के लन्तरक के स्वियल में कमी करने या उससे बचारे में सुविधा के सिए; और/या
- (था) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

कतः कव, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मैं. लक्त बाधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में बधीन निम्नितिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

L. .

1. श्रोमतो जियाउद्दीन बुखारी

(भ्रन्तरक)

2. श्री सईद मुदलर

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सुम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

इक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत अयितयों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूथना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बह्दी अर्थ होगा वो उस अध्याय में विवा गया हैं।

अपूर्वा

फ्लैट नं० 404, जो 4थी मंजिल, विल्डग नं० अल मदीना मिस्तल नगर, एस० नं० 41 (पार्ट) ओणिवरा विलेच बेहराम बाग के पीखे, जोगेम्लरी (पिष्चम), बम्बई 400 058 में स्थित हैं।

भनुसूची जैमा कि क संख्या भई-2/37ईई/12284/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-5 84 को रुजिस्टर्ड किया गया ।

> लक्ष्मण दाम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्नायकरण्यायुक्स, निरीक्षण), सर्जन रैंज-2, बम्बर्ड -

नारीख: 10-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाही, टी, एन, एस,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

मारत सरकार

कार्यांत्रय, सहायक जायकर धाय्यत (निद्रीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

सम्बद्ध वितांक 11 जनवरी 1985 निर्वेश सं० **मई**--2/37ईई/12355/83-84:---भतः मुझे, सक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

शौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 302, तिसरी मंजिल सन्नी साईड "बी" घर बंगलीज, स्रोणिवरा वर्धोवा, प्रन्धेरी (बम्बई में स्थित है (भीर इमसे उपाबद्ध धनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) शौर जिसका करारनामा स्नायकर श्रिष्टानियम 1961 भी धारा 269 के, ख के श्रिष्टीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में प्रजिस्ट्री है तारीख 11-5-1984 की पूर्वोक्त रुगोतित के उचित बाजार मृत्य से कम के खरमान प्रोच्पन के निर्ध जन्मत्त की गई है और मूझे यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापृत्रोंतित सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके खरमान प्रतिफल से, एसे खरमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिस्तित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तिवक रूप से विथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए: वीर/या
- (पेरी किली जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 । 922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सविधा के लिए,

' अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कें, सें, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. श्रीमती श्रभंता वाई जीव रामोदिया

(धन्तरक)

2. श्रीमती शिल्फाबाई मोहम्मद पटेल।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शरू करना हुं।

उन्ता सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्तन स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किया जिल्हा कर किया के विकास की किए का सन्हें में।

स्थय्दीकरण :-- इसमे प्रयुक्त शब्दा और पदों का, आं उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्यी

फ्लैट नं० 302, जो तोसरी मंजिल, सन्नी साईड, "बी" बिल्डिंग यएम० पार्ट नं० 41 (पार्ट), के प्लाट नं० 355 पर, चार वंगलीज, प्रोणियण, बर्मोबा, प्रत्थेशी (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के संर श्रई-2/37ईई/12355/83-84 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी बस्वई द्वारा दिनांक 11-5-84 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, नक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 11-1-1985

प्रस्य गार्ड. टी. एन. एत.-----

रूप्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के शफीन गरण

भारत स्टब्स्ट्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, वस्वई

सं० अई-2/37ईई/12289/83-84:--अन मुझे, लक्ष्मण दास,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परच्त् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिल्ला रचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 302, तीसरी मंजिल, बि० नं० 12, ग्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई-4000058 में स्थित है ग्रौर इससे उपा बद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बिंगित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्सी है, तारीख 5-5-1984

को पूर्वोक्य सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से इर्ड किसी बाद की बादत, उक्त बिधिनयम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां क्ये जिन्हों भारतीय आर-तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिंधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कर्रितिह इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविशा के लिगा

बतः बन, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नश्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री शियाउद्दीन बुखारी।

(अन्तरक)

2 श्री काचनाना गर्खेन्द एच० आदम अली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नदिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध दिल्यी अन्य न्यांचिन इंगरा, अगोहस्ताक्षरी के यास लिखिल या किए । स्कोंने।

श्यद्धीकरण:—इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क भें परिभाषित है वहीं अर्थ हरण को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैंट नं० 302, जो तीमरी मंजिल, बिल्डिंग नं० 12, "अल अराफत" मित्तल नगर, एस० नं० 41 (पार्ट), स्रोशिवरा विलेज, बेहराम वाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई—4000058 में स्थित हैं।

अनुसूची जैमा कि क स० अई-2/37ईई/12289/83-84 श्रीर जो सज्जम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 5-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,
नक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण),
अर्जन र्रज-2, बम्बई

तारीखैं: 10-1-1984

प्ररूप बाइ". टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-ए (1) के अभीन स्थना

भारत संस्थार

कार्यात्तय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण) ् अर्जन र्रज-2, वस्बई

बम्बर्ड, दिनाक 19 जनवरी, 1985

मं॰ 2-37ईई/12303/83-84:--अत मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त सिंधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 / राज्य से अधिक है

श्रीर जिमकी सख्या फ्लैंट नं० 502, पाचवी मंजिल, वि० सं० 6, श्रीशिवरा विलेज, बेहराम आग के पीछे, जोगेष्वरी, (पिष्चम बम्बई—400058, में स्थित हैं श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 7-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई ही और मृन्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरिं त्याँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गर्या प्रतिकल, निम्तिनित उद्विदेशों से उक्त अन्तरण तिथित के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क्क) अफ्तरण से हुई किसी बाद की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व मो कमी अपने मा उसमें बचने में सविधा के लिए; आदि/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, किपाने में स्विधा के लिए;

1. श्री शियाउद्दीन बुखारी ।

(अन्तरक)

2. श्रीमतः शेख प्रेनाषवी अब्दुल लतीफ। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ससे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वार अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित् हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यो

पलैंट नं० 502, जो पांचवी मंजिल, बिल्डिंग, नं० 6, ''अल मथोना' मिल्बत नगर एस० नं० 41 पार्ट ओशिवरा विलेज, बेहराम बाग, के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई 4000058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ०स० अई-2/37ईई/12303/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वोरा दिनाक 7-5-84 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन र्ज−2 बम्बई

क्त. जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अथाँत :—

नारीख: 10-1-1985

्रास्य लाइ टिंग्ड होत एवं एस ०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में बधीन स्थान

1. श्री क्षियाउद्दीन बखारी।

(अन्तरक)

2. श्री नुर मोहम्मद अब्बुकर अधुबकर।

(अन्तरिती)

WITE WATER

कार्यालय,, सहायक आण्कर आगक्स (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1984

मं ० अई--2/87ईई/12304/83-84'--अतऽ मुझे , लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया ह"), की भाष 269-स के अधीन सक्षण पारिशकारी को प्रष्ट विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/ रू. में अधिक हैं

घौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 401, तीसरी मंजिल, बि० नं ० 2, श्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पाछे, जोगेण्यरी (पिंचम), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रींप इसमे उपाबद अनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 र्का धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 7-5-1984

को पूर्वोक्ति समपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफेन के लिए अंतरित की गई है और गुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उँचित बाजार मत्य उसके क्यमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिवात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीर कार दोने के अन्तरक के दायिए में कापी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, # TY / 27
- (क) एरेरी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का जिन्हें भारतीय बायवार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनेकार क्षिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया मा या किया जाना चाहिए था. जियाने में यविभाके लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अमृतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) 🖐 अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

को यह स्चना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, और भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्रितबद्धभ किर्मः अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमे प्रयुक्त पान्दी और पदी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गदा हैं।

क्त्सूची

फ्लैंट नं० 301, जो तीसरी मंजिल, बिस्डिंग न० 2, "अल भाफा" मिल्लतनगर, एम० नं० 41 (पार्ट), श्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई 4000058 में स्थित हैं।

अन्सूची जैसा कि क० म० अई-2/37ईई/12304/83-84 म्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 7-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, मक्षम प्राधिकारी. महायक आयकर आयक्त, निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

भोहर 🧓

प्रथम् साह्रै, क्षी., एस. एम्. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के स्थीन क्षना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर काय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज~2, बम्बई

बम्बई, दिनाव 10 जनवरी, 1984

निदेश स॰ अई-2/37ईई/12313/83-84:--अत मुझे, लक्ष्मण दास.

बायकर की भी नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की भारा 269-स के अभीन सक्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सख्या पर्लोट न० 601, छठी मंजिल, बिल्डिंग नं० 4, ग्रोजितरा बिलेज, बेहराम बाग के पोछे, जीगेण्वरी, (पश्चिम), बस्वई-400058 में स्थित है और इससे उपाबन्न अनुसूची में और पूर्णाक रूप से बर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयहार अधिनिथम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रिजस्टी है, दिनाक 7-5-1984।

को पूर्वोक्स संपरित् के उचित बर्मार मून्य में कम के क्ष्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मून्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफन से, एसे दश्यमान प्रतिफन का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरिधियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति कस निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में उच्छि सिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्धरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अगयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था स्थिपन में सुनिधा के लिए;

वत: अब, इक्त अधिनियम की धारा 269-ग के कारण्यल में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसित्त व्यक्तियों, अर्थात् ह— 1. श्री सियाउद्दीन बुखारी।

(अन्तरक)

2. श्री सईद रियासन अली।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के रिन्कार्यक्षाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पन्ति के अर्थन के सम्बन्ध में क्रोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकालन की तारीच से 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील रं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म अमंत्रित धुनायं स्थाहस्ताकरों के पास जिखित में किए जा गर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

नन्स्ची

पर्लैट नं० 601, जो छठा मजिल, बिल्डिंग नं० 4, "अल मार्वा" मित्तल नगर, एन० नं० 41 (पार्ट), ग्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगे स्वरो (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जेंसा कि क सं० अर्द-2/37ईई/12313/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, यहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण अर्ज रैज-2, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

प्ररूप आहूरं.टी.एन.एस.------

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायकं आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/12315/83-84:--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी स० फ्लैट न० 602, छठी मजिल, बिल्डिंग नं. 4, स्रोशिवर। विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेष्वरी (पिष्चम), बम्बई-400058 में स्थित है स्रोर इससे उपा बद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कस्त्र के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनाक 7-5-1984।

को पूर्वोक्त सम्मिल के उचित नाजार मूल्य स काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक न सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक हुए से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्कत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के किए; बाँट/या
- (च) ऐसी किसी काय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा सुविधा के सिए,

जतः सवः, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, अक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीतः निस्तीलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री क्षियाउद्दीन बुखारी।

़ (अन्तरक)

2. श्री अब्दुल कादर हाफिज ईस्माईल मुरती। (अन्।रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिनजद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया , गया है।

बन्स्की

"फ्लैंट न० 602, जो छठी मंजिल, बिल्डिंग नं० 4, "अल मार्वी" मिल्लतनगर, एस० नं० 41 (पार्ट), अशेशियरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जांगें स्वरी (पश्चिम), बम्बई-40058 में स्थित हैं"।

अनुसूची जैसा कि क स० अई-2/37ईई/12315/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-5-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त, निरक्षिण), अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 10-1-1983

मोहर 🛭

प्रकृष् बाह् . ही , एव . एख .

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वस्वई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985

सं० अई-2/37ईई/12325/83-84:—अंतऽ मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 10.2, पहली मंजिल, बि० नं० 4, ग्रोशिवरा विलेज, बेहराम वाग क पीछे, जोगेश्वरी (प०) बम्बई-400058 में स्थित हैं (ग्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हो, ग्रौर ज़िसका करार नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्रा है, दिनांक 5-5-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान गितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के बिख मं वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अध्य की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे बचने में सविधा के जिस; और/सः
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धार्महण था. क्रिपान में सक्था के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण रें, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) डे बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थान — 1. श्री झियाउद्दीन बुखारी।

(अन्तरक)

2. श्री सईद अहमद मुस्लिम खान।

(अन्तरिती)

स्ते वह क्षणा चारी करके पूर्वों कर सम्पृतित के वर्जन के तिष्

उन्स सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण :---

- (क) इस त्युना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख इं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्र्धाहस्ताक्षरी कं पास निषित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

"फ्लैंट नं० 102, जो पहली मंजिज, बिल्डिंग नं० 4, "अल मार्वा" मिल्लतनगर, एस० नं० 41 (पार्ट), स्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई 400058 में स्थित हैं"।

अनुसूचो जैसा कि क सं० अई-2/37ईई/12325/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांकग 5-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

प्रकृष काइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

नारंत वरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्ज रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985

निर्देश सं० अई--2/37ईई/12334/83-84:--अत मुझे, लक्ष्मण दास.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार जिसे शिवाम कहा गया हैं), बर्ग धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/-रु. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 401, चौथी मंजिल, बि० नं० 2, श्रोशियरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पिश्चम) बम्बई—400568 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 8-5-1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मफे यह विकास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्मत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी जाय वा किसी धृत या अस्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन कृद जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा शकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उन्नत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मक्तिका व्यक्तियों, धर्मातुः---- 1. श्री सियाउदीन बुखारी।

(अन्तरक)

2. श्री करीम खान आयुब खान।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के मर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

धक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है दें 45 दिन को अविधि शा तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ठ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त राब्धा और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हो, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

पर्लैट नं० 401, जो, चौथी मजिल, बि० नं० 2, "अल साफा" मिनल्ननगर, एस० न० 41 (पार्ट), श्रोणिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी, पण्चिम), बम्बई 400058 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई-2/37ईई/12334/83-84 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण), अर्जन रैंज-2, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

मोष्ठर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भावकार वर्गिनिवास, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-छ (1) को बागीन सुख्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 जनवरी, 1985

निर्देश स० अई-2/37ईई/12339/83-84:--अत मुझे, सक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमें इसमें इसके पश्चाह 'उक्त अधिनियम' कहा भया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट न० 703, सातवीं मंजिल, बि. नं० 6, श्रोशिवरा विलेज, वेहराम बाग ने पीछे, जोगेश्वरी (पिष्चम), बम्बई-400058 में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 8-5-1984

को पूर्वोक्त सम्परित से उचित बाजार मृत्य से कम के इर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियभ के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्राधित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया धाना धाना साहिए था, छिपान में सुविधा लें दिए:

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के स्थीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधाति ६1. श्री झियाउद्दीन गुजारी।

(अन्तरक)

2. श्री सईद झावर अली साहेब अली।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के किए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स प्रक्रित में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वाना के राजपण में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-शब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताकारी वें पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्व्यक्तिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नम के कथ्याम 20-क में परिभाषित । हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस कथ्याम में दिया गया है।

मनुसू**ची**

"फ्लैंट नं० 703, जो मातवी मंजिल, बिल्डिंग नं० 6, "अल मदीना" मिल्लतनगर, एम० नं० 41 (पार्ट), भ्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), बस्बई 400058 में स्थित हैं"।

अनुसूची जैमा कि कल्स० अई-2/37ईई/12339/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-5-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्ष आयुक्त निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, **बम्बई**

तारीख: 10-1-1985

१९५ वार्ष्य दी. एक्ट्र एक्ट्र------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के नभीन सूचना

भारत मरकार

'नार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निर्देश भं० म्रई-2/37-ईई/2356/83-84--म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के. कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रह से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 403, चौथी मजिल, "एल्स्काट-बिल्डिंग, चार बंगलीज, वर्सोवा, श्रन्धेरी, (पश्चिम), बम्बई 400 058 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 11-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मृख्य से कम के दश्यमान लिए अन्सरित गद्द प्रतिफल को की मभ्हे विश्वास करने का कारण ह कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अध्व है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण में हुई किसी बाय की वाबत, उक्त श्रीपीनवस के बधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; क्यीर/क।
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया काना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :---

1. श्रीमता तजीवार कौर गाधी

(भ्रन्तरक)

2. श्रोमता श्राना एग० साखुजा

(भ्रन्तरिती)

4 मैं० स्रोणिवरा तींग्ड क्षेत्रलागेट कं०

(মাণ) শিদিইছ

(तह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रवाहस्ताक्षरा जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है।)

को यह मुचन। कारों कर के उसा इंड सम्पत्ति के अचन के लिए कार्यशाहिया करता हुए।

जबल सम्पत्ति के अपने के सम्बन्ध में कोर्द भी साक्षेप 🖫

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वतः की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीवर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए जा सकरेंगे

स्पष्टीकरण:--इसमी प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, कटी अधीक्षाना को उस बध्याय में दिया

शनस्थी

"फ्लैट नं० 403, जो नौथी मंजिल, ("बेलस्काट" बिल्डिंग, एमं० नं० 41 (पार्ट) के प्लाट मं० 15/7 पर चार बंगलोज, वसंबिंग, प्रान्धेरी (पिएचम), बम्बई-400058 में स्थित है

श्रम् स्वा अंगा कि कर संर श्रई-2/37–ईई/1235683–84 श्रीर जा सक्षम प्राप्तिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 11-5-1984 को श्राचन्द्रश्चे किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी (यठायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज-2, बम्ब**ई** 🛣

तारीख 11-1-1985 लेडन

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-म (1) के अभीन स्वाना

नारत नरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 1 जनवरी 1985

निर्देश सं० अर्ड-2/37—ईई/12360/83-84—अर्तः मुझे,

लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 22, पांचवी मंजिल, बि० नं० आन्बीवली विलेज अन्धेरी, बम्बई में स्थित ई (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसक, करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 11-5-1984

को पूर्वित संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकत को निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकत से, एसे द्रश्यमान प्रतिकत का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया णवा प्रति-कन, निम्नितिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में गस्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स व्यधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के पासिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/भा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्यिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया आना चाहिए था, छिपाने में स्विधा खें जिता

1. मै० वैथरा बिस्डर्स

से (**ग्र**न्तरक)

2. श्रीमती शोबा उमेश श्रीयाना

(भ्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तिः के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से विसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकेये।

स्यव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

प्लैंट नं० 22, निर्माणाधीन ईमारत, बिल्डिंग नं० 1 जो पांचवीं मंजिल, प्लाट एम० नं० 397, भ्राम्बियली विलेज, मन्धेरी, बग्बई में स्थित हैं।"

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-2/37-ईई/12360/ 83-84 और जो सक्षम पाधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 11-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्मे (निरोक्षण) श्रजैन रेंज 2, बस्बई

कतः, अ॰, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 1—1—1985

मोहर 🕆

प्रस्प आई.टी.एन.एस-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अधि 269-घ (1) के बधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 11 जनवरी 1985 निर्वेण सं० म्रई-2/37;ईई/12364/83-84--मृतः मुझे, लक्ष्मण दास.

श्रायकर जी बिग्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी 'को यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० टी 4-61, संजीव टायर, बेह्र रामवाग, श्रीशिवरा विलेज, प्रन्धेरी, वसीवा, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप मे विणक्ष है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकंर श्रीधिनियम, 1961 को श्रारा 269 है, खे के श्रधोन, सक्षम श्रीधिकारों के क्यांलिय वम्बई में रजिस्दो है, तारीख 11-5-1984

करं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्र बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या तक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

शतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों. अर्थात :--

1. मैं० मठजीव बिरुडर्स प्राइडट लिमिटेड (ग्रन्तरक)

2. श्री राय सी० कोरिया

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहर्या शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी नाक्षेप :---

- (कं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी अपितसमें पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में सभाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यविसयों में से किसी व्यवित ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्र बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसम प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स् की

पलैट नं० टो 4, 61 जो संजीव टावर, बेहराम बाग, श्रोशिवरा विलेज, श्रन्धेरो वर्सोवा, बम्बई में स्थित है। श्रनुसूचो जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/12364/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारो, वम्बई द्वारा विनांक 11-5-1984 को र्राजस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज 2, बम्बई

तारीख: 11-1-1985

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस. -----

भाष अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

वस्वर्द्द, दिनाक 11 जनवरी 1985 निर्देश सं० थ्र्ह-2/37–ईर्ह/12366/83–84–श्रत मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु से अधिक है

श्रीर जिसकी स० फ्लैंट न० 81 82, 83 84 टायर-4, सजीव टायर, बेहराम बाग श्रीशियरा निलेज, ग्रन्धेरी- वसिया, बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है) श्रीर जिसना करार- नामा स्रायकर प्रधिनियम 1961 का धारा 269 क ख, के श्रधीन जम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार के कार्यालय में राजिस्ट्री है नारोख 11-5-1984

का पूर्वाक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और (अतरको) और अतरिती (अंतरितियों) के बीच उसे, अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अतरण निम्नलिखत में बास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाथ की सामत उक्त वांध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने या उसते अचने में सुविधा के लिये; बौर/मा
- (थ) एसी किसी आय वा किसी धन जम्ब जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर जिथिनियम, या धन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इजारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना चाहिए था जिथाने में सुनिका जे जिए;

1 मै० सजीव बिल्डर्स प्राईवेट लिमिटेड

(म्रन्तरक)

2. मेसस भ्ररिहत एन्टरप्राईजेज

(म्रन्सरिगी)

को यह मुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित क गर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप --

- (क) इस कूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विने की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भैं अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की नार्रात क्ष 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पारित में हिताब्ध किसी अन्य व्यक्ति वृद्धिरा अधोहस्ताक्षरी के प्रक निश्चित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित्र है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट न० टी-4, 81 82, 83, 84 जो आठवी मजिल, सजोव टावर, श्रेहराम बाग श्रोशिवरा विलेज, श्रन्धेरीव वर्सोवा, वम्बई में स्थित हैं।

श्रनुभूची जैसा कि कि० स- श्रई-2/37 स $-\frac{1}{2}$ $+\frac{1}{2}$ $+\frac{1}$

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी (सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-2 बम्बई

र् अतः अत्य, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ः—

नारीख 11-1-1985 मा**हर**ा प्रकल भार्य ु दी । एम् । एक । ४ ० - ४०००

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचनः

प्रस्तुत बहुन्तार

कार्याभव, बहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई हिनांक 10 जनवरी 19

बम्बर्स, दिनांक 10 जनवरी 1985 निर्देश सं० अई-2/37-ईर्स/12380/83-84--अतःमुझे,

लक्ष्मण दास, नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. ने अधिक है

भ्रौर जिसकी स॰ फ्लैंट न० 503, पांचवीं मजिल, बि० न० 4 "अल मार्वा" स्रोणिवरा, विलेज बेहराम बाग के पीछे जोगे स्वरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपा-बद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका अधिनियम, करारनामा आधकर 1961 की ख के अधीन, बम्बई स्थित प्राधिकारी के कार्यालय में जिस्ट्री है, तारीख 11-3-84 को पूर्वेक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रवयमान पतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपक्ति का उचित बाजार मृत्य ; उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकार से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निस्तिसित उद्देश्य से उस्त अन्तरण सिसित वें वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृदिभा के लिए; अर्थर का
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया जा वा किया वाना चाहिए था कियाने में स्विधा के जिल्हे

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात :--- 1. श्री क्षियाउद्दीन बुखारी

(अन्तरक)

2. श्री शाफिक ए० गेख

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के सिए कार्यनाहियां करता हुएं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिकृषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

प्लैट सं० 503, जो पांचवीं मंजिल, बिल्डिंग नं० 4, "अज़ मार्वा' मित्तल नगर, एस० नं० 41 (पार्ट), श्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई-400 058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई-2/37-ईई/12380/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई 7

ता**रीख**़: 10—1—1985

मोइर:

प्रस्था बाई. टी. एन. ध्सं.-----

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन र्गज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985 निर्देश सं० अई--2/37-ईई/12390/83-84--अतः मुझे,

लक्ष्मण दास, बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसें इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के 3 कि रहा परिचार के कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

25,0007- रु. स जायक ह श्रौर जिमकी स० फ्लैंट न० 2, यूनिट न० 12-ए, पहिली मंजिल, शैफिल्ड टावर्म, चार बगलोज, वर्सोवा, श्रंधेरी (प०) बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रें है, तारीख 11-5-1984

का पृथिति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के स्वयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्तें यह विश्वास अर्थ का कारण है कि यथापृयांकत संपत्ति का उचित बाजार ब्ल्थ, उसके क्ष्यमान प्रतिफल म एस स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत में अधिक ही और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) का बीक एमें अन्तरिक के लिए तय पाया गया श्रीतिफल, निम्नी आंखत उद्देश्य में उवत बन्तरण जिचित में बास्तविक रूप से कांधत नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण सं हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त बिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरण क राजिस्म में अभी करने या उद्यक्ष अधन में सृविधा के लिए, अरि/या
- (स) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्ध जास्तियों की, जिन्हों भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अर्थनियम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अक्ट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, जिल्पान में मुनिशा के सिए,

जतः वय, उक्त विभिन्यम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के विधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियाँ, असर्त .~~ श्री ह्समुख डी० शेठ—कर्ता श्री एच० डी० शेठ—

एच० यू. एफ०

श्रीर अन्य।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री प्रणव मुनीथलाल शाह, तथा
 - (2) श्री राजीव गुणहितलाल शाह

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बार्क्ष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसु**च**ो

फ्लैट न० 2, जो प्रयूनिचट नं० 12-ए, पहली मंजिल, शेफिल्ड टावर्स, एस० न० 41 (पार्ट) के प्लाट न० 354 पर, चार बगलोज, वर्सीया, श्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।"

अनुसूची जैमा कि ऋ०.स० अई-2/37-ईई/12390/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-5-1984 को रजिस्टई किया गया है।"

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकानी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

ना**रीख**: 11-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाह्रै. ट. एन. एस. - - ---

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

्निर्देश स० अई-2/37-ईई/2404/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, यूनिट नं० 12-ए, तलमाला, श्रीफिल्ड टावर्स, चार बंगलोज, श्रीशिवरा, वर्सोवा, श्रंधेरी, बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप वर्णित हैं), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिचस्ट्री है, तारीख 11-5-1984

को प्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रयमान इतिफल के लिए अन्तरित की गड्डां है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पिति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे श्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय गया गया प्रतिफल, निम्निजित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निजित मे वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी त्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सिवधा के लिए; बार/या
- (का) एतेनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) यो उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रशेषकार्थ अन्तरिती नवारा पकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अव जनन कथिनियम की धारा १६९-ग के अनसरण में , मैं , जकत अधिनियम की धारा १६९-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों , अर्थात् :---

श्री हंसमुख डी० शेठ,
मीना एच० शेठ
(एच० डी० शेठ फैमिली ट्रस्ट
एवं अन्य के ट्रस्टीज)।

(अन्तरक)

2. श्री सोहिम गुवनाथ लाल शाह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दक्ता.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित
 बस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के गक्ष लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण :---इसमा प्रयुक्त शब्दा और पद्मी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

भगता की

"फ्लैंटन० 1, यूनिटन० 12-ए, जो तलमाला; शेफिल्ड टावर्स, प्लाट न० 354, एस० नं० 41 (पार्ट) चार बंगलोज, स्रोशिवरा, संघेरी, बम्बई में स्थित है।" अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/12404/8 3-84 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-5-1984 को रजिस्क्ट किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिका**री** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अ**र्ज**न रेंज-2**, बम्ब**ई

नारीख: 11-1-1985

मोहर 🕄

त्रक्य बाड्¹, की. एव. एस. - - - ----

भावकर जीपीनयम, 1961 (1961 का 43) की वास 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

काथितिय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985 निर्देश मं० अई-2/37—ईई/12405/83-84—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1906-बी०, "ब्रीगटन टावर्स" बिस्डिंग, चार बंगलीज, वर्मीवा, ग्रंथेरी (पश्चिम), अम्बई-400 054 में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, खं के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 11-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्समान प्रतिफल के लिए बन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तिरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिस्ति उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तिवर कप से कथित नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने गा उक्तमें बचने में सविभा के लिए बार/पा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने से सविधा के लिए,

बत: कब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन के निम्निलिसन व्यक्तियों, अर्थत :---- 1. श्रीमती लता श्रीचन्द लालवानी

(अन्तरक)।

2. श्री हरीष पारिआनी

(अन्तरिती)।

3. मैं० भ्रोशियरा लैण्ड डेवलप० कं० (प्रा०) लिमिटेड।

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना बारी करके वृत्रोंबत संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधि बाद में समाप्त हांती हो, अ भीतर पृशेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुकाए;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य स्थावित द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरण — इसमें प्रमुक्त सन्दों और पर्वो का, जो 'उक्त अभिनियम, से अध्याय 20-क में परिभाश्यित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा स्या है।

वगसची

"फ्लैंट नं० 1906-श्री जो "क्रीगटन टावर्स" बिल्डिंग, एस० नं० 41 (पार्ट) के प्लाट नं० 356 पर, चार बंगलोज वर्सीया, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400 054 में स्थित है।" अनुसूची जैमा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/12405/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, बम्बई

तारीख: 11-1~1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाइ ैं टी. एन. एसं, ------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मंभीन सुचना

भारत चरकार

कार्यात्मस्य, सङ्घायक आयकर शायुक्त (निर्दाक्षण) श्रर्जन र्रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनोक 11 अनवरी 1985 सं० श्रई-2437-ईई/12406/83-84---श्रतः

निर्देश सं० ग्रर्ह-2/37–ईई/12406/83–84—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, तिसरी मंजिल, सन्नी साईड "बी" ,चार बंगलोज, वर्सोबा, श्रन्धेरी (प०), बम्बई-400 058, में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर भिधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 11-5-1984

को पूर्वोक्श संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके सम्यमान प्रतिफल से ऐसे सम्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर्क (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतर्ण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबते, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अभने में सविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को; जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधाजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गरा था किया बाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए:

वत: वव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुकरण को, मी. उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (१) के बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात:--- 1 श्री ग्रलीश एच० रासोदिया

(भ्रत्नरक) ।

2 श्री मोहसिन भोहम्मद पटेल

(भ्रन्तरिती) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकींगे।

स्थष्टिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदौ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

"फ्लैंट नं० 301, जो तिसरी मिजिल, सिप्ती साईड "बी" प्लाट नं० 33, एस० नं० 41 (पार्ट), चार बंगलोज, बर्सीवा, बम्बई $-400\,058$ में स्थित है।"

श्रनुसूची जैसा कि कि ने सं० शई-2/37-ईई/12406/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा $\sqrt[6]{6}$ विनांक 11-5-1984 में रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11-1-1985

भोहर 🤋

भूषम् आर्च् , हर्षे , पून<u>ः, पृष्कः,----</u>-----

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निवेश सं० ग्रई-2/37-ईई/12411/83-84---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 ना 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृस्य 25,000/- रु से अभिक है

मौर जिसकी सं० पलैट नं० 106, जो पहली मंजिल, बि० नं० सी०-27/28, यमुना नगर, ग्रोशिवरा विलेज, ग्रंधेरी, (पिश्चम), बम्बई-400 058 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका फरारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 11-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूधयमान इतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत अभिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के मिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइं किसी बाद की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के श्रीयत्व ओं कसी करने या उससे वचने में सुविधा के बिश्ह; और/बा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम आधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

1. मेसर्स ढोलिकया एण्ड दयाल बिल्डर्स ।

(मन्तरक)

2. श्री रमेश वी० गेट्टी।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नगुस्ची

"फ्लैट नं० 106, जो पहली मंजिल, बिल्डिंग नं० सी ०-27/28, यमुनानगर, ग्रोशियरा निलेज, ग्रन्धेरी (प०). बम्बई 400058 में स्थित है।"

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37—ईई/12411/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11-1-1985

प्रकृपः बार्दः टी. एत्. एतः -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत शहकार

कार्यालय, सहायक **आयकार आयुक्त (निरीक्षण)** ईंग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37—ईई/12412/83—84—ग्रन: मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 602, जो छठी मंजिल, बि० नं० 5, श्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग, के पीछे, जोगेश्वरी (पिश्वम), बम्बई-400 058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपा- बद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 11~5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और '(अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कमें वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शब्द , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे यक्तने में स्विधा के लिए; ओर/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के निए:

लतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिसित व्यक्तियों, अर्थातः :—

1. श्री क्षियाउद्दीन बुखारी ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री खान भ्रहमद मन्नेप खान।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति वे अर्थन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्मक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त धन्दों और पवों का, जो उक्त जिथ-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होता, जो उस अध्याय में विया गया है।

अग स च

"फ़्लैट नं० 602, जो छठी मंजिल, बिस्डिंग नं० 5, "ग्रल मदीना" मिसल नगर, एस० नं० 41 (पार्ट), ग्रोगि-वरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), बस्बाई-400 058 में स्थित हैं।"

ग्रनुमूची जैसा कि क० सं० ग्राई-2/37-ईई/12412/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है]।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन र्रेज-2, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

प्रक्ष बाह्र . टाँ. एव . एस्. -----

बायकर निधीसम्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन मुच्चा

भारत सरकाड

कार्याजय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-र्हर्श/12415/83-84--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संवित्त जिसका उचित वाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 501, पांचवी मंजिल, बि० नं० 2, "ए" टाईप, भ्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वॉणत है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधनियम, 1961 की धारा 169क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 11-5-1984

को पूर्वो कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, इसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गैया प्रति-क्ष्म निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गवा है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा खें लिए:

े अतः आरं, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-ग लौ अनुसरण अर्ट, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नोलिखित व्यक्तियों, अर्थोत् ः— 1. श्री क्षियाउद्दीन बुखारी ।

(बन्तरक)

2. श्रीमती सिरातुश्रीसा ए० लतीक बगदादी। प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदया गया है।

वग्रह्म

पसैट नं० 501, जो पाचवी मजिल, बिल्डिंग नं० 23 "एरु' टाईप, श्रल साफा" मित्तलनगर, एस० नं० 31 (पार्ट) श्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-400 058 में स्थित है। "

ग्रनुसूची जैसा कि कि० सं० ग्रई-2/37—ईई/12415/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

बाव्कर वीधीनयन, 1961 (1961 का 43), की बाद्य 269-व (1) के बधीन स्वाम

THE STATE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई बम्बई, दिनाँक 11 जनवरी 1985 निदेश सं० श्रई-2/37-ईई/12958/83-84-श्रतः मुझे,

लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) पिसे इत्तमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित् वाकार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० पलैट न० 603, छठी मजिल, बिल्डिंग न० 6, ग्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पिष्वम), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबंद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961की धारा 269, के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है), नारीख 5-5-1984

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उपित बाबार मून्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार जून्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्त-रिती (अन्तरितियो) क बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिबित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निबित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) बन्तरण दे हुई किश्री बाव की कांबल, उचत अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (था) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अय उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—— 1. श्री झियाउदीन बुखारी ।

(श्रन्तरक)

2. श्री रिफकुल्ला मोहम्मद खां।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वांकींप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषितं इ, वही अर्थ कृष्णा, जो उस अध्याय में विका क्या है।

वन्स्वी

''फ्लैंट नं० 603, जो छठी मंजिल, बिह्डिंग नं० 6'' ''भ्रल मवीना'' मित्तलनगर, एस. नं० 41 (पार्ट), भ्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई-400 058 में स्थित है।''

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-2/37—ईई/12958483-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षत प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

मोहर 🔠

प्ररूप आई. टी. एन. एस., -----

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्माना

गाउँच चरकाड

कार्याक्य, सहायक बायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्धई, विनांक 10 जनवरी 1985

निपश सं० ग्रई-2/37-ईई/12959/83-84----ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकार जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लैट नं० 401, चौथी मंजिल, बि० नं० 3, ग्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई 400 058 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 5-5-1984

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाधार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी काय की वाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

्री अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, म⁵, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ⊱—— 1. श्री क्षियाउद्दीन बुखारी ।

(म्रन्तरक)

2. श्री सलीम ग्रहमद बोमानी ।

(भन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क्) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की सामील सं. 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

"फ्लैंट नं० 401, जो घोथी मंजिल, बिल्डिंग नं० 3, "ग्रल मार्वा", मित्तल नगर, एम० नं० 41 (पार्ट), ग्रोशि-वरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई-400 058 में स्थित है।"

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-2/37—हर्दि/12959/83—84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नम्बई

तारीख: 10-1-1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. ------

कायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

लक्ष्मण दास, जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बांजार मृत्य

25,000√- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 204, दूसरी मंजिल, बि० नं० 6, ग्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई-400 058, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबज अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 5-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्तृह प्रीप्तित से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने भें सुविधा के लिए; और/था
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

नतः नव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरक को, में उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री झियाउदीन बुखारी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री शेख मोहम्मद युसुफ

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में विद्यु जा सकीये।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

"फ़्लैट नं० 204, जो दूसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० 6, "ग्रल मदीना", मित्तल नगर, एस० नं० 41 (पार्ट), श्रोशि-वर्षा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), अम्बई-400 058 में स्थित है।"

श्रनुसूची जैसा कि कि सं० श्रई-2/37—ईई/13353/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीव: 10-1-1985

मोहर ः

प्रक्रम् लाइं. टो एन. रूम ~------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

, I 4

कार्यालय, सहायक बायकर मायुक्स (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985 निदेश , सं० श्र $\xi-2/37-\xi\xi/17329/83-84$ स्म. मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 603, छठी मंजिल, बिस्डिंग नं० 3, ओशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे जोगेश्वरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप मे विणित है) और जिसका काश्नामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के आधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई मे रिजस्ट्री है, तारीख 5-5-1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-बिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिवाने जें सुविधा के सिए;

अतः अवः अवः अभिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण
के में उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं की अवधारा (1)

के कथीन, निम्मसिखित व्यक्तिसमों, वर्षात् ⊯---

1. श्री क्षियाउद्दीन बुखारी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री गफीक ग्रहमद !

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्कीकरण: ---इसमें पयकत सन्दों और पदों का, जो उकत , अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, अही अर्थ हुः भः जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैंट नं० 603, जो छठी मंजिल, बिल्डिंग नं० 3, · ﴿ भ्राल मार्या' मिल्लत नगर, एस. नं० 41 (पार्ट), भ्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई-400 058 में स्थित है।

श्रन्सूनी जैसा कि क० सं० श्रई-2/37-ईई/17329/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 5-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 10-1-1985

मोहरु 🖫

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. -----

1. श्री जियाउद्दीन बुखारी

(अन्तरक)

. 1961 (1961 का 43) **की**

(अन्तरिती)

भागकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

थम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निवेश सम अई-2/37-ईई/17331/83-84--अतः मुझे, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 263-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृख्य 25 000/- का से अधिक हैं

भौर जिसकी स० फ्लैंट न० 403, चौथी मजिल, बि० न० 3, भौशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है, तारीख 5-5-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्ध्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाग गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी नाय की नासत, उक्त जिमिनयम के अधीर कर दोने के अस्तरक औ कायित्स में कमी करने वा उससे व्यक्त में सुविधा के जिए; वार/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

अतः अजः, उक्त अधिनियमं की भाषा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन, दिस्निसिंद स्थानतमों, संबंदि :--- को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन कि जबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति दुवारा,
- (क) इस सृक्षना के राजपत्र में प्रकाशन की सारित से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितसक्थ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकरेंगे।

स्यव्देशिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

वन्स्ची

पर्लंड न० 403, जो घोषी मजिल, बिस्डिंग न० 3, "अल मार्वी" मिस्लतनगर, एस० न० 41 (पार्ट), ग्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई-400 058 में स्थित है।"

अनुसूची जैसा कि कि स० स६ -2/37-ईई/17331/83-834 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 5-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-2, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

प्रक्रम भोदी, डी. एन., एस.) =======

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के नभीन स्वना

भाउत शुकाड

कार्यालय, सहायक बायकर जायुक्त (निर्दाक्तक)

अर्जन रेंण-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निवेश स॰ अई-2/37-**६६**/17332/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण वास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कर कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रुट से अधिक हैं

भौर जिसकी तं पूर्लंट न० 401, चौथी मजिल, बि० न० 1, भोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगे स्वरी (पिश्चम) वम्बई-400058 में स्थित हैं (भौर इससे उपायब अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269क, ख के अधीन, सारीख 5-5-1984

को प्वेंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि उथापवोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, वसके इरयमान प्रतिफल से, ऐसे इरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिवित पे वास्त्रिक हुप से कथित नहीं किया वया है के

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधि-निवम के अधीन कर वाने के जन्तरक के दायिस्व में कमी करने वा उसते बचने में सुविधा के निवध-बार/या
- (ख) ऐसी किसी आय या, नैकसी भन वा कम्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या भन-कर विधिनियम, या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिसिस व्यक्तियों, अर्थार:—— 67—46601/84 1 श्री जियाउद्दीन बुखारी

(अम्तरक)

2. शेख अब्दुल समद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी तबिंच वात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास सिचित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरण ६—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थी जनत स्थितियम के कथ्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होता थी उस सभ्याय में कियाँ प्रा हैं श

अनुसूची

"फ्लैंट न० 401, जो चौथी मजिल, बिस्डिंग न० 1, "अस सफात, मिल्लतनगर, एस० न० 41 (पार्ट), भ्रोणिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई 400058 में स्थित है।"

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अई-2/37–ईई/17332/83–84 थ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 5–5–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) अर्जन रैंज-2, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

मोहरु.

प्रकार बार्यं ही, एन, एवं,

नायकर नर्पिनियम, 1961 (1961 का 43) की शरा 269-व (६) से वधीन स्थान

बारत सरकार

श्वार्यानय, सङ्गायक बायकर बायुक्त (निरोक्तण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश स॰ अई-2/38-ईई/17333/83-84-अतः मुझें, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राविकारी की यह विश्वास सरने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/रा. से विश्वक है

ग्रीर जिसकी सं ० फ्लैंट न० 703, सातवीं मजिल, बि० न० 4, भ्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेंग्रवरी (पिश्चम), बम्बई-400 058 में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबब अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), भ्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 7~5~1984

को पूर्विकत कमित के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिपक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का करण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य उनके दरयमान प्रतिपत्त से, ऐसे दरयमान प्रतिपत्त का पन्दह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्त कि मिनसिबिक उद्देश से उच्य अन्तरण कि बिद में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना थाहिए था, स्थिपने मं स्विधा के सिए;

णतः म्य, उक्त विभिन्यम, की भारा 269-न वे जनसरण में, में, नक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपशारा (1) के अधीन, नेमनलिधित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री जियाउद्दीन बुखारी

(अन्तरक)

2. श्रीमती मेहरून्निसा अब्दुल सलीम

(अन्तरिती)

का वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपृक्ति के वर्णन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्द कुन्दित् से कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाजेपू:---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब हैं
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी कानितयों पर
 स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
 अव्हित नात के संगरत होती हो, के भीतर पृत्रों कर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वता के राजवन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपर्दित में हित्तवक्ष किसी अन्य स्थावत द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के पास विविधान में किए का सकींगी।

स्पन्धीकरण: — इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उचत विधिनियम, के अध्याय 20-क्रिमें परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

प्रनुसूची

पलैंट न० 703, जो सातवीं मंजिल, बिल्डिंग न० 4, "अलमार्वा" मिल्लतनगर' एस० न० 41 (पार्ट), श्रोणिवरा विलेज, बेहराम वाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), बंबई-400058 में स्थित है।"

अनुसूची जैमा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/17333/ 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-2,±बम्बई

तारीखा: 10-1-1985

मोहर 🖫

संघ लोक सेवा आयोग

नोडिस

इंजीनियरों सेवा परोक्षा, 1985

नर्ष विल्ली-110011, विनांक 23 फरवरी, 1985

सं. एफ. 2/15/84-प.। (सं)--भारत के राजपत्र दिनांक 23 फरवरी, 1985 रोल मंत्रालय (रोलवे बोर्ड) खवारा प्रका-शित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं/पदा पर भर्ती के लिए संघ लोक संवा आयोग दवारा अगरतला. अहमदाबाद, एजल, इलाहाबादा, बंगलौर, भोपाल, विस्ली, चंडीगढ़ , कोचीन, कटक, दिसपुर कलकत्ता, (गोहाटी), हरियाबाद, इम्फाल, इटिनगर, जयपुर जम्म, जोरहाट, कोहिमा, लखनक, मन्नास, नागपूर, पणजी (गोवा), पटना, पोर्ट ब्लेंबर, रायपुर, शिलांगः, शिमला, तिरुपति , त्रिवेन्द्रम , उदयपुर और विशाखापत्तनम में 11 अगस्त , 1985 से एक सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहै तो उन्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारी खों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उन्त परीक्षा के लिए उनकी पसंद के केन्द्र देने के सभी प्रयास किए जाएंगे तो भी आयोग परिस्थितिवश किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर अलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उस परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी (अनुबंध 1, परेरा 11 वेसिए)।

- इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर उक्त सेवाऑं/ पदाँ के निम्नलिखित वर्गों मे भर्ती की जाएगी :---
 - वग 📘

--सिविल इजी नयरी

वग II

----यान्निक इंजीनियरी

वग III

--वबुत् इंजीनियरी

वग IV .

— इल्लेक्ट्रामिकी तथा दूर—संचार इंजीनियरी

प्रत्येक वग के ग्रन्तगैत विभिन्न सेवामों/पदों में लगभग कितनी रिक्तियी हैं, यह नीचे दर्शाया गया हैं :---

> वग I—सिविल इंजीनियरी ग्रुप 'क' की सेवाएं/पद

- (i) इंजीमियरी की भारतीय* रेल सेवा
- (ii) भारतीय रेल संडार सेवा* (सिविज इंजीनियरी पद)
- (iii) केन्द्रीय चुंजीतियरी सेवा 10 (श्र० जा० के उम्मीदवारों के लिए 2 मीर म्र० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 1 मारक्षित रिक्ति सम्मिलत ∦)।
- (iv) सेना इंजीनियरी सेवा 50 (ग्र० जा० के उम्मीवधारों (भ्रवन तथा सङ्क संवर्ष) के लिए 7 भौर ग्रा० जा० जा० के उम्मीवधारों के लिए, 4 ग्रारक्षित रिक्तियां सम्मिलित है)
- (v) सीम्य इंजीनियरी सेवा 38(6 रिक्तियां झा० जा० हेतु (निर्माण स क्षक संबंग) झार।क्षत तथा 3 रिक्तियां झा० ज० जा० हेतु स्वारक्षित सहित)।

- (vi) केन्द्रीय जल इंजीनियरी 34 (ग्र० जा० के उम्मीदवारों के सेवा (सिवल इंजीनियरी लिए 6 ग्रीर ग्र०ज०जा० के पव) उम्मीदवारों के लिए 2 ग्रारक्षित रिक्तिया सम्मिलित हैं)
- (Vii) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा 5 (झ० जा० के उम्मीदवारों के (सड़क) लिए 1 ग्रारक्षित रिक्ति सम्मिलित है)
- (viii) सहायक कायपालक इंजी-नियर (सिविस) (डाक व तार सिविस इंजी-नियरी स्कन्न)
- (ix) भारतीय श्रायुद्ध कारखाना 3(ग्र० ज० जा० के उम्मीधवारी सेवा (इंजीनियरी शाखा) के लिए 1 श्रारक्षित रिक्ति सम्मि- सिविल इंजीनियरी पद लित है)

मुप 'ख' की सेवाएं/पद

(x) सहायक इंजीनियर * (सिबिल), प्राकाशवाणी का सिविल निर्माण स्काध

> वर्ग-II---योक्रिक इंजीनियरी ग्रुप 'क' की सेवाएं/पद

- (i) यांक्षिक इंजीनियरी की * भारतीय रेल सेवा
- (ii) भारतीय रेल भक्कार सेवा * (यांत्रिक 'जीनियरी पद)
- (iii) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा (यंक्रिक इजीनियरी पव)
 - (iv) केन्द्रीय शक्ति इंजी- 5 (एक रिक्ति घ० जा० के लि नियरी सेवा (यात्रिक ग्रारक्षित तथा एक रिक्ति ध्र०ज०जा० इंजीनियरी पव) के लिए भ्रारक्षित सहित)।
 - (v) भारतीय प्रायुद्ध कारखाना 24 (घ० जा० के उम्मीदवारों सेवा (इंजीनियरी शाचा) के लिए 4 ग्रीर घ०ज० जा० के (ग्रांतिक) उम्मीदवारों के लिए 1 ग्रारक्षित रिक्तियां सम्मिलित हां)।
- (vi) भारतीय नौसेना भागुष्ठ 4(भार जार के उम्भीववारों सेवा के लिए 1 भीर घर जर (यांत्रिक जीनियरी पद) जार के उम्मीववारों के लिए 1 भारक्षित है)
- (vii) सहायक प्रबन्धक (कार- 7 (भ्र० जा० के उम्मीदवारों के खाना)(डाक व तार दूर- लिए 1 तथा भ्र० ज० जा० के संचार कारखाना संगठन) उम्मीदवारों के लिए भ्रारक्षित 1 रिक्स सम्मिलत है।।
- (viii) सन्य इंजीनियरी सेवा 6(ग्र० जा० के उम्मीववारों के (बसुत्गीर यांतिक संवग) लिए 2 ग्रारक्षित रिक्तियां सिम्म-(यांतिक इंजीनियरी पद) कित है)
- (ix) कर्मणाला भ्रधिकारी र्वा (प्रांतिक) ई० एम०ई० कोर, रक्षा मंत्रालय
- (x) केन्द्रीय वधुत् और यासिक इंजीनियरी सेवा (यासिक] इंजीनियरी पत्र) ;

- (xi) सहायक विकास ग्रक्षिकारी (इंजीनियरी) का पव तकनीकी विकास महा-निवेशालय (यांक्रिक इंजी-नियरी पद)
- (xii) सहायक कार्यपालक इंजी- 18 (भ० जा० के उम्मीदवारों नियर (बद्युत् तथा के लिए 3 सभा ग्रा० जा० के यांतिक), यांतिक इंजी- उम्मीववारों के लिए · 2 धारिक्षत नियरी पव, सीमा सड़क रिक्तियां सम्मिलित है) पंजीनियरी सेवा ग्रुप क
- (xiii) भारसीय निरीक्षण सेवा भूप "क" (यांत्रिक इंजी-नियरी पव)

मूप 'ख' की सेवाएं/पव

(xiv) कमशाला प्रधिकारी (यांत्रिक इंजीनियरी पव) ६०एम०६० कोर, रक्षा मंद्रालय

वर्ग-III-वैद्युत इंजीनियरी मुप 'क' की सेवार्यें/पद

- (i) वैद्युत् इजीनियरों की भारतीय रेल सेवा
- (ii) भारतीय रेल भंडार सेवा (वैधुत् 'जीनियरी पद)
- (iii) केन्द्रीय वैद्युत् भीर यांत्रिक 2 (ग्र० ज० जा० के उम्मीदवारों इंजीनियरी सेवा हेतु 1 भारक्षित रिक्ति सम्मिलिस (केन्द्रीय इंजीनियरी पद)
- (iv) भारतीय ग्रायुत्व कारखाना 8(५४० जा० के उम्मीदवारों के सेवा लिए 1 भीर भ० ज० जा० के (इंजीनियरी भाखा) उम्मीदवारों के लिए 1 आरक्षित (वैद्युत् इंजीनियरी पद) रिक्स सहित)
- (v) भारतीय मौसेना आयुद्ध 4(भू० जा० के उम्मीदवारों के सेवा (वैश्रुत् इ'जीनियरी लिए । भीर भ० ज० जा० के पद) उम्मीववारों के लिए 1 बारक्षित रिक्तियां मम्मिलित हैं)
- (vi) केन्द्रीय पक्ति इंजीनियरी 40 (8 रिक्तियां झ० जा० के लिए मारक्षित तथा 4 रिक्तियां मृ (वैद्युत् इंजीनियरी पद) ज॰ जा॰ के लिए प्रारक्षित सहित)
- (vii) सहायक कायपालक इंजी-नियर (थेथुन्) डाक व तार सिविल इंजीनियरी स्कंध)
- (viii) कमशाला प्रधिकारी (वैयुत्) ६०एम०६०कोर, रका महालय
 - (ix) सहायक विकास मधिकारी (इंजीनियरी का पद) तकनीकी विकास महानिवे-मालय (वधूत जीनियरी पद)
 - (x) भारतीय निरीक्षण सेवा भ्रुप 'क' (वैश्रुत् श्रं भीनियरी पद)

'जीनियर सेवा 17 (घ० जा० के उम्मीदवारों के (xi) सैन्य (वैयुत् भौर यांजिक संवर्ग) लिए 2 भारिक्षत रिक्ति भौर (वैद्युत् 'जीनियरी पद) ग्र॰ ज॰ जा॰ के उम्मीदवारों के लिए 1 घारिक्षत रिक्ति सहित)

मुप 'ख' सेवायें/पद

- (xii) सहायक इंजीनियरी (वशुत माकासवाणी सिविल) निर्माण विभाग स्कंध
- (xiii) कर्मशाला ग्रधिकारी (वद्युत्) ६०एम०६० कोर, रका मंत्रासय

वग-IV--इलक्द्रानिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी

पुप 'क' सेवाए/पद

- (i) सिगनल इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा
- (ii) भारतीय रेल भन्नार सेवा (दूर संचार/इलेक्ट्रानिक इंजीनियरी पद)
- (iii) भारतीय दूर संचार सेवा 150**
- (iv) इंजीनियर, वेतार योजना भीर समन्वय स्फन्ध/भनुश्रवण संगठन, संचार मंकालय
- (V) उप-प्रभारी ईजीनियरी समुद्रपार संचार सेवा

11(2 रिक्तियां घ० जा०के लिए मारक्षित तथा एक रिक्ति भ्र०ज० जा० के लिए द्यारिक्षत सहित)।

(vi) भारतीय प्रसारण (इंजी-नियर सेवा

15 (भ्र० जा० के उम्मीदवारों के लिए 3 मीर भ० ज० जा० के लिए मारक्षित रिक्ति सम्मिलित हैं)।

(vii) तकनीकी प्रधिकारी, सिविल विमानन विभाग

6 (ग्र० जा० के उम्मीदवारों के लिए 2 भीर भा० ज० जा० के लिए 1 भारक्षित रिभित सम्मिलित है) ।

(viii) भारतीय भाष्ठ कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (इलेक्ट्रानिकी इंजीनियरी

5 (म॰ जाट के उम्मीदवारों के लिए मारक्षित 1 रिक्ति सम्मिलित

(ix) भारतीय नौसेना, भायुक 12 (भ० जा० के उम्मीदवारो के सेवा (इलेक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद)

लिए 2 प्रारक्षित रिक्तियां सन्मि-लित 🕏 🕽 ।

(x) केन्द्रीय शक्ति इंजी-नियरी सेवा (दूर संचार इंजीनियरी पद)

5 (1रिक्ति घ० जा० के लिए मारक्षित सहित)।

- (xi) सहायक विकास मिकारी (इंजीनियरी) का पद तकनीकी विकास महा-निवेशालय, (इलेक्ट्रानिकी दूर संचार इंजीनियरी पद)
- (xii) भारतीय निरीक्षण सेवा युप "क" (इलॅक्ट्रानिकी इंजीनियरी पक्क)

ग्रुप 'ख' सेवाए /पद

(XIII) सहायक इजीनियर 47 (7 रिक्तिया ग्र० जा० व समृद्धपार सचार सेवा लिए ग्रारक्षित तथा एक रिविन ग्र० जा० के लिए ग्रारक्षित सहित)।

(xiv) तकनीकी सहायक *18 (3 रिक्तिया ग्र० जा० व (ग्रुप 'ख') ग्रराजपित लिए ग्रारक्षित तथा 2 रिक्तिया समृद्रपार सचार सेवा ग्र० ज० जा० के लिए प्रारक्षित सहित)।

भारतीय आयुद्ध कारखाना सेवा (सिविल, यात्रिक, वेंस्ट और इलेक्ट्रानिकी) तथा भारतीय प्रसारण (इजीनियर) सेवा के सामने दिखाई गई रिक्तिया स्थायी है।

अन्य सभी सेवाओं और पदों के सामने दिखाई गई रिक्ति अस्थायी है।

उपर्युक्त सख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है। *रिक्तिया सरकार ने सूचित नहीं की है।

**अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों की सख्या, यदि कोइ होगी, सरकार द्वारा निर्धारित की जायेगी।

टिप्पणी — उपर्युक्त सेवाओ / पदों पर भती नियमावली के परि-शिष्ट-। में निर्धारित परीक्षा योजना (योजनाओं) के आधार पर की जाएगी।

3 उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित सेवाआ, पदों में से सब के लिए या किसी एक के लिए परीक्षा मा प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। यदि कोई उम्मीद बार एक से अधिक सेवा/पद के वर्ग के लिए परीक्षा मा प्रवेश पाना चाहता हा तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आवश्यकता है। उसे नोटिस के पैरा 6 में उल्लिखित शल्य केवल एक बार दोना होगा और प्रत्येक वर्ग के सेवा/पद, जिसके लिए यह आवेदन कर रहा है, के लिए अलग-अलग शुल्क नहीं दोना होगा।

विशेष ध्यान 1—उम्मीदवारों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे जिन सेवाओं पदो के लिए विचार किए जाने के इच्छाक ही, अपने आवेदन-पत्रो में उनका वरीयता कम के अनुसार स्पष्ट उल्लेख करों। उन्हीं सलाह दी जाती है कि वे जितनी चाही उतनी वरीयताओं का उल्लेख करों तािक योग्यताक्रम में उनके रोक का ध्यान रखते हुए, नियुक्ति करते समय उनकी वरीयताओं पर उचित ध्यान दिया जा सके।

विशेष ध्यान 2—उम्मीदवारों जिन सेवा/पद से सम्बद्ध वर्ग/वर्गी अर्थात् सिविल इ जीनियरी, यात्रिकी इ जीनियरी, वैद्युत इ जीनियरी और इलैक्ट्रानिकी तथा दूर सचार इ जीनियरी के प्रतियोगी हैं (नियमावली की प्रस्तावना देखिए) उनके अतर्गत काने वाली सेवाओं/पदो के बारे में उसके द्वारा निर्दिष्ट वरीयताओं में परिवर्तन के अनुरोध पर कोई ध्यान तब तक नहीं दिया जाएगा जब तक एसे परिवर्तन का अनुरोध आयोग के कार्यान्स्य में लिखित पर्कां के परिणाम के राजगार समाचार में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के अदर प्राप्त नहीं हो जाता हा आयोग या रोल मत्रालय उम्मीदवारों को कोई एसा पत्र नहीं भेजेगा जिसमें उनसे आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर दोने के दाद विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए परिशोधित वरीयता निर्दिष्ट करने को कहा जाए।

विशेष ध्यान 3--उम्मीदवार केवल उन्ही सेवाओं और पद[™]
 के लिए अपनी परीयता बताए जिनके लिए वे नियमो की शर्तों

न अनुपार पात्र हा आर जिनके रिए वे प्रतियोगी हों। जिन रा और पदों के वे पात्र नहीं ह और जिन सेवाओं और पदों से स्विधित परीक्षाओं में उन्हें प्रवश नहीं दिया जाता है उनके बार में बताई गई वरीयता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। अत । म 5 (ख) के अधीन परीक्षा में प्रवश दिये गये उम्मीदवार जेवल उनम उल्लिखित सेवाओं/पदों के लिए ही प्रतियोगी बनने के पात्र होगे और अन्य सेवाओं और पदों के लिए उनकी वरीयता एर काई ध्यान नहीं दिया जाएगा। इसी तरह नियम 6 के पर के के अधीन परीक्षा में प्रवेश दिये गये उम्मीदवारों की नर में पर भी केवल उक्त परन्तुक में उल्लिखित पदों के लिए अगर किया जाएगा तथा अन्य सेवाओं और पदों के लिए वर्ग ता, यदि काई है, पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

4 परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को निर्धाअवविश्व-प्रपत्र पर सचिव, सद्य लांक संवा आयोग, धौलपूर
हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए।
ान आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा स सम्बद्ध पूर्ण विवरण
र 2/-) दो रुपये देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किये
जा सकत हैं। यह राशि सचिव, सघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीआर्डर द्वारा या
सचिव, सघ लाक सेवा आयोग का नई दिल्ली जनरल डाकघर
पर दय भारतीय पास्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर चैक या करसी नोट स्वीकार
नहीं किय जायगे। ये आवदन-प्रपत्र आयोग के काउटर पर
नयन भुनतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। (रु. 2/-)
दा रुपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की
जाएगी।

हिष्यकी — उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र इजीनियरी सवा परीक्षा, 1985 के लिए निर्धारित मृद्रित पत्र में ही प्रस्तत करें। इजी-नियरी सेवा परीक्षा, 1985 के लए निर्धारित आवदन-प्रपत्रों से इतर प्रप्त्रों पर प्रस्तृत आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5 भरा हुआ आवेदन-पत्र आतश्यक प्रलेखों के साथ सिचन, सप लोक सेवा आयोग, धाँलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 का 22 अप्रैल, 1985 (22 अप्रैल, 1985 से पहले की किसी तारिख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मिणपुर, नागालण्ड, तिप्रा, मिकिकम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहाँल और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पागी उपमडल अडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और दिश्तेशों में रहने वाले और जिनका आवेदन-प्रपत्र उपर्युक्त में स दिसी एक क्षेत्र से डाक द्वारा प्राप्त होता है उन उम्मीदवारों के मामल में 6 मई, 1985 तक या उससे पहले डाक द्वारा अवश्य भिजवा दिया जाए या स्वय आयोग के काउटर पर आकर जमा करा दिया जाए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

अनम, मंघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजारेम, मिणपूर नागलण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लददाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहाँल और स्पीति जिले चवा जिले के पागी उपमडल अडमान और निकाबार द्वीप समृह या नक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाल उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तृत करने के लिए क्षत्र सकता है कि वह 22 अप्रैल, 1985 से पहले की किसी अर्गिद से असम, मंघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजारेम, मिण-पूर, नागालेण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लब्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदोश के लाहाँल और स्पीति जिले, चम्बा जिले के पांगी उपमंडल अंडमान और निकाबार द्वीप समृह या लक्षद्वीप या विदोशों में रह रहा था।

टिप्पणी (1):—जो उम्मीवनार एसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले आनेदन की प्रस्तृती हांतू अतिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हों आन्वन-पा के संगत कालम में अपने पता हो के रिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात् असम, मेघालया, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लद्दास प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्मिद्ध करना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि उन्हों अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।

टिप्पणी (।।):—-उम्मीदवारों को सलाह दी जाती हैं। कि वे अपने आवेदन-पत्रों को स्वयं सं. तो. सं.आ. के काउण्टर पर जमा कराएं अधवा रजिस्टर्ड डाक ब्वारा भेजें। आयोग के किसी अन्य कर्मचारी को दिए गए आवेदन-पत्रों के लिए अयोग उत्तरदायी नहीं होगा।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए आवंबन-पश के साथ आयोग को 80.00 (अस्सी रुपये) अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवार के मामले में रु. 20.00 (बीस रुपये)] का शुल्क इस प्रकार भेजना होगा जो सचिवा, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर घेय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर या सिचव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इण्डिया की मूख्य शाखा नई दिल्ली में देय स्टेट बैंक आफ इण्डिया की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक डाफ्ट के हप में हो।

विदश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित श्ल्क भारत के उच्च आयुक्त/राजदूत या विदश स्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो, के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा आयोग—परीक्षा श्लक" के लेखाशीर्ष में जमा हो जाए और उन्हें आवेदन-पत्र के साथ उसकी रसीद लगा कर भेजी चाहिए।

जिन आवेदन-पत्रों में उक्त अपेक्षाएं पूरी नहीं होगी उन्हें एक वम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारां पर लागू नहीं होता जो नीचे के पैरा 7 के अंतर्गत निर्धारित गुल्क से छूट चाहते हैं।

- 7. आयोग यदि चाहे तो उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतृष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अविध में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला वेश) से भारत आया हुंआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है या बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावितित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाव भारत आया था या वह एक मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्तूबर 7, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अंतर्गत 1 नवस्वर, 1964 को या उसके बाद भारत आया था या आने वाला है या भूतपूर्व पिष्चम पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है जो 1 जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अविध के दौरान भारत प्रवृजन कर च्का था और वह निर्धारित शुल्क दोने की न्धिति में नहीं है।
- 8. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग ब्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे रह. 54.00 (चव्वन रूपये) अनुसूचित

जातियों और अनुस्चित जनजातियों के मामले में रा. 14.00 (चाँदह रुपये)] की राशि वापस कर दी जाएगी। किन्तु यदि नियम 6 के नीचे नोट 1 की शतों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का आवंदन-पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर विया जाता है कि वह अहंक परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपयुक्त नोट के उपबन्धों की अपेक्षाओं का अन्यथा पालन नहीं कर सकेगा तो वह शुल्क वापसी का हकदार नहीं होगा।

उपर्युक्त तथा नीचे के पैरा 9 के उपबन्धों को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भूगतान किए गए श्रुक्त की नापसी के किसी हावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुक्त को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

- 9. यदि कोई उम्मीदवार, 1984 में ली गई इंजीनियरी-सेवा परीक्षा में बैठा हो और अब इस परीक्षा के लिए आवेदन करना चाहता हो तो उसे परीक्षाफल या नियुक्ति प्रस्ताव की प्रतीक्षा किये बिना ही अपना-अपना आवेदन पत्र अवश्य भेज दोना चाहिए ताकि वह आयोग के कार्यालय में निर्धारित तारींख तक पहुंच जाए। यदि वह 1984 की परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति होतू अनुशंसित कर दिया जाता है तो उसके अनुशंध पर 1985 की परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी खूब कर दी जाएगी और शूल्क लौटा दिया जाएगा बशर्ते कि उम्मीदवारी खूब कर दी जाएगी और शूल्क लौटा दिया जाएगा बशर्ते कि उम्मीदवारी खूब कर वी जाएगी और शूल्क वीपस करने का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 1984 की परीक्षा के फाइनल परिणाम के ''रोजगार समाधार'' में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के अन्वर प्राप्त हो जाता है।
- 10. आवंदन-पत्र प्रस्तृत करने के बाद उम्मीदवारी की दापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थित में विचार नहीं किया जाएगा।
- 11. परीक्षा की नियमावली के परिशिष्ट 1 में परीक्षा योजना में यथासम्मिलित सामान्य योग्यता परीक्षण के प्रश्न-पत्र और सिविल इंजीनियरी, यांत्रिक इंजीनियरी, वैद्युत इंजीनियरी और इलेक्ट्रानिकी और दूरसंचार इंजीनियरी में से प्रत्येक के दो प्रश्न-पत्रों में वस्तूपरक प्रकार के प्रश्न होंगे। वस्तूपरक परीक्षण और नमूने के प्रश्नों के विस्तृत विवरण के लिए उम्मीव-वारों को सुचनार्थ विवरणिका के अनुबंध 11 को देखिए।

एम . बालकृष्णन उप सचिव संघ लोक सेवा आयोग

अनुबंध ।

उम्मीदवारा को अनुदक्ष

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरते से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़ कर यह देखे लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र हैं भी या नहीं। निर्धारित शतों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन पत्र भेजने से पहले उम्मीदिवार को नोटिस के पैरा-1 में विए गए केन्द्रों में किसी एक को जहां वह परीक्षा दोने का इच्छुक है अन्तिम रूप से चून लेना चाहिए।

जम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन् हैं से सम्बद्ध अनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया <u>जाएगा।</u> किन्तु जब कोई उम्मीववार अपने उस केन्त्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हेत् अपने आवेदन में निर्दिष्ट किया था जो उसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा आँचित्य बताते हुए एक पत्र रिजस्टर्ड डाक से अवस्य भोजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहबा है। एसे अनुरोधों पर गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 11 जुलाई, 1985 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थित में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-पत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से स्याही से या बाल पाइन्ट पैन में ही भरना चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जाएगा।

उम्मीदबार यह ध्यान रखे कि आवंदन-पत्र भरते समय उन्हें भारतीय अंकों के केवल अंतराष्ट्रीय पत्रों का ही प्रयोग करना है। बाहे माध्यमिक स्कूल छोड़ने के प्रमाण-पत्र या इसके समकक्ष प्रमाण-पत्र में जन्म की तारील हिन्दी अंकों में वर्ज है तो भी उम्मीदवार यह म्निच्चित कर लें कि वे आवंदन प्रपत्र में प्रविष्टि करते समय इसको भारतीय अंकों में केवल अंतर्राष्ट्रीय रूप में ही लिखें। वे इस बारे में विशेष मावधानी बरतें कि आवंदन-पत्र में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट और स्पाठ्य हों। यदि वे प्रविष्टियां अपाठ्य या भामक है तो उनके निर्वचन में होने वाली भ्रान्ति या सन्देह के लिए उम्मीदवार जिम्मोदार होंगे।

उम्मीदवार को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि आयिंग द्वारा आयेदन-पत्र में उनके द्वारा की गर्ड प्रविष्टियों को बदलने के लिए कार्ड पत्र आदि स्वीकार नहीं किया जाएगा । इसलिए उन्हें आवेदन-पत्र सही रूप में भरने के लिए विशेष सावधानी बरतनी जाहिए।

सभी उम्मीदवारों को चाह वे पहले सरकारी नौकरी में हो या मरकारी औद्योगिकी उपकर्मों में या इसी प्रकार के अन्य संग-ठनों में हों या गैर-सरकारी संस्थाओं में निय्वत हों अपने आवेदन-पंत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिए। अगर किमी उम्मीदवार ने अपना साबेदन-पंत्र अपने नियोकता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में दोर से वह चा हो तो उस आवेदन-पंत्र पर विचार नहीं किया जाएगा भले हीं वह नियोक्ता को आखिरी तारील के पहले प्रस्तृत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकारी में आकरिसक या दिनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या अस्थायी है सियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की है सियत से काम कर रहें हैं, अथवा जो लोक उद्यमों के अधीन कार्यरत हैं, उन्हें यह परिवचन (अंडरटोकिंग) प्रस्तृत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सृचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना बाहिए कि आयोग को उनकें नियाकता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आबेदन करनी/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकत कर दिया जाएगा/उनकी उम्मीद-वारी रहद कर दी जाएगी।

- उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नितिखित प्रलेख अवश्य भेजने चाहिए।
- (1) निर्धारित गुल्क के लिए रोबांकित किये हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट या गुल्क भोजने के अपने दाये के समर्थन में प्रमाण-पत्रों की अनुप्रमाणित/ प्रमाणित प्रति (वोबिए : नोटिस का पैरा 6 और 7 और नीचे पैरा 6)।

- (2) धाय के प्रमाण-पत्र की जैनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिप।
- (3) बाँक्षिक योग्यता के प्रमाण पत्र की अनुप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (4) उम्मीश्वार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 से. मी.×7 से. मी.) के फोटों की दों एक जैसी प्रतिया जिस पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर हों।

फोटों की एक प्रति को आयेदन-पत्र के पहली पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थित पत्रक में निर्धारित स्थान पर चिपका देनी काहिए।

- (5) लगभग 11.5 से.मी. × 27.5 से. मी. के वी यिना टिकट लगे हुए लिफाफे जिन पर आपका पता लिला हो।
- (6) आहां लागू हो वहां अनुसूचित आति/अनुसूचित जन-जाति का होने का दाव के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।
- (7) जहां लागू हो वहां आयु में छूट के बाव के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (दिलिए नीचे पैरा 5)।
- (8) उपस्थिति पत्रक (आवेदन-पत्र के साथ संलग्न) विधियत भरा हुआ।

टिप्प्णी (1) - --उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपयुक्ति मद (2), (3), (6) और (7) में उल्लिखित प्रमाण पत्रों की क्षेत्रल प्रतियां ही प्रस्त्त करनी है जो सरकार के किसी राज-पत्रित अधिकारी बवारा अनुप्रमाणित हो अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण होत् साक्षात्कार के लिए बहुरेता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें उपर्याक्त प्रभाण-पत्र मल रूप में प्रस्तत करने, होंगे। लिखित परीक्षा के परिणाण संभवतः विसम्बर 1985 में घोषित किए जाएंगे उन्हें अपने मूल प्रमाण पत्र साक्षात्कार के समय पस्तत करने के लिए तैयार रखने चाहिए। जो उम्मीदवार टेस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्र मल रूप में प्रस्त्त नहीं कराँने उनकी उम्मीदवारी रदद कर दी जाएगी और उनमा आगे विचार किए जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

टिष्यणीं (।।):—-शार्वदेन पत्रों के साथ भेजी गई सभी प्रमाण-गयों की अन्यमाणित/प्रमाणित प्रति पर उम्मीदनार को हस्साक्षर करने होंगे और नार्योख भी दोनी होगी।

उपयुक्ति गर (1) में (4) तक में उन्लिपित प्रश्लेखों में विवरण नीमो निधे गये हैं और मद (6) यौर (7) में उन्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा 4, 5 और 6 में दिशे गये हैं ---

(1) (क) निर्धा<u>रित शुल्क के लिए रोमांकित</u> भारतीय पोरस्त आर्डर

प्रतरेक गोरन्स भार्डर अनिवार्यताः रोबांकित होना चाहिए और एस पर ''सचित्र, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर दोस'' लिखा जाना चाहिए। किसी अन्य डाकघर पर दोय पोस्तल आर्डार किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किये जायोंगे। विरूपित या कटो-फटो पोस्तल आर्डर भी स्वीकार नहीं। कये जायोंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मोहर होती चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर रेखांकित नहीं है और न ही सचिव. संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के जनगल सक्यर पर हो है उन्हें भेजना सरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शल्य के लिए रोखांकित बैंक उपट

बैंक डाफ्ट स्टोट बैंक आफ इण्डिया की किसी शासा में प्राप्त किया जाए और बह मिचन अंघ लोक मेना आयोग को स्टोट हैं के आफ इण्डिया की मरूप शासा नई दिल्ली में देय हो तथा विध्वत रोस्नोंकित किया गया हो।

किमी अन्य बैंक में दोय बैंक डाफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जायोंगे।

िष्णणी र उम्मीदवारों को अगने आवेदन-पत्र प्रस्तत करने समय बैंक साफर की पिछली ओर मिरो पर अपना नाम तथा एवा लिखना चाहिए। पिस्टल आर्टरों के मामले में उम्मीदवार पोस्टा आर्डर के पिछली ओर इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान एर अपना नाम तथा पता लिखें।

(2) आय का प्रमाण पत्र :—आयोग जन्म की वह नारीस स्वीकार करता है जो मीरिक लेशन या माध्यमिक विकारण छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विक्वविद्यालय कराय मीरिक लेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विकार विद्यालय द्यारा अनरिक मेरिक लेशों के रिजम्रर में की निर्या विद्यालय द्यारा अनरिक मीरिक लेशों के रिजम्रर में की निर्या विद्यालय के समक्षित प्रिकारी विद्यालय के समक्षित प्रिकारी द्यारा प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परिका या उमकी समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चका है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र की अभि-प्रमाणित प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तृत कर सकता है।

आय के संबंध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्मकंटली. इापथपत्र, नगर निगम से सेवा अभिलेख से प्राप्त सम्बन्धी उद्देधरण, तथा अन्य सोसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किए जासंते।

अनदेशों के इस भाग में आए हुए मैरिक लेखन / उन्स्टर माध्यमिक परीक्षा प्रमाणपत्र वाक्यांश के अंतर्गत उपर्याकतः वैकल्पित प्रमाणपत्र सम्मिलित है।

कभी-कभी मैटिक लेशन / उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की नारीब नहीं होती या आय के केवल परे वर्ष या वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। एोमे मामलों में उम्मीदनारों को मैटिक लेशन / उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अनपमाणित / प्रमाणित पितिकिए के अतिरिक्त उस संस्था के है इमास्टर / प्रिंसीपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अन-प्रमाणित / प्रमाणित प्रतिलिणि भोजनी चाहिए जहां से उसने मैटिक लेशन / उच्चतर माध्यमिक एरीक्षा उत्तीर्ण की हो। व्या प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रिजस्टर में दर्ज की गर्म उसकी जन्म की नारीब या वार्याविक आय लिखी होनी चाहिए। उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र हो साथ इन अनदेशों में यथा निर्धारित आय का परा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र असीकार किया जा सकता है। टिप्पणी 1—जिस उम्मीदवार के पाम पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्र हो उसे केवल आयुं से गंबस्थ प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेगी चाहिए।

टिप्पणी 2—उम्मीदवार यह ध्यान में रखें कि आयोग स्पीदवार की जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि आवेतन-पत्र प्रस्तुत करने की तारीख को मैट्रिक लेशन उच्चतर स्पान्पिक परीक्षा प्रमाण-पत्र या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र से दर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनरोध पर न हो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी 3—उम्मीदवार यह भी नांट कर लें कि उनके दवारा कियी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार घोषित कर दोने और आयोग दवारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की उन्होंने नहीं दी जाएगी।

(२) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र :—उम्मीदवार को एक एमें एमाण-पत्र की अनुप्रमाणित प्रतिलिणि अवश्य भेजेरी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात विश्व-िकालय या किसी परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे एमेयाता विशेष प्रदान की हो। यदि एसे प्रमाण-पत्र की एक अन्युपाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेकित एपेयाता से संबव्ध अपने दावे की पिष्ट में किसी अन्य प्रमाण-एक की एक की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। आयोग इस साक्ष्य पर उसकी गणायत्वा के आधार पर विचार करेगा, किन्त उसे पर्याप्त मानने ही जिए बाध्य नहीं होगा।

आयोग को अपना आयेदन-पत्र भेजते समय यदि किसी उम्मीदवार के पास नियम 6 में निर्धारित डिग्री न हो तो उसे तीचे नोट 1 के अधीन दिए गए प्रमाण-पत्र के प्रपत्र के परा 1 में निर्धारित प्रपत्र में सम्बद्ध कालेंग/विश्वित्यालय के प्रिमीपल/रिनरार/डीन के लिए इस आशय के एक प्रमाण-पत्र की रिनरार/डीन के लिए इस आशय के एक प्रमाण-पत्र की रिनरार भेजनी चाहिए कि उसने अहाँक परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है और डिग्री प्रदान किए जाने के लिए आवश्यक सभी इंटिआएं प्री कर ली है।

िष्णणी 1 :— यदि कोई उम्मीदवार एसी परीक्षा में बैठ किला हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा के लिए हों शिक्ष रूप से बहुता प्राप्त हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश में जे लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अनेक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। एमें उम्मीदवारों को, यदि अन्यथा पात्र होंगे तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्त परीक्षा में बैठने की कि कि अनेक परीक्षा में बैठने की कि अनेक अनेक परीक्षा कि अनेक की समित अनितम मानी जाएगी और यदि वे अहाँक परीक्षा कि अनेक की परिवार प्राप्त की कि उन्हें होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हाल में 31 अन्यवर, 1985 तक नीचें निधीरित प्रपत्त में प्रस्तृत नहीं को यह अन्मति रदद की जा सकती है।

वहांक परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण दर्शाने वाला प्रमाण-पत्र

1 प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीम्ती/क्रमारी सपत्र/सपत्री* . . ते जो इस कालोप की/ कीर छात्र/काता है . . परीक्षा उल्लीण कर भी है बाँर डिग्नी प्राप्त करने की/की पात्र हो गग/गहाँ* है तथा. . . श्रेणी मिली है।

दिनांक. . .

*जो प्रबंद लाग न हो उसे क्षया काट दै।

निर्मणि ? — निर्मण ६ के एरनक मा रेन्सिकिय योगानायों को सम्बद्ध काले उम्मीद्यारों को सम्बद्ध काले उम्मीद्यारों को सम्बद्ध काले (सम्भार काले सम्बद्ध काले प्रमाण-एक से एक काल्य माणिल (प्रमाणन प्रतिनितिष प्रमाण-एक की एक काल्य माणिल (प्रमाणन प्रतिनितिष प्रमाण करनी चाहिए कि उसमें दिए गए विशोध विषयों में से एक विषय लेकर एम एस मी डिग्री प्रीक्षा या समक्ष प्रीक्षा कर सी हैं (प्रीक्षा यी हैं)

(4) फोटोग्राफ ——उम्मीदवारों को अपने हाल ही के पास-पौर्ट ब्राक्कार (लगभग 5 से मौ ×7 से मौ) के फोटो की वो एक बैसी प्रतिया भेषनी चाहिए। इनमें से एक पिट ब्राग्नेदन-पत्र के पहले पष्ठ पर ब्राट इसरी प्रति उपस्थिति पत्रक में निर्भागित स्थान पर चिपका बोनी चाहिए। फोटो की एस्पेक प्रति के उत्पर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करन चाहिए।

हिशोष भ्यान '— उम्मीदवारों को बेतावनी दी जाती हैं कि ग्रंदि आवेदन-एक को साथ नापर पैरा 3(2), 3(2), 3(4), 3(6) और 3(7) में उल्लिबित प्रलेख आदि में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेवने का उष्टित स्पारीकरण भी नज़ी दिशा गया होगा भी आवेदन-एक अस्वीकार किया बागगा होरे इस बस्वीकृति के विरुद्ध वहाँ अपील नहीं सूनी बाएगी।

5 यदि कोई उम्मीदवार किसी अनसण्य जाति या अनस्पित जन जाति का होने का दावा कर तो उसे अपने दार्थ के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता-पिटा (या जीवित माता या पिता) आमतौर से रहने हों, जिला अधिकारी या नीचे उल्लिखित किसी अन्य अधिकारी से जिसे संबद्ध राज्य मरकार ने यर प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम प्राधिकारी के रूप में निमत विराण हा नीचे किस की प्रमाण-एक रोजर रमकी एक अपमिति विराण हा नीचे किस प्रमाण पत्र अमानित प्रीतिपित प्रमात बरारी शाहिए। रादि उत्मीदनार के मातर भी गिका हाने की मक्स हा विषय आ बाहिए जला रामीकार पत्र का स्थान की किस के अधिकारी में लिया आ बाहिए जला रामीकार प्रमात करनी शाहिए जला रामीकार अधिकारी में लिया आ बाहिए जला रामीकार करनी करनी शिका से भिन्न किसी अन्य प्राणा पत्र आमतीर पर रहता है।

भारत सरकार के अधीन पदाँ पर नियमित के लिए आहेदन फरने वाले अनसिक्त जातियाँ और अभागित जान जातियाँ के उम्मीदवारों के दबारा पस्तुत किए जाने दाले प्रमाण-पत्र का फार्म।

संविधान (अनसचित जानिया) आदोश, 1950[@]। संविधान (अनस्चित जन जानिया) आदोश, 1950[®]। संविधान (अनस्चित जातिया) (सच राज्य क्षेत्र) आदोश, 951[®]।

संविधान (अनुस्चित जन जातिया) (संघ राज्य क्षेत्र) बादेखु, 1951@।

[(अन्स्चित जातिया और अनुस्चित जन जातिया सची (आशांधन) आवश, 1956, बम्बह पूनर्गठन अधिनियम, 1960, पजाब पूनर्गठन किमियम, 1966, हिमाचल प्रदेश, राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पत्री क्षेत्र (पनर्गठन), अधिनियम, 1971 और अनस्चित जातिया तथा दमसचित जाजा निया आदो। (स्शांधन) अधिनियम 1976 द्वारा यथा-स्थांधिन)]

मिविधान (जम्म, और कश्मीर) अनुमृचित जातिया आदेश, 1956^{20} ।

सिवधान (अडमान और निकाबार द्वीपसमह) अनस्पित जनजातिया आदेश, 1956@ अनस्पित आतिया और अन्स्सित अनियम और अन्स्सित जन जानिया आदेश, (स्रशोधन) अधिनियम, 1.976 स्वारा यथा संशाधित ।

सिन्धान (बादरा और नागर_ हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962 $^{ extit{@}}$ ।

म<u>ित्रधान (दादरा और नागर हवेली)</u> अन<u>्सूचित जनजातियां</u> आदोश<u>,</u> 1962[@]।

सविधान (धाडिचरी) अनुस्चित जातियां आदेश, 1964@ सविधान (अनुस्चित जन जातिया) (उत्तर प्रदेश), आदेश, 1967@।

संविधान (गोंजा, दमन और दिय्) अनुसूचिन वातिक। भारोग, 1968@।

सिवधान (गोआ, दमन और दियु) अनुसृचित अन <u>जातियाः</u> भादेश, 1968 $^{@}$ ।

सविधान (नागालँड) अनुसूचित ज्राजातिया आदेश 1970%।

मंडिधान (सिक्कम) अनुसूचित जातिया शाव से , 1978 $^{\odot}$ ।

सिवधान्, (सिक्कम) अनुस्थित अनुजातिया **जार्थः**, 1978@1

% 2. अनुस्चित जातियां/अनुस्चित जनजातिया के एसे
किरि क्यों के मामले में लागू ही जो एक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र
प्रशासन से प्रवृजन कर चुके हैं
यह प्रमाण-पत्र श्री/श्रीमती/कृमारी* 👵 🧸 प्राम/
करवा
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र
भाग / जनजात संसम्बद्ध हाजस राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में अनुसूचित जाति/अनस्चित जनजाति ।
के रूप में मान्यताप्राप्त है के पिता/माता श्री/श्रीमती
को जारी प्रमाणपत्र के जाधार पर जारी किया जाता है।
क र र र र र र र र र र क र र र र र के द्वारा जारी।
दिनांक
%3. बी/बीमती/क्रमारी . ् ं ् च ख ख
. वरि/या* उनका परिवार बामतौर से गाँव/कस्वा*. 😓 👙
जिला/भंडल* राज्य/सघ* राज्य क्षेत्र राज्य क्षेत्र
ा । । में रहती / रहती ह ैं। ्
ह म्साक्षर
^क पदनाम
(कार्यालय की मोहर सहित)
(कायलय का माहर साहत, राज्य∕संघ राज्य क्षेत्र
स्थान

टिप्पणी:—यहां प्रयुक्त ''आमतौर से रहते /रहती हैं'' का अर्थ बही होगा जो ''रिप्रोजेटोशन आफ दि पिपृल एक्ट, 1950'' की भारा 20 में हैं।

**बाति / जनजानि प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम प्राधिकारियों की सूची।

- (1) जिला मेजिस्ट्रोट/अितरिक्त जिला मैजिस्टोट/ कलैक्टर/डिप्टी किमिक्तर/एडिशनल डिप्टी किमि-कतर/डिप्टी कलेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपंडरी मैजिस्ट्रोट/स्टिटी मैजिस्ट्रोट/ग्य किनीजनल मैजि-स्ट्रोट/ताल्लक मैजिस्ट्रोट/एकजीक्यूटिय मैजिस्ट्रोट एक्स्ट्रा अियस्ट्रोट किमिश्तर। १ (प्रथम श्रेणी के स्टाइपेडरी मैजिस्ट्रोट से कब बौहवे का नहीं)
- (2) श्रीफ प्रेमीडोन्सी मीजिस्टोट रणीडशनल श्रीफ प्रेसीडोन्सी मीजिस्टोट प्रेसीडोन्सी मीजिस्टोट।
- (3) रवेन्यू अफसर जिसका आहेदा बहसीलदार से कम न हो।
- (4) उस इलाके का सब-डिवीजनल राज्यार जंडां उच्मीव-वार और/या उसका परिवार जामतौर से रहता हो।
- (5) एोडीमिनिस्ट्रोटर / गोडिमिनिस्ट्रोटर का सचिव /डोवलप-मोन्ट क्फसर, ''लक्षब्वीप''।
- 5. (1) नियम 5 (स) के अंतर्गत आय-सीमा में छट के लिये दावा करने वाले सरकारी कर्मचारी को अपने विभाग/कार्यालय के अध्यक्ष में नीचे दिये फार्म में प्रमाण-पत्र की मूल प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए।

उम्मीववार ध्वारा प्रस्तृत किय जाने वाल प्रमाण-पत्र का फार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि २००,००० छ र र र र

- *(1) श्री/श्रीमती/काुमारी* कर रूप प्रान्त कार्यालय/विभाग माँ , , के पद पर र हा से स्थायी हैं।

*जीलागुन हो उसे काट वैं।

तारीय कार्या कार्या कार्या स्थान कार्या कार्या कार्या

- (2) नियम 5 (ग) (2) या 5 (ग) (3) के अंतर्गत निर्धारित आय सीमा में छट का दावा करने वाले और/या
 छक्ष्ट नोटिस के पौराग्राफ 7 के अधीन शल्क में छट का दावा करने
 बाले भ्तपूर्व पवी पिकिस्तान (अब अंगला दोश) से निम्धापित
 क्यक्ति को निम्निलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से
 सियं गयं प्रमाण-पत्र की अभिष्णमाणित/प्रमाणित प्रनिलिपि
 यह दिखलाने के लियं प्रस्तत करनी बाहिए कि वह भनपूर्व पवी
 पाकिस्तान से आया हां वास्तियक विस्थापित व्यक्ति है और
 1 बनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की कविभ
 के दौरान प्रवंजन पर भारत आया है :---
 - (1) दण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित राहत शिविरों के शिविर कमार्डट।
 - (2) उस क्षेत्र का जिला मजिस्ट्रेट, जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
 - (3) अपने-अपने जिलों में घरणाथीं पूनर्वास **के प्रभारी** अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट।
 - (4) स्वयं प्रभारित सब-डिवीजनल का सब-डिवीजनल अफसर।
 - (5) जय जरणाधी पनश्रमि जाय्क्त, परिचम बंगाल/ निद्देशक (पूनर्वास) कलकत्ता।
 - (3) नियम 5(ग) (4) अधवा 5(ग) (5) के बंतर्गत निधिरित आयु में छूट का दावा करने वाले और/या उक्त नोटिस के पौराप्राफ 7 के अधीन शास्त्र में छट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावितित या प्रत्यावितित होने वाले मेलहाः भारतीय ध्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उन्च आयक्त के कार्यालय से लिये गए इस आश्य के प्रमाण-पत्र की एक अन्-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तत करनी चाहिए कि बृह एक भारतीय नागरिक ही जो अख्तागर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के छधीन 1 नवम्बर, 1964 को यो उसके बाद भारत आया ही या आने वाला ही।
- (4) नियम 5(ग) (6) अथवा 5 (ग) (7) के अंतर्गत निर्धारित आय मीमा में छाट का दावा करने बाले और/या लक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के अधीन शलक से छात का दावा करने बाले बर्मा से प्रत्यावित मूलतः भारतीय क्यक्ति को भारतीय

राजदृतावास, रगृन ब्वारा दियं गयं पहचान प्रमाण-पत्र की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रांतालीप यह दिसलान के लियं प्रस्तृत करनी चाहिए कि वह भारतीय नागारिक हैं जा 1 जून, 1963 का या उसक बाद भारत आया है, अथवा उस जिस अत्र का वह निवासी हैं उसक जिला मैंजिस्ट्रट सं लियं गयं प्रमाण-पत्र को अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिनिप यह दिसलान के नियं प्रस्ति करनी चाहिए कि वह बमा स आया हुआ बास्तिवक प्रत्यावित क्याक्त हैं और 1 जून, 1963 का या उसक बाद धारत नाया है।

(5) नियम 5 (ग) (8) अथवा 5 (गं) (9) के अंतर्गत बाप-सीमा में छूट चाहन बाल एस उम्मीदवार का, जा रक्षा बना म कार्य करत हुए विकलांग हुआ है, महानिव शक पून: स्थापना, रक्षा मंत्रावय, स निम्नोलीकत निधारित फार्म पर इस बाक्षय का एक प्रमाण-पत्र लंकर उसकी एक अनुप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिंग प्रस्तृत करनी चाहए कि वह रक्षा सवा में कार्य करतें हुए विव शो शत्र वश्च क साथ सचर्च में कथवा कशातिप्रस्त क्षत्र कार्यवाई क दौरान विकलांग हुआ बार पोरणामस्वरूप निमुक्त हुआ।

कम्मीवनार इनारा प्रस्तुत किया जाने नाला प्रमाण-पत्र का कार्म :---

🚛 सरि. - ५५८७५८८८

প্ৰাৰে ১ এতাত বিচলা ছৈছিল

चिनांक *का शब्द सागृन हो उसे कृषमा काट द²।

(6) या भूतपूर्व सीनक तथा कसीवन प्राप्त विभिकारी (वाराख् कालान सथा कमीचन प्राप्त वा धकारिया/ वास्पकालान सथा कमी-वान प्राप्त वा धकारिया साहत/ नियम 5 (ग) (14) वास्पः 5 (ग) (15) का शती क वधीन बाय मीमाजा में खुट का दाया करत हैं उन्हें सबव्ध प्राधिकारिया वे विम्नाजिति निधीरिह क्रम में उन पर लागृ हाम बाल प्रमाण-गण का, एक श्रमाणिव/ विम्नाजित प्रतिसिपि प्रस्तुत करनी चाहिए।

(क) कार्यमुक्त/संवानिष्ता कार्मिकों पर लागू

> (क) उन्होंने पांच या णंच से अधिक बर्बों तक सीनक सेवा की हैं और कार्यकाल के समापन पर कदाचार या अक्षमचा के कारण बसल्त या कार्यकाल हान के कलावा अन्य आधार पर कार्यमुक्त हुए हैं।

(दा) व सीनक सबा क कारण हुइ शारारिक अपगता या अक्षमता के कारण का क्रियम्बद हुए हैं।

> सक्षम प्रस्थिकारी का नाम तथा पदनाम . . . , 🖽

> > मोहर

(च) सेवारत∕कन्नीर्मको पर ला**ग्**

> सक्तम प्राधिकारी का नाम तथा पदनाज - 🤫 हु (१ छ) माहर

त्रवाण पत्र जारी करने वाले सक्षत्र प्राधिकारी निम्नलिखिक ह^{र्} —

> (क) कमीशन प्राप्त विश्वकारियों (वापातकालीन कमीसन प्राप्त विश्वकारियों / बल्पकारिक सेवा कमीशन प्राप्त विश्वकारियों सहित) के मामन में :---

भस सेना --- विस्तिटरी सेन्नेटरी की शाक्षा, सेना मुख्यासय, नई विस्ती।

नीसेना -- कामिक निवज्ञालय, नौसेना मुख्यालयः, नद्यीयस्थी।

वानु तेना --- कामिक नियोशालय, (ब्रीधकारी) वायु सना मुख्यालय, नद्गी चल्ली।

(च) ना सना तथा बाबू सना के जुनियर कमीकान प्राप्त विधिकारिया/जन्य रेकी तथा समकक्ष विधिकारिया के मामल में:---

संना — विभिन्न रॉजिमेन्टल रिकाडौ कार्यालयाँ द्वादा नीसेना — बी. ए. बी. एस. वस्वद्रां।

बायूसना --- बाय्सना रिकाड एन . इ. बार . डब्स्यू . नड दिल्ली।

(7) मियम 5 (व) (X) वा 5 (ग) (XI) 7 के जैनगीत बाय में छूट का दावा करने वाल वियतनाम से प्रत्यावितित
म्लत: भारतीय व्यक्ति को फिलहान फिम क्षत्र का वह निवासी
है, इसके जिला मिजिन्ट्रोट से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक
कन्प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विकलाने के लिए प्रस्तुत
करनी चाहिए कि यह वियतनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावितित व्यक्ति है और वियतनाम से जुलाई, 1976 से पहले
भारत नहीं आया है।

- (8) निष्ण ५ ग (All) या ५ (म) (XIII) १ के ६ (गत आय में छाट चाहने बाल कीनिया, उगांचा तथा संयुक्त गण-राज्य तंचानिया (भृतपर्य टागानिका और जजीबार) से प्रवृजन कर काए हुए या जाम्बिया, मलाबी, जर तथा इथियापिया से प्रत्यावितित हुए उम्मीदवार को उस धात्र के जिला मीजिन्द्राट से जहां बहु इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिणि यह दिखलानं के लिए प्रस्तत करना चाहिए कि सह बास्तव में उपर्युक्त दणाँ ने प्रयुक्त कर बाया है।
- (०) नियम 5 (ग) (XVI) या नियम 5 (ग) (XVII) की अंतर्गत आयू में छाट और/या नोटिस के पैरा 7 के अनर्गत शालक में प्राप्ति चाहन शाले भनपर्व परिचार प्रतिकल्यान स विस्था- पित व्यक्ति का निर्मात्तिकत में से जिसी प्राधिकारी से इस झाल्य के प्रमाण-पत्र की एक अन्यप्राधित (प्राधिकारी से इस झाल्य के प्रमाण-पत्र की एक अन्यप्राधित (प्राधिकार की प्रमाण किल्ली चाहिए कि यह भतपन परिणय एपंकित्सर का नास्तावण विस्थापित व्यक्ति हैं जो 1 जनवरी, 1971 कर 31 मार्च, 1973 से नीन की अन्यप्ति के दौरान भारत प्रवृक्त कर चुका भा:---
- 1. विभिन्न राज्यों में द्वंजिट केंद्र या गहत शिविरों के शिविर कमानन्द;
- 2, उस इलाके का जिला मित्रट्ट जिसमें वह फिलहाल रहता हो:
- 3. अपने-अपने जिलों में शरणाधी पुनर्वास के प्रभारी अति-रिक्त जिला मजिस्ट्ट;
- अपने प्रभारान्तर्गत सब-डिबीजन के अन्दर सब-डिबी-चनल अफसर,
 - शरणाथीं पुतर्कास का उपायुक्त।
- 6. जां उम्मीदवार उत्पर परा 5 (2), (3) (4) और 5 (9) में से किसी भी वर्ग के अंतर्गत नोटिस के परा 7 के अन्सार कृत्क में छुट का दावा करता ही उसका किसी जिला अधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मण्डल के सदस्य सं, यह दिखलाने के लिए, कि वह निधीरित कृत्क दन की स्थिति में नहीं हैं, इस आश्चय का एक प्रमाणित पत्र लेकर उसकी अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिप प्रस्तुत करनी हागी।
- 7 जिस स्यक्ति के लिए पात्रता प्रभाण-पत्र आवश्यक हो, उसे परीक्षा में प्रवण दिया जा सकता है किन्त उस निर्धात्रक प्रस्ताव भारत सरकार के राल/निर्माण और आवास/रक्षा/उज्जी/सिचार्ष/मवार/पृति/ जहाजराती और परिवहन/स्चना और प्रसारण/पर्यटन और सिविल विभानन मत्रालय कवारा आवश्यकता पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिए जान के बाद ही दिया आएगा।
- 8 उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आयोदन-पत्र भरते समय काई भूठा व्यक्ति न दो अथवा जिल्ली सहत्वपूर्ण सूचना को न किएएए।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने इवारा प्रस्तृत कि गए किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रजिष्ट कर किसी भी स्थिति में न तो ठीक कर, न उसमें परिवर्तन कर और न कोई फेर-बदल करों और न ही कोई फेर-बदल किए गए/भारे प्रलेख प्रस्तत करों। यदि एमे वा या उसमें अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई अशदिभ अथवा विमगित हो तो विसगित के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तृत किए आए।

- 9 आपटन-पत्र दर से पस्तित किए जान पर दरा के कारण के कप से यह तर्क स्विकार नहीं किया आएका कि आवेदन-प्रपत्र ही असक सारील को सजा गया था। आवेदन-प्रपत्र को भेजा जाना ही स्वत इस बात का स्थक न होगा कि आवेदन प्रपत्र पान पान वाला परीक्षा में बैठन का पात्र हो गया है।
- 10 आयोग के कार्यांसय भी प्राप्त प्रत्येक आवंदन-पत्र जिसमें देर रा प्राप्त नामदन-पत्र भी सम्मिलित है की पावती दी जाती है तथा आवंदन-पत्र की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को आवंदन पजीव्याग सम्या मृचित कर दी जाती है। यदि किसी उम्मीदवार का उक्त परीक्षा के आवंदन पत्र प्राप्त करने के लिए जिमीरित अस्तिम तारीय स एक मान के अन्दर पावती नहीं विम्लती है तो उसे उत्काल आयाग से पावती हत् सम्पर्क करना चाहिए।

इस सभ्य का कि अभ्योदनार को आवेदन पंजीकरण संस्था स्रीधार कर दी गई है अपने आप यन अर्थ नहीं कि आवेदन पत्र नभी प्रकार पूर्ण है और आयाग द्वारा स्वीकार कर लिया गंगा है।

- 11 इस परिक्षा के प्रत्येक उम्मीदशर को उसके बार्धवन-पत्र के परिणाम की स्वान प्रशासीय दें दी जाएगी। किन्त यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कव स्वित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शक हाने की तारीस स एक महीन पहले तक उम्मीदवार को अपने आवदन-पत्र के परिणाम के बारे में सब लोक सेवा आधाग से कार्ड सचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना बाहिए। यदि उम्मीदवार ने एमा नहीं किया ता वह अपने मामल में विचार किए जाने के दावं से दिचत हो जाएगा।
- 12. संघ लोक सेवा आयोग ने ''संघ लोक सेवा आयोग की वस्तपरक परिकारों हत उम्मीददार विवर्गणका'' शीर्षक से एक सम्लय प्रितका छापी है। यह प्रितका स लो से आयोग की परिकाओ या चयनों के भादी उम्मीदवारों को सहायता दने के उद्दश्य स तैयार की गई है।

यह प्रित्तका और पिछली परौक्षाको की नियमावली सभा पारम्परिक प्रकार के प्रका-पश्चों का नलला करने वाले पौफलटों की प्रतिया प्रकाशन नियमक, सिविल लाइन्स, दहली-110054 के पाम बिकी के लिए मृत्तम है और इन्हों उनस सीधं मल आडौर इवारा या नकद भगतान पर प्राप्त किया था सकता है। इन्हों केवल नकद भगतान पर (1) किताब महल, रिवाली विलेमा के सामने, एमारिया डिल्डिंग, ''है'' उनाक, बावा लडगमिह मार्ग नई दिल्ली-11001 किएन प्रकाशन शाला का बिकी कालण्टर और (3) गवर्नमेल आफ इन्छिमा बक रियो, 8-के एस राम राडे, करकता-700001 में भी लिए। जा सकता है। मैनअल/ पौफलट भारत सरकार प्रकाशनों के विभिन्न मृफ्तिल शहरों में स्थित एजेटों से भी उपलब्ध है।

- 13. बाजेयन-पत्रों से सम्बद्ध पत्र-स्ववहार---आवंदन वर्षों से सम्बद्ध सभी पत्र लादि सचिव, मंध लोक सेवा आयोग, धौलपर हाउस, काहजहां रोड, नर्ड दिल्ली-110011, को भेज जाए सथा उनमें नीचे लिखा नगैरा अनिवर्ध रूप से दिया जाए:---
 - (1) परीक्षा का नाम
 - (2) परीक्षाका महीना और वर्ष

- 5 आपका उत्तर पत्रक पर कुछ विवरण परक्षा भवन में भरता हागा। आपका कुछ विवरण उत्तर पत्रक पर कृटबद्ध भी . करत होता। इसक बार में आपक नाम अनुद्रा प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ भव आएग।
- 6. परीक्षण-पृस्तिका में दिए गए सभी अन्देश आपकों साबधानी स पढ़न हैं। इन अनुदेशा का साबधानी स पालन न करन स आपका नम्बर कम हा सकत हैं। अगर उत्तर पत्रक पर काई प्राचीच्छ सीदिश्व हैं, ता उस अहनाश क प्रत्यूत्तर क लिए आपका काई नम्बर नहीं मित्रगा। प्रयत्नक्षक क अनुदेशों का बालन करें। अब प्रयोवक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग का अरस्भ या समाप्त करने का कह ता उनके अनुदेशों का तस्काल पालन करें।
- 7. बाप अपना प्रवेश प्रमाण-पत्र साथ लायें, अपको अपने साथ एक एच. बी. पीन्सल, एक रवड, एक पीन्सल शापनर बार नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी हागी। अपको सलाह दा दाती हैं कि आप अपन साथ एक विलय दाडें भा हाड बाड या कार्य वाडों भी लाए जिस पर कुछ लिखा न हों। आपका परीक्षा भवन में काई बाली कार्य या कार्य का टूकड़ा या प्रमान या आर एक उपकरण नहीं लाए हा स्थापक उनकी बरूरत नहीं हागी। मायन पर कच्च काम के लिए आपका एक अस्य कार्य दाया आएगा। आप कच्चा काम या शुरू करन से पहल उस पर परीक्षा का नाम, अपना-ग्रल नम्बर आर परीक्षण का ताराख लिख अर परीक्षण समान्य हान या बाद उस अपने उपर पत्रक के साथ प्रविक्षक को वापस कर दी।

(क) विशय अनुदक्ष

परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरीक्षक जापका उत्तर पत्रक दग। उत्तर पत्रक पर अपिक्षत स्वना भर दा। यह काम पूरा हान क बाद निराक्षक आपका पराक्षण पृस्तिका द्या। पराक्षण प्रान्तका मिरान पर बाप यह अवद्य देख ल कि उस पर पृस्तिका की सख्या निल्ली हुई है जन्यथा, उसं बदलना ल। पराक्षण पस्तका का सालन स पहल उसके प्रथम पष्ठ पर वपना अनुक्रमांक निल्ल दे। आपका परीक्षण प्रात्का सब तक विलिन का अनुमात नहां है जुब तक प्रविक्षक एसा करन क लिये न कहा।

(न) कुछ उपयानी सुप्तान

यशिष इस परीक्षण का उद्देश्य आपभी गरित की अर्थका शृष्थता का जानता है, फिर भी ५ई जरूरों है कि आप अपने समय का यभीसम्भव दक्षता स उपयाग करें। सल्लान की माण आपने जितनी जल्दा काम कर सकत है, कर पर आपरवाही न हो। जाप सभी प्रकार का उल्लार नहीं द पाल ही ता जिल्ला न करें। बापका जा प्रका जल्यन्त कोठन मालूम पड़ा उन पर समय ध्यर्थ न करें। वूसर प्रका का जार बढ़ा और उन काठन प्रशा पर बाद में विकार करें।

सभी प्रवनाशों के अक समान होंगे। छत सभी को उसर दी जापके द्वारा अकित सही प्रत्युत्तरों की सक्या के आधार पर ही आपका अक दिए जायंग। गलत उत्तर के लिए अक नहीं काटे जायगं।

(छ) परीक्षण का सन्नापन

्षेस ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बंद करने को कहा, आप किसना बंद कर दा। जाप अपन स्थान पर तब हक बंद रहा जब तक निरीक्षक आपको पास जाकर आपसे सभी बावदयक बस्तृए जो जाए कार जापको हाल छाइन की अनुस्ति दो। आपको परिक्षण-प्रितका और उत्तर पत्रक तथा कच्य कार्य का काण्य परीक्षा भवन संबाहर लंजान की अनुमति नहीं है।

(नोट--- मन्द्रा/मर्योक्तम उत्तर-विकल्प का निर्दिष्ट करता है)

1. सामान्य अध्यासन

सङ्घन क्रवाई पर पर्यंत्रारीत्रियों के नाक सचा कान से निस्तिशिक्ष से हैं किस कारण से रक्षत आर्थ होता है?

- (a) रकत का बाब वायुमण्डल के दाख से कम दोता है।
- ⁴ (b) रकत हा दीव दायुमण्डल के बाब से पांचक देना
- (c) स्वत कारिकाओं की अन्तकतो तथा बाहरी शिराओं पर **शाय** समाज दोना है।
- (d) रक्त का दाव वायुमण्डल के दाव के भनु रूप पटना-वहुदा 🕻।

2. English

(Voorbulary-Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections:

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(d) larg st so far
- 3. mf4

भारकः में कृमीकः भारतः निम्तिलिखितः में से किसी एक स्वाय के कम किया भागकता है।

- *(a) वृद्धि मिथ**वक् शा**री **डिइक्सव**
- (b) रू पूर पीछ लगामा
- (c) महा ऋतु मैं की स समाना
- (d) याके-बाक कासरा पर पीछ समानः

4. (रमायन विज्ञान)

H₃VO₄ का पनहाद्राहण निम्नलिखित में से क्या होता है?

- (1) VO₃
- (p) AQ*
- (c) V2C34
- *(d) V2O3
 - ड (प्रथम रक)

रूम का एकाडिकारी शोषण निम्नलिखित में के किस क्यित में होता है रे

- (क) क्षीमास्त राजस्व अस्पात से मत्र्रा भन्ता।
- (b) मजदूरो नथा शामान्त राजस्य उत्पादन बार्ने बराबर ही ।
- (c) मजदूरो सीमान राजस्य उत्पाद से वाष्ट्रका हो।
- ्हें (d) मजदूरी स्रोमान मौताक उत्पाद के सरासर हो ।

6 (वैद्युत् ईजीनियरी)

एक समाक्षा नेका को प्रापेकिन पैरावैश्वनांक 9 के पैरावैश्वन् से सम्पूर रित किया गया है। पवि C मृत्त प्राप्तराल में सचरण बंग दर्शाता है सो लाइन में स्वरण का नेग क्या होगा ?

- (a) 3C
- (b) C
- $(c) C/_3$
- (d) C/9

- (3) उम्मीदवार की बावधन प्रवीकरण स./राल नम्बर अथवा जन्म की तारीख, यदि आवेदन पंजीकरण सं./अनुक्रमांक सुचित नहीं किया गया है।
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बढ़ वक्षरों में)
- (5) आवेदनपत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता।

विशेष भ्यान (1):--जिन पत्रों आदि में यह स्थीरा नहीं होगा, सम्भवतः सन् पर भ्यान नहीं दिया जाएगा।

विकाय भ्यान (2) :---परीक्षा के सम्राप्त हो जाने के बाव यीष

 उम्मीदवार से कोई ऐसा पत्र /स्चना
 प्राप्त हाती है जिस पर उसने अपना नाम
 जरि अनुकर्माक नहीं लिखा है, तो
 एसे पत्रों पर कांड भ्याम नहीं दिया
 जाएगा और न ही उन पर कोड कार्डवाही की जाएगी ।

पते में परिवर्तन—-उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर होनी बाहिए कि उसके बावेवन-पत्र में उल्लिबित पतं पर अंबे गए पत्र बाब कार्बर, अनवस्था कर विस्त बाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी स्वान उपर्यक्त परा 13 में उल्लिबित क्योर के साथ, यथाऔष दी जानी बाहिए। यद्दिप बायोग एचे परिवर्तनों पर ध्यान दोने का पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में यह कोई बिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

सन्बन्ध---।।

जम्मीवचारों को सूचनार्थ विवरीणका

(क) वस्तूपरक परीक्षण

नियसावली के परिमिष्ट-। में इंजीनियरी की प्रत्येक आग बिधा (अर्थात सिविल, यांत्रिक, बैद्यंत और इलेक्ट्रानिकी दार बंचार के बंतगंत भाग-। के प्रवन-पत्र में बापकी परीका ''बस्त्-प्रक परीक्षण'' के नाम सं जानी जाएगी। इस प्रकार की परीका (परीक्षण) में आपकां उत्तर लिखनं नहीं होंगे। प्रत्येक प्रधन (जिसके आगे प्रवसंघ कहा जाएगा) के लिए कर्च स्काए गए उत्तर (जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) विए जात है उनमें से प्रत्येक प्रधनाश के लिए आपको एक उत्तर बुन सना है।

इस विवरणिका का उद्योश जापको इस परीक्षा के बार में कृष बानकारी बोना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित म हाम के कारण जापको कोई हानि न हो।

(वा) परीक्षण का स्वरूप

प्रका-पत्र "परीक्षण पृस्तिका" के रूप में होंगे। इस प्रिलका में क्रम संख्या 1, 2, 3—आदि के क्रम सं प्रवनाझ होगे। हर प्रकाश के नीचे ए, बी, सी, बी, चिहन के साथ स्काए गए प्रस्मार लिखे होंगे। आपका काम एक सही या यदि आपको एक सं विधिक प्रस्मार सही लगें तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। (अंत में दिए गए नमनं के प्रकाश देख में)। किसी भी स्थिति में प्रस्थेक प्रकाश के लिए आपको एक सही प्रस्मुत्तर का चुनाव करना हागा। यदि वाप एक सं अधिक चुन संते ही तो आपका प्रस्मुत्तर गलत माना जाएगा।

(ग) उसर दन की विभि

परीक्षा भवन में आपको अलग एक उत्तर पत्रक विया जाएगा जिसकी एक नम्ना प्रति आपको प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ भेषी जाएगी। आपको अपने प्रत्युत्तर इस उत्तर पत्रक में सिकने होंगे। परीक्षण प्रस्तक में या उत्तर पत्रक का छाड़कर अन्य किसी कागण पर लिखें गए उत्तर नहीं जाण जायोगे।

उत्तर गंत्रक (नियमावानी के जैत में नम्ना मंत्रक) में प्रकर्मणी को संख्याए 1 से 160 तक बार बंडों में छुपी गई है। अन्य के प्रकाश के सामने ए, बी, सी, डी चिक्रन दास कायताकार स्थान छुपे होते हैं। परीक्षण प्रितका के प्रत्यक प्रकर्मण को पह लगे बार यह निर्णय करने के बाद कि कान मा प्रत्यक्तर सही धा सर्थोक्तम है आपको उस प्रत्यक्तर के उत्तर बाले मायत को पेन्सिक सं प्री तरह काला बना कर उसे अंकित कर दाना है, बीमा कि (मायका उक्तर दाना के किए) नीचे निकाया गया है। उक्तर-पणक के मायत को काला बनाने के लिए स्थाही का प्रमीग नहीं करना चाहिए।

′ന്മാ	ம்ப	CANA	င်္ဆာ
² (a)	423	(E	cdo
3.	(p=)	ιc	cæ
4000	(b)		cdo

बह जरूरी है कि:---

- प्रदनाशों के उत्तरों के सिए क्षेत्रल अच्छी किस्म की एच.
 पैन्सिन (पैन्सिले) ही लाए और उन्ही का प्रयाग करें।
- 2. गलत निशान को बदलने के लिए उसे पूरा बिटाकर फिर से सही उसर पर निशान लगा थे। इसके लिए आप अपने साथ एक रवड़ भी लाए।
- 3 उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोडी एती जसाबधानी न हा जिससं वह फट आए या उसमें मोड़े व सिलबट आदि पढ आए या वह बराब हा लाए।

(च) कुछ महत्वपूर्ण विनियम

- बापको परीक्षा बारम्भ करने के लिए निधारित सबय से बीस मिनट पहल परीक्षा भवन में पहुचना हाणा और पहुचते ही बपना स्थान सहण करना हाणा।
- 2. परीक्षा सुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को वरीक्षण व में प्रवस नहीं दिया जाएगा।
- 3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी की परीक्षा भवन छाइने की अनुमति नहीं मिलगी।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाद परीक्षण पृस्तिका और उत्तर पत्रक निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सींप दो। बापको परीक्षण पृस्तिका परीक्ष्य भवन सं बाहर से जाने की अनुमति नहीं हो। इस नियम का उत्त्वेचन करने पर कड़ा दण्ड दिया चाएगा।

7. (भूषका<u>न)</u>

बैसास्ट में व्लेजिकोक्लेस क्या होता है।

- (2) प्रालिगोक्लज
- *(b) लेबोडोराइट
- (c) एल्डाइट
- (d) एनाचाईड
- 8. (गणिन)

बूल बिन्दू से गुजरने वाला घोर $\frac{d^2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = \varnothing$

को संगत रखने वाला बन-परिवार निम्नलिखित में से किस है निविष्ट हैं ?

- (a) y = ax + b
- (b) y=ax
- (c) y=aex.+be-x
- =(d) y = aex a
 - 9. (भौतिकी)

एक घादणे उद्मा इंजन 400°K घीर 300°K तापक्रम के नध्य कार्य करता है। इसकी क्षमता निम्नलिखित में से क्या होगी?

- (a) 3/4
- *(b) (4--3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)
- 10. (सांक्रियको).

यदि द्विपद विकर का माध्य 5 है तो इसका प्रसरण निम्नलिकित भैं से क्या होगा?

- (a) 4^2
- •(b) 3
- (c) a
- (d) -- 5

11 (भूगोल)

वर्मा के दक्षिणी भाग की भ्रत्यधिक समृद्धि का कारण मिम्नलिखिल से से क्या है?

- (a) यहां पर खनिज साधनों का विश्वल मण्डार है।
- (b) बर्मा की प्रधिकांश निद्धों का डेल्टाई भाग है।
 - (C) यहां श्रेष्ठ वन सपदाः है।
 - (d.) देश के धिषकांश तेल क्षेत्र इसी माग में हैं।

12. (भारतीय इतिहास)

ब्राह्मणवाद के संबंध में निम्नलिखित में से क्या सत्य नहीं है ?

 (a) बीद्ध ध्रमं के उत्कर्ष काल में भी ब्राह्मणवाच के बनुयायियों की संक्या बहुत प्रधिक थी।

- (b) वाह्मणशब बहुत प्रधिक कर्मकांक और ग्राडबर से पूर्क कर्म था।
- *(c) बाह्मणवाद के प्रभ्युवय के साथ, विल संबंधी यक्त कर्म का महत्व कम हो गया।
 - (d) व्यक्ति के जीवन-विकास की विभिन्न वशामों को प्रकट करने के लिए धार्मिक संस्कार निर्धारित में ।

13. (বর্গন)

निम्नलिकित में से निरोधवरवादी दशत समृह कीन सा 🖁 ?

- (a) बौद्ध न्याय बार्वाक, मीमांसा
- (b) श्याय, वमेविक, जैन भीर बीद्ध, वार्वाक
- (C) मक्षत, बेदात, सास्य, बार्बाक, योग
- (d) बौद्ध, साक्य, मीमांसा, बार्बाक
 - 14. (राजनीति विज्ञान)

"बृत्तिगत प्रतिनिधान" का अर्थे निम्नलिखित में से क्या है है

- (a) व्यवसाय के माधार पर विधानमंडल में प्रतिनिधियाँ का निविचन ।
 - (b) किसी भमृह या किसी ज्यावनायिक ममृदाय के पक्त का समर्वन ।
 - (C) किसी रोजगार संबंधी संठन में प्रतिनिधियों का चूनाक।
 - (d) श्रमिक सची कारा सप्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व ।

15. (मनोविज्ञान)

लक्य की प्राप्ति निम्मलिखित में से किसकी निर्देशित करती है?

- (a) लध्य संबंधी प्रावश्यकता में वृद्धि भावारमक
- (b) प्रस्तनींद प्रवस्था में स्यूतता
- (c) व्यावहारिक चिधगम
- (d) पक्षपात पूर्ण मधिगम

16 (समाजभासका)

भारत में पंचायती राज संस्थाओं की निम्न में से कौन-सी है?

- (a) ग्राम सरकार में महिलाओं तथा कमजोर वंगों को ग्रीपवारिक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुन्ना है।
 - (b) छ्याछून कम हुई है।
 - (C) बचित वर्गों के लोगो को भुस्वामित्व का लाभ मिला है।
 - (d) अन साधारण में शिक्षा का प्रसार हुमा है।

टिप्पणी:---- उम्मीदवारों को यह स्थान रखना चाहिए कि उपर्युक्त नमने के प्रश्नांश (प्रश्न) केवल उदाहरण के लिए दिए गए हैं धीर यह जरूरी नहीं हैं कि वं इस परीक्षा की पाट्सप्पर्या के धनुसार हों।

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 1st February 1985

No. F. 6/85-SCA(I).—Shri G. G. Awasthi, Assistant Registrar, has retired from the service of the Registry of the Supreme Court of India with effect from the afternoon of January 31, 1985.

H. S. MUNJRAL Depu'y Re strar (Admn. J) Supreme Court of India

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

. New Delhi-110011, the 17th January 1985

No. A.12023/1/85-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Comm.ss.on, netcoy appoints Section Officers in the I. P. Iuli and K. L. Suri, permanent Section Officers in the CSS cadre of Union Public Service Commission as Deputy Directors Group A, Gazetted, in the pay scale of Ks. 1100-50-1600 on ad-noc basis for a period of six modifies whefe 1-1 1280 to 30-6-1985 or until further orders whichever is carlier.

Their appointment to the post of Deputy Directors is on deputation terms and will be regulated in terms of provisions of the Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M. No. P. 1(11)-E.EI(8)/75 dated 7-11-1975 as amended from time to time.

M. P. JAIN
Under Secretary (Admn.)
for Chairman
Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 31st January 1985

No. 4E/PRS/601.—Consequent upon his selection as Private Secretary in the Scale of Pay of Rs 650-1200 in the Customs, Excise & Gold (Control) Appellate Tribunai. Delhi Benches, New Delhi on deputation basis, the services of Shri K. S. Venkatachalam, a permanent Senior Personal Assistant in the Central Vigilance Commission are placed at the disposal of the Customs, Excise & Gold (Control) Appellate Tribunal, New Delhi with effect from the afternoon of 31st January, 1985.

No. 2/14/83-Admn—The Central Violance Commissioner hereby appoints Shri A. K. Suri, Executive Engineer (Ci ') of the Central Public Works D partment as Technical Examiner (Civil) in the Central Violance Commission in an officiating capacity in the scale of Pav of Rs 1100-50-1600 plus special pav of Rs. 200/- P.M with effect from the afternoon of 31st December, 1984, until further orders.

No. 1GPRS/603.—Consequent on big selection as Gigilance Officer in the Cement Corporation of India New F. Shri R. K. Rehani, a permanent Personal Assistant and officiating as Sr. P.A. in the Central Vigilance Commission is hereby relieved of bis duties with effect from the afternoon of 31st January, 1985.

K. L. MATHOTRA Under Secv. for Central Vigitance Commissioner

MINISTRY AND DEPARTMENT CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Dalhi, the 28th January 1985

No. A/22013/1/84/AD. V.—The Director/CBI and Inspector General of Police/Special Police Establishment is pleased to appoint the following Inspectors to officiate as Dy. Supdts. of Police in Central Bureau of Investigation on ad hos

basis from the date mentioned against their names until further orders:

Name of the officer		Branch to which posted	Date of ad-hoc promotion	
S/3aci				
1. B.K. Shukla		CIU (I)	26-11-1984	
2. N. K. Singh		SIC	4-12-1984	
3. J. S. Choudhary		SIC	21-1-1985	
4. Bi wajit Saha .		CIU (II)	19-12-1984	
5. M. M. Kaushik .		GOW/Delh:	30-11-1984	
6. Jangi Lal		SIC	24-11-1984	
-			AN	
7. Shravan Kumar		CIU (F)	10-1-1985	
8. R. K. Saran .		SIC	19-1-198 5	

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) CBI

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110003, the 31st January 1985

No. O.II-1972/84-Estt.—The notification regarding approintment of D Rab adm Nam K man as I mor Medical Officer in CRPF on ad-hoc basis with effect from 4th January, 1985 vide notification of even number dated 19-1-85 may be treated as cancelled.

M. P. JAKHMOLA Assistant Director (Estt)

DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 29th January 1985

No. E-32015(3) 11/6. Pers. I.—The President is pleased to appoint Shri G. S. Sandhu. A Commandant CISF Unit D T.P.S. Durgapur with effect from the afternoon of 31st December 1984 on purely ad-hoc basis and temporary for a period upto 26-3-1985 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

The 1st February 1985

No E-29070'2'82 + Pors - The P evid at is pleased to appoint the following officers substantively as Assistant Commandant in the Central Industrial Security Force from the date(s) noted against each:—

S/Shri

- (a) Ishwar Singh--20-1-1973.
- (b) M. S. Bose-2-12-1973.
- (c) N. N. D. Kaul -2-12-1973
- (d) D. S. Treasure-21-6-1974.
- (e) S. N. Ganju-21-6-1974.

2. The names of above officers listed at serial numbers 1, 2, 3, 4 and 6 of this Hors, notification of even number dated 25th June, 1982 are hereby deleted.

S. ANANDARAM Director General/CISF

BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-110 001, the 2nd February 1985

No. 13/6/81-Adm.I—The Director General, Bureau of Police Research and Development is pleased to appoint Shri N. P., Gupta, Dy. Supdt. of Police (ad-hoc) as Deputy Superintendent of Police, Bureau of Police Research and Development in an officiating capacity w.e.f. 4-7-1977 (F.N.)

650-30-740-30-810-EB-35-880-40in the pay scale of Rs. 1000-EB-40-1200.

2. This issues with the concurrence of DP&AR vide their Dy. No. 4074/84-Fist(D) dated 22-1-1985.

D. MAIUMDER Joint Assistant Director

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL . (AUDIT) I, BIHAR

Patna, the 29th January 1985

Admn.I (Au)-I-20-5-2407.—The Accountant General No. (Audit) I, Bihar, Patna has been pleased to appoint the following Section Officers of his office as detailed in the list enclosed to officiate until further orders as Assistant Audit Officers (Group-B) Gazetted in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 in that office with effect from 1-3-1984 or the date of joining whichever is later.

Sd/- ILLEGIBLE Dy. Accountant General (Admn.) Audit

List of Persons Promoted as Assistant Audit Officers:

Sl. No. Name 1

- 1. Sheo Pujan Prasad No. 1.
- 2. Dinesh Nand Bahadur.
- 3. Mudrika Prasad Singh.
- 4. Anil Chandra Hazari.
- 5. Abdul Gaffar Khan.
- 6. Md. Bakhtiar Ahmad.
- 7. Budhi Nath Jha.
- 8. Bharat Jha.
- 9. Indradeo Prasad Sinha.
- 10. Bhupal Bhattacharya.
- 11. Krishna Kumar Bose.
- 12. Budhi Chandra Singh.
- 13. Jitendra Kumar Sengupta,
- 14. Santosh Kumar Modak Nag.
- 15. Mustafa Hussain Naushad.
- 16. Krishna Kishore Verma.
- 17. Kshetra Mohan Haldar.
- 18. Satya Narain Choudhary.
- 19. Mahendra Prasad Gupta.
- 20. Bageshwari Charan.
- 21. Jagdanand Prasad.
- 22. Krishna Chandra Sinha.
- 23. Dhrub Narain Das.
- 24. Sadanand Jha.
- 25. Sudhindra Nath Banerice.
- 26. Nimai Chandra Ghosh.
- 27. Dwarika Kant Choudhary.
- 28. Lakhan Deo Mishra.
- 29. Ram Dhyan Sharma.
- 30. Sagir Alam,
- 31. Raj Bansi Das.
- 32. Kishori Lal Sonar.
- 33. Kamla Kant Jha.
- 34. Anwarul Ghani.
- 35. Satrughan Jha.
- 36. Deoki Nandan Prasad Gupta,
- 37. Radha Krishna Choubey.
- 38. Gopi Nath Banerjee.
- 39. Madhusudan Sharma.
- 40. Saibal Chandra Sen.
- 41. Shailendra Kumar Sinha
- 42. Paresh Chandra Biswas.
 - 43. Krishna Mohan Kumar,
- 44 Chandra Deo Jha.
- 69 466GI/84

- Nripendra Narain Guha.
- 46. Satish Chandra Khare.
- 47. Mathura Prasad Sinha.
- 48. Lallan Thakur.
- 49. Chandra Mohan Singh.
- 50. Sunil Ranian Bakshi
- 51. Ashim Kumar Banerjee.
- 52. Baikunth Pandey
- 53. Bajrang Sahay.
- 54. Somnath Kavi Raj.
- 55. Ashok Kumar Bhattacharya.
- 56, Bimal Chandra Choudhary
- 57. Fakhre Alam.
- 58. Sagar Kumar Sen.
- 59. Swapna Pada Ganguly.
- 60, Sailendra Kumar Verma,
- 61. Shree Kant Pandey
- 62. Kamla Prasad.
- 63. Chitranjan Banerjee.
- 64. Surendra Prasad Srivestava
- 65. Devendra Narain Lal.
- 66, Nimai Chandra Banerjee,
- 67. Pramod Narain Iba.
- 68. Kailash Prasad.
- 69 Kapildeo Prasad.
- 70. Krishua Nandan Prasad, No. 3.
- 71. Vishnudeo Prasad, No. 2.
- 72, Brahma Nand Prasad.
- 73. Rana Pratap Sinha.
- 74. Shree Kant Vaidya.
- 75. Abdul Wahab.
- 76. Md. Daraman Ansari,
- 77. Dayanand Prasad Verma.
- 78. Sharda Nand Jha.
- 79. Basudev Goswamy.
- 80. Suresh Chandra Verma,
- 81. Satyabratu Gupta.
- 82. Sheikh Yasin Ansarl.
- 83. Lakhan Lal Sharma.
- 84. Shivatahal Nath Mishra.
- 85. Laliteshwar Prasad Vishyat,
- 86. Jawahar Lal Singh.
- 87. Ajit Kumar Rov.
- 88. Ishwar Dayal Sinha.
- 89. Narain Chandra Ghosh.
- 90. Badri Narayan Sinha.
- 91. Shashi Bhushan Prasad No. 1.
- 92. Shashi Kant Tripathi.
- 93. Rameshwar Prasad Mandal.
- 94. Rabindra Kumar Lal.
- 95. Rajeshwar Kumar Srivastava.
- 96. Sargoon Prasad.
- 97. Gaur Lal Dutta.
- 98. Habibullah Ansari.
- 99. Sachidanand Choudhary. 100. Ramendra Nath Chatterice.
- 101. Prabhat Ranjan Mazumdar.
- 102. Dwarika Bhagat,
- 103. Madan Mohan Prasad No. 1.
- 104. Tapeshwar Mishra.
- 105 Mithileshwar Sahay.
- 106. Manindra Nath Chatterice.
- 107. Mahendra Narain Azad.
- 108, Janardan Prasad Srivastava.
- 109 Devendra Narain Singh.
- 110. Gopal Krishna Banerjee. 111. Madan Mohan Prasad No 2.

1 2	1 2
140 % 1 1 7 4 7	170 Parameter The
112. Rajendra Prasad Kumar.	179 Ramautar Jha.
113. Shree Narain Singh.	180. Basudeo Rai.
114. Ram Narain Khatry.	181. Hemkant Tha.
115. Ramdeo Tiwary.	182. Rabindra Kishore Prasad Singh.
116. Eshwari Chandra.	183. Mathura Prasad.
117. Hadi Raza Siddique.	184, Awadhesh Kumar Srivastava.
118. Deo Kumar Baneriee.	185 Jata Shankar Jha.
119. Md. Masood Alam,	186, Satya Nurain Prasud No. 2.
120. Bhakti Pada Roy.	187. Bibhuti Bhushan Sen Gupta.
121. Bal Krishna Roy.	188 Amiya Ranjan Choudharv.
122. Shyam Sundar Mishra.	189, Ram Chandrama Singh.
123. Saryug Prasad, No. 3.	190, Ram Nandan Prasad No. 1
124. Shiy Chandra Prasad	191. Anadi Krishna Deva
125. Ram Swarup Sahni.	192, Paritosh Chakraborty.
126. Tapeshwar Prasad,	193. Kedar Noth Prasad Sinha.
127. Shree Prakash Lal.	194 Syed Zainul Abedin.
128. Ali Imam.	195. Kapildeo Giri
129. Surendra Nath Jayaswal.	196. Navaratan Sinha.
130. Jayanta Mukherjee.	197. Chandreshwari Prasad Singh No. 1,
131. Birendra Chandra Bagchi,	198, Janardan Prasad Singh No. 2.
132. Sheo Shankar Prasad Gupta.	199. Ashok Kumar Mukherjee.
133. Tunnu Lal.	200. Sreepati Dey.
134. Sachidanand Sinha No. 3.	201. Nripendra Lal Barua.
	• · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
135. Rajendra Prasad No. 4.	202. Jagannath Maheshwari.
136, Kedar Nath Tiwary.	203. Deo Nandan Singh.
137. Haroon Rashid.	204. Ramesh Kumar Sinha.
138. Ram Chandra Prasad Gupta.	205. Krishna Nandan Prasad No. 2.
139 Md. Habibur Rahman.	206, Sheo Shankar Sharma.
140. Ramnandan Singh.	207. Gaicadra Narain Singh No. 1.
141. Hari Shankar Choudhary.	208. Ram Yad Singh.
142. Sailendra Kumar Sinha, No. 2.	209. Gouri Shankar Tiwary.
143. Ram Pratap Sinha.	210. Kishore Chand Mehrotra.
144. Narendra Roy.	211. Jagdish Narain Prasad.
145 Rajendra Prasad Sinha No. 3.	212. Sadanand Pal.
146. Ram Lakhan Prasad Sinhg,	213. Gunanand Jha
147. Kapileshwar Prasad Sinha,	214. Alakh Niranjan Prasad Ambastha.
148. Pratapdeo Singh.	215. Baijnath Prasad Gupta,
149. Bhupendra Jha.	216. Suresh Lal Das.
150 Rajeshwar Prasad No. 4.	217. Murli Manohar Sharma.
151 Radha Krishna Mishra.	218. Md. Mustafa.
152, Krishna Murari Prasad.	219, Harendra Prasad Srivastava.
153. Sidhe hwar Prasad No. 2.	220. Ratneshwar Jha,
154 Syed Eqbal Ahmad,	221. Laliteshwar Trivedi.
155. Gajendra Prasad Singh No. 1.	222. Krishna Nand Mallick.
156. Rudra Kumar Sahay.	223. Akhileshwar Prasad,
157. Jaipati Sinha.	224. Bhagwan Prasad Verma.
158. Md. Yusuf Ansari.	225. Sidheshwar Prasad No. 1,
159. Rabindra Nath Singh.	226. Binod Kumar Sinha,
160. Md. Quasim Mohanavi	227. Shyam Kishore Prasad.
161. Rabindra Nath Jha (Raman).	228. Binay Kumar Sinha.
162 Ramanugrah Narain Prasad.	229. Vijav Kumar Singh. 230. Pranab Kumar Roy.
163. Sudama Prasad Singh.	
164 Jeoback Mishra.	231, Shri Deva Lal Das.
165. Khagendra Nath Mazumdar.	232. Nagendra Prasad Sinha No. 2.
166. Diliv Bhattacharjee.	233. Prashant Kumar Sinha No. 1.
167. Ram Bilash Sahu.	234. Rameshwar Prasad Singh,
168. Surendra Pandey.	235. Rujendra Prasad Singh.
169. Jainarain Prasad Sinha.	236. Lakshmi Kunt Mishra.
170. Prahlad Prasad Gupta,	237. Tara Kant Kumar.
171. Ram Pravesh Sharma.	238. Badri Narain Singh.
172. Dinesh Chandra Das.	239. Kharanand Jha,
173. Gopal Chaudra Bhattacharjee.	240. Shashi Shekhar Lal Das.
174, Raj Kumar Choudhary No. 1.	241. Dharmdeo Singh.
175 Ramanand Jha.	242. Abhimanyu Ram.
176. Ratish Chandra Tha.	243. Nawal Kishore Prasad.
177. Chandra Bhushan Prasad Singh.	244. Sugriva Prasad Sahu.
178. Jatadher Mishra.	245, Madan Mohan De.
•	

- 246. Bhuneshwar Prasad Saw.
- 247. Shree Ram Mandal.
- 248. Satyadeo Sukla.
- 249. Sita Ram Prasad.
- 250. R. D. Yadav,
- 251. Phani Bhushan Dutta.
- 252. Radha Krishna Prasad No. 2.
- 253. Dharmnath Prasod Sinha.
- 254. Jogesh Chandra Ambastha.
- 255. Narendra Prasad Sharma,
- 256. Krishna Ballabh Prasad.
- 257. Md. Taha.
- 258. Sri Nandan Prasad Verma,
- 259, Shyamal Kumar Deb Gupta.
- 260, Mr. Mosharraf Imam,
- 261. Ramendra Kumar,
- 262. Suraj Bhushan Prasad Sinha.
- 263. Rang Bihari Singh.

Sd/-ILLEGIBLE Audit Officer

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A/CS) 1 BIHAR

Ranchi, the 23rd January 1985

No. Admn-Promo-2865.—The Accountant General (A/cs) I Bihar Ranchi has been pleased to promote Shri Deepak Kumar Dutta a substantive Section Officer of this office to officiate until further orders as an Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 31-12-84 (FN).

R. BASHYAM. Sr. Dy. Accountant General (Admn.).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) MADHYA PRADESH

Gwalior, the 15th January 1985

No. Admn. XI/Gr. I/Promotions/A.O./353/673—The Ac-g countant General (Audit): I Madhya Pradesh Gwalior has been pleased to promote Shri C. L. Kashyap, Asstt. Audi Officer as Audit Officer in an officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date of his taking over as noted against him:—

Name			Permana No.	ant Date of taking over	Allocated to
Shri C.L. Kashyap	•	•	01/327	20-12-84 F. N.	A. G. (Audit) I M. P. Gwalior

[Authority: A. G. (Audit) I orders dated 19-12-1984]

M. DEENA DAYALAN,
Dy. Accountant General (Admn)

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 31st January 1985

No. 12(84)/61-Admn.(G)Vol.III.—Consequent on his proceeding on foreign assignment as Consultant in Sub-Contracting Exchange Operation in 4 Arab Countries for a period

of two months and fifteen days under the UNIDO, Shri S. K. Sharma, relinquished charge of the post of Director (Gi. II) (Electrical) in the office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi on the afternoon of 11-1-1985.

No. 12(317)/62-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri I. C. Boral, Deputy Director (IMT), Small Industries Service Institute, Bornbay to retire from Government service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 30-11-1984.

No. 12(530)/66-Admn.(G) Vol.II.—The President is pleased to permit Shri S. K. Issac, Deputy Director (Export-Promotion), Small Industries Service Institute, Madras to retire from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 31-12-1984.

No. A-19018(742)/84-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Satya Pal as Assistant Director (Gr.I) (Electronics) at Small Industries Service Institute, Karnal with effect from the forenoon of 29-12-1984 until further orders.

C. C. ROY. Dy. Director (Admn.).

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMN. SECTION---6)

New Delhi-110001, the 29th January 1985

No. A-6/247/(601)/77.—The President is pleased to appoint Shri P. K. Basu, Deputy Director of Inspection (Textiles) (Grade II of Indian Inspection, Service, Group 'A', Textiles Branch) as Director of Inspection, Grade-I of Indian Inspection Service, Group 'A' in the pay scale of Rs. 1500-60-1800-100-2000 with effect from the forenoon of 7th December, 1984 and until further orders.

- 2. The appointment of Shii P. K. Basu as Director of Inspection, Grade-I of Indian Inspection Service, Group 'A', is subject to the outcome of the 3 L.P.A.s No. 67/83, 68/83 and 69/83 filed by Union of India in Delhi High Court and Writ Petition No. 3001/83 and 35/83 filed by Shii S. C. Anand, Dy. Director of Inspection in Bombay High Court and transferred to Delhi High Court which are still pending in Delhi High Court.
- 3. Shri Basu relinquished charge of the post of Deputy Director of Inspection (Tex) in Calcutta Inspection Circle, Calcutta on the afternoon of 6th December, 1984 and assumed charge of the office of the Director of Inspection in the Directorate General of Supplies and Disposals at New Delhi on 7th December, 1984.

S. L. KAPOOR, Dy. Director (Admn.).

MINISTRY OF STEEL AND MINES DEPARTMENT OF STEEL IRON AND STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 28th January 1985

No. EI-2(2)/85(i).—The undersigned hereby appoints Shri P. N. Mazumder, Superintendent, to officiate in the post of Assistant Iron & Steel Controller in this office w.e.f. 22-1-1985 (FN), on temporary basis.

D. K. GHOSH, Iron & Steel Controller.

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 30th January 1985

No. 732B/A-19012(KSB)/81/19B.—Shri K. S. Benhur, Asstt. Geophysicist, C.R., G.S.I., Nagpur has been released w.e.f. 31-7-84 (A/N), on lien for two years for joining the Post of Geophysicist in M.E.C. Ltd.

A. KUSHARI, Director (Personnel).

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagrur, the 29th January 1985

No. A.1901!(240)/78-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri Y. P. Dubey, officiating Assistant Controller of Mines to the post of Deputy Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 14-1-85, for a period of 6 months or till the post is filled on regular basis through Departmental Promotion Committee/Union Public Service Commission, whichever is earlier.

P. P. WADHI, Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mincs.

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO New Delhi, the 29th January 1985

No. 4/5/82-SII.—In continuation of the Directorate General. All India Radio's Notification No. 4/5/82-SII dated the 15th Sept. 1982 Director General, All India Radio is pleased to extend the appointment of Shri Indu Bhushan Prasad, Research Assistant, Central Hindi Directorate, New Delhi and at cresent working as Hindi Officer at AIR, Simlo on deputation in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on ad hoc basis for a further period of two years with effect from 1st Sept. 1983 until further orders.

MOHAN FRANCIS, Dy. Director Administration for Director General.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

Now Delhi, the 29th January 1985

No. A-38013/6/84-Admn.I.—On attaining the age of superannuation Shri H. D. Joshi, Section Officer, Directorate General of Health Services retired from Government service on the afternoon of 31st December, 1984.

P. L. THAKUR, Dy. Director Administration (C&B).

New Delhi-110011, the 1st February 1985

No. A.12026/10/83-PH(CDL).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Charan Singh Bhati to the post of Hindi Officer in the National Malaria Eradication Programme, Delhi, under the Directorate General of Health Services, in a temporary capacity with effect from the forenoon of 31-12-1984 and until further orders.

NARAIN SINGH, Dy. Director Administration (PH).

MINISTRY OF AGRICULTURE

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERATION)

DIRECTORATE OF PLANT PROTECTION, QUARANTINE AND STORAGE

Faridabad, the 30th January 1985

No. 7-11/84-Adm.I.—Shri R. P. Jolly, Permanent Plant Quarantine Inspector, and holding the post of Assistant Entomologist (ad-hoc) in the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage, retired from Government Service on attaining the age of superannuation on 31-12-84 (AN).

No. 7-18/84-Adm.I.—Shri C. S. Grover, permanent Technical Assistant (Entomology) and holding the post of Assistant Entomologist (ad-hoc), in the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage, Faridabad, retired from Government Service on attaining the age of superannuation on 31-12-1984 (AN).

S. P. KUTAR, Chief Administrative Officer

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 30th January 1985

No. A.19025/1/85-A.III.—On the recommendation of the U.P.S.C., Sh. Binaya Kumar Paty has been appointed to officiate as A.M.O. (Gr.I), in this Directorate at New Delhi with effect from 7-12-84 (FN), until further orders by the $\Lambda.M.A.$, to the Govt. of India,

No. A-19025/2/85-A.III.—On the recommendation of the U.P.S.C., Sh. Chittaranjan Jena has been appointed to officiate as A.M.O. (Gr. I), in this Directorate at Visakapattanam with effect from 26-12-84 (FN), until further orders by the A.M.A. to the Govt. of India.

No. A.19025/3/85-A.III.—On the recommendation of the U.P.S.C. Sh. S. R. Meena has been appointed to officiate as A.M.O. (Gr.I) in this Dte. with effect from 5-1-85 (FN), until further orders by the A.M.A. to the Govt, of India.

J. KRISHNA, Director of Administration for Agril, Marketing Adviser.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 1st February 1985

No. A.32013/1/84-EI.—The President is pleased to appoint Shri S. Balaram, Director of Communication (P & E), in the post of Deputy Director General of Civil Aviation in the Director General of Civil Aviation Headquarters office on regular basis w.e.f. 16-11-1984 and until further orders.

V. JAYACHANDRAN. Assistant Director of Administration.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500016, the 28th January 1985

No. AMD-16/8/85-Rectt.—Director. Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri P. N. Sharma, a permanent Assistant and officiation Accountant, Atomic Minerals Division, to officiate as Assistant Accounts Officer in the same Division on an ad-hoc basis with effect from December 26, 1984 to January 25, 1985, vice Shri U. Paulchamy, Assistant Accounts Officer proceeded on leave.

S. PADMANABHAN, Sr. Administrative & Accounts Officer.

DEPARTMENT OF SPACE ISRO HEADQUARTERS

Bangalore-560 009, the 20th December 1984

No. HQ:ADMN:12.25.—Member Secretary, ISRO Council hereby appoints Shri C. Ramana Reddy, Accounts Assistant 'B' SHAR Centre, Sriharikota as Assistant Accounts Officer in Grade Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in ISRO Headquarters, Bangalore of the Department of Space with effect from the forencon of September 17, 1984 and until further orders.

R. S. SUBRAMANIAN, Administrative Officer—II.

ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore, the 21st January 1985

No. 020/15 1/85-Estt.—Director, ISRO Satellite Centre is pleased to appoint the undermentioned persons to posts with effect from the forenoon of the dates indicated against each, in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space, on a temporary basis and until further orders:

Sl. Name No.		Designation	Date
S/Shri.		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	
1. Miss, Mala Acharya		Sci/Engr-'SB'	22-06-84
.2. D. Radjou		Sci/Engr-'SB'	13-08-84
3. V. Ramaswamy .		Sci/Engr-SB'	20-08-84
4. Keshava Nayak .		Sci/Engr-'SB'	27-08-84
5. K. Ramamurthy Acha	ır.	Sci/Engr -'SB'	22-10-84

No. 020/1(15·1)/85-Estt.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to accept the resignations form the services of the following persons, in the ISRO Satellite Centre, Ban galore, of the Department of Space with effect from the dates indicated against each.

SI No.	Name	 Designatsion	Date
1. Sh	ri P. Kodandaram	Sci/Engr-'SB'	17-08-1 984 (A/N)
2. Sh	ri R. Suresh .	Sei/Engr-'SB'	16-01-1985 (A/N)

K. E. RAVINDRANATHAN Administrative Officer-II

INDIAN-SPACE RESEARCH ORGANISATION SPACE APPLICATION CENTRE

Ahmedabad-380053, the 1985

No. SA C: EST-3-19-GZT -84: 2—The Controller, SAC is pleased to appoint the undermentiond persons to the posts indicated against their names with effect from the dates mentioned below in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the Space Applications Centre of Indian Space Research organisation, Department of Space in an Officiating capacity and until further orders.

SI. No.	Name	 Designation	Date of Appointment
1	2	3	4
1. Si	hri K. Balakrishnan	Asst. Purchase Officer	17-4-82
2. Si	hri C. Unnikrishnan	Asst. Admn. Officer	26-11-82
3. S	hri S. Sengupta .	Asst.Admn. Officer	16-10-82
`` 4. Si	nri A.N. Vaidya	Asst. Purchase Officer	9-8-82

1	2		3	4
5. S	hri Pramod Kumar	. –	Asst. Stores Officer	18-8-83
6. S	Shri K. U. Menon		Asst. Admn. Officer	17-2-83
7. \$	Shri S. Philomin Raj	•	Asst. Purchase Officer	23-2-83
8. 5	Shri R.R. Nair .		Asst, Admn. Officer	18-2-93
9. 8	Shri K. S. Nair		Asst. Admn. Officer	27-12-83
10. 8	Shri N. G. Mokashi		Asst. Purchase Officer	1-9-84
ij. S	Shri C, K. Shah .		Asst. Accounts Officer	12-9-84
12. 8	Shri V. Dutt		Hindi Officer	1-10-84

No. SAC/EST/GZT. NOT. 84/1—The Directore, SAC is pleased to appoint the undermentioned persons to the posts of Scientist/Engineer SB in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the Space Applications Centre of India Space Research Organisation, Department of Space with effect from the dates shown against their names, in an officiating capacity and until further orders:

SI. No.	Name			Date of ppointment
1	2		 	3
1. Sh	ri Vinodrai C. Tanna .	,		1-4-1984
2. Sh	ri Manojkumar R. Thaker			1-4-1984
3. Sm	nt. Ragini B. Shastri .			1-4-1984
4. Sh	ri J. P. Gupta			1-4-1984
5. Sh	ri Sudhir P. Patel			1-4-1983
6. Sn	nt. Nita J. Sheth			1-10-1983
7. Sh	ri Balvant H. Milishia			1-10-1983
	nt. Vandana I. Patel			1-4-1984
9. Sh	ri Vinod G. Panchasara			1-10-1983
10. Sh	ri Vinodray P. Parmar			1-4-1983
11. Sh	ri Bhagwanji V. Bakori .			1-4-1983
12. Sh	ri Hirajibha T. Ponkia .			1-4-1983
13. Sh	ri Ranchhod A. Dholaria			1-10-1983
14. 3 h	ri Arvind M. Suchday			1-10-1983
15. Sh	ri M. N. Satyaprakash			1-4-1984
16. Sn	nt. Varsha K. Shah			1-10-1983
17. Sh	ri Ramnik G. Zalavadia		•	1-10-1983
18. Sh	ri Jamnadas M. Gopani .			1-10-1983
19. Sh	ri Hasmukh K. Tank			1-10-1983
20. Sh	ri Maganlal M. Vaghasia			1-10-1983
21. Sb	ri Devendra R. Mistry			1-10-1983
	ri Jethalal G. Vachhani			10-6-1983
	ri M. H. Thaker			1-4-1984
	nt. Anjana N. Patel .			1-4-1984
25, Sh	ri N. K. Savsani			1-4-1984
26. Sh	ri M. P. Paghadal			28-11-1983
27, Sh	ri Om Prakash Verma			1-4-1983
	ri Atul P. Shukla			7-4-1983
29. Sh	ri Rajesh Dhirajlal Muni			13-6-1983
30. Sh	ri K. B. Vyas		-	15-7-1983
31. Sh	ri Pradeep V. Khekale			28-7-1983
	ri Anilkumar Verma			12-8-1983
	ri Jagdishprasad Shivahare			26-8-1983
34. Sh	ri Dilipkumar R. Patel .			26-9-1983
35. Sh	ri Mayan Lalbhai Shah 🕠			26-9-1983
36. Sb	ri Hemendra R. Kansara .			31-10-1983
	ri D. N. Vinod			31-10-1983

1 3 38. Shri K. K. Joshi 31-10-1983 39. Shri Chirag P. Dewan 31-10-1983 40. Shri D. R Goswemi . 16-11-1983 41. Shri Dipakkumar Das 12-12-1983 42. Shri Ravikumar Anna varapu 12-12-1983 43. Shri Hemant C. Gohil 3-1-1984 44. Shri Jayeshkumar M. Lala . 4-1-1984 45. Shri Stanley I. Frank 1-4-1984 46. Smt. Shobha Neresh Mody 1-4-1984 47. Shri Vitthal L. Gharpure 1-4-1984 48. Shri Asimkumar Prasad 10-5-1984 49. Shri Madhav Kalia 30-6-1984 50. Shri Ravi Vijay Vargiya 16-7-1984 51. Shri Santan Kumar Dutt 16-7-1984 52. Shri Chittranjan Dass 16-7-1984 53. Shri Nitin S. Vyas 16-7-1984 54. Kum. Anagha P. Apte 18-7-1984 30-7-1984 55. Shri Laxman Singh Ropia

K. S. KRISHNAN Administrative Officer-II(Estt.)

INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION

AUXILIARY PROPULSION SYSTEM UNIT

Bangalore-560 017, the 16th April 1984

No. 8/261/84-Admin.—Shri S. Shivakumar is appointed as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 22nd February, 1984 and until further orders in Auxiliary Propulsion System Unit, Bangalore.

The 23rd October 1984

No. 12/49/76-Admn.—Smt. S. N. Bhagyalakshmi, is hereby appointed as Hindi Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960/- with effect from September 25, 1984 (FN) and until further orders.

A. E. MUTHUNAYAGAM

Programme Director

(CIVIL ENGINEERING DIVISION)

Bangalore-560009, the 11th December 1984

No. 6/39/84-CED (H)—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, is pleased to appoint the undermentioned Officers as Assistant Accounts Officers in the Civil Engineering Division of the Department of Space in an officiating capacity with effect from the dates indicated against each and until further orders:—

S1. Name No.			Date of promo- tion as Asst. Accts. Officer
1. Shri	R. Krishnamoorthy		14-9-1984 (FN)
2. Shri	M. J. Joseph .		17-9-1984 (FN)

KMG. WARRIER
Administrative Officer-I
for Chief Engineer

INSAT-1 MASTER CONTROL FACILITY

Hassan-573 201, the 3rd April 1984

No. GN 007.—Project Direcor, INSAT-1 Space Segment Project, Department of Space is pleased to appoint Kum. V. Jhansi Rani as Scientist/Engineer-SB in the INSAT-1 Master Control Facility, Hassan with effect from the forenoon of 27th March, 1984 and until further orders.

No. GN: 008.—Project Director, INSAT-1 Space Segment Project, Department of Space is pleased to appoint Shri A. C. Mohanty as Scientist/Engineer-SB in the INSAT-1 Master Control Facility, Hassan with effect from the afternoon of 31st March, 1984 and until further orders.

No. GN: 009.—Project Director, INSAT-1 Space Segment Project, Department of Space is pleased to appoint Shri G. S. Sharma as Scientist/Engineer_SB in the INSAT-1 Master Control Facility, Hassan with effect from the afternoon of 31st March, 1984 and until further orders.

No. GN: 010.—Project Director, INSAT-1 Space Segment Project, Department of Space is pleased to appoint Shri A. K. Shrivastav as Scientist/Engineer-SB in the INSAT-1 Master Control Facility, Hassan with effect from the afternoon of 131st March, 1984 and until further orders.

No. GN: 011.—Project Director, INSAT-1 Space Segment Project, Department of Space is pleased to appoint Shri P. Chirukundan as Scientist/Engineer-SB in the INSAT-1 Master Control Facility, Hassan with effect from the afternoon of 31st March, 1984 and until further orders.

No. GN: 012.—Project Director, INSAT-1 Space Segment Project, Department of Space is pleased to appoint Shri V. Chinnaswamy as Scientist/Engineer-SB in the INSAT-1 Master Control Facility, Hassan with effect from the afternoon of 31st March, 1984 and until further orders.

The 21st December 1984

No. GN: 018—Project Director, INSAT-1 Space Segment Project, Department of Space is pleased to appoint Shri H. S. Rangaswamy, as Scientist/Engineer-SB in the INSAT-1 Master Control Facility, Hassan, with effect from the forenoon of 19th December, 1984 and until further orders.

The 8th January 1985

No. GN: 019.—Project Director, INSAT-1 Space Segment Project Department of Space is pleased to appoint Shri Anil Sharma; as Scientist/Engineer-SB in the INSAT-1 Master Control Facility, Hassan, with effect from the forenoon of 21st December, 1984 and until further orders.

V. P. D. NAMBIAR Administrative Officer-II for Project Director

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 30th January 1985

No. 1/271/84-EST.—Shri S. Venkateswaran, Administrative Officer, Bombay, retired from service with effect from the afternoon of the 31st December, 1984, on attaining the age of superannuation.

No. 1/62/84-EST.—Shri T. A. Headmaster, Asstt. Admn. Officer, Bombay retired from service with effect from the afternoon of the 31st December, 1984, on attaining the age of superannuation.

R. K. THAKKAR Dy. Director (Admn.) for Director General

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-1, the 28th January 1985

No. 23-TR(3)/84.—President is pleased to appoint Captain Y. V. Abhyankar as Nautical Officer in the L.B.S. Nautical

and Engineering College, Bombay, with effect from 13-6-1984 on ad-hoc basis until further orders.

AMITABH CHANDRA Dy. Director General of Shipping

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110 066, the 21st January 1985

No. A-32012/1/84-Estt.V(Vol.II).—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri G. Kumaraswamy, Diploma holder Supervisor, working as Assistant Engineer in the Central Power Research Institute, Bangalore on deputation basis who satisfies all the conditions of the 'Next Below Rule' while on deputation/foreign service to ex-Cadre post, to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Civil/Mechanical) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 insubsensia in an officiating capacity with effect from the forenoon of 31st December, 1984 until further orders.

- 2. Shrl Kumaraswamy will be on probation in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer for a period of two years from the aforesaid date.
- 3. The promotion of Shri Kumaraswamy is subject to the result of the Civil Rule No. 10823 (W) of 1980 pending in the Hon'ble High Court of Calcutta
- 4 If he wants to get his pay refixed on the basic of the provisions of FR-22C on the date of accrual of next increment in the scale of pay of the lower post should exercise option for such refixution within one month from the date of regular promotion as required in the Ministry of Home Affairs (Department of Personnel & Administrative Reforms) O.M. No. 7/1/80-Estt P.I., dated 26-9-1981 read with their O.M. No F.13/26/82-Estt.P.I., dated 8-2-1983.
- 5 The subscription towards the Central Government Employees Group Insurance Scheme-1980 is hereby raised from Rs. 20/- to Rs. 40/- p.m in respect of Shti G Kumaraswamv with effect from 1st January, 1985 in case he is a member of the above scheme. He will be eligible to the henefits of the Scheme appropriate to Group-B from the aforesaid date. Necessary entry in this regard will be made in the Service Book of Shri Kumaraswamy.

The 29th January 1985

No. A-19012/1054/84-Estt.V.—Chairman. Central Water Commission hereby appoints Shri Amarjit Singh. Design Assistant to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a nurely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier, with effect from the forenoon of 30th April, 1984.

The 31st January 1985

No. A-19012/1064/84-Fstt.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), Chairman, Central Water Commission appoints Shri S. N. Iha. Supervisor. in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer in the Central Water Commission on a regular basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200 with effect from the forenoon of 31st December. 1984 until further orders.

2. The above mentioned officer will be on probation in the grade of E.A.D./A.E. in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

MEENAKSHI ARORA Under Secy. Central Water Commission

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS (CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT)

New Delhi, the 24th January 1985

No. 30/4/84-EC-L.—The President is pleased to appoint the following Assistant Executive Engineers (Elect.) in the Central Public Works Department to officiate on ad-hoc basis until further orders, as Executive Engineers (Flect.) in the Department with effect from the dates shown against their names:—

S/Shri

- 1. S. C. Gangil-27-10-84
- 2. Amol Prabhakar Joshi-16-10-84
- 3. Mukesh Vij-19-10-84 (AN)
- 4. B. B. Thakur-7-12-84 (AN)
- 5. Purushotam S. Rawle (SC)-30-11-84

MRS. NEENA GARG Dy. Director of Admn.

New Delhi, the 31st January 1985

No. 1/215/69-ECIX.—Shri Ishwar Dayal Mathur, Senior Architect of this Department retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 31-1-1985 (A.N.).

PRITHVI PAL SINGH Dy. Director of Administration

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES BIHAR, PATNA

In the matter of Companies Act. 1956 and COMINDIA PRIVATE LIMITED.

Patna, the 1st February 1985

No. 387/560/5606.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the COMINDIA PRIVATE LIMITFD has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Spark Press Private Limited.

Patna, the 1st February 1985

No. 449/560/5612.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Spark Press Private Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE Registrar of Companies, Bihar, Patna

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 ÓF 1961)

GUVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. COCHIN

Cochin, the 16th January 1985

Ref. No. L.C. 706/84-85.—Whereas, I, B. RAVIBALAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Mavelikkara (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

under Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Mavelikkara on 10-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Oommen Ninan Vanjamparambil House, Kandiyoor, Mavelikkara, Thattarambolam, P.O.

(Transferor)

(2) Sri M. K. Cherian, P.O. Box No. 129, Unn-Al-Qaiwain, U.A.E.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

12 cents of land in Sy. No. 18/1 of Mavelikkara village registered in S Dated 10-5-1984. SRO., Mavelikkara, vide Doc. No. 1411

> B. RAVIBALAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date: 16-1-1985

FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECTION 26°D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

COCHIN

Cochin, the 16th January 1985

Ref No. 707/84-85,—Whereas, I, B RAVIBALAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No

Sy. No. as par schedule situated at Mavelikkara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at May-likkara on 11-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating hie reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons namely:— **▲**70—466G1/84

(1) Sri Oommen Ninan, Vaniamparambil House, Kandiyoor, Mavelikkara, Thattarambalam, P.O.

(Transferor)

7221

(2) Smt. Sosamma, W/o Late Kochaipe, Mamoottil Peratheril House, Mannakkad, Mavelikkara. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

12 cents of land in Sy No. 18/1 of Mavelikkara village registered in S.R.O., Mavelikkara, vide Doc. No 1426 dated 11-5-1984.

B. RAVIBALAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam

Date : 16-1 1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, COCHIN

Cochin, the 16th January 1985

Ref. No. L.C. 708/84-85.—Whereas, I. B. RAVIBALAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatier referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

Sy. No. as perschedule situated at Mavelikkara (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred Under the Registration Act of 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at Mavelikhara on 11-5-1984

Mavelikkiira on 11-3-1904
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such tapparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by then issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Sri Oommen Ninan, Vaniamparambil House, Kandiyoor, Mavelikkara, Thattarambolam, P.O.

THE

(Transferor)

- (1) (1) Shii Kochaipe (deceased), Mamoottil Peratheril House, Manakkad, Mavelikkara L/heirs Smt. Sosamma (wife),
 - (2) Sri M. K. Cherian.
 P. O. Box No. 129, Un-AlQuaiwain, U.A.E.
 Lheris Smt. Sosama (wife)
 S/Shri M. M. K. Varghese, M. K. Mathew,
 M. K. Alex, M. K. Thomas, M. K. John,
 M. K. Jacob,
 (Sons of the deceased)
 - (3) S/Smt. M. K. Saramma, M. K. Lilly Varghese, M. K. Aney Thomas, M. K. Mary Thomas Daughters o fithe deceased).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

13 cents of land in Sy. No. 18/1 of Mavelikkara village registered in SRO., Mavelikkara, vide Doc. No. 1427 dated 11-5-1984.

B. RAVIBALAN Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 16-1-1985

NOTICE UNDER SECTION -269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, COCHIN

Cochin, the 24th January 1985

Ref. No. L.C. 709/84-85.—Whereas, I, B. RAVIBALAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Elappaia village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

registering officer : Kattappana on 24-5-1984

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeunid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pusions, namely:-

(1) Sri Deepak Atal, Director, Shree Tea Company Ltd., Calcutta-700 001,

(Transferor)

(2) Sri Joseph Mathew, Partner, M. M. J. Plantation, Palai, Joseph Michael, Joseph Joseph, Michael Joseph, Thomas Michael, Sunny Joseph M. Suresh Michael, Reji Michael, M. Michael, Kunju Michael, Joseph Mathew (Jr.), Rajesh Joseph (Minors), Rep. by guardians, Joseph Michael, Joseph Mathew and Joseph Joseph, Partners of M.M. J. Plantations, PALAI.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested n the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereix as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

983.65 Acres of Tea and Cardamom estate, Buildings and vehicles, in Sy. Nos. 8/1, 9/1, 10/1, 10-4-2, 11, 12, 13, 185/1/11, 206 to 211, 213, 555 to 562, 564, 565, 566, 568, 569, 571, 572, 573, 575, 578, 579, 582 to 586 of Elappara village registered in SRO., Kattappana vide Doc. No. 1097 dated 24-5-1984.

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tal
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 24-1-1985

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) O FTHE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE, COCHIN

Cochin, the 24th January 1985

Ref. No. L.C. 710/84-85.—Whereas, I, B. RAVIBALAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Vagamon Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Kattappana on 25-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the anid Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Shreenarayan Bagla, Director, Duncans Agro Industries Ltd., Calcutta-700 001.

(Transferor)

(2) Sri Joseph Michael, Partner, M. M. J. Plantation Ltd. Palai.
S/sri Joseph Mathew, Joseph Joseph, Michael Joseph, Thomas Michael, Sunny Joseph M. Suresh Michael, Reji Michael, M. Michael, Kunju Michael, Joseph Mathew (Jr.), Rajesh Joseph (Minors), Rep. by guardians, Joseph Michael, Joseph Mathew and Joseph Joseph, Partners of M.M. J. Plantations, PALAI.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3865.49 Acres of Tea and Cardamam estate in Sy. Nos. 592, 633, 634, 727, 731, 732, 734, 735, 1025, 1027, 1029 to 1032, 1030/2, 1033 to 1038 and 1041 of Vagamon village, (including Factory, buildings, Plant and machinery, Vehicles etc.) registered in dated 25-6-1984.

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 24-1-1985

Scal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 10th January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/2198/1216.--Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

No. Apartment No. 207, No. 8, Velankar Apartment comdominium 1542, Sadashiv petti, Pune situated at Pune,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

S. R. Haveli-1 on May, 1984

for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Kum. Purva Ramchandra Velankar, Shri Gajanan Weaving Mills compound, Wakhar Bhag, 560 Shivaji Nagar, Sangli-416 416. (Transferor)
- (2) Shri Dushyant Narayan Rao, Residing at 1504/1, Shukrawar peth, Pune-411 002. (Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apartment No. 207, Office No. 8, Velankar Apartment commodominium situated at No. 1542, Sadashiv peth, Punc-

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Haveli-I. Punc- under document No. 3481 in the month of May, 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona-411 001

Date: 10-1-1985

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 10th January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37-G/724/84-85/1215.--Whereas, I, ANIL KUMAR.

ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Land at Survey No. 514/38, Sangli situated at Sangli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Miraj on May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-́ bу said exceeds the apparent consideration therefor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Deepak R. Khokale, at Mahavir Nagar, Sangli, House No. 170, Sangli.

(Transferor)

(2) Shri Narsappa R. Magdum, Shri Vasant Narsappa Magdum, At Aukali, Tal. Miraj, Dist. Sangli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Sangli C.S. No. 514/38, Sangli. (Area 0-95R)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Miraj under document No. 1054 in the month of May, 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ts Acquisition Range, Poona-411 001

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-1-1985

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/5572/84-85/1008 --- Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Flat No 2, 6th floor, Mitha Tower, Plot No. 41, Sector-17 situated at Vashi, New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

IAC Acqn. Range, Pune on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1951);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. Mitha Estates, 612, V. N. Purav Marg, Chempur, Bombay-400 071. (Transferor)
- (2) Mrs. Baimai Rustom Irani, Miss Perizad Rustom Irani and Mr. Jal Rustom Irani, Beach View Apartments, Flat No. 501, floor 5th 77, Chimbai Road, Bandia, Bombay-400 050.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 floor 6th in building, Mitha Tower, Plot No. 41, D.B.C. Scheme, Mitha tower Plot No. 41. Sector-17, Vash, New Bombay.

w Bombay (Ar**c**a—

Property as described in the sale deed registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 5572 in the month of May, 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Sakseria Bhavan
106/107 Koregoan Park
Acquisition Range, Poona-411 001

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/84-85/5520A/1005.— Whereas, I. ANJL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and heoring

No. Flat C/6, 2nd floor, Satguru Co-op. Housing Society, Near Nakhwa school, Chendani, Thane (East) situated at Thana

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqn. Range, Pune on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Murlidhar Yadav Tonpe, Flat No. 6, 2nd floor, Building-C, Satguru Co-operative Housing Society Ltd., Near Nakhwa School, Chendani, Thane,

(Transferor)

(2) Shri Kentilal Chaturbhujji Purohit, Flat No. 6, 2nd floor, Satguru Co-operative Housing Society Ltd., Chendani, Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ĺ

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat C/6, 2nd floor, Satguru Co-operative Housing Society, Near Nakhwa School, Chendanl, Thane (East), Dist. Thane. (Area-69 sq. mtrs.)

Property as described in the sale deed registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. in the month of May, 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Sakseria Bhavan 106/107, Koregoan Park Acquisition Range, Poona-411 001

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/4876/37EE/84-85/1006.-Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43.0 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the ummovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 301/81, 3rd floor, Kala Bhavan, Shukrawar peth

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registe ing Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Au, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to b disclored by the wansferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
71—466GI/84 (1) M/s. Neelam Builders, 1482, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Shri Mahendrakumar P. Jain, 201, Guruwar peth, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: - The terms and expressions, used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in toat Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301/B-1, Kala Bhavan, 305 (A) Shukrawar peth, Pune-2.

(Area-713 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registed in office of the Sub-Registrar, Havel-1. Pune- under document No. 4876 in the month of June, 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Sakseria Bhavan 106/107. Ko egoan Park Acquisition Range, Poona-411 001

Date: 8-1-1985

FORM NO. I.T.N.S.---

(1) M/s. K. Gomraj and Co., Lali Bhavan, 557/A/1, Plot No. 23-B, Guickeai, Pune-37.

(Transferor)

NCTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh i Vithal Nivru'i Kakude, 404, Guruwar peth, Pune-411 002.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE-4506/84-85/1007.— Whereas, I. ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Ac., 1001 (45 or 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-

and bearing No.
Flat No. 6, 3rd floor, Parvati peth, Sr. No. 43/2A/1A situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

and/or

has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

Office of the Registering Officer at IAC Acqn. Pange, Pune on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the indian former tax. Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in

respect of any income arising from the transfer,

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires fater;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 6, third floor, Building A at Paivati Peth, Sl.

No. 43/2A/1A Pune.

Proper y as described in the sale deed registered in the office of the IAC Acquirition Range. Pune under document No. 4506 in the month of May, 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Sakseria Bhavan 106/107 Koregoan Park Acquisition Range, Poona-411 001

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa di property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-1-1985

(1) M/s. M. K. Enterprises, 'Satyam' M. C. Road, Thane.

(Transferor)

7231

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37E1:-6701/84-85/1015.--Whereas, 1,

ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmiovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000]and bearing

No. Immovable property bearing S. No. 15 Hissa No. 1, behind Castle Mills, Koibad, Panchpakhadi, Thane, situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registe ing Officer at

IAC Acqn. Range, Pune on June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in temped of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the thoresaid property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(2) M/s. Vardhman and Associates, 303 Commune House, Nagindas Master Road, Fort, Bombay-400 023.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, we not 45 day from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot bearing survey No. 15, Hissa No. 1 (Part) Kolbad, Panchpakhadi (Dist. Thane).

(Area 8206.86 sq. mtrs.)
Proper y as described in the sale deed registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range. Pune under document No. 6701 in the month of June, 1984).

ANTL KUMAR Comp. tent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Sakseria Bhavan 106/107, Koregoan Park Acquisition Range, Poona-411 001

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4597/83-84/1014.— Whereas, 1, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No Shop at S. No. 21/5-A/1, F.P. No. 28, Bhamburda, Sangamwadi, situated at Shivaji Nagar, Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registe ing Officer at IAC Acqn. Range, Pune on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) (1) M/s. M. P. J. Builders,
 - Sukh Sagar, S. Pathkar Marg, Chow atty, Bombay-7.

 (2) Na aphurti Co-op. Society Ltd., Sub-plot No. 21/5A/1, Shavaji Nagar, Pune-5. (Transferor)
- (2) M/s. Subway Finance & Investment Co. Ltd., 25, Hamam Street, Fort, Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Othera. Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the side Act shall have the same meaning as given ıd in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop at survey No 21/5-A/1 Final Plot No. 28, Bhambu da, Sangamwadi Shivan Nagar. (Area-1880 sq. ft)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune under document No 4597 in the month of May, 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
106/107, Koregoan Park
Sakseria Bhavan Acquisition Range, Poona-411 001

Date: 8-1-1985

(1) Mr. Kailashchandra L. Mandawewala (HUF), 5/6, Pushpawatica 5, Anandnagar Society Vile-Parle, Bombay-400 056.

222/27 Road, Bandra, Bombay-400 050.

(2) Mr. Pandharinath Hari Prabhu,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4360/84-85/1013.--Whereas, I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the as the 'said Act'), have reason to believe that the immo able property having a fuit market value exceeding Rs. 25,000/-Flat No. 204, Building No. III. 2nd floor, River-view Apartment, F. P. No. 320, Ghorpadi, Kotegaon Park, situated at Pune-411 001

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the effice of the Penste in Officer at IAC Acqn. Rango, Pune on May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afor said property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the same that the fair market value of the property as a foresaid. said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the saine meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, Building No. III, second floor, River-View Apartments, F.P. No. 320 Ghorpadi, Koregaon Park, Pune-411 001.

(Area—1200 sq. ft.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 4360/83-84 in the month of May, 1984).

ANTL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Sakseria Bhavan 106/107, Koregoan Park Acquisition Range, Poona-411 001

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 7th January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/5560/84-85/1012.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereina ter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Plot & Building on Barrack No. 776, Room No. 1, situated at Ullhasnagar, Dist. Thane (and more ully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqu. Range, Pune on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than a fifteen per cent of such appa ent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object we improve that the consideration are truly stated in the said instrument of transfer with the object we improve that the consideration are truly stated in the said instrument of transfer with the object we improve that the consideration are truly stated in the said instrument of transfer with the object we improve that the consideration are truly stated in the said instrument of transfer with the object we improve that the consideration are truly stated in the said instrument of transfer with the object we improve that the consideration are truly stated in the said instrument of transfer with the object we improve that the consideration are truly stated in the said instrument of transfer with the object we improve that the consideration are truly stated in the said instrument of transfer with the object we improve that the consideration are truly stated in the said instrument of transfer with the object we improve the consideration are truly stated in the said instrument.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I nereby initials of the large to the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. S. J. Dembani, 776/1, Dembani Apartment, Ullhasnagar-3. (Transferor)
- (2) Mr. Shiv Kumar Chella Singh Narang, Flat No. 12, Jai-Sai Baba Society, Ullhasnagar-3, Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XAA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building and Plot on Barrack No. 776, Room No. 1, Near Ullhasnagar Municipal Counc'l, Ullhasnagar, Dist. Thane.

(Area—Plot 452 sq. yards flat, 705 sq. ft.)

(P operty as described in the sale deed registered in the the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under docu-

No. 5560 in the month of May, 1984).

ANIL KUMAR
Comptent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomics
Sakseria Bhavan
106/107, Koregoan Park
Acquisition Range, Poona-411 001

Date: 7-1-1985

FORM I.T.N.S. —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4580/84-85/1011.--Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act (96) (43 in 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Peth, situated at Pune-411 002 (and more fully account

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

IAC Acqn. Range, Pune on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and mat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not be a truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforested property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Makwana Construction Co., 247/1, Rasta Peth, Trupti Apartmenis, Posma-411 011.

(Transferor)

(2) M/s. Parmai Kataria Associates, 525/26, Mahatma Phule Pyth, Pune-411 002. (Transferee)

Objections, if any, to the acquicition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the day of problement of this notice in the Official Gazette or - period of 30 days from the service of notice in the respective persons Whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property with a 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said A to herein box the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor, Show room No. 3 Bhakti Apartments, 402, Ghorapade Peth Shankar Sheth Road, Pune-411 002,

(Area 4073 sq ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC. Ratulation Rang Punctunder document No. 4580 in the month of May, 1984).

> ANIL KUMAR Competent Au hority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Pange Sakseria Bhavan 106/107, Ko egoan Park Poona-411 001

Pate: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 8th January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EF/5942/84-85/1009.-

ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and braring No.

Flat No. 4 & 5. ground floor, Sharda Apartments, S. No. 78, Hissa No. C, Part of G B. Pathadi situated at Dombivali, Dist. Thane

Dist. Thane (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 2694B of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority IAC Acqn Pange, Pune on May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforegaid property and I have reason to believe that the fair worket value of the property as aforegaid.

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability 31 the transferor to pay fax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and 'or
- (b) by any other persons interested in the said immovmoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefor h m pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-acction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) M/s. Sapra Vaidya Co., To.ana Build.ng, Shiv Market, Manpada Road, Dombivali (E) Dist. Thane. (Transferoi)
- (2) The Dombivli Manav Kalyan Kendra, Reg. No. F-1002, Managing trus.ce, Dr. M. H. Chadda, Sharda Apartments, Dombivali (E) Dist. Thane. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4 & 5, ground floor, Sarda Apartments, S. No. 78, Hissa No. C part of G. B. Patharli, Dombivali (East).

(Area--1170 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Requisition Range Pune- under document No. 4723 in the month of May, 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 106/107, Koregoan Park Poona-411 001

Date: 8-1-1985

Seal 1

FORM NO. I.T.N.S. ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 8th January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/5547/84-85/1016.-

ANIL KUMAR,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 2 ground floor, Sharda Apartment, Dombival situated at Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

IAC Acqn. Fange, Pune on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more chan freen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

'72-466GI/84

- (1) M/s. Sapra Vaidya Co., Torana Building Shiv Market, Manpada Road, Dombivali (East) Dist. Thane. (Transferor)
- (2) Smt. Asmita Vaman Kharkool, Shiv Sadan Gopal Nagar, Dombivali, (East) Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground floor, Sharda Apartment, Dombivali, Dist. Thane.

(Arca—740 sq. ft.)
Property us described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Haveli-I, Punc- under document No. 5547 in the month of May, 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Sakseria Bhavan 106/107, Koregonn Park Acquisition Range, Poona-411 001

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri N. B. Patel Smruti Patel Estate, India kunda Johe Wadi, Panchwati, Nasik. (Transferor)

(2) Shii Kiishnakumai Laxman Chaware, Shii Santosh Laxman Chavaie, Shri Sanjay Laxman Chavate, 1572, Somwar Peth, Nasik, 422 001.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 8th January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37FE/336/84-85/1017.--Whereas, I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Flat No. 5, Setavi Apartments, S. No. 717, Plot No 8, HPT

College Road. Nasik, situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at IAC. Acqn. Range, Pune on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :-

(b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; no/bas

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, Setavi Apartments, S. No. 717/Plot No. 6, H P.T. College Road, Nasik-5.

(Area - 545 sq. ft.)

Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Haveli-I. Pune- under document No 336 in the month of July, 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poone-411 001

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 8th January 1985

Ref. No IAC ACQ/CA-5/37EE/4723/84-85/1018 — Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing Plot No. 53, survey No 121, 122, Rambag Colony Paud Road, LIC Colony, kothrud situated at Pune, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqu. Range, Pune on May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

vansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Δc_i , I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Atul Enterprises, 31, Sheelavihar Colony, Ruturaj, Paud Phata, Erandawana, Pune-411 029

(Transferor)

(2) Mr. Deepak Vmayk Joshi, 49/1, Rambag Colony, Paud Road, Beside L.I.C. Colony, Kothrud, Pune.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 53, survey No. 121, Rambag Colony, Paud Road, Beside, I.IC Colony, Kothrud, Pune-411 029, (Area-715 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Requisition Range Pune-under No 4723 in the month of May, 1984).

· ANIL KUMAR
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)
Sakseria Bhavan
106/107, Koregoan Park
Acquisition Range

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 8th January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4355/83-84/1010.--

ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. S-1, 2nd floor, Plot No. 65, Tulsibagwale Colony.

situated at Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at IAC Acqn. Range, Pune on May, 1984

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Mrs. S. V. Natekar and Sons, 1206—B/15, Shivaji Nagar, Deccan Gymkhanna, Punc-4.

(Transferee)

(2) Shri S. A. Kunte, 318, Sahakar Nagar, No. 1, Kiran Society, Mohan Building, Poona-1.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. S-1, Plot No. 65, Tulshibagwale Colony, Parvati, Punc.

(Area—947 sq. ft) (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Requisition Range Pune- under document No. 4355/83-84 in the month of May, 1984),

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Sakseria Bhavan 106/107, Koregoan Park Acquisition Range, Poona-411 001

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sou D A Porwal & Shu J A Porwal,

1482, Sadashiv peth, Pune-30

(Fransferor)

54/57 Gurwar Peth, Pune-2

(1) M/s. Neelam Builders,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 10th January 1985

Ref No IAC ACQ/CA 5/37EE/84 85/1019 ---Wholeas, I ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 102/A1 Kala Bhavan, 305(A) Shukrawar Peth, situated at Pune,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer of IAC Acqn Range Pune on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to q believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ufteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeshid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 102/A1 Kala Bhavan, 305(A) Sukrawar Peth, Pune-2 (Area-685 sq ft) carpet area

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the 1AC Requisition Range Punc- under document No 4620 in the month of May, 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Sakseria Bhavan Acquisition Range, Poona-411 001

Date . 10-1 1985

FORM ITNS———

(1) M/s. Vishal Promotors and Builders, 136, Shukrawar Peth, Punc-411 002.

(Transferor)

(2) Sou, Santoshdevi Jagdish Agrawal, 234, Uttamnagar, Punc-411-023.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNL

Pune, the 10th January 1985

Ref. No. IAC ΛCQ/CA-5/37EF/4601/84-85,--Whoreas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 26, Plot No. 24, Dahanukai Colony, Kothrid introduct of Purp.

situated at Pune,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 4AC Acqu. Range, Pune on May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market | value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the perfect has not been truly stated in the said instrument the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at survey No. 26, Plot No. 24, Dahanukar Colony, Kothrud, Punc.

(Area-1160 carpet area)

Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar. Haveli-I, Pune-under document No 4601 in the month of May, 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Sakseria Bhavan 106/107, Kotegoan Park Acquisition Range, Poona-411 001

Date: 10-1-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th January 1985

Ref. No. AP. No. 5746 .- Whereas, I, J. L. GJRDHAR. being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per schedule situated at Jalandhai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jalandhar on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Som Nath S/o Shri Nand Lal, 90B Nijatam Nagat, Jalandhai,

- (2) Pritam Singh S/> Shri Kesai Singh, Inder Kaur W/o Shri Pritam Singh Surjit Singh S/o Pritam Singh C o 90B Nijatam Nagar, Jalandh u
- (3) A4 S. No. 2 (Person in occupation of the property),
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House situated at 90-B Nijatam Nagar, Jalandhar as mentioned in the registration deed No. 579 of May, 1984 of the registering authority of Jalandhar,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-1-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th Japuary 1985

Ref. No. A.P. No. 5747.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propery, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Bhatinda on 31-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trasfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Smt. Lajya Banti W/o Shti Sukhdev Krishan S/o Shri Amritsori Rain. C/o Jaimal Singh Mohan Singh, 12, the Mall, Bhatinda.

(2) Smt, Jasvir Kaur W/o Shri Jaimal Singh S/o Shri Budh Singh, C/o Jaimul Singh Mohan Singh, 12, The Mall, Bhatinda. (3) As S. No. 2.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House 1 share situated in a Sub lane of Calculta Wali Gali, Amrik Singh Road, Bhatinda and persons as mentioned in the Registration Deed No. 997 of May 1984 of the registering authority.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date : 15-1-1985 Seal :

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th January 1985

Ref. No. A.P. No. 5748.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

No. as per schedule situated at Bhatinda

has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 考 1.1世^四 整置 被 配置 endlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

73—466GI/84

(1) Smt. Lajya Banti W/o Shri Sukhdev Krishan S/o Shri Amritsari Ram, C/o Jaimal Singh Mohan Singh, 12, the Mall, Bhatinda.

(2) Shri Jaimal Singh S/o-Shri Budh Singh S/o Shri Ram Singh, Jaimal Singh, Mohan Singh, Cloth Dealer 12, The Mall, Bhatinda.

(3) As S. No. 2.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Property House 1 share situated in a Sub lane of Calcutta Wali Gali, Amrik Singh Road, Bhatinda and persons as mentioned in the Registration Deed No. 1008 of June 84 of the registering authority.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th January 1985

Ref. No. A.P. No. 5738.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. as per schedule situated at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian locome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sohan Singh S/o Shri Bhulla Singh, R/o Kingra Tehsil Jalandhar through Shri Anil Kumar Chopra care of Shisu Model School, Mohalla Khodian, Pucca Bagh, Jalandhar.
- (2) Shri Gurdial Singh S/o Shri Kashmira Singh, R/o V. & P.O. Daroli Katan Tehsil Jalandhar.
- (3) As S. No. 2. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 1 Kl. situated in village Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 643 of May. 1984 of the Registering Authority. Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th January 1985

Ref. No. A.P. No. 5739.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. as per schedule situated at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the assue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Sohan Singh S/o Shri Bhulla Singh, R/o Kingra Tehsil Jalandhar through Mukhtiar Shri Anil Chopra care of Shisu Model School, Moholla Khodian, Pucca Bagh, Jalandhar, (2) Shri Gurmakh Singh S/o Shri Gurdial Singh,

R/o V. & P.O. Daroli Kalan Tehsil Jalandhar. (3) As S. No. 2.

(Person in occupation of the property), (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 1 Kl. situated in village Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 675 of May, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 8-1-1985

FORM LT.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th January 1985

Ref. No. A.P. No. 5740.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR. being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. as per schedule situated at Kingra (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer, at

Jalandhar on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following. persons, namely :-

Shri Sohan Singh S/o Shri Bhulla Singh,
 R/o Kingra Tehsil Jalandhar through Mukhtiar
 Shri Anil Chopra care of Shisu Model School,
 Mohella Khodian, Pucca Bagh, Jalandhar.
 Shri Surrinder Singh S/o Gurdial,
 R/o V. & P.O. Daroli Kalan Tehsil Jalandhar.

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXELANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 1 Kl. situated in village Kingra and person mentioned in the registered sale deed No. 690 of May, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 8-1-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th January 1985

Ref. No. A.P. No. 5741.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Shri Jagat Singh S/o Shri Hari Singh, R/o V. Kingra Tehsil Jalandhar.
- (2) Shri Inderjit Singh S/o Shri Gurdial Singh, V. & P.O. Daroli Kalan, Tehsil Jalandhar.
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 1 Kl. situated in village Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 603 of May, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-1-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th January 1985

Ref. No. A.P. No. 5742.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. as per schedule situated at Khurla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a), facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

(1) Shri Surjit Singh S/o Shri Shamir Singh, R/o Nakodar Road (near Sasta Iron Store). Jalandhar.

(2) Shri Manjit Singh S/o Shri Kartar Singh, R/o Village Khokhai Distt, Hoshiarpur,

(3) As S. No. 2.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 2000 sq. ft. situated in Village Khurla and ersons as mentioned in the registered sale deed No. 540 of May, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar,

Man Man All Jan L

J. L. GIRDHAR Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th January 1985

Ref. No. A.P. No. 5743.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing
No. as per schedule situated at Wariana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/o.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Amar Kaur Wd/o Shri Ranjit Singh and Shri Sukhvir Singh Sa/o Shri Des Raj R/o Village Wariana Teh, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Gurbachan Singh S/o Shri Mehar Chand, R/o Village Wariana Teh. Jalandhar.

(Transferce)

(3) As S. No. above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property,
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the alteresant persons which a person which ever person the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 4 Kls. situated in village Wariana and persons as mentioned in the registered sale deed No. 688 of May, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 8-1-1985

Scal .

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th January 1985

Ref. No. A.P. No. 5744.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; ul/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Vidya Sagar S/o Shri Amar Nath, R/o 343-I, Model Town, Jalandhar.

(Transferor)

- (2) Shri Sucha Singh S/o Shri Joginder Singh, R to Village Mchalgehla Tehsil Jalandhar. (Transferce)
- (3) As S. No. above. (Person in occupation of the property),
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property house No. 3 situated in Jyoti Nagar opposite C.R. Colony and near Model Town, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 1148 of May, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date : 10-1-1985 Scal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING

ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th January 1985

Ref. No AP No. 5745.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter refeto as the said Act), have reason to believe that the immovable prope ty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per sche ule situated at Muktsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registrat on Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mulitar on May, 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is af resaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ofteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice unde subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

74--466GI/84

- (1) Smt. Jagdish Kaur W/o Shri Harpal Singh, Shri Atma Singh, R/o V. Khuranj Teh. Muktsar Distt. Fari ikot. (Transferor)
- (2) Smt. Gurdev Kaur W/o Shri Harpal Singh S/o Atma Singh, R/o V. Knuranj Teh, Muktsar Distt. Faridkot. (Transferee)
- (3) As S. No. above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property plot bearing Khasra No. 993 to 997 khewat No. 2564 situated near Kotkapura Road, Muktsar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 472 of May, 84 of the Registering Authority, Muktsar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 10-1-1985

feal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE JNCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282. KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP. I.ANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur, the 31st December 1984

Ref. No. M-300/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI IRS, being the Computent Authority under Section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovate property, having a fair market value exceeding Rs 000/- and bearing No. 30/1 situated a Nav. Gaon

(and more fully described in the Sheedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16' of 1908) in the office of the registering officer at

Dehradun^{*}

under registration No. 3415 dated 2-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and .hat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any inepens or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Smt Purna Devi, W/o Shri D. S. Bhal, 30/1, Naya Gaon, Mihini Road, Dehradun. (transferor)
- (2) Harikishan Bhatt S/o Brahmanand Bhatt, R/o Samal Tappe, Tehri, Distt. Dehradun. (Transferee)
- (3) Harikishan Bhatt S/o Brahmanand Bhatt, (Person in occupation of the property)
- (4) Harikishan Bhatt S/o Brahmanand Bhatt, (Person whom the und reigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exputes later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter YXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3/1, Naya Gaon, Mohini Road, Dehradun.

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Date: 31-12-1984

SSal :

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCIIAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur, the 29th December 1984

Ref. No. M-863/84-85.—Whereas, I. J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 32 & 33 s tuated at Ghaziabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the R gis ration Not, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under Registration

No. 23526 on 15-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. The Webbing & Belting Factory Pvt. Ltd., Through shir Kawan Kaul, Managing Director, Nicholson Road, Dahi.

(Transferor)

- (2) Smt. Suniti Madan W/o Shri Ravindra Madan, R/o S-290, Pach Sheel Park, New Deine. (Transferee)
- (3 Smt. Suniti Madan, W/o Shri Ravindra Madan, R/o S-290, Pach Sheel Park New Delhi, (Person in occupation of the property)
- (4) Suniti Madan, W/o Shri Ravindra Madan, R/o S 290, Pach Sheel Park New D.h.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Otheral Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA or the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Landed property measuring 500 Sq. mtrs. at Vill. Melinika Sarai Urf Kot, Distt. Ghaziabad.

> J. P. HTI ORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Kanpur.

Date: 29-12-1984

SSai :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI N VIN PAKK KANPUR-208 012

Kanpur, the 31st December 1984

Ref No M-864/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, boing the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immervable property having a fur market value exceeding Rs. 1,00,000 f. and bearing

No. 32 & 33 situated at Ghaziabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. The Webbing & Belling Factory Pvt. Ltd., Th.ough Shir Katan Kaul, Managing Director, Nicholson Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rattan Kaul S/o Sri Hari P asad Kaul, R/o Evelest House, G T. Road. Ghaziabad

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

- (3) Shri Rattan Kaul S/o Sri Hari P as d Kaul, R/o Ev rest House, G. T. Road, Ghaziabad.
- (4) Sh i Rattan Kaul S/o Sri Hari Prasad Kaul, R/o Everest House, G T. Road, Ghaziabad.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the unders.gned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Landed property Nos. 32 & 33 situated at Vill. Mehma Sarai Urf Kot. Teh. Distt. Ghaziabad.

J. P. HILORI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Date: 31-12-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR, O'P. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur, the 29th December 1984

Ref. No. M-875/84-85.--Whereas, I, J. P. HILORI, to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

R-3/49 situated at Rajmagar, Ghaziabad has been transferred and registered under the Registration Aci, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer of the Competent Authority at

Ghaziabad under registration Iso, 24259 on 7-5-1984 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax u der the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) Hans Raj Gupta, S/o Sri Raghunath Dass Gupta, k. o A-2, Dayahand Vihar, Indrapraston Exc., II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Radhey Lal S/o Sri Murari Lal & Smt. Snehlata W/o Snri Radney Lai, R/o KA-100, Kavinagar, Ghaziabad.

(Transferce)

(3) Radhey Lal, S/o Sri Murari Lal, & Smt. Snehlata, W/o Shri Radhey Lal, R/o KA-100, Kavinagar, Ghaziabad

(Person in occupation of the property)

(4) Shri Radhey Lal, S/o Sri Murari Lal & Smt. Snehlata, W/o Smi Radhey Lal, R/o KA-100, Kavan ar. Ghaziahad.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette of a resided of 30 days from the service of a respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the day of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Air shill have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of Land No. R-5/49, Ramagar, Ghaziabad.

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Date: 29-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE. 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur, the 31st December 1984

Ref. No. M-876/84-85.—Whiteas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

situated at S.kandarabad (and more turb us; bid in the Schedule annexed hereto), has been transferred and regisered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the effice of the Register ng Officer at Sikandarabad under Registation No. 1178 dn 22-5-84

for an apparent conside ation which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parcies has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Abdul Hamid, S/o Shei Kallan Khan, k/o Mon. Chaucha ywada, Kasbu, Sikanderabad, Disit. Buignd Snauer.

(2) Shri Shamsher Ahmad, S/o Sri Bodal Knan, R/o Moh, Kaziwara, Sikanderabad, Dist. Bulandshanr.

(Transferee)

(3) Shri Shamsher Ahmad, S/o Sri Bodal Khan, R/o Moh. Kaziwara, Sikanderabad, Distti Bulandshahr.

(Person in occupation of the property)

(4) Shri Shamsher Ahmad S/o S.i Bodal Khan, R/o Mon Kaziwara, Sikanderabad, Distt. Bulandshahr.

to be interested in the property) (Person whom the undersigned knows

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at Mohalla-Chaudharywada, Kasba-Sikanderabad, Distt. Buland Shahr.

> J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Date: 31-12-1984 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

KANPUR-208 012

Kanpur, the 29th December 1984

Ref. No. 891/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unnovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 19, 20 situated at Hapur

(and more ully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Register ng Officer at Hapur under registration No. 3698 on 7-5-1984

at Hapur under registration No. 3698 on 7-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice until section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kailash Chandra Agrawal & Rai Kumar Agarwal, Sons of Late Shri Moti Lal Agrawal, R/o Modi Balwan, Kallway Road Hapur. (Transferor)
- (2) Smt. Satya Sharma, W/o Shri Jagdish Prasad Sharma, R/o Motigani-II, H pur.

 (Person in occupation of the property)

 (Transferee)
- (3) Satya Sharma, W/o Shri Jagdish Prasad Sharma, R/o Motiganj-II, Hapur.
- (4) Smt. Satva Sharma, W/o Shri Jagdish Prasad Sharma, R/o Motiganj-II. Hapur.

 (Person whom the undersigned knows, to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period **Xpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 19 & 20 at Bangapura, Hapur.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-14X

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, O'PE LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur, the 31st. December 1984

Ref No. M-899/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sail Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. — and situated at Merjapur

(and mo e fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and regis ered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Register ng Officer at Ghaziabad under regist attoa No 23436 on 155-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid acceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to new tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, o≠ the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Denesh Chand Bansal, 8/o Jugmohin Lal Lai al, R/o Rajlay Bazar, Meerut

(Transferor)

- (2) Shri Visal Sahkarmi Azash Samiti Ltd., Dadri, B-4, U.P. State-Industrial Area, Monan Nagar, Loni Road, Ghaziabad. (Transferee)
- (3) Shri Visal Sahkari Avash, Samti Lid, Dani, B. J.P. State Industrial Area, Mohan Nagar, Loni Road, Ghazabad. (Person in occupation of the property)
- (4) Shri Visal Sahkari Avash, Samiti Ltd, Dadri, B-4, U.P. State Industrial Area, Monan Nagar, Loni Road, Ghaz abad, (Person whom the und reigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Village - Meerjpapur Pargana Loni Teh. Distt. Ghaziabad.

J. P. HILORI
Competent Author ty
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 31-12-1984

£

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 31st December 1984

Ref. No. M-905/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI.

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 84, Block A situated at Ghaziabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri under registration No. 3222 on 31-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-praction (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

75-466GI/84

 Shri Randhir Singh, S/o Ch. Bahodu Singh, R/o Jafarpur, Najafgarh, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Yogesh Chandra Garg, S/o Shri Raghunath Prasad & Others, R/o C-54, First Floor, Panchsheel Enclave, Kamla Nagar, Agra.

(Transferce)

(3) Shri Yogesh Chandra Garg, S/o Shri Raghunath Prasad & Others, R/o C-54, First Floor, Panchsheel Enclave, Kamla Nagar, Agra.

(Person (s) in occupation of the property)
(4) Shri Yogesh Chandra Garg,

Shri Yogesh Chandra Garg,
 S/o Shri Raghunath Prasad & Others,
 R/o C-54, First Floor,
 Panchsheel Enclave,
 Kamla Nagar, Agra.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 84, Block-A, Sector-7, Rampura 7HA, dadri, Ghaziabad.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Knnpur

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 29th December 1984

Ref. No. M-913/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Ghaziabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 24817 on 18th May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which engis to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

(1) Smt. Ram Rati Devi, W/o Late Lala Bal Swarup Goyal, R/o H. No. 2, Moh. Sohanlal, Delhi Gote, Ghuziabad.

(Transferor)

(2) Jugal Kishore, S/o Shri Kishan Lal & Smt. Rajrani, W/o Sri Kishan Lal. H. No. 280-C, Rajnagar, Ijhazjabad.

(Transferce)

(3) Shri Jugal Kishore. S/o Shri Kishan Lal & Smt. Rajrani, W/o Sri Kishan Lal, H. No. 280-C, Rajnagar, Ghaziabad

(Person (s) in occupation of the property)

(4) Shri Jugal Kishore, S/o Shri Kishan Lal & Smt. Rajrani, W/o Sri Kishan Lal, H. No. 280-C, Rajnagar, Ghaziabad.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used bersin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land at Mohalla Jaruratpura, Ghaziabad.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 29-12-1984

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 31st December 1984

Ref. No. M-914/84-85.--Whereas, I, J. P. HILORI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to 'believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
R-5/42 situated at Rajnagar, Ghaziabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at at Ghaziabad under registration No. 24562 on 14-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evanon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-ing porsons, namely:--

(1) Shri Rajendra Nath Gupta, S/o Sri Ram Chandra Gupta, R/o C-12, Nizamuddin East, Second Floor, Delhi-13.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Goyal 8/0 Sri Murli Manohar Goyal, R/0 A-143, Ashok Bihar, Face One, Delhi.

(Transferce)

(3) Shri Vijay Goyal, S/o Sri Murli Manohar Goyal, R/o A-143, Ashok Bihar, Face One, Delhi.

(Person (s) in occupation of the property)

(4) Vijay Goyal, 8/0 Sri Murli Manohar Goyal, R/0 A-143, Ashok Bihar, Face One, Delhi.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. R-5/42, at Rajnagar, Ghaziabad.

J. P. HILORI Competent Authori Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 31st December 1984

Ref. No M-916/84-85.--Whereas, I, J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

situated at Rajnagar, Ghaziabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of Registering Officer at Ghaziobad under registration No. 25438 on 29-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Subhas Chand. S/o Sri Bishan Das Batra, Calcutta M. G. Road, Kanpur.

(Transferor)

 (2) Shri Salik Ram, S/o Sri Lakhoo R/o Kheda Shikohabad, Distt. Mainpuri.

(Transferce)

(3) Shri Salik Ram, S/o Sri Lakhoo R/o Kheda Shikohabad, Distt. Mainpuri. (Person (s) in occupation of the property)

(4) Shri Salik Ram, S/o Sri Lakhoo R/o Kheda Shikohabad, Distt. Mainpuri.

> (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Canatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Plot No. R-14/27 at Rajnagar, Ghaziabad.

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 29th December 1984

Ref. No. M-917/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasn to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing II-C/119 situated at Ghaziebad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Ghaziabad under registration No. 25299 on 25-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vishnu Chand Mittal, S/o, Late Sri R. N. Mittal, R/o 3-/A163, Azad Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Jinesh Kumar Jain, S/o Sri Raj Kumar Jain & Smt. Neeru Jain, W/o Sri Jinesh Kumar Jain, R/o Second C/119, Nerhu Nagar, Ghaziabad.

(Transferee)

(3) Shri Jinesh Kumar Jain, S/o Sri Raj Kumar Jain & Smt. Neeru Jain, W/o Sri Jinesh Kumar Jain, R/o Second C/119, Nerhu Nagar, Ghaziabad.

(Person (s) in occupation of the property)

(4) Shri Jinesh Kumar Jain, S/o Sri Raj Kumar Jain & Smt. Neeru Jain, W/o Sri Jinesh Kumar Jain, R/o Second C/119, Nehru Nagar, Ghaziabad.

> (ersons who the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. Second-C/119, at Nehru Nagar, Ghaziabad.

J. P. HILORI
Competent Authority
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 29-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFIGE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

> > Kanpur, the 31st December 1984

Ref. No. H-924/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
situated at Hardwar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the

tra: usfer with the object of :-

nas ocen transteried under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Haridwar under registration No. 1041 on 7-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Swamy Someshwar Singh, Muni, R/o Punjab Singh Road, Bhimagoda, Haridwar.

(Transferor)

(2) Shri Amar Nath Adhlakha, S/o Sri Nirmal Dass, R/o Bhimagoda, Haridwar, Distt. Saharanpur.

(Transferce)

(3) Shii Amar Nath Adhlakha S/o Sri Nirmal Dass, R/o Bhimagoda, Haridwar, Distt. Saharanpur. (Person (s) in occupation of the property)

(4) Shri Amar Nath Adhlakha, S/o Sri Nirmal Dass. R/o Bhimagoda, Haridwar, Distt. Saharanpur. (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

may be made in writing to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION :-Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at Niranjni Akhada Mayapur, Haridwar.

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date : 31-12-1984 **Seal :**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1261 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 31st December 1984

Ref. No. M-931/84-85.—Whereas, I. J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

19 situated at Meerut

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Meerut under registration No. 7632 on 31-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namly :-

(1) Shri Salahbuddin S/o Shri Jahar Ahmed, R/o Banbatan, Khair Nagar, Meerut

(Transferor)

(2) Shri Shahabuddin, S/o Shri Nazruddin & Others, Raniya Mohalla, Meerut Cantt.

(Transferee)

(3) Shri Shahabuddin, S/o Shri Nazruddin & Others, Raniya Mohalla, Meerut Cantt.

(Person (s) in occupation of the property)
(4) Shri Shahabuddin,

S/o Shri Nazruddin & Others, Raniya Mohalla, Meerut Cantt.

> (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter. G111 .

THE SCHEDULE

Ahata No. 19, Patel Nagar Colony, Purwa Ahmad Nagar, Meernt.

> J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 29th December 1984

Ref. No. 960/84-85.—Whereas, I,

P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

KD-81 situated at Kavinagar, Chaziabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ghaziabad under registration No. 24006 on 3-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ek
- (b) facilitating the conseniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Baldev Rai Parashar. S/o Shri Mulkhraj Parashar, R/o KD-81, Old Kavinagar Ghaziabad.

(Transferor)

 S. Harbhajan Singh,
 S/o S. Trilok Singh,
 R/o Shambholi Sugar Mills, Sambholi, Distt. Ghaziabad.

(Transferce)

(3) S. Harbhajan Singh, S/o S. Trilok Singh, R/o Shambholi Sugar Mills, Sambholi. Distt. Ghaziabad.

(Person (s) in occupation of the property)

(4) S. Harbhajan Singh, S/o S. Trilok Singh, R/o Shambholi Sugar Mills, Sambholi, Distt. Ghaziabad.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. KD-81, Kavinagar, Ghaziabad.

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 29-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur, the 29th December 1984

Ref. No. M-997/84-85.—Whereas, I,

J P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
'1 situated at Inder Road, Dehradun

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 4013 on 21-5-84 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of the transferor to pay a respect of any income arised/es

inder the said Act, in

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the faforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
76—466GI/84

(1) Smt. Kamla Dhawan, W/o Shri Banarsi Dass Dhawan, 21, Ptempuri, Ghaziabad

(Transferor)

Smt Raj Rani Agarwal,
 W/o Shri Naveen Kumar Agarwal,
 R/o 1, Darshani Gate, Dehradun.

(Transferee)

(3) Smt. Raj Ranı Agarwal,
 W/o Shri Naveen Kumar Agarwal,
 R/o 1, Darshani Gate, Dehradun,
 (Person (s) in occupation of the property)

(4) Smt. Raj Rani Agarwal,
W/o Shri Naveen Kumar Agarwal,
R/o 1, Darshani Gate, Dehradun.
(Persons whom the undersigned knows to
be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that • Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 1, Inder Road, Dehradun.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date : 29-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 29th December 1984

Ref. No. M-998/84-85.—Whereas, I,

J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
18/1 situated at Mohini Road, Dehradun
(and more fully described in the Schedule anuexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 3978 on 18-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Kr. Narvir Singh & Kr. Pratap Singh S/o of Late Shri Kanwar Singh, R/o Vill—Guri, P. O. Theog, Distt. Sirmaur,

(Transfercr)

(2) Smt. Urmil Kapoor, W/o Shri C. P. Kapoor, R/o 18/1, Mohini Road, Dehradun.

(Transferee)

(3) Smt. Urmil Kapoor, W/o Shri C. P. Kapoor, R/o 18/1, Mohini Road, Dehradun.

(Person (s) in occupation of the property)

(4) Smt. Urmil Kapoor, W/o Shri C. P. Kapoor, R/o 18/1, Mohini Road, Dehradun.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this no.ice in the Official Gazette.

and expressions used herein as in Chapter XXA of the said have the same meaning as given Chapter. EXPLANATION:—The are den Act in

THE SCHEDULE

Property No. 18/1. Mohini Road, Dehradun.

· J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Kanpur

Data : 29-12-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICM OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

105 /282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur, the 31st December 1984

Ref. No. M-923/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

situated at Hardwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hardwar under registration No. 1063 on 4-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Sudha Sapra,
 W/o Sri Purshottam Dass Sapra,
 R/o Srawannath Nagar,
 Haridwar.

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi Kaushik, W/o Pt. Suresh Kumar Kaushik, R/o Bholagiri Road, Hardwar, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

- (3) Smt, Shanti Devi Kaushik,
 W/o Pt. Suresh Kumar Kaushik,
 R/o Bholagiri Road,
 Hardwar, Distt. Saharanpur.
 (Person (s) in occupation of the property)
- (4) Sint. Shanti Devi Kaushik, W/o Pt. Suresh Kumar Kaushik, R/o Bholagiri Road, Hardwar, Distt. Saharanpur. (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

•

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at Shrawannath Nagar, Haridwar, Distt. Saharan-pur.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kaupur, the 29th December 1984

Ref. No. M-930/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

15 situated it Tilak Road, Mechal (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mechal under registration. No. 7643 on 31-5-84 for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Smt. Switti Singh, W/o Shri Naunihal Singh, R/o Began Bridge, Meerut.

(Transferor)

(2) Shii Rajender Kumai & Ram Rishi, S/o Shri Murari Lal 286, 15 Tilak Road Mecrut Sadar Meerut Cantt.

(Transferce)

(3) Shri Rajender Kumar & Ram Rishi,
 S/o Shri Murari Lal
 286, 15 Tilak Road Meerut
 Sadar Meerut Cantt.
 (Person (s) in occupation of the property)

(4) Shri Rajender Kumai & Ram Rishi, S/o Shri Mutari Lal 286, 15 Tilak Road Meerut Sadar Meerut Cantt.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 Portion of House No 15 Tilak Road Mecrut.

J. P. HILLORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 29-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 31st December 1984

Ref. No M-890/84-85 — Whereas, I. J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/-and bearing No.

situated at Braham pur-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chaziabad under registration No 23833 on 15-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, threefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Raja Ram \$/o Nehal Village—Brahampur (Mopura) Pargana— Loni Disti Ghaziazad

(Transferor)

(2) Yauo Sana Hindon Shahkan Awas Sarati I td Yauo Sona campas Hindon—Ghaziabad through Shri D K Dixit Chanman (Transferee)

(3) Yauo Sana Hindon Shahkari Awas Samiti Ltd, Yauo Sona campus Hindon—Ghaziabad through Shri D. K. Dixit Charman

(Person (s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Village—Brahampur (Koputa) Pargana— Loni Distt. Ghaziabad.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date . 31-12-1984

FORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 106/282 KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK. KANPUR-208 012

> > Kanpur, the 31st Docember 1984

Ref. No M-1002/84 85.—Whereas, I,

J. P. HILORI,

being the Competent Authoriy under Section 269H of the Income-tax Act. 1061 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs 4,00,000/and beating No.
667-238 situated at Bhowapur (and more fully described in the Scheduled agnexed hereto),

has been transferred and ren fixed under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Dadii under registration No. 2297 on 19-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of tach apparent consideration and the than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Manorama Gotam W/o Kailash Naram Gotam R/o 2999 Koocha Neel Kandh, Daryagani, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sarkari Karamchadi. Mitra Gan Sahkari Ayash Samiti Ltd. Regd. No. 667 Sri Nanak Chand Sachiv Village Hasanpur Bhowapur, Pargana-Loni, Dadii, Ghaziabad.

(Transferce)

(3) Sarkan Karamchan, Mitra Gan Sahkari Avash Samiti Ltd. Regd. No. 667 Sri Nanak Chand Sachiv Village Hasanpur Bhowapur, Pargapa- Loni, Dadri, Ghaziabad.
(Person (s) in occupation of the property)

(4) Sarkari Karamchari, Mitra Gan Sahkari Avash Samiti Ltd. Regd. No. 667 Sri Nanak Chand Sachiv Village Hasanpur Bhowapur, Pargana—Loni. Dadri, Ghaziabad

(Person who the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kh. No. 238 Village Hasanpur Bhowapur Loni-Dadri Ghaziabad.

> J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely !---

Date: 31-12-1984

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 31st December 1984

Ref. No. M-929/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 550 situated at Arups' la.

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. 550 situated at Amps' la.

(and more fith described rection Scheduled annexed hereto) has been to the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at Anupshahaer under registration 2650 on 14-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Ram Kumari W/o Om Frakash R/o Anupshaher Mohali Kedarshah Per and Tehsil Anupshaher Distt, Bulandshaher.

(Transferor)

(2) Amit Tebatia (Minor)
S/o Harkesh Singh,
Narendra Pal Singh etc.
R/o Anupshaher Mohalla Kedarshah
Distt. Bulandshaher.

(Transferee)

i

(3) Amit Tebatia (Minor)
5/o Harkesh Singh,
Narendra Pal Singh etc.
R/o Pagona, Teh. Anupshaher
Distt. Bulandshaher.

(Person (s) in occupation of the property)

(4) Amit Tebatia (Minor), S/o Harkesh Singh, Narendra Pal Singh etc. R/o Pagona, Teh. Anupshaher Distt. Bulandshaher.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land Khasra No. 550 Anupshahar Banger Distt. Bulandshar.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/282, Karchan BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 31st December 1984

Ref. No. M-100/84-85,-Whereas, I,

J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

oroperty having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
769 situated at Vill Makannur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadii under registration 2147 on 27-5-84'

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ! --

Shri Sheesh Ram & Jagtan S o Ramchander Somiti Singh etc. Ryo Gazipur Suba-Delhi Dist. Ghaziabad.

(Transferor)

(2) M/s Jagnity Suhkari Avas Samiti Ltd. Navyug Mirket Chaziabad

through Raja Ram Pandey 5/0 Harish Chand Pandey R/0 F-14, Nehru Nagar Ghaziahad,

(Transferec)

(3) M/s, Jagnity Sahkari Avas Samiti Ltd. Navyug Market Ghaziabad through Raja Ram Pendey S/o Harish Chand Pandey R/o f-14, Nehru Nagar Chaziabad.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) M/s. Jagnity Sahkari Avas Samiti Ltd. Navyug Market Ghaziabad through Raja Ram Pandey S/o Harish Chand Pandey R/o F-14, Nehru Nagar

Ghaziabad.

(Persons whom the undersigned knows to be interacted in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 769 at village Makanpur Pergona Loni Tehsil Dadri, Distt. Ghaziabad.

> J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Kanpur

31-12-1984 Date Seal .

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 106/282, Kanchan BHAWAN GANDHI NAJAR OPP LANIN PARK, KANPUR-208 012

> > Kanpur, the 31st December 1984

Ref. No. M-1003/84-85.--Whereas, I,

J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,006/-

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to nav tax under the said Act, in respect of any income arising from the treaster: ROU / OF
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby 'nitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

77---466GI/84

(1) Shri Kanhaiya S,o Udai Singh & Airt Singh, Hari Ram, S/o Nathu R/o Ban paha Post Barola, Pergao Dadri, Dist. Gzuhiazad.

(2) Sarve Priya Sahkari Avas Samiti Ltd. Inrough Chand a Prakash S/o Prem Chand R/o 61, Ram Nagar, New Delhi

(Transferee)

(Transferor)

(3) Sarve Priya Sahkari Avas Samiti Ltd. iorcugn chandia Prakash S/o Prem Chand R/o 61, Ram Nagar, New Delhi (Person (s) in occupation of the property)

(4) Sarve Priya Sahkari Avas Samiti Ltd. Through Chandra Prakash S o ri m Chand R/o 61, Ram Nagar, New Debi.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichover period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 183 at Bani Poha P.O. Dadri, Distt. Ghazia-

J. P. HITORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date : 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. CUMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, Kanchan BHAWAN GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 31st December 1984

Ref. No. 10 J. P. HILORI, 1005/84-85.--Whereas, I,

of transfer with the object of :---

being the Competent Authority under sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the

the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 687.2 situated at Rosanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sardhana under registration No. 2465 on 21-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1922 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Raghuvir Singh S/o Sair Singh Others
S/o Budh Ratan Singh
R/o Rosanpur Dorli—Parganna Post—Dorolla
Sardhana—Meerut.

(Transferor)

(2) Shri C. D. Sharma S/o G. P. Sharma Coeork Sahkari Avash Samiti Ltd. Modi Puram Through Rajput S/o R..mesh Singh R/o Roshanpur, Dorli-Sardhana Meerut.

(Transferce)

(3) Shri C. D. Sharma
S/o G. P. Sharma
Coeork Sahkari Avash Samiti Ltd.
Modi Puram Through Rajput
S/o Rumesh Singh
R/o Roshanpur,
Dorli—Sardhana Meerut.
(Paren (a) in occupation of (Person (s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this dotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein arendefined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kh. No. 687 Rosan pur Dorli (Dorolla) Teh.-Sardhana Distt. Meerut.

> J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date : 31-12-1984 Seaf :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 106/282, Kanchan BHAWAN GANDHI NAJAR UPP, LANIN PARK, KANPUR-208 012

> > Kanpur, the 31st December 1984

Ref. No. M-1001/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (Increasurer reteried to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tail market value exceeding Rs. 25,000/- and beating No. 195 situated at wazaquir

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri under registration No. 2293 on 16-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indum income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Khacheroo
S/o Munishi
R/o Wazir pur
Post Gonjha Pur and Teh Dadri
Listt, Gnaziabad.

(Transferor)

(2) Sarve Priya Sahkari Avas Samiti Ltd.
Though Shri Chandra Prakash
S/o Prabhoo Chand R/o 61,
kam Nagar, New Delhi-55.

(Transferce)

(3) Sarve Priya Sahkari Avas Samiti Ltd.

10 uga Sari naadra Prakash
S/o Prabhoo Chand R/o 6, Ram Nagar
New Pelm-55.

(Person (s) in occupation of the property)
(4) Sarve Priya Sahkari Avas Samiti Ltd.

Through Shri Chandra Prakash S/o rrabhoo Chand R/o 61, Ram Nagar, New Delhi-55.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazess.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter AAA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 195 at Village Wajidpur Pergana Dadri Distt. Ghaziabad.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING A SISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/282, Kanchan BHAWAN GANDHI NAJAR UPP LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur the 31st December 1984

Ref. No M-1004/84-85.—Whereas, I, J. P. $\text{H}_1 \text{LORI}$,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovible property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

188, situated Bani Paha—Dadri (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri under registration No. 3310 on 19-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration ineretor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said treatment of hanster with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any atomos or other assets which have not oeen or which ought to be itsclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the said of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Gulab
 S/o Giidhari Kishan Lal
 o Mall Suka
 R/o Basola Post, Khas Per—Dadri
 Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Sørve Priya Söhkarı Avas Samiti Ltd. Though Shri Chandra Piakash R/2 of Ram Nagar New Delhi.

(Transferce)

(3) Sarve Priya Sahkarı Avas Samiti Ltd Through Chandra Prakash R/o 61, Ram Nagar, New Delhi.

(Person (s) in occupation of the property)

(4) Sarve Priya Sahkari Avas Samiti Ltd. Through Chand a Prakash R/61 Ram Nagar, New Delhi

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Otheral Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 180, at Banipuha per Dadri Distt. Ghaziabad.

J. P. HI ORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 31-12-1984

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 106/282, Kangnan BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

> > Kanpur, the 31st December 1984

Ref. No. M-910/84-85.--Whereas, 1

J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax act. 1961 (45 of 1961) (herematter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

4//L-4 studica at saw and Quarter Meerut
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been t ansierred under the Regis ration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Meerut under registration No. 6454 on 11-5-84
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the atoresaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of: the said instrument of transfer with the object of :-

> (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the and Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the adjustment of the appropriate property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Sandeep Kumar S/o Shri Manohar Lal R/o 111, 10p.m Bara, Meerut Darshan Singn S/o Kam Kishan R/o 1387,5 Biadampuri, Meerut.

(Transferor)

(2) Dr. Om Prakash S/o Faqir Chand & Smt. Sa. o, in Agarwal R/o Cantt. General Hospital, Meerut Lantt.

(Transferee)

(3) Dr. Om Prakash, S/o Faqir Chand & Smt. Saro,ini Agarwal R.o Cantt. General Hospital, Meerut Cantt.

(Persons in occupation of the property)

(4) Dr. Om Pr.k.sn S/o Faqir Chand & Smt. Sa o ini Aguwul R/o Cantt. General Hospital, Meerut Cantt.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE '

House No. 47/L-4 Jawaher Quarters, Meerut.

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

> > Kanpur, the 31st December 1984

Ref. No. M-900/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Innovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

situated at Vill, Mirzapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 23430 on 15-5-84 for an apparent consideration which is less than he fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilities the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax No. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Amar Nath S/o Kamta Prasad VIII. Da. dauli Post Shahganj Diet. Faizabad.

(Transferor)

- (2) Vishal Sahkari Avas Samiti Ltd. Dadri V-4, U. P. State Industrial Area Mohan Nagar, Laxmi Road, Gnaziabad. Through Anand Swaroop Singh
- (3) Vishal Sahkari Avas Samiti Ltd. Dadri V-4, U.P. State Industrial Area Mohan Nagar Launi Road, Ghaziabad. Through Anand Swaroop Singh (Persons in occupation of the property)
- (4) Vishal Sahkari Avas Samiti Ltd. Dadri V-4, U. P. State Industries Area M. nan Nagar Launi Road, Ghaziabad. Through Anand Swaroop Singh

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land at Vill. Mirzapur Teh. Ghaziabad Diett. Ghaziabad.

J. P. HILORI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range, Kanpur

Date: 31-12-1984

Scal:

FORM 1.1.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

> > Kanpur, the 31st December 1984

Ref. No. M-988/84-85.—Whereas, I.

J. P. HILORI

reing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having

a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

B-46 situated at Noida (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Noida under Registration No. 1011, dated 30-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee. for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or he said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Balwant Singh, WZ 207-G Block, Kavi Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Batra, D-124, XXVII, Noida, Bhaziabad.

(Transferee)

(3) Smt. Santosh Batra, D-124, XXVII, Noida, Ghazisbad.

(Persons in occupation of the property)

(4) Smt. Santosh Batra, D-124, XXVII, Noida, Ghazi-bad.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-46, Sector-IX, Noida, Chaziabad

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 31-12-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-1AX ACI, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANJALORE-560 001

Bsngalore, the 9th January 1985

C R No 62/850/84-85/ACQ/8.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Khata No. 703/617-27

situated at Gandh Nigat Shinoga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at Shimoga on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ADQ /OF
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1 Shri T. V. Venkatachala Sastry S/o T. Venkataram Sastry Advocate S.P.M. Road. հաւ**ա**սցա,

(Transferor)

(2) 1. Shri H. V. Subrahmanya S/o Venkatarangaih Es Eode Machinists, Pearlite Industrial Estate New Tirthahalli Road, Shimogs,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 376 Dated May, 1984] Open plot measuring 40' x 60' bearing Kin a No. 103/617-677—27 in Gandhinagar 4th due Shimoga city,

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-1-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1%1 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 9th January 1985

R. No. 62/85/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
C. T. No. 1041/A-2 Ward No. 4 situated at Kanchagar oni Hubli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hubli on May 1984 for an apporent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more an affteen per cent of such apparent consideration and that an fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, naimely:—78—466GI/84

(1) 1. Shri Subbansa Yegusa Dalabanjan Aralikalli oni Hubli

(Transferor)

(2) 1. Smt. Shantabai

W/o Chanpalaji Jain
2. Sh. Goulumchand Dhanraji Jain Kanchagar oni Hubli

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 725 Dated 31-5-1984.] R. C. C. Building in C.T.S. No. 1041/A-2 measuring 91, square yards at Kanchagar eni Hubli, which is three storey building including ground floor.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ramachandra Soimai Caro Central Deptt, Stores New Market Margao-Goa.

(Transferor)

(2) Shri Chandra Mohan Mehata, C/o Sheiko Batteries, Kepeni Road, Margao - Goa,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 8th January 1985

C. R. No. 62/852/84-85/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. L. R. No. 210

situated at Navelim Margao

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Margao Goa on 15-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 906 Dated 15-6-1984.] Flat No. 21 included D-21/A 9 D-21/B plinth area of 116square metres at Narclini Margao-Goa.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Acquisition Range, Bangalor

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date : 9-1-1985

Seal: .

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 9th January 1985

C. R. No. 62/853/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.T.S. No. 764/8

C.T.S. No. 764/8 situated at Angol Extension Belgoum "A" Scheme (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum on 7-5-1984

for an apparent consideration which is less than the imarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a side exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Leelabai alias Mohinibai W/o krishnarao Tagore Sheri Galli Belgaum.

(Transferor)

(2) Shri Shashidhar Mallappa Angadi House No. 764/B Angol Belgaum Extension Scheme "A".

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 449 Dated 7-5-1984.] House bearing No. 764/B Angol Extension "A" Scheme Building in area of 8 Gunthas Buildup area is 1100 square

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 9-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1985

Ref. No. 84-85/133.—Whereas, I,

B. S. DHILLON, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

One shop of 25 sq. yds in Rama market. Kt Alhuwali, ASR vide sale deed No. 1776 dt 28-5-84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jawahar Lal S/o Madan Lal Davesar Prem Wati W/o Madan Lal, Jiwan Lal, Amritsar Lal, Se/o Madan Lal, Asha Kumari Wd/o Madan Lal Through Jawahar Lal Jai Lal and Roshan Lal Ss/o Madan Lal General power of attorney Jawahar Lal R/o Kt. Sher Singh, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntla W/o Gopal Krishan R/o Kt. Sher Singh, Amritsar.

(Transferee)

(3) As in Sr. No. 2 and tenants if any.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One 3 storey shop measuring 25 sq. yds, Rama Market Kt. Ahuluwalia, Amritsar vide sale deed No. 1776 dt. 28-5-84.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1985

Ref. No. ASR/84-85/134.---Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

situated at Dsdwan Road Dhariwal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

PART III-SEC. 1]

situated at Dadwan Road Dhariwal has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer a Gurdaspur in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such fransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Om Parkash , S/o Shri Des Raj R/o Dadwan Road, Dhariwal.

(Transferor)

7289

(2) Shri Buta Ram S/O Shri Dewon Chand
Dadwan Road Dharwal Disti. Gurdaspur. (Transferee)

(3) As in Sr. No. 2 and tenants if any.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetta or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House situated in Gali Jaswent Rai Dhariwal vide sale deed No. 730 dated 18-5-1984 registered at the Sub Registerar

B. S. DHILLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritaar

Now, therefore, in pursutnce of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection. (1) of Section 269D of the said Act, to the follow. ing persons, namely :-

Date: 11-1-1985

Feal :

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIQNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1985

Ref. No. ASR/84-85/135.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

situated at Dadwan Rosd, Dhariwal

7290

tand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurdaspur in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the réduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Om Parkash
 S/o Sh. Des Raj
 R/o Dhariwal Dadvan Road,
 Gali Jaswant Rai,
 Dhariwal Teh.,
 Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Shri Bharat Bhushan S/o Sh. Buta Ram R/o Dadvan Road, Dhariwal.

(Transferee)

(3) As in Sr. No. 2 and tenants if any.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter

THE SCHEDULE

One house situated in Gali Jaswant Rai Dhariwal vide sale deed No. 798 d.t 22-5-84 registered at Sub registrar Gurdaspur.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritaar

Date: 11-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 3rd Junuary 1985

Ref. No. ASR/84-85/1\$6.—Whereas, I. B.S. DHILLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Property situated at Kashmir Avenue, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason

at S. R. Amritsar in May, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesald property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I lereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mohan Singh s/o Shri Sardul Singh, Mal Mandi, Amritsar

(Transferor)

- (2) Shri Jamail Singh S/o Shri Gurbakhsh Singh, R/o Neshta, Teh, Tarn Taran, Amritsar. (Transfere
- (3) As in Sr. No. 2 and tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Kashmir Avenue, is T.P. Scheme, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1249 dated 11-5-84 of registering authority, Amritsar,

B.S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritagr

Date: 3-1-1985 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 3rd Junuary 1985

Ref. No. ASR/84-85/137.—Whereas, I, B.S. DHILLON, IRS, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property situated at Kashmir Avenue.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer S. R. Amritsar on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of j-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-wection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Shri Mohan Singh s/o Shri Sardul Singh, Mal Mandi, Amritsar,

(Transferor)

(2) Shri Dharam Pal S/o Shri Rattan Chand, Golden Avenue, Amritsar.

(Transferce)

(3) As in Sr. No. 2 and tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Kashmir Avenue, in T.P. Scheme, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1070 dated 4-5-84 of registering authority. Amritage of registering authority, Amritaar.

> B.S. DHILLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Amuitsar

Date: 3-1-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 3rd Junuary 1985

Ref. No. ASR/84-85/138 — Whereas, 1, B.S. DHILLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Property situsted at Kashmir Avenue, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)1

(1) Shri Mohan Singh s/o Shri Sardul Singh, Mall Mandi, $\mathbf{A}\mathbf{m}$ ritsar,

(Transferor)

(2) Smt. Sudershan Kumari W/o Shri Dharam Pal, Golden Avenue, Amritsar,

*(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)

*(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Kashmir Avenue, in T.P. Scheme, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1071 date 4-5-84 of registering authority, Amritsar.

> B.S. DHILLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Acquisition Range Amritsar

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

79—466GI/84

Date: 3-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsai, the 11th Junuary 1985

Ref. No. ASR/84-85/139 —Wheress, I, B.S DHILLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 ct 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. One Building G.T. Road situated at Batala
(and more fully described in the Schedule annexed herets), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office

of the Competent Authority at Batala in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): (1) Shri Dev Brat S/o Shri Satya Dev, R/o (1 T. Road, Batala.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Kumir S/o Shii Kasturi Lal Mohalla Prem Nagar, Batala.

(Transferee)

*(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)

*(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/10-14 share of Building situated at G. T. Road Batala Vide sale deed No. 540 dt 10-5-1984 registered at Sub-Registrar Bstala

> B. S DHILLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

1

Date 11-1-1985 Seal:

FORM ITNS.....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amiltsar, the 11th January 1985

Rcf. No. ASR/84-85/140.—Whereas, I.

B. S. DHILLON IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing No.

One property at Race Course Road, situated at Amritsar,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at S.R. Amritsar on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(1) Smt. Satya Bhatia W/o Sh. Sukhdev Bhatia, through Shri A. K. Bhatia, R/o Race Course Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Hardevinder Singh S/o-Shri Nazar Singh, R/o Race Course Road, Amritsar.

(Transferee)

"(3) As at S. No. 2 overleaf, and the tenants if any. (Person in occupation of the property)

*(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or
- any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1 share of property situated at Race Course Road, Amritsar as is mentioned in the sale deed No. 1129 dated 7-5-1984 of the registering authority, Amritsar,

THE SCHEDULE

B. S. DHILLON, IRS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Amritsan

Seal:

Date ' 11-1-1985

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arctesard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing

persons, namely :---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1985

Ref. No. ASR/84-85/141.—Whereas, I, B. S. DHILLON 1RS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. One property at Ruce Course Road, situated at Amritsar.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been nansferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri A. K. Bhatia S/o Shri Isher Dass, R/o 1/146-Safdarganj, New Delhi

(Transferor)

(2) Sh. Hardevinder Singh S/o Shri Nazar Singh, R/o Race Course Road, Amritssr.

(Transferee)

*(3) As at S. No. 2 overleaf and the tenants if any. (Person in occupation of the property)

*(4) Any Other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

, THE SCHEDULE

has is mentioned in the sale deed No. 1130 dated 7-5-1984 of the registering authority, Amritsar.

> B, S. DHILLON, IRS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Amritsar

Date: 11-1-1985

NCTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1985

Ref. No. ASR/84-85/142.—Whereas, I, B.S. DHILLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agri. land in Village situated at Manawala Teh. & Distt.

Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at S.R. Annitsar on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

- (1) M/s. Amar India Paper Manufacturing Co., Ltd. Pichhoria Mension Amritsur, through Sh. Kishan S/o Shri Shri Kishan, Chowk Fawara Amritsar,
- (Transferor) (2) Sh. Guisharan Singh S/o Shii Tirlok Singh, R/o Sultanwind Road, Amritsar.
- (Transferee) *(3) As at S. No. 2 overleaf and the tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- "(4) Any Other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the name meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 16 Kanals situated at Village, Manawala, Teh. & Distt. Amritsar, as is mentioned in sale deed No. 1030 dated 2-5-1984 of the registering authority, Amritsar.

> B. S. DHILION, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Amritaan

Date: 11-1-1985

Beal ;

FORM I.T N.S --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsal, the 11th January 1985

Ref. No. ASR/84.85/143—Whereas, J. B.S. DHILLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No Agil land in Village situated at Manawala Teh & Distt Amritsar.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at S.R. Amritar on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

(1) M/s Amai Ind, a Paper Manufacturing Co. Pisoria Mension Amritsai, through Sh. Jugal Kishore S/o Shri Krishan, Chowk Fawara Amrtsar

(2) Sh Sumiter Singh S/o Shii Tirlok Singh, R/o Sultanwind Road, Amritsar

(Transferee) (3) As at S No 2 overleaf and the tenants if any.

(Transferor)

(Person in occupation of the property)

*(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 15 k 16 m situated in Village, Manawals Teh & Distt Amritsar as is mentioned in the sale deed No 1063 dated 4 5-1984 of the registering authority, Amritsar

> B S DHILLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range Amritsar

Date: 11-1-1985

Scal:

_ [

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th January 1985

Ref. No. ASR/84-85/144.—Whereas, I, B. S. DHILLON I.R.S..

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value No. One property at Seth Jagat Bandhu Road, Amritaar, exceeding Rs. 25,000/- and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for cub transfer a agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessid property by the usue of this notice tinder subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following presons, namely —

(1) M/s Koti Weavers, Jail Road, Amritsar through Shii Ravinder Mehrs, Partner firm.

(Transferor)

(2) Gulzar Singh Rajkumai & Smt. Harshaian Raj Kumar, R/o 218 Basant Avenue, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 over leaf and the tenants if any. (Persons in occupation of the property).
- (4) Any other.

(Person (s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th share of property on plot of 1 and measuring 105 sq. yds. situated on Seth Jagat Bandhu Road, Amritsar as is mentioned in the sale deed No. 1157 dated 8-5-84 of the registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsac

Date: 9-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th January 1985

Ref. No. ASR/84-85/145.—Whereas, I, B. S. DHILLON I.R.S.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One property at Seth Jagat Bandhu Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

SR Amritsar in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Weavers to Weavers, through Smt. Rajkarni, Partner,

(Transferor) (2) Sh. Gulzai Singh Raikumar S/o Sh. Dilbagh Singh Rajkumar, R/o 218 Basant Avenue, Amritsar.

(Transferee) (3) As at Sr. No. 2 over leaf and the tenants if any. (Persons in occupation of the property).

(4) Any other. (Person (s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5/48 the share of property on a plot area of 131.25 sq. yds. situated at Seth Jagat Bandhu Road, Amritsar as is mentioned in the sale deed No. 1158 dated 8-5-1984 of the registering suthority, Amritsar.

> B. S. DHILLON I R.S. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date 9-1-1985 Seal:

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1AX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th January 1985

Ref. No. ASR/84-85/146.—Wheress, I. B. S. DHILLON I.R.S.,

being the Competent Authority

under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marke, value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. One property at Seth Jagat Bandhu Road, Amritsar, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the mioresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
80—466 GI|84

 M/e Weavers to weavers, Jail Road, through Shri Dharm Chander Puri S/o Sh. Bishamber Dass, R/o Chhenarta Partner firm.

(Transforor)

(2) Gulzar Singh Raj Kumar, Smt. Harsharan Kaur, Raj Kumar, R/o 218 Basant Avenue, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 over leaf and the tenants if any. (Persons in occupation of the property).

(4) Any other.
(Person (s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12 share of property on a plot of land measuring 105 sq. yds. on Seth Jagat Bandhu Road, Amritsar as is mentioned in the sale deed No. 1159 dated 8-5-1984 of the registering authority. Amritsar.

B. S. DHILLON I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 9-1-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFIGE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsal the 9th January 1985

Ref. No. ASR/84-85/147 —Whereas, I, S. DHILLON 1 R S,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing

and bearing
No One property at Seth Jagat Bandhu Road, Amritsar,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
SR Amritsar in May 1984
for an apparent consideration which is less than the [air

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s, Weavers to weavers Jail Road, through Sh Bishamber Das Puri, R/o Chheharta, Amiitsa.

(Transferoi)

(2) Sh. Gulzat Singh Raj Kumar Ss/o Sh. Dilbagh Singh & Smt. Harsharan W/o. Sh. Gulzar Singh, R o 218 Basant Avenue, Amritsar.

(Transferce)

(3) As at Si. No 2 and the tenants if any. (Persons in occupation of the property).

(4) Any other.
(Person (s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th share of property on a plot of land measuring 105 sq. yds. situated at Seth Jagat Bandhu Road, Amritaar as is mentioned in the sale deed No. 1187 dated 9-5-1984 of the registering authority, Amritaar.

B. S. DHILLON I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date 9 1-1985 Scal : FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th January 1985

Ref. No. ASR/84-85/148.—Whereas, I, B. S. DHILLON I.R.S.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. One property at Seth Jagat Bandhu Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tar Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M/s. Weavers to weavers Jail Road, through Sh. Avtar Kishan Puri, Partner—firm.

(Transferor)
(2) Sh. Gulzar Singh Raj Kumsr Ss/o Sh. Dilbagh
Singh Rajkumar & Smt. K. Harsharan W/o Sh.
Gulzar Singh Rajkumar,
R/o 218 Basant Avenue, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 over leaf and the tenants if any, (Persons in occupation of the property).

(4) Any other. (Person (s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the vaid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

9/48th share of property on a plot of land measuring 197-5 sq. yds. on Seth Jagat Bandhu Road, Amritsar, as is mentioned in the sale deed No. 1188 dated 9-5-1984 of the registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON I.R.S.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-1-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
UPPICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th January 1985

Ref. No. ASR/84-85/149.—Whereas, I, B. S. DHILLON I.R.S.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have feason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One property at Seth Jagat Bandhu Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 M/s. Weavers to weavers, Jali Road through Sh. Satinder Mehra, R/o Chheharta.

(Transferor)

(2) Sh. Gulzar Singh Raj Kumar Se/o Sh. Dilbagh S'ngh & Smt. Harsharan Raj Kumar W/o Sh. Gulzar Singh Rajkumar. R/o 218 Basant Avenue, Amritsar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/12 share of property on a plot of land measuring 105 sq. yds. \aitusted at Seth Jagat Bandhu Road, Amritsar as is mentioned in the sale deed No. 1239 dated 11-5-1984 of the registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following corrects, namely:—

Date : 9-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX A/CT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-. SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th January 1985

Ref. No. ASR/84-85//150.--Whereas, I, B. S. DHILLON 1.R.S... being the Competent A athority under Section 269B of the Income-tax! Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property at Seth Jagat Bandhu Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Macome Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

the Competent Authority at SR Amritsar in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer was agreed to between the parties has not been truly stated in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) familitating the reduction or evasion of the Habitat of the transferor to pay tax under the waid Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 ed 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s. Weavers to weavers, Jail Road, through Sh. Dharm Chand Puri, R/o Chheharta.

(Transferor)

- (2) Sh. Gulzar Singh Raj Kumar Ss/o Sh. Dilbagh Singh and Smt. Harsharan Raj Kumar W/o Sh. Gulzar Singh, R/o 218 Basant Avenue, Amritsar.
 - (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 over leaf and the tenants if any. (Persons in occupation of the property).
- (4) Any other. (Person (3) whom the undersigned knows to be interested in the property). Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12 share of property in Khasra No. 199 messuring 105 sq. yds. situated at Seth Jaget Bandhu Road, Amritsar as is mentioned in the sale deed No. 3646 dated 28-5-1984 of the registering authority, Amritsar.

> B. S. DHILLON I.R.S. Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the coresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 296D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 9-1-1985

Scal:

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 3- CHANDER PURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsat, the 9th January 1985

Ref. No. ASR/84-85/151|—Whereas, I, B. S. DHILLON I.R.S.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property at Seth Jagat Bandhu Road,

Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in May 1984 ffl

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sectio 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Koti Weavers, Jail Road, Amritsar, through Shri Ravinder Mehra s/o Shri Girdhari Lal Mehra, r/o Copper Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Gulzar Singh Rajkumar s/o Shri Dilbag Singh, Smt. Harsharan Kaur w/o Shri Gulzar Singh r/o ,218-Basant Avenue, Amritsar.

(Transfere)

(3) As at Sr. No. 2 above and the tanents if any.

(Person in occupation of the property

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression₃ used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at village Gumtala situated at Seth Jagat Bandhu Road, Amritsar, as is mentioned in the sale deed No. 3664 dated 29-8-1984 of the registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Amritsar

Date: 9-1-1985.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3- CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 9th January 1985

Ref. No. ASR/84-85/152.--Whereas, I, B. S. DHILLON. I.R.S.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as tht 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One property at Seth lagget Bandhu Road, ASB

and bearing No.

One property at Seth Jagat Bandhu Road, ASB
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority
at S.R. Amritsar in August 1984

(or an appearant consideration which is less than the fair

at S.R. Ampitsar in August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

-Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Adt. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Satinder Nath Puri s/o Shri Dhatam Chand Puri, Through Shri Dharam Chand Puri 1/0

(2) Shri Gulzar Singh Raj Kumar s/o Shri Dilbagh Singh and Smt. Harsharan Raj Kumar w/o Shri Gulzar Singh 218 Basant Avenue. Amritsar. (Transfere)

- (3) As at Sr. No. 2 above and the tenants if any. (Person in occupation of the property,
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property at villago Gumtala situated at Seth Jagat Bandhu Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 8397 dated 17-8-1984 of the Registering Authority, Amritsar.

> B. S. DHILLON, I.R S Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date · 9 1-1985.

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3- CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 9th January 1985

Ref. No. ASR/84-85/153.—Whereas, I. B. S. DHILLON, I.R.S., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property at Seth Jagat situated at Bandhu Road, ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at S.R. Amritsar on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

 Shri Satinder Nath Puri s/o Shri Dharam Chand Puri, through Shri Dharam Chand r/o Chheharta partner firm.

(Transferor)

- (2) Shri Gulzar Singh Raj Kumar S/o Shri Dilbag Singh and Smt. Harsharan Raj Kumar W/o Shri Gulzar Singh r/o 218-Basant Avenue, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 over leaf and the tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property at village Gumtala situated at Seth Jagat Bandhu Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3403 dated 17-8-1984 of the registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-1-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVER' MENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT -COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE.

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1985

Ref. No. ASR|84-85|154.—Whereas, I, B. S. DHILLON

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property at Vijay Nagar situated at Batala Road,

Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

Amritsar on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 81-466 GI 84

(1) Shri Balwinder Singh s|o. Shri Bishan Singh r|o Vill Fatenpur Rajputan, Teh. & Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shrimati Harbhajan Kaur woo Shri Surjeet Singh Kohli, rlo Kashmır Road, Amritsar.

(Transferee)

- *(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants if any. (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property on a plot of land measuring 100 sq. yd. situated at Vijay Nagar, Batala Road, Amritsar as is mentioned in the sale deed No. 1340|16-5-84 of Registering Authority, Amritsar.

> B. S. DHILLON, I.R.S. Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Amritsar

Date: 11-1-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING, ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI. TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1985

Ref No. ASR/84-85/155--Whereas, I, B, S. DHILLON, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. One property at Vijay Nagar situated at Batala Road,

Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Amritsar on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely ---

- (1) Shri Balwinder Singh s|o. Shri Kishan. Singh r|o Vill. Fatehpur Rajputam, Teh. & Distt. Amritsar.
- (2) Shi Jaswinder Singh Kohli s]o. Shri Surjit Singh Kohli i o Kashmir Road,
 Amritsar.
 - (Transferee)
- *(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants if any.

 (Person in occupation of the property)
 *(4) Any other.
 - (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property on a plot of land measuring 100 sq. yds. situated at Vijay Nagar, Batala Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 1341 dated 16-5-1984 of the Registering Authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Amritsar

Date: 11-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,

AMRITSAR

Amiltsai, the 11th January 1985

Ref. No. ASR/84-85/156.--Whereas, I, B. S. DHILON, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property at Vijay Nagar, situated at Batala Road, Amritsar on May 1984

Annisar on May 1984 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (to of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Degistering Officer at SR: Amritsar on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cant of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the faforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Balwinder Singh soo. Shri Kishan Singh roo Vill. Fatchpur Rajputan, Teh. & Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Surjit Singh slo. Shri Tara Singh Rlo 15-Kashmir Road, Amritsar.

(Transferee)

- *(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants if any.
 (Person whom the undersigned knows to
- "(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property on a plot of land measuring 100 sq. yds. situated at Vijay Nagar, Batala Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2277 dated 22-6-1984 of the registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritsar

Date: 11-1-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1985

Ref. No. ASR184-85/157.--Whereas, f, B. S. DHILLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to be seve that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. One property at Vijay Nagar situated at Batala Road,

Amritsan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen persent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any matrix or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Saul Balwinder Singh slo. Shil Kishan Singh r/o Vill. Fatchpur Rajputan, Teh. & Distt. Amritsar. (Transferee)
- (2) Smt, Harbhajan Kaur wlo. Shri Surjit Singh rlo 15-Kashmir Avenue. Amritsar.

(Transferor)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants if any. (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expers later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice, in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property on a land measuring 100 sq. yd. situated at Vijay Nagar, Batala Road Amritsar as is mentioned in the sale deed No. 2278 dated 22-6-1984 of the Registering Authority, Amritsar.

> B. S. DHILLON, I.R.S. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Amritaar

Date: 11-1-1985.

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ' 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1985

Ref. No. ASR[84-85]158.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Swind Near G.T. Road Canal

Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 249D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mehar Singh soo. Ram Singh, 15 Bumra Cottage, Padma Nagar, Bombaythrough Mohan Singh soo. Udham Singh, 434, Ranjit Avenue, Amritsar, Mukhtar Khaas.

(Transferor)

 New India Machine Industries through Jaspal Singh 93, East Mohan Nagar, Amritsar.

(Transferee)

*(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants if any.
(Person in occupation of the property)

*(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a region of 45 days from the date of publication of this above in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property 850 sq. yds. at Sultanwind Road, Near G. T. Road Canal, Amritsar vide deed No. 1620|23-5-84 Registering Authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritsar

Date: 11-1-1985.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1985

Ref. No. ASR|84-85|159.--Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 25,000/and bearing

No. One property situated at S/wind Near G. T. Road Canal,

Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on May 1984

Amritsar on May 1984 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mehar Singh S/o Ram Singh Burma Plot No. 16 Bunira Cottage, Padma Nagar, Bombay through Mohaa Singh s/o. Udham Singh, 434, Ranjit Avenue, Amritsar, Mukhtar Khaas. Mukhtar Naama.

(2) M/s. Diomand Spares India, 54 East Mohan Nagar,

Amritsar.

(Transferee)

- *(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants if say.
 (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property 850 sq yds, at Sultanwind Near G. T. Road Canal, Amritsar vide deed No. 1723 dated 25-5-84 Registering Authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritsar

Date: 11-1-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

. Amritsar, the 11th January 1985

Ref. No. ASR|84-85|160.-Whereas, I. B. S. DHILLON,

IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

No. One property situated at Ols Chatiwind Gate, T. T.

Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Oflice of the Registering Officer at

Amritsar on June 1984

for an apparent considering which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reoson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of iransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Bihari Lal slo, Shri Narain Dass, Qila Bhagian, Abadi Gokal Chand, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Brij Mohan slo.Shri Behari Lal, Nimak Mandi, Amritsar.

(Transferee)

- *(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants if any. (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th share property 287.37 sq. yds. at Tarn Taran Road ols Chatiwind Gate, Amritsar vide Sale Deed No. 2106/13-6-84 Registering Authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, I.R.S. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range [雅] 生 · 上 Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said (Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

Date: 11-1-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

' GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1985

Ref. No. ASR|84-85|161.—Whereas, I, B. S. DHILLON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Os Chatiwind Gate, T. T. Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Amritsar on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Bihari Lal so. Shri Narain Dass, r/o Qila Bhagian, Abadi Gokal Chand.

(Transferor)

(2) Shri Jugal Kishore So. Shri Jagan Nath, Abadi Gteen Avenue, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenants if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, te the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Garette or a period of 30 days from the service of nonce on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|12 share of property 287.38 sq. yds. at O|s Chatiwind Gate, Tarn Taran Road, Amritsar vide sale deed No. 1836/ 29-5-84 Registering Authority, Amritsar.

> B. S. DHILLON, I.R.S. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Amritsar

Date: 11-1-1985.

FORM ITNS----

NOTICI! UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMP-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1985

Ref. No. ASR/84-85/162.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS

Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at O's Chatiwind Gate, T. T. Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amiltar on June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tramferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcial property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

82--466GI/84

 Shri Behari Lal S/o Shri Narain Dass, Qila Bhagian, Abadi Gokal Chand, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shii Vinod Kumar slo. Roshan Lal, Kt. Khazana, Gali Khai Wali, Amutsar.

(Transferee)

- *(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- '(4) Any other.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:—

THE SCHEDULE

1/12th share of property 287.34 sq. yds. at Ols Chatiwind Gate. Taran Taran Road, Amritsar vide deed No. 2107/13 6 84 Registering Authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritsar

Date: 2-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th January 1985

RAC No. 356/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Waltair Ward, Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vizng on 5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/oe
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri S. Atchanna, and 7 Others, Kothatalaripet, Visakhapatnam.

(Transferor)

 Sri M. Purandas s/o. Khemchand, Main Road, Visakhapatnam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 622 sq. yds. situated at Waltair Ward, Vizag registered by the S.R.O., Vizag vide document No. 6108/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (AP.)

Date: 10-1-1985,

(1) Sri V. Demudu, Anakapally,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th January 1985

RAC. No. 357/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Anakapally (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anakapally on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than liften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following purpose, namely:—

(2) Sri Ch. Venkata Ramana s/o. Sanyasayya Setty, Gandhinagaram (Srirampuram), Anakapally, Vizag Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the exid property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Anakapally registered by the S.R.O., Anakapally vide document No. 2289/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-1-1985.

Scal .

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING. ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th January 1985

RAC. No. 358/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing

No. Land situated at Vizag
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Vizag on 5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. M. Ashalalchand w/o. Sri Lalchand, Pothina Buildings, Vizae.

(Transferor)

Sri Manoharlal Ahuja,
 No. 10-1-11, Tourist Banglow, Assilmetta,
 Visakhapatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 600 sq. yds. situated at Visakhapatnam registered by the S.R.O., Vizag vide document No. 5639/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-1-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th January 1985

RAC. No. 359/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. House situated at Innispet, Rainhmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said fAct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri B. Simhachalam s/o. Ramanna, Innispet, Rajahmundry.

(Transferor)

(2) Sri K. Satyanarayana & Others, D. No. 36-25-20, Innispet, Rajahmundry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Innispet, Rajahmundry bearing door No. 21/162 B registered by the S.R.O., Rajahmundry vide document No. 3728/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)
Acquisition Range
Hyderabad (AP)

Date: 10-1-1985. Seal:

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th January 1985

RAC. No. 360/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Land situated at Vizionagaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vizianuguram on 5/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Baudaru Gunnaraju s/o. Venkataramamurthy, Rangaraju Street. Vizianagaram.

(2) South Eastern Railway Employees House Building Society. Vizianagaram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admineasuring 4.36 acres situated at Kanapaka, Vizianagaram registered by the S.R.O., Vizianagaram vide document No. 1635/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-1-1985.

FORM ITNS

(1) Sri N. Simhachalam and Others, Visakhapatnam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Polisetty Venkatarama Krishna Rao and Others, 5, 2nd Cross Road, Mowbray's Road, Madras.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th January 1985

RAC. No. 361/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land situated at Vizag Dt. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Vizag on 5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor hv more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land admeasuring 4-96 acres situated at Visakhapatnam District registered by the S.R.O., Vizag vide document Nos. 5966, 5968, 5965, 5967, and 5969/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 10-1-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th January 1985

RAC. No. 362/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Brodipet, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Sri A. Krishna Reddy 5/0, Swami Reddy. Vallabhapuram, Eemani Iq., Guntur Dt.

(Transferor)

(2) Sri K. Panduranga Rao 9/0, Venkateswara Rao, D. No. 15-5-1-, Brodipet, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property hearing D. No. 15-5-1 and 2 situated at Brodipet 1st Line, 14th Cross Road, Guntur registered by the S.R.O., Guntur vide document No. 4932/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A P.)

Date: 10-1-1985.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th January 1985

RAC. No. 363/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Guntur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guntur on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, is respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri M. Basavalingam and others, Kothapeta. Guntur.

(Transferor)

(2) Smt. V. Padmavathi w/o. Bala Bhaskara Rao. D. No. 12-12-34, Kothapet, Guntur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 12-12-34 situated at Old Club Road, Guntur registered by the S.R.O., Guntur vide document No. 6627 6628/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the moresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—83—466°CI[84]

Date: 10-1-1985.

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabac, the 10th January 1985

RAC. No. 364/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Gunudala Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada an 5/94

Registering Officer at Vijayawada on 5/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. G. Sarojini Devi w/o. Madhusudhana Rao, Krishna Lanka, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Smt. S. Mahendra Mani W/o S. Suresh. Survaraoneta. Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land situated at Gunadala. Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No 3306/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 10-1-1985,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Adusumilli Subramanyeswar Rab, Survaraopeta,

Krishna Lanka, Vliavawada.

(Transferor)

Vijavawada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th January 1985

RAC. No. 365/84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 25,060/-and bearing No.

House situated at Gunadala, Vijayawada (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to hallow that the fair believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(1) Smt. G. Sarojini Devi W/o Madhusudhana Rao,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Gundala, Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 3305/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 10-1-1985. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th January 1985

RAC No. 366/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No Land situated at Karamchedu (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Chirala on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been thuly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

。 1990年四月

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) 'accilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

, (1) Sri Jagarlamudi Rama Dev s/o. Sivarama Prasad, Karamchedu.

(Transferor)

(2) Sri Thota Audinarayana, S/o T. Kotayya, Karamchedu.

(Transferee)

Objections, if any, to be the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1-50 acre situated at Karamchedu registered by the S.R.O., Chirala vide document No. 1844/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad

Date: 10-1-1985.

Seat:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX, COMMIS-

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th January 1985

R \C. No. 367/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. Land situated at Gunadala, Vijayawada (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Fegistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

VijayawaJa on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

(1) Smt. Sarojini Devi w/o. Madhusudhana Rao. Krishna Lanka, Vijayawada,

(Transferor)

(2) Sri Boppana Sirisha Kumari, w/o. Ramachandra Prasad, Survaraopet, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ç

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 284 sq. yds. situated at Gunadala village, Krishna Dt., registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 3307/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (AF

Date: 10-1-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th January 1985

RAC. No. 368/84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Register ng Officer at Vizag on 5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Sri M. Mulayya and Others, Lalithanagar, Vizag.

(Transferor)

 Smt. P. Radha w/o Parthasarathy, and others D. No. 49-19-20, Jagannadhapuram Layout, Visakhapatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 49-19-20 situated at Jagannadhapuram layout. Visakhapatnam registered by the S.R.O., Vizag vide document No. 5880/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 10-1-1985, Seal :

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1985

RAC. No. 369/84-85,--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
No. Land situated at Waltair Ward, Vizag
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
hus been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the registering Officer at Vizag on 5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sri S. Atchanna and others, Kothatalaripet, Vizag.

(Transferor)

(2) Sii M. Ashalalchand w/o. Lalchand, D. No. 26-24-77, Pothina Building, Vizag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereix as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 467 sq. yds. situated at Waltair Ward, Vizag registered by the S.R.O., Vizag vide document No. 6108/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 11-1-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1985

RAC. No 370/84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Registering Officer at

Registering Officer at No. Land situated at Karamchedu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registering Officer at Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Chiraka on 5/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partners has not been truly stated in the said instrument of partners has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri J. Ramadev s/o. Sivaramprasad, Karamchedu.

(Transferor)

(2) Sri Thota Srinivasa Rao, Karamchedu.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which-'ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3 acres 58 cents situated at Karamchedu registered by the S.R.O., Chirala vide document No. 1845/

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-1-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1985

RAC. N. 371/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

No. House situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ئىلىك " and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---466GI|84

(1) Sri K. Kasi Annapoornachandra Rao, Poolabavi Street. Vijayawada.

(Transferor) Sri M. Venkateswara Rao and Others, D. No. 11-59-17, Jumma Masjid Street,

Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Jumma Masjid Lane, Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 2566/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 11-1-1985.

FORM I.T.N.S.—

(1) Sri N. Gopalaktishna, Visakhapatnam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. K. Jayasree w/o. Hari Babu, Andhra University, 7-20-2, Visakhapatnam.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISTTION RANGE HYDFRABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1985

RAC. No. 372/84-85.-Whereas, J. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Jncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House situated at Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Vizar on 5-84

for an apaprtment consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned
 - the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; (b) by any other person interested in the said immov-

able property within 45 days from the date of

the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property D. No. 7-20-2 situated at Waltair Ward, Visakhapatnam registered by the 3.R.O., Vizag vide document No. 5655/84.

> M. IFGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderahad (A P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following reasons, namely:--

Date: 11-1-1985 Seal:

(1) Sri M. Narasumha Rao. Guntur,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Batchu Venkata Subha Rao, Chandramoulinagar, Guntur.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1985

RAC. No. 373/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceding Rs. 25,000/- and bearing
No. Land situated at Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guntur on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Moresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the ing persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 477 sq. yds. situated at Pandaripuram, Guntur registered by the S.R.O., Guntur vide document No. 4994/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 11-1-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1985

RAC. No 374 84-85 -- Whereas, I, M. IEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a tail market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land situated at khammam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration. Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Khemmam on 5/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the Acquisition of the aforesaid properly by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of said Act, to the following persons, namely:

- (1) Sa P. Pedda Narayana and Others, Chimakani village, Khammam Dt
- (Transferor) (2) Sti T. Satvanarayana, R o Natasimhapuram, Chinthakani Khammam Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 6-06 acres situated at Khammam Dt., registered by the S.R.O., Khammam vide document No. 1589/

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 11-1-1985. Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1985

RAC, No. 375/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Ongole

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ongole on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sti K. Kasi Viswanatha Rao, Ongole.

(Transferor)

(2) Andhra Kesari Education Society, Rep. by Secretary and Correspondent, Sri Jallaprasad, Ongole.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 7-65 acres situated at Ongole registered by the S.R.O., Ongole vide document Nos. 1533 to 1537 (5 separale sale deeds)/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Da'e: 11-1-1985.

(1) Sri A. Thirupathi Rayudu, 77, Kirlampudi Layout, Vizag.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sr. Srecaramulu s/o PaPaiah, Durga Agraharam, Vijayawada.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A P.)

Hyderabad, the 11th January 1985

RAC. No. 376/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here, nafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No House situated at Vijavawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration. Act, 1908. (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijavawada on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesnid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land and house situated at Seetharampuram Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document Nos. 2745/84/2791-84/2860/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (!) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date . 11-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERMNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDFRABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1985

RAC. o. 377/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land situated at Jaggayyapet Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Taggayyapet on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than bifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by t chtransferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initlate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri G. Viswaratham, Goinenivaripalem, Jaggavyepet Tq., Nalgonda District.

(Transferor)

(2) Sri V. Jagannatha Rao s/o Peda Veeraiah, Makkapet, Jaggayyapet Tq., Nalgonda District, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Land situated at Makkapet, Jaggayyapet Tq., registered by the S.R.O., Jaggayyapet vide document No. 1341/84.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 11-1-1985

FORM ITNS--- --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1985

RAC. No. 378 81-85. - Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Land situated at Bhavanipuram, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration. Act, 1908. (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijavawida on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby intuate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sntt. K. Vijayalaxmi, W/o Venkateswara Rao, Somayarapbadu, Bhimadole Tq. W.G. Dt.

(Transferor)

(2) Shri B. Vishnu Vardhana Rao, Near Syndicate Bank, Kondapalli.

(fransferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Site situated at Bhavanipuram, Vijayawada registered by the SR.O., Vijayawada vide document No. 3295/84, 2972/84

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 11-1-1985

 Shri G. Vijaya Kumar and Others, Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri M. Kondaiah, W/o, Ankaiah, Patamata, Vijayawada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1985

Ref. No. RAC. No. 379/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Land situated at Enikapadu, ijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition o the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) factistating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land situated at Enikapadu, Vijayawada Tq., registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 2802/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the processed property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely—

85—466GI/84

Date: 11-1-1985

FORM I.T.N.S .-

(1) Shri G. Vijaya Kumar & Others, Vijayawada,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1985

Ref. No. RAC. No. 380/84-85 —Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 25,000 - and bearing

No. Land situated at Enikapadu. Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer, at Vijayawada in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land situated at Enikapadu village, Vijayawada Tq., registered by the SRO. Vijayawada vide document No. 2915/84.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri B. Venkateswarlu, S/o. Peda Chanch dah, Vijayawada.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Date : 11-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1985

Ref. No. RAC. No. 381/84-85.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at Remaile (v) Guntur Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Amaravathi in May. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. G. Sujatha, W/o Punnayya Chowdary, Remelle village, Karlampudi Siyars, Mangalagiri Tq., Guntur Dt.

. (Transferor)

(2) Shri Chetna Enterprises, Rep. by Managing Partner Shri B. Sivaramaprasado, H. No. 4-4-132-B, Chandramoulinagar, Guntur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land siruated at Remaile village admeasuring 8 acres 65.5 cents registered by the S.R.O., Amaravathi vide 2 separate documents bearing document Nos. 914/84 and 911/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 11-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1985

Ref. No. RAC. No. 382/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Nallapadu Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. K. Sarojini, W/o. Nageswara Rao, Ramannapet, Guntur and Other.

(Transferor)

(2) The Prasanthinagar Co-operative house building Society Ltd., Secreary Shri P. Venkateswara Rao,z Guntur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Nallapadu, Guntur admeasuring 3 acres 96 cents registered by the S.R.O., Guntur vide document Nos./4897, 4986/84.

M. JFGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 11-1-1985

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1985

Ref. No. RAC. No. 383/84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
No. House situated at Roritipadu, Guntur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
at Guntur in May, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than officen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liau of the transferor to pay tax under the said Act, la respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— (1) Shri G. Venkatseswarly and Other, Koritipadu, Guntur.

(Transferor)

(2) Shri B. Santharam D. No. 4-7-137, Koritipadu, Guntur.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land and Building situated at Koritipadu, Guntur registered by the S.R.O., Guntur vide document No. 4797/84,

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 11-1-1985

(1) Smt D. Saraswathi Devi, W/o Nandagopal Reddy. Gandhinagar, Tenali Tq., Guntur Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(

(2) M/s Hemalatha Rolling Mills. Rep. by Partner Shri M. Mukkanti, Burripalem Road, Tenali. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1985

Ref. R.A.C. No. 384/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. Land situated at Sultanabad, Tenali (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tenali in May, 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/esz
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Sultanahad, Tenali registered by the S.R.O., Tenali vide 2 separate sale deeds bearing document Nos. 1748/84 and 1747/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-1-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1985

Ref. No. RAC. No. 385/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beraing

No. Lands situated at Nellore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration

Officer at Nellose in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shii S. Bhaskara Reddy, S/o. Ramalinga Reddy, Bathalavallam, Sathyavedu Tq., A.P. (Transferor)
- (2) Shri K. Sundarsan and Other, 17, Bishops Garden, Greenways Road, Madras-600 028.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other t person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land admeasuring 18 acres 75 cents situated at Tadakandriga village. Sullurpet Tq., Nellore Dt., registered by the S.R.O., Nellore vide document Nos 3641/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 11-1-1985

 Smt. B. Nageswaramina and Others, Kopparri, Guntur Dt.

(Transferor)

(2) Shri N. Sambaiah and Other, Nagabhiruyaripalem, Guntur Dt.

may be made in writing to the undersigned : -

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1985

Ref. No. RAC. No. 386/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Koritipadu, Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Guntur in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires lates;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Koritipadu, Guntur registered by the S.R.O.. Guntur vide 4 separate sale deeds bearing document Nos 3774/84./3790/84, 3792/84 and 3791/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 11-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1985

Ref. No. RAC. No. 387/84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House situated at Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vijayawada in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(13 Shri K. Vijayalakshmi, W/o K. Narayana Krishna Kumar, Patibandlayari Lane, Governorpet, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Shri A. Ramesh Babu, C/o. Fexo Mirror Industries, Near Bus Stand, Governorpet, Vijayawada. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Patibandlavari lane, Governor-pet, Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 2864/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 86-466GI/84

Date: 11-1-1985

(1) Smt. M. Swarna Kumari, W/o Butchibapaich, Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri E. G. Nageswara Rao, Kanumuru Village, Krishna Dt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1985

Ref. No. RAC. No. 388/84-85 .- Whereas, I. M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.

No. House situated at Labbipet, Vijayawada
(and more tully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer
at Vijayawada in May, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar Act, 1957 (27 of 1957);

House property situated at Labbipet, Vijayawada registered by the S.R.O, Vijayawada vide document No. 2797/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-1-1485

(1) Sri G. Vijaya Kumar and Others, Vijavawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. Nagi Reddy and Other, Seetharampuram, Vijayawada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1985

Ref. No. RAC. No. 389/84-85.-Wehreas, I, M. JEGAN

MOHAN, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1981 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
No. Lind situated at Enikipadu, Vijayawada
(and more fully described in the Schedule annexed herete),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Ac., 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer
at Vijayawada in May, 1984
tor an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein 28 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 57 cents situated at Enikipadu, Vijayawada Tq., registered by the S.R.O., Vijayawada vide document Nos. 2599/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 11-1-1985

Seal 1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the loresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri G. Vijaya Kuntar and Others, Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. T. Padmavathi W/o Anjaiah, Enikapadu, Vijayawada Tq.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1985

Ref. No. RAC. No. 390/84-85. - Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Vijayawada has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vijayawada in May, 1984

at Vijayawada in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Enikapadu, Vijayawada admeasuring 60 cents registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 2582/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-1-1985

FORM ITMS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhlana, the 10th January 1985

Ref. No. LDH/84/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/6 share of H. No. B-XX-662/2887 situated at Tarf

Karabara, Ludhiana

Karabara, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: the said instrument of transfer with the object of :-

- (1) Smt. Raj Mohinder Kuur W/o S. Jagir Singh, S/o S. Jagat Singh R/o B-XX 662 Gurdev Nagar Ludhiana.
 - (Transferor)
 - (2) S. Kuldip Singh, Inderpal Singh Ss/o S. Balraj Singh, S/o S. Gurdial Singh, Smt. Harjinder Kaur, W/o S. Kuldip Singh Smt. Ravinder Kaur, W/o S. Inder Pal Singh R/o B-I-621 Kundan Puri Civil Lines, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/6 share of H. No. B-XX-662/2887 Tarf Karabara, Ludhiana. (The porperty as mentioned in the sale deed No. 1317 of May, 84 of the Registering Authority Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the floresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th January 1985

Ref. No. LDH/142/84-85.---Whereas, I, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No. No. 1/6 share of H. No. B-XX-662A/2887 situaed at Tarf Karabara, Ludhiana

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smi. Raj Mohinder Kaur W/o S. Jagir Cingh, S/o S. Jagat Singh, R/o B-XX-662, Gurdev Nagar,

(Transferor)

(2) S. Kuld.p Singh, Inderpal Singh Ss/o S. Balraj Singh, S/o S. Gurdial Singh Smt. Hurjinder Kaur, W/o S. Kuldip Singh Smt. Ravinder Kaur, W/o S. Inder Pal Singh R/o B-1-621, Kundan Puri, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heroin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6 share of H. No. B-XX-662/2887 Tarf Karabara, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 3281 of June, 1984 of the Registering Authority, Ludhiana.

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tex
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 11th January 1985

Ref. No. CHD/16/84-85.—Whereas, , JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the theome-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 247 situated at Sector 35-A. Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Candigarh in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri S. M. Chand, S/o Shri Mul Raj E Chand, HC 12 College at Cambat Mhow (M.P.) 453441. (Transferor)
- (2) Shri K. S. Madan S/o S. Avtar Singh & Smt. Charanjit Kaur. W/o Sh. K. S. Madan, House No. 1005, Sector 18C, Chandigath. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 257. Sector 35-A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 97 of May, 1984 of the Registering Authority, Chandigath).

JOGINDER SINGH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the presaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursons, namely:—

Date: 11-1-1985,

(1) Sh. Gurcharan Singh S/o Sh. Gajjan Singh, R/o 46, Sector 21-A, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pista Rani, W/o Sh. Raj Kumar, Smt. Bimla Rani W/o Sh. Shiv Kumar R/o 114 Grain Market, Sector 26, Chindigarh.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;

Ludhiana, the 10th January 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. CHD/13/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding No. Residential Plot No. 163 situated in residential colony on the East of Chandigarh Kalka Road (61.21 Acres Development Scheme situated at Manimajra, U.T. Chandigarh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the restricts has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- " 神能說
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 163 situated in Residential Colony on the East of Chandigarh Kalka Road (61.21 Acres Development Scheme) Manimajra, U.T. Chandigarh. (The property is mentioned in the sale deed No. 74 of May, 1984 of the Registering Authority Chandigarh).

> JOGINDER SINGH Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitoin of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-1-1985

FORM ITNS---

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 11th January 1985

Ref. No. LIDH 97/84-85.—Whereas, I, JOGINDER

being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovement of the said 'Act') is the said 'Act'. able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. B-XXXV-7/83B, situated at Bhai Randhir

Singh Nagar, Ludiana

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in May, 1984 for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferr and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following reisons, namely :--

-466(-1184

(1) Sh. Shaminder Singh S/o S. Raghubir Singh, R/o V. Pamal, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Balwant Singh S o Sh. Khushal Singh,

Shri Ravinder Pat Singh,

Shri Raj Pal Singh,

Shri Rajindet Pal Singh. Sons of S Balwant Singh, All residents of House No. 9-C, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B.XXXV, 7/83-B, Bhai Randhir Singh Nagar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 1449 of May, 1984 of Sub-Registrat, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date 11-1-1985 Seal:

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUIDHIANA

Ludhiana, the 10th January 1985

Ref. No. CHD/40/84-85.—Whereas, I, JOGINDER

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 18 per cent in Industrial Building No. 20 situated at Industrial Area, Chandigath

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Chandigath in August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor hv more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) S/shri Jiwan Dass S/o Sh. Mehar Chand, Sant Lal, S/o Sh. Goda Ram & Sunder Lal S/o Sh. Sohan Lal, R/o Sabzi Mandi, Kainal.

(2) Shri Sindeen Bajai S/o Sh. Balwant Singh, Smt. Kadash Ram W/o Sh. Balwant Singh, residents of House No. 3304, Sec. 32-D, Chandigath.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

18 per cent in Industrial Building No. 20, Industrial Area, Chandigarh. (The property is mentioned in the sale deed No. 351 of August, 1984 of the Registering Authority, Chandigarh)

> JOGINDER SINGH Competent_Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-1-1985

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 11th January 1985

Ref. No. Ldh/82/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[and bearing

No. Portion of House No. B-XIX.914/6-D/2, situated at Tagore Nagar, Civil Lines, Ludhiana has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and|or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Ram Rattan Kapoor S/o Sh. Har Sahai Mal, B-XI-994, Ducha Shahzadwala Gohar, Iqbal Ganj, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Ravinder Khosla S/o S. Baljit Singh, R/o B-III-427, Purana Bazar, Vakilan Street, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. B-XIX 914/61D/2, Tagore Nagar, Civil Lines, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 1211 of May, 1984 of Sub Registrar, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority, Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sait Act, to the following persons, namely:-

Date 11-1-1985. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th January 1985

Ref. No 1 DH/83/84-85.--Whereas, I. JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to do the 'said Act'), have reason to believe that the immobavle property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Bur . 横角 5 and bearing Portion of House No. B. XIX.914/6-D/1, situated at Tagore Nagar, Civil Lines, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhuana in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiablity of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income urising from the transfer: 1 1 10 min william will be to the ead/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Smt. Sheela WantiW/o Shr 1Ram Rattan Kapoor, B. XI 994, Kucha Shahzadwala Gohar, Iqbal Ganj, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Avinash Khosla S/o Shu Balut Singh, 924/2-A, Tagore Nagar, Civil Lines, Ludhiana (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPL MATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. B XIX.916/6-D/1, Tagore Nagar, Civil Lines, Ludhiana (Property as mentioned in the sale deed No. 1212 of May, 1984 of the Sub Registrar, I udhiana).

> JOGINDER SINGH Composent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-1-1985.

IN EM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'S OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGI CENTRAL REVENUE BUILDING* LUDHIANA

Ludhiana, the 11th January 1985

Ref. No. LDH/100, 84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/6th share in House No. B.XIX.915C situated at Tagore

Nagar, Civil Lines, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair ma ket value of the property as aforesaid exceeds the app., in consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the dog 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Ravinder Kumar s/o Shri Krishan Kumar R/o Nakodar, District Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Kimti Lal Jain s/o Shri Hans Raj Jain, Tagore Nagar, H. No. B. 19.915, Tagore Nagar, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share in House No. B.XIX.915C, Tagore Nagar, Civil Lines, Ludhiana (The property as mentioned in the sale deed No. 1761 of May, 1984 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-1-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHLANA

Ludhiana, the 11th January 1985

Ref. No. LDH/101/84-85.--Whereas, I.

Ref. No. LDH/101/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe hat the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/6th portion of H. No. B.XIX 915C, situated at Tagore Nagar, Civil Lines, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer.

1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt, Anjana Devi D/o Shri Rodi Ram, R/o Nakodar, District Jalandhar,

(Transferor)

(2) Shri Kimti Lal Jain S/o Shri Hans Raj Jain, House No. B. 19.915C, Tagore Nagar, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share in H. No. 19.915C, Tagore Nagar, Civil Lines, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 1762 of May, 1984 of the Registering Authority, Ludhiana.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-1-1985,

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI', COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 11th January 1985

Ref. No. LDH/102/84-85,---Whereas, I.

JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

1/6th share of House No. B. XIX.915C, situated at Tagore

Nagar, Civil Lines, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Ludhiana in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Krishan Kumar S/o Shri Telu Ram, R/o Nakodar, District Jalandhar,

(Transferor)

(2) Shri Kimti Lal Jain S/o Shri Hans Raj Jain, R/o B.19.915C, Tagore Nagar, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share in House No. B.XIX.915C, Tagore Nagar Civil Lines, Ludhiana, (The property as mentioned in the sale deed No. 1763 of May, 1984 of the Registering Authority, Tathliana). rity, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-1-1985,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana the 11th January 1985

Ref No DH/120A/84-85 —Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing No

1/2 share in House No B 201162/5, (Plot No 184A) situated at Sarabha Nagar Ludhana (and more fully described in the schedule annexed hereto)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitahting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid pipoerty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S Mohinderjit Singh S/o S. Jagjit Singh through S Jagjit Singh S/o S. Sardara Singh, H No B 20 S-5/550 Mai Nand Kaur Road Civil Lines, Ludhjana

(Transferor)

(2) Dr Shamsher Singh S/o S Mohinder Singh R/o H No B 201162/5 (184A), Sarabha Nugui Ludhiana

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Half share in H No B XX 1162/5 (Plot No 184A) Sarabha Nagar Ludhlafia (The property as mentioned in the sale deed No 1202 of May 1934 of the Registering Authority Ludhiana)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date 11-1-1985. Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th January 1985

Ref. No. CHD/ $12\Lambda/84-85$.—Whereas, I,

JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-in-after referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/and bearing No.

Plot No. 9 situated at Industrial Area, Chandigath for No. 9 situated at Industrial Area, Chandingarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandingarh in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax A.s. 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Dharam Chand S/o Shri Gian Chand R/o Abohar. Smt. Sumitra Devi W/o Abnash Chander, Smt Krishna Devi W/o Jatinder Nath. Smt. Ramesh Kanta W/o Roshan Jal, r/o Fazilka. Smt. Bindu W/o Shii luder Pal r/o A-75, Kiti Nagar, New Delhi, Smt. Sushila Devi W/o Shii Roshan Lul, r/o Muktsar, Shri Luxman Dass S/o Shii Giun Chand, r/o Abohar. Shri Rakesh Kumar S/o Shri Gian Chand r/o Abohar. Shri Raj Pal S/o Shri Jai Lal, r/o Abohar. Smt. Rekha wife of Surinda Kumar r/o Abohar. Shri Ram Chand S/o Snri Jai Lal r/o Abohar, (Transferor)
- (2) M/s Hind Motors (Scooter Division), 15, Industrial Area, Chandigarh.

(Transferce)

(3) M/s Dass Motors, M/s, Rashtriya Tyres,
Plot No. 9,
Indl. Area, Chandigarh,
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 9, Industrial Area, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 67 of May, 1984 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDUR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the inforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:—88—466GI/84

Date: 11-1-1985,

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th January 1985

Ref. No. SOI /7/84-85 —Whereas, I.\
JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing No.

House property with land area 170 sq. mts, situated at Solan tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the effice of the Registering Officer

at Solan in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that he fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tuly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any sacrates or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act or the Wesleh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Mrs. Ajmer Kaur W/o Shri Pithvi Singh Sidhu r/o Coopeiative Bank Street, Fazilka, through S. Kuljit Singh Sachdev S/o S. Teja Singh, i o Mohal, Kulu (HP).

(Transferor

(2) Mrs. Swaran Kaur W/o S Mohinder Singh, R/o Sehgal Nest, Solan now at House No. 1004, Phase IV, Mohali, Teh. Kharar,

(Transfere)

Objections. If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property with land measuring 170 sq. mts. at Solan (The property as mentioned in the sale deed No. 218 or May 1984 of S.R. Solan).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissione: of Income-tax
Acquisition Range, 1 idhian i

Date 11-1-1985.

FORM (TNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 11th January 1985

Ref. No. LDH/122/84-85.—Whereas, I

JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imnovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

I share in House No. B.XX.1162/5 (Plot No. 184A) situated at Satabha Nagar, Ladhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of (908) in the office of the Registering Officer at Ludhana in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the reforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the followilw persons, namely:-

((1) S. Mohinderjit Singh S/o S. Jagjit Singh through S. Jagjit Singh S/o S. Sardara Singh, R/o House No. B.20.S 5/550, Mai Nand Kaur Rd., Civil Lines, Ludhiana.

(Transferor)

mene ener --

(2) Smt. Satnam Kaur Dhillon, W/o Dr. Shamsher Singh, R/o H. No. B. XX.1162/5 (Plot No. 184A). Sarabha Nagar, Ludhiana.

✓ (Transferee)

Objectitons, if any, to thte acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 44 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in House No. B.XX.1162/5 (Plot No. 184A) Strabha Nagar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 2381, June, 1984 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SING! Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-1-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37LE/1771/83-84.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office No. 711, 7th floor, Dalamal Tower, Nariman Point,

Bombay-21

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), tand more ruly described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the offlice has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Rombay on 17.5.1984

Bombay on 17-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration ween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (v) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s Uttamehand Menghraj & Sons (India). (Transferor)

(2) M/s. Raychem Engg. Pvt. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 711, 7th floor, Dalamal Tower, 211 Nariman Point, Bonbay-400 921.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/Deemed 82/84-85 dated 17-5-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 11-1-1985

(1) M/s. Utam Enterprises.

'(Transferor)

7369

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Raychem Engineering Pvt. Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I ROMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/1772/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

Office No. 712, 7th floor, Dalamal Tower,
211, Nariman Point, Bombay-21
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered
under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-5-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 712, 7th floor, Dalamal Tower, 211 Nariman Point, Bombay-21.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37FE/Deemed 83/83-84 dated 17-5-1984.

A. LAHIRJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Da r · 11-1-1985

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-1/3711 /1810/83 84 -- Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Office No. 116, 1st floor, Dalamal Tower, 211, Nariman Point, Bombay-21,

(and more fully described in the Schedule annuxed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 19(1, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propert as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by sacre than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising trem the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (2) of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, i hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) M/s Uttamchand Menghraj & Sons (India). (Transferor)
- (2) M/s. Heab Insulators Pvt. Ltd.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 116, 1st floor, Dalamal Tower, 211, Nariman Point, Bombay-21.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37FE/deemed 84/83-84 dated 11-5-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Bombay

Dato: 11-1-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/1841/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No

The entire right title & interest of the Transferor in Flat No. 1366, Bldg. No. 49, MIG Adarsh Nagar, Worli, Bombay-25 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Correctent Authority at Bombay on 22-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

1

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1985

(1) Mrs. Perin M. Bilimoria.

(Transferor)

(2) Mr. Dhirajlal & Mt. Mehendra, M. Sanghavi,

(Transferee)

(3) The Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) M.).G. Adarsh Nagar Co-op Hsg. Soc. Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The entire right title and interest of the Transferor in Flat No. 1366, in Bldg. No. 49, MIG Adarsh Nagar, Worli, Bombay-400 025.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bembay, under No. AR-1/37EE/2298/83-84 dated 22-5-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 11-1-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/1933/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 1474 in Building No. 61 MIG Adarshnagar, Worli, Bombay-25

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and lor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. H. T. Rohra.

(Transferor)

(2) Mr. V. V. Karnik.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupatom of the property)

(4) MIG Adarshnagar CHSL.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1474 in building No. 61, MIG Adarsh Nagar, Worli, Bombay-25.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/Deemed 36/84-85, dated 22-5-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Bombay

Date: 11-1-1985

ŀ

FORM ITNS-

(1) Nenshi Bachubhai Shah.

(Transferor)

(2) Santogen Tetile Mills Pvt, Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37FE/1996/83-84.--Whereas, I,

I.AHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Gala No. 224, Tod iIndl. Estate, Bombay-11 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 18-5-1984

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-rax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely ---

89—466GI/84

of any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late. (a) by any of the aforesaid persons within a

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand ---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used htrein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 224, Todi Industrial Estate, N.M. Joshi Marg, Bombay-11.

Agreement has been registered by the No. AR-1/37EE/2278/84-85 Authority, Bordated 18-5-1984. Bombay under

> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 11-1-1985

FORM ITNS ---

(1) Hirji Bachubhai Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Santogen Silk Mills Pvt. 1 td

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37El-/1997/83-84 -- Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Gala No 225, Todi Indl. Estate, N.M. JoJshi Marg, Bombay-11

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competert 'unbority at Bombay on 18-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby instinte proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 225, Todi Industrial Estate, N.M. Joshi Marg Bom-

The Agreement has been registered by the Competent uthoricy, Bombay, under No AR-I/37EF/2279/84-85 Authoricy, Bondated 18-5-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 11-1-1985

FORM ITNS---

(1) Gift Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. Raj Mitra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2166/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 402, on plot of land colled as 'Muddy' Prabhadevi Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, plot of land called 'Muddy' Prabhadevi Road, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under No. AR-1/37EE/2197/84-85 dated 29-5-1984.

A. LAHIRI
Competent Author:
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the unit Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manely:—

Date: 11-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Rcf. No. AR-I/37EE/2175/83-84.—Whereas, I, A. I AHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office Premises No. 1512-A (1513) 15th floor, Prasad Chambers Opera House, Bombay-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shyamsunder Daulatram Katara.

(Transferor)

(2) M/s. Jogani Exports Corporation.

(Transferee)

(3) M/s. Rookman's Private Limited, (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 1512-A (1513), 15th floor, Prasad Chambers, Tata Road, No. 2, Opera House, Bombay-400 004.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2198/84-85 dated 29-5-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 11-1-1985

- (1) Shri Shyamsunder Daulatram Katara.
- (Transferor)
- (2) M/s. Jogani Exports Corporation.
- (Transferee)
- (3) M/s. Rookman's Private Limited.

may be made in writing to the undersigned :-

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/371 €/2176/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tox Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and beating Office Premises No 1512, 15th floor,

Prasad Cahmbers Opera House, Bombay-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-5-1984

and /or

persons, namely :-

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than inferen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other nesets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein so are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 1512 15th floor, Prasad Chambers, Tata Road No. 2, Opera House, Bombay-400 004.

The Agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2199/83-85 Authority, Bom dated 29-5-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 11-1-1985

(1) Dhanraj Mills. Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ram Yatan Sharma.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-J/37EE/2462/83-84.—Whereus, 1,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rs. 25,0007- and beating Gala No. 314, 3rd floor, 'A-1' Bldg, Shah & Nahar Indl. Estate I ower Parcl, Bomboy-14

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any nacinating the conceanment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 314, 3rd floor, 'A-1' Bldg., Shah & Nahar Industrial Estate, Lower Parel, Bombay-14.

The Agreement has been registered by the Competent uthoritl, Bombay, under No. AR-I/37EE/2301/83-84 Authoritl," dated 2-5-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 11-1-1985

(1) Smt. Shobha C. Udhwani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramesh Mulchand Chhugani & Smt. Sarla Ramesh Chhugani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

A. LAHIRI, Ref. No AR-I/37EF/2473/83-84.—Whereas, I Ref. No AR-J/37EF/2473/83-84.—Whereas, I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable to be a few parket value exceeding Rs. 25,000|property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

property having a ran market visus charactery having No. Office No. 29, 3rd floor. Tardeo Airconditioned Market, Tardeo Main Road, Bombay-400 034. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-5-1984

Bombay on 2-5-1984

for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

Office No. 29, 3rd floor, Tardeo Airconditioned Market, Tardço Mai 1 Road, Bombay-400 034.

The Agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2310/83-84 Authority, Bordated 2-5-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (if of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 11-1-1985

(1) 1. Mr. L. C. Jain and 2. Mr. Lalit Ratadia.

(Transferor)

PART III -SEC. 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Renu Manohar Behrani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 11th January 1985

A. LAHIRI,

7380

Ref. No. AR-I/371-E/2481/83-84.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Office No. 104, Building No. 4, 1st floor, Lamington Road,

Bombay-400 008

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-5-1984

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair maret value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the mid property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation: -- The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the sak Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 104, Building No 4, 1st floor, Lamington Road. Bombay-400 008.

The Agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2317/83-84 Authority, Bo dated 3-5-1984

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesuld property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-1-1985

FORM ITNS----

(1) Smt. Roshan Ahmed Lilani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Saifuddie Fakruddin Bhuria.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37Ft/2482/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Flat No. 104, Shirin Manzil, Mazgaon, Bombay-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proprty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 104, Shirin Manzil, 1st floor, 18/24, St. Mary Road, Mazagaon, Bombay-10.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2318/84-85 dated 3-5-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afteresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. 1) the following persons, namely:-90---466GT/84

Date: 11-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-1/37ΕΓ/2485/83-84—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair mraket value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 106, 1st floor, Wing "F" Veena Beena Apartments. Acharya, Donde Marg, Sewii (W), Bombay-15 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gordhandas Shivehandrai Garodia.
 - (Transferor)
- (2) Shri Rali Fernandes and Shri Louis Fernandes.

(Transferce)

- (3) Shir Manuram Sharma.
 - (Person in occupation of the property)
- (4) Shii Naburam Sharma

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this ntice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Flat No. 106, 1st floor in Wing 'F", Veena Beena Apartments, Acharva Donde Marg, Sewri (West), Bombay-15.
The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-1/37EE/2320/83-84 dated 3-5-1984

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 11-1-1985

(1) Shri Gordbandas Shivchandrai Garodia.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Wahid Khan.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Smt. Sabiya Abdul Wahid. (Person in occupation of the property) (4) Sm.t Sabiya Abdul Wahid,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

A. LAHIRI.

A. LAFIERI.

Ref. No. AR-I/371 E/2486/83-84.—Whereas, I,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs 25,000/- and beating No. Rs 25,000/- and beating No. Flat No. 306, 31d floor in Wing F Veena Beena Apartments, Acharya Donde Marg, Sewri (West), Bombay-15

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceed she apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said, Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the followmg persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 306, 31d floor in Wing-F, Veena Beena Apartments, Acharya Donde Marg, Sewri (West), Bombay-15.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bordactd 3-5-1984. Bombay, under No . AR-I/37EE/2321/83-84

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Bombay

Date: 11-1-1985

Scul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref No AR-I/37EL/2487/83-84 - Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 25,000/- and bearing

Flat No. 502, 5th floor, F Wing, Veena Beena Apartments, Sewri (W) Bombay-15

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bembay on 3 5-1984

for an apparent consideration fair market value of the at an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value and . of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

-----Shri Gordhandas Shivchandrai Garodia.

(Transferor) (2) Smt Zubeda Abubakar Petiwala

(Transferee)

(3) Shit Kishot B Chhichhiya
(Person in occupation of the property)
(4) Shit Kishot B Chhichhiya

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property) (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noites in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazetto

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein ax are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 502, 5th floor F Wing, Veena Beena Apartments, Acharya Donde Marg, Sewri (West) Bombay-15.

The Agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay, under No AR-1/37EF/2322/84 85 Competent Authority, Bo dated 3-5-1984

> A. LAHIRI Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 11-1-1985

FORM TINK

(1) Mr. Mehbook Sabjal Sundrani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Mrs. Promila Bhalla.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY •

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2535/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Office No. 9R, 12th floor, Isldg. No. 3, Navjivan Co-op. Hsg. Society Ldt., Near Minerva Cniema, Lamnigton Road,

Bombay-8.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair that value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said materials of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue, of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 9, R, 12th floor, Bldg. No. 3, Navjivan Co-op. Hsg. Society Ltd., Near Minerva Chinema, Lamington Road, Bombay-400 008.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2394/83-84 dated 5-5-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 11-1-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 **BOMBAY**

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-1/37EE/2536/83-84.—Whereas, I, LAHIRI,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Office Premises No. 8(1108) 11th floor, 'ARCADIA' Nariman Point, Bombay-21 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

office of the Competent Authority at Bombay on 5-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— Mr. Rajiv Chandalia, Mrs. Manjula Chandalia.

(Transferor)

(2) M/s India Book Distributors.

(Transferce)

(3) M/s India Book Distributors.

(Person in occupation of the property)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetze or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 8 (1108) on the 11th floor of building ARCADIA' on Plot No. 195, Block III, Backbay Reclamation, Nariman Point, Bombay-21.

The Agreement has been engistered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/2395/84-85, dated 5-5-1984.

> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-1-1985

(1) M/s R. P. Traders.

(Transferor)

(2) Smt. Sumitra Gupta,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TA ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I '37EF/2539/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25.000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No.
No. Office Unit No. 6, 1st floor, 'Bharat Chambers' Baroda Street, Bombay-400 009

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Unit No. 6, 1st floor, 'Bharat Chambers' Baroda Street, Bombay-400 009.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2400/84-85, dated 8-5-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2542/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/No. Unit No. 210. A-1 Bldg., 2nd floor, Shah & Nahar Indl. Estate, Sitaram Jadhav Marg. Lower Parel, Bombay-13, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-5-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Tulsi Enterprises.

(Transferor)

(2) M/s Shital Enterprises.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 210, A-1 Bldg., 2nd floor, Shah & Nahar Indl. Estate, Sitaram Jadhav Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The Agreement has been regsitered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2403/83-84, dated 8-5-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. R-I/37EE/2555/83-84.—Whereas, I, A LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. Unit No. 140, 1st floor, Shah & Nahar Industrial Estate, A-1, Sun M'll Compound, Lower Parel, Bombay-13. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the

Competent Authority at Bombay on 8-5-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in of the transferor to pay use unuer transferor to any income arising from the trans transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Manju M. Lodha

(Transferor)

(2) Zahiruddin Vajihuddin Shaikh, Gyasuddin Bajiuddin Shaikh, and Mujibuddin Bajiuddin Shaikh.

(Transferce)

Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Unit No. 140, 1st floor, Shah & Nahar Industrial Estate, A-1, Sun Mill Compound, Lower Parel, Bombay-13.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2415/83-84, dated 8-5-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---91—466GI/84

Date: 11-1-1985 Seal:

(1) M/s Interfarma Distribution. Max Serum Institute of India.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISTION RANGE-1

BOMBAY Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/27EE/2556/83-84 - Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Apartment No. 101, 1st floor, Prasad Chambers, Opera

House, Bombay-4

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the competent authority at

Bombay on 8-5-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trapsfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for 17 19 - 7
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(2) 1. M/s Jain International

M/s Srim I Brothers.
 M/s Jain Diamonds Export Pvt. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Apartment No. 101, 1st floor, Prasad Chambers, Opera House, Bombay-4

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2416/84-85, dated 8-5-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1 **BOMBAY**

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-1/37ÉE/2571/83-84.--Whereas, I,

A. LAHIRI.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat No. 32, 5th floor, Madhuban Apartments, Worli,

Bombay-18, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 8-5-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said unstrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Laxmidevi Tayal.

(Transferor)

(2) M/s Mewa Vihar Private Ltd.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Nutan Madhuban Apartments CHSL. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persone, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 32, 5th oor, 'Madhuban Apartments, Plot No. 60-61, Worli Hill Scheme No. 58, Worli Bombay-400 018.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-I/37EE/242.5/84-85, dated 8-5-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, it. pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following dersons, namely :---

Date: 11-1-1985

FORM ITNS----

(1) Shah & Nahar Associates.

(2) Miss Sital Sukhraj Nahar (Minor).

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2573/83-84.--Whereas, I. A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No. Unit No. 218, 2nd floor, A-1, Shah & Nahar Indl. Estate,

Sitaram Jadhav Marg, Lower Parel, Bombay-23.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3-5-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer wish the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aushall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Unit No. 218, 2nd floor of A-1, Shah & Nahar Indl. Estate, Sitaram Jadhav Marg, Lower Parel, Bombay-23.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2333/83-84, dated 3-5-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 11-1-1985

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jain's Handloom Centre.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/57EE/2574/83-84.---Whereas, I. A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

and bearing No. Unit No. 351, 3rd floor, Shah & Nahar Indl. Estate A-1,

Lower Parel, Bombay-11,

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at

Bombay on 3-5-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment or any lacome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 351, 3rd floor in Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Dhanraj Mills Compound, Sitaram Jadhav Marg, Lower Parel, Bombay-11.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2332/84-85, dated 3-5-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-1-1985

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Pooja S Nahar (Minor).

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX, ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2575/83-84,--Whereas, I.

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Unit No. 220, 2nd floor, Shah & Nahar Industrial Estate

A-i building Lower Farel, Bombay-13, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3-5-1984, for an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument (uansfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Unit No. 220, 2nd floor of Shah & Nahar Industrial Estate. A-1 bldg., Lower Parel, Bombay-13.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2334/84-85, dated 13-5-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-1-1985

Soal:

FORM ITNS ----

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX AC F, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Nahar Dimple Sukhraj (Minor).

(liansferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2576/83-84.--Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 48, 25,000 and bearing No Unit No. 218A 2nd floor, Shah & Nahar Indl. Estate, A-1, Sitaram Jadhay Marg. Lower Parel, Bombay-13, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the offict of the Competent Authority

at Bombay on 8-5-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the vaid instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this motice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same maening as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 218A, 2nd floor in Shah & Nahar Indl. Estate, A-1. Sitaram ladhav Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2315/83-84, dated

> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this retice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:-

Date: 11-1-1985

Seal:

8-5-1984.

(1) Mr. Shyamkumar Hassanand Gehi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Maheshkumar B Parekh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Rof. No. AR-I/37EE/2585/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Flat No. 803, Building No. A, Bhagnani CHSI, Duncan

Causeway Road, Chunabhatti, Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 8-5-1984,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 803, Building No A, Bhagnani CHSL, Duncan Causeway Road, Chunabhatti, Bombay-22.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR I/37EE/2432/84-85, dated 8-5-1984

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-1-1985

FORM I.T.N.S .--

(1) R. T. Mehta Construction Co,

(Transferor)

(2) Malti Shyam Gahlot.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-F BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2587/83-84.--Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 102 in Vikas Bldg. Junction of Anant Ganpat Pawar Lane & Chinchpokli Cross Road, Byculla, Bombay-27, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Convetent Authority at

Bombay on 8-5-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

\$2-466GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the vaid property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102 in Vikas Bldg. Junction of Anant Ganpat Pawar Lane and Chinchpokli Cross Road, Byculla, Bombay-27.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/2338/84-85, dated 8-5-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-1-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. R-1/37EE/2593/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Gala No. 107, 1st floor, A-2 Bldg, Shah & Nahar Indus-

trial Estate, Lower Parel, Bombay-13.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 8-5-1984,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideraton therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or exasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dhanraj Mills Private Limited.

(Transferor)

- (2) Unitech Corporation, by its partners.
 - 1. Mumtaz Husain Shaikh and
 - 2. Imitaz Husain Shaikh.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the ald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 107, 1st floor, A-2 Bldg., Shah & Nahar Industril Estate, Lower Parel, Bombay-13.

The Agreement has been registeerd by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2437/83-84, dated 8-5-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-1-1985

_______ FORM ITNS-

(1) Smt. Satwantkaur Amirsingh.

(Transferor)

(2) Shri Gurvindersingh Jaswantsingh. Shri Satpalsingh Jaswantsingh

(Transferce)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2599/83-84.—Wheeras. I.

A. LAHIRI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 12, 3rd floor, 'The Owners House Co-op Housing Soc. Ltd' Koliwada (E) Bombay-22. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 7-5-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiect of : transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective to sons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said to movable property, within 45 days from the date of property, publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used mercin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 3rd floor, 'The Owners House Co-op Hsg. Soc. Ltd.' Plot No. 169, Koliwada (E) Bombay-22.

The Agreement has been registed by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2204/84-85, dated

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-1-1985

FORM ITMS-

(1) Shah & Nahar Associate.

(Transferor)

(2) Nahar Ajay Kumar Sukhraj (Minor).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2600/83 84.--Whereas, I, A, LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing no.

No. Unit No. 219B, 2nd floor, Shah and Nahar Indl. Estate A-1, Sharam Jadhav Marg, Lower Parel, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Inc. and a 1961, in the office of the Computer Authority at Bombay on 7-5-1984,

of an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New: therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 219B, 2nd floor in Shah and Nahar Indl. Estate A-1, Sitaram Jadhav Marg, Lower Parel, Bombay. The Agreement has been registeerd by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2205/83-84, dated 7-5-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER . OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Rombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2601/83-84.—Wheeras, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 1349. Building No. 47, MIG Adarsh Nagar,

Worli, Bombay-25.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 7-5-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeszlú property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :--

(1) Mr. K. V. Kulkarni.

(Transferor)

(2) Mr. Mustan T Kagalwala.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) MIG Adarsh Nagar CHSL.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are Jefined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given a that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1349, Building No. 47, MIG Adarsh Nagar, Worli, Bombay-25.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. R-I/37EE/2206/84-85, dated the Competent 7-5-1984.

> . Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-1-1985

(Person in occupation of the property)

FORM ITNS

(1) Shri Devendra N. Shah Shri Vijay Ratilal Shah

(Transferor)

(2) M/s Auto Arts Prop. Sri Sevantilal B Shah

(3) Transferee

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.I/37EE/2602/83-84.-Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. Office No. 19, 8th floor, Building No. 3/819, Navjivan

Society Tomington Road, Bombay-8

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other prison interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 19, 8th floor, Building No. 3/819, Navjivan society, Lamington Road, Bombay-400 008.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/2207/84-85 dated 7/5/1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11/1/1985

The second secon

FORM ITNS

(1) Om Pra a 12 Navani Pnocl Om Prakash Navani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kirti Kantilal Jain

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AP.I/37EE/2609/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 2593 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair mark t value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 202, 2nd Floor, Jamuna Niketan, Manav Mandir Road, Bombay-6.

(and more fully described in the Scheda'e arreved hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 7/5/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd Floor, Jamuna Niketan, Manav Mandir Road, Bombay-6.

The Area was has been registered by the Competent Area in Prince Brinkin under No. AR.I/37EE/2214/84-85 dated 7/5/1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date : 11/1/1985

Seal:

93-466GI/84

FORM I.T.N.S .---

(1) M/s. Ramnikial & Sons

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Meena B Mehta

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, ROMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.I/37EE/2610/83-84.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Office Premises No. 614, 6th floor, Majtstic Shopping Centre, 144, 188. Read, Bombay-4. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the of the Competent Authority at Bombay on 7/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to elieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- ta) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transfefor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 18th Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- period (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Art, shall have the same meaning as given is that Chapter

THE SCHEDULE

Office Premises No. 614, 6th floor, Majestic Shopping Centre, 144, J.S.S. Road, Bombay-4.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/2215/84-85 dated 7/5/1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11/1/1985

PART III -SEC. 1]

FURM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Talit M Ratadia

(1) Shri Chunnılal Jamnadas Kapadia

(Transferor)

(2) Shri Lalit M Ratadia Shri Lalchand G Jain

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2623/83 84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 o 1961) (hereinafter reter,ed to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Office No. 112, Building No. 4, Navjivan Society, Lamington

Road, Bombay-8.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under the form 169AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Compount Authority at

Bombay on 1/3/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the particle has not one independent of the said restrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meaning from the transfer; and low

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other a sets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforeseid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 112, Building No. 4, Navjivan Society, Lamington Road, Bombay-8.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/2225/84-85 dated 7/5/1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 11/1/1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The state of the s

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L RGMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2633/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinatter reterred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Office Premises No. 28, 11th fl. Navjivan Society, Lamington Road. Bombay-8.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent authority as

Bombay on 16-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Plant pur se a of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue or this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, amner, . --

(1) Mis. Jagdienkumari J Khanna Mr. Kisi arkpand D Mehra Mrs. Kamlavati K Mehra

(Transferor)

(2) Mr. Sudhindra S Gyani Masici Manish S Gyani Masici Manish S Gyani Mr. S. S. Gyani

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable. Depenty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, snall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 28, 11th fl. Navjivan Society, Lamington

The Agreement has been registered by the Competent Autho.ity, Bombay under No. AR-I/37EE/2264/84-85 dated 16/5/1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11/1/1985

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) M/s. Veena Beena Enterprises

(Transferor)

7409

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Stabai Manmal Shah & Shri Jayantilal M. Shah

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2637/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reson to believe that

the immovable property having a fur market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. E/202, 2nd floor, Veena Beena Apartments, A. D.

Marg, Sewri (West), Bombay-15.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-ax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov. able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein ** are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. E/202, 2nd floor, Veena Beena Apartments, A. D. Marg, Sewri (West), Bombay-15,

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/2267/83-84 dated 16/5/1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 11/1/1985

FORM ITNS----

(1) M/s. Veena Beena Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Faridabanu M. Chandiwala

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACJUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2638/83-84.--Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-

Flat No. 404, 4th floor in Wing-A Veena Beena Apartments, A. D. Road, Sewri (West), Bombay-15.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hebility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentraent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee fo the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the paid Act, or the Wealth-tur Act. 1957 (27 of 1959):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404, 4th floor in Wing-A Vcena Beena Apartments, A. D. Road, Sewri (West), Bombay-15.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/2268/83-84 dated 16/5/1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L, Bombay

Date: 11/1/1985

Ţ

(1) M/s. Cozyhome Builders

(Transferor)

(2) Shri Jayant Krishnaji Athavle Smt. Lalita Jayant Athavle

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-1/37EE/2641/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and hearing

Rs. 25.000/- and bearing
Flat No. 11, 1st floor, 'Peter Marcel' Building, Plot No. 941 & 941A, Prabhadev', Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the of the Competent Authority at Bombay on 16-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propert and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A.t. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

And the last of th

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exputes later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 1st floor, 'Peter Marcel' Building, Plot No. 941 & 941A, Prabhadevi, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/2270/84-85 dated 16/5/1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 11/1/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

THE RESERVE OF THE PROPERTY OF

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2646/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Office Premices No. 413, Anant Deep Chambers, Narsi Natha

Street, Bhat Bazar, Bombay-9.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the rarties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect or any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been a which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tus Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the ssue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ganshi Ranmal Shah

(Transferor)

(2) M/s. Shree Ram Agency

(Transferee)

(2) M/s. Shree Ram Agency (Person in occupation of the property)

THE RESERVED AND THE RESERVED AND THE PERSON OF THE PERSON

(2) M/s. Three Ram Agency
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or asperiod of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 413, Anant Deep Chambers, Narsi Natha Street, Bhat Bazar, Bombay-9.

The Ar eement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/2442/84-85 dated 16/5/1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 11/1/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONED. OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2654/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing Flat No. 11. Vijavonand Co-op. Housing Society Itd., Plot No. 267. Scheme No. 6, Road No. 31, Sion, Bombay-22. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority-at

Bombay on 19/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said set, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

94--466G/84

- (1) Mr. Bhanushankar Rewashanker Trivedl
 - (Transferor)
- (2) Sha Naranji Lalji Khona Pratapral Lalji Khona

(Transferec)

(4) Transferor

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, Vijayanand Co-op. Housing Society Ltd., Plot No. 267, Scheme No. 6, Road No. 31, Sion, Bombay-22.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/Deemed 39/83-84 dated 19-5-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 11/1/1985

(1)M i. Yasmin Corporation

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Shreedhar Engineering Works

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

said (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in

Bombay, the 11th January 1985

Official Gazette,

Ref. No. AR-I/37FF/2655 83-84,-Whereas, L.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Λ. Ι ΛΗΙΚΙ. being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

und beating No.
Unit No. 203, 2nd floor, Creative Industrial Centre, Lower Paiel, Bombay-11 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 16-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly, state d in the Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Unit No. 203, 2nd floor, Creative Industrial Centre, N. M. Joshi Maig, Off Lower Parel Division, Bombay-11.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/2448-84-85 dated

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L, **Bombay**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11/1/1985

Mrs. Florida Amelina Souza-Lewis

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Feroza S Mehta

(3) Transferots

(1) M1. Altred John Souza-Lewis

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-1/37EE/2659/83-84,—Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 2, 2nd floor, Kismet Parkhouse, Wodehouse

Road, Colaba, Bombay-5,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to he undersigned-

(Person in occupation of the property)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 2, 2nd floor, Kismet Parkhouse, 81, Wodehouse Road, Colaba, Bombay-5.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/Deemed 75/84-85 dated 20-5-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Agt, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afteresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11/1/1985

FORM LT.N.S .-

(1) R. T. Mehta Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shantibai H Jain, Hastimal S Jain

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2660/83-84.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 102, 'Nitin' Bldg. Bombay-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 102, 'Nitin Building', Junction of Anant Ganpat Pawar Lane & Chinchpokli Cross Road, Bombay-27.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/2450/84-85 dated 16/5/1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-L,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11/1/1985

Scal:

ग्यू ५८

ł,

(1) Smt. Hansaben Chunilal Kapadia

(Transferor)

(2) 1. Shri Lalchand G. Jain and2. Shri Lalit Ratadia

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISTION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2665/83-84.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Office No. 110, Bldg. No. 4, Navjivan Society, Lamington Road, Bombay-400 008.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the surposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immereable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Office No. 110, Bldg. No. 4, Navjivan Society, Lamington Road, Bombay-400 008.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/2455/83-84 dated 16/5/1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Dato: 11/1/1985

4

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THF INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-1/37EE/2668/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

Flat No. 44, 4th floor, Venus Apartment belonging Twin Star Venus Co-op. Hsg. Society Ltd., 40, Cuffe Pareade, Coalba, Bombay-400 005,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely :---

(1) Priyakant Prahlladrai Parekh

(Transferor)

(2) 1. Manish N. Voraa,2. Mrs. Gopa M. Vora, and3. Kirah N. Vora

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this days from the service of notice on the respective days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 44, 4th floor, Venus Apartment belonging to Twin Star Venus Co-op. Hsg. Society Ltd., 40, Cuffe Parade, Coalba, Bombay-400 005.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/2482/83-84 dated 16/5/1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Bombay

Date: 11/1/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-1/37EE/2669/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No.

Hat No. 11, 2nd floor, Mahesh Villa, 85, B. G. Kher Road, Worli, Bombay-400 018.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office

of the Competent Authority at-Bombay on 16-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Hari Mohan Bhatnagar

(Transferor)

(2) Mrs. Asha Shailendra Bhatnagar

(Transferee)

(3) Transferce

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 2nd floor, Mahesh Villa, 85, B. G. Kher Road, Worli, Bombay-400 018.

The Agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-I/37EE/2226/83-84 dated 16/5 1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 11-1-1985.

(1) M/s Viraki Bros.

(Transferor)

(2) M/s. G. K. Bros.

(Transferee)

NOTICE UNDER LECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) M/s. G. K. Bros.
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2671/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Rs. 25.000/- and bearing No Shop No. B-1, Sharda Chambers No. 2, Bhat Bazar, Bombay-9.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 16-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fuz market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. B-1, Sharda Chambers No. 2, 27-A, Keshavji Naik Road, Bhat Bazar, Bombay-9.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/2227/84-85 dated 16/5 1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-1-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2672/83-84.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No Office Premises No. 11, 3rd fl. Yeshwant Chambers, B

Bharucha Marg, Bombay-1,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 16-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--95-466GI/84

(1) M/s Bhatt Brothers

(Transferor)

(2) M/s Paper Udyog

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 11, 3rd floor, Yeshwant Chambers, B Bharucha Marg (Military Square Lane) Bombay-1.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/2228/84-85 dated 16/5/1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-1-1985.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- Ettitude ..

(Transferor)

(2) Santoshkumar Jabarmal Chaudhury Kantadevi Vimalkumai Chaudhury

(1) Kalpana Pramod Shah

(Transferee)

(3) Kalpana Pramod Shah (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Rcf. No. AR-I/37EE/2674/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and beating

Shop No. 36, 1st floor, Bhangwadt Shopping Areade Bhangwadt, Bombay-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 16-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '---

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period & 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) faculitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the taid Act, to respect of any income arising from the transfer, and 'or
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 36, 1st floor, Bhangwadi Shopping Arcade, Bhangwadi, Bombay-2,

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/2230/84-85 dated 16-5-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 11-1-1985

FORM ITNS———

(1) Dhanrai Mills Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) United Corporation

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Rcf. No. AR-I/37EE/2677/83-84.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Gala No. 107, 1st floor, A-2 bldg., Shah & Hahar Indl. Estate, Lower Parel Bombay-13,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Autho-

Bombay on 16-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or

(b), facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHUDULE

Gala No. 107, 1st floor, A-2 building, Shah & Nahar Industrial Estate, Lower Parel, Bombay-13.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No AR-I/37EE/2233/84-85 dated 16-5-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-1-1985

(1) Dhanraj Mills Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Firoze Fardurji Minbatiwala Zarin Firoze Minbatiwala

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2678/83-84.--Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.

Gala No. 106, 1st floor, A-2 building, Shah & Nahar Industrial Estate, Lower Parel, Bombay-13
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 16-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192? (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No 106, 1st floor, A-2 building, Shah Nahar Industrial Fstate, Lower Parel, Bombay-400 013.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2234/84-85 dated 16-5-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-1-1985

TO THE TENERS FROM THE PROPERTY WITHOUT WAS A THE TOTAL OF THE TOTAL OF THE SECTION OF THE PROPERTY OF THE PRO

(1) Yasmin Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Best & Crompton Engg. Limited.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMP-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-1/37FE/2682/83-84 -- Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Unit No. 4 on the basement, Creative Industrial Centre' Off Lower Parel, Bombay-11,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Secstion 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Dombay on 16-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tox under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the saul Act or the Worlth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a periou of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 4 on the basement in the building 'creative Industrial Centre' Plot No. 12, C.S. No. 72, N.M. Joshi Marg, Off Lower Parel Division, Bombay-11.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2237/84-85 dated 16-5-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-1-1985

Soal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2684/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 8, Sindhu, Shikaruri CHSL, Netaji Subhash Road, Bombay-2

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 16-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Ghanshamdas I Bajaj
 - Gopal G Bajaj
 Madhi G. Bajaj
 - 4, Srichand G. Bajaj
 - Kumar G Bajaj
 - 6. Smt. Lila G. Bajaj

(Transferor)

(2) 1. Suresh Nanalal Kothary

Mrs. Snehalata Suresh Kothary
 Pratik Suresh Kothary

(Transferee)

(3) Transferees

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) oy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 'Sindhu' Shikarpuri Co-op. Housing Soc. Ltd., 87 Netaji Subhash Road, Bombay-400 002.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-1/37EE/2239/84-85 dated 16-5-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-1-1985

- (1) Associated Construction Company
- (Transferor)
- (2) Shri Damji Akha & Shri Chapsi Akha

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1983

Ref. No. AR-I/37EE/2693/83-84.—Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 29, Gr. floor, 'Shalimar Shopping Centre' Colaba, Bombay-5 (and more fully decembed in the Colaba, Bombay-5)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Autho-

Bombay on 16-5-1984

and or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of hte liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 29, Ground floor, Shalimar Shopping Centre, Lala Nigam Road, Colaba, Bombay-400 005.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2246/84-85 dated 16-5-1984.

Competent Authority Inspecting Asatt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-1-1985

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2694/83-84.—Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Unit No. 110, 1st floor, Narayan Udyog Bhavan, Lalbaugh, Bombay-13

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer and the agreement is registered under Section 269AB of the the Competent Authority at

Bombay on 25-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Lalchand Amarchand Mody

(Transferor)

(2) Shri Arvind Shankarlal Panchal, Prop. of M/s. Arvind Panchal & Bros.

(Transferce)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

(4) Patel Housing Finance & Const. Pvt. Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Service Unit No. 110, 1st floor, Naravan Udyog Bhavan, Dr. B. Ambedkar Road, I albagh, Bombay-12.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/Deemed 59/84-85 dated 25-5-1984.

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2698/83-84.--Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 503, 5th floor, F Wing, Veena Beena Apts., Sewri (W) Bombay-15

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer and the agreement is registered under Secstion 269AB of the

Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Autho-

Bembay on 16-5-1984

for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-96-466G/84

(1) Shri Gordhandas Shiychandrai Garodia

(Transferor)

(2) Yasmin B Shaikh Waheeda G. Shaikh

(Transferee)

(3) Shri Gayasuddin B. Shaikh

(Person in occupation of the property)
(4) Shri Gayasuddin B. Shalkh

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 503, 5th floor, Wing 'F' Vcena Beena Apartments, Acharya Donde Marg, Sewri (W) Bombay-15.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2249/84-85 dated 16-5-1984.

A. LAHIRI

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-1-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2699/83-84.--Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat No. 504, 5th floor, Wing-F, Veena Beena Apartments,
Acharya Donde Marg, Sewri (West), Bombay-15
(and more fully described in the Schedule annexed here 6)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 46-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Gordhandas S. Garodia
- (Transferor)
- (2) Asiya Begum B. Shaikh, and Tajuddin B. Shaikh (Transferee)
- (3) Shri Shaikh Zahiruddin V. (Person in occupation of the property)
 (4) Shri Shaikh Zahiruddin V.
 - (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 504, 5th floor, in Wing-F, Veena Beena Apartments, Acharya Donde Marg, Sewii (West), Bombay-15.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2250/83-84 dated 16-5-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-1-1985

Scal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2700/83-84.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flat No. 602, 6th floor, Wing 'F', Veena Beena Apartments, Acharya Donde Marg, Sewri (West), Bombay-15 (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 16-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of uansfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Gordhandas Shivchandrai Garodia

(Transferor)

(2) Shri Mohamed Siddick H. Esmail and Shri Anjum Mohamed Siddick

(Transferce)

(3) Shri Pratap Mavji

(Person in occupation of the property)
(4) Sari Pratap Mavji

(Person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The and terms expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602, 6th floor, Wing 'F', Veena Beena Apartments, Acharya Donde Marg, Sewri (West), Bombay-15.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2251/83-84 dated 16-5-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-1-1985

FORM NO. I.T.N.S.----

(1) Shri Gordhandas S. Garodia

(Transferor)

(2) Sh. Lalii Shivii Makwana.

(Transferce)

(3) Smt. Nirmala Lalji Makwana (4) Smt Nirmala Laljı Makwana

(Person in occupation of the property)

(Person whom the under signed knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th Jahuary 1985

Ref. No. AR-1/37EE/2701/83-84.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flat No. 606, 6th floor, "F" Wing, Veena Beena Apartments, Acharya Donde Maig, Sewri (West), Bombay-15 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 16-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the salu Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. 606, 6th floor, in "F" Wing, Veena Beena Apartments, Acharya Donde Marg, Sewii (West), Bombay-15.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2252/83-84 dated 16-5-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-1-1985 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2702/83-84.—Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 303, 3rd floor in "F" Wing, Veena Beena Apartments,
Acharya Donde Marg, Sewri (W), Bombay-77
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
her here there therefored and the convergence is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act m respect of any income arising from the transfer; and]or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sakl Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the s Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Gordhandas Shivchandrai Gerodia

(Transferor)

(2) Smt. Hayatıbi Mohamed Hyder Hussain

(Transferee)

(3) Shri Narendra G. Negandhi

(Person in occupation of the property)
(4) Shri Narendra G. Negandhi

(Person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor in "F" Wing, Veen Beena Apartments, Acharya Donde Marg, Sewri (West), Bombay-77.

Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2253/83-84 dated 16-5-1984. The Agreement has been registered by the Competent

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shah & Nahar Associates

(Transferor)

(2) Royal Exports

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2705/83-84.---Whereas, I, A, LAHIRI,

As LATINI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing

Unit No. 348 on 3rd floor in Shah & Nahar Indl. Estate A-1,

Lower Parel, Bombay-13

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the

Competent Authority at Bombay on 16-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette. within 45 days from the date of

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 348, 3rd floor in Shah & Nahar Indl. Estate A-1, Sitaram Jadhav Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/2280/84-85 dated 16-5-1984.

A LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-1-1985 Seal:

(1) Shah & Nahar Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis Anita B Harisinghani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2706/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

J

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000|and bearing

Unit No. 425, 4th floor in Shah & Nahar Indl. Estate A-1,

Lower Parel, Bombay-13

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 425 on 4th floor in Shah & Nahar Indl. Estate A-1, Sitaram Jadhav Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No AR-I/37EE 2281 84-85 dated 16-5-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2716/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'and Act'); have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 4-B, Navaltuch Apartments, 23, Y.M.C.A. Road, Bombay-8

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer and the agreement is registered under Secstion 269AB of the

Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Autho-

Bombay on 16-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mr. Shabbirbhai Tayebali Merchant Mr. Gulamhusein Tavebalv

(Transferor)

- (2) 1. Mr. Quresh Abbashhai Miyasaheb 2. Mr. Shoeb Abbasbhai Miyaji
 - 3. Mr. Shabbir Abbasabhai Miyasaheb.

(Transferee)

(3) Transferors

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The 'terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4-B, Navaltuch Apartments, 23, Y.M.C.A. Road, Bombay-400 008.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2289/84-85 dated 16-5-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

1

Date: 11-1-1985

Scal :

ţ

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Shaukatali Suleman

(Transferor)

(2) M/s. Celice Investment & Trading Co. Pvt. Ltd. (Transferee)

(3) Tenants

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2723/83-84.—Whereas, 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Land bearing C.S. No. 230 of Byculla Division, alongwith buildings, sheds, structures godowns standing thereon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 16-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

47-466f/84

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

THE SCHEDULE

Land bearing C.S. No. 230 of Byculla Division, admeasuring 3334 sq. yds., alongwith buildings, sheds, structures and godowns standing thereon, situate at Dimtikar Road, Bombay. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/2294/84-85 dated 16-5-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-1-1985

(1) M/s. M. K. M. Industries

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Semco Engineers

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-1/37EF/2727/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Indl. Unit No. 215-A, 2nd floor, "Shah & Nahar Indl. Estate (A-1), Dhanraj Mill Compound, Lower Parel, Bombay-13 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Indl. Unit No. 215-A, 2nd floor, "Shah & Nahar Indl. Estate (A-1), Dhanraj Mill Compound, Lower Parel, Bombay-13. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EF/2459/83-84 dated 25-5-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-1-1985

Scal:

(1) Smt. Vimla Kamalchand Kothari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Amzel Automotive Limited.

_ .

(3) Transferor

(Transferce)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Rcf. No. AR-J/37FE 2738/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Premises Shop No. 6-A. Ground floor, 'Marshall Apts', Junction of Pan Galla & August Kranti Marg, Bombay-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement 15 registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises beating Shop No. 6-A, Ground floor, 'Marshall Apartments, function of Pan Galli And August Kranti Marg, Bombay-6.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2467/83-84 dated 25-5-1984,

A. LAHIR!
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-1-1985

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following prions, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-1/37EE/2739/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Shop No. 6-B, Mezzanine floor, 'Marshall Apartment' Junction of Pan Galli & August Kranti Marg, Bombay-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 25-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, 'o the followmg persons, namely :-

- (1) Smt. Vimla Kamalchand Kothari
- (Transferor)
- (2) Amzel Private Limited.

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6-S, Mczzanine Floor, 'Marshall Apartment', of Pan Galli and August Kranti Marg, Bombay-6.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/2468/83-84 dated 25-5-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-1-1985

Soul :

(3) Transferee

FORM ITNS---

(1) M/s. Tradex (through partner Shri Mansukhlal Devrai, Shah

(2) M/s. Ras Diamonds & Gems. (Pvt.) Ltd.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985 Ref. No. AR-1/37EI-, 2741/83-84 —Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Office No. 609, 6th floor, Plasad Chambers, Near Opera

House, Bombay-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reaseon to oclieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than differen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(Person in occupation of the property)

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 609, 6th floor, 'Prasad Chambers' Near Roxy Cinema, Bombay-400 004.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2469/84-85 dated 25-5-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 11-1-1985

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-1/37EE/2745/83-84.—Whereas, I. A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Unit No. 214, 2nd floor, Sun Indl. Estate, Sun Mill Compound, Bombay-13

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Mukta V Mehta. Mrs. Rajul K Mehta

(Transferor)

(2) M/s. Jamnadhar Vijaykumar.

(Transferee)

h3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the ordinal Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 214, 2nd floor, Sun Industrial Estate, Sun Mill Compound, Lower Parel, Bombay-13.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/2472/84-85 dated 25/5/1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 11-1-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37E1:/2748/83-84.-Wherens, I. A. I.AHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. Flat No. 3-B, Navuliouch Apartments, YMCA Road, Bom-(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the vaid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr. Abdullah Asgeraly Baker Mrs. Farmana Zafai Vasi

(Transferor)

(2) 1. Mr. Abdul Haq Khan Mrs. Qamar Bano Khan,
 Mr. Qamuul Haq Khan,
 Mr. Zafrul Haq Khan

(Trausferce)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same moaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3-B, Navaltouch Apartments. 23, Y.M.C.A. Road, Bombay-8.

Agreement has been registered by the Competent Bombay, under No AR-1/37EF/2475/84-85 Authority, Bomb dated 25/5/1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I,

Date: 11-1-1985

Scal:

FORM 1.T.N.S

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-I'AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Homi Sheriai Irani Neigis Homi Irani

(Transferor)

(2) Shri Amratlal Uttamlal Shah Smt. Kantaben Amratlal Shah

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-1/37EE/2749/83-84.—Wheream, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Flat No. 37, A Building, 2nd fl. Bharat Nagar, Grant Road, Bombay-7

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plat No. 37, A Building 2nd floor, Bharat Nagar, Grant Road, Bombay-400 007.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37FE/2476/84-85 dated 25/5/1984

A. LAHIRI
Competent Authorit
Inspecting Assist int Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 11/1/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQLISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2750/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Basement Nos. 1 & 2, Basement floor, Steel Chambers, Bombay-9

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Component Authority at Bombay on 25/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the soresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

98-466GI/84

(1) M/s Indo Salgon Agency Prop. Mr. Gobind M Daryanani

(Transferor)

(2) M/s N. J. Enterprises, Prop. Mrs. Neela Arunkumar Madhalam (Transferce)

(3) M/s. R. Tulsidas & Co.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement Nos. 1 & 2, Basement floor, Steel Chambers, Broach Street, Bombny-400 009.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/2477/84-85 dated 25/5/1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
respecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date : 11-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2770/83-84.—Whereas I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No.I-1. 5th floor of Family House, Dadar Matunga

Fstate, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 30/5/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

-- This is the water water (1) Ramesh Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Hoshang Nariman Khambatta Mis. Meher H Khambatta,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. J-1, 5th floor of Family House, Plot No. 794, Jame Jamshed Road, Dadar Matunga Estate, Bombay-14.

The Agreement has been registered by the Competent inhority, Bombay, under No. AR-1/37EE/2494/84-85 Authority, Boml dated 30/5/1984,

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 11-1-1085 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37LE/2773/83-84.—Whereas, I. A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Land adm. 3334 sq. yds. bearing C.S. No. 230 of Byculla Division, alongwith buildings, sheds structures & godowns. situate at Bellasis Fload,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any inoneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) H.H. Sayedna Mohamed Burhanuddin Saheb.

(2) Mr. Shaukatali Suleman.

(Transferor) (Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing C.S. No. 230 of Byculla Division, adm. 3334 sq. yds. along with buildings, sheds, structures and godowns, standing thereon, situated at Bellasis Road, also known as Dimtikar Road, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/2497/84-85 dated 25/5/1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay.

Date: 11-1-1985

(1) Dhanraj Mills Private Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shakuntala Jagdish Shah Smt. Kanchan Taramal Jain

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2777/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Gala No. 120, 1st floor, A-2, Shah & Nahar Indl. Estate, Lower

Parel, Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 120, 1st floor, A-2 Shah & Nahar Industrial Estate, Lower Parel, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authorities.

Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/2499/84-85 dated 25/5/1984.

A. LAHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date: 11-1-1985

Seal.

Smt. Indiraben Dolatrai Desai Shri Raj Dolatrai Desai Shri Sanjiv Dolatrai Desai

- (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY,

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-1/37EE/2780/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. Flat No. 74, 8th floor, 'Deepak' Rock Castle CHSL, G.D.

Marg, Bombay-26

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25/5/1984 the Office of

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

(2) 1. Shri Harnish Jeshinglal Zaveri 2. Smt. Swati Harnish Zaveri.

(Transferce)

(3) Transferois

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

Explanation:—The terms and expressions used bereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 74, 8th floor, 'Deepak' Rock Castle CHSL, G.D. Marg, Bombay-400 026.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2502/84-85 Authority, Bomb dated 25/5/1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

Date: 11-1-1985

Seal:

130 : -

(1) M/s. Padma Development Corpn.

(Transferor)

(2) Dattatrai M. Govilkar

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY.

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-1/3 EE/2790/83-84.--Whoreas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

413, Padmavati Apts., (Proposed), Parel Village, Flat No.

Bombay-400 012

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25/5/1984

for an apparent consideration which is less than the tait market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 ef-1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 413, Padmavati Apartment (Proposed) in Parel Village, Bombay-400 012.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bondated 25-5-1984. Bombay, under No AR-I/37EE/2511/83-84

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 11-1-1985

(1) M/s Parasmani Trading Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kumarpal Balubhai Jhaveri Smt. Aruna Kumarpal Jhaveri

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY.

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-1/37EE/2793/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Office Premises No. 1314, 13th floor, Prasad Chambers Premises CHSL. Opera House, Bombay-400 004 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25/5/1984 for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

said exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and ot

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office Premises No. 1314, 13th floor, Prasad Chambers Premises Co-op. Housing Society Ltd., Tata Road No. 2, Swadeshi Mill Compound, Opera House, Bombay-400 004

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2513/84-85 dated 25/5/1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY.

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-1/37EE/2794/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat No. 50, 7th floor, Dariya Muhal Co-op. Housing Society Ltd., 80, Nepean Sea Rd., Bombay-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25/5/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to

het value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Kasturbai Madhavdas & Smt. Minaxi Morarji (Executor of Shri Morarji Madhavdas) (Transferor)

(2) 1. Shri Dineshchandra Shah,2. Mrs. Jasuben Dineshchandra Shah

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION 1—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 50, 7th floor, Dariya Mahal Co-op. Hag. Society Ltd., 80, Nepean Sea Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2340/83-84 dated 25/5/1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the sauc of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

Date : 11-1-1985

(1) Mr. Shantilal P Mehta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY.

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2796/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Room No. 13, 4th floor, Mukti Chaitanya CHSL, Samuel Street, Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

99—466GI/84

(2) M/s Navketan Enterprises, Partners;

M). Rajendia K Doshl
 Mr. Sushilkumar Jain

3. Mr. Mansukh B Sanghvi

(Transferee)

(3) Transferees

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 13, Mukti Chaitanya Co-op. Housing Society Ltd., 236/238, Samuel Street, 4th floor, Bombay-3.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay. under No AR-1/37EE/2342/84-85 dated 25/5/1984.

A. LAHIRI
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date: 11-1-1985

(1) M/s Kohinoor Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ajit Digambar Karnik

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY.

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2803/83-84.—Whereas, I. A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Flat No. 4, 4th floor, Kohinoor Apartment, Dadar, Bombay-28 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 25/5/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respec, of any income arising from the transfer: and for 9.92017
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely ;---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned !--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used berein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 4th floor, Kohinoor Apartment, Baburao Parulekar Marg, Dadar. Bombay-28.

The Agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2346/84-85 Authority, Bondated 25-5-1984.

1歳 夏3 四1 4 5

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L Bombay.

Dated: 11-1-1985

Seal ·

(1) Mr. Bipin E Mullaji & Mrs. Kokila B Mullaji (Transferor)

1 NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY.

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2804/83-84.—Whereas, 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceding Rs. 25,000/and bearing Flat No. 8, 1st floor, Anand Nivas, Churchgate, Bombay-400 020

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and Οľ

(b) facilitating the concealment of any income or 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Mr. Sunderji Khetsi Shah Mrs. Manujia Sunderji Shah Master Ashwin Sunderji Shah Master Ojas Sunderji Mehta

(Transferce)

(3) Transferees

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 et

Flat No. 8, 1st floor, Anand Nivas, 25 'A' Road, Churchgate, Bombay-400 020.

The Agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2347/84-85 Authority, Bomdated 25-5-1984,

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Rombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-1-1985

(1) Mohanlal Tulsidas Bhatia

(Transferor)

(2) Mavechand Akhaji Sanghvi

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY.

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2805/83-84.—Whereas, I. A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Block No. 201, 2nd floor, Bharat Nagar, E/2 building, Grant Road, Bombay-7

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as accept to believe the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 201, 2nd floor, Bharat Nagar, E/2 building, 342, Grant Road, Bombay-400 007.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2348/84-85 dated 25/5/1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11/1/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1261)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY.

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2807/83-84. -Whereas, I. A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imme able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,009/and bearing

Room No. 107, Rex Chambers, Walchand Hirachand Marg,

Bombay-38

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25/5/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen yer cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt Shanta Nanikram Jagasia

(Transferor)

(2) Marathan Shipping Combine

(Transferce)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 107, Rex Chambers, Walchand Rirachand Marg, Bombay-38,

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2350/84-85 dated 25/5/1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 11/1/1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY.

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2810/83-S4.—Whereas, f. A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

rand bearing. Flat No. 54 D, Dial Mahal, Cusse Parade, Bombay-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such opparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of. 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Benedict Joseph Fernandes Mrs. Feryl Benedict Fernandes

(Transferor)

(2) Mr. Pradip Harkisondass Dalal

(Transferee)

(3) Transferce

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 54D, 5th floor, Dial Mahal, Dalamal Park, 223, Cuffe Parade, Bombay-400 005.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/2352/84-85 cated 25/5/1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date: 11/1/1985

Scal :

(1) Senmit Investment Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY,

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-1/37LE/2832/83-84.—Whereas, I. A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Unit No. 513, Raheja Centre, Free Press Marg, Nariman Point, Bombay-21

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(2) Gupta Tubes & Pipes Pvt. Ltd.

(Transferec)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 513, Raheja Centre, Free Press Marg, 214, Nariman Point, Bombay-400 021.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2364/84-85 dated 25/5/1984

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date: 10-1-1985

Scal:

Mr. Zakiuddin Asgeraly Baker Mrs. Zejnubhai Mulla Kikabhai

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Mr. Nisar Ahmed Siddiqui 2. Mrs. Bilqis Bano 3. Master Shahad Siddiqui &

(3) Transferor

4. Miss Naila Siddiqui

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY.

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2838/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 5-B, Navaltouch Apartments, Y.M.C.A., Road,
Bombay-8

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 30-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fact market value of the aforesand property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as oiven in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5-B, Navaltouch Apartments, 23, Y.M.C.A. Road, Bombay-8.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2369/84-85 dated 25/5/1984.

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 11/1/1985

eal :

(1) M/s. Gundecha Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Mr. Mohammad Hanif Ismile Kazi

(Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2842/83-84.-Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 10 1,st floor, C-Wing, pakhadi Road, Mazagaon, Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-5-1984 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or enmoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian locome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following regions. namely:

100-466GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, Vist floor, C-Wing, Meena Apartmont, Matarpakhadi Road, Mazagaon, Bombay.

The Agreement has been registered by Authority, Bombay, under No dated 30-5-1984, AR-1/37EE/2372/83-84

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 11/1/1985

Scal:

(1) Shah & Nahar Associates

(Transferor)

(2) Apeego Composition

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 11th Innuary 1985

Ref No AR-I/37EF/2847/83-84—Whereas, I, A I AHIRI, being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a foir market vaule exceeding Rs 25,000/- and bearing No

Unit No 246 2nd floor, Shah & Nahar Indl Fstate A-1, lower Parel, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Commetent Authority at Bombay on 30 5-1984

for an apporent consideration which is less than the Lir market value of the aforesaid property and I have mason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-sforesaid property by the issue of this notice under subgrag, persons, namely terms.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) hy any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions—used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actahall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

The Agreement has been registree dby the Competent Staram Lidfing Marg, Lower Parel Bombay

The Agreement has been registered by the Competent Authorny, Bombay unde No AR I/37FL/37FF/2377/84 85 dated 30-5 1984.

A LAHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 11/1/1985

FORM NO. I.T.N.S.---

(1) M/s. Shah & Nahar Associates

(Transferor)

(2) Apeego Corporation

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQU'SITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2848/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No.

Unit No. 248, 2nd floor, VI bldg. Shah & Nahai Indl. Estate, Lower Parel. Bombay-13

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Scc. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority. at

Bombay on 30-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trnasfer; which ought to be disclosed by the transferee for and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the rubilcation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act. shall have the same meaning as give. in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 248, 2nd floor, Shah & Nohat Industrial Estate A-1. Sitatam Jadhav Marg. Lower Parel, Bombay-13.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2378/84-85 dated 30-5-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-1-1985

FORM ITNE

- (1) M/s. Shah & Nahar Associates
- (Transferor)
- (2) M/s. Apeego Marketing Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bom'oay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2849/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Unit No. 245, 2nd Parel, Bombay-13. oor, Shah & Nahar Indl. Estate, Lower

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Inocem-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at at Bombay on 30/5/2984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agraed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 245, 2nd floor, Shah & Nahar Indl. Estate A-I, Sitaram Jadhav Marg Lower Parel, Bombay-13.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2329/84-85 dated 30-5-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely :--

Date: 11-1-1985

(1) M/s, Shah & Nahar Associates

(Transferor)

(2) Surface Plastics

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bonway, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2850 83-84.--Whereas, 1, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No. Unit No. 328, 3rd floor, Shah and Nahar Indl. Estate A-1.

Situram Judbay Marg, Lower Parcl, Hombay-13.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 30-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1357 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 328, 3rd floor, Shah and Nahar Indl. Estate A-1, Staram Jadhay Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-1/37EE/2380/83-84 dated 30-5-1984

> A. LAHIRI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-1-1985

Scal:

(Person in occupation of the property)

FORM ITNS

(1) Patel Narendra B.

(3) Transferce .

(Transferor)

(2) Decpak Madhukant Patel

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA : 1

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-U BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No AR-I/37FE, 2888/83-84 — Whereas, 1, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding. Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 121/A, Heeja-Panna Premises Co-op. Society Ltd.,

Haji Ali Circle, Bomoay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

the Competent Authority at Bombay on 30-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section \$90 of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (1) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 121 A, Heera-Panna Premises Co-op. Society Ltd. Hajı Alı Cucle, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-1/37EE/2613/83-84 dated 30-5-1984

> A LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I Romo ly.

Date . 11-1-1985 Scal .

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSEPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I 37EE/2474/83-84.—Whereas, I, A. I AHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 25,000¹ and bearing No. Flat No. 9A, 3 d floor, Seaface Krishna Niwas CHS, Walke-

shwar Road, Bonnoay-6

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 260AB of the Income tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the adversarid, property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shu K M, Jhaveri

(Transferor)

(2) Shii Bharatkumar U, Sanghavi

(Transferee)

- (3) Transferor.
 - (Person in occupation of the property)
- (4) Transferor (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the eald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 3rd floor, Seaface Krishna Niwas Co-op. Housing Society 58-A, Walkeshwar Road, Bombay-6.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2311/84-85 dated 2-5-1984

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 11-1-1985

Scal:

FORM LT.N.S ----

(1) Smt. Rohini P. Pabiekai

(Transferor)

(2) Shii Ajay Kanaiyalal Chokshi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-1 **BOMBAY**

Bom'oay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2480/83-84.--Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Flat No. 24, Praithana Apariment N M Kale Marg Dadar, Bombay-28.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 3-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a foresald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a' facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C or the said Act, I htreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No 24, Prarthana Apartment, N. M. Kale. Marg. Dadar, Bombay-400 028

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-1/37EF/2316/84-85 dated the Competent 3-5-1984.

> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay.

Date: 11-1-1985 Seal:

FORM I.T.N.S.-

(1) Rajnikant Keshavlal Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombar, the 11th January 1985

Ref. No AR-I/37FE/2534 83-84.—Whereas, I, A. I AIIIRI

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Flat No 412, 4th floor, Bombay Market, Tardeo Road, Bombay-34

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3 5-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby measu proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

101-466C-1 84

(2) Jignesh Rameshkumar Dharia

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 412, 4th floor, Bombay Market Apartment, Tardeo Main Rodd, Bombay-400 034.

The Agreement has been registered by the Competen Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/2555/84-85 date! 3-5-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range 1
Bombay

Date: 11-1-1985

Scal .

(Person in occupation of the property)

FORM ITNS-

(1) M/s. Vardhman Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shanta C. Kutty.

(3) Transferor.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION FANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37FE/2537/83-84.-Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000

and bearing Warehouse No. 312, 3rd floor Vardhaman Chamber, Masjid

Bunder, Bombay-9 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument at transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said interest able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Warehouse No. 312, 3rd floor in Vardhaman Chamber, Kalyan St., Masjid Bunder, Bombay-400 009.

The Agreement has been registered by the Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2376/84-85 dated 5-5-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons painely :-

Date: 11-1-1985

Seal : .

FORM I.T.N.S .--

(1) M/s. Vardhman Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2538, 83-84.--Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Shop No. 110, 1st floor, Vaidhman Chambers, Masjid Bunder, Bombay 9.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ort
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(2) Mr. Ali Mahmud Dhondne Mr. Ibrahim Mahmud Dhondne.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 110, 1st floor in building Vardhman Chambers, 72, Kalyan Street. Masjid Bunder, Bombay-400 009.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2399/84-85 dated 5-5-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay.

Date: 11-1-1985

(1) Shri Prayagdham Trust

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Harcharan Singh Doulatsingh
 Uminder Singh
 Shri Uttamsingh Heera Singh

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bom'oay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2563/ $\dot{8}$ 3-84.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (3 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 36, 4th floor, Venu Apartment, Naigaum, Dadar, Bombay-14

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 169AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the gurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall havt the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 36, 4th floor, Venu Apartment, Naigaum, Dadar, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-I/37EE/2421/84-85 dated 8-5-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay.

Date: 11-1-1985

(1) M/s. Peejay Maya Exports.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ahimsa Prasarak Trust.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2572/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Office Premises No. 82, Bajaj Bhavan, BBR Scheme, Nariman

Point, Bombay-21.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 8-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by that fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 195?);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used kerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mennig as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 82, 8th floor, Bajaj Bhavan, BBR Scheme, Block III Nariman Point, Bombay-400 021.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2426/84-85 dated 8-5-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay.

Date: 11-1-1985

(1) Sonali Anup Jalota,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Dr. Dinesh Daftary.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-(BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. 1 No. AR-1/37EE/2582/83-84.—Whoreas, 1, A. LAH, B.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said 'Act'), have reason to believe that the iromovable property, havi, at a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- at thearing
Rs. 10/B, New Akashganga, Co-op. Hsg. Soc. Ltd. 89.

Bhulabhai Desai Road, Bombay, tand more fully texcribed in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 8-5-198 4

for an apparent consi. teration which is less than the fair market value of the afor, waid property, and I have reason to believe that the fair marke t value of the property as aforesaid exceeds the apparent consi teration therefor by more than fifteen per cent of such apa prent consideration and that the consideration for such transf, or as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10/B, New Akashganga, Co-op. Hsg. Soc. Ltd. 89. Bhulabhai Desai Road, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2430/83-84 dated 8-5-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-1-1985

-_ z -__

FORM I.T.N.S.

(1) Smt. Shanti Ramchandra Gurbani

(Transferor)

(2) Smt. Nila Mahesh Parekh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF-I BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No AR-I/37EF/2583/83-84.—Whereas, I, A LAHIRI.

A LAHIRI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000 - and bearing Flat No 805, Building 'A' Bhagneri Co-op. Hsg Soc. Itd, Dunean Causeway Road, Chuna'bhatti, Bombay-22 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-5-1984

at Bombay on 8-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

may be made in writing to the undersigned:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 YPIANTHON; —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No 805, Building A, Bhagneri Co.-op. Housing Society Ltd., Duncan Causeway Road, Near Chunabhatti Rly. Stn., Bombay-22

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2431/84-85 dt. 8-5-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay.

Date: 11-1-1985

(1) Shii Dilip Ram Rasila

(Transferor)

(2) Smt. Mahajan Hassibai Mathuradas

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'I OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I - BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2586/83-84.—Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Flat No. 905, Bhagnari CHSL, Duncan Causeway Road,

Chunabhatti Bombay-22.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office the Competent Authority at Bombay on 8-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of hansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the bility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income alising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 905, Bhagnari Co-op. Housing Soc. Ltd., Duncan Causeway Road, Near Chunabhatti Rly., Stn., Bombay-22.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/2344/84-85 dt.. 8-5-1984

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons asserts: ing persons, namely :-

Date: 11-1-1985

Scal .

(1) Mr. Sunder H. Thadani,

(Transferor)

(2) Mr. Yogesh K Mehra, Miss Anuradha K Mehra,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2604/83-84.—Whereas, I. A. LAHIRL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 23, 2nd floor, Ashoka Apts, Off Napean Sea Road, Bombay-36.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent at Bombay on 7-5-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of -

- (n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 23, 2nd floor, Ashoka Apartments, Off Napean Sea Road, Bombay-400 036.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No AR-I/37EE/2209/84-85 dt.,

A. LAHIRI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following 🏬ersons. namely :-

102-466GI/84

Date: 11-1-1985

Scal:

7-5-1984

(1) Mrs. Mohini Lachmandas Shahani.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Ramkiishna Atmaram Sakhaidand

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2661/83-84.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. 69, Pankaj Mansion, Worli,

Bombay-18.

tand more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bom ay on 16-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tweeters with the chieft of of transfer with the object of :-

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, us respect of any income arising from the transfer; and lor
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires lates;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 69, Pankaj Mansion. Dr. A.B. Road, Worli, Bombay-18.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2451/84-85 dt. 16-5-1984. Competent

> A. LAHIRI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-1-1985

FORM TINS----

(1) M/s. Gundecha Builders.

(Transferor)

(2) Janta Tourist Corporation.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. 1No. AR-I/37EF, 2708/83-84.—Whereas, 1, Λ. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Shop No. 31. Cround floor, Wing D. Mamata Apartment,
New Prabhalest Road, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay 16-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the habitis of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfers for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 127 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires laters
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 31, Cround out, Manuata Apartment, Wing D, Plot No. 926, T.P.S. Np. IV, Mahim Area, New Prabhadevi Road, Bombay.

A. LAHIRI Inspecting Assistant Commissioner of Income (av Acquisition Runge-1 Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the inforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the follows: persons, namely : --

Date: 11 1-1985 Scal :

(1) M/s. Gundecha Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Heera Inder Prakash Chhabra

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2709/83-84.—Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a rair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 61, 6th floor, Wing D, Mamta Apartments New Prabhadevi Road, Bombay-25.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 16/5/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective nersons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 61, 6th floor Mamta Apartment, Wing D, Plot No. 926, T.P.S. No. IV, Mahim area, New Piabhadevi Road, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2283/84-85 dated 16-5-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay.

Date: 11-1-1985

FORM ITNS----

(1) Patel & Sony Areade

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Hombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-1, 37LE/2721/83-84. -- Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax A.t. 1961 (43 of 1961) (heremoster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 79 & 80, Patel & Sony Arcade, Bellasis Road,

situated at Bombay-8.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 16/5/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tax Litating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following reasons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) M/s. Therapeutics Investment Pvt. Ltd.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—Ihe terms and expressions used herein avare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 79 & 80, Patel & Sony Arcade, 233/234, Bellasis Road, Bombay-400 008

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2292/84-85 dated 16-5-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay.

Date : 11-1-1983 Seal:

FORM I.T.N.S.

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-1/37EE/2732 83-84 —Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing

Shop No. 7. Vincent Court, Dadar, Bombay-14

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competut Authority.

at Bombay on 29-5-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act., 1922 (11 of 1922) or the said Art or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

-vens, namely:—-

(1) Shii Mullankandy Chandian

(Transferor)

(2) M/s. H. Kothari & Co.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No 7, Vincent Court, 175, Dr. Ambedlar Road, Dadar, Bombay-14

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/Decmed/84-85 dated 29-5-1984.

A. LAJIR!
Competent Authority
laspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 14-1-1985

Scal.

(1) Bussa Udvog Bhavan Indl. Premises Co-op. Soc. Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mulchand P Natai Mr. Pravin P Nahar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37FF/2791/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding

note property, having a fair market value exceeding Rs, 25000/- and bearing No, Unit No. 30-A, Gr.floor in Bussa Udyog Bhavan Industrial Premises HCl, T J. Road, Sewri, Bombay-15 (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exects the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said intrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 197):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 30-A Bhssa Udyog Bhavan Industries Premises Co-op. Soc Itd., Bussa Udyog Bhavan, Tokersi Jivraj Road, Sewree (W) Bombay-15.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-37/37EE/2512/84-85 dated 25-5-1984.

A. LAHTRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C or the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date - 11-1-1955

(1) Trident Travel, and Jours Pvt Ltd.

(Transferor)

(2) Mis. Meena Madhava Acharya Piavin Madhava Acharya.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 259D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2806/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Shop No 11, Gr. floor, Iayant Apartments, Appa Saheb Marathe Road, Prabhadevi, Worli, Bombay-25 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-5-1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 11, Jayant Apartment, Appasaheb Marathe Road, Prabhadevi, Worli, Bombay-25.

The Agreement has been registered by the Competent

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2349/84-85 dated 25-5-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistan Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 11-1-1985

FORM ITNS----

(1) Shri Mohanlai G Thakur.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Jyothi Thakur & Rakesh Thakur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2831/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000, and bearing Flat No. 7, Ground floor, Deepak Mahal CHSL,

Worli Hill, Bombay-18

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expresisons used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, Ground floor, Plot No. 31, Deepak Mahal Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 31, Worli Hill, Bombay-18.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/2363/84-85 dated 30-5-1984

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

103-466GI/84

Date: 11-1-1985

Seal ;

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

FORM ITNS---

(1) Shri Yusuf M Munshi Ibrahini M Munshi

(3) Transferces

(4) Transferees

(Transfer /

(2) Smt. Aishabai w/o Mohamed Moosa Bawla Mohamed Moosa Bawla

(Transfere

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I

BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37G/5071/83-84.—Whereas. I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

as the 'gaid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Land bearing New Survey No. 3554 (pt) and C.S. No. 1553 (part) of Byculla Division, situated at Mohammed Street, Off Ripon Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred and the agreement is registered.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasio nof the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer, and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as registered in the Registered Deed No. Bom. 1350/82 and registered on 16-5-1984, by the Sub-Registrar, Hombay.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 11-1-1985

(1) Smt, Kalpanaben R. Shah.

(Transferor)

(2) Shri H. C. Mehta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV

BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. AR-IV/37FH/2247/83-84.—Whereas, I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 103, 1st floor, Gyan Amrit Bldg, Sbantilal Mody Road, Kandivli (W), Bombay-67

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Incom-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bumbay on 4-5-1984

to an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market ' alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consit ration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- tal facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followring persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable propert within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. 103, 1st floor, Gyan Amrit Bldg, Shantilal Mody Road Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/2247/83-84

dt. 4-5-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Rauge-IV Bombay

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV

ROMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/2267/83-84.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat No. 16, 3rd floor B-Wing Bldg. No. 19, Zalavad Jain Co-op. Hsg. Society Ltd. Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961. h the office of the Competent Authority Bombay on 5-5-1984

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sale Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following possens, namely :-

(1) Saral Enterprise.

(Transferor)

(2) Kaushik N. Kapasi & Mrs. Beena K. Kapasi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable Property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, 3rd floor, B-Wing, Bldg. No. 19, Zalaved Jain Co.op. Hsg. Society Ltd. Ashok Chakravarty Road, Gandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/2267/83-84 dt. 5-5-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-IV

Date: 8-1-1985

Seel:

-(1) Saral Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shah Rajendra Ramniklal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. AR-IV/37EE /2268/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 14, 3rd floor, B-Wing Bldg., No. 21, Zalaved Jain Co-op Housing Society, Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-5-1984

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, 31d floor, B-Wing Bldg. No. 21, Zalaved Jain Co-op. Housing Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandili (E) Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/2268/83-84 dt. 5-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the saforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-1-1985

Seel:

(1) Saral Enterprise.

(2) Virendra Maganlal Shah.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1V ROMBAY

Lombay, the 8th January 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/2270/83-84.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 7, first floor, A-Wing Bldg. No. 19, Zalaved Jain Co-op. Hsg Society. Ashok Chakravarthi Road, Kandivli (E), Bombay-101

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 5-5-1984

for un apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tag Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, first floor, A-Wing Bldg. No. 19, Zalaved Jain Co-op. Hsg. Scty. at Ashok Chakravarti Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/2270/83-84 dt 5-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 8-1-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.----

(1) M/s. Rajlaxmi Construction Company.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harosh K. Mehta.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/2277 /83-84.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Flat No. 55, 4th floor, Shivas Bldg., S.V. Road,

Flat No. 53, 4th floor, Shivas Bidg., S.V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W), Bombay-67 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 8-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation — the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 55, 4th floor, Shivam Bldg. S. V. Road, Fatchbaug, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/2277/83-84 dt. 8-5-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 8-1-1985

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 8th January 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2280/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

25,000/- and bearing No.
Shop No. 7, Ground floor, Shardha Deep Apartment,
Plot No. 65, Ashok Nagar, Ashok Chakravarti Cross Road,
No. 2, Kandivli (E) Bombay-101

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is rgistered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 4-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

(1) M/s. Laxmi Builders,

(Transferor)

(2) Nemichand F. Jain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undresigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, in the Official Gazette or a period of 30 days from
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the ward Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7, Ground floor, Shraddha Deep Apartment, Plot No. 65, Ashok Nagar, Ashok Chakravarti Cross Road, No. 2, Kandivli (E) Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/2280/83-84 dt. 4-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

....

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 8th January 1984

Ref. No. AR-IV/37FE/2319/83-84.--Whereas, I. A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Shop No I, Sheetal Chhaya, Opp. Dhanukar Wadi, Kandivli (W), Bombay-62

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AP of the Income-tax Act in the office of the Competent Authority, at

Bombay on 11-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per ceut of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said (natrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; -ad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

104-466GI/84

(1) Pradeep Builders.

(fransferor)

(2) Mohammed Hussain Mohammed Hanif.

i fransferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

~ Shop No. 1, Sheetal Chhaya, Opp. Dhanukar Wadi, Kandivli (W), Bombay-62

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/2319/83-84 dt. 11-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Karnatak Traders.

(Transferor)

(2) Smt. Maltidevi S. Dubey & S. V. Dubey

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 8th January 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2322 /83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 4, ground floor, Plot No. VII, Mooljee Nagar, S.V. Road, Kandivli (W), Bombay-67

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following perons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, ground floor, plot No. 7, Mooliee Nagar, S.V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/2322/83-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 8-1-1985

FORM I.T.N.S.—

(1) Saral Enterprise.

(Transferor)

(2) Manoharlal Jethalal Shah, Jayshiee A. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. ARIV/37EE/2336/83-84—Whereas, I, A PRASAD,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-bearing No. Flat No. 8, first floor, B-Wing, Bldg, No. 19, at Zalayed Jam Co-op, Hsg. Scty. Ltd. Ashok Chakravarty Rd. Bombay-101.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 11-5-84

section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 11-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) faciltating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPI ANATION:—The terms and expressions used hreein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The No. 8, first floor B-Wing Bldg No. 19, Zalved Jam Co op Hisg So y Ad A hok Chaktavarthi Rd Bombay-101.

Indicagreement has been registered with the Compount on high the Tombay vide send No. ARIV/37FE/2336/83-84 dated 11-5-84

A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 8-1-85

(1) Saral Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mahesh Kumar, J. Patil.

1

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. ARIV/37EF/2337/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value bearing No. Flat No. 11, second floor, C-Wing Bldg, No. 21, Zalved Jam Co op. Hsg. Sety. Ltd. Ashok Chakravarthy Rd, Kandivli (f.), Bombay-101.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 11-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the lair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective per-

sons, whichever period expires later.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 2nd floor 'C' Wing, Bldg. No. 21, Zalved Jain Co.op. Hsg. Scty, Ltd. Ashok Chakravarty Rd, Kandivli (F), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide seriel No. ARIV/37EE/2337/83-84 dated 11-5-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, jamely :-

Date: 8-1-85 Seal .

(1) M/s. Vivek Construction Co.

(Transferor)

(2) Smt Kaushalya O. Bora & Sh. O. T. Bora. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION, 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. ARIV/37LF/2338/83-84.-W' e.cas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to is the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

ks. 25.000/- and beating No. Flat No. 301, 3rd floor Surya Mukhi, Plot beating 82(E), Zaveri Baug, Poiser Kandivli (W),

Bombay-67.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 11-5-84 for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (2) of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Objections, it any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, Surya Mukhi, plot bearing 82(E), Zaveti Baug, Porser, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2338/83-84 dated 11-5-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Pate: 8-1-85

(1) M/s. Mankoo Builders & Constructors.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. ARIV/375-2346/83-84.—Whereas. I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and

bearing No. Flat No. 501, 5th floor, Gyan Darshan, C.T.S. No. 328 village Malad, S.V.P. Rd., Kandivli (W),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 14-5-84 for, are apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parary for a period upto 26-3-85 or till such time regular persons, namely: -

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(2) Sh. Gopal Ramanlal Kadakia & Smt. I. K. Kadakia.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor, Gyan Darshan, plot bearing C.T.S. No. 328, Village Malad S.V.P. Rd. Kandıvli (W). Bombay-

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2346/83-84 dated 14-5-84.

> A. PRASAD. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 11-1-85 Seal:

FORM LT.N.S.—

(1) M/s. Amit Builders.

(Transferer)

(2) Mi Norendia Mohanlal Rughani.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOML TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. ARIV/37FE/2354/83-84.—Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Keeding No. Piece and parcel of land lying and being at Kandivli bearing survey No. 10 (Plot No. B) Part, C.T.S. No. 1121, Kandivli. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under section 29AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 11-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to besieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) faciliting the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) ficilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

All that piece and parcel of land bearing survey No. 10 (plot No. B) Part, C.T.S. No. 1121 and situated at Kandivli.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2354/83-84 dated 11-5-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority, Acquisition Range-IV. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under susception (1) of Section 269D of the said Act to the followpersons, namely :--

Date: 8-1-85.

FORM ITNS ---

(1) Saral Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Pragna K. Vora & Mr. Kirti K. Vora, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. ARIV/37FE/2386/83-84.—Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the 'immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,500/- and bearing No. Flat No. 14, A-Wing, 4th floor, Bldg. No. 23, Zalaved Jain Cop-op. Hsg. Scty. Ltd. Ashok Chakravarty Rd, Kandivli (E), Bombay-101. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 14-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer:

 and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sail Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, A-Wing, 4th offor, Bldg. No. 23, Zalaved Jain Co-op, Hsg. Scty. Ltd., Ashok Chakravarty Rd, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2386/83-84 dated 14-5-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Inc. m. -1 .
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 8-1-85. Seal :

(1) Saral Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2), Smt. Ajwadiben W. Wakharia & II. M. Shah.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. ARIV/37FE/2392/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and beating No. Flat No. 16, 3rd floor, B-Wing Bldg. No. 21, Zalaved Jain Co-op. Hsg. Sety. Ltd. Ashok Chakravarty Rd. Kandivli (E), Bombay-101.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

105-466GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of sublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, 3rd floor, B-Wing Bldg. No. 21, at Zalaved Jain Co-op. Hsg. Scty. Ltd. Ashok Chakraverty Rd, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2392/83-84 dated 14-5-84.

A. PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 8-1-85.

FORM 1.T.N.S,--

(1) Saral Enterprise.

(Transferor)

(2) Sanjeevkumar A. Shah & L. A. Shah.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. ARIV/37FE/2393/83-84.- Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 6. 1st floor, B-Wing, Bldg, No. 19,

Zalaved Iain Co-op, Sety, Ltd. Ashok Chakravarty Rd. Kandivli (E), Bombay-101.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 14-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the eleject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

may be made in writing to the undersignes:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDUSLE

Flat No. 6, 1st floot, B-Wing, Bldg. No. 19, Zalaved Jain Co-op. Hsg. Sotv. Ltd. Ashol Chakravarty Rd. Kandivli (E), Bombay-101.

T8he agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial 40. ARIV/37EE/2393/83-84 dated 14-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date ; 8-1-85. Seal :

7503

FORM ITAIS----

(1) Saial Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

(2) Deepakkumar P. Mehta.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Rei. No. ARIV/371 H/2403/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 22.300/- and bearing No. Flat No. 2, ground floor, Bldg. No. 23-A

Zalawad Jam (e-op. Hsg. Sety. Ltd., Ashek Chakravarty Rd. Kandish (1), Bombay-101, (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 19-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of ovasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, ground floor; Bldg. No. 23-A, Zalaved Jain Co-op. Hsg. Sety. Itd. Ashok Chakravarty Rd. Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2403/83-84 dated 19-5-1984.

A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 8-1-85.

FORM ITNS ...

(1) Saral Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kamlesh S. Shah.

(Transfere

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Rcf. No. ARIV/37EE/2404/83-84.---Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

bearing No. Flat No. 8, 1st floor, A-Wing Bldg. No. 19, Zalavad Jain Co.op. Hsg. Scty. Ltd. Ashok Chakravarty Rd, Kandivli (E), Bombay-101.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 19-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other peron interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, is
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 8, 1st floor, A-Wing Bldg. No. 19, Zalavad Jain Co.op. Hsg. Scty. Ashok Chakravarty Road, Kandiyli (E), Bombay-101.

The agreemnt has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE|2404|83-84 dated 19-5-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely —

Date: 8-1-85

(1) Saral Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Jitendia Ramanlal Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. ARIV/37EE/2405/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

bearing No. Flat No. 9-A Wing, end floor, Bldg. No. 23,

Dearing No. Flat No. 9-A Wing, end 1001, Bidg. No. 23, Zalavad Jain Co. Hsg. Scty. Ltd., Ashok Chakaravarty Rd, Kandivli (E), Bombay-101. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 19-5-84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, A-Wing 2nd oor, Bldg. No. 23, Zalavad Jain Co.op Hyg. Scty. Ltd., Ashok Chakravarty Rd, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2405/83-84 dated 19-5-84.

> Λ. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said A.t. to the following persons, namely:-

Date: 8-1-85

Scal:

(1) Saral Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. ARIV/37EE/2406/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PKASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. bearing No. Flat No. 4, 2nd floor, B-Wing Bidg, No. 19, Zalavad Jain Co-op. Hsg. Scty. Ltd. Bombay-101, situated at Kandivli

situated at Kandiyli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agrement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority, Bombay on 19-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer are careed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (4) racintaining the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for tra- purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely :-

(2) Vmodben K. Shah

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, winchever period expires sater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- lie terms and expressions used becomes are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given on that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 2nd floor, B-Wing Bldg, No. 19, Zalavad Jain Co-op, Hig. Socty. Etd. Kandivli, Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2406/83-84 dated 19-5-84.

A. PRASAD Competent Author to Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 8-1-85

Scal:

na meng sa ninggap panya maninggapana gandahin ya pi ninggapana dagap pengaban dagap pengap pengaban dagap pengaban dagap pengaban dagap pengaban dagap pengaban dagap pengaban dagap pengap pengaban dagap pengaban dag

FORM ITNS----

(1) Saral Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kamlesh Jethalal Shah & Paresh J. Shah. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. ARIV/37EF/2407/83-84 —Whereas, I,

Ref. No. ARIV/37EF/2407/83-84—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fan marker value exceeding Rs. 25,000/- and bearing bearing No. Flat No. 17, 4th floor, Wing B. Bidg. No. 23, Zalavad Jain Co-op. Hsg. Scty. Ltd. Ashok Chakravarty Rd, Kandivli (E), Bombav-101.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 19-5-84

the Competent Authority, Bombay on 19-5-84

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officers are considerated as a superior to the consideration of the consideration of the consideration therefore the consideration than the consideration the consideration that the consideration the consideration the consideration than the consideration than the consideration the consideration than the fair market value of the property and the consideration than the fair market value of the property as aforethan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any othe, person interested in the said immovable property within 45 days from the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17, 4th floor, 'B' Wing, Bldg. No. 23, Zalavad Jain Co op. Hsg. Scty. Ltd. Ashok Chakravarty Rd, Kandivlı (E), Bombay-101.

The agreement h asbeen registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37FE/2407/83-84 date 19-5-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 8-1-85 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. Λ RIV/37EE/2450/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and hearing

Rs, 25,000/- and bearing Flat No. 301, 3rd floor Gyan Darshan Bldg. C.f.S. No. 328, Village Malad, S.V.P. Road, Kandivli (W),

Bombay-67.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 19-5-84

the Competent Authority, Bombay on 19-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any mecome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the approximation of the approximation of the said property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mankoo Builders & Contractors.

(Transferor)

(2). Sh. Kantilal C. Marfatia & Master S K. Marfatia.

(Tran feree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—Ine terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, Gyan Darshan Bldg. C.T.S. No. 328, Village Malad, S.V.P. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EF/2450/83-84 dated 19-5-84.

A. PRASAD
Competent Authority,
Irspecting Assit. Commissioner of Income-tay
Acquisition Range-JV, Bombay.

Date: 8-1-85

THE MANUFACTURE OF STREET OF THE STREET (1) M/s. Mankoo Builders & Contractors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. S. B. Shah and Smt. K. S. Shah.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. ARIV/37EE/2451/83-84.-Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceedings Rs. 25000/-

and bearing
Flat No. 503, 5th floor, Gyan Darshan, C.T.S.
No. 328, Village Mahad, S.V.P. Road, Kandivli (W),

Bombay-67.

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 19-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay an under the said Act, in respect of any income arising from the transferand for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 /27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the es Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons namely :-

106-466GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (h) hy any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Adashall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULR

Flat No. 503, 5th floor Gyan Darshan, plot bearing C.T.S. No. 328 village Malad, S.V.P. Road Kandivli (W), Bombay-

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No ARIV/37EF/2451/83-84 dated 19-5-84.

a. Prasad Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Rombay

Date: 10-1-85.

Scal :

(1) Mrs. Ila Mahendra Thakkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Harılal Premji Gala.

(Transferee).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/2495/83-84.— Whereas, I. I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop No. 6, ground floor Bobby Shopping Ceatte, Prem Co-op, Socty, Itd., M. G. Road, Bhanukarwadi, Kandivli (W), Bombay-67

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument, of transfer with the object of :-

- (a facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, ground floor, Bobby Shopping Centre, Prem Co-op. Sety, Ltd., M. G. Road, Dahanukatwadi, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/2495/83-84, dated 22-5-1984.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-TV. Bombay

Date: 8th January, 1985,

FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. Kishinchand N. Jeswani.

(Transferor)

(2) Mr. Purshottam B. Jaiswal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/2506/83-84.—Whereas, 1, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Unit No. 47, 2nd floor, D Wing, Donaza Industrial Estate, Ashok Chakarvarty Road, Kandivli (W), Bombay-67.

tand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than htteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of; of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act. to the followling persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 47, 2nd floor, 'D' Wing, Bonaza Industrial Fstate, Ashok Chakravarty Road, Kandivli (W), Bombay-67.
The agreement has been registered with the Compatent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2506/83-84, dated 22-5-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant\ Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 8th January, 1985.

FURM ITNS --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OI-FICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. ARIV/37EF/2511/83-84.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

Fiat No. 303, 3rd floor, Gyan Darshan, C.T.S. No. 328, Village Malad S. V. P. Road, Kandivli (W), Bombay-67, (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the periods has not been truly stated on the said instrument of said instrument of said instrument of said instrument of said instrument.

- of the transferor to pay tax under the vaid Act, in respect of any means arising from the transfer; and/or
- (1) facilitating the aspectaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax A(t, 1922) (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)?

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Mankoo Builders & Contractors.
- (2) Shri Satish Siritam Khanna & Smt. Madhu S. Khanna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days freeze the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 303, 3rd fl.oor Gyan Darshan Bldg. p.ot bearing (T.S. No. 328 Village Malad S.V.P. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2511/83-84, dated 25-5-1984.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 8th January, 1985.. Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPLCTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. ARIV/37EE/2531/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Hat No. 14, 3rd floor, A-Wing, Bldg. No. 19 Zalved Jain Co-op. thsg. Scry. Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101 situated at Kandivli (E) (and more fully described in the Schedule annnexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 26-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of erasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of .1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Saral Enterprise.

(Transferor)

(2) M/s. Bipinchandra R. Vora.

(Transferee)

(3) Vendors and the Confirming Parties. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, 3rd floor, A-Wing, Bldg. No. 19, Zalvad Jain Co-ep. Socry, Ltd., M. G. Foad, Bhanukarwadi, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2531/83-84, dated 26-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 8th January, 1985.

... 12

FORM 1.T.N.S. -

(1) M/s. Adarsh Juice & Cold Drink House.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Girdharlal V. Shah & Rajkumar G. Shah.

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. ARIV/37EE/2546/83-84.—Whereas,

I. A. PRASAD,

t. A. FRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 5, ground floor Shiv Tirth, Shankar Lane, Kandivii (East), Bombay-67.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the income Tax Act, 1961, in the office of has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-sald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the perposes of the Indian Incomptax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date at the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, ground floor, Shiv Tirth Bldg., Shankar Lane, Kandivh (East), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2546/83-84, dated 26-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8th January, 1985,

FORM I.T.N.S.

(1) Mr Kishnichand M, Jeswani,

whichever period expires later;

(Transferer)
(Transferee)

(2) Mi Ashok Kumai V. Patel.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-FV, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. ARIV/37EE/2593/83-84.—Whereas, I. I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,500/- and bearing No.
Unit No. 45, 2nd floor D- Wing, Bonaza Industrial Estate,
Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-67
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 28-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than offeen her cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(b) by any other person interested in the said immovable notice in the Official Gazette or a period of 30 days property, within 45 days from the date of the publifrom the service of notice on the respective persons, cation of this notice in the Official Gazette.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 45, 2nd floor, D-Wing, Bonaza Industrial Estate Ashok Chakarvarty Road, Kandivli (E), Bombay-67. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2593/83-84 dated 28-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 8th January, 1985,

Scal:

FORM IINS--

(1) M/s. Mankoo Builders & Contractors.

(Transferer)

(2) Shij Jamnadas Lakhabhai Haisora.

----<u>--</u>----------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. ARIV/37EE/2598, 83-84.—Whereas, J. J. A. PRASAD,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 203. 2nd floor, Gyan Darshan, C.T.S. No. 328 Village Malad, S.V.P. Road, Kandivli (W), Bombay-67 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered and Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the mansferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: \leftarrow

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor, Gyan Darshan, plot bearing C.T.S. No. 328 Village Malad, S.V.P. Road, Kandivli (W), Bore bay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2598/83-84 dated 28-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 8th January, 1985.

Seal;

(1) M/s. Mankoo Builders & Contractors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Rameshchandra Babhai Sheth.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

ARIV/37EE/2600/83-84.--Whereas, I. I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing No

Flat No. 401, 4th floor, Gyan Darshan Bldg., on plot bearing CTS No. 328, Village Malad, S.VP. Road, Kandivli (W).

Bombay-67.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 28-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication o this notice in the official gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922.

 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Gyan Darshan Bldg. Plot bearing C.T.S. No. 328 S.V.P. Road, Kandivli (W), Bombay-67. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2600/83-84. dated 28-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--107--466GI/84

Date: 8th January, 1985,

(1) M/s. Rajlaxmi Const. Co.

(2) Shri Pratap Ramjibhai Sanghavi.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION PANGE-IV, BOMBAY

Bombay the 8th January 1985

Ref. No. AR-IV 37-EE/2643/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Rs. 25,000/- and bearing Rs. 25,000/- and bearing Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 32, 2nd floor, Shivam, S. V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

the been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the

Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 29-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the arcressed property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a sets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the official gazette of a period of 30 days from the service of notices on the persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 32, 2nd floor. Shivam, S. V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W).

The agreement has been registered with the Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37-EE/2643/83-84 dated 29-5-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 8-1-1985

(1) Smt. S. D. Pathare & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. N. Thakkar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/4404/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 10, Hissa No. 5-A, C.T.S. No. 38/B, Village,

Bahisar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tranged and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Comperent Authority at Bombay on 21-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the anofresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respectof of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the conceannent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 10, Hissa No. 5-A C.T.S. No. 38/B, Village

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37-EE/4402/ 83-84 dated 29-5-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date . 8-1-1985

3

- (1) M/s. Rajlaxmi Constrn. Co.
- (Transferor)
- (2) Shri C. N. Rushi & Shri N. J. Rushi,

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/4410/83-84.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tail Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to me the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 42, 3rd floor, Shivam Bldg. S. V. Road, Fatehbaug,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 18-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the soid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gizette-

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 42, 3rd floor, Shivam Bldg., S. V. Road, Fatchbaug, Kandivli (W), Bombay. The agreement has been registered with the Competent

Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37-EE/4410 dated 18-5-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV

Date . 8-1-1985 Scal:

(1 M/s. Saral Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s, Jaysukhlal T. Baviji.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/4416/83-84.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Flat No. 11, 2nd floor, A-Wing Bldg. No. 21 Zalavad Jain Co. op. Hsg. Socty. 1.td., Ashok Chakravarty Rd., Kandivli (E), Bombay-101

-(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and thave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration therefol by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that. Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11 2nd floor, A-Wing Bldg, No. 21 Zalaved Iain Co-op, Hsg. Scty. Ltd., Ashok Chakravarty Rd., Kandiv!i (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37-EE/4416, dated 26-5-84

A. PRASAD? Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV Bombay

Date . 8-1-1985

FORM IINS-

(1) M/s Karnatak Traders

(Transferor)

(2) M/s Remesh Construction Co

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay the 8th January 1985

Ref No AR IV/37-EE/4441/83-84 —Whoreas, J. A PRASAD.

being the Connectent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act.) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000-

shop No. 5, Plot No. VII Mooljee Nagar, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay 67

(and mot fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-5 84

for an apparent consideration, which is less than the fair market value at the afores ad property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such time or as swiced to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have to see a giver in that Clapter

THE SCHEDULE

Shop No s, Plot No VII Mooljee Nagar, S V. Road, Kandivli (W) Bombay 67

The agreement his bein as Stated with the Competent

Authority Bombay vide serial No AR IV/37-EE/4441/ 83-84 dutel 29 5 84

> A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely

Data 8-1-1985 Seal

rurm uns----

(1) M/s. Happy Home Housing Agency.

(Transferor)

*:OПС) UNDER SECTION (69D(1) OF THE INCOME TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Aimeir Madina Abdulrehman.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

DEFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSICNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/2176/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Shop No. 10. ground floor, Bldg.-B. Sector 11, Anand Nagar,

I aour Dahisar (E). Taluka Salsette and more ally techned in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transferee; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Aut. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in oursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the divresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely -

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticed in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No 10, ground floor, Bldg.-B, Sector II, Anand Nagar layout, Dahisar (E), Taluka Salsette.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR-IV/37-EE/2176 dated 5-5-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date . 8-1-1985

ceal .

AND THE RESERVE OF THE PARTY OF FORM ITNS ---

(1) M/s Shekhar Development Corporation.

(2) Shii G. J. Godbolc

(Transferor)' (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMP-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/2281/83-84.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flat No 6, ground floor, Shekhar Nagar, Pereira Wadi, Dahisar (W). Bombay-66 (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-5-84

75**24**

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ot 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notices in the Official Gazette or a period of 30 days from the services of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official (rezette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, ground floor, Shekhar Nagar, Pereira Wadi, Dahisar (W), Bombay-68

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR-IV/37-EE/2281/ Authority, F. dated 7-5-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date . 8-1-1985 Seal ;

(1) M/s. Excel Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Nalini Shashikant Mangle & Mr. R. S. Mangle. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/2330/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and

bearing
Shop No. 4, ground floor, Krishna Kripa L.T. Road, Dahisar
(E), Bombay-68
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 11-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the respection or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in oct of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--108-466GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same weaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, ground floor, Krishna Kripa, L.T. Road, Dahisar (É), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent uthority, Bombay vide serial No. AR-IV/1330/83-84, Authority, Bodated 11-5-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 8-1-1985

FORM MINS- - -

(1) M/s. Shrceguru Ashish Construction.

(Transferor)

(2) Smt. Mathurabai Laxman Deshmukh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

7526

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANG-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/2353/83-84.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (become referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing No.

Flat No. 1, ground floor, Akashay Apartments Dahi ar. (and more fully described in the Schodule annexed horsto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration (Officer

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer and the agreement is registered under Sec. 263AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Auritority, at Bombay on 13 5 84

for an apparent consideration which is less than the foir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

may be made in writing to the undersigned ;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

HXPLIMATION:—The terms and expressions used herein as i.e defined in Chapter XXA of the said act ship have the same meaning as given up that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1, ground floor, Akashay Apartments, Dahisar, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/2353/83-84 dated 11-5-84.

(A. PRASAD)
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 2590 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:—

Dated: 8th Jan., 1985.

SenI:

FORM LT.N.S.---

(1) Mis. Mangala Gauri R. Dave.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Arvindan Nair.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANG-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/2382/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing Flat No. A/17, Darshan Co-op Hsg. Sety Ltd., H. Josh: Road, Maratha Colony, Dahisar (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereio), has been transferred the agreement, a registered under Section

has been transferred the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Comptent Authority at Bombay on 11-5-84,

for an apparent consideration which is less than the term market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer or fer the purposes of the Indian income tax Acr. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforemal property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A/17 Dahisar Darshan Co-op. Hsg. Society Ltd., V. H. Desai Road, Maratha Colony, Dahlsar (E), Bombay-

The agreement has been registered with the Competent Au hority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2382/83-84 dated 14-5-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tox Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated: 11th Jan, 1985.

(1) M/s. Bharat Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Anantray Ratilal Vora.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANG-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/2367/83-84.-Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 1, Ground floor, "Yashodhan" Bldg., Road, Kandarpada, Dahisar (West), Bombay-68, situated at Dahisar (W) Bapu Bagve

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 14-5-1984 14-5-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more fteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (\$7 of 1957);

(3) Transferor.

(Person in occuption of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground floor, "Yashodhaa" Bldg., Bapu Bagve Road, Kandarpada, Dahisar (West), Bombay-83.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/2367/83-84 dated 14-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Date: 11-1-1985.

(1) Ms. Bharat Builders.

(Transferor)

· NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Anantray Ratilal Vora.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANG-IV, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. AR|IV/37EE/2384/83-84.—Whereas. I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing the Flat No. 4, fround floor, Yashodhan, Bapu Gagye Road, Kandarpada Dahisar (W), Bombay-68, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 14-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XI'A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 4, ground floor, Yashodhan, Bapu Gagve Road, Kandarpada, Dahlsar (W), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/2384/83-84 dated 14-5-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 8th Jan., 1985.

Scal:

(1) M/s. Bharat Bullders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Anantray Ratilal Vora.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANG-IV. BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/2385/83-84.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 402, 4th floor, Yashodhan, Bapu Gagva Road Kandarpada Dahisar (W), Bombay-68 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from ? the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, Yashodhan, Bapu Gagva Road, Kandarpada Dahisar (W), Bombay-68,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/2385/33-84 dated 14-5-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated: 8th Jan., 1985.

FORM IINS--

(1) M/s. Shekhar Develop. Corpn.

(Transferor)

(2) Shri Dharmaji Anant Khot.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANG-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. AR.IV/37FE/2395/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing Flat No. 101, First floor, Shekhar Nagar, Pereira Wadi, Dahi-

sar (W), Bombay-68,

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 19-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, first floor, Shekhar Nagar, Pereira Wadi,

Dahisar (W), Bombay-68,
The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay v.de serial No. AR.IV/37EE/2325/83-84 dated 19-5-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated: 8th Jan., 1985.

PORM ITNS-

(1) Shabajali Piroji Piyaralibhai Noorjibhai Ajibhai P. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Mohd. Iqbal Abdul Gaffar.

may be made in writing to the undersigned '-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANG-IV. BOMBAY

Bombay, the 9th January 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.IV/37EE/2399/83-84.--Whereas, I,

A. PRASAD. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (443 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

snd bearing No.
Shop at Sai Niketan Co-op Hag. Scty., Plot No. 142, Village Eksar, Dahisar (W), Bombay-68, (and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Comptent Authority at Bombay on 19-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-sald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly staed in hee said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ased berein EXPLANATION: -- The terms and expressions are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop at Sai Niketan Co-op. Hsg. Scty., Plot No. 142, Village Eksar, Dahisar (W), Bombay-68,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR IV/37EE/2399/83-84 dated 19-5-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Amistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-1-15

(1) M/s. Western India Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Mumtaz Akhtar Halari.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANG-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/2432/83-84.--Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovas the said Act), have feason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. 4, ground floor, D-Wing, Guilstand Apartments, CTS No. 1053/1 to 7 S.V. Road, Dahisar (E), (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), here here transferred, the agreement is recipied and and apartment of the second state of t

has been transferred the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

109---466GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of sotice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Ground floor, D-Wing, Guilstan A.C.T.S. No. 1053/1 to 7, S. V. Road, Dahisar (E).

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR IV/37EE/2432[83-84 dated 19-5-84

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated: 8th Jan., 1985.

(1) M/s. Western India Builders.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Amirali K. Mankonya.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANG-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/2444/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Plat No. 13, 3rd floor. D' Wing. Gulistan Apartment, CTS S. V. Road, Dahisan (E), Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely

(a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 3rd floor, D-Wing, Gilstand Apartment, S.V. Road, plot bearing CTS No. 1053/1 to 7, S.V. Road, Dahisar (E).

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IV/37EF/2444/83-84 dated 19-5-84

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated: 8th Jan., 1985.

Scal:

(1) M/s. Western India Builders.

(Transfecor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Ikbalhusem Abbas Hallan,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANG-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Rcf. No. AR.IV 37EE/2445/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing Flat No. 3, ground floor D-Wing, Guilstan Anartments, S.V. Road, Dahisar (Fast), C.T.S. No. 1053/1 to 7, Dahisar (E), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269/B of Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-5-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax unda the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Ground floor, D-Wing, Guilstan Apartment, C.T.S. No. 1053/1 to 7, S.V. Road, Dahisar (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Hombay vide serial No. AR.IV/37EE/2445/83-84 dated 19-5-84

A. PRASAD
. Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay.

Dated: 8th Jan, 1985. Seal:

(1). M/s Western India Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sadruddin A. Dhooka.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANG-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/2446/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 16, 3rd flooor, Guilstand Apartment, C.T.S. No. 1053/1 to 7, Dahisar East, S.V. Road, Dahisar (E), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at of the Competent Authority at Bombay on 19-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforeasid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this actice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, 3rd floor, Guilstan Apartment, C.T.S. No. 1053/1 to 7, S.V. Road, Dahisar (East), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/2446/83-84 dated 19-5-84

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 8th Jan., 1985.

(1). M/s Western India Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Hizarali Alimad Momin.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANG-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Rcf. No. AR.IV/37EE 2447/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
Flat No. 16. 2nd floor D-Wing Gulistan Apartment, CTS
No. 1053/1 to 7, S.V Road, Dahisai (F), Bombay,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
and the agreement is registered under Sec. 269AB of the
Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,
19.5.84 19-5-84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 2nd floor, D-Wing, Guilstand C.T.S. No. 1053/1 to 7, S.V. Road, Bahisar (E), Guilstand Apartments,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR, IV/37EE, 2447/83-84 dated 19-5-84

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 8th Jan., 1985.

leal:

(1) Shri Ramesh V. Doshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. La Built Corpa.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION' RANG-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/2452/83-84.—Wereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.
Piece & Parcel of land at Western Express Highway Road, opp. Octroi Check Naka, Dahisar (E), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 25-5-1984 for an apparent consideration which is less than the

section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 25-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax finder the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece & parcel of land at Western Express Highway Road, Opp. Octroi check naka, Dahisar (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/2452/83-84 dated 25-5-84

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dated: 8th Jun, 1985.

FORM IINS

(1) Shir Hiralal R. Yadav.

(Transferor)

(2) Master Mukesh R. Verma

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANG-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/2454/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 167, Hissa No. 7 C.T.S. Nos. 2408 & 2409, Shivaji Vallabh Road, Murbali Talao Dahisar (F), Bombay-68, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, 25-5.84. 25-5-84,

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

١.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section *69C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 167, Hissa No. 7, C.T.S. No. 2408 & 2409, Shiyaji Vallabh Road, Murbali Talao, Dahisai (E), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. AR.IV/37EE/2454/83-84 dated 25-5-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated: 8th Jan., 1985,

(1) M's Shyam Construction Co

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Mahayu Stores

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANG-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th January 1985

Ref. No. AR IV/37EE/2601/83-84 —Whereas, 1, A PRASAD,

A PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing Shop No. D, L.T. Road, Dahisar, Sumati Co-op. Hsg. Society Ltd, 'Sumati Vihar Bldgs, Bahisar (W), (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 28 5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument. parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the unders gned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No D-LT Road Sumati Coop Hsg Society Ltd. Sumati Vihar Darias (W) Bombay 68.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR IV/37FF/2601/83 84 dated 28-5-1984

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 9-1-1985

FORM ITNE

(1) Mahesh V. Mantii.

(Transferor)

(2) Mr. Jayant V Mantri

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, \

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 9th January 1985

Ref. No. ARIV/37-EF/2644/83-84.--Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 2098 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. A-4/811, 2nd floor, Avadhoot Nagai Opp Bahisar Suburay, Dubias, (E), Bombay.

Subway, Dahisar (E), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 30-5-1984, for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising trom the transfer.

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (b) facilitating the concealment of any income or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publica-tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning ar given in that Chapter

THE SCHEDULE

Way, Dahisar (E), Bombay
The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. ARIV/37-EE/2644/83-84 dated 30-5-1984

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---110-466G1/84

Date: 9-1-1985 Seal:

FORM ITNS----

(1) M/s Kum Kum Builders

(Transferor)

(2) Shri V D Savliya

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 9th lanuary 1985

, Rcf., No. ARIV/37-EE/4246/83-84 -- Whereas, I. A PRASAD

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sail Act'), have reason to believe that the immovable property taying a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No Shop No A-302, Piyush Bldg, plot bearing CTS No 979 on YR Tawde Rd Dahisu (F), Bombay-68 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Rombay on 8 5-1984, for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this sotice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein at are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. A 302, Piyush Bldg CTS No. 979, YR Tawde Rd, Dahisai (E), Bombay-68

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide sorial No. ARIV/37 EE/4246/83-84, dated 8-5-1984

A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date . 9,1 top4 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION PANGE

ACQUISITION RANGE BOMBAY

Bombay, the 9th January 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/4404/83-84.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. A-3/A-4/12 of Chhatrapati Shivaji Marg, Dahlsar (E), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-5-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay mx under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby impact proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following recisons, namely:

(1) Space Builders P. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Mulchand J. Chheda, & Mr. D. B. Nishar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. A-3-A-4/12 at Chhatrapati Shivaji Marg, Dahisar (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide scrial No. ARIV 37-EE/4404/83-84, dated 18-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 9-1-1985

(1) Space Builders P Itd

(Transferor)

(2) Smt Nirmala G Davda & Shri G K Davda

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

--_

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

Bombay, the 9th January 1985

Ref No ARIV/37 FF 4405 83-84 —Whereas I A PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a lair market value exceeding Rs 25,000-and bearing

No Shop No Al A2 2 Chhatrapati Shivaji Marg Dahisar (E) Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 18-1184

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been tituly state I in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any amoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No A1-A-2/2 situated at Chhairapati Shiyan Marg, Dahisar (E), Bombay

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No ARIV/37 FF/4405/83-84 dated 18-5-1984

THE SCHEDULE

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Auquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely—

Date 9 1-1985 Seel

FORM ITNS----

(1) M/s Kum Kum Builders

(Transferor)

(2) Shri M. M. Khandelwala.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACOUISTION RANGE BOMBAY

Bombay, the 9th January 1985

Ref. No ARIV/37-FE/4422 83-84.--Whereas, 1, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R_5 , 25,000/- and bearing

No. Shop No. A 303, ground door, Pryush Building, C.T.S. No. 979 on Y.R. Tawde Rd, Dahisar (F) Bombay-68. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act. 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 8-5-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 303, ground floor, Pivush Bldg. C.T.S. No. 979, Y.R. Tawde Road, Dahisai (E), Bombay-68. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/4422/83-84, dated 8-5-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 9-1-1985

FORM LT.N.S.-

(1) Smt. Jaximibai Hira Janya Komb and Others. (Transferor)

(2) V. Dinesh Traders Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV ROMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR-IV/57FF/2340/83-84.--Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Secvtion the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing

Rs. 25/000/1- and bearing
No. All'the pieces or parcels of land or ground bearing survey
No. 23 Village Akurli, Taluka Borivli (Fast), Bombay situated at Borivli (E)
(and more fully described in the Schedule anaexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered
under section 269Ali of the Income-tax Act, 1961,
in the office of the Competent Authority, at
Bombay on 11-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transferred with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-bax A'ct, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All those pieces or parcels of land or ground beating survey No. 23, Village Akurli, Taluka Borivli (East), Bombay The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37FF/2340/83-84 dt. 11-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV

Now, therefore, in pursunace of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-1-1985

(1) M/s, Goyal Brothers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dhanraj S. Khimuvat Trustee of Kheemelwala Foundation.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) 18 Tenants. (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 11th January 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gassette.

Ref. No. AR-IV/37EE/2195/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

> EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given *hat Chapter.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act') have reasen to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land bearing C.T.S. No. 2780, Vinayak Bhavan Bldg., L.T. Road, Borivli (West), Bombay-92, situated at Borivli (W) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 5-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

Bombay on 5-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land bearing CTS No. 2780, Vinayak Bhavan Bldg., L.T. Road, Borivli (West), Bombay-400 092.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/2195/83-84 dt. 5-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 11-1-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-IV/37FE/53/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. CTS No. 511 & 515/1 to 6 situated at Mouze, Borivli (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 8-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee 1 or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:— (1) 1. Manjulaben Jaswantrai Patel Navinchandra Chaganlal Shah.

(Transferor)

(2) Mahesh C Chaudhari,

(Transferee)

(3) 1. Shri Dinanath T Pavle

2. Smt. Sushilaben R. Shah 3. Shri Lalchandbhai B Mody

Shri Changanbhai L. Mistry
 Shri Dattatraya N. Chauhan
 Shri Janardan S. Mayenkar.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHFDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 258/82 and registered by the Sub-Registrar, Bombay, on 8-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 11-1-1985.

(1) M/s. Excel Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Rajani Natvarlal Shah & Mrs. G. R. Shah.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV ROMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR-IV/37FF/2331/83-84.--Whereas, I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 13 first floor Shiv Darshan, S.V. Road,
Kandivli (W) Bombay-67

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 11-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparat consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 1st floor Shiv Darshan at S.V.P. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37FE/2331/83-84 dt. 11-5-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons. namely:--111-466GI/84

Date: 14-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISTION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref No. AR-IV/37EE/2554/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have icason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 902, 1st floor, Wing 'C', "Alka-Bhuvan", Floar Village, Borivli ('V), Bombey 92

situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sh.i K. S Thaku (Proprietor)

(Transferor)

(2) Shri Satish J. Ketkar.

(Transferee)

(3) M/s. K N. Builders.

(Person in occupation of the property)

(4) Smt Shantabhai Ramchandra Mhatre & Others. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat N 0.902, 1st floor, Wing-C, "Alka-Bhuvan", Eksar Village, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR-IV/37FE/2554/83-84 dt. 1-5-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 10-1-1985

Seal ·

(1) Nari Matai.

(Transferor)

(2) Rosa D'Souza.

(3) Budder (Nari Matar)

(Transferec)

NOTICE UNDLY SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV ROMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ret No AR-IV/3711/2640/83-84 -- Whetcas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No
Flat No B-13 3rd floor, Rosacro Aparaments, Lksar,
Bottsh (West), Boembay situated at Borrsh (W)
(and more fully described in the Schedule a mexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered
under section 269Ath of the Income-tax Act, 1961,
in the office of the Competent Authority, at
Bombay on 1-5-1984
for an apparent consideration which is less than the fall-

for an apparent consideration which is less than the fau market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fineen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of unnafer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the wader the said Ass, in respect of any income arising from the transfer, and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in putsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as circo to that Chapter

THE SCHLDULE

Hat No B 13 3rd floor, Rosario \partments, I ksar Borivli (West), Bombay

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/2640/83-84 dt. 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date . 10-1-1985

(1) M/s. Param Anand Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Satish Babudeo Kedia,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX A@T, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/2587/83-84.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ra 25,000/and bearing

No. Flat No. 12, 3rd floor, in 8, 9, 10 Bldg., in Plot No. 8, 9, 10 in the 'Rattan Nagar' Scheme, Borivli (E), Bombay-66

situated at Borivli (E)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 et 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 3rd floor, in 8, 9, 10 Bldg., Plot No. 8, 9, 10 in 'Rattan Nagar', Scheme, Borivli (East), Bombay-66.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/2587/83-84 dt. 1-5-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 10-1-1985

(1) Shri Champaklal Amritlal Sanghavi & Smt Subhadra C Sanghavi

(2) D. Zaverchand Ranmal Haria.

(Transferor)

(3) Transferee

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref No AR IV/37EE/2417/83 84 -- Whereas I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-

and bearing No
Flat No 301, 3rd floor Shreenath Apartment 259 S V
Road, Borivali (West), Bombay-92
situated at Borivali (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-5 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I nave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under subsection (1) of Section 269D of said Act to the following persons namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No 301, 3rd floor, Shreenath Apartment, 259, SV. Road, Borivli (West), Bombay-92

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR-IV/37EE/2417/83-84 dt 15-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV Bombay

Date 10-1-1985 Scal:

(1) 5mt Lata Gopal kookam

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-14\ ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Ramesh Kisondas Merchant & Others

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/2641/83-84.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 302, 3rd floor, Shree Raghuvanshi Apartment, Chandavarkar Road, Borivli (West), Bombay-92 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that th consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or

(b) faciliatting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any other person interested in the said immov-45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fla. No 302, 31d floor, Shree Raghuvanshi Apartment,

Chandravarkar Road, Bonvli (West), Bomba-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/2641/83-84 dt. 1-5-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range III Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-1-1985

FORM IINS----

(1) Indian Rubber Product

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Devendia Shantilal Rupani & Mis. Kokila Devdanda Rupani.

(Transferce:

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION KANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No ARIV/37E1/2341/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section

269B of the Income ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 501, Sumer Nagar, A-Wing, 5th floor, (Under construction '83) S. V. Rond, Opp. Kora Kendra, Borivli (West), Bombay situated at Borivli (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 260AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Comparant Authority. of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; يو النظ

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notict under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the followin persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, Sumer Nagar, A-Wing, 5th floor, (Under Construction 1983), S. V. Road, Opp. Kora Kendra, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/2341/83-84 Jt 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 10-1-1985

(1) Bimal Latex Industry

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Narendra Shantilal Rupani & Lata Narendia Rupani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 10th January 1985

ARIV/37EE/2342/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 502, 5th floor, A-Wing, Sumer Nagar, S. V. Road, Opp. Kora Kendra, Borivh (West), Bombay-92 situated at Roryk (W)

ted at Borivli (W)

(and more fully, described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective perions, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502 .5th floor, A Wing, Sumer Nagar, S. V. Road, Opp Kora Kendia Boyali (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2342/83-84

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date 10-1-1985 Seal:

dt. 1-5-1984

(1) Jay Raj Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Mithailal B. Yadhav, Shri Bankylal B. Yadhav, & Shri Ramdhari B. Yadhav

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37EE/2439/83-84,---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Shop No. 7, Gr. Floor, in Jayesh Apartments, Jay-Raj Nagar, Vazira Naka, Borivli (West), Bombay-92 situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7, Ground floor, Jayesh Apartments, Jay-Raj Nagar, Vazira Naka, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Auutorhity, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2439/83-84 dt. 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 10-1-1985

(1) Roshan Enterpirses

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Krishna Kumar Ramanlal Goswami

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37EE/2579/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immersable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000l- and bearing

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing
No Flat No. 104, 1st floor, 'E' Wing, Roshan Apartments, 4th Kasturba Road, S. No. 24A, H. No. 9, Borivali (East)
Bombay-06 situated at Borivii (East)

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), end been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen persent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— **

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any incon. or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor, 'E' Wing, Roshan Apartment, 4th Kasturba Road, S. No. 24A, H. No. 9, Borivli (East), Bom-Bay-66.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2579/83-84 dt. 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 10-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37EEP, 4365/83-84,—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Fiat No. 316, Bldg. A', Gagangiri Nagar, Opp. Togi

Nagar Bus Stop, Borivali (West), Bombay-92 situated at

Borivali (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tansferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Renu P. Talreja & Rekha N. Gehi

(Transferor)

(2) Shri Shamlal N. Chhabria

(Transferce)

(3) Transferce

(Person in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 316, Bldg, 'A', Gagangiri Nagar, Opp. Togi Nagar Bus Stop, Borivali (West), Bombay-400 092.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide agrial No. ARIV/37EE/4365/83-84 dt. 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 10-1-1985

FORM I.T.N.S.---

(1) M/s. Gautam Builders (India).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr Princeton Slevan Thomas & Mrs. Ratna Sarah Thomas

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37EE/2349/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No.
No. Flat No. 102, 1st floor, Bldg. 'Vishal-2', S. V. Road,
Borivalı (West), Bombay-92 situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trally stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sectio 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor, Bldg. 'Vishal-2', S. V. Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2349/83-84 dt. 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 10-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37EE/2282/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000|-and bearing

No. Flat No. B-101, 1st floor, "Lucky Star Apartment", S. No. 99, Hissa No. 3 (CTS Nos 1509 & 1512), Near Shanti Ashram, Eksar, Borivli (West), Bombay-103 situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tar Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M/s, M. J. Ganatra & Co.

(Transferor)

(2) Mr. Velliyat Achuthan Sukumaran

(Transferee)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as

are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. B-101, 1st floor, "Lucky Star Apartment", **3.** No. 99, Hissa No. 3 (CTS Nos. 1509 & 1512), Near Shanti Ashram, Eksar, Borivli (West), Bombay-400 103.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2282/83-84 dt. 1-5-1984.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 10-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37EE/2505/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fall market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. No. Shop No. 8, Ground floor, Bldg. on Plot No. 'B', Deviki Nagar, Eksar Road, (Under Construction), Borivli (West), Bombay-92 situated at Borivli (W)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any success arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Shah Builders

(Transferor)

(2) Shri Mataprasad Dhanawant Mishra & Shri Shitalaprasad Dhanawant Mishra

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8, Ground floor, Bldg. on plot No. 'B', Deviki Nagar, Eksar Road, (Under Construction), Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2505/83-84 dt. 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 10-1-1985

(1) Smt. Smita Suresh Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Soni Bhauvarlal Maganlal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37EE/2457/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

No. Flat No. 6, 2nd floor, A-Wing, Plot No. 5, Mulji Nagar, Botivli (W.st), Bombay-92 situated at Borivli (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 2nd floor, A-Wing, Plot No. 5, Mulji Nagar, Borivli (West), Bombay-400 092.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial oN. ARIV/37EE/2457/83-84 dt. 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 10-1-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37EE/2377/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act; 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
No. Unit No. 216. 2nd floor, B-Block, Mandapeshwar Indl.
Premises Ltd., Sardar Villabhai Patel Road, Borivali (West),
Bombay-92 situated at Borivli (W)

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, i hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Smt. Kamalaben Sevantilal Shah

(Transferor)

(2) M/s. Everest Gems

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of -45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 216, 2nd floor, B-Block Mandapeshwar Industrial Premises Ltd., Sardar Vallabhbhi Patel Road, Boriwali (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2377/83-84 dt. 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 10-1-1985

(1) Smt. Babuben Mangalji Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M, s. H. Patel & Co.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, . BOMBAY

Dombay, the 10th January 1985

Re*. No. ARIV/37EE/2576/83-84.--Wherens, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Unit No. 214, 2nd floor, B-Block, Mandapeshwar Industrial Premises Ltd., Saidar Vallabhbhai Pa'el Road, Borivli (W), Bombay-92 thate Lat Bonvii (W) (and more filly described in the Schedule amiexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 26948 of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cept of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between he parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, In respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the reservice of notice on the reservice of notice on the reservice of notice of the notice of the reservice of notice of the reservice of notice of the notice of th pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Unit No. 214, 2nd floor, B Block, Mandapeshwar Indl. Premises Ltd., Sardar Vallabhbhai Patel Rond, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EF/2376/83-84 dt. 1-5-1981.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-lot Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act. to the following nemons, namely:—

113-466GI/84

Date: 10-1-1985

FORM TINS-

(1) Dhirajkumar D. Makwana

(Transferor)

(2) Smt, Syshilaben Ninalal Motani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Rcf. No. ARIV/37EE/2351/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Ircome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Hat No 405, 4th floor, Bldg. No. D-24, Yogi Ganga Co-op. Hsg Society Ltd, Yogi Navar, Eksar Road, Borivli (West), Bombay-92 situated at Borivli (W)

fand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 2.9 NB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Even NATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 405, 4th fleor, Bldg. No. D-24, Yogi Ganga Coop. IIsg. Society 1td, Yogi Nagar, Eksar Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. ARIV/37EE/83-84 dt 1-5-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—-

Date : 10-1-1985

1 DEM 1155-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN' OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37EE/2572/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat No. 1, Girnar Aparmient, Off Mandpeshwar Road, Goind Nagar, Borivli (West), Bombay-92 situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset. Where have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

! Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kamla Enterprises.

(Transfeior)

(2) Arvind Gordhandas Sutaria & Suresh Gordhandas Sutaria

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Officical Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Girnar M. 1 Peshwar Road, Govind Nagar, Borivli M. 1

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2572/83-84 dt. 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 10-1-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37EE/L494/83-84,---Whereas, I, A. PRASAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (herematter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ks. 25,000/- and bearing

No. 1-lat No. 305, 31d floor, Sumer Nagar, Opp. Koia Kendia, 5. V. Koad, Borivli (West), Bombay-92 situated at Borivli (W)

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bonnay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- the facilitating the concealment of any income or any facility or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Ramesh H. Bhatia & Dharmendra R. Bhatia

(Transferor)

(2) Kishor C. Desai & Ors.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Otheral Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this nonce in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 306, 3rd floor, Sumer Nagar, Opp. Korå Kendra, S. V. Road, Bo:ivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. APIV/37EE/2494/83-84 at. 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV.
Bombay

Date: 10-1-1985

Seal

(1) Smt. Narmdaben G. Sheth & Shii Gulabchand Virji Sheth.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Navin L. Mendon.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

· Ref. No. ARIV/37-EE/2341/83-84.—Whereas I, A PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-in-after referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property, having a ran market and bearing No.

Flat No. 201/D-27, Eksar Road, Yogi Nagar, Borivli (West), Bombay-92 situated at Borivli (W) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201/D-27, Eksar Road, Yogi Nagar, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2341/83-84 dt. 1-5-1984.

> A. PRASAD Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the peroresaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:—

Date: 10-1-1985

(Person in occupation of property)

FORM ITNS-

(1) Shri Narendrakumar Chetram Gupta

(Transferor)

(2) Shri Puttappa R. Gowada.

(3) Transferee.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/4302/83-84.—Whereas 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing No.

Shop No. 1, Amar Geejay Co-op. Housing Society Ltd., Ram Nagar, Opp. Salbaba Temple, S. V. Road, Borivli (West), Bombay-92 situated at Borivli (W)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- no) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Amar Gcejay Co-op. Housing Society Ltd., Ram Nagar, Opp. Saibaba Temple, S. V. Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/4302/83-84 dt. 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-JV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 10-1-1985

(1) Jay Pali Builders.

(Transferor)

(2) Shri Dinanath G. Mhatre.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/2563/83-84.-Whereas I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. 328, Govind Apartments, Jay Pali Hill, Near Shanti Ashram, Borivli (West), Bombay-92 situated at Borivli (W)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-lax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: .) 1 in 18, 100

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subscition (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objectitons, if any, to thte acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the sain immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 328, Govind Apartments, Jay Pali Hill, Near Shanti Ashram, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/2563/83-84 dt. 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Reage-IV, Bombay

Date: 10-1-1985

(1) Shri Mohan Maghanmal.

(Transferor)

(2) Shri Sitaram Haibatrao Salvi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA .

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/2170/83-84.—Whereas I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 22, Sai Eaba Dham, Ram Nagar, Borivli (West). Bombay-92 situated at Borivili (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 22, Sai Baba Dham, Ram Nagar, Borivili (West), Bombay-400 092.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-FE/2170/83-84 dt. 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-1-1985

Sear :

(1) Mr. P. Y. Nadkarni & Mrs P P. Nadkarni.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Hilary F. D'souza & Mrs. Maureen D'souza.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/2510/83-84.—Whereas I

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flat No. 301, Sweet Land Apartments, Village Excor, Ta: Botivili, Sub: Diet: Bandra, Bombay situated at Borivili (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, Sweet Land Apartments, Village Excor, Ta: Borivli, Sub: Dist: Bandra, Bearing Survey No. 119, Hissa No. 7 (Part), Plot No. 3, Bombay

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No ARIV/37-EE/2510/83-84 dt. 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtition (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

114-466GI/84

Date: 10-1-1985

1. [

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, §

BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/4371/83-84.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 4, Anand-B, Carter Road No. 4, Borivli (East), Bombay-66 situated at Borivali (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfers and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Tanna Enterprise.

(4) Transferor.

(2) Shii Vijaybhai M. Chauhan & Sint, Vimalaben V. Chauhan.

(Transferce)

(Transferor)

Smt. Vimalaben V. Chauhan.

(Person in occupation of property)

(Person "whom the undersigned knows to be interested in property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Anand-B, Carter Road No. 4, Borivli (East), Bombay-400 066.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARTV/37-EE/4371/83-84 dt. 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 10-1-1985

(1) M/s K. Patel & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kantilal Keshavlal Shah.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/2453/83-84.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No.
Flat No. 104, Goverdhan 'B', 1st floor, L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Borivli (West)
(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, Goverdhan "B", 1st floor, L. T. Road, Borivali (West), Bombay-400 092,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/2453/83-84 dt. 1-5-1984.

> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following mersons, namely :---

Date: 10-1-1985

(1) M/s. Paramanand Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shivnath Rajdev Yadav & Shri Raghunain Rajdev Yadav.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref., No. ARIV/37-EE/2288/83-84.—Whereas I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 6, Ground floor of Bldg, No. B-6 of Rattan Nagar Scheme, Near Premji Nagar and Daulat Nagar, S. V. Road, Borivali (E), Bombay-66 situated at Borivali (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument entransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, it respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely 1—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Ground floor of Bldg. No. B-6, Rattan Nagar Scheme, Near Premji Nagar and Daulat Nagar, S. V. Road, Borivali (East), Bombay-66.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/2288/83-84 dt. 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date : 10-1-1985

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/4370/83-84.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing No.
Flat No. 304, 3rd floor, Ankur Building, Mandpeshwai Road,
Borivali (West), Bombay situated at Borivali (W)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Gosalia Bros.

(Transferor)

(2) Shri S. Nageshwaran.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd floor, Ankur Building, Mandpeshwar Road, Borivali (West), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/4370/83-84 dt. 1-5-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Dato : 10-1-1985

(1) M/s. Aurora Engineering Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vithalbhai Devji Panchani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/2421/83-84.--Whereas I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rs. 25,0007- and bearing No.
Gala No. 8, Kanal Industrial Estate, Daulat Nagar, Road
No. 6, Borivli (East), Bombay-66 situated at Borivli (E)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
hat, been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority at
Bombay on 1-5-1984
for an apparent consideration, which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ilfteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notics on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 8, Kanal Industrial Estate, Daulat Nagar, Road No. 6, Borivli (East), Bombay-66.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/2421/83-84 dt. 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-1-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Dhakan Prakash Premjibhai & Shii Dhakan Deepak Promjibhai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dhujilal J. Agrawal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

ARIV/37-EE/2207/83-84.—Whereas I A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding-

Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. A-3, Ground floor, Shroff Apartment, Sodawala
Lane, Borivli (West), Bombay-92 situated at Borivli (West)
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publiention of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereix as are defined in Chapter XXA of the 22id Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-3, Ground floor, Shroff Apartment, Sodawala Lane, Borivali (West), Bornbay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/2207/83-84 dt. 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Date : 10-1-1985 Seal :

(1) M/s. Kamla Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Sunanda Madhay Kamat,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferce.

(Person in occupation of property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/2571/83-84.—Whereas I,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Sect'on 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

> Explanation: -- The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Flat No. 4, Girnar Apartment, Off. Mandpeshwar Road.
Gov'nd Nagar, Borivali (West). Bombay-92 situated at
Borivali (W)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority at
Bombay on 1-5-1984
for an amarent consideration

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Girnar Apartment, Off. Mandpeshwar Road, Govind Nagar, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE [2571/83-84 dt. 1-5-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following nerson, namely :-

Date : 10-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/3281/83-84.--Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. B/13, Saibabadham, Off. S. V. Road, Borivli (West),

Bombay-92 situated at Borivali (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

15—466GI/84

(1) M/s. Arun International.

(Transferor)

(2) Mr. Kirit P. Joshi & Mr. Rajnikant P. Joshi.

(Transferee)

(3) Developers.

(Person in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B/13, Saibabadham, Off. S. V. Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/3281/83-84 dt. 1-5-1984,

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date : 10-1-1985

- (1) M/8. Aurora Engineering Co.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Sheela Vithal Panchani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/2422/83-84.—Whereas 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and oearing
Gala No. 9, Kanal Industrial Estate, Daulat Nagar, Road
No. 6, Borivli (East), Bombay-66 situated at Borivli (E)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority at
Bombay on 1-5-1984
for an apparent consideration which is the second consideration w and bearing Gala No. 9,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 9, Kanal Industrial Estate, Daulat Nagar Road No. 6, Borivil (East), Bombay-66.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/2422/83-84

dt. 1-5-1984,

A. PRASAD Competent Authority specting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 10-1-1985 Seal :

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Param Anand Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhim Sen Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/2584/83-84.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reson to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 47, 1st floor, Wing 8, 9, 10, Rattan Nagar Scheme, Borivali (East), Bombay-66 situated at Borivali (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (v) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 47, 1st floor, of Wing 8, 9, 10, Rattan Nagar Scheme, Borivali (East), Bombay-66.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/2584/83-84 dt. 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV.
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-1-1985

5eal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37EE/2616/83-84.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fuir market value exceeding Rs. 25,000] and bearing No.

Shop No. 4, Ground floor, Bldg. No. D-17, Yogi-Tulsi Co-op. Hag. Society Ltd. (Proposed), Yogi Nagar, Eksar Road, Borivli (W), Bombay situated at Borivli (W)

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ranafer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi
- (b) by any other persons interested in the said immov-moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, m pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Asharani P. Grover.

(Transferor)

(2) Zoher Abbashai Pedhiwala and Iqbalbhai Abbasbhai

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Ground floor, Bldg, No. D-17, Yogi-Tulsi Co-op, Housing Society Ltd. (Proposed), Yogi Nagar, Eksar Road, Borivli (West), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2616/83-84, dated 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 10-1-1985

(1) M/s. Mhatre Brothers.

(Transferor)

(2) Theresa Carvalhi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37EE/2288/83-84.--Whereas, I.

A, PRASAD, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 201, Matru Kripa, S. No. 96, H. No. 1A, C.T.S. Nos. 2262, Eksar Village, Borivli, Bombay-92 situated at Rocivili

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority, at Bombay on 1-5-1984 for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested n the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereix as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, Matru Kripa, S. No. 96, H. No. 1A, C.T.S. No. 2262, Eksar Village, Borivli, Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2288/83-84, dated 1-5-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 10-1-1985

(1) Harilal Ravji Vora.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Maganlal Nanji, and
 Navinchandra Nanji.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

kef. No. ARIV/37EE/2203/83-84.—Whereas, J. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
Shop No. 5, Sahyadri Apartment & Shopping Centre, Lokmanya Tilak Road, Boravali (West), Bombay-92 situated at

Borivali (W)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the iforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Sahyadri Apartment & Shopping Centre, Lok-manya Tilak Road, Borlvli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. ARIY/37EE/2203/83-84, dated 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1985

(1) Shri Jayantilal Jamnadas Soni & Others
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref No. ARIV/37EE/2443/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

Flit No A-7, Bldg...B, 2nd floor, Shree Yogidaranan Makwana Nagar Co-op. Hsg. Society Ltd., Mahadevbhai Desai Road, Borivli (East), Bombay-66 situated at Borivli (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating hte reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Ranchodbhai Karsandas Dodia.

(3) Transferce.

(Person in occupation of property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. A-7, Bldg. No. B, 2nd floor, Shree Yogidarshan Makwana Nagar Co-op. Hsg. Society Ltd., Mahadevbhai Desai Road, Borivli (East), Bombay-100 066.

The agreement has been registered with the Competent authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2443/83-84, dated 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 10-1-1985

7588

FORM NO. LT.N.S.-

(1) Arvind V. Sheth, Chief Promoter.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ushaben Shantilal Trivedi

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37EE/2202/83-84.—Whereas, I.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Shop No. 22, Geetanjali Nagar Yojna No. 2, Csp Wing A,
Off: S. V. Road, Borivli (West), Bombay-92 situated at
Borivli (W)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer: ead/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this office notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 22, Getanjali Nagar Yojna No. 2, Cap Wing A, Off: S. V. Road, Borivli (West) Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial, No. ARIV/37EE/2202/83-84, dated 1-5-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 10-1-1985

(1) Smt. Panbaj Hirji Shah and Shri Suresh Hirji Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Soni Maganlal Chunilal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37EE/2458/83-84.—Wherers, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 2, Mulji Nagar, Plot No. 5, S. V. Road, Borivli (West), Bombay-92 situated at Borivli (W)

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 195° (1° of 1957);

Now, unerefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

113 —466GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Mulji Nagar, Plot No. 5, S. V. Road, Borıvli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2458/83-84, dated 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 10-1-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s, Shah Builders,

(Transferor)

(2) Shree Krishna Ramchandra Gokhale,

may be made in writting to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bornbay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37EE/2507/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and beating
Shop No. 5, Ground floor, Bldg. on Plot No. 'B' Devki Nagar.
Elson Road, (Under Construction), Borivii (West). Bombay92 stuated at Borivii (W)
(and more fully described in the schedule annexed hereto)

tand more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-5-1984

at Bombav on 1-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Ground floor, Building Plot No. 'B', Devki Nagar, Eksar Road, (Under Construction) Borivli (West),

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2507/83-84, dated 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV Bombay

Date: 10-1-1985

1

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37EE/2638/83-84.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 4, Ground floor, Rosario Apartments, Ekasar, Borivli (W), Bombay situated at Borivli (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tux under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Nari Matai,

(Transferor)

- (2) Mrs. Arlene F. Pereira and Mr. Oscar A. Pereira.
 (3) Builder (Nari Matai).

(Person whom the undersigned knows to be interested in property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date or the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No 4, Ground floor, Rosario Apartments, Eksar, Borivli (West), Bombay,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2638/83-84, dated 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Date: 10-1-1985

FORM NO. I.T.N.S.---

(1) M/s. M. J. Ganatra & Co.

(Transferor)

(2) Mr. Gopmathan Kuruppalath,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in property).

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37EE/2284/83-84.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-

and bearing No.
Flat No. B-201, 2nd floor, "Lucky Star Apartment", S. No.
99, Hissa No. 3, CTS Nos. 1509 & 1512, Near Shanti
Ashram, Eksar, Borivli (W), Bombay-103 situated at
Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto,), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesand property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B.201, 2nd floor, "Lucky Star Apartment", S. No.

99, Hissa No. 3, CTS Nos. 1509 & 1512, Near Shanti Ashram. Eksar, Borivli (West), Bombay-103.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2284/83-84, dated 1-5-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-1-1985

(1) M/s. Bhushan Construction Co.

(Transferor)

(2) Mrs. Manorama Ganesh.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV, 37EF/2577/83-84.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 402, 4th floor, Gokaran Bldg., T.P.S. III, F.P. No. 63/C, Shimpoli Road, Bottyli, Bombay-92 situated at Bortyli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the onice of the Competent Authority, at Bombay on 1-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid e-ceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ott assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the rurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official, Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No 402, 4th floor, Gokarn Bldg., T.P.S. III, F.P. No. 63/C, Shimpoli Road, Borivli, Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIY/37EE/2577/83-84, dated 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV. Bombay

Now, threefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date . 10-1-1985

Seal ·

(1) M/s. M. J. Ganatra & Co.

(Transferor)

(2) Mrs. Christine Gracy D'sa.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Rcf. No. ARIV/37EE/2283/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. B-103, 1st floor, "Lucky Star Apartments", S. No. 99, Hissa No. 3, (CTS Nos. 1509 & 1512), Near Shanti Ashram, Eksar, Borivli (West), Bombay-103 situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-103, 1st floor, "Lucky Star Apartment", S. No. 99, Hissa No. 3, (Sts Nos, 1509 & 1512), Near Shanti Ashram, Eksar, Borivli (West), Bombay-103.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2283/83-84, dated 1-5-1984.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 10-1-1985

FORM I.T.N.S .-

(1) Kamla Enterprises.

(Transferor)

(2) Deepak Kumar L. Mav & Others.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferees

(Person in occupation of property).

GOVERNMENT OF INDIA

Obections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th Japuary 1985

Ref. No. ARIV/37EE/2310/83-84.—Whereas, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 4, Girnar Apartment, Off Mandhpeshwar Road, Borivli (West), Bombay-92 situated at Borivli (W), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), here here trend and the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Girnar Apartment, Off Mandhpeshwar Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bonibay vide serial No. ARIV/37EE/2310/83-84, dated 1-5-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subjection () of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-1-1985

eal:

FORM ITNS----

(1) M/s. S. A. Contractor & Co.

(Transferor)

(2) Shri Anil Kanchanlal Kothari

(Transferee)

(3) Transfetor.

(Person in occupation of property).

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37EE/4438/83-84.—Whereas, I. A. PRASAD.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Incomer-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 9, Ground 'floor, Samarpan Bldg., Daulat Nagar, Road No. 3, Borivli (East), Bombay-66 situated at Borivali (Fast)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1937 (27 of 1937);

may be made in writing to the undersigned;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

HXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Shop No. 9, Ground floor, Samarpan Biukling, Daulat Nagar, Road No 3, Borivali (East), Bombay-60. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV /37EE/4438/83-84, dated 1-5-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-1-1985

S∽al

(1) Sohanlal & Sons.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Keshav P. Ghaisas.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37EE/2391/83-84.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No.
Flat No. A-201, 2nd floor. Krishna Kamal Apartments.
Govind Nagar, Sodawala Road, Borivli (West), Bombay-92
situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, " 11 A sad /ar

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

าคารอยาง. กลาmely:---¥117—466GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fiat No. A-201, 2nd floor, Krishna Kamal Apartments, Govind Nagar, Sodawala Road, Borivali (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide scrial No. ARIV/37EE/2391/83-84, dated 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 10-1-1985 Seal:

(1) M/s. Jay Raj Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

· OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37EE/2438/83-84.—Whereus, I, PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No 2, Ground floor, "Jay-Raj Terrace", L. T. Road, Vazua Naka, Boravli (West), Bombay-92 situated at Boravli

(West), Bombay-92 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, et Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) Dr. (Shri) Girishchandra Alva B. Jt. Mrs. Mamta G. Alva. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Ground floor, "Jay Raj Terrace", L. T. Road, Vazira Naka, Borryh (West), Bornbay-92,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2438/83-84, dated 1-5-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 10-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACIT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37EF/4249/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 301, 3rd floor, Shreenath Darshan, Dattapada, Boriyli (East), Bombay-66.

situated at Borivli (East)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and hit agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1691, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/o
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Sahyog Development Corporation. (Transferor)

(2) Shri T. Pandu Rao. (Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the Jate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, Shreenath Darshan, Dattapada, Borivli (East), Bombay-66.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/4249/83-84 date 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV Bombay

Date: 10-1-1985.

(1) Shamlal Nivendram Chhabria.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37EE/2228/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. C/18, Mangalkuni, 4th floor, S. V. Road, Borivali (West), Bombay-400 092 situated at Borivali (W).

(and more rully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1691, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, the following persons, namely:—

(2) 1. Smt. Purnima Subash Khaiara, and 2. Shri Dinesh Narayandas Khiara.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Elat No. C/18, Mangalkunj, 4th floor, S. V. Road, Borivali (West), Bombay-400 092.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2228/83-84 date 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 10-1-1985.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE PICOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37EE/2380/83-84.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 302, 3rd floor, West View, S. No. 119, H. No. 3, C.T.S. No. 890, Eksar, Taluka Borivli (West), Bombay situated at Borivli (W),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), bis been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1691, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) decilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under cubsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) L. N. T. Family Trust.

(Transferor)

(2) Joseph Richards & Consolation Richards.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor, West View, S. No. 119, H. No.3, C.T.S. No. 890, Eksar, Taluka Borivli (West), Bombay.

The agreement has been registered with the Authority. Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2380/83-84 date 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 10-1-1985.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37EE/2627/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

All that piece or parcel of Land at Jambli Gally, Borivli (W), Bearing Survey No. 106A, C.T.S. No. 716, 716(123), Plot No. 83, Final Plot No. 106 T.P.S. III, Bombay situated at Borivli (West).

(and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1691, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—

(1) Jamnadas Gordhandas Merchant & Ors.
(Transferor)

(2) Ashok D. Mariwala, Karta & Manager of H. D. Mariwala,

(Transferee)

(3) The Vendors & Tenants.

H.U.F. & Others.

(Person in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of Land at Jambli Gally, Borivli (West), Bearing Survey No. 106A, C.T.S. No. 716, 716 (12), Plot No. 83, Final Plot No. 106, T.P.S. III, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2627/83-84 date 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date : 10-1-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37EE/2636/83-84.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Share in Land at Village Eksar, Boriwali (West), Bearing S. No. 4, Hissa No. 3, & S. No. 4, Hissa No. 2, Borivali (W), Bombay situated at Borivali (W). (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1691, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:— Muktabai N. Manirekar.

(Transferor)

(2) R. C. Thakkar & Others.

(Transferee)

(4) Aruna Jamnadas & Ors.

(Person in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable p operty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Share in Land at Village Eksar, Boriwali (West), bearing S. No. 4, Hissa No. 3, & S. No. 4, H. No. 2 Borivali (West,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2636/83-84 date 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 10-1-1985.

(1) M/s. K. Thakker,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Jaiprakash, B. Malyiya.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

ARIV/37EE/2500/83-84.--Whereas, I, Ref. No. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Lajja Apartment, Flat No. 1, ground floor, F.P. No. 359, T.P.S., III, Vazira Naka, Borivli (W), Bombay-92. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1691, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mere than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lajja Apartment, Flat No. 1, ground floor F.P. No. 359, T.P.S. III, Vazira Naka, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Authority, Bombay vide serial N. ARIV/37EE/2500/83-84 date 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 10-1-1985.

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Micheal Pinto.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1261 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF, INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/8457/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Flat No. 10 on 2nd floor of bldg. No. 1 on plot No. 6 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (East),

Bombay-59.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

a Bombay on 14/5/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1987 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 10 on 2nd floor of Bldg., No. 1 on Plot No. 6 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri East, Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4857/83-84 on 14/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pasons, namely:—

118--466GI/84

Date: 1-1-1985

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Raymond Tavares.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX, ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4858/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 10 2nd floor of Bldg. No. 1 on Plot No. 13 in Bhawani Nagar, Marol Maroshi Roed, Andheri (East)

Bombay-59.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14/5/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to be the consideration for such tr parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10 on 2nd floor of Bldg. No. 1 on plot No. 13 in Bhawani Nagar, at Marol Maroshi Road, Andheri East,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4858/83-84 on 14/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

Date 11-1-1985 Seal:

and the second s

FORM ITNS-

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Ronald Quadros.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st January 1985

Ref. No. AR.II/37/EE/4860|83-84.-Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 13 on 3rd floor of Bldg. No. 5 on Plot No. 6 in Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (East)

Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14/5/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have renson to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13 on 3rd floor of Bldg. No. 5 on plot No. 6 in Bhawani Nagar, at Marol Maroshi Road, Andheri East, Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II/37EE/4860/83-84 on 14/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

Date 11-1-1985

FORM ITNS ...

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Aloke Mainan Surin and Mrs, Margaret Luc Surin.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4861/83-84.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 14 on 3rd floor of Bldg. No. 6 on plot No. 6 in Bhawani Nagar, at Maror Maroshi Road, Andheri East,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Aurhority at Bombay on 14-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104 on 3rd floor of Bldg. No. 6 on plot No. 6 in Bhawani Nagar, at Marol Maroshi Road, Andheri East, Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authrority, Bombay under No. AR.II/37EE/4861/83-85 on 14/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 1-1-1985

Scal:

FORM INNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Noel Fred and Miss Roseleen D'Souza.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st January 1985

Ref. No. AR II/37EE/4862/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

25,000/- and bearing No. Flat No. 12, 3rd floor of Bldg No. 3rd on plot No. 6 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri East, Bombay 400 059

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 14/5/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 12 on 3rd floor of Bldg. No. 3 plot No. 6 in Bhawani Nagar, at Marol Maroshi Road, Andheri East,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Authority, Bombay under No. on Bombay 14-5-1984 AR.II/37EE/4862/83-84

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II [新華] 577 97 [Bombay

Date 11-1-1985

SSal :

FORM ITNS ---

(1) Shri Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mansbri Mohd. Yunus Miya Mohd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4876/83-84,-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 602 on 6th floor of building No. 1 forming part of Survey No. 41 of village Oshiwara Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 14/5/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned ;--

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602 on 6th floor of Building No. 1 forming part of S. No. 41 of village Oshiwara Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-400 058. The agreement has been registered by the Authority, 14-5-1984. No. AR.II/37EE/4876 on Bombay under

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date 11-1-1985 Seal :

(1) Mr. Siaddin Bukhari,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Abdul Aziz Abdul Razk Mansuri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4877/83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Flat No. 602 on 6th floor of building No. 1 forming part of Survey No. 41 of village Oshiwara Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14/5/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---3 JA 48

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the the publication of this notice in the date of Officia) Gazetto.

EXPLANATION: - The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602 on 6th floor of Building No. forming part of S. No. 41 of village Oshiwara Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4877/83-84 on 14-5-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 11-1-1985

(1) Sanjeev Builders Pvt. Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Tina Steels.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4883/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatier referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

or property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. T-3, 61, Sanjeev Tower Behram Baug, Oshiwara
Village, Andheri-Versova, Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under Section AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14/5/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated by the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Flat No. T-3, 61, Sanjeev Tower, Behram Baug, Oshiwara

Village, Andheri-Versova, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II/37EE/4883/83-84 on 14-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by theh issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date ,11-1-1985 Soal /:

(1) Sanjeev Builders Pvt. Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s Tina Steels.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4884/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasn to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing
Flat No. T-3, 61, Sanjeev Tower Behram Baug, Oshiwara
Village, Andheri-Versova, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14/5/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have nor been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. T-3, 61, Sanjeev Tower, Behram Baug, Oshiwara Village, Andheri-Versova, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II/37EE/4884/83-84 on 14/5/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date 11-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sanjeev Builders Pyt. Limited.

(Transferor)

(2) M/s Tina Steels.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st January 1985

Ref. No. AR II/37EE/4886/83-84.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,0001-

and bearing No.
Flat No. T-3, 61, Sanjeev Tower Behram Baug, Oshiwara Village, Andheri-Versova, Bombay.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14/5/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. T-3, 61, Sanjeev Tower, Behram Baug, Oshiwara Village, Andheri-Versova, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authrity. Bombay under No. AR LL/37EE/4886/83-84 on 14/5/1984.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--... a) #1000

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date 11-1-1985 Scal:

(1) Sanjeev Builders Pyt. Jimited.

(Transferor)

(2) M/s Tina Steels.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st January 1985

Ref. No. AR.II/37FE/4887/83-84.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 f- and bearing No. Flat No. T-3, 61, Sanjeev Tower Behram Baug, Oshiwara Village, Andheri-Versova, Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Scetion AB of the Income tax Act. 1961 in the office of Section AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 14/5/1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE Flat No. T-3 81, Sanjeev Tower, Behram Baug, Oshiwara

Village, Andheri-Versova, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4887/83-84 on 14/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authora Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:-

Date:11-1-1985.

Scal:

(1) Sanjeev Builders Pvt. Limited.

(Transferor)

(2) M/s. Tena Steels.

(Transferee)

47 .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4890/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. T-3 84, Sanjeev Tower, Behram Baug, Oshiwara
Village, Andheri-Versova, Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14/5/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :- .

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. T-3, 84, Sanjeev Tower, Behram Baug, Oshiwara Village, Andheri-Versova, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4890/83-84 on 14/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tra Acquisition Range-II Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date:11-1-1985.

(1) Sanjeev Builders Pvt. Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st January 1985

Ref. No. AR.II/4896/38-84.-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Flat No. T-1, 11, 12, 13 & 14, Behrom Baug, Oshiwata Village, Andheri-Versova, Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14/5/1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following mersons, namely :-

(2) M/s Tina Steels.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. T-1, 11, 12, 13 & 14 Sanjeev Tower, Behram Baug, Oshiwara Village, Andheri-Versova, Bombay.

The agreement has been registered by the Authorty, Bombay under No. AR.II/37EE/4896/83-84 on 14/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II

Date:11-1-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. P. N. A. Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Munira M. Merchant.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4897.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Shop No. 45, Near Apna Ghar 41.S, No. 41, Off J.P. Road, Versova, Andheri (W) Rombay 58

(W), Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 14/5/1984.
for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 3 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Shop No. 45, Near Apna Ghar 41 S. No. 41, Off. J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4897/83-84 on 14/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bompay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely :-

Date: 11-1-1985.

Scal ;

FORM ITNS----

- (1) Sanieev Builders Pvt. Limited.
- (2) M/s Tina Steels.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4885/83-84. - Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/rand bearing Flat marker value exceeding Rs. 25,000/and bearing Flat No. T-3, 63, Sanjeev Tower, Behram Baug, Oshiwara, Village, Andheri-Versova, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

Section AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority a Bombay on 14/5/1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. T-3, 63. Sanjeev Tower, Behram Baug, Oshiwara Village, Andheri-Versova, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4885/83-84 on 14/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 11-1-1985. Seal:

(1) Sanicev Builders Pvt. Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Tina Steels.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4888/83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. T-3, 82 Sanjeev Tower, Behram Baug, Oshiwara

Village, Andheri-Versova, Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14/5/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given m that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. T-3, 82, Sanjeev Tower, Behram Baug, Oshiwara Village, Andheri-Versova, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4888/83-84 on 14/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date:11-1-1985.

Scal:

(1) Sanjeev Builders Pvt. Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Tina Steels.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Bombay, the 1st January 1985

Ref No. AR.II/37EE/4889/83-84.--Whereas, I.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-(nx Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable preperty, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. T-3, 83, Sanjeev Tower, Behram Baug, Oshiwara
Village, Andheri-Versova, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14/5/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in and/or
- respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1987);

THE SCHEDULE

Flat No. T-3, 83, Sanjeev Tower, Behram Baug, Oshiwara Village, Andherl-Versova, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II/37EE/3889/83-84 on 14/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under submetion (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:— 120-466GI/84

Date: 11-1-1985.

(1) Sanicev Builders Pvt. Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Tina Steels.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4891/83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. T-3, 104 Sanjeev Tower, Behram Baug, Oshiwara
Village, Andheri-Versova, Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 14/5/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. T-3, 104 Sanjeev Tower, Behram Baug, Oshiwara Village. Andheri-Versova, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4891/83-84 on 14/5/1984.

LAXMAN DAS Comptent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-1-1985,

Scal :

(1) Sanjcev Builders Pvt. Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Tina Steels.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING

ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR,11/37EE/4892/83-84.--Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R₅. 25,000/- and beating No.

Flat No. T-3, 103, Sanjeev Tower, Behram Baug, Oshiwara Village, Andheri-Versova, Bombay.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), have been transferred and the approximant in tenitarial under

has been transferred and the agreement is registered under Section AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 14/5/1984. tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

THE SCHEDULE

Flat No. T-3, 103 Sunjeev Tower, Behram Baug, Oshiwara

Village, Andheri-Versova, Bombny.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4892/83-84 on 14/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date : 11-1-1985 Seal :

(1) Sanjeev Builders Pvt. Limited.

may be made in writing to the undersigned:-

(Transferor)

(2) M/s Tina Steels.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4893/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. T-3, 102, Sanjeev Tower, Behram Baug, Oshi-wara Village, Andheri-Versova, Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-5-1984,

ing persons, namely:-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment, of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

Objections, if any to the acquisition of the said property

- in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. T-3, 102, Sanjeev Tower, Behram Baug, Oshiwara Village, Andheri-Versova, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4883/83-84 on 14/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Rombay

Date:11-1-1985. Seal:

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Sanjeev Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Tina Steels.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4894/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Season 269B of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. T-3, 101, Santijiev Tower, Behram Baug, Oshiwara Village. Andheri-Versova, Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Ac., 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 14-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monsys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. T-3, 101, Sanjeev Tower, Behram Baug, Oshiwara Village, Andheri-Versova, Bombay.

The agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4894/83-84 on 14-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Laspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date 14-5-1984

FORM ITNS----

(1) Shri Sanjeev Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Tina Steels.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) O FTHE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4895/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-

orderty having a ran market value checkens and bearing No.
Flat No. T-2, 21, 22, 23, 24, Sanjeev Tower, Behram Baug.
Oshiwara Village, Andheri-Versova ,Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the schedule and Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. T-2, 21, 22, 23, 24, Sanjeev Tower, Behram Bang, Oshiwara Village, Andheri Versova, Bombay.

The agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II, 37EE4895 83-84 on 14-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date 14-5-1984 Seal:

FORM ITNS----

(1) M/s R. N. A. Builders.

(Transferor)

(2) Shii Dalbir Singh Joginder Singh.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 11th Jnauary 1984

Ref. No. AR.IJ/37EE/4898/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

41, S. No. 41 (Pt) Off. J. P. Road, Versova, Andheri (West) Rombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bombay on 14-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under somection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 71, Roshanlal Aggarwal Complex, Near Apna Ghat 41, S. No. 41 (Pt) off. J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4898/83-84 on 14-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date 14-5-1984 Seal : The second is a second of the second of the

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th Jnauary 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4901|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Flat No. 1, ground floor in the building Sunnyside Unit No. 3 at plot No. 355, of S. No. 41 (Part) Four Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Sheedule annexed here(1))

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 14-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Lokshandwala Development Corporation. (Transferor)

(2) Mr. Surender Kumar Ahuja.

(Transferee)

(4 M/s. Oshiwata Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Sunnyside Unit No. 3, at Plot No. 355, of S. No. 41 (Part) Four Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.II/37EE/4901/83-84 on Authority, 14-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date 14-5-1984 SSal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4908/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and heaving No.

and bearing No.
Flat No. 406, 404 floor Accord-B, at Plot No. 17 of S. No.
41(P) Four Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay400 058,

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
121.—466GI/84

(1) Mr. Saifee Esmail Danawala & Mrs. Shirin Esmail Danwala.

(2) Mrs. Madhu Niranjan Singh.

(Transferee)

(3) Nil.

(4) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 406, 4th floor, 'Accord-B' at Plot No. 17 S. No. 41 (Part) Four Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/4904/83-84 on 15-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
—Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 11/1/1985,

Scal:

(1) Ahiya & Associates

(Transferor)

(2) Shri Kishin Hukmatrai Kishnani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4908/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marke tvalue exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No. Flat No. 1 on 1st floor in Bldg. 'Ankur', on plot No. 38 TPSII Dadabhoy Road, Andheri (West) Bombay-400 058, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the 'same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 on 1st floor in Bldg. 'Ankur' on plot No. 38 TPS Dadabhoy Road, Andheri (West), Bombay-400 058. The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/4904/83-84 on 14/5/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 11/1/1985, Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5026.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 201 on the 2nd floor, Benhur D at plot No. 15/8 of S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheri (West) Rombay

(West), Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Damayanti P. Baloor & Mr. Mukesh A. Bhatia.

(Transferor)

(2) Shri Uttam Singh Narang S/o Shri Suyan Singh Narang.

(Transferee)

(4) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201 on the 2nd floor, Benhur D at plot No. 15/8 S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5026/83-84 on 19/5/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 11/1/1985

Scal:

(1) Shri Ravishankar Uppoor.

(Transferor)

269D(1) OF THE INCOME.

(2) Shrimati Rekha Kamal Jodhwani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

•

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.11/37EE/5027.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 702, 7th floor, in the building Sunswept-A at plot No. 353 of S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheri (West). Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702, 7th floor, in the building Sunswept-A at plot No. 353 of S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5027/83-84 on 19/5/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 11/1/1985.

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5028.—Whereas, I, I.AXMAN DAS, 'being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 701, on the 7th floor in the building Sunswept-A at plot No. 353 of S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19/5/1984

sombay on 19/5/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than steen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Prablad Kakar.

(Transferor)

(2) Kamal Sewaram Jodhwani.

(Transferee)

(4) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 701, on the 7th floor in the building Sunswept-A at plot No. 353 of S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombav under No. AR.II/37EE/5028/83-84 on 19/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date : 11/1/1985.

(1) M/s, J. S. Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Geeta Ashwinkumar Patel.

whichever period expires later;

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(4) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5031.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 701 on the 7th floor in the building Skyland-B, at plot No. 89, of S. No. 41 (Pt.), Four Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter, (الأهلاء الب-

THE SCHEDULE

Flat No. 701 on the 7th floor in the building Skylark-B, at plot No. 89, of S. No. 41 (Pt.), Four Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5031/83-84 on 19/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Bombay

Date: 11/1/1985.

- (1) M/s. Aluminium Fabricators.
- (Transferor)

- NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
- (2) M/s. Reliance Plastics.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 4th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5033.—Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the income the property having a fair market value exceeding able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Sona Udyog Premises co-op. Soc. Ltd., Unit No. 210, Parsi Panchayat Road, Old Nagardas Rd., Andheri (E), Bombay-69 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 210, Sona Udyog Premises Co-op. Soc. Ltd., Parsi Panchayat Road, old Nagardas Road, Andheri, (E), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5033/83-84 on 19/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 4/1/1985.

(1) Hiralal Lalitkumar & Co.

(Transferor)

(2) Shrimati Bhagwanti Purshottam Skhija.

(Transferce)

(3) Transferors.

. . _

(Person in occupation of the property)

Transferors.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

> ACQUISITION RANGE-II, ROMBAY

OF INCOME-TAX

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5059.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable to the said Act'), have reason to believe that the immovable to the said Act'), have reason to believe that the immovable to the said Act'). property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Flat No. 75, 'C' Wing, 5th floor, Rohit Apartments, Plot No. 52, Off. Jay Prakash Road, 4 Bungalos, Oshiwara, Versova,

Andheri (West), Bombay-59,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 75, 'C' Wing, 5th floor, Rohit Apartments, Plot No. 52, Off. Jay Prakash Road, 4 Bungalow, Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay-59,
The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5059/83-84 on 19/5/1984.

on 19/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:-

Date: 11/1/1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5060.—Whereas, I

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. 17, 'A' Wing, 5th floor, Rohit Apartments, Plot No. 54, Off Jay Prakash Road, 4, Bungalows, Oshiwara Versova, Andheri (West), Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed horsto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 19/5/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transwi/w

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-ter Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--122-466GI/84

(1) Hiralal Lalitkumar & Co.

(Transferor)

- (2) Shri Hari Prasad Gurg.
- (3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferors.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17, 'A' Wing, 5th floor, Rohit Apartments. Plot No. 54, Off. Jay Prakash Road, 4, Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay-59.

The agreement has been registered by the COMPETENT

AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5060/83-84

on 19/5/1984.

. LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-II. Bombay

Date: 11/1/1985,

Scal i

(1) M/s. Sunder Construction Co.

(Transferor)

(2) Smt. Satwantkaur Amirsingh Ailawadi.

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5062/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 306, 3rd floor, Sunder Park, 'A' Bldg., Andheri (West), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (u) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 306 on 3rd floor at 'Sunder Park', 'A' Building, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been regis ered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5062/83-84 on 19/5/1984.

JAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 11/1/1985, Seal:

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Sunder Construction Co.

(Transferor)

(2) Madangauri Amritlal Kapadia & Shri Amritlal Gopaldas Kapadia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

AR.II/37EE/5063/83-84.—Whereas, I, Ref. No. LAXMAN DAŚ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

Flat No. 408, on 4th floor, 'B' Bldg., Sunder Park, Off. Veera

Desai Road, Andheri (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the out of the Competent Authority at Bombay on 19/5/1984

Bombay on 19/5/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 408, on 4th floor, 'B' Bldg., Sunder Park, Off. Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5063/83-84 on 19/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said . Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11/1/1985.

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Inderjit Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. & Mrs. Ram Mulchand Shivlani,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5083.—Whereas, J. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propery, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 1, on 7th floor, A-Wing, Twin Towers, Plot No. 8A & 8B, S. No. 41 (Part) at Village Oshiwara, Four Bungalows, Off. J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trasfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1, on 7th floor, A-Wing, Twin Towers, Plot No. 8A & 8B, S. No. 41 (Part) at Village Oshiwara, Four Bungalows, Off. J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5085/83-84 on 19/5/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 11/1/1985.

Scal:

(1) Shri Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 2697 (1) OF THE INCOME-

(2) Mrs. Zakia Nazim Ansari.

(Transferce)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5091.—Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (nereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No

Flat No. 201 on 2nd floor of Building No. 5, forming Part of Survey No. 41 of village Oshivra, Andheri (W), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the offer of the Competent Authority at Bombay on 21/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparer: consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subcurion (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, on 2nd floor of Building No. 5, forming part of Survey No. 41, Village Oshivara, Andheri, Bombay-58.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5091/83-84 on 21/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 10/1/1985. Seal:

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Shri Mehboob Rehman Mulla.

(Transfer

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSION R OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5093.- Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-

and bearing
Flat No. 304, 3rd floor Building No. 5, forming part of Survey No. 41, of Oshiwara Village, behind Behram Baug, Joge hwari (West), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered unit. Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the other of the Competent Authority at

Bombay on 21/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Habilit. of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; THE SCHEDULE

THE SCHEDULE
Flat No 304, 31d floor Building No. 5, forking part of
Survey No. 41 of Oshiwara Village, behind Behram Baug,
Jogeshwari (West), Bombay-48.
The agreement has been registered by the COMPLENT
AUTHORITY, Bombay under No. AR 11/37EE/5093/83-84

on 21/5/1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: -

Date : 10/1/1985. Scal .

FORM ITNS----

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Mr. Shabbii Ahmed Khatib.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF UNDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II,

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5100.-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Fint No. 504, 5th floor of Bldg. No. 11, forming part of S. No. 41 of Village Oshivara behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-400 058 (and more Jully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the violette Competent Authority at Bombay on 21/5/1984

Bombay on 21/5/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under substitution (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, on 5th floor of Bldg. No. 11, forming part of S. No. 41, of Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58,

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5100/83-84 on 21/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10/1/1985,

FORM I.T.N.S.

(1) M/s Omex Builders & Contractors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Narendra S. Gupta and Smt. Laxmi M. Gupta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5113/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

Shop No. 3, Ground floor, at Hara Akal Co.op Housing Society 1 td. Chakala. Andheri (East). Bombay-69 (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority
at Bombay on 21-5-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the bability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Ground floor, Hara, Akal Co-operative Housing Society Itd., Andheri (East), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5113/83-84 on 21-5-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Ass'stant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-1-1985

(1) M/s. Omex Builders & Contractors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st January 1985

Ref. No. AR.JI/37EE/5114/83-84.—Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-

and bearing No.
Shop No. 3, Ground floor at Hara Akal Co-op. Housing Society Ltd.. Chakala, Andheri (East), Bombay-69

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:

123—466GI/84

(2) Mr. Bhupendra S. Gupta, Mr. Narendra S. Gupta, and Mrs. Bhoodevi S. Gupta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaustie.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Ground floor, at Hara Akal Co-op. Housing Society Ltd., Chakala, Andheri (Fast), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5114/83-84 on 21-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 1-1-1985

(1) Mr. Zaudin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Valiallahuseni A. Peerzade.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5116.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

Flat No. 401 on 4th floor of building 1212 Oshivara Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 21-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in raspect of any income arising from the transferand /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); 1922

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401 on 4th floor of Building No. 12 forming part of S. No. 41 of village Oshivara behind Behram Baug, logeshwari (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARJI/37EE/5116/83-84 on 21-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-1-1985

Seal ·

FORM ITNS-

(1) M/s. Sahakar Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st January 1985

Rct. No. AR.II/37EL/5146/83-84 -- Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and hearing.

Shop No. 3, Ground floor, 'Saroj Apartment, at CIS No 13/37/2, at Village Mulgaon, Mahakali Caves Road, Andherr (F). Bombay-99

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ocen transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority
at Bombay on 22-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any lacome arising from the transfer; and/or
- (b) tacditating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following per on a namely:—

(2) Smt. Meeta Virchand Gada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Ground floor in building 'Saroj Apartment' at property C1S No. 13/37/2, at Village Mulgaon, Muhakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-99.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.H/37EF/5146/83-84 r 22-5-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Bomb ty

Date : 1-1-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Usman Ali Mohd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5176.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable to the said Act') have reason to believe that the immovable appearing the context to the available of the context to the property of the property the property property, having a fair market value exceding Rs. 25,000/and bearing No.

Fig. No. 301 on 3rd floor of Bldg. No. 10 forming part of survey No. 41 of village Oshivara Behind Behram Baug, Jogeshwari West, Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under S ction 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; anā/91
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301 on 3rd floor of Building No. 10 forming part of Survey No. 41 of village Oshiwara Behind Behram Baug, Jogeshwari West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authorist, Bombay under No. AR.II/37EE/5176/83-84 on 23-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bornbay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-1-1985

Seal t

(1) Mr. Zauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX\ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5177.—Whereas, I,

Ref. No. AR.11/3/EE/5177.—Whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Admortly under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (the marter referred to as the 'said Act') nave reason to believe that the immovable property having a faut market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing. Hat No. 702 on 7th floor of building No. 3 forming part of S. No. 41 of village Ochivara, Rehind Rehian Bourg, Joseph.

S. No. 41 of village Oshivara, Behind Behjan Baug, Jogeshwati (West), Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has oeen transferred and the agreement is registered under Section 209AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(2) Abida Bano Amanulia Khilji.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. 702 on 7th floor of building No. 3 forming part of survey No. 41 of village Oshivara, Behind Behjan Baug, Jogeshwari (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5177/83-84 on 23-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-1-1985

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.II/37EF/5186—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 204 on 2nd floor in the building Accord-B, at Plot No. 17 of S. No. 41(p) Four Bungalows, Versova, Andheri West), Bombay-58 and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the ancement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- 1957 (27 of 1957);

(1) Kumari Archana Chopra.

(Transferor)

(2) Mr. Bhogwan Lokram Chablani.

(Transferce)

(4) M/s Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,

Flat No. 204 on the 2nd floor in the building Accord-B, at Plot No. 17 of S. No. 4 (Part) Four Bungatows, Versova, Andheri (W), Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FE/5186/83-84 on 23-5-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 11-1-1985

FORM ITNS ----

(1) M.s. Apex Construction.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Joy Orlando Kadnar and Mrs. Bertha Manual Kadnar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.11/37EE/5201.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25000/- and bearing No. Flat No. A-201 on 2nd floor, in 'Atlas' Apartment at Four Bungalows, Anchori (West), Bombay-400 0.00, (and more full, described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 260AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-5-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proprty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tay under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

bint No. A-201 on 2nd floor in 'Atlas' Apartment at Four Bungalows, Andheir (West), Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5201/83-84 on 25-3-1984. 25-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, Ly the following persons, namely:-

Date: 11-1-1985

(1) Shri Kailash B. Joshi and Other.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF TI... INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dilip D. Parmar and Other.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONLR OF INCOME-TAX
ACQUISTION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5203.—Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe 'hat the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

8-B, Shree Navratna CHS Ltd., 9th Road, Khar, Ramakrishna Soc., JVPD Scheme, Vile Parle (W), Bombay-56 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-5-1984 for can apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given for that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THF SCHEDULE

8-B, Shree Navratna CHS Ltd., 9th Road, Near Ramakrishna Society, JVPD Scheme, Vile Parle (W), Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5203/83-84 on 25-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authors
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date . 10-1-1985

. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5211.—Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 106 on 1st floor in building Kenmore at plot No. 346 of S. No. 41 (part) Four Bunglows, Versova, Andheir

(West), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/ar

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsolkion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---124-466GI/84

(1) Neelam Kirtikar. Mr. Sudish S. Kirtikar,

(Transferor)

(2) Mrs. Sandhya Ram Shinde,

(Transferce)

(4) M/s Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 106 on the first floor in the building Kenmore at Plot No. 346 of S. No. 41 of Four Bunglows, Versova, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5211/83-84 on 25-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bomb v

Date: 11-1-1985

Ä

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

The state of the s

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE'-II BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5212.—Whereas, I. LAXMAN DAS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat No. 203 2nd floor in the building Benhur-D at plot No. 15.8 of S. No. 41 (Part) Four Bunglows, Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-5-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeaald property and I have reason to believe that the fair market value of the aforeasid property as aforesaid Exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, unererore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

(1) Mr. Elyas Haji Suleman Patel.

(Transferor)

(2) Mr. Praful Kalyanji Vasani & Mrs. Girja Praful Vasani,

(Transferee)

(4) M/s Oshiwara land Development Co. (P) Ltd.

(Person whom the undersigned know to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Garette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203 on the 2nd floor in the Berhnur-D at plot No. 15/8 S. No. 41 (part) Four Bunglows, Versova, Andheri-(West), Bombay-58.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5212/83-84, on 25-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta Acquisiteion Range-II. Bombay

Date: 11-1-1985

Seal;

PART III-SEC. 1]

FORM I.T.N.S.~

(1) M/s National Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Summermal R. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMRAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5216.-Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 304 & part of flat No. 303 in Manu Smruti Bldg. 25. Teipal Rand, Vile Parle (E). Bombay-57, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-5-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. end /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this active in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by may other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304 & part of flat No. 303 in Manu Smruti Bldg. 25, Tejpal Road, Vile Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5216/83-84 on

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisiteion Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-1-1985

25-5-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Goyal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Narandas Pitamber Bhadasia Smt. Neelam Chandrakant Bhadasia & Smt. Tarulata Arvind Bhadasia and Sunderdas B. Bhatt Chawl.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 1st January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5219/83-84,---Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. D-303 on 3rd floor in 'Minal Apartments at Old Nagardas Rd., Andheri (East) Bombay-400 069, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

of the Competent Authority at Bombay on 25-5-1984
market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D-303, 3rd floor in 'Minal Apartments' at Old Nagardas Road, Andheri (East), Rombay-4000 69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5219/83-84 on 25-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitelon Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 1-1-1985

(1) M/s Goyal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Narendra C. Shah, Shri Chhotalal C. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 1st January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5220/83-34.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

and bearing
No. Flat No. 302, 3rd floor in 'Minal Apartments' at Old
Nagardas Road, Andheri (East), Bombay-400 069,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority at
Bombay on 25-5-1984
for an apparent considering which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reoson to
believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been owhich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Nagardas Road, Andheri (East), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5220|83-84 on 25/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisiteion Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

Date: 1-1-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Mrs. Roshanbi Mehboob Yakin.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5248.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 203 on 2nd floor of Bldg No. 7 forming part of S. No. 41 of village Oshivara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W) Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-5-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires lates;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203 on 3rd floor of Bldg No. 7 forming part of S. No. 41 of village Oshivara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5248/83-84 on 26-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 10-1-1985

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.11/37EE/5258.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. B, 1st/2nd floor, Al Bldg. House No. 11 Bidg. Abhishek Apt., 4-Bunglows, Versova, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay, or 26-5 1984

Bombay on 26-5-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Omprakash & Co.

(Transferor)

(2) Mrs. Savitri Rameshlal.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)
(4) Dr. Bansi I Wadia.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B. 1st/2nd floor, Al Bldg. House No.11 Abhishek

Apartment, 4-Bunglows, Versova, Andheri.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5258/83-84 on . 26-5-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pérsons namely:--

Date: 11-1-1985

NUTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5259, —Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. Flat A, Ground floor, A1 Bldg, House No. 11 Bldg, Abhishek Apt. Behind ESIC Nagar 4-Bunglow, Versova,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 26-5-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Omprakash & Co.

(Transferor)

(2) Mrs. Shanta Dhawan.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)
(4) Dr. Bomsi J. Wadia,

(Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

Objections. If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the und Act. shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. A, Ground floor, 'A1' Bldg. House No. 11, Bldg. Abhishek Apartment, Behind ESIC Nagar, Versova, Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. A.R.II/37EE/5259/83-84 on 26-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 11-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) &

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR II/37EE/5260,-Nhereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. A, Ground floor, A1 Bldg. House No. 12,

Abhishek Apt. Four Bunglows, Versova, Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Воль оп 26-5-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration

therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Omprakath & Co.

(Transferor)

(2) Shri Vinod K. Joshi.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)
(4) Dr. Bomsi J. Wadia.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A, Ground floor, A1 Bldg. House No. 12, Abhishek Apartment, Behind ESII Nagar, Four Bunglows, Versova, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II/37EE/5260/83-84 on 26-5-1984.

LAXMAN DAS Competent Author Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

125—466GI/84

Date: 11-1-1985

FORM PINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5261.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.
Flat No. B. 1st/2nd floor, in A1 Bldg. Row House
No. 12, Bldg. Abhishek Apt., Behind ESIC Nagar, 4Bunglows Versova, Bombay.

(and more rully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Townsernx Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-5-1984,

tor an apparent consideration which is less than the fair maret value of the aforesaid property and I have reason to oelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the seid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresuid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269® of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Omprakash & Co.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Tolaram.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Dr. Bomsi J. Wadia.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. E. 1st/2nd floor, in A- Bldg. Row house No. 12, Bldg. Abhishek Apartments, Behind ESIC Nagar, 4-Bunglows, Versova, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5261/83-84 on 26-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 11-1-1985

(1) M/s, Ompiakash & Co.

(Transferor)

(2) Shri Ramchand Wadhwa.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)
(4) Dr. Bomsi J. Wadia.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5262.-Whereas, I,

LAXMAN DAS
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No A, ground floor, Al Bldg. House No. 14, Bldg. Ashishek Apt., Behind ESIC Nagar, Four Bunglows,

Versova, Bombay,

Versova, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-5-1984, for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concentration of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta. Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Guzette of a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used bergin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. A, Ground floor, Al Bldg. House No 14, Bldg. Abhishek Apartment, Behind ESIC Nagar, Four Bunglows Versova, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5262/83-84 on 26-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 11-1-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Nayab Alı Raza Ali Sayed.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR,II/37EE/5282.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25.000/- and bearing

No. Flat No. 504, 6th floor of Bldg No. 10 S. No. 41 of Village Oshiware Behind Behram Baug, Jogeshwari West, Bombay-50,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay 26-5-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 604 on 6th floor of Building No. 10 forming part of S. No. 41 of Village hiware Behind Behram Baug, Jogeshwari West, Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5282/83-84 on 26-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1985

(1) Goyal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kusum K. Gala and Shri Paresh K. Gala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 1st January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5521/83-84.—Whereas, I, LAXMAIN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have leason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|bearing No.

No. Fine No. C-302 on 3rd floor in Minal Apartments' at Old Nagardas Road, Andheri (East), Bombay-400 069, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay (n 25-5-1984, for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. C-302 on 3rd floor in 'Minal Apartments at Old Nagardas Rd. Andheri (East), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5221/83-84 on

26-5-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons. namely :--

Date: 1-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITIIN RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE//5624.—Whereas, I, LAXMAN_DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Flat No. 1902, on the 19th floor in the building Premium Towers at Plot No. 351 of S. No. 41 (Part) Four Bunglows, Versova, (Andheri (West) Bombay-58, and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-5-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

- (1) M/s Lokhandwala Development Corporation.

 (Transferor)
- (2) Mr. (Dr.) Vijay Kaul.

(Transferee)

(3) M/s. Oshiwata Land Development Company
Private 1 td

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice, in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same maening as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 1902 on the 19th floor in the building Premlum Towers at plot No. 351 of S. No. 41 (Part) Four Bunglows, Versova, Andheri (West) Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5624/83-84 on 26-5-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 11-1-1985

FORM LT.N.S.---

- (1) M/s Lokhandwala Development Corpn.
- (Transferor)

(2) Mrs. Usha Kaul.

(Transferce)

(3) M/s Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITIIN RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5625.--Whereas, I,

LAXMAN DAS.
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (neremafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Flat No. 1901 on the 19th floor in the building Premium Towers at Plot No. 1351 of S. No. 41 (Part). Four Bunglows, Versova, Andheri (West) Bomb 19-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the agreeont is registered under Section 269AB of the Income Tax Aot, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 26-5-1984,

Bombay on 26-5-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Flat No. 1901 on the 19th floor in the building Premium Towers at Plot No. 351 of S. No. 41 (P) Four Bunglows, Vetsova, Andheri (West). Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5625/83-84 on 26-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 11-1-1985

[PART III-SEC .

FORM ITNS

(1) Mr. Z. Bukhari.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ismail Zainuddin Dalvi.

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITIIN RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5656.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Flat No 302 on 3rd floor of Building No. 6 forming part of S. No 41 of village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari, Bombay-400 058.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under

Sec 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the competent authority at

Bombay on 28-5-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fau market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fisteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302 on 3rd floor of building No. 6 forming part of S. No. 41 of village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5656/83-84 on 28-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-1-1985

(1) Shiv Shakti Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pharma Offset.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITUN RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 1st January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5669/83 84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Industrial Shed No. 255, 2nd floor Phase No. III, Shiv Shakti Industrial Estate Marol Village Off Andheri Kurla Rd. Andheri (Fast) Bombay-400 059.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of Authority at

Bombay on 28-5-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely :---

-466GI/84

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichover period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Indul. Shed No. 255, 2nd floor Phast No. III, Shiv Shakti Industrial Estate, Marol Village Off. Andheri Kutla Road Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EL 5669 83 84 on 28-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissione of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dato: 1-1-1985

FORM ITNS...

(1) Mr. Ziguddin Bukhari.

(Transferor)

_

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAXPACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Latif Khan Rahim.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5679.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 101, on 1st floor of Building No. 1 forming part of S. No. 41 of Village Oshiwara, Behind Behram Baug. Jogeshwari West, Bombay-400 008, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay 28-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration than the than the fair market value of the property and I have reason to be apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of the property and I have reason to be appar

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same socaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 101 on 1st floor of Bldg. No. 1 forming part of S. No. 41 of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari West, Bombay-400 008.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/3717E/5679/83-84 on 28-5-84.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-85

(1) M/s. J. D. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sumati Maruti Ambetkar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5697.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the interpretation of the said Act') in the said Act'. movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 2, 3rd floor, Vidhya Villa No. 3B

at 24C/B, Old Nagardas Road, Andheri (E),

Bombay-69

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sasets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 2, 3rd floor, Vidhya Villa No. 3B at 24C/B, Old Nagardas Road, Andheri (E), Bombay-69. The agreement has been registered by the Competent Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5697 on 28-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquiistion Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-1-85

FORM ITNS...

- (1) Shiv Shakti Builders.
- (Transferor)
- (2) Kare Enterprises.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5712/83-84.—Whereas, I, I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

bearing No. Industrial Shed No. 123 on first floor, in Phase III, Shiv Shaktı Indul. Estate, S. No. 79 H. No. 15 S. No. 80 H. No. 1 of Marol Village Off. Andheri Kurla Rd. at Andheri (E), Hombay-59.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 30-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 123, on first floor, in Phase III Shiv Shakti Indl. Estate, S. No. 79 H. No. 15, S. No. 80 H. No. 1, of Marol Village Off Andheri Kurla Road, at Andheri East, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5712/83-84 on 30-5-1984.

LAXMAN DAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquiistion Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-1-85

(1) M/s. Dipti Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Laxmibai Narayan Sabnis and Sh. Arun Narayan Sabnis.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5715/83-84.--Wereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A, 7 in building

'Trupti Apartments' Koldongri Rd.

No. 2, Andheri (East). Bombay-69. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilities the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. A-7 in 'Trupti Apartments' Koldongri Rd. No. 2 Andheri (E), Bombay-69. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5715/83-84 on 2-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquistion Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the saue of this notice under subacquion (1) of Section 269D of the said Act, to the following portons namely:-

Date: 1-1-85

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5723.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bearing No. Flat No. B, 1st/2nd floor, A1 Bldg. House, No. 13, Abhishekq Apartments, Four Bunglows

Versova, Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 30-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Omprakash & Co.

(Transferor)

(2) Mrs. Chanchal B. Khanna.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property) (4) Dr. Bomsi J. Wadia.

(Person whom the undersigned kqnows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B, 1st/2nd floor, A1 Bldg. House No. 15, Abhishek Apartment, 4-Bunglows, Versova, Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5723/83-84 on 30-5-84.

> LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 11-1-85

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5724.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding bearing No. Flat No. B, 1st/2nd floor, A1 Bldg. House No. 16 Abhishek Apartment, Four Bungalows, Versova, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 30-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (\$7 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, of hereby initiate proceedings for the acquisition of the afor aid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Omprakash & Co.

(Transferor)

(2) Sh. Vinod S. Parikh.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property) (4) Dr. Bonmsi S. Wadia.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the hald property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B, 1st/2nd floor, in A1 Bldg. House No. 16, Abhishek Apartment 4-Bunglows, Versova, Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5724/83-84 on 30-5-1984.

> LAXMAN DAS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JI, Bombay.

Date: 11-1-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5725,---Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-bearing No. Flat No. A, 1st/2nd 'fir. A1 Bldg. House No. 16, Bldg. Abhishek Apartment, Four Bunglows Versova Bombay

bearing No. Flat No. A, 1st/2nd fir. A1 Bldg, House No. 16, Bldg. Abhishek Apartment, Four Bunglows, Versova, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 30-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the Acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Omprakash & Co.

(Transferor)

(2) Sh. Chetan S. Parikh.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Fr. Bomsi J. Wadia.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the tervice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A, 1st/2nd floor, A1 Bldg. House No. 16, Abhishek Apartment, Behind ESIC Nagar, 4-Bunglows, Versova, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Application of the Competent and the Competent of the Competent and the Competent of the Co

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5725/83-84 on 30-5-84.

LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 11-1-85.

NCTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5728.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing No. Flat No. A, Ground floor,
A1 Bldg. House No. 13, Bldg. Abhishek
Apartment, Behind ESIC Nagar, 4-Bunglows, Versova,

Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 30-5-84 for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any. moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:---12, --- 466GI/84

M/s. Omprekash & Co.

(Transferor)

(2) Miss Binu B. Khanna.

(Transferec)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Dr. Bomsi J. Wadia.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respec-tive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the name meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. A, Ground floor, A1 Bldg. House No. 13, Bldg. bhishek Apartment, Behind ESIC Nagar, 4-Bunglows, **A**bhishek

Versova, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5728/83-84 on 30-5-84.

> LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 11-1-85.

FORM ITNS----

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

[PART III-SEC. 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Masrooruddin Ruknuddin,

(Transferea)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 1st January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12197/83-84.—Whereas, 1, LAXMAN DAS, LAXMAN DAS, bring the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding bearing No. Flat No. 301, Building No 6 Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W).

Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incomp-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid averaged, the apparent consideration therefore he market said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1-57 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazefte.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, on 3rd floor of Bldg. No. 6 Forming part of survey No. 41, of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (West) Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37FE/12197/83-84 on

1-5-1984,

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persees, namely :---

Date: 10-1-85

(1) Miss Bharati D. Datwam Miss Bhagwanti Menghrai Datwani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Harry Lawrence Lobo.

(Transferre

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.II/37EF/12201.-Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing bearing No. Flat No. 405, 4th floor, Regency 'B' Plot No. B-3, of S. No. 41 (Part)

Four Bunglows, Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) incllitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:-

THE SCHEDULE

Flat No. 405, 4th floor, Regency 'B' Plot No. B-3 of S. No. 41 (part) Four Bunglows, Oshiwara, Versovu, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12201 on 1-5-Competent 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-1-85

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shabbir Ahmed Shaikh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12202/83-84.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|bearing No. Flat No. A/11/304 on the 3rd floor of Bldg. No. 11 forming part of Survey 4 of Oshivara Village, Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-400 058.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-5-84 fur an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Naw, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Flat No. A/11/304 on the 3rd floor of building No. 11. forming part of survey 4 of Oshivara Village, Behind Behram Baug Jogeshwari (West) Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12202/83-84 on 7-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 10-1-85

(1) M/s, Dipti Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJ, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.II/377/12209/83-84.--Whereas, L. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovant the said Act') is the said Act'. able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/· and

bearing No. Plat No. B-5, in Trupti Apartments, Koldongri Rd. No. 2, Andheri (East), Bombay-400 069.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(2) Mr. Raghunath N. Naik & Mrs. Aruna R. Naik,

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-5 in Building Trupti Apartments' Koldongri Road No. 2, Andheri (East), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12209/83-84 on 2-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 1-1-85

FORM I.T.N.S.---

(1) Nahar Seth & Jogani Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Bhanwarlal S. Nahar Family Trust. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immov-

Bombay, the 1st January 1985

able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.II/37EE/12213/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

> EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver us that Chapter.

bearing No. Flat No. 810, 8th floor in Everest Building at Jay Prakash Narayan Rd. Versova, Andheri (West) Bombay-400 023,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ben transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 810 on 8th floor in Everest Building at Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri (West), Bombay-500 061.

The agreemnt has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12213/83-84 on 2-5-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-1-85.

(1) Nahar Seth & Jogani Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bhanwarlal B. Nhar Family Trust.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12214/83-84.—Whereas, I,

Ref. No. AR.II/37EE/12214/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1981 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 608 on 6th floor in 'Everest Building' J.P. Road, Versova, Andheri (West), Bombay-61. (and more fully described in the Schedule annexed herets), has been transferred and the agreement is registered under

has ben transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 608 on 6th floor in Everest Building, Jayprakash Narayan Road Versova, Andheri (West), Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/12214/83-84 on 2-5-1984.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tex Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 11-1-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Nahar Seth & Jogani Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sukhroj B. Nahar Family Trust.

· (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING. ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12215/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing No.

Flat No. 1005, 10th floor, in

Flat No. 1005, 10th floor, in Everest Building, Jay Prakash Narayan Rd., Versova, Andheri (West), Bombay-400 061. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any merceys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1005 on 10th floor in Everest building Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri (West), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARJI/37EE/12215/83-84 on 2-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 11-1-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. Ziauddia Bukhari

(Transferor)

(2) Noor Afroz Begum

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Rcf. No. AR. II/37EE/12216/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beraing

Flat No. 403 on 4th floor of building No. 5 forming part of S. No. 41 of village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari West, Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is Registered under section 269AB of the Income-Tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilizating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following per ons, namely:—
128-466G1/84

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403 on 4th floor of building No. 5 forming part of Survey No. 41 of village Oshiwara, behind Behram' Baug, Jogeshwari West, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. 11/37FE/12216/83-84 on 2-5-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-1-1985

Scal:

FORM I.T.N.S .--

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ansari Mohd. Sultan

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR. II/37EF/12217/83-84.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 302 on 3rd floor of Building No. 5 forming part of S. No. 41 of village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari West, Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

Flat No. 302 on 3rd floor of Building No. 5 forming Part of survey No. 41 of village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/12217/83-84 on 2-5-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 10-1-1985

Scal :

FORM I.T.N.S.—

(Transferor)

(1) M/s. R. N. A. Builders

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Kay Bee Marketing Consultancy (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR. II/37EE/12218.-Whereas, I, LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25.000 and bearing
Shop No. 56 Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Andheri
Versova, Off. Jay Prakash Road Versova, Bombay-58
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is Registered under section 269AB of the Income-Tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDING

Shop No. 56, Roshanlal Aggarwal Shopping Acrade, Anheri Versova, Off. Jay Prakash Road, Versova, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/12218/83-84 on 2-5-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-1-1985

Scal:

7688

FORM ITNS

(1) Nahar Seth & Jogani Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bhanwarlal B. Nahar Family Trust

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR. II/37EE/12219/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 708 on 7th floor in Everest Building, Jayprakash Narayan Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400 061, (and more fully described in the Schedule sancked herete). has been transferred and the agreement is Registered under section 269AB of the Income-Tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumen.

of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, .1922 (27 of 1957); Flat No. 708 on 7th floor in Everest building, Jayprakash Narayan Road, Versova, Andheri (West) Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, II/37EE/12219/83-84 on 2-5-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-1-1985

Scal :

(1) M s Harishivam Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Atul R. Parikh and Shri Ramniklal P. Parikh

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR. II/37F7/12220/83-84.—Whereas, 1. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rs. 23,0007- and bearing No.
Flat No. 302, Haishi am Apartments, Kapur Buildings, J.
P. Road, Audheri (W). Bombay-58,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered
under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961,
in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the , parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, mmd/(vr

(b) facilitating the concealment of any income or 7-3 moneys or other assets which have not been or which bught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lar
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used htrein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302 in Harishivam Apartments, Kapur Buildings, F. P. Road, Andheri, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/12220/83-84 on 2-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dute: 11-1-1985

FORM ITNS----

(1) M/s. Harishivam Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nitin R. Parikh and Smt. Sudha N. Parikh

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR. II/37EE/12221/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 402 on 4th floor of building No. 3 forming part of

P. Road, Andheri, Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evalue of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concomment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fint No. 303 in Harishivam Apartments Kapur Buildings, J. P. Road, Andheri, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/12221/83-84 on 2-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-1-1985

Scal:

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Anwari Mohd. Nabi Khan

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR. II/37EE/12222/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

Flat No.402 on 4th floor of building No. 3 forming part of S. No. 41 of village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari West, Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 2-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402 on 4th floor of building No. 3 forming part of Survey No. 41 of village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari West, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/12222,/83-84 on 2-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sections, namely:—

Date: 10-1-1985

Seal;

FORM IINS---

(1) Nahar Seth & Jogani Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sukhraj S. Nahar Family Trust.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR. II/37EE/12223/83-84.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 905 on 9th floor in Everest Building, Jay Piakash Narayan Road, Versova, Andheri West, Bombay-61, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-5-1984

for an apparent consideration which is less than the nair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 905 on 9th floor in 'Everest Building', Jay Prakash Narayan Road. Versova, Andheri (West), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, II/37EE/12223/83-84. on 2-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissionet of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-1-1985

(1) Nahai Seth & Jogani Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sukhraj B. Nahar Family Trust.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR. II/37EE/12224/83-84.—Whereas, I

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 1105 on 11th floor in Everest Building, Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri (West) Bombay-400 061, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 2-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
129—466 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1105 on 11th floor in Everest Building, Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/12224/83-84 on

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date : 11-1-1985

FORM I.T.N S.

(1) R. N. A. Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR. II/37EE/12225/83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 25,000/and bearing No.

transfer with the object of :-

and bearing No. Roshanial Aggarwal Complex, Arcade, Flat No. 21, 'B' Wing, 2nd floor, Versova, Near Apna Ghar, 41, S. No. 41 & Plot No. 42 and 43 Off. J. P. Road, Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). Wing, 2nd floor, Versova, Near Apna Ghar 41, s. No. 41 & has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

Bombay on 2-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Dr. Kishore K Rao

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Roshanlal Aggarwal Complex, Arcade, Flat No. 21 Rosnanda Aggirwar Complex, Arcade, Flat No. 21 B Wing, 2nd floor, Versova, Near Apna Ghar 41 S. No. 41 & Plot No. 42 and 43 off, J. P. Road, Bombay-58,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, II/37EE/12225/83-84 on

2-5-1984

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following opprons, namely :---

Date: 11-1-1985

FORM I.T.N.S .--

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

(2) Aslamkhan Hasanlikhan

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA .

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR. 11/37EE/12226/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority

under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marke. value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 303 on 3rd floor of building No. 11 forming part of S. No. 41 of Oshivara Behind Behram Baug, Jogheshwari (West), Bombay-58,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection, (1) of Section 269D of the said Act, to the following (from namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given be that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 303 of 31d floor of Bldg. No. 11, forming part of S. No. 41 of Village Oshivara Behind Behram Bang, Jogeshwari (West) Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/12226/83-84 on 4-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date + 10-1-1985 Seal:

FORM ITNE

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

(2) Mrs. Nema Quezer Motiwala

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref No. AR. II/37EE/12242/83-84.---Wherean, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

Flat No. 401 on 4th floor of Building No. 11 forming part of Survey No. 41 of Oshivara Village, Behind Behram Baug

Jogeshwari (West), Bombay-400 058, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 4-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401 on 4th floor of building No. 11 forming part of survey No. 41 of Oshivara Village, Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/12242/83-84 on 4-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-1-1985 Scal:

(1) R. N. A. Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pokandas Lachhamandas

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR. II/37EE/12254.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovible property, having a frii market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Flat No 21, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Near Apana Chat 41, S. No. 41 Oif, J. P. Road, Andheri (West),

Bombay-400 058,

(and more fully described in the Schedule annexed he.etg) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 5-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: 884/a-
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 21 Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade near Apana Ghar-41 S. No. 41 Off. J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/12254/83-84 on 5-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 296D of the said Act, to the follow ing persons, namely:-

Date . 11-1-1985

(1) Hiranaudani Builders

(Transferor)

(2) Mrs. Hanna Ben

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME:TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR, II/37EE/12258,--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing
Flat No. J-504 at Hiranandam I-state, Four Bunglows,
Andheii (West), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 mays from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 3/504 at Hiranandani Estate Four Bunglows, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/12258/83-84 on 5-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : --

Date: 11-1-1985

Seul:

(1) Mr Zainddin Bhukhari

(Transferor)

(2) Mis. Nassem Akhtar,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No AR. II/37EE/12263/83-84 --- Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 601, 6th floor, Bldg No. 13 forming part of S. No. 41 of village Od wara behind Behran Baug, Jogeshwari (West), Bombay-400 058, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislcosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in

THE SCHEDULE

Flat No. 601 on 6th floor, Bldg No. 3, forming part of Survey No. 41, of village Oshivara behind Behran Baug, Jogeshwari, (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EE/12263/83-84 on 5-5-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date . 11-1-1985

Soal :

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M. Ashraf Hussain

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR-II/37EE/12264.-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 602 on 6th floor of Bldg No. 3 forming part of survey No. 41 of Village Oshivara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W) Bombay-400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persous, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602 on 6th floor of Bldg No. 3 forming part of survey No. 41 of Village Oshivara, Behind Behram Baug, Jogeshwari(W) Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FE/12264/83-84 on 5-5-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10/1/1985

PART III-SEC. 11

7701

FORM ITNS-

(1) M/s Sahabar Builders.

(Transforer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shi Hiralal Dayabhai Patel

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 1st January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12266/84-85.-Whereas, J, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Shop No. 4 'Saroj Apartment' CTS No. 13/37/2, at Village
Andheri (East). Bombay-Mulgaon, Mahakali Caves Rd., Andheri (East), Bombay-

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5/5/1984

Bombay on 3/3/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period (4) 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4 Ground floor in building 'Saroj Apartment' at property bearing CTS No. 13/37/2, at Village Mulgaon, Mahakali Caves Rd., Andheri (East), Bombay-400 099.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12266/83-84 on 5-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

130—466 GI/84

Date: 1-1-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Zohra Khatoon Abdul Kayyum

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.II/37FE/12271.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 101 on 1st floor of Building No. 11, forming part
of Survey No. 41 of Village Oshivara, Behind Behram Baug,
Jogeshwari West, Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 5/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assArk which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101 on 1st floor of Building No. 11, forming part of Survey No. 41 of Village Oshivara, Behind Behram Baug, Jogeshwari West, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12271/83-84 on 5-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 10/1/1985 Seal ·

FORM TINS-

(1) Stauddin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jan Mohd, Karla

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12272.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value Flat No. 102 on 1st floor of Bldg No. 1 forming part of S. No. 41 of Village Oshivara, Behind Behtam Baug, Jogeshwaii (West), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registerede under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-5-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for cut transfer a agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other persons interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102 on 1st floor of Bldg No. 1 forming part of S. No 41 at Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12272/83-84 on 2-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 10/1/1985

(1) M/s Deepak Builders Fvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Jumana Shabbir Jaorawala & Shabbir Alibhai Jaorawala

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 1st January 1985

Ref. No. AP.II/37EE/12279/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, \cdot

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 18, 4th floor of Bldg. No. 3 Plot 6. 16, in Bhawam Nagar, Marol Maroshi Rd., Andheri East, Bombay-400 059

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registerede under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3/5/1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 18, 4th floor of Bldg. No. 3 Plot No. 16, in Bhawani Nagar, Marol Maroshi Rd., Andheri East, Bombay-400 N059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EE/12279/83-84 on 5-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-1-1985

Scal :

(1) M/s Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis Renu S. Mangar & Surinder Singh Mangar

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGÉ-II BOMBAY

Bombay, the 1st January 1985

Rut. No. AR.II/37EE/12280/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe 'that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 4 on 1st floor of Bldg. No. 4 on Plot No. 13, in Bhawani Nagai at Maiol Maroshi Road, Andheri East,

Bombay-59.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registerede under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 5/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4 on 1st floor of Bldg. No. 4 on Plot No. 13, in Bhawani Nagai at Marol Maroshi Road, Andheri East, Bombay-59.

The igreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12280/83-84 on 5-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Agt, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 1/1/1985

Soal:

FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sved Munawar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12284,—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 404 on 4th floor of Building No. 6 forming part of S. No. 41 of village Oshivara, Behind Behram Baug,

Jogeshwari (West), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registerede under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5/5/1984

for an apartment consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404 on 4th floor of Building No. 6 forming part of S. No. 41 of village Oshivara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Auhtority, Bombay under No. AR.II/37EE/12284/83-84 on 5-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 10/1/1985

Scal:

(1) Smt. Aminabai G. Ramodiya

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sharifabai Mohamed Patel

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12355 .-- Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have leason to believe that the immovable property having a fair market value exceding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 302, Sunny Side 'B' S. No. 41 (part) Four Bung-

lows, Cshivara, Versova, Andheri(W), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5/5, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in rement of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the ing persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 302. Sunny Side 'B' S. No. 41 (part) Four Bunglows, Oshivara, Versova, Andheri(W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12355/83-84 on 5-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 11/1/1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kanchwala Shabbir II. Adam Ali

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.11/37EE/12289/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 302, 3rd floor of Bldg. No. 12 forming part of S. No. 41 of Village Oshivara (West), Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registerede under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the seduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor of Bldg. No. 12 forming part of S. No. 41 of Village Oshivara (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Auhtority, Bombay under No. AR.II/37EE/12289/83-84 on 5-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 10/1/1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Shaikh Sainab Bi Abdul Lateef

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12303/83-84.—Whereas, L. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 502 5th floor of Bldg. No. 6 forming part of S. No. 41 of village Cshivara. Jogeshwari (West), Bombay-58. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or 7 1 1 1 mg 3
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the andersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502 5th floor of Bldg. No. 6 forming part of S. No. 41 of village Oshivara, Jogeshwari (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12303/83-84 on 5-5-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

131—466 GI[84]

Date: 10-1-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Noor Mohammed Abubakar Qazi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Rcf. No. AR.JI/37EF/12304/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Flat No. 301 on 3rd floor of Bldg. No. 2 forming Part of Survey No. 41 Village Oshivara, Jogeshwari (West), Bom-

bay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registerede under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 5/5/1984 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 α' 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269O of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301 on 3rd floor of Bldg. No. 2 forming Part of Survey No. 41 Village Oshivara, Jogeshwari (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12304/83-84 on 5-5-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 10/1/1985

7711

FORM ITNS--

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Syed Riyasat Ali

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12313/83-84,—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-Flat No. 601 6th floor of Bldg. No. 4 forming part of survey No. 41 of Oshivara Village, behind Behram Baug Jogeshwari (West). Bombay-400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 5/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as storesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601 6th floor of Bldg. No. 4 forming part of survey No. 41 of Oshivara Village, behind Behram Baug Jogeshwari (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12313/83-84 on 5-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 10/1/1985

Scal:

FORM TINS

(1) Mr. Zlauddin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Abdul Kader Hafiz Ismail Surti

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12315/83-84.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Flat No. 602 6th floor of Bldg. No. 4, S. No. 41 of Oshivara Village behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-

400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registerede under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7/5/1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602 on 6th floor of Bldg. No. 4, forming Part of Survey No. 41 of Oshivara village behind Behram Baug, Jogeshwari (Weat), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12315/83-84 on 7-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10/1/1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sayeed Ahmed Muslim Khan

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Pef. No. AR.II/37EE/12325/83-84.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 102, 1st floor, Bldg. No. 4 S. No. 41 of village Oshiyara, Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Rombay on 5/5/1084 Bombay on 5/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen yer cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

(b) by any other person interested in the said immovable

property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-acction (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely :--

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor, Bldg. No. 4 S. No. 41 of 'village Oshivara, Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authorty, Bombay under No. AR.II/37EE/12325/83-84 on 5-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10/1/1985

FORM ITNS----

(1) Siauddin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Karim Khan Ayub Khan

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

▼ Ref. No. AR.II/37EE/12334/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 101, 4th floor, Bidg No. 2, S. No. 41, of village Oshivara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-

400 058.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as egreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 4th floor, Bldg No. 2, S. No. 41, of village Oshivara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12334/83-84 on 5-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10/1/1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR. II/37EE/12339/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereisafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable opporty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flat No. 703 7th floor of Bldg. No. 6 forming part of village Oshiwara, Jogeshwari (W) Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the baid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Ziauddin Bukhari
- (Transferor)
- (2) Sayed Safar Ali Saheb Ali.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. 703 7th floor of Bldg. No. 6 forming part of village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12339/83-84 on 8-5-84.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Date: 10-1-1985

(1) M/s. Tejinder Kaur Gandhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Rajni S. Sakhuja

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(4) M/s. Oshiwara land Develop. Co. (P) Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interster in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-II/37EE/12356.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Plot No. 13/7 of S. No. 41 (pt) Four Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publica-tion of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that . Chapter.

- (a) inclitating the reduction or avalon of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 403 on the 4th floor in the building Belscot at

Plot No. 16/7 of S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (West) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR.II/37EE/12356 on 11-5-84.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following portons, namely :--

Date . 11-1-1985

Scal:

(1) Vaithára Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Shoba Umesh Shriyan

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERMNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 1st January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12360/83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Flat No. 22, Building No. 1 at Ambivali Village Andheri on plot bearing S. No. 397. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-5-1984. at Bombay on 11-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income wrising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by t ehransferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by te issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— 132—466 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22, Building No. 1 at Ambivali Village Andheri on plot bearing S. No. 397. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR.It/37EE/12360/83-84 on

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay Bombay.

Date: 1-1-1985

FORM ITNS----

(1) Sanjeev Builders Pyt Ltd

(2) Mr. Roy C. Correa

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR, II/37FE/12364/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and hearing

Rs. 25,000/- and bearing Flat No. T4, 61. Sanjeev Towers Behram Baug, Oshiwara Village Andheri-Versova, Bombay.

tand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269/18 of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ex 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given un that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. T4, 61. Sanjeev Towers Behram Baug, Oshiwara Village Andheri-Versova, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12364/83-84 on 11-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition 'Range-II
Bombay.

Date: 11-1-1985

Scal ;

PART III-SEC. 11

FORM ITMS----

(1) Sanjeev Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Authant Enterprises.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12366/83-84.--Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 81, 82, 83, 84 on Tower-4. Sanjeev Towers,
Behram Baug, Oshiwara Village, Andhen-Versova.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expues later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date or publication of this notice in the Official the Gezette.

Explanation:—The terms and expressions used beign as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 81, 82, 83, 84 on Tower-4, Sanjeev Towers, Behram Baug, Oshiwara Village, Andheri-Versova,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR.II/37EE/12366/83-84 on 11-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection, (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-1-1985

Scal:

(1) Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Shafeeq A. Shaikh.

(Transferco)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Rtf. No. AR.II/37EE/12380/83-84.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 503, 5th floor A1 Marwa Bldg No. 4, forming
part of S. No. 41 of village Oshivara, behind Behram Baug,
Jogeshwari (West), Bombay-400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitoin of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 503, 5th floor A1 Marwa Bldg No. 4, forming part of S. No. 41 of village Oshivara, behind. Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12380/83-84 on 11-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Bombay.

Date: 10-1-1985

Seal 4

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IJ BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12390.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

d bearing No. Unit No. 7, 12-A, 1st floor, Sheffield Towers, Plot No. 354 of S. No. 41(Pt), four Bunglows, Versova, Andheri (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 11-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Hasmukh D. Sheth Karta of H. D. Sheth HUF & Ors.

(Transferor)

(2) Mr. Pranav Gunithlal Shah. Mr. Rajiv Gunithal Shah.

(Transferee)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aca, shall have the same meaning as given in the. Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 7, 12-A, 1st floor, Sheffield Towers, Plot No. 354 of S. No. 41(Pt), four Bunglows, Versova, Andheri (West) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR.II/37EE/2390/83-84 on 1-5-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 11-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12404/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Unit No. 1 of 12-A Ground floor, Sheffled Towers, Plot No. 354, S No. 41(Pt) Four Bunglows, Oshiwara, Versova, Andheri (W).

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Hasmukh D. Sheth, Mecna H. Sheth, Trustees of H. D. Sheth Family Trust & Ors.

(Transferor)

(2) Sb. Sohim Guvanthal Shah Gunvanthlal K. Shah.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) oy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 1 of 12-A Ground floor, Sheffield Towers, Plot No. 354, S. No. 41 (Pt) Four Bunglows, Oshiwara, Versova, Antheri

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARII/37EE/12404/83-84 on 11/5/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Date: 11-1-1985

(1) Mrs. Lata Srichand Lalwani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Harish Pariani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGEJI
BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE 12405.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

transfer with the object of :--

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 1906-B Buston Towers at plot No. 356 of S. No.

Flat No. 1906-B Brigton Towers at plot No. 356 of S. No. 41 (Part) 4 Bunglows, Versova, Andheri (W) Bombay-54, (and more fully described in the schedule annexed heroto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-lax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

(4) Oshiwara land development Co. op. Ltd.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1906-B, Brigton Towers at plot No. 356 of S. No. 41 (Part) 4 Bunglow, Versova, Andheri (W) Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR.II/37EE/12405/83-84 on 11-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-1-1985

(1) Sh. Alisha H. Ramodiya,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohsm Mohamed Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12406.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 301 on the 3rd floor Sunny Side 'B' Plot No. 33
of S. No. 41 (Pt) Four Bunglows, Versova, Andheri (W),
Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301 on the 3rd floor Sunny Side 'B' Plot No. 33 of S. No. 41 (Pt) Four Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No AR.II/37FE/12406/83-84 on 11-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Rombay.

Date: 11-1-1985

(1) Dholakia & Dayal Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ramesh V. Shotty.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12411/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and hearing

Flat No. 106, 1st floor, Building No. C-27/28, Yamuna Nagar, Oshiwara Village, Andheri (West) Bombay-400 058, tand more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

the Competent Authority at Bombay on 11-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

133—466 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein aw are defined in Chapter XXA of the said Act.

shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 106, 1st oor, Building No. C-27, 28, Yamuna Nagar, Oshiwara Village, Andheri (West) Bombay-400 058. The agreement has been registered by the Competent Anthority, Bombay, under No. AR.II/37EE/12411/83-84 on 11/5/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tan
Acquisition Range-Il
Bombay.

Date: 11-1-1985

Scal:

(1) Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Khan Ahmed Nanneh Khan

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.11/37EE/12412/83-84.--Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 602, on 6th floor of building 5 forming part of S. No. 41 of village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602, on 6th floor of building 5 forming part of S. No. 41 of village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR.II/37EE/12412/83-84 on 11/5/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissional of Income-Tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 10-1-1985

FORM I.T.N.S .-

(1) Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Siratunnisa A. Latif Bagdadi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12415/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 501, on 5th floor of Bldg. No. 2, forming part of S. No. 41 of village Oshiwari (West), Bombay-400 058. (and more fully described in the schedule namezed hereta).

Flat No. 301, on 5th floor of Bldg. No. 2, forming part of S. No. 41 of village Osniwari (West), Bombay-400 058. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-lax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, on 5th floor of Bldg, No. 2, forming part of S. No. 41 of village Oshiwara, behind Bheram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR.II/37EE/12415/83-84 on 11-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1985

Scal:

(1) Ziauddin Bukharı.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rafikulla Mohd, Raza.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12958/83-84,-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,0001and bearing

Flat No. 603, 6th floor of Bldg No. 6 forming part of S. No. 41 of Village Oshiwara Behing Behram Baug, Jogeshwari West, Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as egreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) 'acilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to be the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 603, 6th floor of Bldg No. 6 forming part of S. No. 41 of Village Oshiwara Behind Behram Baug, Jogeshwari West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II/37EE/12958/83-84 on 5-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 10-1-1985

Scal ?

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Suheem Ahmed Nomani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12959/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 401 on 4th floor of Bldg. No. 3 forming part of S. No. 41 of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogesh-

wari (West), Bombay-400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the aurecment is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5/5/1984

at Bohnbay on 3/3/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401 on 4th floor of Bldg. No. 3 forming part of Survey No. 41 of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay underNo . AR.II/37EE/12959/83-84 on 5-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1985.

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Mr. Ziaudgin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/13353/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 204, 2nd floor, Bldg. No. 6 forming part of S. No. 41 of village Oshivara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay 400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bomu y on 5/5/1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or exasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any menoys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shaikh Mohamad Yusuf.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the suid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the aid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd floor, Bldg. No. 6 Forming part of S. No. 41 of village Oshivara, behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EE/13353/83-84 on 5/5/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 10/1/1985

Seal ;

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shafique Ahmed.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGF-I, **BOMBAY**

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.II/37FE/17329/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Iucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25.000/- and bearing Flat No. 603 on 6th floor of Bldg. No. 3 forming part of S. No. 41 of village Oshiwara behind Behram Baug, Jogesh-wari West, Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official structure or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 603 on 6th floor of Bldg. No. 3 forming part of S. No. 41 of village Oshivara, behind Behiam Baug, Jogeshwari (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.II/37EE/17239/83-84 Authority, B on 5/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II,

Date: 10/1/1985

FORM I.T.N.S.

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nadeed Ahmed Khan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.II/37EE/17331/83-84.—Whereas, J. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.

25,000/- and bearing
Flat No. 403 on 4th floor of Bldg, No. 3 forming Part of
S. No. 41 of village Osniwara behind Behram Baug, Jogeshwari West, Bombay-+00 058

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5/5/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 403 on 4th floor of Building No. 3 forming part of S. No. 41 of village Oshivara, behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.Π/37EE/17331/83-84 on 5/5/1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 10/1/1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhati

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shaikh Abdul Samad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.II/37EF/17332/83-84.—Whereas, I, LAXMAN, DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. 401 on 4th floor of Building No. 1 forming part of S. No. 41 of village Oshiwara behind Behram Baug, Jogeshwari West, Bombay-400 058

wari West, Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5/5/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(1), facilitating the concealment of any income or any moneys or other ascets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 401, on 4th floor of Building No. 1 forming part of S. No. 41 of village Oshiwata behind Behram Baug, Jogeshwari West, Bombay-400 058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/17332/83-84 on 5/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons namely :---134 466 GI|84

Date: 10/1/1985

FORM I.T.N.S.----

(1) Mr. Ziauddin Bukhan

(Transferos)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Mehrunnisa Abdus Salim.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.II/37FE/17333/83-84.—Whereas, I. I.AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Flat No. 703 on 7th floor of Eldg. No. 4 forming part of

S. No. 41 of village Oshivara, behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-400 058.

persons. namely :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 7-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenlth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

LAXMAN DAS Competent Authority

Date: 10/1/1985

Authority, Be on 7/5/1984.

Scal:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 703 on 7th floor of building No. 4 forming part of S. No. 41 of village Oshivara, behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-400 058. The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.II/37EE/17333/83-84

> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, **Bombay**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, COCHIN

Cochin, the 16th January 1985

Ref. No. L.C. 705/84-85.--Whereas, I, B. RAVIBALAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule at Mavelikkara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Mavelikkara on 10-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transler as agreed to between the parties has not been analy stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely :--

(1) Sri Ommen Ninan. Vaniamparambil House, Kandiyoor, Mavelikkara, Thattarambalam.

(Transferor)

(2) Shri Kochaipe (deceased)
Mamoottil Peratheril House,
Manakkad, Mavelikkara L/heirs Manakkad, Mavelikkara L/heirs
Smt. Sosamma (wife),
S/s. M. K. Vaighese, M. K. Mathew, M. K.
Alex, M. K. Thomas, M. K. John, M. K. Jacob,
M. K. Cherian (Sons of the deceased),
S/Smt. Saramma, M. K. Lilly Varghese, M. K.
Aney Thomas, M. K. Mary Thomas (daughters
of the deceased). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

13 cents of land in Sy. No. 18/1 of Mavelikkara Village registered in SRO, Mavelikkara, vide Doc. No. 1410 dated 10-5-1984.

> B. RAVIBALAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ernakulam

Date: 16-1-1985

Scal:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

ENGINEERING SERVICE EXAMINATION, 1985

New Delhi, the 23rd February 1985

No. F.2/15/84-EIB.—A combined competitive examination for recruitment to the Services posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AGARTALA, AHMEDABAD, AIZAWL, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, LISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, IMPHAL, ITANAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GAO), PATNA, PORTBLAIR, RAIPUR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR, TIRUPATI, TRIVANDRUM, UDAIPUR AND VISAKHAPATNAM commencing on 11th August, 1985 in accordance with the Rules published by the Ministry of Railways (Railway Board) in the Gazette of India dated 23rd February, 1985.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARELIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure I, para 11).

2. Recruitment on the results of this examination will be made to the Services/posts under the following categories:-

Category I- Civil Engineering

Category II--Mechanical Engineering

Category III--Electrical Engineering

Category IV-Electronics and Tolecommunication Engineering.

The approximate number of vacancies in the various Services/posts under each Category are given below:-

Category I-CIVIL. ENGINEERING

Group A-Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Engineers.
- (ii) Indian Railway Stores Ser-(Civil Engineering vice Posts).
- (iii) Central Engineering Service 10 (includes 2 vacancles reserved for S. C. and I for S. T. candidates.)
- (iv) Military Engineer Services (Building and Roads Cadre)

(includes cancies reserved for S. C. and 4 reserved for S. T. candidates) for

(v) Military Engineer Service (Surveyor of works Cadre) 38 (includes 6 vacancies reserved for Scheduled Caste and 3 for Scheduled Tribe candidates)

- (vi) Central Water Engineering Service (Civil Engineering post).
- (includes vacancies reserved for SC and 2 for ST candidates.
- (vii) Central Engineering Service (Roads).
- ٠5 (includes 1 vacancy roserved for S. C candidates)

for

S. T

- (viii) Assistant Executive Engineer (Civil) (P. & T Civil Engineering Wing).
- (includes 1 vacancy (ix) Indian Ordnance Factories 3 Service (Engineering Branch) reserved Civil Engineering Posts. Candidates).

Group B-Services/Posts

(x) Assistant Engineer (Civil) in the Civil Construction Wing of All India Radio.

Category II--MECHANICAL ENGINEERING

(Group A-Services/Posts)

- (i) Indian Railway Service of Mechanical Engineer.
- (ii) Indlan Railway Stores Ser-(Mechanical Engineering Posts)
- (iii) Central Water Engineering Service (Mechanical Englneering Posts).
- (iv) Central Power Engineering 5 (includes 1 vacancy Service (Mechanical Engineoring Posts).
 - reserved for SC and 1 for ST Candidates)
- (v) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) reserved **Engineering** (Mechanical Posts).
- 24 (includes 4 vacancies for S.C. and 1 reserved for. S.T. candidates).
- (vi) Indian Naval Armament Service (Mechanical Engineering Posts).
- 4 (includes 1 vacancy reserved for S. C. and 1 for S. T. candidates).
- (vii) Assistant Manager (Factories) (P & T Telecom. Fac- reserved for S. C. and tories Organisation).
 - 7 (includes 1 vacancy 1 reserved for S. T candidates.)
- (viii) Military Engineer Service (Electrical and Mechanical cadre) (Mechanical Engineer- candidates). ing Posts).
 - 12 (includes 2 vacancles reserved for S. C.
 - (ix) Workshop Officer (Mechanical) in the Corps of EME, Ministry of Defence.
 - (x) Central Electrical and Mechanical Engineering Service (Mechanical Ragineering Posts).

- (x1) Post of Assistant Development Officer (Engineering) m the Directorate General of Technical Development (Mechanical Engineering Posts).
- (xn) Assistant Executive Engi- 18 (includes 3 vacancies neer (Elect & Mech) Mech received for S. C. and anical Engineering Posts Border Roads Engineering Service, Group A
 - 2 for S. T. candidates)

1

2 (includes 1 vacancy reserved 7 for S T

8 (includes 1 vacancy

reserved for S C and

4 (includes 1 vectory

reserved forS C, and

1 for S T candidates)

ST candidates)

I for ST candidates).

condidates)

(xiii) Indian Inspection Service Group 'A' (Mechanical Lings Posts)

Group B-Services/Posts

(xiv) Workshop Officer (Mechanical Engineering posts) in the Corps of EME, Ministry of Defence

Category III--ELECTRICAL ENGINEERING

Group A -Services/Posts

- (1) Indian Railway Service of Electrical Engineers
- (ii) Indian Railway Stores Service (Electrical Figureering Posts)
- (m) Control Electric il and Mcchanical Engineering Seivice (Electrical Engineering Posts)
- (iv) Indian Ordnanco Factorios Sorvice (Engineering Branch) (Llectrical Engineering Posts)
- (v) Indian Naval Armament Service (Electrical Enginecring Posts)
- (vi) Control Power Engineering 40 (includes 8 vacancies Service (Electrical Engineer- reserved for SC and 4 for ing Posts).
- (vii) Assistant Executive Lngineer (Electrical) (P & T Civil Engineering Wing).
- (vin) Workshop Officer (Electrical) in the Corps of EME, Ministry of Defence
- (ix) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Electrical Engineering Post)
- (x) Indian Inspection Service, Group 'A' (Electrical Engg Posts)
- (x1) Military Engineer Service (Electrical and Mechanical cadie) (Electrical Engineer-Posta)
- 17 (includes 2 vacan cies reserved for SC and l for S T. candidates)

Group B--Services/Posts

- (x11) Assistant Engineer (Electrical) in the Civil Construc-Wing of All India Radio
- (XIII) Workshop Officer (Electrical) in the Corps of EME, Ministry of Defence.

Category IV- ELECTRONICS AND TELECOMMUNI-CATION ENGINEERING

Group- A- Services/Ports

- (1) Indian Railway Service of Signal Engineers
- (11) Indian Railway Stores Service (Telecommunication/ Electronics Engincering Posts)
- (iii) Indian Telecommunication Service.

(iv) Engineer in Wireless Plan-

ning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation, Ministry of Communications.

- (v) Deputy Engineer-in-Charge in Oversons Communications Service
- 11 (includes 2 vacancies reserved for Scheduled Caste and 1 for Scheduled Tribe candidates)
- (vi) Indian Broadcating (Engineers) Service.

15 (mcludes 3 vacancies reserved for S. C. and 1 for S. T. candidates).

(vii) Technical Officer in Civil Aviation Department.

6 (includes 2 yacancies reserved for S. C. and 1 for S. T. candidates).

- (viii) Indian Ordnancee Factories 5 (includes Service (Engineering Brunch) cy reserved for S. C. Engineering candidates). (Electronics posts)
- (ix) Indian Naval Almament Service (Electronics Engincering posts)
 - 12 (includes 2 vac. ncies reserved for S C. candidates)
- (x) Central Power Engineering Service (Telecommunication Engineering Posts)
- 5 (includes 1 vacancy reserved for SC cadidates)
- (x1) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Electronics and Telecommunication Engineering Post).
- (xii) Indian Inspection Service, Croup 'A' (Electionics Fingg Parts)

150**

Group B-Services/Posts

(xiii) Assistant Enginer in Overseas Communications Service.

47 (includes 7 vacancies reserved for Scheduled Caste and 3 for Scheduled Tribe candidates)

(xiv) Technical Assistant (Group B Non-Gazetted) in Overseas Communication Service. 18 (includes 3 vacancies reserved for Scheduled Caste and 2 for Scheduled

duled Tribe candidates)

Ý

The vacancies shown against Indian Ordnance Factories Service (Civil, Mechanical, Electrical and Electronics) and Indian Broadcasting (Engineers) Service are Permanent.

The vacancies shown against all other Services and posts are temporary.

The above numbers are liable to alteration.

*Vacancies not intimated by Government.

**The number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates, if any, will be determined by Government,

NOTE: - Recruitment to the Services / posts, mentioned above will be made on the basis of the schemes(s) of examination prescribed in Appendix I to the Rules,

- 3. A candidate may apply for admission to the examination in respect of all or any of the Services/posts mentioned in para 2 above. If a candidate wishes to be admitted for more than one category of Services/posts he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in para 6 of Notice once only and will not be required to pay separate fee for each category of Services/posts for which he applies.
- N.B. 1.—Candidates are required to specify clearly in their applications the Services/posts for which they wish to be considered in the order of preference. They are advised to indicate as many preferences as they wish to so that having regard to their ranks in the order of merit, due consideration can be given to their preferences when making appoint-1 1 4201 1 ments.
- N.B. 2.—NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE PREFERENCES INDICATED BY A CANDIDATE IN RESPECT OF SERVICES/POSTS, COVERED BY THE CATEGORY OR CATEGORIES OF SERVICES/POSTS VIZ. CIVIL ENGINEERING, MECHANICAL ENGINEERING, ELECTRICAL ENGINEERING AND ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING (CF. PREAMBLE TO THE RULES) FOR WHICH HE IS COMPETING WOULD BE CONSIDERED UNLESS THE REQUEST FOR SUCH ALTERATION IS RECEIVED IN THE OFFICE OF THE UNION PUBLIC SFRVICE COMMISSION WITHIN 30 DAYS OF THE DATE OF PUBLICATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION IN THE EMPLOYMENT NEWS. NO COMMUNICATION EITHER FROM THE COMMISSION

OR FROM THE MINISTRY OF RAILWAYS WOULD BE SENT TO THE CANDIDATES ASKING THEM TO INDICATE THEIR REVISED PREFERENCES, IF ANY, FOR THE VARIOUS SERVICES/POSTS AFTER THEY HAVE SUBMITTED THEIR APPLICATIONS.

N.B.—Candidates should give their preferences only for the Services and posts for which they are eligible in terms of the Rules and for which they are competing. Preferences given for Services and posts for which they are not eligible and for Services and posts in respect of which they are not admitted to the examination will be ignored. Thus candidates admitted to the examination will be ignored. Inus candidates admitted to the examination under rule 5(b) will be eligible to compete only for the Services/Posts mentioned therein and their preferences for other Services and posts will be ignored. Similarly, preferences of candidates admitted to the examination under the proviso to rule 6 will be considered only for the posts mentioned in the said proviso, and preferences for other Services and roots if any will be ignored. ences for other Services and posts, if any, will be ignored.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Comparticulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 (Rupees two only) which should be remitted to the Sccretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or Currency notes will not be accepted in lieuant Money Order/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 (Rupees two only) will in no case be refunded.

Note.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE ENGINEERING SERVICES EXAMINATION, 1985 APPLICATION ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE ENGINEERING SERVICES EXAMINATION, 1985 WILL NOT BE ENTERTAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 22nd April, 1985 (6th May 1985 in the case of candidates tesiding in Assam, Mcghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of I&K State, Lahaul & Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar, Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 22nd April, 1985 and whose applications are received by post from one of and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application receiverd after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalava, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State Lahaul & Spiti district and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizolam, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ludakir Division of J&K State, Lahaul & Spitt district and Pangi Sub-Division of Chamba District at Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 22nd April, 1985.

- NOTE (i):—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.
- Note. (ii):—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.
- 6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form, a fee of Rs. 80.00 (Rupees eighty only) [Rs. 20.00 (Rupees twenty only) in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes] through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad as the case may be for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipts with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WITH ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW.

- 7. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India or on after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, or is a bona fide displaced person from crstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973, and is not in a position to pay the prescribed fee.
- 8. A refund of Rs. 54.00 (Rupees fifty four only) [Rs. 14.00 (Rupees fourteen only) in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes] will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note 1 below rule 6 is rejected on receipt information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the

requirements of the provisions of the aforesaid Note he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid the Commission will be entertained, except as provided above and in para 9 below nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

- 9. If any candidate who took the Engineering Services Examination held in 1984 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1984 Examination, his candidature for the 1985 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him provided that, the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's Office within 30 days from the date of publication of the final result of 1984 examination in the Employment News.
- 10. No REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.
- 11. The question papers in General Ability Test and two papers each in Civil Engineering, Mechnical Engineering Electrical Engineering and Electronics and Telecommunication Engineering as included in the scheme of examination at Appendix I to the Rules, will consist of objective type questions. For details pertaining to objective type Test, including sample questions, reference may be made to Candidates Information Manual at Annexure II:

M. BALAKRISHNAN
Deputy Secretary
Union Public Service Commission

ANNEXURE I

INSTRUCTION TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires

a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission be registered post giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 11th July 1985 will not be entertained under any circumstances.

2. The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball-point pen. An application which is incomplete or is wrongly filled in, will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form, he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates, whether already in Government Service or in Government-owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late the application even if submitted to the employer before the closing date will not be considered.

Persons already in Government service whether in permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily-rated employees or those serving under public Enterprises are, however required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their applications shall be rejected/candidature shall be cancelled.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:—
 - (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificates in support of claim for fee remission. (See para 6 and 7 of Notice and para 6 below).
 - (ii) Attested/certified copy of Certificate of age.
 - (iii) Attested/certified copy of Certificate of Educational Qualification.
 - (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph of the candidate duly signed on the front side.

One copy of the photograph should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

- (v) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms. \times 27.5 cms.
- (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Schedule Tribe where applicable (See para 4 below).
- (vii) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession, where applicable (See para 5 below).
- (viii) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled.
- Note (i) CANDIDATES ARE REQUESTED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED AT ITEMS (ii), (iii), (vi) and (vii) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMP NATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF DECEMBER 1985. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF INTERVIEW THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Note. (ii) Candidates are further required to sign the attested/certified copies of all the certificates sent alongwith application form and also to put the

Details of the document mentioned in item (i) to (iv) are given below and of those in items (vi) and (vii) are given in paras 4, 5 and in para 6:—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee:-

Each Postal Order should invariably be crossed and com-

"Pay to the Secretary Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office".

٦

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India Main Branch, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or multilated Bank Draft will also not be accepted.

Note:—Candidates should write their names and addresses on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the names and addresses should be written by the candidates on the reverse of the Postal Order at the space provided for the purpose.

(ii) Certificate of Age :-

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher idary Examination, showing the date of his birth or his age as recorded in the Admission Register of the

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

NOTE 1:—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMP-LETED SECONDARY SCHOOL CERTIFI-CATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTES-TED/CERTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

NOTE 2 :—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY
THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN
THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR
AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE
DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION
WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST
FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED
OR GRANTED.

NOTE 3:—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR, AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(ili) Certificate of Education Qualification.—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

In case a candidate is not in possession of the degree prescribed in Rule 6 at the time of submitting his application to the Commission, he should submit a copy of a certificate from the Principal/Registrar/Dean of the College/University concerned certifying that he has passed the qualifying examination and complied with all requirements necessary for the award of the degree in the form prescribed in para I of the form of certificate given under Note 1 below.

Note 1:—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination in the form prescribed below, as soon as possible and in any case not later than 31st October 1985.

*Strike out whichever is not applicable.

Note 2,-A candidate sceking admission to the examination with the qualification mentioned in proviso to Rule 6, must submit an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Dean of the College/Institution/University concerned showing that he has passed/taken the M.Sc. degree examination or its equivalent with one of the special subjects mentioned therein.

- (iv) Photograph,-A Candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm × 7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance-sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.
- N. B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii) 3(iii), 3(iv), 3(vi) and 3(vii) above without a reasonable explanation for its absence having been given the application will be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.
- 4, A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below, from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer as indicated below of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State

Government concerned as competent to issue such a certificate. If both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to post under the Government of India

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari*	
son/daughter* of	
village/town* in District/Division*	
of the State/Union Territory* ———— belongs	
Caste/Tribe* which is recognised as a	Sche-
duled Caste/ Scheduled Tribe* under :	
	2/427

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950@ the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950@ the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951@ the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951@

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Area (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976).

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956@

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976@

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962@

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Schedule Tribes

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order,

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order,

_ _ _

the Constitution (Goa, Daman and Dieu) Schedule Castes Order, 1968@

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Trib s Order, 1968@

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970@ the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978,6 the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978

% 2	Applica	able	in	the	CRSC	of	Schedule	d Cast	es, Sc	heduled
,	Tribes	per	ODA	w l	ao ha	ive	migrated	from	one	State/
	Union	Теп	ritor	y A	dmin	ú et r	ation.			

This certificate is issued on the basis of the Scheduled/ Caste/Scheduled Tribe certificate issued to Shri/Shrimati-..... Father/mother of Shri/Shrimati/ Kumari* of Village/town*..... of the State/Union Territory* who belong to the caste/tribe which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe' in the State/Union Territory* issued by the dated %3. Shri/Shrimati/Kumari* and/or* his/her* family ordinarily reside(s) in village/town* of District/Division* of the State/Union Terristory* of **Designation (with seal of office) Place State/Union Territory* Date *Please delete the words which are not applicable @Please quote Specific Presidential order.

% Delete the Paragraph Which is not applicable.

Note -The term "ordinatily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**List of authorities empowered to usue Caste/Tribe cortificates :

(i) Dustriet Magistrate/ Additional District Magistrate/ Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendlary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/ Extra Assistant Commissioner.

t(Not below the rank of 1st Class stipendlary Magistrate).

- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officers of the area where the candidate and/or his family normally resides:
- (v) Administrator/Socretary to Administrator/Development Officer, 'Lakshadweep',
- 5. (i) A Government Servant claiming age concession der rule 5(b) should submit a certificate in Original from the Head of the Department/Office in the following form:

The form of certificate to be produced by the candidate

Certified that

*(i) Shri/Shrimati/Kumari hold permanent post of in the Office/Department with effect from	
*(ii) Shri/Shrimati/Kumari — has continuously in temporary service on a regular basis us the Central Government in the post of — in with effect from — .	ınder
*Strike out whichever is not applicable.	
Signature	
Designation	
Ministry/Office	
Office st	amp
Date	

- (ii) A displaced person from erstwhile East Pakistan (new Bangladesh) claiming age concession under Rule 5(c)(ii) or 5(c) (iii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice, should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971:—
 - (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaraya Project or of Relief Camps in various States;
 - (2) District Magistrate of the Areas in which he enev. for the time being be resident;
 - (3) Additional District Magistrates in charge of Refusee Rehabilitation in their respective districts;
 - (4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge:
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta
- (ili) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 5(c) (lv) or 5(c) (v) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice, should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
- (iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(c) (vi) or 5(c) (vii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice, should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show

<i>1</i> 744	THE GAZETTE OF INDIA, FEBRUARY	23, 1985 (PHALGUNA 4, 1906) [PART III—SEC. 1			
after 1st Jui ficate from	n Indian citizen who migrated to India on or no, 1963 or an attested/certified copy of a certithe District Magistrate of the area in which he dent to show that he is a bona fide repatriate	(B) Applicable for Serving Personnel.			
from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.		It is certified that No Rank Name whose date of birth is is serving in the Army/Navq/Air Force from			
claiming ag	adidate disabled while in the Defence Services concession under Rule 5(c)(viii) or 5(c)(ix) luce an attested/certified copy of a certificate in reacribed below from the Director General, Re-	2. He is due for release/retirement w.e.fis likely to complete his assignment of five years by			
settlement	Ministry of Defence to show that he was disabled to Defence Services in operations during hostilities	Station			
with a fore	ign country or in a disturbed area and released quence thereof.	Date			
The form	of certificate to be produced by the candidate:—	Name and Designation of the Competent Authority			
	that Rank No	SEAL			
while in the Defence Services, in operation during hostilities with a foreign country in a disturbed area* and was released as a result of such disability.		Authorities who are competent to issue certificate are as follows:			
Signature		(a) In the case of Commissioned Officers including			
	Designation	ECOs/SSCOs.			
· .	Date	Army—Military Secretary's Branch Army Hqrs.,			
*Strike o	ut whichever is not applicable.	New Delhi.			
ECOs/SSCO 5(c)(xiv) of copy of	pervicement and Commissioned Officers including Os claiming age-concession in terms of Rule or 5(c)(xv) should produce an attested/certified the certificate, as applicable to them, in the form pelow from the authorities concerned.	Navy—Directorate of Personnel, Naval Hqrs., New Delhi.			
(A) <i>App</i>	licable for Released/Retired Personnel.	Air Force—Directorate of Personnel (officers) Air Hars., New Delhi.			
Name ——	ed service from to lavy/Air Force and he fulfils ONE of the follow-	(b) In the case of JCOs ♠Rs and equivalent of the Navy and Air Force.			
		Army—By various Regimental Record Offices.			
ar ot	as rendered five or more years military service and has been released on completion of assignment herwise than by way of dismissal or discharge on count of misconduct or inefficiency.	Navy—BABS, Bombay.			
a: Or	ias been released on account of physical disability tributable to military service or on invalidment	Air Force—Air Force Records (NERW), New Delhi.			
Station					

Date

Name and Designation of the Competent Authority

SEAL

(vil) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 5(c)(x) or 5(c)(xi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a bona fide repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.

(viii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 5(c)(xii) or 5(c)(xili) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.

- (ix) A displaced person from erstwhile West Pakistan chaiming age concession under Rule 5(c)(xvi) or 5(c)(xvii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to Indie during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973:—
 - (1) Camp Commandant of the Transit Centres or of Relief Camps in various States;
 - District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident;
 - (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
 - (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division, in his charge;
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner.
- 6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(ii), (iii), (iv) and 5(ix) above and seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.
- 7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the Examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India, Ministry of Railways/Works and Housing/Defence/Energy/Irrigation/Communication/Supply/Shipping and Transport/Information and Broadcasting/Tourlsm and Civil Aviation.
- 8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy be submitted.

- 9 The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *tpso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.
- 10. Every application including late one received in the Commissioners Office is acknowledged and Application Registration number is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgment of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration number has been issued to the candidate does not, ipso facto mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But, if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. The Union Public Service Commission have byougher out a priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examinations". This publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selections.

This publication as also the copies of pamphlets containing rules and a conventional type question papers of the precenting examinations are on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoll Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001 and (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhavan, New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book Depot, 8 K S. Roy Road, Calcutta-700001. The Manual/pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

- 13. Communications regarding application.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.
 - (i) NAME OF EXAMINATION.
 - (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION

- (III) APPLICATION REGISTRATION NO/ROLL NO OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THEIR APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (IV) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B. (i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO

N.B. (ii) IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER IT WILL BE IGTHE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

14 Change in address—A CANDIDATE MUST Sharman Communications sent to him at 13th address stated in his application are redirected if necessary. Change in address should be communicated to the commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 13 above. Although the commission make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

ANNEXURE II

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

A OBJECTIVE 1881

Lour examination in the papers in Section 1 and start in Engineering discipline (122 Cred Mechanical, Licertest and Electronics & Telecommunication) in Appendix I to the Artica will be what is called an OilleCTIVE TEST. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

B NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOK-LET. The booklet will contain Items bearing numbers 1, 2, 3...etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or it you think there are more than one correct, then the best answer. (See 'sample arms' at the end). In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one your response will be considered wrong.

C METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Responses marked on the TEST booklets or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate) number of items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts' Against each item, rectangular spaces marked a, b, c, d are printed. After you have read each item in the TEST BOOK-LET and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark of the rectangle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangle on the Answer Sheet.

1.CQ1	c d o		cab
3000		(C)	c ප් ට
3.00000	(b E)	: C	۲ φ
4ca3	d 5		cdo

IT IS IMPORTANT THAT

- You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- To change a wrong marking, erase it completely and re-mark the new choice. For this purpose, you must hring along with you an eraser also.
- Do not handle your Answer Sheet in such a mannet as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- 2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- 4 After finishing the examination submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisior. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAXABLE THE TEST BOOKLET OUT THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERALLY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.

- 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 1. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a penoil sharpener and a pen containing blue or black ink you are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Rool No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

F. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed Write your Roll Number on the first page of the Test Booklet before opening the Test Booklet. You are not allowed to open the Test Booklet until pour are asked by the Supervisor to do so.

F SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come bact to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your acore will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking,

G CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to re-Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the all. You are NOT allowed to take the TEST Booklet the aswer sheet and the sheet for rough work out of the hation Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

Note -*denotes the correct/best answer-option)

1. (General Studies)

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure
- *(b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressure on the inner and outer walls
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure

2. (English)

(Vocabulary—Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(d) largest so far

3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below

- *(a) Spraying with growth regulators
 - (b) planting wider apart
 - (c) planting in the correct season
 - (d) planting with close spacing

4. (Chemistry)

The anhydride of H₁ VO₄ is

- (a) VO₃
- (b) VO₄
- (o) V₂ O₃
- *(d) V₂ O₅

5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- •(a) wage is less than marginal revenue product.
- (b) both wage and marginal revenue product are equal,
- (c) wage is more than the marginal revenue product.
- (d) wage is equal to marginal physical product.

6 (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permitivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a) 3C
- (b) C
- *(c) C/3
- (d) C/9

7. (Goology)

Plagioclase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- *(b) Labradorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite

8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$$\frac{d^{2}y}{dx^{2}} - \frac{dy}{dx} = 0 \text{ is given by}$$

- (a) y = ax + b
- (b) y ≈ ax
- (c) x = aex + bex
- *(d) y==aex-a

9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperatures 400° K and 300° K. Its efficiency is

- (a) 13/4
- \bullet (b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

10. (Statistics)

The mean of a binomial variate is 5. The variance can be:

- (a) 4^2
- (b) 3
- (c) ∝
- (a) -5

11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- *(b) it is the deltaic part of most of the rivers of Bunna
- (c) it has excellent forest resources
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country.

12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

(a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism

- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion.
- *(c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background.
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an indivdual.

13. (Philosophy)

Identify the atheistic group of philosophical systems in the following:

- (a) Buddhism, Nyāya, Cārvākā Mimāmsa.
- (b) Nyāya, Vaisesika, Jainism and Buddhism, Cārváka
- (c) Advaita, Vedānta, Sāmkhya, Cārvāka Yoga.
- (d) Buddhism, Şāmkhya, Mimāmsā, Cārvāka.

14. (Political Science)

'Functional representation' means

- *(a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation
- (b) pleading the cause of a group or a professional association
- (c) election of representatives in vocational organiza-
- (d) indirect representation through Trade Union.

15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- *(b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning.

16. (Sociology)

Panchayati Raj institutions in India have brought about one of the following:

- *(a) formal representation of women and weaker sections in village government
- (b) untouchability has decreased
- (c) land-ownership has spread to deprived classes
- (d) education has spread to the masses.

Note:—Candidates should note that the above sample items (Questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.